He Gazette of India

पाधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 15]

नई बिस्सी, शनिवार, अप्रैल 12, 1986 (चेत्र 22, 1908)

No. 151

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 12, 1986 (CHAITRA 22, 1908)

इस भाग में भिन्न वृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि सह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Cast to order that it says be filed as a separate compilation)

भाग Ш-खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधींन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा भ्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनाँक 9 जनवरी 1986

सं० ए० 32011, 2/85—प्रणा०—I—संघ लोक सेवा ग्रायोग के ग्रध्यक्ष संघ लोक सेवा ग्रायोग विनियम, 1958 के नियम 7 में निहित शिक्तयों का प्रयोग करते हुए संघ लोक सेवा ग्रायोग के के० स० सेवा के स्थायी ग्रानुभाग ग्रिधिकारी श्री धनीश चन्द्र को 4-1-86 से 24-1-86 तक की ग्रविध के लिए ग्रथ्या ग्रागमी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, के० स० से० के

ग्रेड I में भ्रवर सचिव के पद पर तदर्ध भ्राधार पर त्यानापन्त रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 फरवरी 1986

सं० ए० 19014/1/86-प्रणा० I---राष्ट्रपति द्वारा के० स० सेवा केश्री के० के० शर्मा, को संघ लोक सेवा प्रायोग में उफरवरी, 1986 के पुविह्न से श्रागामी श्रादेणों तक ग्रवर अचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है ।

विनांभ 19 फरवरी 1986

सं० ए०-19014, 8, 83-प्रशा० 1--महानियंत्रक, रक्षा लेखा कार्यालय के पत्र सं० ए० एन० 1,1174, 1, जिह्द III, दिनाँक 11 फरवरी, 1986 के अनुसरण में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर कार्यरत भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारी श्री सुहान बनर्जी को आयोग के कार्यालय से 19-2-1986 (अप०) से इन अनुदेशों के गाथ कार्यभार में मुक्त किया जाता है कि वे लेखा कार्यालय, गन कैरिज फैक्टरी, जबलपुर [लेखा नियंत्रक रागठन (फैक्टरी) क्षाज्यता के अधीन] में संयुक्त लेखा नियंत्रक के पद का कार्यभार संभाल लें।

(13635)

दिनौंक 26 फरवरी 1986

सं० ए० 32013/2/86-प्रशा०-I--सं० ल(० से० ग्रा० (कर्मचारी) विलियम, 1958 के नियम 7 द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के ग्रध्यक्ष में निहित प्रक्रियों के ग्रन्तर्गत वे सं० लो० से० प्रा० के के० प० ये०,के० प० घ्टे० ये० यंत्रर्ग के निम्त-लिखित स्थायी अनभाग अधि हारियों/निजी तिचवों को उनके सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिए श्रयवा श्रामानी श्रादेशों तह, जो भी पहले हो, कें० ग० से० के ग्रेड] में अवर यानिव के पद पर स्थानापन्न का में नदर्श ग्राधार पर लार्य उरने के लिए नियुक्त करते हैं :---

有の नाम सं०

ग्रवधि

1. श्रोधनीश चन्द्र

- 30−1−8 6 में तीन महीने के लिए

श्री एम० सी० खुराता 30-1-86 से -28-2-86 तरु

एम० पी० जैन श्रवर सचिव (क्तामिक प्रशा०) संघ लोक सेवा प्रायोग

केर्न्द्र य अतर्कता भ्रायोग

नई दिल्लो, दिनाँक 19 मार्च 1986

स० 1,2/8 5- प्रणापन--केन्द्रीय सतर्कता आयक्त एनद्-ब्रारा केन्द्रोय पार्वना प्रायोग में स्थायो प्रत्भाग प्रधिकारी, श्री मनोहर लाल को स्रवर शचिव के पद पर तदर्थ रूप से वेतन-मान रू० 1200-1900 में 18 मार्च, 1986 (पूर्वाह्म) से 3 महीने की श्रवधि के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० 1/2/8 5-प्रणानन --केन्द्रीय गतर्कता श्रायुक्त एतद-द्वारा केन्द्रीय सन्तर्कता श्रायोग में स्थायी ग्रवर सचिव श्री कृष्ण लाल मल्होजा को विशेष कार्य प्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में केन्द्रीय अलर्कता श्रायोग (कर्मचारी) नियम 1964 के नियम 9 के अन्तर्गत वेतनमान ७० 1500-60-1800-100-2000 में 18-3-86 (पुर्वाह्म) में 3 महीने की प्रविध के लिए नियुक्त करते हैं।

> म्० के० दीक्षित उप अचिव **कृते** केन्द्रीय अवर्कना प्रायकत

नई दिल्ली, दिनाँक 12 मार्च 1986

सं० 2/2/8 4-प्रशासन --केन्द्रोय संतर्कता आयुक्त एनद्-द्वारा इप भ्रायोग में श्री एम० पी० बंतल, कार्यपालक अभि-यन्ता (विद्युत), केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, को गतिनियुक्ति के क्राबार १२ स्थानानने रूप से सन्तिकी परीक्षक (विद्युत) वेतनमान ६० 1100-50-1600 के अतिरिक्त ६० 200/-

(प्रतिमाह) त्रिकोप वेतन में 10 फर्वर, 1986 पूर्वाह्न श्रगले श्रादेण तक नियुक्त करते हैं।

> मनोहर लाल श्रवर मन्तिव (प्रणासन) कृते केन्द्रीय सतर्कना आयुक्त

कार्मिक और प्रशिक्षण, प्रशासन सुधार लोकशिकायत तथा पेंशन मंत्रालय (कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग) केर्न्द्राय अन्वेषणु इय्रहो

नई किल्ली, विशंक 18 मार्च 1986

सं० सी॰-(/69-प्रणापन-5--राष्ट्राति , श्री सी० महाय, यरिष्ठं लोक श्रभियोजिह, केन्द्रीय श्रन्तेषण ब्युरो को दिलांक 28-2-8 ७ पूर्वाह्म से केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो में उप विधि सलाह-कार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 3,24,85-प्रशा० ५~-प्रत्यावर्तन होने पर, श्री श्रार० एन० वानुदेव, भाषुसेवा (हरियाणा: रा० पू० सेवा) पूलिस अधीक्षक (प्रशिक्षण), के० श्र०ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनाँक 28 फरवरी, 1986 ग्रपराह्न से हरियाणा सरकार को सौर्प: जाती हैं।

सं० 3/14,86-प्रशा० 5- ∸राष्ट्रपति ने गृह मंत्रालय के काँडर के केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रवर मचिव, श्री छी० पी० भल्ला को 10 मार्च, 1986 पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश होने तक केन्द्रीय अन्त्रेपन ब्यूरों में प्रशातन अधि ारो के रूप में नियुक्त किया है।.

सं० 3,16,86-प्रणा न-- 5- -राष्ट्रपति, श्री जसवन्त सिंह लिख् को दिनाँक 29-2~1986 (पूर्वाह्म) से वरिष्ठ लोक श्रभियोगक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त करते हैं। कं० चऋवधीं

> उप-निदेशक (प्रशासन) के० प्र० ब्युरो

नई दिल्ली दिनीहरू 20 मार्च 1986

सं० के०-9/71-प्रशा० 5- - राष्ट्रपति मे श्री: के० एन० शर्मा, वरिष्ठ लोक अभियोगित, कन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो को दिनाँक 26-2-1946 पूर्वाह्म में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी में उप-विधि-मलाहकार के रूप में नियुक्त किया है।

सं० ए०- 19021/4/8 0- प्रका० 5---प्रत्यावर्तन होने पर, श्री एस० के० चटर्जी, भा० पु० सेवा (उड़ीका: 1964) पुलिए उपमहानिरीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, कल क्ला भाषा की मेवाएं दिनाँक 1-3-8 6 से दिनाँ ह 31-3-86 तक 31 दिन की भ्राणित छुट्टी रामाप्त होने पर, पूलिस महानिदेशक, उड़ीपा को ड्यूटो के लिए रिपोर्ट करने के निर्देश के साथ, दिनाँक 28 फरवरी, 198 6 ग्रंगराह्न से उर्द्राग सरकार को सौंपी जाती है।

> धर्गपाल भल्ला प्रणासन प्रधिकारी (रथा०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

गृह मंत्रालय

पुलिस प्रनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली, दिनौंक 18 मार्च 198 6

सं० 3/9/85-प्रणा०1--राष्ट्रपति, र्श्वा के० नरसिद्धा, आई० पी० एप० (ग्राँध प्रदेण) को केन्द्रीय गुज्यचर प्रणिक्षण स्कूल, हैवराबाद में दिनाँक 28 फरवरी, 1986 (अपराह्न) से ग्रमले श्रादेणों तक के लिए प्रिसिपल के पद पर नियुक्त करते हैं।

ए त० के० मिल्लिक महानिदेशक

महातिदेशालय, के० रि० पु० बल नई दिल्ली-110003, दिनाँक 14 मार्च 1986

सं० 2129/86 स्थानता -- राष्ट्रपति जी ने डाक्टर (श्रीमती) बीना सिंह को ग्रस्थाया रूप से ग्रामामी ग्रादेण जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्ब पुलित बल में अंतरल इयूटी श्राफिशर ग्रेड-II डडो० एस० पी० (कम्पनी कमांडर)के पद पर 26 फरवरी 1986 पूर्वीह्न से सहर्ष नियुक्त किया है ।

सं० औ० दो०-2131/86-स्थापना--राष्ट्रपति जी, ने डाक्टर भर्मीर कुमार चक्रवर्ती को श्रस्थायी रूप से श्रागामी श्रादेण जारी होने तम केन्द्रीय रिजर्ब पुलित बल में जनरल ड्यूटी श्राफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी० (कम्पनी कमाँडर) के पद पर 1 मार्च 1986 पूर्वाह्म से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनौंक 18 मार्च 1986

सं० ओ० दो० 1764/82-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने बी०पी० हुजोरिका की श्रस्थायों रूप से स्रागामी स्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिप बल में जनरल ख्यूटी स्राफितर ग्रेड-II (डी० एस० पी०)कम्पनी कमाँडर) के पद पर 4 मार्च 1986 पुत्राह्म से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० स्रो० दो०-2045/85-स्थापना--महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिन बल ने डा० के० सोता रामा राजूको 25-1-86 पूर्वाह्म से 12-2-86 श्राराह्म तक कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० श्रो० दो०-2132/86-स्थापना---राष्ट्रपति जी ने डाक्टर गोपाल भूषण को श्रस्थायी रूप से ग्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल में जनर ल ड्यूटी श्राफिपर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कमांडर) के पद पर 4 मार्च 1986 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० पी० प्रात्-3/85-स्थापता-I--राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्ब पुलि। बल के तिम्तलिखित पहायक कमाँडेंटों को कमाँडेंट के पद पर प्रस्थायों कम में अगले आदेश होते तक पहर्ष पदोन्ति करते हैं।

 इन्होंने उनके नाम ल आगे दर्शाया गयी तारीख से अपना कार्यभार सम्भाल लिया है ।

क०र्स० ग्रधिकारीका नाम

कार्यभार संभावने की तारीख

ा. श्रो एन० एन० मिश्रा

22-8-85

2. श्रीवी०परशुरामन

20~8-85 (अगराह्म)

सं० पी० जात-2/85 स्था० I-- निम्नलिखित उपाधीक्षक जो कि वर्तमान में विविध राज्यों/मंत्रालयों के साथ डेपुटेंशन पर हैं, को के० रि० पु० बन में नहाय के कमौडेंट पद पर 1200-1700/- वेतन मान में दिनौंक 11-10-85 से प्रोक्तामां पदोन्नति दी जाती हैं, अर्थात जिस तार्रख को उनमें से एक सीनियर अधिकारी (श्री उमेश चन्द्र) पेनल में से सहायक कमांडेंट पद का पदोन्नति परान्त के० रि० पु० बल में कार्यभार ग्रहण किया।

क० प्रधिकारी को नाम राज्य,मंत्रालय वरिष्ठला लेंगे सं० जहाँ नियुक्त वित्या

1. सर्वश्री---

1. जी० सी० मिलि

श्रानाम प्ररकार

श्रीसी०जी० एस० हीरा के ऊपर व श्रोपी०पो०कृत्जु

के नोचे

2. एम० देसमनिया त्रिपुरा सरकार

श्रोएम०एम० **ए**० खान के ऊपर व

श्री टी० चन्द्रा-णेखरत के नीचे ।

बलबीर िंह गृह मंत्रालय

श्रो भगवान निह के ऊपर व

श्री गोपाल पिह के नीचे ।

2. यह भारत प्रकारयू० श्रो० नोट संख्या --1117/86-पर्स--II दिनौत 12- 3- 86 द्वारा श्रनुमंदित होने पर गरो किया जाना है ।

दिनाँ ह 19 मार्च 1986

सं० श्रीं देश-1761/82-स्थारता - राष्ट्रपति जी ने डा० (श्रीमती) पी० प्रधान को अस्थायो का से जागामी प्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पृति। बल में जनएक ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डी० एम० पी०, जम्पनी क्याँडर) के पद पर 11 मार्च 1986 पुत्रीह्न से सहर्ष नियुक्त िया है।

सं० ओ० दो०-2133/86/ स्थातता विष्ट्राति जो ने आ० हिमाँशु भेखर तीचारी को ग्रस्थार्य रूप से श्रामाने आदेग जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल इयूटो श्राफितर ग्रेड-II)(डी० एस० पी० कम्पनी कमाण्डर) के पद पर 10 मार्च 1986 पूर्वीह्न से सहर्ष नियुक्त किया है ।

सं० ग्रो० दो०-2134/86-स्थापना--राष्ट्रपति जी ने डा० (कुमारी) कल्पना मिश्रा को ग्रस्थायी कुप से ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल डपूटी ग्राफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कर्मांडर के पद पर दिनांक 11-3-86 पूर्वी हा से सहर्ष नियुक्त किया है।

डी० डी० गुप्ता उप निदेशक (स्थापना)

नई दिल्ली-110003 दिनांक 12 मार्च 1986

सं० भ्रो० दो०-1918/84-स्थापना--के० रि० पु० बल के नियम 43(डी) के भ्रत्तग/त निम्नलिखित श्रिधकारियों में स्वेच्छा पूर्वक सेवानिवृत होने के फलस्वरूप भ्रामे पदों का कार्य-भार दिनाँक 28-2~1986 (श्राराह्म) को त्याग दिया है।

- 1. श्री धानीराम उप-मधीक्षक 85 बाहनी
- 2. श्री महेशानन्द भट्ट उप-श्रधीक्षक 85 वाहनी

एम० स्रणोक राजू महायक निदेशक (स्थापना)

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय

श्रम विभाग

(अमा ब्यूरा)

शिमला-171004, दिनांक 4 अप्रैल 1986

संख्या 5/1/86 सी. पी. आर्ड.—फरवरी, 1986 में भौधोगिक श्रीमकों का अधिक भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जनवरी, 1986 के स्तर 629 से चार अंक बढ़कर 633 (छ: सौ तैंतीस) रहा। फरवरी, 1986 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 769 (सात सौ उनेत्तर) आता है।

जितन्द्र नाथ शर्मा निद्देशक

विस मंत्रालय

(म्राधिक कार्य विभाग)

चलार्थ पत्र मुद्रणालय

नासिक, रोड दिनाँक 18 मार्च 1986

सं० ई० एम० सी०-1-21/26460-- दिमहाप्रबन्धक, चलार्थ पत्न मुद्रणालय इस कार्यालय की दिनाँक 19-9-85 की श्रिधिसूचना क्रमाँक ई० एप्प० सी०-1/21/13011 से श्री सोहनलाल की भन्डार ग्रधिकारी, चलार्थ पत्न मुद्रणालय के रूप में हुई तक्ष्य नियुक्ति को दिनाँक 19 मार्च 1986 से श्रगले छः

महीमें तक अथवा तियमित तियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो घटित हो, बढ़ाने हैं।

> सु०६० **६४**गुंजी महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग

कार्यालय, निदेश ह लेखा परीक्षा वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नर्षु विस्ली, दिनाँक 20 मार्च 1986

सं० -प्रशासन-3/2(1)/1/-III,137--निदेशक लेखा-परीक्षा, वाणिया, निर्माण कार्य एवं विविध, नई दिल्ली जिम्बर-लिखित सहायक लेखागरीक्षा ृ्ष्यिकारियों को उनके नामों के सामने दर्शायों निर्धायों से ६३ए 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अनितन श्राधार पर श्रस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारियों के रूप में पदोन्नत करने का आदेश देते हैं:--

पदोन्नति की तिथि
18-8-84
29-12-84
24.5-85
24-10-85
31-10-85
31-10-85
14-11-85
6-12-85
4-12-85
4-12-85
5-2-86
7-286

म्रार० पी० सिंह उप निवेशक (प्र०)

कार्यालय, महालेखाकार—-I, (लेखा परीक्षा), बिहार, पटना, दिनांक 6 मार्च 1936

सं० प्रणासन -1 (ले० प०)-1-20-5 1611- जहा-लेखाकार (लेखा परीका)-1, बिहार, ५२% िम विकिश अनु-भाग प्रधिकारियों को दिलंग 13-10-35 (पूर्विह्न), ला उद-भार ग्रहण की तिथि है, जो बाद में हो, है पमले पादेश एक करण 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारी ग्रुप 'ख' राजपत्रित के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं :--

ऋ० सं० नामः सर्वेश्री

- 1. श्याम सुन्दर प्रसाद बर्णधाल
- 2. एस० ए५० अबुल हथात शैदा
 - 3. हुर्सु दयाल सिन्हा
 - 4. हरि लाल चर्मी

सं० प्रशासन-1 (ले० प०)- १--२०-इ--1618--मर्-वेश्वाकार (लेबा परीका)-1 बिहार, पटना निम्नोकित अर्माम् बिकारियों को पदमार ग्रहम की विधि से अगले ग्रादेग तक करा 650-30 -740-35-380-द० रो०-40-1040 के वेतसमान में स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा श्रधिकारी ग्रुप 'ख' के पद पर सहर्ष प्रोन्नत करते हैं।----

ऋ०सं० नाम

सर्वश्री

- 1. गिरधारी लाल
- 2. जमुना प्रसाद
- 3. जगदीम प्रसाद, नं० 1
- 4. रबीन्द्र नाथ सन्याल
- 5. महेन्द्र नाथ

जयन्त घटर्जी, उप महालेखाकार (प्रशासन) बिहार, पटना

कार्यालय, महालेखाकार (ले० प०) I, महाराष्ट्र बम्बई400020, दिनांक 6 मार्च 1986

सं ० प्रणासन 1/ने ० प०/सामान्य/ने ० प० प्र०/1(1)/20---महालेखाकार महोदय ने निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारियों को उनके नामों के समक्ष लिखी गई तिथियों से प्रभावी, पुनः भादेण जारी होने तक, लेखा परीक्षा प्रधिकारी पद पर, सहर्ष नियुक्त किया है :----

ऋ०सं० न	ក្ អ	ले० प० धा० पद व	पर नियुक्ति ही तिथि
1. श्री एम	० एल० छडु।	212-19	86 पूर्वीह्न
2. श्री एस	्डी० पतंगे	21-2-19	86 "
3. श्रीडी०	के० काटखेडकर	27-2-19	86 "
4. श्री छार	० ए⊀० <mark>मृलवाग</mark> ल	20-2-19	86 "

सं० प्रणा० 1/ले० प०/सामा/ले० प० अ०/सले० प० अ०/ <math>1/(1)21—महालेखाकार (लेखा परीक्षाः) 1, महाराष्ट्र के निम्न-

लिशि । पविकारी, पश्चिपिया के कारण, तारीख 28-2-1986 प्रपराह्म से, सेवा निवृत्त हुए :---

- 4. श्री डी॰ डी॰ कुलकणी श्रधिकारी
- 5. श्री ভাও एনত बर्बे "

दिनांक 12 मार्च 1986

सं प्रणासन 1/ले॰ प॰/सामान्य/सलेगश्र/2(1)/22 - भार्तेल ब्राक्तार भार्रोदय ने श्री व्ही॰ आर० गोविन्द, श्रनुभाग श्रीवकारी को, दिनांक 30 1-1986 पूर्वाह्म से प्रभावी, पुनः श्रादेश जारो होने तक, सहायक लेखा परोक्षा श्रीवकारी (वर्ग समूह--ब-राजपवित) पद पर, सहर्ष नियुक्त किया है ।

> पी० के० रामचन्द्रन वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशा०

महालेखाकार का कार्यालय (लेखा प्रशिक्षा) 1, उत्तर प्रवेश इलाहबाद, दिनांक 13 मार्च 1986

सर्वेश्री

N 1 11	
 प्रेम गंकर शुक्ला 	21-2-1986
 जंग बहादुर सिंह 	21-2-1986
 मथुरा प्रसाद श्रीवास्तवा 	21-2-1986
4. भगवत प्रसाद दुवे	24-2-1986
	(श्रपराह्न)

सं० महालेखाकार (लेखा परीक्षा) I/प्रणा०/13-7/2882--श्री मूलकार कामला, लेखा परीक्षा, प्रविकारी, कार्या-लय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) I, उत्तर प्रदेश, बलाहाबाद से निवर्ता: की श्रायु प्राप्त कर 23 फरवरी 1986 (श्रपराह्न) को सरकारी सेवा से लिपुत्त हो गए हैं।

> र्बा ० के० चट्टोपाध्याय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

लेबा परीक्षा निदेशक का गरयिका पूरुसैंठ रेखबे

गुषाहाटी 781911, दिनान 18 मार्च 1986

सं० प्रशा०/5- $16/89/35 \overline{v}/11722$ - -र्श्वा बी० के० भट्टाचाज, श्रनुभाग श्रिधकारी को वेतनमान रुपए 650-30 740-35-830-ई० बी०-40-1040 ने दिनाक 12-3-86

से अगले आदेश तक सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है ।

> एन० जी० **म**लक लेखा परीक्षा निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंतक, श्रायात एवं नियंति का कार्यालय नई दिल्ली, दिला 11 मार्च 1986 श्रायात-निर्यात ब्यापार नियंत्रण (स्थापता)

सं० 6/1357/81 प्रशा० (राज०) --- इस कार्यालयं में स्वाधित प्रातात प्रातार पर कार्यरत श्री बीठ एस० मोदर निर्वत क, प्राथात-निर्यात नेवा निर्वृत्ति की प्रायु प्राप्त कार्क पर 28 फरपरी, 1986 के प्रायाह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 6/1473/84 प्रशा० (राज०)—1841—इस कार्यालय के श्री हृदय नाथ, नियंत्रक, श्रायात-निर्वात सेवा निवृत्ति की श्राय प्राप्त देव लेने पर 28 फरवरी 1986 के ग्रपराह्त से संस्कार सेवा से सेवा निवृत्त हो गए हैं।

दिनां 14 मार्च 1986

सं 1/2/86-प्रशा (राज)-1865-राष्ट्रपति, श्री जी वेंकटाचलम, (केन्द्रीय सचिवालय सेवा ग्रेष्ट-1) चयन सूची 1985, नियंत्र के, श्रायात एवं निर्यात को मुख्य नियंत्र के, श्रायात एवं निर्यात को मुख्य नियंत्र के, श्रायात एवं निर्यात के कार्यालय नई दिल्ली में 1-1-86 से 28-2-86 तक दो महीने की अविध के लिए तदर्थ श्राधार पर उप मुख्य नियंत्र के रूप में नियुक्त करते हैं।

संकर चन्द उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात एवं नियति कृते मुख्य नियंत्रक, श्रायात निर्यात

खाद्य ग्रौर नागरिक पूर्ति मंत्रालय (नागरिक पूर्ति विभाग)

वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय नई दिल्ली, दिनां रू 14 मार्च 1986

सं॰ ए-12023/1/84-स्था॰-श्री बी॰ एस॰ अग्रवाल को 26 फनवरी, 1986 (पूर्वाह्न) से वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय, खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में प्रस्थायी नियमित ग्राधार पर 650-30-740-35-810-द० रो॰-35-880-40-1000-द० रो॰-40-1200 रुपए के वेतनमान में निरीक्षक (वनस्पति) के पद पर ग्रगले ग्रादेश तक नियुक्त विया जाता है।

के० एम० साहनी मुख्य निदेशक इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवेंज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016 दिनांक 12 मार्च. 1986

सं० 1658वी/ए-32013) 2-जी॰ एतप / 83-12वीं राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेजन के निर्मालक भ भौतिकीविदों (कनिष्ठ) को भूषीयक प्रवद (करिष्ठ) के प पर उसी विभाग में निष्युव्यनुसार 1150-1600 ए० के वेतनमा क्रियेतन पर-क्यामाच्य समता में ग्रागामी ग्रादेश होने त्र क्रियेतन पर-क्यामाच्य समता में ग्रागामी ग्रादेश होने त्र क्रियेत के सामने दंशांत्री ग्री निथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर के

श्री सी० एस० पाठक 12-12-85 (पूर्वाह्म)
 श्री जे० सी० राय 12-12-85 (पूर्वाह्म)
 श्री बृद्धदेव सरकार 12-12-85 (पूर्वाह्म)

4. श्री एन० सी० बैद्यनाथन 16-12-85 (पूर्वाह्न)

5. श्री एस० जी० गांवकर 16-12-85 (पूर्वाह्न)
6. श्री एम० वेंकटेश्वर राव 16-12-85 (पूर्वाह्न)

6. श्री एम० वेंकटेश्वर राव 16-12-85 (पूर्वाह्न)
 7 श्री एस० पी० शंकरम 16-12-85 (पूर्वाह्न)

8. श्री के ब्री ब्राया वीव राव 16-12-85 (पूर्वाह्न)

दिनांक 17 मार्च 1986

सं 1312डी/ए-19012(3-पी अगर सी)/85-19वी, --भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विरष्ठ तक्ष्मीकी सहायक (रतायन) श्री परमत्र राय चौत्रुरी को सहायक रसायन के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द रो०-35-880-40-1000-द रो०-1200 र के वेतनमान के वेतन पर ग्रस्थायी क्षमता में ग्रागामी ग्रादेश होने तक 21-2-1986 के पूर्वीह से नियुक्स कर रहे हैं।

सं० 1767बी/ए-19012 (3-बीं० एन०)/85-19बी-भारतीय भूतैज्ञानिक तर्बेक्षण के नहानिदेश आरतीय भूतैज्ञानिक
सर्वेक्षण के वरिष्ठ तक्तिकी सहायक (रसायन) श्री बबलू
नस्धर की सहायक रसायनक के रूप में उती विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-88040-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान के वेतन पर
ग्रस्थायी क्षमता में ग्रागामी आदेश होने तक 12-2-86 के
पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 1779बी/ए-32012 (2-रसा० वरि०)/84-19बी-राष्ट्रपतिजी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित रसायनज्ञों (निष्ठ) को रसायनज्ञ (वरिष्ठ) के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 1100-1600 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में ग्रागामी ग्रादेश हो ताः प्रत्येव के सामने दर्शायी गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं:--

क्रुत्मं० नाम	नियुक्ति–तिथि		
1. श्री ण्० के० मन्गदार	30-12-85	(पूर्वाह्म)	
2. 🗫 राम गोपान विजय	3 0 -1 2-85	(पूर्वाह्म)	

सं० 1797बी, ए-19012 (? -ए० के० एल०), 85-1 9नी -- भारतीय भूबेंकानि इ सबक्षण के महास्विष , भारतीय भूबेंकानिक सर्वेक्षण के विष्ठ तत्नीकी सहायः (भूके किकी) श्री ए० के० जाहिड़ी को सहायक भूभौतिकीविद के रूप में उसा विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/ रु० के वेतन-मान के वेतन पर, श्रस्थायी क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 18-11-1985 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनां ह 18 मार्च 1986

मं० 1811बी,ए-19012(3-डी० के० बी०),85-19ए--भारतीय भूवैकाहित रहें इ.ए. के महानिदेशवा, भारतीय भूवैकाहित रहें इ.ए. के महानिदेशवा, भारतीय भूवैकाहित रहें इ.ए. के महानिदेशवा, भारतीय भूवैकाहित रहें इ.ए. के महायवा (रसायन) श्री दिलीप कुमार बंदोपाध्याय को सहायवा रसायनक के रूप में उनी विभाग में नियमानुगार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान के वेतनों पर स्थायी क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 12-2-86 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 1837बी/ए-19012(2-एन० वी० एस० एम०)/
85-19बी--भारतीय भूबैज्ञानिय सर्वेक्षण के महानिदेशक,
भारतीय भूबैज्ञानिय सर्वेक्षण के बरिष्ट तवनीकी सहायक
(भूभौतिकी), श्री एन० वी० सत्यनारायण मूर्ति को सहायक
भूभौतिकीविद के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 65030-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०
40-1200 ए० के० वेतनमान के वेतन पर श्रस्थायी क्षमता
में जानामी आदेण होने तक, 7-11-85 के श्रपराह्म से नियुक्त
कर रहे हैं।

मं० 1866की/ए -19011 (1-टी० के०)/85-19ए-राष्ट्रपति जी, श्री टी० क्यादमन को भूबैज्ञानि क (कनिष्ठ) के पद
पर भारतीय भूबैज्ञानिक मर्बेक्षण में 700-40-900-द० रो०40-1100-50-1300 क० के न्यूनतम वेसनमान में, स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक, 22-1-1986 के पूर्वाह्म से विश्वक्ष ६ र पहें हैं।

सं० 1880वी/ए-19011(1-एस० के० बी०)/52-79/19ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूवैज्ञानिक (क्लिष्ठ) श्री श्री विविद्यास भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (निष्ठ) के पद से निवर्तन पर, 30-9-84 (ग्रपराह्म) से निवृत्त हुए ।

सं० 1889बी/ए-19012 (2-एस० बी० के० शास०)/85/19वी—भारतीय भूवैज्ञानिक एविंसण के रहासिद्धेशन, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के विष्ठ तक्ष्मीकी रहायक (भू-भौतिकी) श्री नुथुलापित बाल कृष्ण राव को रहाय हा पूर्णी विशिव्ह के रूप में उसी विभाग में निगमामुगास 650-30-740-25-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-30-1000 र० के वेतनमान के वेतन पर प्रस्थायी क्षमका में धारामी हादेश होने तक, 7-11-85 के पूर्वाह्म से नियुक्त एक पहें हैं।

मं० 1899बी/ए-19011 (1-एस० के० एस०)/85-19ए-शब्द्रपति जी, श्री संजय कुमार श्रीवास्तव को भूवैज्ञानिक (विनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 क० के न्यूनतम देतनमान में, स्थानापन्न श्रस्थायी क्षमता में श्रागामी हादेण होने तक, 6-1-1986 के पूर्वाह्म में नियुवत पर रहे हैं।

> श्रमित कुणारी निदेशःः (धार्मियः)

कलकत्ता · 700016 दिगाँक 18 मार्च 1986

सं० 18 48 की/ए~ 3 2 0 1 3/1 -- निर्दे ० (भृषि०)/ 84-1 9 ए--- राष्ट्रपति जी भारतीय भूबैज्ञानिक अर्बेक्षण के भूबैज्ञानिक (वरिष्ठ) श्री देवाणीय चटर्जी को निर्देशक के स्था में उसी विभाग में नियमानुकार 1500-60-1800-100-2000 ६० के वेतनमान में, स्थानायन अस्थार्या क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 20-12-35 (पूर्वोह्म) से प्रदोशित पर नियुक्त कर रहे हैं।

> डी॰ पी॰ ढाँडियाल वरिष्ठ उप महानिदेणक (प्रचालन)

भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनाँक 17 सार्च 1986

सं० ए० 1901! (46) 76-प्या० ए -- रास्ट्राति, श्री दी० के० बासू, स्थायी उप खान सियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में क्षेत्रीय खान नियंत्रक के पद पर दिनाँक 17-2-86 ो पूर्तात् से नियमिन च्या से सागामी आदेण तक पदीस्री प्रदान की गयी हैं।

सं० ए-19011(370)85-स्था० ए०-राष्ट्रपति संघ लोक मेवा श्रायोग की जिफारिश पर श्री ए० के० उदेतिया को भारतीय खान ब्यूरो में अहायक खान नियंत्रक के गर पर व्यानायक्ष रूप में दिनाँक 18-12-85 के पूर्वीह्म से श्रारार्भ श्रारंग क्षक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनौंक 18 मार्च 1986

सं॰ ए-19011(389)86-स्था॰ ए.०-ा---विभागीत पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री ए.५० के० पटनाईक. सहायक खान भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरों में स्थानापन्न रूप में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनौंक 7 मार्च, 1986 (पूर्वीह्म) से पदोन्नति प्रदान की गई हैं।

सं० ए० 19011(390) 86-स्था० ए---विभागीय पदो-इति समिति की सिफारिश परश्री एस० एत० मित्रा, सहायक खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनाँक 6 मार्च 1986 (पूर्वाह्म) से पदोन्नति प्रदान की गई है।

> जी० सी० शर्मा सहायक प्रशासन श्रधिकारी कृते महानियंद्रक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनौंक 18 मार्च 1986

सं० 4(106),75-एस-1(खण्ड-2)-श्री डीं० वी० महेण्वरी, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी बम्बर्ड, 28 फरवरी, 1986 (श्रपराह्म) से सरकारी सेवा से स्वैच्छिक तौर पर सेवा निवृत्त हो गए हैं।

> श्राई० एत० भाटिया प्रशासन उपनिदेशक इते महानिदेशक

विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रचार निदेशालय सूचना श्रौर प्रसारण मंत्रालय नई दिल्ली, दिनौंक 5 मार्च 1986

सं० 1012026, 4, 83-स्था०--विशापन और दृष्य प्रचार निदेशक श्री दीप्तेन्दु चौधुरी को इस निदेशालय में 21 फरवरी, 1986 के पूर्वीह्न से, श्रगले श्रादेश जोरी होने तक, सहायक उत्पादन प्रबन्धक (मुद्रण प्रचार) (वेतनमान ६० 650-30-740-35-810-40-1000-६० रो०-40-1200) के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

> बी० एस० सन्धु उप-निदेशक (प्र०) कृते विज्ञापन ग्रौर दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, विनिक 18 मार्च 1986

सं० बी० 21011, 4, 86 -एम० ई० - सेवा निवृत्ति की श्रायु हो जाने के फलस्वरूप लेडी हार्डिंग मेडिकल कालेज एवं श्रीमती सुचेता कृपलानी श्रस्पताल में तवर्ष श्राघार पर नॉमग श्रधीक्षक के पव पर कार्य कर रहीं कु० मेला राम, 31 श्रक्तूबर, 1985 (श्रपराह्म) को सेवा निवृत्त हो गई है।

पी० के० घई उपनिदेशक, प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

्रिष ग्रौर ग्रामीण विकास मंत्रालय (कृषि ग्रौर सहकारिता विभाग) विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1986

मि० सं० 2-7/85-स्थापना-I--श्री एस० एल० धीर को, जिन्हें इस निदेशालय की इसी संख्या की अधिसूचना दिनोंक 16-10-85 के द्वारा सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर स्थानापन रूप से तदर्थ आधार पर निस्कृत किया गया था 28-2-1986 के अपसूच्या से उनके अधीक्षक (ग्रेड--I) वे नियमित पद स्थानापत किया जाता है।

मि० सं० 2-7₁85-स्थापना-I-श्री के० एल० शर्मा के जिन्हें इस निदेशालय की इसी संख्या की श्रिधसूचना दिनांक 16-10-1985 के द्वारा स्थानापन्न रूप से श्रधीक्षक (ग्रेड-I) के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया गया था, 28 फरवरी 1986 के श्रपराह्म से उनके श्रधीक्षक (ग्रेड-II) के नियमित पद पर प्रत्यावित्त किया जाता है।

मि० सं० 2-7/85-स्था०-I--श्री पी० बी० दस्ता को, जिन्हें इस निदेशालय की इसी संख्या की ग्राधिसूचना दिनौंक 16-10-1985 के द्वारा स्थानापन्न रूप से सहायक प्रदर्शनी ग्राधिकारी (दृश्य) के पद पर तक्ष्ये ग्राधार पर नियुक्त किया गया था, 28 फरवरी 1986 के ग्रापराम्न से उनके कलाकार (वरिष्ठ) के नियमित पद पर प्रत्यावर्तित किया जाता है।

ग्रार० जी० बनर्जी निवेशक (प्रशासन)

भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र बम्बई-400085, दिनांक 3 फरवरी 1986

सं० पी० ए०/81(6)/85-ग्रार०-4:—-नियंसक, भाभा परमाणु श्रनुसंघान केन्द्र के निम्नलिखित अधिवारियों को वैज्ञानिक श्रिधवारी इंजीनियर ग्रेड एस० बी० पव पर इसी श्रनुसंधान केन्द्र में विनांक श्रगस्स 1, 1985 (पूर्वाल्ल) से श्रियम श्रादेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त बारते हैं.

क्षांवः	नाम	वर्तमान पट
1	2	3
1. श्री ए	ल० बी० सुब्बा	फोरमन/ए
2. श्रीए	स० एन० दास	ड्रामने/सी
3. श्री पं	ो० गंगोपा ध्याय	एस ए/सी
4. श्री ^{गृ}	स० बंद्योपाध्याय	एस ए₁सी
5. श्रीब	ी० बनर्जी	एस ए _/ र्सा
6. श्री व	ी० सी० बसक	एस एं <i>;</i> सी
7. श्री	वेकम कुमार	एस एं,सी
৪. श्री १	प्रार० के० वर्मा	एस ए,सी

I 2	3
9. श्री ए० एम० देवपुरवार	एस० ए,सी
10. श्री थॉमस कुरीयन	रस० ए _/ सी
11. श्री एन० एस० पांचाल	एस० ए _, सी
12. श्री एम्० एस० पाटील	एस० ए/सी
13. श्रीबी० दुबे	एस० ए _/ मी
14. श्रीपी० एम० बीपिलाई	एस० ए _/ सी
15. श्री के० के० शारंगपानी	एस० ए/सी
16. श्री एम० जी जोसेफ	एस० ए/सी
17. श्री कें० ग्रार० विश्वंभरन	एस० ए/सी
18. श्रीमती वि० वि० देवरूखकार	एस० ए/सी
19. श्री एम० एम० ग्रज्जानी	एस० ए/सी
2.0. श्रीपी० के० प्रेमचन्द्रन	एस० ए/मी
21. श्री आर० पी० जैन	एस० ए,सी चन्राच्या
22. श्रीबी०पी०पटेल	एस० ए,मी ====================================
23. श्री ए० एच० परांजपे 24. श्री लक्ष्मण राव	एस० ए,सी एस० ए/सी
25. श्री एस० राजेश्वर	एस० ए/सी एस० ए/सी
2.6. श्री जी० सी० चाकी	एस० ए/सा एस० ए/सी
27. श्री एम० के० हरदासानी	एस० ए _/ सी
28. श्री सी० जै० कुरीयन	एस० ए/सी
2.9. श्री डी० के० मेट्टी	एस ए/सी
30 श्रीए० जी०गोडबोले	एस० /एसी
31. श्रीमती वि० बी० मागर	एस० ए₁सी
32. श्रीएन० डी० डहाले	एस० ए _/ सी
33. श्री जे० वी० देहाद्रया	एस० ए _/ सी
34. श्रीमती जी० विसालक्षी	एस० ए∤सी
35. श्री आय० के० गोपालकृष्णन	एस० ए _/ सी
36. श्री एस० एम० देशमुख	एस० ए∤सी
37. श्रीमती पी० जे० पुरोहित	एस० ए/सी
38. श्री यू० एच० नागवेकर	एस० ए _/ सी
39. श्री पी० के० जी० नायर	एस० ए∤सी
40. श्री वाय एम० रघुनाथ	एस० ए∤सी
41. श्री डी० एम० धैर्यवान	एस० ए/सी
4.2. श्रीके० एन० द्यंधे	एस० ए/सी
4.3. श्रीके० बी० गांवकर	एस० ए/सी
44. श्री आर० रॉमनाथन	एस० ए/सी
45. कुमारी एस० मल्लीका	एस० ए/सी
46. श्री एस० रामकृष्णन	एस० ए/सी
47. श्री एस० के० मल्होत्रा	एस० ए/सी
48. श्रीमती रूगमिनि कैमल	एस० ए/सी
49. श्री एम० रावणन	फोरमैन (ए)
50. श्री आर० जयरामन	एस० ए/सी

दिनांक 7 मार्च, 1986

सं० पी० ए/81(1)/85-भर्ती 4:--नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र श्री जे० सुब्बाराजू, अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी०) भाभा परमाण् अनुसंधान केन्द्र को, दिनांक 1 फरवरी, 1985 पूर्वाह्म से आगामी आदेश जारी होने तक इसी अनुसन्धान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड "एव बी" पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एन० एल० वेंकटश्वरन, उप स्थापना ग्रिधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग क्रय श्रौर भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 12 मार्च, 1986

संख्या क भ नि2/1(II)/83-प्रशा० 1618:— परमाणु ऊर्जा विभाग, कय श्रीर भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भण्डारी, श्री पी० मी० शर्मा को इसी निदेशालय में दिनांक 7 फरवरी, 1986 (पूर्जाह्र) से अगले श्रादेश होने मक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में सहायक भण्डार प्रधि ारी के पद पर अस्थाई श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त विया है।

सं० कम नि/2/1(11)/83-प्रशा/1628:—परमाणु ऊर्जा विभाग क्य और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भण्डारी, श्री सी० कुलशेखरन को इसी निदेशालय में दिनांक 26 फरवरी, 1986 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेश होने तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000:द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में सहायक भण्डार भिधि हारी के पद पर ग्रस्थाई श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियक्त निया है।

सं० क भ नि2/2(11)/83-प्रणा० 1638:--परमाणु ऊर्जा विभाग. क्रय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भड़ारी, श्री ए० वेंिटाचलम को इसी निदेशालय में दिनांक 26 फरवरी 1986 (पूर्वाह्म) से अगले श्रादेश होने तथ 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपये के वेतनमान में सहायक भण्डार श्रिधारी के पद पर अस्थाई श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त िया है।

सं० ऋ भ नि/2/1(26)/83-प्रशा०/1648:—-परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋ श्रीर भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई का सहायः श्री ए० एच० सदारंगानी को इसी निदेशालय में दिनांछ 25 फरवरी, 1986 (प्रविह्न) से 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-30-1200 ह्वये के वेतनमान में सहायक क्रय

भिषकारी के	पद पर	ग्रस्थाई	ग्रधार	पर	स्थानापन्न	स्प	से
नियुक्त किया	है।						

बी० जी० कुलवर्णी, प्रशासन ग्रधिकारी

भारी पानी परियोजनायें बस्वर्द-400008, दिनांक 19 मार्च, 1986

सैं० 05012/भ/1/स्था० पदो: — भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, भारी पानी परियोजना (केन्द्रीय दार्यालय) के स्थाई सहायक लेखाकार तथा स्थानापक सहायद लेखा किंद्रीय को बसन्त कृष्णा महा गांवकार को इसी कार्यालय में श्री वि० के० पोरवार लेखा क्रिकारी II जू छुट्टी पर हैं के स्थान पर 25 नवस्बर, (पूर्वाह्र) 1985 से 27 विसम्बर, 1985 (ग्रेप) तक के लिये अस्थाई तौर पर तदर्थ श्रीधार पर स्थानापक लेखा श्रीधकारी II नियुक्त वर्षते हैं।

सं० 05012/म/1/स्था० पदी०:—भारी पानी परि-ग्रीजनाओं के प्रधान कार्यवारी, भारी पानी पि थोजना (के० का०) के स्थाई सहायक लेखाकार श्री विजय गंजानान तास्हाणें को इसी वार्यालय में श्री वी० के० महागाँवकर, सहायक लेखा ग्रधिकारी जो स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी 11 नियुक्स किये गये हैं, के स्थान पर 25 नवम्बर, (पूर्वाह्म) 1985 से 27 दिसम्बर, 1985 (श्रप०) तक के लिये ग्रस्थाई तौर पर तदर्थ सहायक लेखा श्रधिकारी

> श्रीमती **के**० पी० कल्याणीकुट्टी, प्रणासन ग्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाँक 7 मार्च 1986

सं० ए 32014/7/82-ई० सी०:—महानिवेशादः नागर विमानन, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों की सदर्थ नियुक्ति की ग्रवधि को प्रत्येक के नाम के सामने वी गई श्रवधि के लिये बढ़ाते हैं:--

ऋसं० नाम	बढ़ाई गई तदर्थ नियुक्ति की भ्रवधि		
1 2	3	4	
स र्वभी			
1. एष० ग्रार० कुस्दरा	01-01-84	31-10-85	
2. एस॰ रामास्वामी	1)	31-03-86	
 ए० सी० वत्ता 	* *	31-03-84	
4. एमे० एने० धस्माना	,,	31-03-86	
 एच० एन० ग्रधिकारी 	,,	27-01-86	

3	4
11	28-02-85
11	31-03-86
1 1	,,,
) 1	J 1
1 r	27-01-86
,,	31-03-86
1)	7.7
, 1	т Ј
1,	7.7
, ,	1.3
11	+ 1
7.1	11
7 †	, ,
1 1	1 1
11	11
٠,,	1.7
"	• , ,
1)	"
11	27-01-86
11	1 3
11	,,
"	28-02-8 6
"	27-01-86
7.1	31-03-86
11	27-01-86
11	31-03-86
"	27-01-86
• ,	31-12-85
, ,	31-03-86
1.1	27-01-86
	11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11 11

2. उपरोक्त सहायक तकनीकी श्रधिकारी इस बढ़ाई गई तदर्थ नियुक्ति की श्रवधि के फलस्वरूप, इस ग्रेंड में नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे श्रौर तदर्थ श्रधार पर की गई सेवा श्रवधि इस ग्रेंड में न तो वरीयता प्रयोजन के लिये श्रौर न ही ग्रगले उच्चतर ग्रेड में पदो-श्रति की पातता के लिये गिनी जायेगी)।

वी० जयचन्द्रन,
ुउप निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

विवेश संचार सेवा

बभ्यई, दिनौंक 11 मार्च 1986

सं० 12/6/86-स्था०:--विदेश संचार सेवा के महा-निवेशक एतद् द्वारा स्थानापन्न हिन्दी ग्रिधिकारी, श्री सस्य ···------

भारायण सिंह को 1-3-1985 से स्थाई रूप में हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 12/10/86-स्था०:—बिदेश संचार सेवा के महा-निदेश र एतद्द्वारा स्थानापक्ष परियात लेखा श्रधिकारी, श्री एम० जी० जोशी को 1-3-1985 से स्थाई मूल रूप में परियास केखा श्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

> वा० दि० कुलकणीं, निदेशक (प्रमा०) कृते महानिदेशक

बम्बई, दिनाँक 25 फरवरी 1986

सं 1/587/86—स्था०:—विदेश संचार सेवा, के महा-निदेशक एनद्दारा, निम्नलिखित ग्रधीक्षकों को, प्रत्येक के सामने दिखाई गई तारीख से तथा शाखा में, जंगला ग्रादेश होने तक, स्थानापन्न रूप से सहायत प्रशासनिक ग्रधितारी के पद पर नियुक्त करते हैं:—

ऋ सं० नाम वर्तमान स० प्र० अ० स० प्र० ऋ० के सैनाती की के रूप में के पद पर णाखा नियुक्ति पर नियुक्ति की तैनाती की तारीख शाखा

1. श्री डी॰ एस॰ कर्चे मुख्यालय, श्रावीं शाखा 10-2-86 बम्बई

2. श्री एस० एन० भटनागर ग्र० उ० भू० के०, ग्र० उ० भू० के, **5-2-**86 ल**ज्**डीवाला लण्डीवाला

> र० का० ठक्कर, उपनिदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

समाइतलिय केन्द्रीय उत्पाद शुरुक,

नागपुर, दिनौंक 18 मार्च 1986

सं० 7/86:—समाहतीलय केन्द्रीय उत्पाव शुरूक, नागपुर के श्री बी० एम० मेहता, सहायक समाहर्ता, समूह 'क'० स० सं० एस० (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम नं० 48 (ए) के श्रन्तगंत दिनांक 28-2-86 को (श्रपराह्म पर) सरकारी सेवा से निवृक्त हुए।

> धार० के० आदिम, उप समाहर्ता, कार्मिक और स्थापना

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

्रम्पनो अधिन्यिम, 1956 श्रीर एस० वी० प्रोसेस एण्ड प्रोडन्ट्स इन्जोनियरिंग कन्सलटेन्सी प्रा० लिमिटेड के विषय में)।

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

मं० 705/19165/560 (3) — कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपघारा (3) के अनुसरण में एनवृद्धारा यह सूनता दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवस्ता पर ्स० बी० प्रोसेस एण्ड प्रोडक्ट्स इन्जीतियरिंग उन्सल्टेन्सी प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रांर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

हस्ताक्षर अ**पठनीय** कम्पनियों का अतिरिक्त र**णिस्टर**, महाराष्ट्र, बम्ब**ई**

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर मे<mark>षूद्रत फाईनेन्स एण्ड</mark> इनवेस्टमेंट श्रा० लि० के विषय में ।

पटना-800001, दिनांक 17 मार्च 1986

सं० 1068/560/3292 — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर भेवदून फाईनेन्स एण्ड इनवेस्टमेंट प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जायेगा और उक्त कय्पनी विघटिस कर दी जायेगी।

क्यानी अधिनियम 1956 और पोष्पूलर पेपर जिल्सू लिमिटेड के विषय में

पटना-800001, दिशांक 17 **मार्च 198**6

सं 1562/560/6283 — कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार में एतद्बारा सूचा दी तती है कि पोप्पूलर पेरर मिल्सू लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कंम्पनी अधिनियम 195७ श्रांर बिहार जीवन प्रा० लिमिटेड के विषय में।

पटना-800001, दिशांत 17 मार्च, 1986

सं० 149/31/560/1947 में 1949 — जम्मती अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एत्य्द्वारासूचना दी जार्ता है कि बिटार जीवन प्रा० लिमिटेड का नाम आज कम्यनियों के एजिन्टा में नाट दिया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित हो यह है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 भ्रौर महाबीर कन्द्रैकटस प्रा० लिमिटेड के विषय में।

पटना-800001, दिशांक 17 मार्च 1986

सं० 1782/60/560 — कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतदृद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस भारीख से तीन मास के अवसान पर महाबीर उन्द्रैनटल प्रा० लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृष कारण दिश्ति में किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जायेगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 भ्रौर ब्राईट फुट प्रोडक्टस प्रा० लि० के विषय में।

पटना-800001, दिनांक 17 मार्च 1986

सं० 1481/59/560 — हम्यती अधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधार। (3) के अनुबरण एतद्वारा यह सुवता दी जाती है कि इब गारी ब से तीन मास के अवसान पर बाहट फुट प्रोडक्टस् प्रा० लि० का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जायेगा और उक्त कम्यनी विवटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और शाह प्रिटिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना-8000001, दिनांक 17 मार्च 1986

सं० 1759/64/560/2769 से 2778/6300 — कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि शाह प्रिटिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रिजस्टर से काट दिया गया है और उन्त कम्पनी विघटित हो गई है।

आर०ए० गिष्ट कम्पनी रजिस्ट्रार, पटना, **बिहार** कम्पनी अधिनियम 1956 ग्रीए कात्तोलिक क्रिन्डिकेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीम, विनांक 17 मार्च 1986

सं० 273/लिक/560 (3) — कम्पनी अधिलियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर कात्तीलिक सिन्डीकेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया नया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और भाषत। दुरिस्ट होम प्राईबेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनाँक 17 मार्च 1986

स० 1696/लिक/560(3)—कम्पनी अधिनियम
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण
में एतद् द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस नारीख से
तीन मास के अवसान पर भावना टूरिस्ट होम, प्राइवेट
लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया
तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा ग्राँर उक्त कम्पनी विषटित
कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सुप्रीम श्रोटो सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, दिनांक 17 मार्च 1986

सं० 1886/लि क/ 560 (3) — कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद्द्वारा यह सूचना जाती है कि इस तारीख से तीन मास
के अवसान पर सुप्रीम श्रोटो सिवस प्राइवेट लिमिटेड का
नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर
से काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर ी
जायेगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर केरला प्रिटिंग एण्ड पब्लिपिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

कोचीन, विनांक 17 मार्च 1986

सं० 1501/लिक/560 (3)—कम्मनी अधिनियम
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में
एतद्वारा यह सूचना दी जाती है जि इस तारीख से तीन
मास के अवसान पर केरला प्रिटिंग एण्ड पिक्लिशिंग कम्पनी
लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित का किया
गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उन्प कम्पनी
विषटित कर वी जाएगी।

क्रमानी अधिपियम 1956 ग्रीर कालीकट चेम्बर आफ कोमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीण के विषय में।

कोचीन, विमांक 17 मार्च 1986

मं० 1407/ लिज/530(3) — कम्मनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद्- ब्रारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास

ये अवसाम पर कालीकट बेब्दा आफ कोमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज का नाम इसके प्रशिक्षण अभ्य विभिन्न न किया गया तो रिजस्टर के शाट दिया जायेगा ध्रीर उक्त कम्पनी विघटिस कर दी मायेगी।

> बी० ए० विजयम मेमन, कस्पनियों का रिजस्ट्रार केरस

प्रथम बार्ष्, द्रौ. एन., एस. ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक जायन्त्र जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 10 मार्च, 1986

निर्देश सं० ए० सी०-39/ए० सी नयू आए-4/कलकत्ता/ 85-86--यतः, मुझे, शेख नद्दमुद्दीन,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धार् 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास कर्फ का कारण ही कि स्थावर संपत्ति जिसका उणित बाबार मृस्य 1,05,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं विश्व जो रघुनाथपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उनाबद्ध अनुसुली में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्र प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच उसे, अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेष्य से अक्त बन्दरण जिवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- ्तः) अन्तरण सं हुन्दः श्वितः अस्य का बायस स्वयस्य अधि-विषय के अभीन कर दोने के अन्तरक की पावित्य को कामी कारने या उसके बचने में सुविधा औं जिल्लो; श्वेर/याः
- हुँको पूर्वी किसी नाम या किसी धन जन्म भारितवाँ को, जिन्हीं भारतीय आसकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसता सभिनियम, या धन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया बना ना या किया जाना चाहिए था स्थिपने में शुनिका के विद्युः

शतः शव, उक्त शिंपिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त शिंपिनियम की थें । 269-व की उपधारा (1) के अधीन विम्तृतिकित व्यक्तिकां, सर्वात डम्म श्री बादर चन्द्र पाल गान्ति रंजी पाल पूर्णिमा पाल, मुसान्त पाल

(अ•तरनः)

2. पानं।रमा इलैक्ट्रानिक्स प्रा० लि०

(अन्तरिती)

को यह यूचना भारी कारके पृत्रोक्त सम्पारित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कार्रता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कीई भी वासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विज के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए वा सक्यें

स्वक्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को श्वक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

الدوور

जमीन—10 काठा 14 छटांक 11 स्ववेयर फिट जमीन के साथ मानान पता—मीजा रघुनाथपुर थाना—राजारहाट, जिला—24-परगना, दलिल सं० 1985 का 12372।

> णेख नद्दमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेम रेंज-4, कलकत्ता

तारीख: 10-3-1986

प्रकृष बार्ड .टी .एन .एस . ------

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बसीन स्वना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकार शायका (निराक्षाण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कल हत्ता, दिनांक 10 मार्च 1986

भिर्देश सं० ए० सी०-38/ए सी क्य्/आए-4/बलकत्ता/85-86-यत:, मुझे, शेख नइम्दीन,

कायकर अभिनियमः 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269- ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाबार सूख 1.00,000/-रु. से अधिक **है**

भौर जिसकी सं० 35 है, तथा जो लारेन्स स्ट्रीट में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलकत्ता में रजिस्द्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 12 ज्लाई, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल् में एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबस, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह्ये भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा के लिए।

≉क्ष: बड, उपल विधिनियम की धारा 2,69~ग के बन्गरण मैं उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के संधीत, निव्यक्तिकात व्यक्तिकों, संधीत अ---

r tim parametrica — A comercial del Athe done de caracterista. 1. श्रीमती मीता सर्वता, श्रीमती बिन्नों सर्वतना, श्रीकृष्ण लाल वर्मा।

(अनारक)

2. नार्थ कमप्लेक्स को-आपरेटिव हाउसिंग सोलायटी लि॰ (अन्तरिती)

को यह बूचना बारी करके प्वॉक्त तम्पत्ति के वर्षन् के सिए कार्य-नाहियां करता हु ।

उन्तु संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीगर उवत स्थानर सम्पत्ति में हितबद्दुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के शह लिखित मां विष्यु जा सकर्षे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के बध्याय 20 - क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

जमीन---305.48 स्क्वेयर मी० जमीन के साथ महान. पता—-35, लारेन्स स्ट्रीट, थाता---एनरताड़ा, जिला—-हगली. दिलिन सं० 1985 का 12007 ।

> शेख नइमुद्दीन ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, रुल हत्ता

तारीज : 10-3-1986

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

बायर क्रीका सार 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के बाबीन सूचना

भारत सरकार

व्यक्तिक्) सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 4 मार्च, 1986

निर्वेश सं० अमृत्यार/85-86/68---यतः, मृझे, जे० प्रसाद, आयकर अधिनियमः १०६१ (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात (जिल्ला अधिनियमः कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम शायिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 1,05,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एक जायदाद है, क्या जो माडल टाकन, अमृतसर में स्थित है (स्रौर इसमें उपावक अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिल्झी ति अधिनारी के वार्यालय, अमृतसर में रिजिस्ट्री रुखा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख ज्लाई, 1985

कर्त पार्षीक्य संपार्थित के परिवार अप्राप्त से कार के कारासान करियाका में किया करावित्रस एक स्थान के स्वीर सामें कहा कि किया करावित्रस एक स्थान के स्वीर सामें कहा कि किया पार्थित सामायित का उपिया पार्थित सम्बद्ध स्थान स्य

- (क) अस्तरण में हार्य भिष्मी काम की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर डोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (त) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सृविधा के लिए;

सतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं के अनुसरणं माँ, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की निप्धारा (1) के अभीन, निम्निकारणं स्विक्तियाँ, अभीतः :---

 श्री कंवर सैन पुत्र श्री जै कर्ण दास, सुभाष तलवाड़ पुत्र श्री कंवर सैन, वासी गली नं० 3, माडल टाऊन, अमुलसर।

(अन्तरक)

 श्री देग मुख तरेहत पुत्र श्री बलवंत राम गली नं० 3, माडल टाऊन, अमृतसार ।

(अन्तरिती)

- 3. जैला िक क० सं० 2 पर है। श्रीर किराएदार श्री पी० सी० अरोड़ा स्टेट बैंग आफ इण्डिया, जालंघर (बहु ब्यक्ति, जिलके अधिभोग में सम्यत्ति है)
- श्रीर कोई
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
 है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

ं यह स्थल। भारी करके पृत्राक्ति सभ्यतिस वी वर्धन के लिए कार्यवाक्षियां करता हुं।

ाण्य गम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाधोप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (च) इस त्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्ध किसी बन्द व्यक्ति व्वास व्यक्तिस्ताक्षरी के पान निवित में किए वा सकेंचे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रभूषतः सम्बाधीय इन्हें करः, सो समस विधिनियम के वश्याय 20-के भें परिभाषित ही, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्यक्ष में दिया गया ही.।

बनुसूची

जायदाद गली नं० 3 माजन टाऊन, अमृतसर में जैसा कि रिजिस्ट्री क्वी अधिकारी के सेल डी नं० 4857 निथि 26-7-85 में दर्ज है।

> जे० प्रसाद; आई० भ्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (नरीक्षण) अर्जन रेंज, भ्रम्तसर

तारीख: 4-3-1986

राह्य सम्बद्ध

क्रवीचन, बहानक नान्सार नान्यत् (निक्रीक्ट्र)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० अमृतसर/85-86/69—यतः, मुझे, जें० प्रसाद, आर्थे० आर० एस०;

जावकर अधिनिवर, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियत्र' कहा गया हैं), को धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मुक्न 1,00000/-स. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एक जायबाद है, तथा जो बाईट क्वीममू अमृतसर में स्थित है (भौर इससे उपाध्य अनुसुची में भौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जलाई, 1985

को पूर्वोक्छ संपरित के उच्चित वाजार मृत्य से कम के दश्यभाष प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है बार मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफत से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से मिथक है और मंत-रक (बंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे मंत-रक के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उचल बंतरण सिक्ति में वास्तविक रूप ते कथित महीं किया क्या है:—

- (क) बन्तरण चे शुद्र किथी नाम की बावत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक की दावित्व में कमी करने या उससे वथने में सुविधा के भिए; जीर∕वा
- (७) रोनी किसी बाध या किसी वन वा अस्य आस्तियों की, विक्हें आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा दा किया बाना चाहिए वा, जिनाने में सुविधा की सिका;

बतः क्षत्र, उत्तर विभिनियमं की भाष 269-गं के बन्सरक कें, में उदत विभिनियमं की भाष 269-म् की उरभाष (३) कें बचीन, निय्नतिश्वित स्वस्तियों, बधीत् रू--- श्रीमती कमलेश कुमारी पत्नी श्री देस राज कोठी नं० 68, वाईट क्वीभम्, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री पूर्ण सिंह पुत्र श्री जगत राम, वासी, 68, वाईट कवीनमू, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि क० सं० 2 पर है और कोई किरायेदार अगर कोई है।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. घौर कोई

(वह व्यक्ति, जिस के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त बस्पत्ति के वृत्र्वत् के तिष्टु कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष्मत सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीच है 45 दिन की जनधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थना के राजपण में प्रकासन की तारीक कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितक इंश किसी अन्य स्पन्ति क्यारा अभोहस्ताकारी के पान जिल्ला में किए या सकींगे।

स्वकाश्वरणः — इसमें प्रगृतत सब्दों और पदौं का, जो स्वरू विधित्रियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा वका है।

अन्सूची

आधा हिस्सा कोठी नं० 68, वाईट कवीनम् अमृतसर जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेल डीड नं० 4965 तिथि 30-7-85 में दर्ज है।

> जे० प्रसाद, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमतसर

सारीख: 4-3-1986

मोहर :

g-16 GI/86

त्रक्य आध्र^म् सीः एव . एक ,------

बायकर बिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत बहुकार

कार्यातय, तहायक भायकर नायुक्त (रिनरीक्षण)

्अर्जम रेंच, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2668—यत:, मुझे, मोहन सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त लिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आहा है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00 000/- रहे. ये अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3-ए है, तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुभुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, क्यपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, भारीख 24 जुलाई, 1985

को प्रवेंकित सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्त्रींवत सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल नं, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्र प्रतिपति से अधिक है बार जंतरक (अंतरकों) बार जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तथ पाया गया विरुद्ध, निम्नितियत ये क्विंच में वन्तर में क्विंच क्या के किया वन्तर विविद्ध में वन्तर कम से अधिक नहीं विद्या वना है के

- (क) जन्तरण से हुर्भ किसी जाय की वासत, उसके अभिनियम को जभीन कार को के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे स्थान में सुनिधा जे किय; नीड़/सा
- (व) एंदी किसी बाय या किसी थम या बन्न मास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धार- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंदिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना द्विष्टिए था, दिशास मा स्थिप की विवार

वरः वयः, ज्वतः विधिनियमः, की भारः 269-य को वस्त्रप्रश् वै , वै , उक्तः अधिनियमं की भारा 269-य की वर्षभन्तः (1) वै वधीनः, निम्मीलिमिल स्विकत्वों, वर्षातः स्र-- श्रीमती रिश्म ब्यास पत्नी विमल ए-27, फान्ति चन्द रोड़, बनी पार्क, जयपुर ।

(अन्तरका)

2. श्री बंजरंग लाल, राजेन्द्र कुमार, अशोक कुमार अग्रवाल, नृसिह गंघ, वर्णपुर (वर्षमान)

(अन्तरितो)

को यह युचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ों भी बाओप

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय वें 45 दिन की क्विंधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन को अविधि जो भी सबिध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्श व्यक्तियों में में फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपन में प्रकाशन की तारीक: सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति. में हितअबुध किसी अन्य अयिक्त बुनारा अधोहस्ताक्षरी के धार सिवित में किए का सर्कोंने।

प्रनुसूची

ण्याट नं० 3-ए, ससार चन्द्र रोड़, जयपुर में स्थित है जो उपपंजियक जयपुर द्वारा ऋ० सं० 1853 दिशांक 24-7-85 पर पंजिबद्ध पर विक्रम पत्न में जिस्तृत रू। से विवर्णित र ।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायात आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

दिनांक: 11-3-1986

द्वस्य आर्षः द्वी. एतः , धुरा , -----

भावकड अभिनियस, 1,961 (1961 का 43) की भाडा 269-थ(1) के अभीन शुक्रमा

भारत सरकार

काय्तिम, सङ्गायक भागकार वायुक्त (निर्माक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 1 मार्च 1986

िनिदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2669—— अतः मुझे मोक्षन सिंह

कासकार निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमे

भीर जिसकी संख्या प्लाम नं डी ०-122 है तथा जयपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री क्ती अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजीस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-7-1985

की पूर्वोजित सम्परित के उत्वित बाबार मूस्य से कम के स्वस्थान शितफल के लिए जन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोज्ञत संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतद्रक (जंतरकां) और जंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच देखें क्षेत्रक से जिल्ल त्य पाया गया प्रतिफल निम्मितिबाद उद्देश्य से उक्त कम्बरण निवित में सास्तिक रूप से कृषित महीं किया जवा है अक

- (क) मृत्युद्रक से हुन्द्रं किसी आब को बावक, उपक विभिन्निक की विद्यास कर होने के अन्यद्रक की वाक्तिय में कभी करने वा उच्चे वचने में सुन्यास के तिएक बार/वा
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को चिन्हों भारतीय जायकर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीविन्यम, वा भन-कर जीवि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ज्ञारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना जाहिब था, कियान में बुन्धा में जिस्हा;

सतः अस्त , उस्त अधिनियम कौ भारा 269-म भौ नन्तरण मों , मीं , उस्त अधिनियम कौ भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन - निम्निलिखित व्यक्तियों , मुन्नस्त :---

- (1) रभेष चन्द्र गर्मा पुत श्री राधाकृष्ण सर्मा नि० प्ताट नं० डी० 84 घीया मार्गं, बनीपार्क जयपुर । (अन्तरक)
- (2) अविवृद्धिकी कन्दोई पहिन श्री गोरी शंकर जी कन्दोई मि० प्लाट न० डी-17 अम्बा बाड़ी, जयपुर।

(अतरती)

का यह सूचना जाहाँ करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति । श्रे वर्जन के सिक् कार्यशाहियां शुरू करता हो।

बन्द संपरित के जर्मन के संबंध में फरेड़ें भी बाहरेंप ह—े

- (क)। इस सुवना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बै 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि लाद में समाप्त होती हो, को भीधर पूर्वोक्त व्यक्तियों यें से किसी क्योंक्त ब्रवारा;
- (थ) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्विकिष्ण:---इसमें प्रमुक्त सन्दों और पद्यों का, वा सक्त निध-नियम के नृथ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहां अर्थ होगा, वो उस मृथ्याय में दिया गया ही।

मनुस्ची

प्लाट नं० डी-122 अम्बा बाड़ी जयपुर में स्थित है। जो उप पंजियक जयपुर द्वारा कम सं० 1822 दिनांक 19-7-1985 पर पंजिबद्ध विक्रम पत्र में विस्तृत रूप सं विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपूर

दिमांक: 11-3-1986

मोहरः

प्रकृष बाह्य हों एक एस -----

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, तहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्तक)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 11 मार्च 1986

मिवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/2670— अत: मुझे, मोहम सिंह,

भावकर जीभनियमं, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इत्तर्ने इत्तर्के परचात् 'उक्त जीभनियमं' कहा गया हैं), की भाषा 269-च के अभीग-सक्षम प्राधिकारी की यह विक्यास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विक्तका स्थित बाकार मुख्य 1,00,000/- रहा से जिथक हैं

श्रीर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विमांक 8-7-1985

की पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कन के रश्वमान प्रतिकल के जिए अन्तरित की गई है और नृक्षे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसकें दश्यमान प्रतिफल तो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरक के जिए तम एत्या गया प्रतिफल, हिनम्नितिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्लित में वास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वंतरण वे हुइ किथी जाल की वावत, उक्त विधिनयम के अभीन कर देने के वंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/मा
- (क) श्रेसी किसी नाय या किसी थन वा नम्य आस्तिकाँ की जिल्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के तिए;

बातः अवतः उच्या विधिनयमं की धारा 269-व के बण्डरण में, में, अवतं विधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्ति व्यक्तियों, वर्धात् :---- (1) किशन लाल पुत्र श्री नैनूलाल शर्मा निवासी नाथद्वारा हालवासी ग्राम बदरवास काकड़ी तहसील जिला जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) बुनियादी विकास गृह निर्माण सहकारी समिति लि॰ जयपूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्षन के जिल् नःम्बाहियां करता हुं।

स्वत सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में की हैं भी बाक्षेप :---

- (क) एवं पूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज वें
 45 किन की नेविध या तर्जम्बन्धी व्यक्तियों पर
 कृषणा की तामील से 30 दिन की मंबिध, को भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीकत
 व्यक्तियों में से रिन्सी स्विस्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुभ किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अभोहस्ताक्ष्री के पात सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रमुक्त शक्यों और पर्यों का, जो अक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मन्स्पी

श्राम बादरवास काकड़ी जिला जयपुर में एक कृषि भूमि कुल रकबा 20 बीचा जो उप पंजियक जयपुर द्वारा दिनांक 8-7-1985 व ऋम स० 1733 को विक्रय पक्ष में विस्तृत रूप से विवर्रणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, जयपूर

दिमोक: 11-3-1986

भोहरः

इक्त, बाहें हु थी. एवं, एक् - - - - -

नायकर नियानयम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) ने मधीन स्वना

नारक सरकाड

कार्वासय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्राक्तक)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, विनांक 11 मार्च 1986

निवेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जम/2671— ग्रत: मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी की वह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जितका उचित्र वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि के साथ मकान है तथा जो दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा मधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रस्जिट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक 29-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के जीवत वाकार मृत्य से क्रम के दरवमान श्रीतफल के सिए अन्तरित की गर्द हैं और मुखे यह विकास करने का कारण है कि व्याप्तोंक्त संपृत्ति का उपित वाकार भृत्य उसके रुवमान प्रतिफल से, ऐसे रुवमान प्रतिफल, का बन्द्र प्रतिकृत से अधिक हैं और बन्दरक (अन्तरकाँ) और बन्दरित (बन्दरितियाँ) के बीच एवं बन्दरण के सिए तब बावा गया प्रतिफल निक्निविद्य बहुदरेग हो बन्द बन्दरक विद्याल में शास्त्रीक क्ष्म से क्षित्र यहाँ मिन्ना क्या है के

- (क) नकरण नं हुई किसी नाय की नानत उनता अधिनियन में नधीप कर दोने के बन्तरक में वासित्य में कभी करने या उत्तवों सचने में सुविधा के लिए; जर/ना
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तियों कारे. जिन्हीं भारतीय साय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जेक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आना आहिए था खिलाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती फूल कुमारी सेठिया पत्नि श्री स्व० दालाम चन्द सेठिया निवासी सुजानगढ़, जिला चुर। (श्रन्तरक)

(2) श्री फतह चन्द बंसाली, निवासी सुजानपढ़ जिला चुर।

(फ्रम्सरिती)

की वह स्थान बाडी क्रूब पूर्वोक्त सन्यक्ति के अर्थन है हैंकर कार्यनाहियां क्राइता हुँह।

बक्त बुम्बृत्वि के भूवीय के बुम्बृत्य में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस स्वा के राजपण के प्रकाशन की शारीय से 45 जिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से २० दिन की अन्धि, जो भी अविध बाद के सन्धि के किसी व्यक्तियों हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीरर उनका स्थानर सम्पत्ति में हिन्न-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के साल निविद्य में किस् जा सकींगे।

स्थानिकरण :---इर्र्ग प्रश्नुकत शब्दों शौर पदों का, वो उत्तर अधि। एयस को अध्याय 20-क में परिमाधित हाँ, नहीं वृत्र होंगा को उत्त अध्याम में दिस। भूका हाँ।

बन्सूची

मकान जो लगभग \$258 क्ये यार्ड में स्थित है। जो उप पंजियक सुजानगढ़ जिला चुरु में क्रम सं० नं० 1105 व दिनांक 29-7-1985 को पंजिबद विक्रय पत्न में विस्तृत रूप से बिवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेंज, जयपुर

वतः जव, उच्छ वर्षेभीनवन की शन्त 269-न के वक्त्रक्त वे, वे, उपल विभीनवन की भारा 269-न की उपभारा (1} को अभीन निम्नतिश्रित म्युनितमों, अर्थात् क्र--

दिनांक: 11-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2672--ग्रतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 326 हैं तथा जो जयपुर में स्थित हैं। (भौर इससे उपाबद्ध ध्रनुमूची में भौर पूर्ण रूप से विगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के बार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन विनांक 9-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का जिल्हा बाजार मूल्य, इसके ख्रथमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्सरक (अन्सरकों) और अन्सरित (अन्सरितयों) के बीच एसे अन्सरण के लिए सथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्स अन्सरण लिखिस में शास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अपय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपभास (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री खजान चन्द डोड़ा पुत्रश्री बहायुर चन्य ग्ररोड़ा निथासी प्लाट नं० 326 गली नं० 7, राजा पार्क जयपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुकेश चन्द गुप्ता पुत्र श्री भोला नाथ जी श्रम्रवाल निवासी वाई एम० सी० ए० कालोनी न्यू विस्ली। / (धन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की गराच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितवद्रभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष री के पाठ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्ष किरण: इसमें प्रयुक्त कवाँ और पर्वो का आ जनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भनुसूची

प्लाट नं० 326 राजा पार्क गली नं० 7, जयपुर में स्थित है। जो उप पंजियक जयपुर में कम सं० 1690 व विनांक 2-7-1985 को पंजिबद्ध विक्रय पत्न में विस्तृत रूप से विवर्रणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सक्ष्मक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

विमांक: 11-3-1986

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस .-----

नायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) ग्रर्जंन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2673— श्रतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 326 है तथा जो जयपुर में स्थित है। (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 2-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त बीभीनयम की भारा 269-घ की उपभारार (1) के अभीन, निम्नलिक्ति अमिक्तयों, संगति :—

- (1) श्रीमती सरला देवी पत्नि श्रीखजान चन्द अरोड़ा, निवासी-प्लाट नं० 326 राजा पार्क जयपुर। (ग्रन्सरक)
- (2) श्री सुरेश चन्द गोयल पुत्रश्री भोलानाय ग्रग्नवाल निवासी दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के एास लिखित में किए जा सकों।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पदाँ का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्रची

ण्लाट नं० 326 राजा पार्क, गली नं० 7. जयपुर में स्थित है। जो उप पंजियक जयपुर में कम सं० 1691 दिनांक 2~7~1985 को पंजिबद्ध विकय पत में विस्तृत रूप से विवर्गित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 11-3-1986

मोहर 🖈

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) में बचीन बुचना

STEEL PERSON

कार्याखय, तहायक भायकर आयुक्त (किरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं०राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/2674--ग्रतः मुझे, मोहन सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
स्थाने परचात् उनत अधिनियम क्या गया ही, की वारा

इसको परकारा जिनत निर्धानिका क्या गया है, की धारा 269-क के अभीन सक्षण प्राधिकारी कहे, यह विस्तास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्ता उपित वाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से निधक हैं

भीर जिसकी सं० व्लाट है सथा जो जयपुर में स्थित है। (भीर इससे जपाबद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीष्ठकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीष्ठनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीष्ठीन विनांक 8-7-1985

कों व्योंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृस्य से कम के क्यानान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथावृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृस्य, उसकें इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे वंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निलिखित उद्वेच्य से उचित वंतरण किस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा छे सिए; को⊅वा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय जायकार विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या सक्त जीधनियम, वा धनकार अप्रित्तियम, वा धनकार अप्रित्तियम, वा धनकार अप्रित्तियम, विश्वतियम, विश्व

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती मंजुगोयल परिन श्री कैंलाश चन्द्र भग्नवाल निवासी प्लाट नं० ए→1 गंगवाल पार्क जयपुर। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्रष्टना जैन पत्नि श्री ज्ञान चन्द्र निवासी पिलानी भवन नाहरगढ़ रोड, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को नह सूचन। बारी कारके पृथ्मित सम्मित् में व्यन् के जिल्ला कार्यमाहियां करता हुं।

बन्द सम्मति हो वर्षन् के सम्मन्द में कोई मी नामोद अ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी संविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकी

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयूवस कर्यों और पर्वो का, जो अक्स मधिनियम, में बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में विका स्था है।

ननसभी

जयपुर नगर चौकड़ी हवाली शहर भवानी शंकर पुरा में गंगवाल पार्क में नायला हाउस के दक्षिण की तरह ग्रजल सम्पत्ति का पूर्व की तरफ का श्राधा भाग जो उप पंजियक जयपुर द्वारा ऋम सं० 1742 व दिनांक 8-7-1985 को पंजिबद्ध विक्रय पत्न में विस्तृत रूप से विवर-णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 11-3-1986

श्रक्ष वाह^रः टी. एवं. एकःृ----स्थालसास

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन स्वामा

भारत प्रस्कार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० राज०/सहा० द्या० द्यर्जन/2675— ग्रतः मुझे, मोहन सिंह,

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके त्रकात् 'उक्त निधीनयम' कहा गया ही, की भाष 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य

ा.० ,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो अथपुर में स्थित है। (श्रों इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मैं श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिसीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अथपुर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधि यम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 8-7-1985

की पृष्िवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्ययमान प्रतिफ र के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापर्वोक्त मंपित्त का उचित बाजार मृत्य सिक दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंबरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य से स्वत्त अंतरण मिसिट में बास्तविक स्थ से किया नहीं किया पना है है—

- (क) बन्तरण से हुई कि बी बाव की बावसा, अक्त विधितयन से वधीन कर दोने में बन्तरक से दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के विष्; भरि/का
- एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय वायकार वीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अभिनियम, मा अव- कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के छिपा।

बत बन उच्च निधिनियम की भारा 269-न के बनुबरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अर्धत निम्नलिखित व्यक्तियें, वर्धीत :—— 4—16 GI/86 (1) श्रीमती मंजू गोयल पत्निश्री कैलाश अग्रलाल, प्लाट नं॰ ए-1 गंबाल पाक जयपुर।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती सुशीला जैन पत्नि श्री विमल चन्द जैन निवासी पिलानी भवन नाहरगढ़ रोड जयपुर। (%न्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप हु---

- (क) इत स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा?
- [क] इत सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपीत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरिं।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परि--भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अन्स्वी

गंगवाल पार्क में शंकरपुर जो जयपुर में स्थित है। जो उपपंजियक जयपुर द्वारा कम स० 1741 को दिनांक 8-7-1985 को पंजिबद विकय पत्न में विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिजैंन रेंज, जयपुर

विनांक: 11-3-1986

मोहर ।

मक्ष्य मार्च जी , एषं , एष 🚉 🖹 🗷 🗪

भाषभर मिनियम, 1961 (1951 का 43) की भार 269-म (1) के द्भीन स्थना

धारत शरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर

जप्रपुर, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश मं० राज०/सहा० शा० धर्जन/2676—

ग्रतः, मुझे, मोहन सिह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हनके पश्चात 'रकत ऑधानयम' कहा गया हैं), का जाल 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं भीर जिसकी सं० है तथा जो सरदार शहर में स्थित हैं (ग्रंग इससे उपादड शन्सूची में ग्रंगर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री तो शिक्ष गरी के पर्यार सरसार शहर में रजीस्ट्री-वरण प्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उस्देश्य से उक्त जन्तरम सिविष वै ।।स्विषक रूप से कथित नहीं किया प्रया है ——

दिनांचः 25-7-1985

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय₋की **बाबत, उक्त** अधिन्यिम के अधीन कर **दोने के अन्तरक के** दायित्य में कमी करने या उससे **बचने में सूविधा** के निष्, और/**गा**
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यार प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के निए:

मा अब उक्त अधिनिधम की भारा 269-ग के बनुत्रक के, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारी (1) के अधीन, निम्निनिधित अधिनायों, अभीत् है—

(1) श्री सम्पत मल पुत श्री भंबर मल नाहटा, श्रमुणा याजार सरदोर महर।

(भ्रन्तरक)

(2) शनकार देवी पत्नि श्री नोरत्ने मल जाति श्रोक्षवाल छाजेड, जाति श्रीसवाल, निवासी सरदार शहर। (अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के हिनए कार्यवाहियां कडता हुँ।

उन्त कम्पत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष् :---

- (क)। इस सूचना को राजपत्र में प्रकशन की तारीश से 45 दिन की अविशिषा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविशि, जो भी समिश बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्वकाकिरण:--इसमें प्रयुक्त पान्दों और पदों का, जा उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया भया है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित सरदार शहर दक्षिण बाजार शिनिश्चरजी के मंदिर के पीछे जो उप पंजियक सरदार शहर द्वारा कम सं० 804 दिनांक 25-7-1985 को विकय पदा में विस्तृत रूप से विवर्गणत है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकण शायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

विनान । 11-3-1986 **पोहर:** प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निर्मेश्वाम) ग्रार्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मार्च 1986

निवेण सं० राज़ ०/सहा० ग्रा० ग्रार्ज् न/2677-- ग्रातः मुझे, में हन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जितकी सं० मकान है तथा जो सरदार शहर में स्थित है (श्रीर इससे उपादद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिलत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिध ारी के कार्यालय सरदार शहर में रजीस्ट्रीकरण शिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (क) एंसी किसी वाय या किसी धन या वन्स ह्यास्ति हों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में इविधा को निए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, रिक्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री सज्यत मत पुत्र श्री भंतरमत्रनाहटा, अगुणा बाजार सरदार शहर।

(प्रस्तरक)

(2) श्री नो तन छाजेड़ पुत श्री रेमन्तमल. सरदार शहर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्में बंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्रिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हिस- अस्थ किसी अन्य व्यक्ति त्याप, अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का गक्षेत्र।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वली अर्थ हांगा जा उस अध्याय में दिशा गया हैं।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित सरदार गहर दक्षिण बाजार शनिश्चर जी के मन्दिर के पीछे जो उप पंजियक सरदार ग्रहर द्वारा ऋम सं० 803 दिनां है 25-7-1985 को विक्रय पत्न में विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोड्न तिह सङ्गाप प्राधि ारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, जयपूर

वितान:: 11-3-1986

माहर 🕽

प्रास्य बाद', डॉ. पूर् . एक् ु----

नायकार मिनिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के सभीन स्थना

हारत संस्कर

कार्यांचय, तहायक नायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

मर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं०एम० 977/85-86—श्रतः मुझे, ए**च**० श्राप्त दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 2210 व 2212 है तथा जो हापुड़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीयर्ता भ्रधिकारी के वार्यालय हापुड़ में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन दिनांक 25-7-1985

का पूर्वोचत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफान के लिए अन्तरित की नद्दें हैं और मुक्ते यह निश्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोचत संपति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय स्त्या नया प्रतिफल, निम्नसित्त उत्दर्षय से दृश्य अन्तरण जिल्ला में नास्तिविक कम से किंधत नहीं किया गया है क—

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधानयन के बधीन कर दोने के बन्दरक के दावित्य में कमी करने या उत्तरं वृक्त में सुविधा भी सिध; क्ष्मीर/या
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या अस्य वास्तियाँ को चिन्हों धारतीय आयक्तर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्रीकन्हेयालाल पुत्र श्री लालाराम श्रारः श्री० खुर्ज पूर्णगढ़ रोड हापुड़
- (ग्रन्सरक)
 (2) मे॰ ग्राइस मिल एण्ड मिल्क सरकारी ेमल्क
 गाजियाबाद रोड हापुड़ ग्लारा श्री कीमर्तालाल
 सरदारीलाल पुन्न गा० बाद रोड हापुड़।

(भ्रन्ति)

(3) तथैव।

(वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैन।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

श्री बहु सूचना चारी करको पूर्वांक्त सम्परित को वर्षन रः निय कार्यनाहियां करता ह्रां।

क्षमत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षे :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन भी तारी है हैं 45 दिन की सविभ या तत्संबंधी स्थानित में पर सूचना की तामीन है 30 दिन की सर्वधि, को भी सदिय में समाप्त होती हो, के भीतर ्वोंक्त स्थानित में से किसी स्थानित दुवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षा के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थलकीक रणः -- इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपते विभिनियम के अध्याय 20-क माँ परिवासित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय मंदिया वर्षा ही।

अनुसूची

खसरा नं॰ 2210 व 2212/1053 वर्ग फुट गाजियाबाद रोड हापुड़।

> एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राजण) श्रजैन रेंज, कानपुर

आता विक जनत की धीनयम की धारा 269-न के अनुसरन में , भी, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क सभीता, निम्मिनियस व्यक्तियों, वर्धात् ध—

दिनोक: 6-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा प69-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , नहायक आयकर आयुक्त (निप्रीक्षण), अर्जन रेंज, कालपुर

कानपुर, दिनां ह 6 मार्च 1986

निर्देश सं० एा-1003/85-86--यत:,मुझे, एच० आर०

दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल (उक्त शिंधनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन क्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० 105 है, तथा जो चिर्थान (बादरी) में स्थित है। (फार इक्षी उपाबद अनुसूची में म्रीर पूर्ण का ने बाँगा है रिल्ड्री क्षी प्रिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजीस्ट्री करण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलांग 8-7-1985

कारे पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अगरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी िसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए.

अतः अब उक्त ःशिंगियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नर्लिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रो मंगः िंड् पुत्र श्री भू। िंह िवासी चिरथाना वृजुर्ग दादरी।

(अन्तरक)

- (2) भे० गाजियाबाद आक्सीजन ससीन प्रा० लि० 361 माजन टाऊन द्वारा श्री प्रेम कुमार बजाज (अन्तरिती)
- (3) तथैव।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव।

(बड़ ब्यक्ति जिन्नके बारे में अधोहस्ताक्षरी जामता है कि बहु सम्मत्ति में हिन्नबद्ध है)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वाक्त सम्पत्ति क अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाभन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 105 चिरथाना दादरी।

एच० आर० दास सक्षम बाधिक री सहायक आयकर आयुक्त (फिरीक्षण) अर्जंग रेंज, कानपुर

विनांक: 6-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

ग्रामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज़भ रेंज, कानपुर काभपुर, दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं० एम० 1019/85-86—अत: मुझे, एम० आर० धार

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके श्रेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मोर जिन्न से भूमि 1888.74 स्नुयर है या जो मेहमा-सारी जानितपुर में लिया है। (म्रीर इत्ती उपायद्ध अनुसूची में मोर पूर्ण स्वा से विजा है), रिल्ट्री जी अधि गरी के कार्यालय गाजियाबाद में जिल्ह्नीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांत 24-7-1985

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दत्यमान प्रतिफल से, एसे दत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीनयम, 1957 (1957 का 27) के अधीनयम, अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

आतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मैं० बीजिंग एण्ड बेल्टिन फीट्टी प्रा० कि ० निकेल्सन रोड, दिल्ली में मैनेिंग डायरेक्टर श्री रसन कॉल । (स्तःक)
- (2) श्री अनेन्द्र कुमार नेत पुत्र श्री मामबन्द्र जैते आर० श्री० 111-ई/90 नेट्रूक नगर गारीयाबाद। (अ तरिती)
- (3) तथैव।

(वह व्यक्ति जिल्लो अधियोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव i

(वह काकि। जिल्लों आरे में अबोहरताक्षरी जाएता है कि वह उस्तति में हितबंद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध यातरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि 1888. 74 स्कुपर मोटर गांव मेहमासारी नासित्पुर सोनी गाजियाबाद।

> श्चार० एच० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्रोक्षण) अर्जन रेंज, कामपुर

धिनांक: 6-3-1986

धक्ष बाह्र . टी. एन., **एव**., न----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जे'(रेल, दानपुर कानपुर, दिलांउ 6 मार्च 1986 निदेश सं० एम-965/85—83—अतः **मुझे,** एच० अभि० दाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित जिसका उचिता बाजार मूल्य

1,00,000/- रा से अधिक **है**

श्रोर जितकी सं० छन्या नं० 393 है स्था जो देवबंद में स्थित है (श्रीर एपोर उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का विद्यागिष्ट), स्तिन्द्री तो अधिसारी के अर्थालय, देवबंद में स्वीस्ट्रोजरूप अधिस्थायन 1908 (1908 का 16) के अर्थीत दिनांज 10-7-1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रितान के लिए बलारित की गर्छ हैं और मुफ्ते यह विकास करने का कारण हैं कि रक्षाप्यों का सम्परित का उचित बाजार मन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एंसे दश्यमान प्रतिफल का उन्दर्ह प्रतिशत से अधिक हैं और वह अन्तरक (अंतरकारें) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के निए तय गया प्रतिफल, निम्तितिथेंत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :—

- (क) अन्तरण से हाइ" किसी बाय की बायत, खबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सूविधा रूपा; कार/मूच
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या द ा अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा बै किए।

- (1) सैयद सुलेमात हमीद पुत्र सैयद इम्तयाण असी, (स्ब॰) विवासी- किला देवबंद सहारक्पर। (अन्दरक)
- (2) मैं अड़ा। कैमित्त्स प्रोडक्ट्स प्रा० लिं , देवबद राहाराचुः द्वारा डायरेक्टरसैयर सुलेनान हमीद देवबंद सहाराचुर।

(अग्तरिती)

(3) क्षयैव।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव।

वड़ व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्याक्षरी जानता है कि वह तम्यत्ति में हितबद्ध है)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्व अस सम्परित के अर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस त्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ते 45 विज की अविध या तत्सम्बन्धी स्थितता पर स्वान की तामी से 30 दित की अविध, यो भी अविध बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी स्थित बुनारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकिं में किये कर सकरें।

स्थळीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्ने का, जी उनेत स्थितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहाँ कर्य होगा, जो उस सध्याय में दिखा गया हो।

अन्त्राची

खसरा नं० 393 देवबंद सहारनपुर।

एंच० आर० **दास** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज, कामपुर

का: अब. उक्त विधिनियम की धारा 269-ज के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधी।, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारी**ख:** 6-3-1986

प्रसम बाइ. टी. एन. एस., ----

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कारीलय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनां ह 6 मार्च 1986

निदेश सं० एम-981/85-86--- अतः मुझे, एच० आए० दास,

भाषकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा ∠69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्यू 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मों: िन्दिकी सं० खना नं० 530 करनवात है ध्या जो दादरी में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रुत से विणित है), रिजिन्द्री हर्ती अधिकारी के कार्यालय दादरी में रिजीस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनांक 10-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सी, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्च प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि किया नया है है—

- (क) जन्तरण संहुदां कर्ती शाय की वावस्त, धन्त्र अधिनियम् के अधीत् कर् दोने के अन्त्रक की स्ववित्त् में क्ली करने या स्वस्ते वजने में सुविधा की सिए; बरि/या
- (थ) एसे किसी बाब या किसी थन वा बग्च बास्तुवाँ को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिशिनियम, या अन्- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया पया वा या किया बाना बाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए हैं।

कतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के कथीनः निम्नलिखित व्यक्तियोः, अर्थास् ः— (1) जा तम जिह, पुत्र लामिल्ह गांव मिनपरा, करनवास, गाविजाबाद।

(अन्तरक)

- (2) मैं ० एव० आर० एफ० उण्टर जान्टीनेन्टल इनकेस्टमेंट लिमिटेड बहादुर शाह जफर मार्ग मई दिल्ती द्वारा वीप ह बात गुष्ता पुत्र दी जे० बी० दास गुष्ता, 17ए-38-डब्ल्यूई, कराज बाग नई दिल्ली।
- (3) तथैंव।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मत्ति हैं)

(4) तथैव।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधेहरताक्षरी जानता है हि वह सम्पत्ति में हिन्जब है)

को यह सूचना जारी रूपके पूर्वीक्ट सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम् उभी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर कम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पातें का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-उ में परिभाषित हैं, वहीं कुर्यहोगा जो उस अध्याय में दिया भया है है

अनुसुची

खन्नरा नं० 530,ग्राम तिलवरा, करनवान, दादरी, गाजियाबाद।

> ्च० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

हारिख: 6-3-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

वत्यकर विभिन्नियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के वृथीन सूचट्टा

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनाक 6 मार्च 1986 निदेण सं० एम-988/85-86--अनः मुझे, एच० आर० दास,

वायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षय प्राधिकारी की यह जिस्वास करते का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रींण जिन्नकी सं 148 -ए० है तथा जो माङल टाऊन, गाजियाबाद में स्थित है (श्रींण इसने उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमांक 5-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्हा बाबार मूल्य से कन के क्षयभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिचत से विभिक्त है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के किए तय पाया गमा प्रतिपल, किम्निलिंदित उद्देश्य से उक्त अंतरण मिसिक में बालाबिक रूप में कथित नहीं किया गया है हिल्ल-

- (क) अन्तरण के हुई किची बाव की बावबा, बावव वीभीनयम के अभीन कर बेने के नंतरक के दायिक में कवी करने या उत्तरों वचने में सुविधा नो किया और/वा
- (क) ऐसी किबी जाय या किसी भन या जन्म जास्तिजों की, जिम्हें भारतीय जाय-कर विधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधितियम, या धनकर विधितियम, या धनकर विधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ विस्तित्वम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ वस्तिरिती ब्वाचा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितने में सवित्रा के लिए:

लक्षः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं राक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन कि नियमिल जित व्यक्तियों, संधात ह—
5—16 GI/86

(1) श्रीमित तस्तोष कुमारी बेधा स्व० प्रेमनाथ सिह, मकान नं० ११३-९, अखा टाऊन, गाजियाबाद हाल पाम गाळग, बिठीऊ तह्० मवाना कलो, मेलठा

(अन्तरक)

(2) अीमित शासवती पत्नी श्री प्रीतम सिंह ग्राम वैदपुरा, बादरी, नाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) तथैव।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) सथैदा

(वह बाकि जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को बह सूचना कारी कारके पृत्रकित सम्पत्ति क अर्थन के सिष् कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्मिल के इंदर है का जब है कोई भी बाबार हूं-

- (क) इस स्चरा के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की संशीध या तरसम्बर्गी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी संबंधि वाद में समाप्त होती की, के भीतर पूर्विकत स्यक्तिसों के से किसी स्पतिस्ता द्वारा;
- (का) इस सुचना के राजपत्र श्री प्रकाशन की तारीक त 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी मन्य स्थित प्रवास स्थाहरताक्षरी के सुस जिक्ति में किस का बक्तेंगे।

स्वक्रम्भारण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, भी क्या वीधित्वम के कथ्याय 20-क में परिशापित हैं। बहुत कर्ष होना को उत्त अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

मकान न० 148-ए, माडल टाऊन, गालियाबाद। एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहाग्रह आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कामपुर

नारीख: 6-3-1986

प्ररूप आईं .टी.एन.एस . -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जा केंज, जानपुर

कानपुर, दिनां ३ ७ मार्च 1986

निदेण सं० एम-1008/85--86----अतः मुझे, एच० आ४० दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्कों इक्कों परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूक्ष्य 1,00,000/- रहे. से अधिक ही

भ्रौरिक्तिमकी संवकेव जीव 32 है स्थाजो कविनगर गाजियावाद में क्थित है। (भ्रार इसरे उपाधन्न अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्या विभिन्न है), क्षिन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में स्जीरद्रीकरण अधिक्यिम, 1908 (1906 का 16) के अधीन दिनोठ 16-7-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एमे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) बा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अप अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पुरजभात पुज श्री भगजान दास, जयपुर द्वारा श्री जिलोद कुमार धजाल पुत श्री णिव लाल नि० 49, जरमीप्रा, ग.जिस.बाहा

(५क्५ एक)

(2) शिव जाल बचार पुत्र शी कोडा राम बजाज जिलामी 49, जन्मीपुरा, गाजिसाबाद।

(अन्तरिती)

(3) भथैव।

(वह व्यक्ति जिनके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) नथैव।

बहु व्यक्ति ितके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता कि वह अमर्शन में हितबढ़ हैं)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से से 45 दिन की अविधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारी ख सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बर सची

म ग्राम नं० के० जी० 32, कवि नगर गाजियाबाद।

एच० आए० दास सक्षम प्राधिकारी लहासक आसकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

नारीखः 6-3-1986

ब्रक्त बाइं. टी. एत. एस.----

नामकार कोधनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-घ (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक नायकार नायुक्त (भिर्माक्षान)

अर्जन रेंज रामपुर काभपुर, दिशाङ ६ मार्च 1986 मिदेण सं० एम० 1017/85-86---अत: म्झे, एच० आर० दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विज्ञे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विज्ञा उचित नाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिल्लकी सं० 184 है तथा जो तुराव भगर गाजियाबाद में स्थित है (शीर इंग्ले उलाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिलस्ट्रीहर्ता अधिकारी के लायिका गाजियाबाद में रिजाट्रीलण अधिनियम 1908 (1908 था 16) के अधीन दिनांच 23~7—1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :...

- (क) अंधरण संहुई किसी नाय की धावस, उन्तर बिधनियम के शंधीन कर दोने क जन्तरक अ बायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में मृबिय। के लिए; बरिं/या
- (ब) एसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तिया को जिन्ही भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1900 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्योबनार्थ अंदरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा व सिए;

बतः वस, उन्त अधिनियम की नाय 269-य की जनसरण बा, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अ बधीन, निम्नविधिट व्यक्तियों, कर्माय मन्त्र (1) तत्यपाल महेन्दर पुत्र ालालाल चन्द्र विनासी तुराव भगर गाजियाबाद।

(अन्तर्ह)

(2) की मल्या देवी परनी श्रो इयाम प्रकाण मखा। विवासी 62 न्यू गांबी नगर, गाजियाबाद (अन्तरिती)

(3) संयोव।

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्मत्ति है)

(4) तथैव।

वह बाक्ति जिल्के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सृष्या जारी करके पूर्वोक्स सम्पस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्का सुम्परित के भ्वति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक तं 45 दिन की जबीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीन, से 30 दिन की शृहिष्, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच म 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थल्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यो

मकान नं० 184 पुराना 171 तुराव नगर गाजियाबाद एच० आर० दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जंग रेंज, कांगप्र

दिमांक: 6-3-1986

त्रक्य बाह्री, टी. एत , एक . ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वो वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, अष्टायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर कानपुर, दिनांक 2 मार्च 1986 निदेश मं० एम० डी० 287/85-86--अत: एच० आर० दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त कधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सभ्यति।, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 20 है तथा ^क निमि**खला रोड**, देहराटून में स्थित है। (ग्रीर इसी धरावड़ अपुस्ची में ग्रीट पूर्ण रुप में वर्णित है), र्याजस्द्रीरती अधिकारी के कार्यालय देहरादुन में अजीस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीय दिनांक 23-7-1985

को पूर्वोक्त सम्परित को रुपित बाजार भत्य से कम के करवमान प्रतिकर, क लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथान्योंकत संगरित का जीवन बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उन्त अन्तरण लिश्वित में गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग आहे बाबत, मिनियम के मधीन कर दोने के अस्तरक दामित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-1957 (1957 का 27) की कर अधिनियम, प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा 🕏 विए;

अवः अवः उक्त अधिनियम की भार। 269-ग के अनुसरण भी, भी, जनस मधिनियम की धारा 269 व नहीं उपशहरा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

- (1) श्रीमतिविद्यावनी पहिन दीना नाथ कपूर नासियना रोड, देहरादून द्वारा श्री दीना नाथ कपूर।
 - (अन्तरक)
 - (2) श्रीमतिरेखा शर्मा परिन श्री बेद कान्त शर्मा राजपुर रोड, देहरादून।

(अन्तरिती)

(3) तथीव।

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) तथैव।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्याक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह स्थाना थारी करके प्रशेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करताा हां।

छक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तस्संबंधी व्यक्तियाँ वंद सूचना की तामीस से 30 दिन की शविध, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इसस्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध **किसी अन्य व्यक्ति द्वा**रा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, आरे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

20 नासिवला रोड, देहरादुन।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

दिनां कः 12-3-1986

ं प्र**रू**वं ला**र्ड**ं टी. एन. एस.-----

बायकर मिर्गुनयून, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के नभीन सूचना

गरत सरकाड

कार्यान्य, बहायक नायकर नाय्कत (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनां हे 11 मार्च 1986

निदेश सं० एम० डी०-288/85-86-अतः मुझे, एच० आर० दास

बायकर निधनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात उक्त निधनियम कहा गया है) की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृन्य 1, रा. से निधक है

स्रौर जिसकी सं 13/11 है तथा जो तेग बहादुर मार्ग में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में स्रोर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय देहरादून में रजीन्ट्रीकरण अधिन्तम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण हे हुए किसी या का नानतः, उक्ट अधिनियम् के मधीन फर दने के बन्दरक के दायित्व में कभी करने या उक्क कुला में सुविधा के जिए; बार/मा
- (क) प्रेसी किसी आय या किसी धन गा जन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयक स्वीधिनयम, 1922 (1922 का 81) या उकत अधिनियम, या बनक कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाध १कट नहीं किया गया या मिक्या नाता वाहिए था, कियाने में प्रविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इं वधीन विस्तिवित व्यक्तियों, वर्धात् क्ष्या (1) निर्भय सिंह पुत्र शेर सिंह 13/11 तेग बहा**दुर** मार्ग देहरादुम।

(अंतरक)

(2) अविनाश सनसेना पुत्र एच० सी० सनसेना 17 सरकुत्तर रोड, देहरादून।

(अन्तरिती)

(3) तथैव।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव।

(वह न्यक्ति जिमके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है जि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—
(क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्षिकत

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो बस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान नं 13/11 तेग बहादूर मार्ग देहरादून।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक: 11-3-1986

प्रकप भाइं .टी.एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

प्राद्धत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिभाक 12 मार्च 1986

ांनदेश म० एम० डी० 289/85-86--अतः मुझे एच० आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्थ 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्राँर जिसकी स० 67/07बी है तथा जो राजपुर रोड, देहरादून में स्थित है (श्रांर इसम उपात्रज्ञ अनुसुची में श्रांर पूर्ण कर से वणित है), राजस्द्रोक्ती अधिकारी के सायलिय देहरादून में राजस्द्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का का 16) के अधीन दिनंक 25-7-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से आध्य के बौर अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षेच्य से उन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित मही किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्ध, उक्त निधिनियम के अभीन कर दोने के जन्दरक के दायित्य में कभी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी त्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, अवत अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं उद्देश अधिनियम को धारा 269-थ की प्रपधारा (1) के अधीन निम्मितिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) भूपेन्द्र कौर परित स्वर्गीय अवतार सिंह नि० 67/67बी राजपुर शेड, देहपादून।

A ANGERE COMPANIE OF THE COMPANIE OF THE PROPERTY OF THE PROPE

(अन्तरक)

(2) आस्मा नथानी परित श्री के० पी० नथानी निवासी 12/2 श्रील्ड सर्वे रोड, देहरादून। (अन्तरिती)

(3) শ্খীৰ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव । (वह व्यक्ति जिसकः बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनिवस, के अध्याय 20-क में दिरभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

प्रावर्टी नं० 67/67वी राजपुर रोड देहरादून।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जानपुर

दिनांक: 12-3-1986

ात राज्यस्थान्यस्थान्यस्थान्यः २५ स्थानस्थान्यस्थान्यः अस्तरस्थाः । व्याप्तानः स्थानस्थानस्थानस्थानस्थानस्थानस् प्राहपः आर्द्वः एसं . एसं . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, राहायक आयकर आग्व्यत (निरक्षिण) अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश मं० एम० डी० 292/85-86--अतः मुझे, एच० आर० दाम,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' बहा गया हैं), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिल्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 12 है तथा जो त्रक्मी रोड देहरादूल में स्थित हैं (श्रीर इस । उनाबह अनुमूची में श्रीर पूर्ण एप में बणित है), रिजल्ट्री एती अधिकारी के कार्यात्य देहरादूल में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 या 16) के अधीन दिनांक 16-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकश के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल कम पन्सह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिपों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिक्कन, रिम्बलिशित उद्देषम से अक्त अन्तरण निकास में बास्त-विक स्थ ने अधित नहीं किया पना है :----

- (क) करतरण से हुई किसी बाय की वाबस, उक्स जिमित्रम के जभीन कर पोने के जस्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए; स्वीम/या
- (क) एसी विज्ञी नाय या किसी भने था अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्ट अधिनियम, या जिनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को भोजनार्थ अन्तिरिती खुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-४ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थाह्य ह— (1) गोतान चन्द्र नैन एस०/प्रो० स्व० श्री पास बहाबुर भिग्टर जिम्टस कैवर मैन आए०/श्रो० 84 लोधी स्टेट, नई बिल्ली।

South to the same and the same and the same

(अस्त्रास्ट क्

(2) मेजर सुरेन्द्र से। पुत श्री लेफिट नैंट धर्मन भरेन्द्र भन 12 लक्ष्मी रोड, देहरादूश। (अन्हरिती)

(3) के भागण।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) क्रेतागण।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहरूगक्षरो जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थाना जारी करकं पृथीयक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

भावत सम्पत्ति के अर्थन के स्टानन्त में कोई। भी लाओब :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है ते 45 विन की जबित मा तत्सम्मन्धी व्यक्तिनों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीं कर स्वित सूंजों में से किसी स्वित दूजारा.
- (क) इस सुचना के राजपात्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताकरी के पाई सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण:---इसमें प्रयुक्त धान्यों और पर्वों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया

जन्सूची

मकान नं० 12 लक्ष्मी रोख, देहरादूत।

णु**च**० आर० दा**स** सक्षम प्राधिकारी सहायक जाग*ार आयुक्त* (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, कान**पूर**

दिनांक: 11-3-1986

प्रकार बार्ड , ही । एम , पूरा - ------

बाधकार भीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वता

मारत दरकार

कार्यात्रव, सद्यायक नायकर नागुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० एम० डी० 295/85-86--अतः मुझे, एच० आर० दास

नायकर संधितियम, ... (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त नीधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ध के संधीत तक्षप्र प्राधिकारी करें, यह विश्वात कहने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- क. से सिधक हैं

श्रीर जिसकी सं ० 13 हैं तथा जो चन्द्रेश्वर रोख, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहा। दून में जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 2-7-1985

को पूर्वोक्स सम्बक्ति के उपित बाजार मूक्य से कम के प्रवस्त्रान प्रांतफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिबाँ) के बीच प्रेसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रटिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में सास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त निषित्रियम के अधीन कर वानं के अन्तरक के वाधिरल ने कमी करने वा उद्ययं व्यने में सुविधा के लिए; नीए/वा
- (व) एवी कियी नाम या किसी भन वा नन्य आस्तियाँ की, पिन्हें भारतीय नायक अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िएए वया भा या किया अन्त साहिए था, कियाने में स्थिभा के निए;

कतः जब उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसाम में. में, प्रक्त में प्रिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिश्वित त्यिक्तवों, अर्थात् :---

(1) प्रिनार धन्य धास्त्री पुत्र राम चन्द्र शास्त्री १८० पा० १ ६ प्रागर भवा भुलेश्वर वाम्बे (वं अन्य लोगा),

(अन्तर्क)

(2) डो.सी महत्ता मोटम स्रोभर्म कार्पो० प्राण प्रा० विच ऋषितमा बद्दारनपुर।

(अन्तरिती)

(3) केनागण।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ऋतागणा

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जान है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पिश्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमों प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्य

13, जत्रदेश्वर रोड; ऋषिकेश जिला सहारनपुर।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयजर आपूक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

दिसांक: 11-3-1986

माहर:

ब्रुक्त अरही दी एम एस १०४४ ०

बावकर व्यथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थें (1) **के मधीन नुषदा**

वापस संपुक्तार

कार्यालय, सहायक जानकर जानुक्त (निर्याक्तक)

<mark>श्रर्जन रें</mark>ज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० एम० डी०--303/85-86---श्रन: मुझे, एच० श्रार० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर प्रस्थित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-छ. से अधिक है

और जिसकी सं० खेत 275, 285, 286, 288 एवं 289 हैं तथा भी ग्राम सिकडेन्डा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप ने पणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के शर्वीत, तारीख 3-7-1985

को पूर्वे सि सम्पत्ति के उणित कावार मूच्य से कम के क्यमण प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते मेह विकास करने का कारण है कि मध्यमुर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाबार मूच्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे क्ष्ममान प्रतिकल का गम्सूह प्रतिक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंवरिती 'अन्तोरात्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल निक्नतिक्क उड़्बेरण से उक्त अन्तरण किवित में शक्तीन के स्प से किवित नहीं किया बया है।

- (भ) नशास्त्र से हुन्दें भिन्नी नाथ की शनत, उपस् प्रतिकार में जभीत एउट् स्टेने के श्रमहरू ही वर्शनाय में कभी कहमें वा उसने कम्बं में स्विधा के लिए; और/मा
- ंशें गोरी किशी बाय या किसी धन या अन्य नास्तियाँ निर्म, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्याजनार्थ जन्करिती द्वारा एकर एसी विकास प्रया या किया जाता चाहिए का छिपार में मुकिभा है जिए.

स्तरः तम उरुतः लिथिटियस की धारा 269-ग के बम्हरूच माँ, माँ, उक्त ाधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विशेष: िञ्चितिश्वित व्यक्तियों, वर्षात् ६०— 6—16 GI/86

- श्री भेड्डींमह न नुरान मिड् एवं धन्य नि० ग्राम निज्ञेंडा, जिला मुचफ्फर नगर। (धन्तरक)
- श्रीमती सिनता रानी पत्नी श्री राज किशोर, श्रीमती सरोज श्रप्रवाल पत्नी परमात्मा गरण, निवासी कैताल कालोनी, श्राफिस गेस्ट हाउस, नं० 8, बिजनौर।

(धन्तरिती)

3. ऋतागण

(बर् व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

केतागण

(बहु ब्यक्ति, जिसके बारे में श्रधो-ृस्यावरी जानता है कि बहु सम्बक्ति में हिन**बढ़ है**)

का बहु सुचना जारां करके एवोंक्स सन्यक्ति के अर्जन के किस कार्वनाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड भी नामीप :---

- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की स्रिटीय है 45 । उन की जनकि 21 नहमम्बन्धी कि विचयों पर स्वान की सामीन के 30 विन की अनिध, जो भी अविष बाद में सम्मन्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर करिएकों भी ते किया विद्यास बहारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तरशीय है 45 दिन के भीतर अन्त स्थायर सम्मित में दिन न ने भीतर अन्त स्थायर सम्मित में दिन न क्यांकित स्थायर सम्मित में किए जा सकी ने।

मनुषुषी

खेत नं० 275, 285, 286, 288 एवं 289, स्थित ग्राम सिखड़ेड्डा जिला मुजफ्फरनगर।

> एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजं रेंज, कानपुर

तारीख: 11--3--1986

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस. -----

सम्बद्ध थॉफिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के अभीन सूचना

नारत सरकार

कार्काक्य, बहाधक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रोज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 नार्च 1986

निवेश सं० एम० डी०-310/85-36--धर्तः मुझे, एच० श्रार० दास

बायकर मिंपियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के बधीन सक्षम प्रधिकारी को गह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-क. से बधिक हैं

और जिसकी सं० 136, 130 है तथा जो जानसठ में स्थित है (और इसके उपाबद्ध धनुभूकों में और पूर्ण का से बाणत है) रिजस्ट्रीकर्ती धिकागरी है कांग्रीका बुठाना में रिजस्ट्रीकरण धिकियम 1908 (1903 ा 16) के प्रधीन तारीख 16→7-4985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कब के क्याना वितफक के सिए जन्तरित की गर्द है और मभी गह विकास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृग्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ब्रह्ममान प्रतिफल का व्याह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीध ऐसे अन्तरण के सिए तय वाका गया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उद्देश्य से उसते अन्तरण किविश में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरम से हुई किसी भाव की, बावता, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में अभी अरने या उरासे बचने में सुधिया के किए; और/मा
- (क) इसी किसी बान या किसी धम या जला आस्तिकों को बिन्हें भारतीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, वा धन-कर निधनियम, वा धन-कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के निए;

बत: अब, उक्त सविनियम की भारा 269-म के अनुसरण बी, भी, उक्त संधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, मिस्तमिकिक स्थानितमी, संबंद कु— श्रं मूलचन्द्र पुत्र श्री भागत सिंह, ग्राम केंट्रा पो० केर्डा, शामली, कैराना, मुक्कफर नगर ।

(भ्रन्तक)

2. श्री कुलबीर सिंह राजीब कुमार व श्रन्थ खानपुर मपुरपुर, जानसठ, मुजफ्फर नगर।

(भ्रन्तरिती)

3. →-यथोक्त---

(वह व्यक्तित, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —∹ःथोक्त---

(पत् व्यक्तिः, जिसके बारे में धर्धो-हस्ताक्षरीं जानता है कि वह सम्पत्ति भें हिल्लाद्ध हैं)

को मह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

जनत सन्यक्ति को अजन को सम्बन्ध में करो**र्ड भी अक्षो**प १०००

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संगंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में किसी ध्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इसस्चना के राजपन में प्रकातन की सारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिटक्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर् के पांच निवित में किए का सकति।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रवृक्त कुन्यों और पत्नों का, को अन्तर अभिनियम, के अध्याय 20-के में परिकारिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका क्वा है :

अनुसूची

खसरा नं० 103, 130, जानसठ, मुजफ्फरनगर।

एच० धार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 11--3--1986

प्रकप बाइ°. टी. एन ् एसः ----

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) हीं धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक नायकर नायकर (निर्दीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 11 मार्च 1936 निर्देश सं० एम० डी०-313/85-86---श्रतः मुझे, एच० श्वार० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 1457 है, तथा जो मौजा चौहाटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती घिष्ठिया, 1903 (1903 का 16) के अर्थान, तारीख 27-7-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाखार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिफल का निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्मलिखन में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया नया है :—

- (क) अन्तरण में हुइं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्रायित्व में कमी करने या उसस बचने में ्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किमी अप या दिस्सी भन्न या अन्य आस्तिय। को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा की लिए;

क्षतः वत, उक्त विधिनियम की वारा 269-म के बब्बर्ज के, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के व्यक्ति, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- श्री नाजी प्रसाद पुत्र श्री सस्यमूर्ति, चरथावल, मुजफ्फर-नगर।

(भन्तरक)

2. श्री देवदत्त पुत्र श्री शेरींसह व अन्य, ग्राम व पोस्ट चरथावल, मुजफ्फरनगर।

(भ्रन्तरिती)

3. ---यथोक्त---

(वहं व्यक्तित, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ---यथोक्त---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे के अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना बारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्षन के वर्षन के वर्षन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों जाद सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर सूचीं का विध व्यक्तियों में में किसी व्यक्तित द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितक्क्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के का सकेंगे।

न्यव्दोकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उससे बिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

क्विषि भूमि नं 1457, स्थित चौहट्टी, चरथावल, मुजफ्फर-

एच० म्रार० दास स**क्षम प्राधि**कारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज; कानपुर

तारीख: 11-3-1986

मोहरः

प्रकथ आई.टी. एन . एस . ------

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) को अधीम स्कना

भारत सरकार

कार्यात्रम, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० एम० डी०~317/85~86→~श्रत: मुझे, एच० श्रार० दाम,

भावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिते इसमें इसके परवात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया है, की भारा 289-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात कारने का कारण है कि स्थावर तंपीता, जिसका विकत संखार मूल्य 1,00,000/- रा. ते अभिक है

भीर जिसकी सं० ईं1० 83 है, तथा जो साकेत णहर मेरठ में स्थित है (और इसके उपाबद्ध क्षनुगुची में और पूर्ण रूप से चर्णित है), विकस्ट्रीयर्ता क्षितारी के कार्यालय, भरठ में, रजिस्ट्रीकरण क्षितियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, तारीख 25-7-1985

को प्रॉक्त सम्मिति के उणित बाजार मूल्य ते का न के दश्मनान शितक के लिए अन्तरित की गई है और नून वह विश्वास उरने का कारण है कि स्थाप्सोंकत तस्विति को उणित बाजार कुला, उत्तके दश्ममान प्रतिकाल से एसे दश्ममान प्रतिकाल का पेस्ट्र प्रतिकाल के अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) और अंतरिक ति (जन्तीयतिकों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नसिसित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाल्सियक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिभियम के अधीन कर देने के अल्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एती किसी आय या किती भन या अन्य अपस्तियों को, जिम्ह भारतीय अध-कर अभिनियम, 1922 (1922) का 11) वा उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा को सिए;

चन्द्र भव उन्त नीधिनियम की धादा 269-म के न्यूबर्ग को, मी, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (१) को बधीन, निम्नितिचित व्यक्तियों, नर्भात् क्र--- श्री स्वामी णरन मिश्रा पुत्र श्री के० एस० मिश्रा, निवासी डीं→88, साकेत शहर, मेरठ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीं जगदींश प्रसाद पुत्र श्री मोहन लाल, निवासी ई(-88, साकेत, मेरठ।

(भ्रन्तरिती)

3. ऋेतागण

(वह क्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

केतागण

(बड़ क्यक्ति, जिसके बारे में प्रघो-हराअरी जाना है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस क्षमा के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांवीत्त में हित्तवव्य किसी अन्य न्यक्ति व्वार्य अधोहस्ताक्षरी के पास सिवीसत में किए जा सकीं।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और वहां का वा खब्त शीध-निषम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अभवतानी

म० नं० डी- 88, साकेत, भेरठ।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

तारीखः 11-3-1986 मोहरः ्राक्षार आहे. दी एक... पुत्र , जनवाननवान

नायकर कभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-प (1) के वधीन सुखना

साइत सङ्काङ

कार्नालय, सहायक भावकर काय्क्स (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० एम० डी०-318/85-86--श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इक्षणें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ह के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वसस करने का कारण कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित्त बाजार मृह्य,

1,00,000/- रह. से **जिथक है**

श्रीर जिसकी सं० 239 है तथा जो सिविल लाईन मेरठ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीजर्ती श्रिधशारी के वार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीजरण श्रिधितयम 1908 (1908 था 16) के श्रिधीन, तारीख 23-7-1985

को पूर्विक्त सम्बन्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की नई है और मूक्षे यह विष्यास करने का कारण है कि स्थाप्यांक्स संपादन का उचित अक्षाप्यांक्स संपादन का उचित अक्षाप्यांक्स संपादन का उचित अक्षाप्यांक्स संपादन का उचित अक्षाप्यांक्स एसे द्रश्यमान श्रीतफल का पत्रह श्रीतात से बाधक है और अत्यक्त (अक्षरका) और अंतरिता (कर्तारित्यों) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय पाया गया गाँविक्ष की जन्म लिखित उब्दोक्स से नक्त अन्तर्थ सिधिक में भाग्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ;—

- (क) अन्तरण खे श्रुद्ध किसी आज आग बागरा, उक्त बीधनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के खिंदिन में कभी कुरने के उससे अजने में सुविधा खें चिए; बीह/बा
- (व) एकी किसी बाय वा किसी अन वा जन्म जास्तियां की, जिन्हें भारतीय आवकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने के बांबाधा में सिद्ध;

वतः वयः, उन्तः वीधीनयम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में उथल अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कथीन, भिज्नति विक अधितामा, अधित् अ— चौधरी घनतीर पिह् एडवोकेट पुत्र चौ० स्या सिंह तिविल लाईन, मेएठ।

(ग्रन्तरक)

 श्री पामानन्द पुत्र र(मष्ठस्वरूप निवासी स्वामी-पाडा, मेरठ।

(भन्तरिती)

3. ---सर्थं ब---

(बह ब्यक्ति जिसके **श्रधिभोग में** सम्पत्ति है)

4. —सर्थं व--

(यह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधो-इस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह स्थमा करण कारक प्राप्त स्थानक सपारस के अर्थन के निय कायकाहियां करता हो।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध अ कोई भी बाक्षप -

- (क) हम स्वरा के राजना में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की जनीय शा तत्सावनकी कालिएयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाध्य होती हों. जे बीजा प्रविच व्यक्तियों में स होति व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपण भे प्रकादन का तारोख के 45 दिन के बीतर स्थाद स्थादर स्थापित में हित-नद्भ किसी अन्य व्यक्तिस ध्यास अधाहस्ताक्षरी के पास निष्यंत में किस्य जा सकेंगे।

सम्बद्धिः -- इसमें प्रथक्त शब्दा और पदों का, जो सम्ब विभिन्नियम की अध्याय 20-क में परिशाविष्ठ है, निहीं कर्या कि उस अध्याय में दिया गया है।

मनस ची

मकान नं० 239, सिविल लाईन्स, मेरठ।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

तारीख: 7-3-1986

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . *****

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा ?69 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 मार्च 1986 निर्देश सं० एम० डी०-319,85-86-श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'त्रक्ष अभिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्षि, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00:000/- रा. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी मं० ए०-27 डिफोन्स कालोनी, है तथा जो मेरठ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री क्ष्ती प्रधिकारी के कार्यानय, मेरठ में एकिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपनत बाजार मूल्य से कथ के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल में, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्त्राविक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण संदुद्ध किसी जाय का बाबता, उक्स अभिनिध्य के अभीत कर देने के असरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिद्ध, बॉर/बा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधनियम, या भन-केर जिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सादशा के लिए;

न्तः अवः, उन्तः जाभानयम् की भारा 269-च के बन्तरण्यः भा, मा, जन्त अधिनियम् का भारा 269-च का उन्धारा (1) के अभोन, निम्मिसिक स्युक्तियाँ, अथाँवः--- 1. श्री चन्द्र नान्स पुत्र श्री पराग लाल निवासी ए०~27 डिफेन्स कालोनी, मेरठ

(श्रन्तरक)

2 श्री कुनदीप महाजन पुत्र राम नाथ महाजन, निवासी 88 जैन मोहल्ला, मेरठ केन्ट।

(म्रन्तरिती)

3. — तथ^{*}व---

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — सथे**व**—

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को वह सूचना चारी कर्रके पूर्वनित सम्पत्ति के नुर्वन के निध् कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त तन्त्रीत् के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप 🚈

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में ननाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 हित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित क्ष्य कि वास्पत्ति में हित क्ष्य कि वास्पत्ति के पान हित कि में किये वास्केंने।

ल्किकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं कर्ष होगा, जो उस शुध्याय में दिशा भवा है।

नन्स्ची

मकान नं० ए-27, डिफोन्स कालोनी, मेरठ।

एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

ताराख: 7-3-1986

माहर:

प्रथम बाह्". सी. एस. ५७ -----

काषधःर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) কী থাত 269-খ (1) के जथीत सूचना

भारत सहस्वार

कार्यासय, सहावक अध्यकर जावकर (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज, कानपूर कानपुर, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० एम॰ डी०-320/85-86--म्रतः मुझे, एच० श्रार० टामः,

भाजकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परेणात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया हैं), जो कि धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही है स्थापण सम्पास, जिसका उचित बाचार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० 243 है, तथा जो पुरवा श्रहोरान में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारों के वार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त स्वाति के उचित अजार मृत्य से काम के दस्यमान शितफल के लिए अंतरित की गईं है और मुक्ते यह व्यितास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यद्व पतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेश से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्यपण यहाडी जिल्ली साम की सम्बन्ध गुण्या सिंधितम के सभीन कर बाने के सन्तरक से ग्रिश्तित में क्यों करने या उससे भूचने में सिंबिंध। अं सिंध; बॉर/मा
- (क) एने किसी अप या किसी भव वा क्य नारिसकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर विभिनियम, या धनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था वा किया जाना बाहिए वा कियाने में स्विभा से दिए।

बत: वध, उक्त जिथिनियम की भारा 269-व के बन्तरण भों, मीं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-व भी जपभारा (1) के बचीन, निस्नीनियत व्यक्तियों बचाँत हु--- 1. श्री श्रोंगार णर्मा पुत्र स्व० वासुदेव, निवासी 120-ए०, सिविल लाईन्स, बरेली।

(सन्तरक)

2. श्री दुर्गी प्रसाद पुत्र श्री ज्वाला प्रसाद, निवासी बुढाना गेट, मेरठ।

(अन्तरिती)

3. —सर्थव—

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधमोग में सम्पत्ति है)

4. -- तथंव---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वारा जारी अन्त (बाक्त सम्पान के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की त्याधि या तल्यम्बन्धी व्यक्तियों पृष् सूचना की तामील से 30 दिन की अधिष, जो भी अविष साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्षिक्स व्यक्तियों अं से तिसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन के नीतर उक्त स्थाधर सम्पक्ति में हितयद्वर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्वच्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, को उच्छा किभीनयम के अध्याव 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में क्रिका गया है।

ग्रनुसूची

नं० 243, पुरवा श्रष्टीरान, मेरठ।

एच० श्राण**० सास** सक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 7-3-1986

प्ररूप जाइ*. टी. एन. **एस**्न-----

आयकर अधि ियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 26⊘ व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

शानपुर, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं एम० डी०-321,85-86--अतः मुझे, एच० श्रार० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'अयस अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम ग्राधिकारी की, यह विश्वास करसे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्णित माजार मूक्स 1.,00,000/- गर. से अधिक है

ष्मीप जिल्ला सं गर्वे तं 24 है, तथा जो पुरवा श्रिहरान गांव में दिन। है (श्रीप इन्ते उनवाद अनुसूची में रिप्पूर्ण इप ने विभिन्न है), रिवस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्याप, में उने विभिन्न किया किया, 1908 (1908 का 16) के अभीत, कारीख 1 न्याई, 1985

को प्रिंक्त सम्पत्ति के अभिन नागार गुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित को गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्स, नकते दृश्यमान प्रतिफल के प्रतिफल के दृश्यमान प्रतिफल के दृश्य (अंतरकों) और गंतरिती (अन्तरितियों) के नीव एसे अन्तर्ण के लिए तम पाम गम। श्रीतिफल निम्नलिखित उद्दर्शय से उक्त अन्तर्ण लिखित में बास्तिक रूप से बाहित के बास्तिक रूप से बाहित के बाहित के

- (क) अन्तरण में हाई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के बायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह⁷ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया धन या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिख:

अक्ष: अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के लनूतरण मैं. मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभौत्:--- श्री श्रों नार भर्मा, रिटायर्ड श्राई० जी० पुलिस, पुत्र श्री वासुदेव शर्मा, 120-ए, सिविल लाईन्स, बरेली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री दुर्गा प्रसाद पुत्र ज्वाला प्रसाद, बुढाना गेट, भेरठ।

(ग्रन्सरिती)

3. --- तथै व---

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. --तथ**ँव--**

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हितबद्ध है)

को यह त्या वारी करके पूर्वोक्त सभ्यति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील में 36 दिन की अदिधि, जो भी स्विष्य वाद में स्माप्त होता हो, के भीतर गर्नीकत म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र म त्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्थलाकरण:--इसमें प्रज्वत शस्तें और पदों का, जो जनत भौधिनयम, के अध्याय 20-क में दिशाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

अनुसूची

म० नं० 24, पुरवा ग्रहीरान, भेरठ।

एच० म्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपुर

सारीख: 11-3-1986

प्रकार मार्च. टी. एम. एस्.

भागकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीन स्थान

भारत तरकार

धार्यालय, सहारक शायकर वायक्त (निरीक्तक)

श्चर्जन रेंज, बगनपुर कानपुर, दिनांदा 7 पार्च 1986

निदेश सं० एम० डी०--322/85--86---श्रतः। मुझे, एच० धार० दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीय सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 27 हैं, तथा जो भेरठ में स्थित हैं (और इसरे। उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिकियम, 1908 (1908 वा 16) के शर्थान, तारीक 1--7--1985

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाबार मूल्य से कम के इस्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यवान प्रतिखल से, ऐसे दृश्यवान प्रतिचल का प्रश्यह प्रति म न प्रतिक के बीर मध्तरम (मध्तरकों) मीर क्वतरिती (क्वतिविधें) के बीच ऐसे क्वतरज के लिए तय पाया चया प्रतिचल कि किवा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुक् जिली जाव की वावसा, उपच जिलीनयम को अधीन कर कोने की अन्तरक को दार्थिक में कानी कड़ने या उससे नजने में सुन्धिना को लिए; आंद्र/बा
- (क) ऐसी किसी आव वा किसी भन वा कल जास्तिवों को, जिस्हें भारतीय आवकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किला चाना चाहिए था, क्रियान के सविवा के निए; बॉर/वा

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी. भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपचारा (1) के सभीत किस्तिनिस्ति स्यक्तियों, अर्थात् :---7—16 GI/86 ा. श्रीमती कमाला देवी घटनी श्री हर गोबिन्द, निवासी 156-वी, सेक्टर 14, नोण्डा, गाजियाबाद। (शस्त्रक)

 श्री: दुर्गा प्रसाद पुत्र श्री: ज्वाला प्रसाद, िवासी बढाना गेट, भेरट।

(धरारिती)

3. ---न**थैव-**--

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4. -----দ**্মীদ্ব**-----

(बहु ब्यक्ति, जिसके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि बहु सम्पक्ति में दिवबब है)

को वह ब्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

रामा सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षीय वाद में सबादा होती हो, के भीतर पृत्रीवस व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उनस स्थानर सम्पत्ति में दित- वहूप किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहम्ताकरी के पात निवित्त में विग्र का सकेंगे।

स्पृक्तीकरण :—इसमें प्रमृक्त शब्दों कीह पदों का, जो उक्त धींचित्रमा, के बध्याय 20-क में परिभावित ही, बही कर्य होगा को उस अध्याप में िश्वा बसा ही।

अन्सुची

खेती भूमि नं० 27, बाकै पुरवा प्रक्तिरन, भरठ।

एच० श्रार० दास नक्षम प्राधिकारी पहासक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जा सेंग, भाष्पुर

नार्कण्यः 7--3--1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

शर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिलांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० एम० डीं०--323/85--86----ग्रन: मुझे, एच० धार० नाम.

बायकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पण्यात 'राक्त अधिनियम' कहा गया हैं), भी धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 24 है, तथा जो पुरवा श्रिहरन में स्थित है (अंग्र इसने उपाबद श्रनुमुची में और पूर्ण क्य मे वर्णित है), "जिस्ट्रीयनी प्रधिकारों के कार्यालय, मेरठ में, रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, मेरठ में तारीख 1-7-85,

को पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाचार मृत्य से कम के अवजान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान शितफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिस्ति से मधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच इसे बन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखत स्वयंक्त में उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नशीं किया गया हैं:----

- (क) नंतरण से हुन् जिली जान की बावत, उक्त जीवनित्रन के जभीन कर बंगे की अन्तरक के बावित्य में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के निए; आर/वा
- (ब) ऐती कियी बाय वा किसी भन वा कत्य आस्तियों की जिल्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

सन्न: "१वः, उप्ता लिधिनियर की भारा 269-ग के सन्वरम भी, ती, उपता सभितियम की भारा 269-ग की उपभारा (1): के सभीता, निम्नसिधित व्यक्तिसीं, सभीत क्षाना श्रं। ऑंशार प्रमी स्थित्रई प्राई० जी० पुलिस,
 120-ए, सिविल लाईन्स, बरेली।

(श्रनतगरक)

2. श्री जदुर्गा पसाद पुत्र ज्वाला प्रसाद, बुढाना गेट, मेरठ।

(भन्तरिती)

3. ---तथैव---

(গ্ৰন্ন অধিন, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ---नयेंथ----

(अहं व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधो-ह्रसाक्षरों जानना है कि बहं सम्पत्ति में हिनगढ़ हैं)

को यह सूचना कारी कारके पृथीनत सक्ष्मिति के अर्थन के निर् कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्मारत के अर्जन के संबंध में कोई भी बासरे :--

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 15 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर ग्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी श्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवइभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकते।

ज्याकीकरणः — ६समें प्रयुवत शब्दों और पर्वो को जो जनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक? गवा है।

ननसूची

मकात नं० 24, पुरवा प्रहिरान, भेरठ।

एच० घार० दास सञ्जय प्राधिकारी सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैत रेज, कारपुर

नारीख: 11-3-1986

महिर:

प्रकर बार्य , दो , दन <u>, पुर्व .</u>-----

साधका जीर्थान्यस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन ब्याना

भारत सरकाड

कार्यालयः शहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, सानपुर

कानपुर, दिनग्रह 7 मार्च 1986 निदेश सं० के०--330/85--86 --श्रत: मुझे, एच० श्रार० दास,

कायकर की भनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अभीन सक्तम प्राधिकारी कां,, यह विश्वास करने का कारण हैं फि स्थायर संपत्ति जिसका उचित वाधार मुस्थ ;

1,00,000/- क. से अधिक हैं और जिसकें: मं० 117/एच०-3/167 हैं, तथा जो पान्ह नगर में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध जनुसूर्वा में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रोबर्ती अधिकारी क कार्यालय, कातपुर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1903 (1908 वा 16) के अर्थान, नारीख 31-7-1935

को प्योक्त सम्परित के अभित वाकार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की पड़े हैं, जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि व्याप्योंकत संपरित का उचित शालार ब्ल्य, उत्तर्ध स्मान प्रतिफल का पंद्रह प्रतियत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एमें अन्तर्भ के लिए तथ पाना ववा विकास, निम्मिनित संप्रतिका से जन्त अन्तर्भ जिल्ला के विवास कर से कार्य के कार्य के विवास कर से कार्य कर से कार्य के विवास कर से कार्य के वास्तरिक कर से कार्य के विवास कर से कार्य के वास्तरिक कर से कार्य का

- (क) बन्तरण व हुई किसी मान्न की बाब्ध उनंत स्थिन निष्य के वंशीन कर दोने के बन्धरक के शामिल में कभी करने वा उच्चे वंशन में समिधा के सिष्; नीर/वा
- (थ) एसी किसी नाथ या किसी धन या अन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय अस-कर्ड विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियी व्याप् प्रकट वहीं किया यथा था या विधा असा वाहिए था, किसाने में वृत्तिया के सिक्ष;

कत: केव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण बों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निणिखिट व्यक्तिस्पों, अधीत अ— श्री सुर्जिल निर्पुत अनन्त निर्, लिसी 111
 ए/157, श्रमीक नगर, कानपुर।

(श्रन्तरक)

- थः श्रीमती श्रमृत कीर पत्नी स० श्राया सिहं, एवं श्रन्य, 117,एच--2/111, पान्डू नगर, कानपुर। (श्रन्तरितं)
- 3. ऋतागण

(बहु व्यक्तित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋेतागण

(वह व्यक्ति, जिसक बारे में अधा-हस्तप्क्षरी जानता है कि बह सम्प्रति में हितबद्ध है)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के वर्षन के दिवस् कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्येय ह---

- (क) इक त्यूना के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की जनिप ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्याना की तामील से 30 विन की अनिध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इक स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति मा हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए का सकरेंगे।
- ह डीकरण :--- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्यो का, जो उक्त कथि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गरा है।

नन सर्ची

म० तं० 117, एच → 2, 167, पान्डू नगर, कानपुर। एच० और० दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (विरीक्षण) श्रर्जन रंज, कानपुर

नारंख: 7-3-1986

प्ररूप आर्दा.टी.एन.एस.-----

आयकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्दीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 मार्च 1986

िदेण सं० के०-334/85-86---ग्रतः मुझे, ए**च०** फ्रार० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

आंर जिसकी मं० 53-की को०आपरेटिव इण्डस्ट्रियल स्टार है; तथा जो कानपुर में स्थित है (आंर इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख 15-7-1985

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम गया गया प्रतिक कस, जिम्मिशित उद्वर्थ से उसते अन्तरण सिचित में बास्तिवृक्ष हुए स कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाववा, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी भाग वा किसी भन या कन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृविधर के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री इन्द्रजात सिंह भादिया पार्टनर, मैं० जी० मंशूजिना निडल्स मैंन्यू० क०, 53-बो, सहकारी उद्योग स्टेट, काउपुर।

(अन्तरक)

2. श्रो हरबंग लाल बजाज पुत्र श्री राम लाल बजाज, एवं श्रोमतो दर्शना देशो बजाज परनो श्री हरबंग लाल बजाज, 127/400-डब्ल्यू-1, साकेत नगर, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके श्राधिभोग में सम्पत्ति हैं)

श्रेतागण

(वह काक्ति, जिसके बारे में श्रधो-हरूताक्षरी जानता है कि घह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य्वाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ;----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौब है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सन्पाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त क्यक्तियों में से भिन्ती क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 वित के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति के हित्तवस्थ किसी अन्य म्यांचत बुवारा, अभोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किये जा सकीं।

स्पष्टीकरण: -- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उत्त अध्याव में दिवा गवर है।

धनुसूची

सम्पत्ति नं० 53-बी, सहकारी उद्योग स्टेट, कानपुर।

एच० श्रार्० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 7-3-1986

प्रक्य बार्ड, ती. एन. एस. -----

नायकपु निपंतियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचमा

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 7 मार्च 1986

निदेश सं० के०-335/85-86--श्रतः मुझे, एच० भार० दास.

बायकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

1,00,000/- स्ठ. सं अधिक हुं श्रीर जिसकी सं० 127,286-यू० ज्लाक है तथा जो निराला नगर, कानपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 15→7→85 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से क्रम के दृश्यमान बिरफल के लिए बन्तरित की गई हुं और मृभ्ने यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का स्थाप्त के निष्या प्रतिफल के लिए त्य पाया गया बातिफल निम्मिसित उब्दृश्य से उक्स बंतरण के लिए त्य पाया गया बातिफल निम्मिसित उब्दृश्य से उक्स बंतरण के लिए त्य पाया गया बातिफल निम्मिसित उब्दृश्य से उक्त बंतरण के लिए का पाया गया वातिफल निम्मिसित उब्दृश्य से उक्त बंतरण के लिए ता पाया गया वातिफल निम्मिसित उब्दृश्य से उक्त बंतरण के लिए का पाया गया वातिफल स्थ से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी काय की बायल, उपल आंधीनसभ को अधीन कर दोने के अन्तरक के वावित्य में कसी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (वा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ करिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा जै लिए;

नतः सन्, उन्त विभिनियम की भारा 269-ग में अनुसरण में, से, अबत विभिनियम की भारा 269-म जी उपभारा (1) के अभीन, निस्तिसिन्त व्यक्तियों अभीत् ध--- श्री मान सिंह पुत्र श्री चेत सिंह, 127/286, यू० ब्लाक, निराला नगर, कानपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती सत्या देवी पत्नी धर्म बीर चोपड़ा, 124-बी०/457, गोविन्द नगर, कानपुर।

(भ्रन्तरिती)

3. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधी-हस्लाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी शक्षेप :---

- (क) इस सृष्णना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्यस्थित्यीं अपिक्षयों पर सृष्णना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितयों में से किसी स्थित इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निष्कृत में किए वा सकेंदे।

स्वध्यक्तिकरण:—इसमें प्रयूक्त सब्दों और पत्रों का, आं सब्द विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया ववा हैं।

जन**स्वी**

म० नं० 127,286-यू० ज्लाक, निराला नगर, कानपुर।

एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 7-3-1986

प्रकृष आहे. टी. एन. एस,------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक शायकर नायुक्त (निरीक्क)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर दिनौंक 7 मार्च 199

कानपुर, दिनाँक 7 मार्च 1986

निदेश सं० के०⊶33*6,*85—86—⊸ग्रत: मुझे. ए**च०** श्रार० दास

अध्यक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके प्रथात 'कात अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, चिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि नं० 891 है तथा जो मौजा देहली सुजातपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख़ 15-7-1985

कर पूर्वोवश्व सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उजके रश्यमान पितपान में, एमे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से आधक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के वीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में रास्तिवस रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किमी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिश्चम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिश्चम, या भनकर जाँभीनिश्चम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था का या किया जाना चाडिये था, जिपाने में स्विधा जी लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती गंगा देवी 47/41, हटिया, कानपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री राम नगर को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, कानपुर, 48,60, जनरल गंज, कानपुर

(भ्रन्निरती)

3. केतागण

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के लिए करता हो।

उनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की अविधि या हत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यंत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा मया है।

अनुसू**ची**

भ्रारजी नं० 891, भौजा देहली सुजानपुर, जिला कानपुर।

> एच० ग्रार० दास मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

लारीख: 7-3-1986

प्रकृप कार्याः, जी. एप. एम ------

भागकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के बधीन स्वना

कार्यालय, सहायक भाषकर नायुक्त (निर्काल)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 7 मार्च 1986 निदेश सं० के०→338,85→86—-श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० $2\eta_1 416$ है, तथा जो श्राजाद नगर में स्थित है ' (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 10-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य ये उकत अन्तरण निश्वत में सास्तिक कृप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की बाअत उक्त अधि-निषम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सीयत्व में कमी करने वा उससे यचने में सुविधा के लिए, श्रीस/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हीं भारतीय एक कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) शः उ अभिनियम, वा अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) ते प्रयोजनार्थ अन्तरिती देशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिलाने में सुविधा है तिए;

अक्ष 'शव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधितियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीर **निस्तीनीयत व्यक्तियों अर्थीय क**—

- श्री राजा लुटण लाल मिह पुत्र थो उदय वीर मिह, एवं अन्य, 2-ए/416, श्राजाद नगर, कानपुर। (श्रन्तरक)
- 2. मैं० ह्जारी लाल लक्ष्मी नारायन प्रा० लि० द्वारा मैंनिजिंग डायरेक्टर श्री चुन्नी लाल गुप्ता, 10/503, तिलक नगर, कानपुर।

(ग्रन्तरिती)

3. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करक पूर्वोक्स सम्पिल्त के उजन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षान के सम्बन्ध में कोई भी शक्कों ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों यो में किसी क्यक्ति प्रमुखाः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीखा सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, यही अर्थ होगा जो जस अध्याय में विया

नगुस्ची

म० नं० 2-ग्,/416, श्राजाद नगर, कानप्र।

एच० श्रार० दास शक्षम प्राधिकारी महासक सायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक : 7-3-1986

प्रकृष नाहाँ, भी, एस, एठ,-----

लाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन समाना

भारत नरकार

भागांलय , महारक जागकर जागक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनौंक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० के०-339/85-86--- प्रतः मुझे, एघ० ग्रार० दाम,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा १६९-स के अधीन सभाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 7/94, तिलक नगर है तथा जो कानपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता ग्रधिकारी के कार्यान्य, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-7-1985

की पूर्णेक्त सम्बद्धित के उत्तित नाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करा का कारण हैं कि सभाप्वेक्ति संपर्तित का निषत नाजार पृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का निद्ध प्रतिकास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (भन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्तिसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक कप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाक्त, उक्ट अभिनिक्ष को क्षीन शहर दोने के बन्दरक की दायरण में कबी असने या उससे अवले में सुविधा े लिए: सीश्रीक
- (स) धंसी किसी गाय या किसी धन या अन्य आस्सियों कां, जिन्हों भारतीय नायकार लिमिनियल, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं असीरिती द्वारा प्रकाद नहीं स्थित में प्रयोजनायं असीरिती द्वारा प्रकाद नहीं स्थित में प्रयोजनायं की किया अना शाहिए था, छिपाने में जिया के लिए:

अतः जब, उन्हें जीविनियम की धारा १९९० के अंतर्यस्थ में, में, उपत किविनियम की धारा 269-व की व्यवधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों

- श्री रस्जीत कुमार बनर्जी, 7/97 तिलक नगर, कानपुर। (श्रन्तरक)
- श्री श्रमित प्रहलाद झा, 20 इण्डस्ट्रियल इस्टेट, कानपुर।

(श्रन्तरिती)

3. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋतागण

(बह् व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि बह सस्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सन्तरित के सर्जन के संबंध में कोई भी जासीप :---

- (क) इन सुमना के राजपूत्र भे प्रकाधन को तारीन से 45 दिन की अवधि या तत्त्रस्त्रन्थी त्यत्तियों पर सुमना की तामीन से 30 दिन की सर्वधि, जो भी अवधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस त्यना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतार उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- वहुध किसी जन्म स्थावत बुवारा नभोहस्तावारी के पास निविध्यन में विद्याप का सकीते।

स्वध्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त सम्बा और पदा का, जो उन्त किश्विम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भवा है।

धनुसूची

म० नं० 7/94, उत्तरी भाग, तिलक नगर, कानपुर ।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

धिनांक: 7-3-1986

प्रस्य बाह् .टी.एन.एस.------

नायकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० के०→352/85—86→⊷अन, मुझे, एच० आर० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संव आव नंव 306 से 314, 318, 319 व 324 है तथा जो ग्राम गोयनी अकबरपुर में स्थित हैं (ग्रीर इमके उपाधक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकित अधिकारी के वार्याक्य अववनपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 15-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंसरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से आधक है और अंतर्क (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अंतरण निचित्त में वास्तिक रूप से कृषित क्या गया है:—

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिन-नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्ह¹ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का i1) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया वाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बतः जब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के जमुसरण चैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीयः निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात *──

8-16 GI/86

 श्री सूरजबली श्री पुत्र बुद्धा महावीर पुत्र श्री ओरी लाल, एवं अन्य, नि० सिकन्दरपुर तह० अकबरपुर जिला कानपुर बेहात।

(अन्तरक)

2. मैं कानपुर कालोनाइजर्स प्रा० लि०, 118/595, कौशलपुरी कानपुर, द्वारा मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री गंगा प्रसाद।

(अन्तरिती)

3. केलगण

(बह ब्यक्तिः, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 4.5 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सर्कोंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

ग्रा० भूमि नं० 306 से 314, 318, 319 व 324, 'स्थित ग्राम गोयनी, अकबरपुर, जिला कानपुर।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज, का**नपुर**

नारीख: 7**~**3−1986

प्रका नार्च दी । एन । एक . -----

नावकर निवित्यम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के नचीन सुचना

THE THE

कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निर्देशक)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिसांक 7 मार्च 1986 निर्देश सं० के०-357/85-86--अः:, मुझे, एच० आर० दास,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इंडवें इंसकें प्रचात् 'उक्त विश्वविद्यम' कहा नया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर कम्पतित. विश्वका अधित वाश्वार मुख्य 1,00,000/- रु. पे विभिक्त हैं

श्रीर जितकी सं० 337-एच० बता है एया जो जा तिय, का पुर में लिया है (श्रीर इससे उपाधक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणा है), रिकड़ी तो अधिकारी के कार्याच्य, कानपुर में एकिड़ी करण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, अरीख 2-7-1985

को पूर्वोक्त संप्रित के उचित बाजार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बंदरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूध्य, उत्तक कावमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का बंद्ध प्रतिकृत से अधिक है और मन्तरक (बंदरकों) और जंतरिती (ब्रह्मरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पांचा बचा प्रदि-कश विश्वनिवित उद्वोद्य से उक्त अन्तरण बिवित में बास्सविक क्य से किंचन बही किया बचा हैं----

- (क) कलारणे ते हुई किसी बाब का बावर, उन्त वीचीनवध के वेंचीन चार वोचे के अन्तरक के वास्तिक के कामी कड़ने वा कब्बी न्यने के बुनिया के बिए; ब्रोड/ना
- (क) एंसी किसी बार्य वा किसी धन वा बन्स वास्तिकों को, विन्तुं भारतीय बार्य-कर विभिन्निक, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, भै, उक्त बिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियमों. बर्धात :—

1. श्री चतुर सिंह पुत्र श्री सुकान सिंह, 111-ए/221, अयोक नगर, कानपूर।

(अन्तरकः)

2. श्री चन्द्र प्रकाश सेंगर व मिथलफ कुमारी पर्स्ती चन्द्र प्रकाश सेंगर, 110/39, जवाहर भगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

3. ऋेतागण

(बह स्थक्ति, जिसके अधिभोग में सम्बक्ति हैं)

4. ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्बद्ध है)

को यह सूचना चारी करके प्रॉक्त सम्मन्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उपर रूपित के वर्षन के संस्था में कीई भी मार्शन हू---

- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जनकि या उत्संतिथी व्यक्तियाँ पर सूचना की दासीस से 30 दिन की जनकि, जो भी वर्तीय साथ में समाप्त होती हो, के मौतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति पूर्वोक्स
- (क) इंड स्वाम के राजपन में प्रकाशक की तारीक रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्मत्ति में दिलवर्ष्ट्र किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास विविध में किए का क्षोंचे।

लक्ष्मिक्षः :--इत्ये प्रमुक्त शक्ष्मे वृद्धि वर्षे क्ष्मे हि हिन्दिन के वृद्धान 20-क वे वृद्धित्रिक्ष प्रतिवृद्धि वर्षे क्षेत्र को वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे हैं।

मन्त्रची

म० नं० 337--एच० बाह्य, काहादेव, काभपुर।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक **श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, कानपुर

सारीखा: 7-3-1986

प्रारूप नाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जीत रेज, कानपुर कानपुर, दिनांक 7 मार्च 1986 निदेश सं० के०-362/85-86—अतः, मुझे, एच० आट० दास.

वायकर विधिवयमं, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसके इसके पश्चात् 'उक्ट विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के क्यीन सक्षय प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर क्योरा, विश्वका अवित् वायार मूख्य 1,00,000/- का से विधिक ही

स्रीर जिसकी सं० पाट नं० 52 है तथा जो का नाधेव में स्थित है (स्रीर इसने उनाबढ़ अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप में विज्ञात है), पिल्ट्रीक्ती पिश्वापी के कार्यालय, टाकपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 15-7-1985

कर प्राचित सम्मिति के स्वित बाजर मृत्य से कम के स्वम्बाः प्रतिकास के लिए कस्तरित की गई है और मुओ यह जिन्नास जरने का कारण है कि स्थापुकों कर संपरित का शिवत बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकास से, एसे स्वमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकास से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) से बीच एसे बंतरच के सिए तब पाया मया प्रति-कल, निम्मिनिसित समुवित से स्वत अन्तरण जिल्हित में बास्त-निक स्था से किंक्स नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियन के बधीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में केनी करने वा उससे वचने में सुविध। के बिए; बाँड/वा
- (व) एती किसी नाव जा किसी जन ना कल्य आफ़िस्त्रज्ञों को, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जनत निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रविधाल जनतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

बतः व.4, उसत विधिनियम, की धारा 269-न के जनुसरण बों, मीं, अनत विधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को सधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, सर्वातः :--- 1. श्रीमती प्रभावती देवी शुक्ता पत्तीश्री विगम्भर सहाय शुक्ता, 8/136, आर्थ नगर, लानपुर।

(अन्दर्गः)

 श्री भक्तूरपुत्र श्री कल्लात, द्वारा विशम्मरसहाय णुक्ता 8/136, आर्य भगर, कानपुर।

(अन्नरिती)

3. के तगण

(बह व्यक्तिः, जिल्लके अधिभोग में सम्बद्धि है)

4. ऋःसगण

(बहु व्यक्तिः, जिसके बारे में अधी-हस्राक्षरी जानता है कि बह सम्यक्ति में हिल्ब है)

की बृह् क्ष्वना सारी करके पूर्वोक्त कम्परित के वर्षन के बिहु कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप ह—

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की जनभि या तत्संत्री स्थानत्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अनिभ, जो भी अवभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोस्त स्थानता में से किसी स्थानत स्वारा;
- (व) इस ब्रुचना के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीच हैं 45 दिन के नीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनपुर किसी अन्य व्यक्ति युगरा सभोहस्ताक्षरी के पार सिचित में किए जा सकेंगें।

लक्तीकरण: -- - इसमें प्रयुक्त सन्धी और पर्धी का, वो स्वर्क वीधीनयम, के बध्धार 20-क में परिभावित है, वहीं कर्ष होगा. वो उस अध्याय में विज क्ला है ।

वनृत्यी

८११८ तं ० 52 स्थित के ० वस ह, का हादेब, काभपुर।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सङ्ग्यक ग्राथकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) अर्जा रेंग, कानपुर

ारीख: 7~3-1986

प्रकल आहो.को. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक आवकर आयुक्त (निरौक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० के०-385/85-86-अतः, मुझे, एच० आर० दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी संव 196-वी हैं तथा जो कानपुर ग्रोबोंगिक विकास सहकारी इस्टेड दादा नगर, कानपुर में स्थित है (ग्राँर इसमें उनाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यात्रय, जानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 25-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निष् तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उक्ष क्या से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाम या किसी धन वा अन्य आस्तिमों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अरु: अब, उक्त सीर्धनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त सिंधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) इं स्थीन निरुत्रीकिंग्लन व्यक्तियों, सर्वात् कार् 1. श्री गुरचरन सिंह तलवार, 117/एच-2/9, पान्डू नगर, कानपुर।

(अन्तरक)

- 2. श्री बिमल मल्होत्रा, 152, आधन्त्र पुरी, काभपुर। (अन्तरिती)
- 3. केतागण

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति हैं)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताश्वरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्थब्दोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है। बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

सम्पत्ती नं० 196-बी कानपुर औद्योगिक विकास सहकारी स्टेट, दादा नगर, कानपुर।

> एच० आर० दास सञ्जय प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, फानपुर

तारीख: 7-3-1986:

The second secon

धनम् अवर्षेत्व की _व स्मा_ल स्ता ् = - - ----

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की सम्बद्ध 269-प (1) के स्पीन क्षमा

RIED GERRE

कार्नालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्तिक) अर्जन रेंज कानपुर

कामपुर दिशांक 7 मार्च 1986

. निदेश मं० के०-399/85-86--अतः, **मुझे,** एच० आर० दास,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विक्री इसमें इसमें इसके परवास् 'उन्छ व्यथिनिवय' कहा गया ही, की धारा 269-च के वधीन सक्तव श्रीवकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्वावर सम्मित विश्वका उचित् वाचार स्म्व 1,00,000/-छ. से विधिक है

अोर जिसकी सं पाट नं 3-ए है, तथा जो उद्योग नगर, दादा नगर कानपूर में स्थित हैं (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मुख्य से का के दासमान अतिफल के लिए अन्तरित की नद्दों हैं और गुभ्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि ग्रथापूर्वोक्त सम्मत्ति का स्वित्त बाबार मृत्य, ससके द्रश्यमान प्रतिफल से ए से क्यानान प्रतिफल का पेड्ड प्रतिचल अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए से बन्तरण के निए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश से उक्त बन्तरण निम्निचत

- (क) अन्/रण डं हुई कि ही बाय की बार स, सबस वरित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए;
- (क) होशी कियी जाय या कियी थन या नान वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अवोध आर्थ जन्दियों कुन रा प्रभाद नहीं किया नवा या किया जाना अहिए था. कियाने को सुविधा की किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री विजय बहादुर सिंह पुत्र स्व०श्री राम प्रताप सिंह, भित्रासी 119/93-ए, बम्बा रोड़, कानपुर। (अन्तरक)
- 2. मैं पादव इंजी वर्क्स पार्टनर अजय कुमार जायमबाल, 85/40 कोपर गंज, कानपुर। (अन्तरिती)
- 3. ऋनागण

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऋनागग

(बह् व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षणी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ह²।

वर्स्यी

म० नं० 3-ए, उद्योग नगर, दादा नगर, कानपुर।

एच० आग० दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 7-3-1986

मोहर;

प्रक्ष बाह्य, द्वी. एवं. एक. . ------

नावकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन सुचवा

भारत वरकार

कार्यांतव, सङ्घयक नायकर नायुक्त (पिट्रांकन)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिशांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० के०-402/85-86--अतः, मुझे, एच० आर० दास,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 2-ए/190 है, तथा जो आजाद नगर में स्थित है (भीर इसने उनाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण का से वींगा है), रजिल्द्री उर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिल्द्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-7-1985

को प्यामित संगीत के अणित बाजार मृत्य से कम के कामान प्रतिकाल के सिए अंतरित की गई और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नांकत संपत्ति का जाजत बाजार मृत्य , इनके क्ष्यमान प्रतिकाल से, एते क्षयमान प्रतिकाल का पलाइ बिकात से जिसका की जार मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरिक के निए तब पाना बवा प्रतिकाल, निम्मिसिंगत उन्होंने से अच्छ अन्तरिक क्या से किया से वास्तिक क्या से क्षिय महीं किया पता है :---

- (क) वंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उनक विध-विधिविष्य के अधीन कर दोने के अन्तर्क के विदिष्य में कती करने या उन्हों वचने में स्विधा के निए; वरि/वा
- (च) एंडी किसी बाव वा किसी थव वा बन्स वास्तियों को, विकृ शारतीय भाव-कर विधिवयम, 1922 (1.922 का 1.1) या उन्त विधिवयम, या धन-कर विधिवयम, या धन-कर विधिवयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोकनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए वा, खिपाने में स्विधा वै विख ।

क्तः बव, उक्त वीधीनयम की धारा 269-न के नमुत्तरण ते. में, उक्त वीधीनयम की धारा 269-न की वरधारा (1) के वधीन, जिल्हें:वित व्यक्तियों, नभीत् :--- श्री नरेश चन्द्र मिश्रा, निमासी 2-ए/190, आणाद नगर, कानपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमती ईश्वरी देवी, 2-ए/190, आजाद नगर, कान्पुर।

(अन्धरिती)

3. ऋेनागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. केतागण

(बह ब्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह बुचना चारी करके पृत्रीयत सम्मत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उन्त बन्यरित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाबीर :---

- (क) इस सूचना के रावप्त्र में प्रकाशन की ठारीय के 45 दिन की जनभित्रा तरसम्बन्धी व्यक्तियों तर सूचना की ठानीन से 30 दिन की व्यक्ति, जो और अव्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेत्श्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्याय;
- (क) इव बुचना के एकदन में प्रकादन की तारीब है 45 दिन के औतर उनत स्थादर सम्पत्ति में दिववद्यूष् किसी जन्म स्थापत दुवाय सभाइत्तास्त्री के नावः सिचितः में किए वा स्कोंने ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त कर्जा और पर्यों का, यो उक्त वर्टिपनियम के बभ्यान 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा, यो उस बभ्याय में दिया नथा है।

प्रमुसूची

पार्ट म० नं० २-ग/190, आजाद नगर, कानपुर।

एच० आर० दास स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक भायकर भायुम्स (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख. 7-3-1986

प्रकप नाहाँ, टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-में (1) के मधीन सुचेना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज— कानपुर कानपुर, दिांनक 10 मार्च 1986 किवेश सं० कें-494/85-86--अतः मुझे, एच० आर० दास.

वासकार निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवात् 'उन्ता निधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के निधान सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से निधक है

ग्रांग जिसकी सं खेत नं 1200 है, तथा जो ग्राम रीवन जिता हमीरपुर में स्थित है (ग्रांग इमो उत्तबद्ध अनुसूची में ग्रांग पूर्ण कर में विणित है), रिअन्द्री इति अधिकारी के कार्यालय, मोदहा (हमीरपुर) में, रिअस्ट्री करण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीक, नारीख 15-7-85 को पूर्व कि कम के दिवस बाजार बृद्ध से कम के दिवसाम प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृद्ध, उसके स्वयमान प्रतिकत से एमें स्वयमान प्रतिकत का सम्बद्ध प्रतिकत से विषय प्रतिकत को कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृद्ध, उसके स्वयमान प्रतिकत से एमें स्वयमान प्रतिकत का सम्बद्ध प्रतिकत से निष्क है और जन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया क्या ग्रीतिक से प्रतिकत नहीं किया बंध है :—

- (क) क्लारण से हुई किसी काय की बादत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बासरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्लोने में सुविधा के विष्; बीड/वा
- (क) एंसी जिसी जाय वा जिसी भन या जन्य जास्तियों का, जिस्हें भारतीय बाय-कर जभिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियंत्र, या भनकर अभिनियंत्र, या भनकर अभिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, जियाने में सुविधा के किए?

जतः अनं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) चें ब्योग, निम्नतिचित व्यक्तियों, वर्धात् ६--- श्रीमती दुनारी विश्ववा श्री अवश्र बिहारी, नि० ग्राम व पोस्ट खण्डेह, पर० व तह० मोदहा, जिला हमीरपुर।

(अन्तरक)

2. श्री महेश कुमार व रेवती कुमार पुत्र श्री राम नारायण, भिवासी ग्राम व पोस्ट रीवभ, पर व तह० कोवहा जिला हमीरपुर।

(अन्तरिती)

3. ऋेजागण ।

(यह व्यक्ति, जिल्ले अधिभोग में सम्बत्ति हैं)

4. ऋेनागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिलबढ़ है)

की यह शुक्रना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कियेंने के किये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्वन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कृषणा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्ति वाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हाए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंने।

स्वक्रीकरण: --- इतमें प्रयुक्त संबद्धीं कीर पर्धों का, जो अक्त विधिनियम के बभ्याय 20-कं में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होगा, को उस अभ्याय में दिया गवा हैं हैं

प्रनुसूची

खेन नं० 1200, स्थित ग्राम रीवन, सह० मोदहा, जिला हमीरपुर।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

नारोख: 10—3—1986

हरू हो हो है हो हर हर है ।

भाषक इ. वर्षिप्तियम, 1961 (1961 का 43) कर्षे भाइर 269-च (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कानीलन, सहायक नायकर शायुक्त (निरीक्स)

अर्जन रेंज, काभपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1986

मिदेश सं० ए-433/85-86---अतः मुझे, एच० आर० दास,

वासकर विधिवसम, 196, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात उनत अधिनियम कहा गया हैं), की वाचा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ज है कि स्थानर सम्मति, विश्वका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रोर जिसकी सं० 2307, 308, 309, 310 व 312 है, तथा जो घटबासा आगरा में स्थित हैं (ग्रीर इसते उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 22-7-85

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रश्यमान प्रिफल के सिए अंतरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने कक का कारण है कि यथाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृक्च, उसके द्रश्यमान प्रतिकत से, एसे द्रश्यमान प्रतिकत का बंदह प्रतिकत से बिथक है और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पांचा गया अतिकास, निम्नासिखित उद्बरिय से उसत अन्तरण जिचित में बालिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की बावत उक्त सिक-विश्वस की स्थित कर दोने के अन्तरक के समित्व में कनी करने सा उन्हें अजने तो सुविधा जे लिए बीए/मा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी भन वा बन्य नास्तिवाँ की, जिन्हों भारतीय वाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मृषिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किसा गवा या किया वा किया वा किया वा किया की सिए।

सतः अन्त, उसते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, धनत अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

 श्री भोला पुत्र करन सिंह, निवासी मीजा घटवासन, आगरा।

(अन्तरक)

 श्री अनिल शर्मा द्वारा शान्तीभगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि०, आगरा।

(अन्तरिती)

3. तथैव ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. तथैव ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है।)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चन्द्र सम्पत्ति के वर्षन के सम्मन्भ में कोई भी बाक्षेष् :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकारण की तारील सं 45 विश्व की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नवीं भ, जो भी नवींन बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तिस्थों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (न) इत सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीय से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-बहुध किसी बन्य व्यक्ति हुवारा वशोहस्ताशरी के पात विवित में किए या सकोंगे।

रमका विकास क्षेत्र मनुक्त सन्दों नीर पर्यो का, को उन्त विकास से अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, को उन्त अध्याय में दिया क्या हैं।

नन्त्रजी

खुली अबिकसित भूमि क्षेत्रद्धल 3-8-0 वीघा खसरा नं० 307, 308, 309, 310, 312, मीजा घटवासन, आगरा।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

नारीख: 10-3-1986

प्रकृत साहित हो_ल हुन_ल हुन_ल स्थान

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

बाह्य ब्रह्मह

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाशक)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1986

निदेश सं० ए~०450/85-86~-अत: मुझे, एच० श्रार० दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 379 है तथा जो कुन्डोल, श्रागरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री क्री श्रिधकारी के कार्यालय, आगरा में, रिजस्ट्री करग श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 19-7-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृज्य उसके स्थ्यमान प्रतिकल से एसे स्वयमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिकत उद्विषय से उनत बन्तरण सिचित बें बें बास्तविक रूप से कवित महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अध्यस्ति ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया धाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए)

बातः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ण के बन्सरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---9—16 GI/86

- 1. श्री ओम प्रकाश व सत्य प्रकाश व धन्य, निधासी मौजा कुन्छील, तह० व जिला धागरा। (धन्तरक)
- श्रीमती लीलावती निशासी कुन्डौल, सह० च जिला श्रागरा।

(भ्रन्तरिती)

3. तथैष ।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. तथीव ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बाधी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्ववाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप :--

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकारन की तारीय हैं
 45 दिन की जन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अन्धि, को भी
 वन्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनोंकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनाहा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अधोहस्ताकरी के पास सिक्ति में किए था सकर्ष।

स्वक्षीकर्णः — इसमें प्रयुक्त प्रकर्श नीर पर्श का, वा उपत वीर्धीपयम, के कथाय 20-क में परिभावित ही, वही वर्ष होगा, वो उस वध्याय में दिया प्रवाही।

मन्स्यी

कृषि, भूमि खसरा नं० 379; 51) 4-1 स्थित कुन्डील तह० व जिला श्रागरा।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख: 10-3-1986

प्रकल बाह्र : हो. एन. एस. -----

व्यक्षण विचित्रियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के स्थीन स्थान

भारत सहकार

कार्यांसय, बहायक आयंकर आयंकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज कानपुर कानपुर दिनांक 10 मार्च 1986 **निवेग सं० ए−4**58/85−86⊶-श्रतः मुझे, एच० ग्रार०

बावकर अधिनियक, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनाम' कहा गा है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

जीर जिसकी सं० 82 है, तथा जो सिविल लाईन्स, झांसी में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्ण कप से व्यंजित है), रिजस्ट्रीकरूर्ण श्रधिकारों के कार्यालय, सांसी में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15 जुलाई 1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान बितिकस के सिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य वृत्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रविचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और (बन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरच के लिए भय स्था स्था बितिक का सिकिक हम से अक्त कन्तरण सिकिक वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की नावत सकत कांध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में सनी करने वा उससे वचने में सुविभा के लिए: वांद्र/वा
- (क) ऐसी किसी जान या किसी धन या जन्य श्रीस्त्यों की, विक्हें भारतीय जामकर जिल्लियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जिल्लियम, या धन-कर वीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए था, कियाने श्री श्रीमा के सिए; और/वा

बतः नव, उन्त सीधीनयम की भारा 269-ग के जनुसरण की, जी, दनत सीधीनयम की भारा 269-च की उपभारा (१) के अधीन - निकासियक व्यक्तियों - वर्षात ∷— ग्रेट एस० सी० मारा पत्नी श्री एस० गासम-यूरा निलयालयोन जोबाई जननिया हिल्स, मेघा-लय।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ओम मित्तल व जगदीश प्रसाद श्रम्भाल व सुनील श्रम्भाल, निवासी 298 श्रन्वर सैंथर गेट, झांसी । श्रे (श्रन्तरिती)

3. ---নথীঘ---

(वह व्यक्ति, जिसके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

4. →-तथैंघ----

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना थारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्थन के तिर कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ध बक्ज किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के गक्ष किसित में किए का सकीये!

स्पक्कीक क्याः — इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विया यथा है।

अमुज्जी

बंगला नं० 82, सिविल लाईन्स, झांसी।

एच**ः ग्रार० दास** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, का**न**पुर

तारीख: 10-3-1986

प्रकप आईं.टी..एन.एस..----

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अभीन स्चना

नाइत बरकार

भागांचय, सहायक शायकर शायुक्त (निर्देकिक)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1986

निदेश सं० ए-421/85-86--धता मुझे, एच० श्र*र० दास,

आगकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें इसके पर्यात् 'उयत् अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी स० 83 है, तथा जा ग्राम हाथरस में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रीधकारी के कार्यालय हाथरस में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिकारी के कार्यालय हाथरस में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7 जुलाई 1935

करे पूर्वे ति सम्पास्त के जिल्त बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एस क्ष्यमान प्रतिफल का पंच्छ प्रतिकत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल्ल, निम्निलिक्त उच्चेष्ट से उक्त अन्तरण किचित में बास्त-विक रूप से कथित महीं किया जवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त श्रीधनियम के अधीन कर बंगे के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा अ निष्कृ औड़/का
- (व) प्रसी किसी नाय या किसी भन या करन जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिपाने यें सुविधा के सिए;

अतः अरं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण तैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीन, निक्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री श्रणफी लाल पुत्र श्री मुझालाल निवासी मोती बाजार, हाथरस।

(भन्तरक)

2. श्री जवाहर लाल, कृष्ण कुमार वाष्णेंग, कृपाल सिंह घह श्रन्य, निवासी गली हनुमान, हाथरस। (सन्तरिती)

3 तथैव

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्मृति है)

तथैव

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधो∉ हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को वह सुवना वादी करनी पृथिक्त संपृत्ति के वर्षान भी निर्म् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

. चनत संपत्ति को अर्थन को बोबेश के कोई की शाक्षोप ह----

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीचा चै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के श्रीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय हुनास;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबपुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षदी के काथ निवास में किस् वा सकों ने।

स्वयं कारणः - इसमें प्रवृक्त शक्ते और वर्षे का, को स्वयं अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिवाधित ही, वही अर्थ होगा वो उस अध्याय में विका गमा ही।

मम्स्ची

ग्राम हाथरस देहात खाता नं० 83, हाथरस।

एक**० मार० धास** सं**क्षम प्राधिकारी** सहायक भ्रायकर भ्रायुक्स (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10--3--1986

प्ररूप बार्ड. टी. एत. एस.,------

नायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) काँ पारा 269-च (1) में मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचन , राह्यक नावकर नामुक्त (रिप्रक्रिक)

प्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 10 मार्च 1986

निदेश सं० ए-437/85-86--- ग्रतः मुझे, ए**ष० ग्रार०** दास.

धायकर विधिषयमं, 1961 (1961 का 43) (विशे इसने इसके परपार (उन्त विधिनवर्ग कहा प्या ही), की पारा 209-य के वधीन सक्तम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण ही कि स्थापर संगति, विसका अविध वाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

और जिसकी सं० 19/सी/3 है तथा जो मालोक नगर, मागरा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुभूषी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारों के कार्यालय मागरा में रजिस्ट्रीकरण भिधानयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 15 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मूल्य से कम के कर,माव प्रतिपक्ष के निए जनतिरत की गई है और बुको यह विश्वास करने का कारण है कि बचा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र गचार सूच्या, उचके सम्बद्ध प्रतिपक्ष से, एसे स्थ्यमान प्रतिपक्ष के वन्सह प्रतिचत से जविष्य है कार अंतरक (अंतरका) और जंतरियी (अंतरिया) के बीच एसे जनत्त्व में किए तब प्रमाप्त प्रसिक्त , निक्तिविच उच्चित्र से उचल जनतुष सिचित में वास्तविक रूप संकृतित पृष्टी किया प्रसाद है हम्

- (क) बन्दरण ये हुए किसी जाय की राज्य, राज्य शीमीनवृत्र के बचीन कर दोने के बन्दरक ये हायित्य में करी क्लों मा क्लों बजने में सुविका के क्लिक: मीज़/का
- (क) ऐसी विस्ती भाग या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय नायकर वीधनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, वा अनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरित क्यारा प्रकट नहीं किया जवा वा वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा की किस्तु

नरः वद, उन्त निधीनवम की धारा 269-य से बनुसरन में, में, उन्त निधीनयम की नारा 269-य की उपधारा (1) के नधीम, निम्नतिस्ति स्थानिसमों, मर्थात् :--- 1. श्री भगवान दास मोटवानी, निवासी 20 साकेत कालोनी, श्रागरा।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती राधारानी राज कुमारी, निर्मला देवी, पूरन चन्द्र प्राड्यानी, निवासी 2/34, ईंदगाह कालोनी श्रागरा।

(भ्रन्त₁रती)

3. तथैव

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. तथैंच

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहिनी करका हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध. किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पाकाकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भवन सं० 19/सी/3 श्रालोक नगर, लोहा मंडी, श्रागरा।

> एघ० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-3-1986

इस्य बार्च, क्षी. एन. एस. ------

नाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-व (1) के नधीन सुचवा

भारत प्रश्चाह

कार्याज्य, बहारक नायकर बाव्यत (पिरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्देश सं० ए० 483/85-86---श्रतः मुझे एच० श्रार० दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 15/20 है, तथा जो बताणे बार्ला गली आगरा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मूस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्त, उसके अवसान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का प्रसद्ध प्रतिचत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंत-रती (जंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंबरण पे हुए किसी बाय की बानक, उनके बाबियम् से स्वीय कर दोने के बंदरक के बाबिया में कबी करने या उसके बचने में बुविधा में किए। श्रीर/वा
- (क) एंडी किसी नाव या किसी भन या जन्य आस्तियों की, विष्टू भारतीय आपकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनच जिभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वृतः सम, वृत्ततः विधिन्धमं की भारा 269-न वी व्यक्तरम में, में, अनत विधिन्यमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती तारा देवी विधया पं० रामजी लाल वैध, 1.5/20, बतासे वाली गली, नूरी गेट, श्रागरा। (श्रन्तरक)
- श्रीमती रुक्मिनी देवी वंसल पत्नी श्री सुभाष चंद्र वंसल 15/20 बताशे वाली गली नूरी गेट श्रागरा। (श्रन्तरिती)

3. तथैच

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वता धारी काउने पृत्येक्त कम्प्रिः से वर्षम् से निव् कार्यवाहियां करता हो।

क्का सम्बद्धि के बर्चन के सम्बद्ध में केंद्र भी बालरे हूं---

- (क) इक न्यना के रायपन में प्रकाशन की तारींय वें 45 विष की नवींथ ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 विन की अवधि, जो भी वर्षीथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिठवद्ध किसी जन्म व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किये का स्वीति ।

रूप्याध्यरण :---इसमें प्रमुक्त शब्धों और पदों का, यो सक्त विधित्रधन के वश्यास 20-क में परिभाषित ही, बही क्यें होता को उस वश्यास में दिवा क्या ही.

न्दर्भ

भवत संख्या 15/20, बताशे वाली गली, नूरी गेट, श्रागरा।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-3-1986

मोहरः

प्रस्प भार्षः हो । एवः इस । अञ्चलकारम

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बार्डा 269-प (1) की बाधीन स्थाना

भारत तरकार

कार्या**नयः, त**र्वायकः धावकर धावकः (विरीक्तन)

श्चर्जन रेंज-1, मद्वास मद्रास, दिन्तंक 10 मार्च 1986

निर्देश सं० 1/जुनाई/85---प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विष इसवी इसकी प्रथात 'उकत अधिनियम' कहा गया हु"), की नारा 269-क के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० डोए मं० 2-वी, 7/5 गांग पार्ड में है, जो ब्लाक 15 टी० एस० सं० 716/वी मिचगालिपुरम एक्सटेन्जन सेलम में स्थित है (और इसके धनुबंध में और पूर्ण क्य वे वर्णित है), रजिस्ट्रेक्ती अधिवारी के वार्यालय जे० एस० आर०-1, सेलम (द० सं० 1749/85) में भारतीय रजिस्ट्रेन करण अधिनियम, 1908 (1908 या 16) के अधीन, तारीख जलाई 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित साजार मृष्य से कम के स्वस्थान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मूफं यह विस्थान अदिक का कारण ही कि स्थाप्ना क्षेत्र संपत्ति का लिक्त साज़र कृष्य, ससके सम्मान प्रतिकत से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिकत का कंक्ष्य प्रतिकत के विश्व है और संतरक (अंतरका) और संविक्ति (अन्तरितियों) के बीच एसे क्ष्यूरण को स्थिए एस पाया प्रा प्रतिक का निम्नितियों) के बीच एसे क्ष्यूरण को स्थिए एस पाया प्रा प्रतिक का निम्नितियों उस्तरित से जन्म क्ष्यूरण की स्थाप्त का निम्नितियों स्थाप्त स्थाप्त की स्थाप्त की संविक्त की साम्यन्ति का स्थाप्त का स्थाप्त की स्थाप्त की स्थाप्त की साम्यन्ति का स्थाप्त की स्थाप्त की साम्यन्ति का स्थाप्त की साम्यन्ति का स्थाप्त की साम्यन्ति का स्थाप्त की साम्यन्ति की साम्यन्ति का स्थाप्त की साम्यन्ति की

- (क) मन्तरण से सुद्दे (कासी नाय की नामत समय स्थिन पित्र में स्थीन कर्ड की कं सम्मारक के शासित्य में सभी करूने का स्थान नमने में सुनिमा के चित्र; गरि/या
- (क) एती किसी बाद वा किसी वन मा अन्य जास्तियों की, चिन्हें धारतीय नाथ-कर विभिन्यम, 1922 (1922 के 11) या अवत विभिन्यम, के भव कर विभिन्यम, कि 27) भव कर विभिन्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया मना था मा किया जाना चाहिए था, कियाने में विभा कर विध;

कतः अब उनतः अधिनियम की धारा 269-म के जन्मस्य में, भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपातरा (1) के अधीन, निम्नीसियत व्यक्तिमाँ, जमति :----

1. श्री कें वी० रामस्वामी और श्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्री अर्दनारीस्वामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कहत पूर्वीक्त संपृत्ति में नर्बन के तिक् कार्यनाहियां करता हुई।

ब कर सम्मतित के वर्षन के संबंध में कोई भी वास्त्रेप ह---

- (क) इंड सूचना के राज्यक में प्रकाशन की राष्ट्रीय वें 45 दिन की नविध या तरसंबंधी व्यक्तियों कु सूचना की तामील से 30 दिन की स्वधि, वो ध्वै नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी मन्य व्यक्ति इनाग नभोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकरी।

स्पव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होना जो उस अध्याय में दिना नया हो।

भनुसूची

भूमि और निर्माण डोर सं० 2-बी/7/5 भाग वार्ड 'सी' ब्लाक 15 टीं० एस० सं० 716-बी, राजाजी रोड़ सिंबगामी पुरम एक्स्टेंगन, कुमारास्वामिपट्टी, मेलम।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, (श्राई०/सी०), मद्रास

तारीख: 10-3-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ा. श्री भार० एष० साभी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना 2. श्री एम० एल० मलिवयपात।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्वास मद्रास, दिलांक 10 भार्च 1986

निर्देश सं० 2/जुलाई/85----श्रतः मुसे, श्रीमती एम० सामुवल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी संव दीव एसव संव 35/2-सिंब-9 और 35/2 है, जो ब्लाक 12 _थार्ड ए' सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में ऑफ पूर्ण रूप से हिएत है), पि रई वर्ता हि कारी के नार्यालय, जेव एसव अफ्ट I, सेलम (डाकुव संव 1293/85) में भारतीय पिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ा धनकर अधिनियम, ा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का १७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- को यह सूचना जारी करके एवॉक्ट स्थ्यांस्य के वर्षण 📽 🏾 दिवार कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मित की अर्थन के स्वश्चित्रक में को**ड़ें भी वाशंप**ं ---

- (क) इस सृष्यना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जयिश या तत्सप्रवन्धी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामील से 30 दिन की कनिथ, जो भी जयिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इस्वारा;
- (**७) पश्च मूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तगरीश से**45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्मृतित में हितबहुध

 शैंकरी अन्य व्यक्ति इशारा अधोहस्ताकरों के पास
 शैंकशित में किए आ शक्ति।

<u>जनसंभी</u>

भूमि और मिणि टी० एस० मं० 34/2-सी-9, 35/2, ब्लाक 12 वार्ड ए' सेलभ टाऊन।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास (श्राई०/सी०,)

तारीख: 10-3-1986

রকা সার্ভি কাঁত ব্রুত বুরুত n a s see

भायकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मंत्रीय बुजाना

SING TENS

क्षाचीयन, बहायक नामकर नामृत्य (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 भार्च 1986

निर्देश सं० 4/जुलाई/85—श्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मुख्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० डोर सं० 295, है, जो चिन्नकड स्ट्रीट सेलम में स्थित हैं (और इसके उम्रनुबंध में और पूर्ण रूप से माणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ती मधिकारी के कार्यालय, जे० एस० मार०-1 सेलम (वस० सं० 1889/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 15 जुलाई, 1985

को प्रॉक्ट संपरित के बाबित बाबार मृष्य से कम के दब्बान विकास के शिए बन्तरित की गई है बार अभे यह विकास करन का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाबार बन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पत्सह प्रतिकत से विभक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) बीर बन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया जवा हितफल, निम्नीसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विविद्य के बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है दै—

- (क) नन्तरण वे हुई किसी बाय की शबत, बजत वीधीनवन के वधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कर्यों करने वा उत्तरे बचने में सुविधा में सिष्धुं बडि/वा
- (क) एसी किसी नाम ना किसी अन या नम्म अपिस्तरीं को चिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा की सिए।

जतः वयः, उक्त विधितियमं की भास 269-मृत्ते विमृत्तरम् भं, ग्री कारः विधितियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) भुंदःभीतः, विस्तिविक्ति व्यक्तियों, वेक्सीक्षं च— 1. श्री जानबाश और श्रन्यों।

(भ्रन्तरक)

2. श्री चि० पेरियसामी और।

(अन्तरिती)

का यह सूचना वारी करके पूजाँकत संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं [3]

वनत सम्मतित के अर्थन के संबंध में कांद्र भी बाखेर 🖦

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश शे 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी अयिक्तयों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविभ, को भी वर्षभ बाद में समाप्त होती हों, से भीतर प्रबंक्त म्याक्तियों में से किसी स्थानत हुवारा;
- (क) इस सुकार को राजपत्र में प्रकारन की तारीब से 45 दिन को भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य स्थावत वृद्यारा, बधोहस्ताक्षरी को पास निवास में किए का सकोंगे।

लक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्कों कींद्र पर्कों का, जा सक्क को भीतवम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ध होगा को उस कथ्याय में विवा वृता है।

ममुस्ची

भूमि और मकान--डोर सं० 295, चिन्नकडै स्ट्रीट, सेलम (दस० सं० 1889/85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1; (श्राई०/सी०), मद्रास

तारीख: 10-3-1986

मोहर।

प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्देण सं० 5/जुलाई/85-86---प्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मून्य 1,00 000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एम० सं० 19/2, ब्लाक 17, वार्ड दी०, हैं, जो कोमारस्वामी पट्टी गांव सेलम टीन में स्थित हैं (ऑह इससे उपानद्ध शनुसूची में अंध्र पूर्ण रूप से वर्णि। हैं) रिजस्ट्रीतित्ती श्रिधिवारी के कार्यालय जे० एस० भाग-1 सेलम (द० सं० 1956/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए वन्तरित की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से एसे छ्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अपीत निज्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :---10---16 GI/86 था ावरचाल एल० गोवती।

(अन्तरक)

2. श्री डी० रामचन्द्र सावला।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध---

- (क) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस राजना के राजनात्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास तिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भृमि टी० एस० सं० 19/2, सर्वे सं० 720, डी० डिवीजन, ब्लाक, 17, वार्ड वी कोपारस्वामी पट्टी, मेलम ।

र्श्वामती एम० सामुबेल सक्षम प्राधकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) शर्जन रोज-2, मद्रास

नारीख: 10-3-1986

मोहर।

प्ररूप माई. टी. एन. एस. -----

धंः पंति रामस्वामी।

(धन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन स्मान

श्री पी० मृत्युस्यामी श्रीप श्रन्य।

अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिलांकः 10 धार्च 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,600/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० एम० सं० 32/14, मूत्तनामधालयम गाँ ७ तिकतेन्सोड्, में थ्यित हैं (और इस्त उधावत अनुभूतं में आर पूर्ण का से वर्णित हैं), रिअस्ट्रीकर्त्ता शिवकारी के कार्यालय, तिकनेन्सोड् (द० सं० 2203/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1903 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूला, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से शुर्द किसी आयः की बाबत, उक्त कभी करने या उससे अचने के स्विभा के लिए; नियम के अधीन कर वाने के अंतरक के दायित्व में और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में मृतिधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस मूचना के राजपश मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उस्त स्थानर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

श्याक्टीकरण: ---इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और िर्माण एस० सं० 32/14 मृत्तनामधालयम गांव, तिरुचेन्गोडु वालुका , मेलम दिला ।

र्थीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, मद्राम

अन. उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उब्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

नारी**ख: 10-3-**86

प्ररूप बार', टी हात, एस. ----

बावकड़ अधिनियस,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

बारत सरकार

कार्वात्तय, सहायक बायकर बायकर (निरक्षिण) ग्रजन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० 9|जुलाई<math>|85-86 \rightarrow -श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं क्षेत्र सं कि 61/9, तिरुचेन्गोडु में स्थित है (और इसने उपाचद्ध मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुचेन्गोडु (द० सं 2132/85, 2134/85 और 2137/85 में भारतीय रिजस्ट्री-करण अविध्या, 1903 (1903 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ख्या प्रतिफल, निम्निलिखल स्वस्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्त बिधितवस के नधीन कर दोने के बंतरफ के दाबित को काकी कारने का एउसे उत्तरें में गृविधः के लिए; और/जा
- (क) एोसी किसी बाय वा किसी वह वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिनियम, 1922 (1922 गा ११) या उक्त जिनियम, मा धन-कार की विचयन, 1957 (1957 का 97) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुनिधा खै लिए;

अतः जब , उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिकित व्यक्तिकों , सर्वात :--

 श्री एस० ग्रन्गप्प मुदुलियार और ग्रन्य। (श्रन्तरक)

2. श्रीमती ए० विजय लक्ष्मी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

हक्त सम्मन्ति में वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बार्ख = ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस ने 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबधि, को भी जबधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संग्यत्ति में हित्यद्वर किसी अन्य स्थावत ख्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उनक विभिन्नमं, के अध्याय 20 क में परिधाधिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सिनेमा तियेटर निर्माण तिरुचेन्गोडु गांव सर्वे नं० 61/9।

श्रीमती एम ० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निर्दक्षण) श्रजन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 11-3-1986

स्कृता सार्व ् ही न एवं र स्कृत नामाना

ब्रायकर वृष्टिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्रथीन सूचना

शारत हरकाड

कार्यालय, तहायक कारकर वायक्त (निर्देशिय)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 पार्च, 1986

निर्देश सं० 10/जुलाई/85-86---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- र से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 97 और 98, कछेरी स्ट्रीट, और जिसकी सं० डोर सं० 97 और 98 है, जो कछेरी स्ट्रीट, तिरुचेंगेडु, सिलम में स्थित है (और इसमे ागबद्ध अनुपुत्री में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती मिलारी में पायित्र, तिरुचेंगोडु (दस० सं० 2133, 2135 और 2136/85) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वेक्स सम्बक्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि भूमों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित काजार मृल्य, उसके द्श्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हो बीर बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच धोमों जन्तरण के विष्यानय गया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उच्चेक्स के उक्त अन्तरण निम्निखत से बास्तिक कम से ब्रिक्त मही किया गया ही

- (क) बतारण से गृहाँ किसी आर की अध्यक्ष अक्षा सीधीनस्थ की अधीन कर होने की छान्तरज्ञ में दायित्व में कभी कारने या उत्तस बाबने भा मुस्तिक में सिद्ध; सीहर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अस्त-प्रश लिनियम, 1922 (1922 का 1:) ए तबत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया को किया वा का किया जाना था, कियाने में सविधा के किए;

अतः जात, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 प्र की उपभारा (1) के अधीन, निम्निक्छित व्यक्तियों, नर्थात :--

- 1. श्री बी० ऐंस० अंगत्पा मुदलियार और ग्रन्यों। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती टी० सरस्वती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के कि कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स विभिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं सर्थ होगा को उस मध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि और मकान --डोर सं० 97 और 98, कछेरी रोड़, मुनिचिपल वार्ड सं० 17, तिरुचेंगोडु, सेलम जिला। (दस० सं० 2133, 2135, और 2136/85)।

> श्रीमती एम० समुवेल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज-2, (श्राई/सी), मद्रास

नारीख: 11-3-86

प्रक्य बार्ड. टी. एन. एस. ---

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ष्(1) के नभीन स्चना

मारत सरकाड

कार्याल्य, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 10 मार्च, 1986

निर्देश सं० 11/जुलाई, 85-86--- श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 209-ख का अधीन सक्षम प्राध्कारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार भून्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 559 है जो सटुचाचारी गाँव वेललूर तालूका ग्रौर जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड ग्रनुसूचि पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे एस श्रार - I वेललूर (द० सं० 2676,85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन,) तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूल पर विप्यान **क**.नं का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार हूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पैन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप रूप से किंग्त नहीं किया परा है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त विभिनियम् को अधीन कर दोने को बन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससं बचने मं सर्रवयः के लिए हरि/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधितियस, 1922 (192-2 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रका नहा किया नया ना या किया जाना साहिए था टिपान स स्विधा के लिए;

कतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की वन्सरण , वं , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री एम० राजविक्वेलु।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती संकटी ग्रम्माल ग्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्तररिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सूचना की कमीत से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्-वद्य किसी अन्य यो ता द्यारा अयोहरणक्षरी के दास लिखित में विकेए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रमुखन सब्दों और पदा का, जां **उद्धत** अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया हु ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 559, सत्तुवाचारी गाँव, टी० एन० एच० एन० वी० एन० यू०, फेस-I, वेललूर तालुका ग्रौर जिला।

> श्रीमती एम० सामु वेल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास ग्राई/सी

तारीख: 10-3-1986

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 11 मार्च, 1986

निर्देण सं० 13|जुलाई| 85-86--श्रतः <mark>मुझे</mark> श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं प्यानित्यल डोर० सं 0 1/6 नियु सं 0 1/1 है, जो नल्लनपटट्रें कुलतम्मन कोईल स्ट्रीट, वेलूर-2 में स्थित है (श्रोर इसमे अनुबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० 1, वेल्लूर (दस सं० 2782,85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितथों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- अतर अधिनियम, या भन- अतर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिमधा हे लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) है सभीन, निम्नतिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती मरियम्मा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पी० मलरकोडी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति । व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की शारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यक्ष मों किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम के शध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर मकान \rightarrow -डोर० नं० 1_l बो, नियु सं० 1_l 1, कुलतम्मन कोईल स्ट्रीट, नलनानगटट्रटै, वेलूर उत्तर वेलूर ।

श्रीभतो एम० सामुबेल नक्षम पाधिकारी निरीक्षाय ाहायक स्रायकर स्रायुक्त स्रजन रेज-1, (स्राई-क्षा), मद्रास-6

सारीख: 11-3-86

भोरहः

अस्पन जार्षे हो एन हास . -----

श्रायकर व्यक्तिसम्म । 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत चहुकारू

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्**क्स (निरक्षिण)** प्रर्जन रेज-1, मद्रास मद्रारा, दिनौंक 10 मार्च 1986

निर्देश मं० 14/ज्लाई/85-86--श्रत मुझे श्रीमती एम० साम्बेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम ''धिकारी की, मह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधन सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पुंजा भूषि एउ० सं० 319/3ए 1 है, जो मेमलमनवूर गाँव वललूर में स्थित है (श्रौर इसके में उपावंध अनुसूची श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एम० शार० 1 वरालूर (दे० सं० 2408/85) में भारतीय रिजर्ट्राइरण श्रधि वियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, जुलाई, 1985 तारीख

कों पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापनींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके स्वयान प्रतिफल ता एने स्थ्यमान प्रतिफल का निम्ह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंसरण के निए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित में बास्तिक क्य से किस त नहीं किया गया है स्थ्य

- (का) जन्तरण हो हुन्दी किसी आव करी वाजत सकत जिल्लामिक को जभीन कर योग के अन्तरक को वायित्व में किसी करने वा उत्तत वजने में सुविधा को जिए; और/वा
- (व) एसी फिसी बाग या किसी थन वा बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्ञांचनाओं अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना जाहिए जा, कियाने में मुन्तिया वी लिए;

कतः वंश, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भै. मै, शक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) दं अधीन, निम्नलिखित स्थिक्समों, अर्थान् धि— मेसर्स रामको सूपर लेऽर्स लिमिटड।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स सेटु दरम प्राइवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना बादी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिध् कर्णवाहियां शुरू करला हुं।

उक्त सम्मत्ति को अर्थन को संबंध में काई भी जाओब ह---

- (क) इस स्वाम के राज्यान में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्योक्तयों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यविसयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

त्यक्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया समा हैं।

मनसूची

पुंणा भूमि एस० सं० 319/3 ए-1, 3ए-2, 319/2 $31<math>\partial/1$ मेलमनवूर गाँव, वेल्र।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक स्रायकर स्रायुक्त स्रज़ैन रेंज-1, मद्रास (स्राई/सी)

तारीख: 10-3-1986

प्रकथ आहे. दी. इत . युर . -----

. .

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक जायकर आयुक्त (विर्देशक)

श्रर्जन रेंज-1, मब्रास

मद्रास, दिनाँक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० 15/जुलाई/85—श्रीमती एम० सामुबेल, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं श्री शण्मुगम टाकोस, न्यू० रोड़ है, जो शेन्पाणकम गाँव वेल्लूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधदारी के कार्यालय, जे०एन० श्रार० 1, वेल्लूर (देश सं० 2993 श्रौर 2994,85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मति के बिक्त बाखार मुख्य से कम के इत्यमार इतिकान को निए अन्तरित की गड़ें हैं बीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बशा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुक्य, उसके स्वयमान प्रतिकाल से, एमें स्वयमान प्रतिकाल को पंद्रह प्रतिकाल से बिक्क हैं और अंतरक (अंशरकों) बीर अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिकाल, मिम्निचित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, अवस जिथिनियम के अधीन कर दोने को अस्तरक के बाजिस्व में कमी करने या उससे बचने में सूदिशा के लिए; और/या
- (ब) एसी निसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया श्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिभा के लिए;

श्रीपती एक विटोबाई भ्रौर भ्रन्य।

(ग्रन्तरक)

श्री रागवेन्द्र थियेटर्स।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पृत्रोंक्त सन्पत्ति को अर्थन को सिक्ट कार्यदार्दियों करता हुई।

उमत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्सेप :--

- 'लें ज्य सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं हैं है की सविध या तरसंबंधी स्पितियों वर स्थान की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी सविध बाद में समाध्य हाती हो, के नीतर पूर्वों के धानितमों में से किसी स्पित्त बुवारा;
- (क) इस स्वता है राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष दिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास किस में किए जा सकींगी।

श्यक्तीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा शक्ष है।

वन्यूची

भूमि ग्रौर मकान--डोर सं० 5, न्यू रोड़, ग्रोन्पाक्कम गाँव वेल्लूर नोर्थ ग्रारकाट जिला (दस० सं० 2993 ग्रौर 2994/85)

> श्रीमती एम० सामुबेख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, (श्रार्क्सी), मद्रास

असः क्रव, टक्त अधिनियम की धारा 209-ग **के बभूतरण** माँ, माँ उक्त मधिनियम की धारा 269-**ग की बनभारा (1) हे सभीन, निकासिया अधितायों () अर्थाल क्र**---

तारीख: 11-3-1986

मोहरः

प्रकल बार्च, टी. एन. एस. ------

मायभार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यास्य, महत्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 10 मार्च 1986

निर्देश सं० 14/जुलाई/85---श्रनः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पदकात् 'उक्त अर्धिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 790/1-ए, 790/1-बी, 790/1-सी, 791/1, 791,2,791,3 है, जो पुछ्पट्टी, गाँव में स्थित है (भ्रौर इसके प्रनुबंध में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नामक्कल (दस सं० 1306, 85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ज्लाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति को उचित बाजार मृत्य में कम को दश्यमान प्रतिफल के लिख् अंतरित् की गर्द है और मुक्ते यह विस्वास **करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उांचन बाजार** मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिकास सं, एसे दश्यमान प्रतिकास का पन्नाह प्रतिवात से मिथक है और मंतरक (मंतरका) मार मंतरिती '(अल्लारितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त क्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🦫

- (क) बन्तरण ते **शुद्ध कियाँ नाव की बाबत, उस्स** अधिनियस को अभीन कर दोने की अन्तरक को दायित्य में काजी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/वा
- (ब) ऐसी कि.सी **जाय या कि.सी** धन या जन्य आस्तियी को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा स्वत अधिनियस वा धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया **पदा था किया जाना जाहिए था, छि**पाने में स्विधा हे सिए:

कतः अवः, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-थ के अनुसरण नैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1)

के अभीत । १४ जिल्लिक व्यक्तियों, वर्षात् 🖫 🛶 11-16GI/86

1. श्रीमती वी० बट्धराजन।

(ग्रन्तरक)

अो बी० बी० मणी प्रीर प्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान चारी करके पूर्वोक्त सम्महित से अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की सारीचा से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 विन की अवधि, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (क्ष) इत स्थाना के राजधन में प्रकासन की तारीथ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कॉर्ग।

स्पच्छीकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त **विधिनियम, के बध्याय** 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

प्रन्युची

भूमि और मकान--मं० मं० 790/1-ए, 790/1-बी, 790,1-मी, 791,1 , 791,2, 7921,3, ग्रीर 791,4, पूद्रपट्टी गाँव, सेलम (दस मं० 1306/85)।

> श्रोमती एम० शामुबेल मक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक श्रायकर स्रायक्त ग्रजन रेंज-I, (ग्राईऽ/मी०), मद्राय-6

तारीख: 10-3-1986

प्रारूप आई.टी.एन.ऐस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 'गर 360-प के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० 19 $_{|}$ ज्ञुलाई $_{|}$ 85--श्रत मुझे, श्रीमती एम० साम् बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पीत, जिसका उचितः बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० डोर सं० 57, है, जो करुपस्नन स्ट्रीट, सन्द्रपेट पुदुर नामकरूल में स्थित है (श्रौर इसके अनुश्रंध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नामक्कल (द० सं० 805/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्विवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम में ध्रमान पितफल के लिए अंतरित को गई है और मुभ्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्विवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उगते रूपमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्क नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के हिस्हः; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की फिक्ट भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भानकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-म को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन . निम्निलिसिस व्यक्तियों, अधीन :—

श्रीमतो एउ० कामाक्षी ग्रम्माल।

(अन्तरक)

2. श्री कें० मुरुगेसन ग्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को भो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि श्रौर निर्माण सं० 57, करुपण्णन स्ट्रीट सन्दर्पेटा पुदुर, नामक्कल, सेलम जिला।

> श्रीमती एम० सामुबे ल भन्नन प्राधि हारी निरीक्षीय पड्डायक ग्रायकर ग्रायुक्त श्रजैनरेंज-1, मद्राम (ग्राई)/सी०)

नारीख: 11-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याज्ञय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 10 मार्च, 1986 निर्देश सं० 20_|ज्लाई_| 85~~श्रतः मुझे, श्रीमती एम० ~~

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- छ. से अधिक है

स्रौर जिनकी सं० 7, एन० सं० 503/1सी, है जो मोहनूर रोड़ नामकरून में स्थित है (श्रीर इनके अनुबंध में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० स्रार०-1, नामकरूल (द ० सं० 8/8/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्मिक्त के उचित वाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे रहयमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंग उद्देश्य में उक्त अंतरण निश्चित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उत्तरी बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

असः शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, जैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री बी० ईश्वरमूर्ती।

(ग्रन्तरक)

2. श्री करुपण्ण गौन्डर ग्रीर ग्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गांच विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्त्जी

भूमि एस० सं० 503/1 सी, ज्लाट सं० 7, नामक्कल मोहनूर रोष्ट्र, नामक्कल, सेलम।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक श्रायकर आयुक्त श्रजन रेंज-1, मद्वा (श्राई०/सी०)

तारोख 10-3-1986 मोहर प्रारूप आह<u>र .टी .एन .</u>एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायक्रर बाबुक्त (विरोक्तम)

श्रर्जन रेंग-1, मद्रास मद्रास दिनाँक 11 मार्च 1986 ग्रास्ट्रेस २२ जन्म १८६ - स्मर

निर्देश सं० 22₁जुला**ई**, 85--ग्रतः मुझे, श्रीमति एम० साम्बेल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ध्रौर जिसकी सं० 10वाँ वार्ड है, जो उत्तर कछेरी रोड, विलापुरम, रासीपुरम, लेलम में स्थित है (शौर इसके प्रमुबंध में पूर्ण रूप मे विजित है), रिक्ट्रिक्ता प्रधिकारी के कार्यालय, रासीपुरम (विज्ञ सं० 1370/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

की पृत्रवित सम्पत्ति के उपित वाजार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभी यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तियक रूप से किथत नदीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के बंतरक के दायित्य दों कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाथ या किसी धन या जन्य नास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपानं में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं. भैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के **वर्षान, निम्नलिवित स्थितिक्यों, अर्थात** ५—— 1 श्री डी० मदासिवम।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० मन्नार सामी।

(अन्यरिती)

को यह ।स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड निवित में किए जा सकींगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शस्यों आरि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया गया है।

मन्स् ची

भूमि और मकान---10वाँ वार्ड, उत्तर कछेरी रोड, विलापुरम रालिपुरम सेलम जिला।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1(ग्राई०सी), मद्रास

नारीख: 11-3-86

मोहरः

प्ररूप **आह**ं.टी.**एन.एस**.,-----

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विधीन सुमता

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक मायकर बायुक्त (निरीक्षक)

ऋर्जन रेंज-1; मद्रास मद्रास, दिनांकः 10 मार्च- 1986

निर्देश सं० 23 जुलाई 85—श्रव: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी एस० सं० 67/2 है जो गौन्डापालयम गांव रासीपुरम, सेलम में स्थित हैं (स्रौर इसके श्रनुबंध में स्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के जार्यालय रासीपुरम (द० सं० 1433/85) में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई. 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तद् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और बन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए ते वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए ते वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए ते वाया गया प्रतिफल क्या से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की, वायर, स्वरा विभिनियम के अभीन कर दोने के वन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे अभने में सुविधा के बिए; आर्थ/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सूजिका के लिए;

कतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरक मैं, भी, उक्त विधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, रनम्निसिकत व्यक्तियों, क्यांत् ७1. श्री पी० नटराजन श्रौर अन्य।

(ग्रन्तरकः)

2. श्री एस० साक्रेटस श्रीर श्रन्य।

(श्रन्तरिती)

का-यह स्वना शारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के वर्षन के तिर कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितन्त्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के प्रसित्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण.—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अमुसूची

पुंजा भूमि एस० सं० 67/2 बी प्लाट सं० 7 गौन्डमपाल्लयम गांव. रासीपुरम सासुका, सेलम जिला।

> श्रीमतीएम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्वास(श्राई०,सी०)

सारीख: 10-3-1986

मोहर •

प्रक्रम साझै. ही. एत. एस. ******

1. श्री बुट्टा सुन्दरम ग्रीर ४ ग्रन्य।

(अन्तरक)

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध् (1) के सभीन स्थान

2. श्री के० मनि।

(भन्तरिती)

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक नायकार वायुक्त (निरोक्तक)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास भद्रास, दिनांच 11 मार्च 1986

निर्देश मं० 26/जुलाई/85---प्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भाग 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निरुवास करने का कारण हो कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. सं अधिक हो

श्रीर जिसकी सं० 916, एस० मं० हैं, जो स्युनिसिपल वार्ड17 में स्थित हैं (श्रीर इसके श्रन्बंध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीयती श्रिधकारी के कार्यालय, श्रृष्णागिरी, (द० सं० 1122/85) में भारतीय रिजस्ट्रीयरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1985 को पूर्वेशत सम्पत्ति के उच्चिर बाजार मृस्य से कम से स्थमान श्रिकल के निए अन्तरित के गई हैं जीर मुखे यह निक्वाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उच्चित बाजार मृस्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का उन्तर श्रिकल से स्थापन प्रतिफल का उन्तर श्रिकल से स्थमान स्थमान स्थित से से सिल विष्य से से स्थमान से स्थम से स्थमान से सिल नहीं सिक्षा नवा है है

- (क) मन्तरण वे हुई एँखी बाव की बावत उक्त विध-रिवय के नधीन कर की के कक्तुक के दावित्व के अभी करने वा असबे व्यन के सुविधा के निए; बहुर/वा
- (व) एसी किसी अब वा किसी वन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर जीवनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रवोचनार्च अन्तिर्देशी ब्वाय प्रकट वृहीं किया नवा या या किया जाना नाहिए ना, कियाने में सुनिधा वे सिए;

बत्यः वदा, उक्त बर्गुभिषयम की भारा 269-न के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नोलिखित स्पक्तियों, नर्भात् :— को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिख् कार्यनाहियां कारता हुए ।

उपत सम्पृतित के अर्थन के बध्यन्य में कीई भी बाक्सेप:---

- (क) इस जुजना के स्वयंत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अनिध या तत्सक्तिन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर 'विक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) क्स स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर संक्त स्थानर संपत्ति में दिखन बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए का सकान।

स्पञ्चीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शन्यों और पर्यों का, बरें उनक निधानयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ दुरिया का उस अन्याय में दिया नमा हैं।

तपस्पी

भूमि श्रीर निर्माण एस० सं० 916, स्युनिसिपल वार्ड-17, बोगनपल्ली।

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास (श्राई०/मी०)

सारीख: 11-3-86

मोहर 🖟

प्ररूप आह⁵.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की <mark>धारा</mark> 269-**ष** (1) के अ<mark>धीन स्</mark>चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्राम, दिनांदः 10 मार्च 1986

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्रियान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अ**धिक ह**ै

श्रीर जिसकी सं० संकागिरी, मोरूर गांव, सेलम जिला में स्थित है (श्रीर इसके धनुबंध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री इर्ता अधिकारी के रामिलय (द० मं० 537/85) में भारतीय रिजिस्ट्री रिण्ण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1985 को पूर्वेक्स संपत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के श्रवमान श्रीसफल के लिए अंतरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रवमान श्रीसफल से, एसे श्रवमान श्रीसफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया श्रीसफल निम्नितिखित उद्वेश्य से उन्तर अन्तरण जिलित में वास्तिब रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श्व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, गें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 6 अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६1. श्री कें रंगासामी।

(ग्रन्तरकः)

2. श्री श्रार० वेन्दःटाचलम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर गुर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हित विद्या किसी अन्य कानित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-के में एथा परिभा-षित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि ऋौर निर्माण मोरूर गांव,नामकल तालुका, सेलम जिला।

> श्रीमती एम० सामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, मद्रास (श्राई०/सी०)

नारीख: 10-3-86

पम्प आई जी, एन. एसः "----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सचना

सारत सहकार

कार्यासय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्देश मं० 28/जुलाई/85—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल;

नायकर निधित्तमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परवात् 'उक्त विधित्तमम' नहा गया है), की धारा 269-क के मधीन ससीम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी एस० सं० 247/1 श्रीर 248/3-ए है तथा जो मोरूर गांव संकरीदुर्ग सेलम—पुंजा भूमि में स्थित है (श्रीर इसके श्रनुबन्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, संवरीदुर्ग (द० सं० 611/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नेंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया हित्फल, शिक्निलिचत उद्शेष्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तविक रूप से किंवत नहीं किंवा यवा है किं

- (क) असरफ त शुद्द लिखी जाय की यावत, उक्त अधिनियम के बभौन कार दोने के वितरक के दायित्व में कमी कार्य या समये अचने में सुविधा अ लिए; करिंगा
- (क) श्री किसी लाग या किसी धन या जन्म जास्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर लिभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त गिधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, किया में स्विधा के लिए;

बतः जयः उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के बन्सरण को, थैं, उपल अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निस्मितिसिंग स्थितकों, बर्भाष्ट क श्रीमती अरुक्कानी भ्रौर भ्रत्या।

(ब्रह्महरू)

2, श्री बी० पी० मृत्तुस्वामी।

(ग्रन(रती)

का यह स्थाना कारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यनाहियां कारता हुं।

वक्त बन्गरित के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र हु---

- (क) इत त्यमा के राजपण में प्रकाशन की हारींच ते 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबधि, को भी जबधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वात्;
- (ब) इस स्थान के रावपन में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, स्थाहस्ताक्षरी के शब्द लिखित में कियं जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, वो उक्त विभिन्तियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में दिव नवा हैं।

अनुसूची

भूमि स्रोर निर्माण एस० सं० 247/1 स्रोर 248/3-ए, पुंजा भूमि, मोरुर गांव, संकरीहुर्ग, सेलम।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास (श्राई०/सी०)

तारीख: 10-3-1986 मोहर: प्रक्ष अस्तै.टी.एव.एव.,------

क यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) हाउँ भारा 269-व (1) के नवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांनय, तहायक वायकर वायुक्त (निर्देशक)

ग्रजैन रेंज-1, मद्रास मदास, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्देश सं० 31,जुलाई, 85--अतः मुझे, श्रीमती एम०

साम्बेहः,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) **(विश्वे इसमे** इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भरूरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाबार भूरूप 1,00)00/- रत से अधिक है

भ्रौर िंसकी एस० सं० 102_/2-ए, पुं**णा भूमि है, जो** श्रवदान नदी गाँव सेलम तालुका श्रौर जिला में स्थित है (श्रीर इनके ग्राबंध में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती म्राधिकाःो के कार्यालय, ताडागप्पट्टी (द० सं० 2268_/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) वेः अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वों स सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य से कम के अध्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापू**र्वोक्स संपत्ति का उचित वाजार** बल्य, उनके क्रयमान प्रतिकत से एसे क्रयमान प्रतिकल का प्रमुख प्रतिशत ये अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (बन्सरिशियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तब पाया जना व्रतिफल, निम्न<mark>सिचित उद्दोश्य से उक्त वस्तरूज विश्वित</mark> में बास्त**ंबक क्य हे क्**थित न**हीं किया नवा है ॥**—

- (६) बन्तरण ते हुइ किसी बाय की बाबत , उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को जन्तरक को बायित्व में कमी करने या सबसे बचने में सुविधा के लिए; वॉर∕या
- (₹) ऐसी किसी आय या किसी भन या अल्य जास्तिथाँ को, जिन्द्री भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्क्रियाने में सुविधा के सिए;

अतः ४७, उक्त अधिनियम की धारा 2/649-ग के अनुसरण में, में, वक्त विधिनियम की भारा 269-न की उपभाग (1) िनम्मसि**खित व्यक्तियाँ** 👸 **व्यति** 🖳 12-16 GI/86

1. श्रीमती एस० सुब्बुलक्ष्मी।

(भन्तरक)

2. भीमती सौतामनी घौर घन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो ।

स्थल सम्परित को वर्णन के संबंध में कोई भी शाक्षेप 🌫---

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास चिरिषत में किए जा सकेंगे।

ल्पव्यक्तिरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ब्रो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

धनुसुधी

कृषि भूमि (पुंजा) एस० सं० 102,2-ए, ग्रन्नदानपट्टी सेलम तालुका श्रौर जिला।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास (श्राई०/सी०)

सारीखः 10-3-1986

महेहर 🛭

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (जिराक्षण)

धर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनौंक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० 33/जुलाई/85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामदेश,

काय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकारत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 260-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार सूस्य 1.00.000/-रा. से अधिक है

भीर जिलकी सर्वे सं० 82,2, 81,2, 83,2, 81,1 भीर 82,3 है, जो ओलावाडी, सेलम जिला में स्थित है (और इस के अनुबंध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधातरी के वार्यालय पेड्टानायकनपालयम (द० सं० 869, 85) में भारतीय रिजिस्ट्रोक्तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को धर्मोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान कि किए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास अर्थ का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नित खित उद्देश से उक्त अंतरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे सकने में सुविधा के लिए; आंडि/या
- (न्त्र) एसी किसी आय या किसी धन या कस्य बास्तियों नहीं, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर विधिनियम, या अनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

जेत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में. में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (†) के जभीन, निज्योत्तिकत न्यक्तिवों, अभीत :---- श्री एम० सुब्बराय पिल्लै।

(भन्तरक)

2. श्री पी॰ पेरियसामी।

(भ्रन्तिरती)

क्षे यह सूचना आरी कारके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

एक्ट संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विचित में किए चा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

कृषि भूमि सर्वे सं० 82,2, 81,2,83,2,81,1 घीर 82,3 बोबापाडी, धेसम।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज-1, भद्रास (ग्राई०/सी०)

तारी**व**: 11-3-1986

मीहर:

प्रकृष बाह् . टी . एन् . एस . ------

बानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक नायकार नायुक्त (निर्दाक्त)

भर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनकि 11 मार्च 1986

निर्देश सं० 39/जुलाई/ 85— ग्रतः **मुझे, श्रीमती एम०** सामुबेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाषा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

धौर िः की सं० एस० सं० 214/1, एषि भूमि है, जो कोडमाताईकानपट्टी गाँव, सेलम में स्थित है (और इसके अनुबंध में और पूर्ण रूप से विणत है), रिलस्ट्रीकर्ता अधिकारों के नायालिय, केने मंगलम (द० सं० 794/85) में भारतीय विलस्तार एप अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवान, तारीख जुलाई 1985

को पर्धों के संपत्ति के लिचत बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य जनके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्तर हु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अतारितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा बना प्रतिक फल, निक्तिवित उद्दोष्य से उच्च अन्तरण निवित्त में बास्त्विक कम से कथित नहीं किया ग्या है द्वा

- (क) अन्तरण से हुद्द किसी आय की वावत, उक्त श्रीधनियम के सधीन कर वाने के वन्तरक हैं दामित्व में कमी करवे वा उसके बज़ने में दुर्ज़िया के जिए; श्रीद/मा
- को शिनहीं नाय या किसी वन वा बन्य वास्तिवीं को जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम वा वक्तर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ बन्दरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, जिपाने में व्याचा के निष्;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती कृष्पाम्माल ग्राँर ग्रन्य।

(मन्तरक)

2. श्रीमती चिन्नम्माल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सूक करता हुं।

उत्तत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीप 🏣

- (क) इस सदना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी क्य विस्तारों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्पास्त यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इत संघना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षरी के पार निविक्त में किए जा सकते।

रवाकरण :-- इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उसक्त बिधिनयम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसूची

फ़रिं खेती---एउ० सं० 214/1, कोडुमानाईक हनपट्टी गौंब सेन्दमंगलम, सेलम, (दत्त० सं० 794/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधि हारी सहाय ह ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, (ग्राई०/सो०) मद्रास

सारीख: 11-3-1986

प्रारूप बाईं.टी.एन.एस.----=

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० 44|जुलाई/ 85--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (कित इसवें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 209-वा के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, चिनका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सर्वे सं० 1176/ए-1-वी है, जो कावेरिप्पाक्कम में स्थित है (ग्रौर इनके श्रृतृबंध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, कावेरीप्पाक्कम (द० सं० 739/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

स्रो प्यांक्त संपरित के बिचत वाचार मून्य से कन के त्रयमाय प्रविकत के लिए बन्धरित की गई है जीर मुखे वह विकास सरने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित वाजार स्रव, उसके क्ष्यमान प्रतिकत से, एके क्ष्यमान प्रविक्त का पेड्ड् इंडियत के विषक है और बन्तरक (बन्धरक) और बंधरिती (बन्धरितकों) के बीच एके बन्तरन के निए तम पामा पना जीत-कर विक्तिमिस्त उद्योक्त से क्ष्यर बन्तरण किस्तित के बाक्तरिक्क रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अध्यारण में हुई किसी आन की बावता बन्ध वॉपनियम के अभीन कर देने के बंदरक में दावित्य में क्सी कुड़ने वा उच्छे वचने में तृतिथा के दिख्य औड़/वा
- (क) एती किसी बाव वा किसी धन या कन्त बास्सियों की, जिन्हों भारतीय बावकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजपार्थ जन्तरिती वृद्याय प्रकट नहीं किया गया या विज्ञा काना चाहिए था, कियाने वें वृद्याय के विद्या के विद्या के विद्या

कतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की क्ष्मपारा (1) के अधीय कियानिक स्थापित स्थापित क्ष्मीय क्ष्मिय क्ष्मीय क्ष्मिय क्ष्मीय क्ष्मीय क्ष्मिय क्

1. श्री डी० तिरुज्ञानम श्रौर भन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रार० विल्वनायन।

(भ्रन्ति)

को बहु सूचना बारी कर्यं पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

वक्त कर्मात्त भी वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाजेप्र:---

- (क) इस स्वा के स्वप्य में प्रकासन की तालेंस से 45 दिन की अवदि या तत्सम्बन्धी स्वमितलों पर स्वा की ताबीत से 30 दिन की अवदि, वो भी अवदि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स स्ववित्यों में से किसी स्वक्ति इंदाय;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी सम्ब स्थानित द्वारा अधोहस्ताद री से पाद विविद्य में निम्मू का क्षकेंचे 1.

स्माचीकरणः — इसमी प्रयुक्त कर्ग और पर्यो का के उनत जीभीनवन, के जभ्याय 20-क में पंरशावित है, वहीं जर्म होगा को उस अध्याय में दिया भवा हैं॥

नगुसुची

रैस मिल निर्माण --- सर्वे सं० 1176/ए 1 बी, काबेरि-प्पाक्कम।

> श्रीमती एम० रामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर धायुक्त (निराक्षण) द्यर्जन रेंज-1, मद्राज (न्नाई०, तो०)

तारीख: 11-3-1986

मोहर ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री के० वी० शन्मुगम ग्रौर ग्रन्य।

(प्रन्तरक)

2. श्री एम० सेलवराजुनु।

(भ्रन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज-1, मद्रास गद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० 45/जुलाई/85—श्रतः मुझे, श्रीमती एम॰ साम्बेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन ाक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावः सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी डोर सं० 23 है, जो तिरुमले समुद्रम सी० मृतुस्वामी चेट्टी स्ट्रीट, श्रारती में स्थित है (श्रीर इसके श्रनुबंध में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री जित श्रीकारी के कार्यालय, श्रारती (द० सं० 2082/85) में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रीधित्यम, 1908 (1908 वर्ष 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए क्तितित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयकान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिट में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिशम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दास्ति में कामी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना बाहिए था, किन्द्रजे में सुविधा के सिए।

जतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 262-च की उपधारार (1) के अधीन,, निम्नलिखित स्थितयों, अधीत ध— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णिक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, वो उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण डोर सं० 23 तिरुमले समुद्रम सी० मुनुस्वामी षेट्टी स्ट्रीट, टाउन ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रंज-1- मद्रास (श्राई०/सी०)

तारीख: 11-3-1986

with each time in the second s

इक्द बाई', बी. एन्. एथं,------

1. श्री ९ पेरीय शामि श्रीर श्रन्य।

(अन्तरक)

बायकाः विभिन्नियम, 198/ (1961 कं 43) की भारत 269-वं (1) के विभीन स्वना 2. श्री अप्पु (alias) देइवचि उडेयार और। (तन्तरिती)

प्रारव क्रक्टर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजॅन र्रेज-1 मद्रास मद्रास दिनांक 11 मार्च 1986

निर्वेश सं० 48/जुलाई/85—अतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

धावकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमं इसके पक्षात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एस० सं० 165/2 जिप खेती हैं जो विस्मानाईक न पट्टी गांव रासिपुरम में स्थित है और इतके अनुबंध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीरित श्रीध-कारी के ार्यालय, बालपाडी दस सं० 1645/85) में भारतीय रिजस्ट्रीरिण श्रिधिनियम, 1908 (1908 Т 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1986

को प्वांश्व सम्मत्ति के उचित नापार मूम्य से कम के अध्यमन प्रतिफल को निए अंतरित की गई हैं जौर मुन्ने यह निष्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित वाजार सूक्य, उतके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पंडाइ प्रतिकत से अधिक हैं और अध्यस्त (अन्तरकाँ) जौर अध्यस्ति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्ननिस्तित उद्बोदय से उक्त अन्तरण किस्तित में वास्तिक रूप से काथित नहीं किया गया है उ

- (क), बन्तरण से हुई किसी आय कर बाबत, उक्त भौभनियम को सभीन कर बोने को अन्तरक को धामित्व में कभी करने या उससं बचने में सूविभा में सिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी बाय का किसी बन वा अन्य जास्तियां का, जिन्हें जारताय आयकर जिभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभीनयम या अन कर जिभीनयम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुधिका वे दिवए;

वतः वतः, अवतः अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण वृंद्र वाँ, अवतः अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1) वाँ वधीन, निम्नलिखित व्यवित्तयों, अधीत् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्घाध या तत्मवंधी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अन्योध बार मा समान हानि हो। को भीतर पृवािकत व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयावत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन् सची

भूमि श्रीर महात —एस० सं० 165/2 धिन्मतोईक न पट्टी गांव राजिपुरम तालु६ श्रीर सेलम जिला। (दस सं० 1645/85)

> श्रीयती एग० सामुबेल सक्षम प्राधि ा**री** (तिरीक्षीय सहाय*े* श्रा_यर श्रापुक्त) श्रर्भत रोंज-1 (श्राई०/सी०), मद्रात-6

तारीख: 11-3-1986

मोरह :

प्ररूप आई^६. टी. एम. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

आर्थालय, सहायक श्रायकर सायक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-1, मद्रास मद्राप, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० 52/ तुनाई/85---जाः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा संशिक हैं

श्रीर जिसकी पंजपारक एउक 272/1श है. तो कों निष्पुरम गांव में स्थित है (श्रीत उपार एउका प्रवंध में श्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है), जी भी जी भी भी परिष्ण प्रशासी द्वा पंज 692/35) में मांभी जी परिष्ण प्रशित्यम, 1908 (1908 में 16) के भीति, पारीख जुलाई, 1985 को प्रवादित सम्मत्ति के लिखन बाजार मृत्य में कम के द्वयमान मित्यक के लिए अन्तरित की गर्ड है और सुक्रे यह जिल्लाम करने का सारण है

रेंक यथा भवें निर्म समाति का अपित वाजार मन्य, उसके द्वयमान गोरिकर में, रोसे द्वयभान अतिकल वे पन्तह प्रतिकत में अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अंतरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को लिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी धन अप अस्य आस्तियों का. जिल्हों भारतीय आयकार प्रिधित्यम . 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सृविध के लिए;

जलः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कें अधील, निस्तिशिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷— 1. श्रीमती कें ० कालिश्रम्माल श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरक)

 श्री पी० नल्लतम्ब भीर भ्रम्य। (भ्रम्तरिती)

को यह सम्मना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्थन 🕏 विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उपत संपति के अर्जन के संबंध में कांड भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच क्ष 4.5 दिन को अविधि या नर-स्वधी व्यक्तियों पर सूचना की उमील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त श्राविक्तयों भी से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (स. इस मूचना के राजपंत्र भे प्रकाशन को तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वाग अधाहस्ताक्षरी के पास रिभिन में किए जा सकोंगे।

प्यच्चोकारण ---इसमा प्रयाकत धान्दो और नदी का., **जो उनक्त** अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित बही अर्थ होगा, जो उत अध्याय में दिया ग्या मया है।

नगसची

भृमि ग्रीर मजान—श्रार० एस० सं० 272/1 **वी,** कौगनापुरम गांव (सेलम, धस सं० 662/8**5**)।

> श्रीमती एम**ः वापुरेल** सक्षम प्राष्टिकारी (निरीक्षीय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त) श्रजन रेंज-1, (श्राई०/सी०), मश्रास-6

सारीख: 11-3-1986

मोहर ::

प्रकम नाहर् हो। एनः यसः, ------

1. श्री एम० श्रीनिवापन।

(प्रन्तरक)

2. श्रीवी० ग्रातिमूलम।

(भ्रन्तिश्ती)

बायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थान

मारत सरकार

कार्यांसय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्देक्ष्ण)

भर्जन रॅज-1, मद्रास गद्राप्त, विनोध 11 मार्च 1986

निर्वेश सं० 55/जुलाई/85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

शायकर बिधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें यह प्रिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रहा से अधिक हैं

धौर जिप्तकी सर्वे सं० 196/2 है. जो मूबोंड (पल्ली गांव में स्थित है (धौर इसके अनुबंध में और पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्री ता श्रिध गरी के गर्यालय, होसुर (दस सं० 2083/85 में भाग्तीय रिस्ट्रीकरण श्रिधिस्म, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1985

की प्राप्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वारमान रितमान की नए कन्तरित की गई है और मृभ्ने मह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार कृष्य उसके रवयमान प्रतिफाल से, एसे दवयमान प्रतिफाल का उन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रिफाल, निम्निसिवत उद्देश्य से उसत अन्तरण किथित में अस्तिक कम से किथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से म्हा किसी आय की बाबत, उक्त जीवीनश्रम में अभीन कर योगे के अन्तरक को दायित्व में कमी भारने या तससे वचने में सुद्रिया के सिए; बांड/या
- (च) पोती किसी नाम मा किसी भन या जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर जीभिनियम, भाभन-कार निधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अने रिसी इवारा प्रकट नहीं किया जया जा वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिख:

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिद् कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोएं भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संविध मा तत्सवंभ व्यक्तियों पद्य सुमना की तामील से 30 दिन व लियि। वो भी मंदिर पूर्वोक्त की समाप्त होती हो। के भीतर पूर्वोक्त क्विसयों में में किसी व्यक्ति स्वारत;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश: की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर ः पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्थाबीकरण:—-इसमें प्रयुक्त सब्दों और ध्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-% में परिशासित हैं, नहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विवस

अनुसूची

भूमि श्रीर मकान—सर्वे सं० 196/2, मूकोंग्रापल्ली (वस सं० 2083/85)।

श्री ती एम० सामुवेल यक्षम प्राधि तरी सहायक ग्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, (श्राई०/सी०), मद्रास-6

ं अस्तः अस् , अध्यक्ष क्रीभिष्यम क्री भारा 269-व से सन्सरक कें, में, उक्त क्रीधनियम क्री भारा 269-व की उपधारा (1) के अर्थन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

तारीख: 11-3-1986

प्ररूप वार्<u>ष</u>्टी<u>.एन.एस</u>् ------

1. श्रीमती पी० तंगम्माल।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मीनाक्षी श्रम्माल।

(भ्रन्तरिती)

भावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नुधीन सुचना

and district

कार्यांजय, महायक जावक र मायुम्स (किरीवक)

म्रर्जेन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनौंक 11 मार्च, 1986

निर्देश सं० ५६/जुलाई, ४५--म्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचारा 'उदा अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,90,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० डोर मं० 80 ए, बी है, जो मैन रोड़, श्ररि-निगालयम, मेलम टौन में स्थित है (ग्रौर इसके श्रनुबंध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यायय, सेलम (द० सं० 805/85) में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रममान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकर्सा विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है जोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छक्करेय से उन्तर अन्तरण सिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्सं अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कनी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (ण) एसी किसी बाय का किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रवांचनाचे जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया चाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के जिन्हा

को यह सूचना जारी करके प्वाँक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्रोप ;---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय है 45 विन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, बधांहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए वा धकेंचे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पर्यों का, वो खक्त व्यथिनियम, के कश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वृथि होगा जो उस अध्याय में विद्या गवा हैं:

वग्स्की

भूमि ग्रौर निर्मीण डोर सं० 80ए, 80-बी, मैन रोड़ ग्रिरिसपालयम, सेलम टौन।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी (तिरीक्षीय सहायक श्रायकर श्रायुक्त) श्रर्जन रज-1, मब्रास (श्राई०/सी०)

तारीख: 11-3-1986

मोहर ः

अक्ष बार्ष द्वी एवं एस -----

भाष्क्रर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत स्रकात

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेजि-1, महास

मद्रास, दिनाँक 10 मार्च, 1986

निर्वेश सं० 58,जुलाई, 85—श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर सिर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं। की चार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्कास करने का कारच है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० डोर सं० 110,991 है, जो वेंगटाजलपती अध्यर स्ट्रीट, शेवापेट 6वाँ वार्ड, सेलम टाऊन में स्थित है (भीर इसके अनुबंध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ती मधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० III, सेलम (दस सं० 849,85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयजान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एंसे क्रयमान प्रतिफल ज क्ल्य प्रतिकृत से व्यक्तिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंचरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तथ पाया बवा प्रतिकृत मिम्निसिवत अब्देश्य से उच्त अंतरण निवित्त में नास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- [का) बंदरण से हुई किसी आप की अवस्त, उक्क जिथानियम के अधीत कर दोते के अवस्त के के सामित्य में कमी करने या उससे अका को स्विधा के लिए; बॉर्ट्या
- (क) श्रेसी किसी जाय वा किसी धन था जन्य जास्तिकों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अंभिन्यम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनिक्षम, या धन-कर अधिनिक्षम, ।००० (1957 टा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विचा के विच्हा

कत्तक अब उक्त विभिन्नम की भाग 263-म के अनसरण में, में, अक्त विभिन्नम की भारा 269-व की उपधारा (1) वै वधीन, निम्मलिकित व्यक्तिसों, वधीत :—- 1. श्रीमती मीना ग्रम्माल।

(भ्रन्तरक)

2. माईनर के० वी० सुरेश।

(भ्रन्तरिती)

कार्ग वह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन क सिए कार्यवाहियां शुरू करता तं ।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध ये कांग्रें भी बाक्षेप :--

- (क) इस मुखना के राजपण मी प्रकाशन को तारीख में 45 दिन की नवीप या तत्सेश्रंथी व्यक्तियों पर मुखना की तामील से 30 दिन की नवीप, जो भी अविध बाद मी समाप्त होती हो, के भीतर पृशेषित का किएगों पे सु विज्ञी स्वयंत्रित हुवारी,
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उपन स्थावर समासि में हितबद्ध किसी अन्य स्पनित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए का सकीने।

स्पन्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा जनज अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिशासित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में नियम वता है।

यनृयुची

भूमि श्रीर मकान--श्रीर सं० 110,99, वार्ड "जी" ब्लाक 3टी० एस० सं० 106, श्रादि वेंगटाजलपति श्रय्यर स्ट्रीट शेवापेट, 6वाँ वार्ड, सेलम। (दस सं० 849,85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल सञ्जम प्राधिकारी (निरीक्षोय सहायक श्रायकर श्रायुक्त) श्रर्जन रेंज-1, (श्राई०/सी०), मद्रास-6

तारीख: 10-3-86

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनौंक 11 मार्च 1986 निर्देश सं० 59/जुलाई/85—अत: मुझे, श्रीमती एम०

सामुबेल आधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी संवन्यू संव 240 स्रौर 241 है, जो शेवापेट मेन रोड़, डाक्टर नावलर नड़ुछेईपन स्ट्रीट, II वार्ड, सेलम टाऊन में स्थित है (स्रौर इनके अनुबंध में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, जेव एसव सार-II, सेलम (दम वसंव 853/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का भ्यन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिलाहत में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर धोने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विभा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी अत्य या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, रं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधी , निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

श्री एन० वी० एन० मनोकुन भौर भन्यों।

(मन्तरक)

2. श्री एन० गुरू प्रकाश।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्स सम्पत्ति की वर्जन को सिक् कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है दे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहरताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का जो उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिक है, यही कर्य होगा जो उक्त कथ्याय में विका गया है।

अनुसूची

भूमि श्रोर मकान—न्यू सं० 240 श्रोर 241, डाक्टर नावलर नडुछोईपन स्ट्रीट (शेवापेट, मेन रोड़), **Lind वार्ड,** सेलम (वस सं० 853/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, (ग्राई०,सी०), मन्नास-6

तारीख: 11-3-1986

मोहरः :

प्रक्ष बाइ .टी. एन. एस. -----

बावकर बीधनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) की वृथीन सूचमा भारत सरकार

कार्याक्षम, सहायक आयकार आयुक्त निरीक्षण)

श्चर्जन रेंग-1, मद्रास मद्रास, दिनाँक 11 मार्च 1986 निर्देश सं० 60, जुलाई, 85 - श्चरः मुझे श्रीमती एम० सामुवल आस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास करने का

1,00,000/- रह. से बिधिक हैं भीर जिसकी सर्वे नं० 650,5 है तथा जो तारपाडवेडु में स्थित है (और इसके अनुबंध में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय, काटपाडी (द० सं० 2208,85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1985

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

को पृत्रों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यंशापुर्वोक्त सम्परित का उचित बाधार मूल्य, असके व्ययमान प्रतिकास से एसे व्ययमान प्रतिकास का पत्नह भिष्ठियस से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अस्तारितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया भौतिकान, निम्नीलिकात उद्योध्य ने उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है।

- (क) बलाइण वं हुई जिसी बाब की बाबक, सबस वृधिनियम के स्पील कर दोने के क्यूडक की कवितन में कभी करने ना बचले बलाने में सुन्तिन के सिए; बॉर/का
- (प) एसी किसी बाम या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय कायकर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन- कर अभिनियम, या भन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

सतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के नन्सरण वें, में, उक्त अभिनियम की धं 269-व की उपभारा (१) के नभीन, निम्नलिवित स्पव्तियों, अर्थात् :— श्री ए० प्रभाकर रेश्री।

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रार० वी० दामोदरन।

(भ्रन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के वर्षक के जिल्ल कार्यवाहियां करता हुं।

उच्च सम्मित्त के बर्चन के सम्बन्ध में कोर्च थी आसंब प्र---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितप्रवृक्ष किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिनित में जिए का सकेंगे।

स्वय्दीकरणः ---इसमें प्रथ्वत शब्दां और पर्वा का, जो अवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस मुख्याय में विशा नवा है।

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण—सर्वे सं० 650/5, तारवाडवेडु (द० सं० 2208/85)।

> श्रीमती एम० नामुवेल) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंश-1, (श्राई०/सी०), मद्रास

तारीख: 11-3-1986

प्रकार वार्ड की पुरा पुरा १५००००००

बायकर बीधीनयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) वो बधीन सुकता

भारत बरकार

कार्याक्य, सङ्ग्रक भागकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन र^{*ज}-1, मद्रास मद्रास, दिनौंक 11 मार्च, 1986

निर्देश सं० 64/जलाई/85--ग्रतः मुझे, श्रोमती एम० सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भाषा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तका उचित वाषार मूख्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे सं० 408 है, तथा जो पुतु:पट्टी गाँव, नामिगिरिप्टेंट्टै, सेलम जिला में स्थित है (और इसके अनुबंध में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नामिगिरिप्पट (वं० सं० 744/85) में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1985

न्त्रे पृथमित सम्मित के उचित बाजार मून्य से कम के दूस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दूस्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिचित से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्वेद्य से उक्त अंतरण कि सिच्च में बास्तिका रूप से कथित महीं किया गया है :—

- (क), बन्तरण तं हुई किसी बाय की बाक्क, उचक मिनियम के सभीन कर दोने के जन्तरक के दार्थित्व वो कभी करने या उच्छे बचने में सुविभा को सिद्द; बर्डि/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोक्तिय अस्ति अस्ति इसारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाला चाहिए था, कियाने में सुविधा के शिक्य;

भराः नम, उक्त मीभिनियम, की धारा 269-गृ के अनुसरणी मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती पार्वती या श्रलस्याम्माल श्रौर अन्य। (श्रम्तरक)
- 2. श्री कें नम्बीकाली गौन्डर।

(भ्रन्तरिन)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिधु कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की समिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुभ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, कं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ज्यस्यी

कृषि भूमि (पुंजा) सर्वे सं० 408, पुदु-पट्टी गाँव, नामगिरिष्णट्ट, सेलम जिला।

> श्रीमती एम० सा**मृवेल** सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षीय पहायक श्रायकर श्रायक्त) श्रर्जन रेंज-1, (श्राई०,सी०), मद्राम

तारीख: 11-3-1986

प्रक्ष भार्षे . दी . ध्न . ध्व . -------

नावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के वधीन सुव्या

भारत बरकाड

कार्याक्य, सङ्ख्य मायकर मायुक्त (जिर्राक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 मार्च, 1986

निर्देश सं० 6,6/जुलाई/85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम ॰ साम बेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वका उपित बाचार मूल्य 1,00,000/- छ. से अधिक हैं

ष्ठौर जिसकी सं० 85/322ए, है जो ग्रलगापुरम गाँव में स्थित है (ग्रौर इसके अनुबंध में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सुरमंगलम (द० सं० 1566/ 85) में भारतीय रिजस्ट्रें(करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाबार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार अल्प, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्दश्नेत्रितवत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफल निम्निसित्त उद्देश्य ते उक्त अंतरण किचित में अस्तिक रूप से अधिक नहीं किया नदा है :—

- (क) जलारण के हुई किसी आप की बावका स्वयं ज़िक्किया के जमीय कर दोने के जलारक की दाधित्य में कमी करने या उससे बजमे में मुविधा के सिए; सीर/धः
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं. उक्त विधिनियम की भारा 269-च के अन्तरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री एस० शंकर नारयमन श्रीर भ्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रार० के० स्थामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह ब्यमा जारी कारके पृत्रोंका सम्मरित को अर्थन के जिल्ल कार्यनाहिलों कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इब सूचमा के शक्षपत्र में प्रकाशन की बहरीय से 45 विन की नवीय या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की सबीध, को भी बनीय बाद में सनाया होती हो, को मीतर पूर्वोंकत व्यक्तिकों में से फिली क्यक्ति बुवाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

रचक्कीकरण ह— इसमें प्रयुक्त कर्न्यों जीर वर्षों का, यो उपह जैभिनिजन, को कथ्यास 20-क से परिभाषित हैं, तही अर्थ होता को उस प्रध्याय में दिशा गया है।

श्युस्पी

भूमि और निर्माण --सर्वे सं० 85,3ए रन । गाँव।

> श्रीमतो एम० मामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षीय) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास (ग्राई०,सो०)

तारीख: 11-3-86

प्रकृत बार्च के बीच प्रकृत प्रकृत का विकास

नाथकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वमा

HISO SERVE

कार्यातच, तहावक मायकर मायुक्त (निराधका)

श्वर्जन रेंज-1, मद्राम मद्रास, दिनाँक 11 मार्च, 1986 निर्देश सं० 67,जलाई/85—श्रत: मुझें, श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रूपये हैं विधिक हैं

स्रौर जिपकी मं० स मं० 28, है, जो पोडिनाईक्कनपाट्टी में स्थित है (स्रौर इपके सन्वंध में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रोकर्ती स्रिधिकारी के कार्यालय, सुरमंगलम (दम० मं० 1589/85) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 17 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के जिस्त बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का जिस्त बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय याया चवा प्रतिफल, निम्नलिक्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनिक्य के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ अन्तरिती इंबारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

बत: व्यव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण के जनसरण कों, भीं, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को बभीन, निम्नतिचित व्यक्तियों वर्णात :--- 1. श्री एन० एम० सुरेन्द्र मोहन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० तीर्तमलें श्रीर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुई ।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन की अविध या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपित्न में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, घो उच्ल अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना घो उपस्य अध्याय में दिशा पदा हैं।

वयस्यी

भूमि --स ० सं० 28, पोडिनाईक्कनपट्टी गाँव, सेलम तालुक ग्रोर जिला (दस० सं० 1589/85)।

> श्रीमती एम० साम् वेष सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीय) श्रर्जन रेंज-1, (श्राई०/सी०), मद्रास-6

तारीख: 11-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मब्रास मद्रास, दिनौंक 11 मार्च, 1986

निर्देश सं० 69/जलाई/85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० सर्वे सं० 25/3वी हैं, जो नरजोतिष्पट्टी में स्थित हैं (ग्रीर इसके अनुबंध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सुरमंगलम (द० स० 1591/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्प, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीमती एन० कशकी ग्रम्माल।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० रत्न संबापती।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

भूमि सर्वे सं० 25/3बी, नटजोतीपट्टी, सेलम।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीय) ग्रर्जन रेंज-1, (श्राई०/सी०), मद्रास

तारीख: 11-3-1986

अक्न नाइ दी. एन . एस-------

बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधील सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, 1, मद्रास

मद्रास, दिनक 11 मार्च, 1986

निदेण सं० 71/जुलाई/1985—अनः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर निधितयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें शुधकों पहचात् 'उन्ता निधितमन' कहा गना ही, की धाक 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० एस० स० 23/2 थ्रांथ 23/3 है, तथा जो कन्दम्पट्टी गांव, सेजम तालुक अंग्रिजिला में स्थित हैं (ब्रॉर इससे उपाबद्ध अनुसूची में आंप्र पूर्ण क्या ने विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरसंगलम (दम सं० 1593 85) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अम्हरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, इश्यमान प्रतिफल स विश्व है और अंतरिक (अंतरित्यों) के और अंतरिक (अंतरित्यों) के शिष एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उच्च स उक्त अन्तरण निवित्त में शास्तिक का के कियत नहीं किया गया है ः—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आब या किसी धन वा अभ्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, जियाने में तृतिधा के किय;

जत: वक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत, दिस्तिलिखित व्यक्तियों, अभौत् ६——
14—16 GI/86

- (1) श्रीमती मुनिचि अम्माल और अन्य। (अन्तरक)
- (2) मुत्तुस्वामी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की स्वीध या तत्त्रक्रियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेंक्त स्थानित में से किसी स्थानत इवारा;
- (क) इस स्वामा के रावपण में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य स्वक्ति द्वारा नेभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्राणित हो, बहुी वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गंका है।

धनुसूची

भूमि श्रीर मकान एस० सं० 23/2ए श्रीर 23/3, कन्दम्पट्टी गांव, सेलम तालुक श्रीर जिला।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंध रेंज-I, (आई/सी), मद्रास-६

विमांक: 11-3-1986

प्ररूप बाहु .दी .धन .एस .-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काबीसय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 11 मार्च, 1986

निदेश सं० 72/जुलाई/85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

लायक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का स्थान संपीत जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संबकोमाटपालिया ग्रग्नह्मात्म, मेलम है, जो मे स्थित है (ग्राँर इसने उपाबड़ अनुसूची में ग्राँगर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामारपालयम (दंव मंव 1891/85) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ज्लाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके अयमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का पंद्रह श्रीर अंतरिका (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन था अस्स अपिस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर किसिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुचिता के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलितित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री कें मारप्पा गाउण्डर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० रामायी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित्बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरं अधिनियम, के नध्याब 20-क में परिभाषिष्ठ ही, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि श्रग्रहारम, कोमारपालयम, भेलम जिला (द० सं० 1891/85)

> श्रीमती एम० सामुबेलं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-1, मद्रास

दिनांष: 11-2-1986

सोहर:

वायक्त विधित्य, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्योव ब्यूना

कार्यांतय, सहायक शायकड नामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च, 1986

निदेश सं० 81/जुलाई/85—-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (निधे इसमें इसके परणात् 'उनत् निभृतियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स में नृभीन समृत्र प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नई डोर संख्या 149, वेवेरी हाई रोड, पेरियामेट, मद्रास-3 में स्थित है (ग्रीप इससे उपाबद्ध श्रमुसुवी मेंग्रीर पूण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधियारी के वार्यालय पेरियमेट (द० सं० 835/86) में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुलाई, 1986

को पूर्वोक्त संपरित को अधित बाबाद बृत्य से कम को क्यानाथ अतिक म को लिए बन्तिरत की नहीं ही बीर मुझे यह विश्वाद कारने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्मरित का स्थित वाचार मृत्य उसके व्यमान प्रतिक म के पूर्व अध्यान प्रतिक का बावर का बन्द प्रतिक का स्थित वाचार मृत्य उसके व्यमान प्रतिक है बीर मन्तरक (मन्तरका) नीर बन्तिरती (अन्तरित्या) को बीच एसे बन्तरण के सिए प्रवृपाम न्या प्रतिक , निम्नितिषत उन्वरेष्य से स्वयं क्यां क्यां क्यां का विषय का बन्ति का वास्तिक का से कियत नहीं किया प्रवाह का सम्मर्थन विविद्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की पावर्त_{ार} अंबर्त अधिपायम के नशीन कर दोने 'के बन्तरक बी खबिरच को कुशी कुरने वा उससे बचने को जुनिया बी सिए; ब्रॉडि/या
- (क) द्वी किसी बाव या किसी गुन या अभ्य वास्तिको को, जिल्हों भारतीय अध्य कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा प्रकत अधिनियम, या श्वकर अधिनियम, या श्वकर अधिनियम, या श्वकर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तौरती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिहा:

वृतः सव, उवस् विधिन्त्वं की वास 269-व वी वन्त्रंस्य में, में, उवस विधिनियम की भारा 269-व की उपधास (1) के विधिन, जिस्तिविक व्यक्तियों वर्षात् ॥—— (1) श्रीमती एम० फातिमा बी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० फारक श्रहमद

(भ्रन्तिरती)

कर वह बुचना आपी करके पुत्रांचित वंपरिता के वृजन के बिह्न कार्यवाहियों शुरू करता हूं।

उनत बम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाबोप हुनन

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीय हैं

 4.5 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिएमें पृष्ट सूचना की सामील से 30 दिन की कविभि, को भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत स्यक्तियों में से क्रिपी स्पवित बुवारा,
- (क) इस सूचना ने राज्यम में प्रकाशन की शारीब बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में द्वितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति. द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास जिवित में किस का सकेंगे।

रुपक्षिरण:—इसमें प्रमुक्त सन्तों नीर पर्यों का, की सक्त मधिनियम के लध्याय 20-क में परिशाणित है, वहीं कर्ष होगा को उस चिंगाय में दिया गया हैं।

प्र<u>नुस</u>ुषी

भूमि श्रीर निर्माण नई डोर सं० 149, वेपेरी हाई रोड, पेरियोमेट, मक्रास-3

> श्रीमती एम० सामुबेल संक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 11-3-1986

मोहरः

प्रकम् जार्च ् टी ् एन ् एक ्र-वन्त्रन

नाथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न् (1) के मधीन सूचना

शारत क्रम्बर

कार्याचन, सहायक नायकर नायुक्त (निरुक्तिक)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च, 1986

िनदश स 105µजलाई/85—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सानुवल,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, विसका उचित बाबार कृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० प्लाट सं० 530, डोर सं० एल। 93, "एल" क्लाक, 29वां रोड, हैं तथा जो अरिगनर श्रण्णा नगर, मद्रास-40 में हिथत हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुकी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, प्रण्णा नगर (द० सं० 2718। 85) में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24-7-85

को पूर्विकत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिचित से बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जनसरण से हुइ किसी जाय की बाबत उकत जीध-पियम के अधीन कर बने के जनसरक के दायित्व में दायित्व में कमी करने या उससे जजने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐंडी कि वी अंग या कि सी भन या अन्य जास्तियों को निष्टुं भाइतीय जाय-कर जीभनिवस, 1922 (1922 का 11) या उत्तत जिभिनियस, हा द्वार-कर जीभीनयस, 1957 (1957 का 27) क प्रयोगनार्थ अन्तरिती क्यांचा प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, जिमाने में सुविभन के किए;

क्स वर्ष, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :--

(1) श्री बी० गोपाल नाइडु

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ई० वी० जीनत।

(भ्रन्तरितीं)

को सङ्ख्या जारी करके पृथोंक्त संपत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त ब्रंपत्ति के मर्जुन के बंबंध में कोई भी भारतेय ए---

- (क) इस सूचना वो राजपत्र में प्रकाशन की सारीब के 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्षाण, जो भी अविध बाद में तमाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्त का विसम में से किसी क्यों कत बुधारा;
- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की भीतर एक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकने।

प्रनुसूची

प्लाट—सैकिण्ड फ्लोर, प्लाट सं० 530, डोर सं० एल₁93, "एल" ब्लाक, 29वां रोड, ग्ररिगनर ग्रण्णा नगर, मद्रास-40 (द० सं० 2718₁85)

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-1, मब्रास-6

विनांक: 11-3-1986

प्रका बाह्र . टी., स्मृ. एड.,------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-प (1) के अभीन सुचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (हिनरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांकः 11 मार्च 1986

निदेश सं० 111/जुलाई/85—श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौग जिसकी सं० डोर सं० 43 पिडारियार कोवल स्ट्रीट मद्राम-! में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री तो ग्रीधि रिगरी के कार्यालय सौजार पेट (द० गं० 338/85) में रिजस्ट्री रण श्रिधि नियम 1908 (1908 रा 16) के श्रधीन, जुलाई, 1985 को पूर्वे पित सरपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया . तिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुन्द निश्वी जाय की वाबत, उनत अभिन्यम के अधीन कर पेने के अंतरक के बामित्व में कमी करने वा उत्तस वचने में कृतिभा के लिए; और/पा
- (क) एंसी किसी आम या किसी धन या जन्म जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा ना किया जाना जाहिए था, छिवाने में सुविधा ची निए;

(1) श्रीमती कें० सरोजा श्रम्माल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जी० मेलवम ग्रीर 3 ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थान भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्ह कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्वक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी विधि बाद में देमाप्त होती हो, के भीतर प्रविद्ध व्यक्तियों में से किसी स्थित इवार;
- (व) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदृष किसी बन्य व्यक्तिः इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए था सकोंगे।

प्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषिए हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

नगृस्वी

भूमि श्रीर निर्माण डोर सं० 43, पिडारियार कोयल स्ट्रीट, जार्ज टाउन, मद्रास-1

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रुजैन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 11-3-1986

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनूसरण -, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् —

प्रकर बाह्", टी, एवं . एवं . ======

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ज (1) के अभीन सुक्ता

नाडुल चहुन्तार

कावीजव, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मक्षास

ण्द्राम, दिनाँक 10 मार्च, 1986

निदेश सं० 123/जुलाई/85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह मिक्सस करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० डोर मं० 50, प्लाट सं० 50, जे० के० के० सुन्दरम नगर, श्रन्तू गूर रोह, कुमारालयम सेन्न जिला में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोक्ती श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० I, मद्रान उत्तर (द० सं० 1985/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाबार मृत्य से कम कै बक्यमान श्रीपत्रक को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूनोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार भूका, उसके करवान प्रतिकत से, एसे क्यान प्रतिकत का गन्द्र प्रतिकत से विधक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिकी (अन्तरिक्षिमों) के बीच एसे अन्तर्भ के बिए तब पाना पना प्रतिकत, निम्निलिखित उद्श्रेस से उक्त बन्तरण सिवित में भारतिका कर से ब्रिका मही किया गना है 8—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नायत अक्त अधि-विवस से अधीन कर दोने से अन्तरक से शासित्य में अभी अपूर्ण मा असले बचने में सुविधा के लिए सरि/सा
- (क) वृंती किसी बाव या विश्वी थन या जन्य जास्तिनों कर्ता, विक्ट्रे भारतीय नात्कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम या धन कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ क्लार्डिशी ब्लारा क्लाट नहीं किया ब्या था वा क्लिया आवा आदिए वा, क्लिया में सुनिभा के विक्रा

जराः अव, उन्त अधिनियम की भारा 259-ग के अनुसरण मों, मीं, उन्त अधिनियम की भारा 269-ण की उनभारा (1) के अधीन, निम्नुसिचित स्युक्तिस्यों, मर्भात् हु— (1) श्रीमती वसन्ता स्टूबर्ट

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जें० के० के० सुन्दरम

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाही करता हुं।

उपत कम्परित के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच है 45 दिन की वृष्टिय वा स्टब्स्ट्रेंगि व्यक्तियों पर स्वना की तानीन से 30 दिन की नविष, को भी सविष बाद में बनाप्त होती हो, के भीतृद्ध पूर्वोक्स स्युक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराह
- (व) इस स्थान के राजपण में प्रकावन की तारीब से 45 दिन के भीतु उक्त स्थावर संपत्ति में दिए-क्ष्म किसी अभ व्यक्ति इसाम क्षोहस्ताकारी के पास सिवित में किए वा सकोगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त सम्यों और पदी का, यो उपस व्यक्तियम के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा थी उस सभ्याय में दिया नया है।

अनुसूची

भूमि और निमाणें डोर सं० 50, ब्लाट सं० 50, जे०के०के० सुन्दरम नगर, धन्नगूर, कुमारपालयम ।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 10-3-1986

प्रकप नाहै. टी. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक ह मार्च, 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/7-85/963 ए—श्रंत: मुझे, सुनील चौपड़ा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्शि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, प्लाट नं० 5, है तथा जो एन० इब्ल्यू० ए० पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), के कार्यालय ध्रर्जन रेंज 3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन, दिनाँक जुलाई, 85

को पूर्वोक्त सम्मिर के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार एसे क्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेष्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की वाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्ह³ भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की जुपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्याभिष्ठभों, अधीत :---- (1) पाल मोहन कन्स्ट्रकणन कम्पनी c_{l} 4792, चौँदनी चौंक, दिल्ली-6

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुलबन्त कौर, मी-7, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त करिक्यों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममृस्ची

फ्लैट नं० 1, डुफ्लैक्स ग्राउण्ड फ्लोर, प्लाट नं० 5, एन० डब्ल्यू० ए० पंगिबी बाग, नई दिल्ली, एरिया, 1663 वर्ग फीट।

> मुनील चौपडा, सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायक्तर ब्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 6-3-1986

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के विधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 6 मार्च 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37-ईई/7-85/ 964--ग्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 103, दयानन्द विहार है तथा जो दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन दिनाँक जुलाई

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह बितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण सं हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसं किमी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों करों, जिन्हों भारतीय आयजर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमें, दा धन-कर अधिनियमें, दा धन-कर अधिनियमें, विश्वा प्रकार कर्षा किया गया अतिर्मा द्वारा प्रकार रहां किया गया आकिया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

झतः वल, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३(1) श्रीमती बिन्द्रा देवी चावला, के० सी०-33ए, ग्रशोक विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पंकज कुमार सी-9,7, कृष्ण नगर, दिल्ली-

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन बं लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकी।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका वया हैं।

अनुसूची

ण्लाट नं० 108, तादादी 158-61 वर्ग गण दयानन्द विहार, दिल्ली।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

दिनाँक: 6-3-1986

त्रचन्द्र बाह्^र् डी., एम. एस.,- - - - ----

भागकर निर्मित्वन, 1961 (1961 का 43) की भारा ?69-व (1) के त्रधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 6 मार्च 1986

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू, 3, 37-ईई, 7-85, 965---भ्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति , विश्वका उचित बाचार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 6, वे-84, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली है तथा जो दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), के नार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 (1961 का 43) के श्रिधीन दिनौंक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उपित बाजार मूल्य है कन के क्यमान अतिकाल के लिए अस्तरित की नई है जौर मुक्ते यह विकास कारने का कारण है कि यसपूर्वोक्त संपत्ति का उपिट बाजार बुन्य, उसके क्यमान प्रतिकाल है, ऐसे क्यमान प्रतिकाल का बन्ह प्रतिकात ने स्विक है और वन्तरक (अन्तरका) और अस्तरिती (अन्तरितिकार) के बीच ऐसे अस्टरक के बिए तय बागा गया प्रतिकात, निम्मिलिक्ति संब्येक्य से उपल अस्तरूक्ष लिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सृविधा खें लिए;

सत्तव वाक, उत्तर विधितवस की वारा 269-व की विवृद्धरण वा, मी, उपता अधितियम की वारा 269-व की उपधार (1) की अधीत विध्यतिक्षित व्यक्तिकों, व्यक्ति प्रस्ति विध्यति विध्यति

- (1) श्री मदन भोहन मह्होता 3/5993, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली श्रीर संजय मिलक बी-5/103, पश्चिम विहार, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मास्टर ग्रमित हीरा बंदनी जी-185, दयानन्द कालोनी, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली-24 (अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

रामत सम्मति के नर्मन के सम्बन्ध में कार्ड भी बार्टीय :---

- (क) इस त्वना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की जनभिया तस्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवभि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, हो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति सुधारा;
- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितवबुध किसी क्या व्यक्तित ब्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सक्तेंचे।

स्वयद्धान्तरमः:----इसमें प्रयुक्त सब्दों शीर पवाँ का, को स्वयद्ध अविदिश्यम को सम्भाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को सस सम्बाद में दिक्क मवा हीश

श्रनुसूची

फ्लैट नं० 6, लगभग 246 वर्ग फीट प्रथम खंड श्राशीविद के-84. ग्रीन पार्क, नई दिल्ली-16

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाँक: 6-3-1986

प्रारूप आहें.टी.एन.एम.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के मधीन सुचना

भारत नरकार

कार्याच्य, सहायक पायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रार्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई फिल्ली, दिनाँक 6 मार्च 1986

निवेश सं० श्राई०ए०सी०,एक्यू, 3, 37-ईई, 7-85। 966- — श्रतः मुक्ते, सुनील चौपड़ा

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्षां यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- फ. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 15/16, गाँव डाबरो है तथा जो दिल्ली में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से वणित है), के कार्यालय प्रजिन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भारतीय श्रीयकर श्रिधिनियम, 1985

करे पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिए अन्तरित की गई है और

मुओं मह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रति-फल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और वंतरक (वंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तब पाया गृंधा प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की शवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सिवधा के सिद्धा और/अप
- (भ) एसी किसी नाय था किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के जिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास्त् :---- (1) श्री मोहन लाल सुपुत्नं वजीर चन्द भ्राई- ξ_1 27, रोहतक रोड, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी गोता रानी (माइनर) 15-ए/54, डब्स्यू० इ० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली द्वारा भगवान दाम पिता एवं एन० जी०

(भ्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना शारी करके प्वॉक्ट सम्पर्टेट के बर्जन के जिल्ह कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्मत्ति के धर्मन के सम्बन्ध के कोई भी भारतेंग हनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र घें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रहस्ताकरी की प्रभा तिसात मों किए वा सकीं।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिधितियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ क्ष्मेंगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

अन्स्यी

खप्तरा नं० 15/16 गाँव-डाबरो दिल्ली रघुनगर नाम से जानी जाती है। दिल्ली।

> सुनील चोपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनौंक 6-3-1986 मोहर पक्रम सार्व हो ग्रम एस ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
भारा 269-भ (1) के जभीन सुभना

शारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, निर्द विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०।एक्यू०। 3। 37-ईई। 7-85। 967→~ श्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा

नायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने एसमें इसके पर्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-एड. से अधिक हैं

श्रौर जिन्नको सं० प्लांट नं० 58, सधुबन, है तथा जो दिल्ली-92 में स्थित है (श्रीर इनसं उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्णरूप से विणत है), अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर श्रिधनियम 1961 (1961 का 43)

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित वाजान मूल्य से कम के दश्यकान प्रितिक्त को निए अंतरित की गई है और सुने यह विश्वास करने का कारण है कि सथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उधित बाजार कृत्या, उसके दश्यकान प्रतिकत्त से, एसे वश्यकान प्रतिकत के क्लाह प्रतिकत्त से अधिक हो और अन्तरक (जन्तरकों) और अनिर्ति (अंतरितियां) के नीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया क्या प्रतिकत, निम्तिनिव्यत उद्देश्य से उभत जन्तरण निश्चित में वान्यक्रिक क्या से क्षित्र का स्वास्त

- (क) नन्तरम् सं हुइं फिसी जाव की धावस, उपरा मिपिनयम को अभीभ कर दंते थें जन्तरक से बाजित्य में कमी करने या उससे वचये में स्विधा ले लिए: बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या सिसी पत वा जन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय अवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गवा का ता किया वाना आहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

- (1) डा० एत० एम० ग्रेबाल गिल फार्म, क्योली, तुगलकाबाद, दिल्ली।
- (2) डा॰ लाल बन्द कपूर एण्ड सन्स एच॰ **यू॰** एफ॰ कार्त, डा॰ लाल चन्द, कपूर 224, गाँधी नगर, गाजियाबाद (यू॰ पी॰)

का यह सुचना जारी करके पुत्रीक्त सम्मन्ति के बर्चन के किए कायनाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ह---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीच ध 45 दिन की जनकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामीत से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्श व्यक्तियां में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाषन की सारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकुष किसी किया व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्थास किया के पास निचित्र में किए जा सकोंगे।

रमस्य किरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्तों और पद्यों का, को समझ विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा क्या हों।

वसम्ब

प्लाट नं० 58, भूमि खाली तादाटी 260 वर्ग गण दिल्ली यूनियन श्रोफिशर्स सी० एच० बी० एस० लिमि० मधुवन, दिल्ली।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंग-3, दिस्ली

नतः नव, उक्त निधीनवन की भारा 269-ग के नमुतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् —

दिनौंक: 6-3-1986

प्ररूप आहूँ. टी. एन. एस.----

मायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-3, नई थिल्लीः
नई दिल्ली, दिनौंक 7 मार्चे, 1986

निर्देश सं० आई. ए० सी०/एक्यू/3/37-ई ई/7-85/968--भतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1.,00.000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० 11, 16,2, डब्ल्यू० है सथा जो करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन, दिनाँक जुलाई, 1985

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए बत्तिरित की गृह है और मूझे ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्य, असके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निजिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर वेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः गर्वे, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिक्त व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) न्यू जे० दास बिल्डर्स प्रा० लिमि० 3-सी। 4, न्यू रोह्सक रोड, नई दिल्लो।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती गुरुदेवकौर निवासी 153, कल्यान विशहर दिल्ली-9

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध आद में समाप्त होती हो,, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं 11, तस खंड 16/2, डब्ल्यू०ई०ए० करोल बाग, नई दिल्ली 193 वर्ग फीट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-3, दिस्ली

विनांक: 7-3-1986

भ्रम्य बाह्", क्षी , एस , एस ,

आयवल अभिनियम् , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यानम, सहायण बायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सो० |एक्यू| 3| 37-ईई| 7-85| 970--प्रतः मुझे, मुनोल चौपड़ा

सायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६२१ के परचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के सधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00.000/- राज सं की बका है

श्रौर जिपकी संज 23, भारतो को-श्रापंज हाउस बिल्डिंग संराद्धी लिमिटेड, विकाल मार्ग नई दिल्ला में स्थित है (ग्रौर इ समे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में श्रौर पूर्ण रूप में बिल्ला है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ला में भारतीय श्रायकर श्रिधनियम 1961 (1961 का 43) भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक जुलाई, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म, पिक्निविद्य उद्योग से उन्दर्भ अन्तरण विश्वत में बास्त-विक क्ष्म से कथित नहीं किया नवा है क्ष्म-

- (अ) अध्यापित संस्कृत (क्षाची) काल्य क्ष्मी वालक उनक् क्ष्मीचन दिवस्त से क्ष्मीय कर वाचे के बच्चाहक से सावित्व अप क्षमी करने या जनते जनने जो जुनिका को जिल्हें; जार मार्/
- (स) एती किसी बाय या किसी धन या बच्च बारिसमों की, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-मार अधिनियम, या धन-मार अधिनियम, वा धन-मार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के क्योप-मार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया व्या था या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा की किया

सत् बन, उस्त वीभीनवन सी भारा 269-न में, बनुसरम में, में, उस्त बीभीनवम की भारा 269-म की उपभारा (1) हे बभीन, निम्मनिजिस स्वक्रियों, वर्षीय क्रेस्ट

- (1) कृष्णा छी० बॉदल, दोराज डी० बॉदल, 5/39, डक्ट्यू० ई० ए० जरोल वाग, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रामता राज कालो, 3550 जनवारो श्रोल्ड दरमागंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

का मह सूचना जारी करके पृत्रोंकत संपरित के अर्जन को सिह्य कार्यवाहियां करता हुं।

जनस सम्परित के अजन के सम्बन्ध हो काई भी बास्तेप :---

- (क) इस सूचना ी राजपन भी प्रकाशन की तारीय से 45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूचना की जागील में 36 दिन की बवधि, यो बी अवधि बाद मों समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोंक्य व्यक्तियों मा से बिक्टी कार्निस कुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रापित में हिस- सूच किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा, स्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जनक जिमित्रमा के जन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां जम इरिंगा को जम अन्याय में दिवा गया हैं।

अनुसूची

सिंगल श्रोरी मकान नं० 23, भारतीय को आप-हाउस बिल्डिंग सोप्तायटो, निर्मित विकास मार्ग, दिल्लो-92 एरिया 228 वर्ग गण।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, दिल्ली।

चिनाँक: 7-3-1986

शारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाबुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई विस्ली

नई दिल्लो, दिनाँक 6 मार्च 1986

निर्देशसं० आई०ए०मी० एक्यू० | 3 | 37-ईई | 7-85 | 971-- भ्रतः मुझे, सुनोल चोपड़ा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित भाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ई-177, न्यू राजिन्दर नगर, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित्त है), के कार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ला में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961(1961 का 43) के श्रिधीन, दिनाँक जुलाई, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में अस्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) संसरण से हुई कितीं बाब की बाबतः, चन्तः विधिनियत्र के अभीन कर दोने के जन्तरक करे दाबित्य में कनी करने वा उससे बचने में सुविधः के लिए: और/बा
- (थ) एसी किसी बाब या किसी धन था अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर। देवा था या किया बाना चाहिए बा, किया में सुविधा के सिद्;

- श्री राम लाल पोपली (2) मुनिश लाल पोपली (3) श्रीमती लाजम्बरी पोपली (4) श्रीमती इन्द्रा पोपली (5) रमा पोपली (6) ऊषा पोपली ई-177, न्यू राजिन्बर नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री धरम सिंह यादव गाँव सिकंदरपुर, पो० श्रों० नथूपुर, गुडगाँव, हरियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बन्द सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी वासपे 🎾

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताराध श 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्याक्तया पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भा अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभाहिस्ताक्षरी क पास जिक्ति में किए या सकेंगे।

ाक्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, को उपके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में किया करू. हैं।

मनुसुची

ई-177, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। एग्या लगभग 825 वर्ग फीट तल खंड, 770 वर्ग फीट प्रथम खंड 130 वर्ग फीट दूसरा खंड।

> सुनील चौपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, दिस्ली

दिनाँक: 6-3-1**98**6

मोहर:

नतः अव, उक्त गाँभनियम की भारा 269-न के अनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अभीत्:—

प्रकृष कार्य. टी. एम. एस. ------

भाषकर क्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) वं ग्रथीन स्पना

शारत करकार

कार्थांसय, सहायन आयकर नाय्क्स (निरोक्तण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 7 मार्च 1986

निर्देण सं० आई० ए० सी०,एक्यू, 3, 37-ईई, 7-85, 972---भ्रतः मझे, सुनील चोपड़ा

शायकर बिधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसं इसमें सिक प्रकार (उनत अधिनियम कहा गया हैं), की भाष 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का शरण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. में अधिक हैं

शौर जिसकी गं० 114, डिस्ट्रिक्ट सेंटर जनकपुरी, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन दिनौंक जुलाई, 1985 को पूर्वोग्स सम्पत्ति के उपात बाजार नृश्व से कव के अवकात श्रितिकत के लिए संतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाध अरने का कारण है कि एकाए बॉक्त सम्पत्ति के उपात बाजार श्रूप्त ता श्रीतिकत का सम्पत्ति के उपाय श्रीतिकत का प्रमान श्रीतिकत के लिए संतरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वाध अरने का कारण है कि एकाए बॉक्त सम्पत्ति के उपाय श्रीतिकत का प्रमान श्रीतिकत के लिए संतरित की सम्पत्ति के उपाय प्राप्त का प्रमान की विश्व क्या प्राप्त का प्रमान की विश्व क्या प्राप्त का वा श्रीतिकत निम्नोसियत उद्देश्य वे उससे संतरित की की विश्व की साम की वार की सम्पत्ति के वीच एसे अस्तरण के विश्व क्या प्राप्त की वार की सम्पत्ति के बीच एसे अस्तरण के विश्व क्या प्राप्त की वार की सम्पत्ति के बीच एसे अस्तरण के विश्व क्या प्राप्त की वार की सम्पत्ति कर की स्था की सम्पत्ति की वार की सम्पत्ति के बीच एसे अस्तरण के विश्व क्या प्राप्त की सम्पत्ति की सम्पत्ति कर की स्था की स्था की स्था की सम्पत्ति का स्था की स्था क

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अक्षीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) जैना प्रापर्टीज प्राइवेट लिमिटेड, स्रादीनाथ श्री हाउस, श्रोप० सुपर बाजार, कनाट सकंस, नई दिल्ली।

and the control of th

(भ्रन्तरक)

(2) कर्नेल एम० के० एबट श्रोर प्रीति एबट हैड क्वार्टर 5, मून लैन डिवीजन द्वारा 99 ए० पी० श्रो०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन क कर कार्यवाहिएं करका हुं:

उक्त सम्पत्ति हो अर्थन के संग्रभ में कोई भी बाक्षंप--

- (क) इस स्थान के राधपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तार्शन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्माधीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और श्वां का, जो उक्त अधिनियम के ग्राय १०-क में परिभाषित है, वही वर्ष हु ना जो उस कथ्याय में दिया नया है।

क्षा सन्ती

फ्लैट नं 114- प्रथम खंध जैन टावर डिस्ट्रिक्ट सेंटर जनकपुरी नई दिल्ली पैरिया 355 वर्ग फोट।

> मुनील चोपड़ा सक्षंम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, नई विरुली

दिनांक: 7-3-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-६ के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालया, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंच 6 मार्च, 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०_। एक्यू । 3/37-ईई/7-85/973---श्रतः मुझे, सुनील चेपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त शिधिनियम' कहा एगा है), की धारा 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं शाप नं यू जी 35 ए, है तथा जो 5, भीका-जी कामा पैलेन नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबढ़ श्रमुसूची में श्रीर पूर्णस्प से विणित है), कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयक्तर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन, दिनाँक जुलाई, 85

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के कायमान प्रितकार को लिए अन कि की गई है और मफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि एथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचिक बाजार मृत्य उसके खण्मान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्द्रहें शोतशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए क्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्त्विक रूप से कथित पहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई िकसी आय की भावत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या निजी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भै, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्यिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती श्राशा रानी जयस्य सैक्टर 7ए, हाउस, नं० 25, फरीदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) सोमदत्त बिल्डर्स प्रा० लि०, 56, कम्युनिटी सेंटर, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से दिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाप नं० यू० जी०-35ए, 5 भी नाजी कामा पैलेस, नई दिल्ली अपर ग्राडण्ड लगभग 110 वर्ग फीट।

मुनील चोपड़ा रक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 6-3-1986

प्ररूप वार्षं ृटी . एन . एस . ------

बायकरु विधिनयन्, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-व (1) के वधीन स्थाना

शार्व सरकार

कार्यातय, सहायक जायकार जायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 7 मार्च 1986

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37-ईई/7-85/974--यतः मुझे, सुनील जोपड़ा

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पर्वात 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राणिकारी को, यह विस्वास करने का कार्ण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्व 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० एम-1, 2 हिम लेण्ड हाउस, करमपुरा कम्पलैक्प, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय श्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली में श्रीयदार श्रीधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन, दिनौक जुलाई, 85

की वृयोंक्त सम्मात्त के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितिशों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम से अधित नहीं किया गया है !--

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाम की शावत उचत विधिन नियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के शामित्य में कभी करने या उसके वचने में सुविधा थीं लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन मा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 या 27) को अयंजनार्थ अन्तिरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिएनों में सुविधा के लिए;

- (1) हिमलैण्ड एख्नपोर्ट प्रा० लिमिटेड 33-35, अजीत अरकेड, एल, लाजपत राय रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)
 - (2) मुकेश खेर एण्ड सन्ग (एच० यू० एफ०), 12/16, बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरितो)

की वह स्थान जारी करके पूर्वोक्स सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नासीय :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्प्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सुभा की तामील से 30 दिन की बलिध, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वुवारा;
- (स) 'अस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ क्षीणा, जो उस अध्याय में दिया जना ही.

वन्त्वी

एम-1 श्रौर 2, हिमलैण्ड हाउग- करमपुरा काम्पलैक्स, नई दिल्ली।

मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजंत रेंग-3, दिल्लो, नई दिल्ली-110002

दिनाँक: 7-3-1986

प्ररूप आहु . ती. एत . एस . -----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर माव्क्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1986

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37-ईई/7-85/975---श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गवा है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० ए-138, प्रियदर्शनी विहार, है तथा जो श्राई० पी० एक्पटेंगन, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन, दिनौंक जलाई, 1985

को प्रविचित सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल ने, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविद्, न्य में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

(1) श्री पी० एन० सहगत, श्रार०-844, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रेम भाटिया, 2039, चित्रा गुप्ता रोड, पहाड़गंज, थाना, नई विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्बत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यविसरों में से किसी व्यवित ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

ए-138, प्रियदर्शनी बिहार, श्रार० पी० एक्सटेंशन, नई दिल्लो जी० एफ० 1500 वर्गफीट और मैंजनिन फ्लोर, 96 वर्ग फीट।

> सुनील चीपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३, नई दिल्ली

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्शित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनाँक: 13-3-1986

हस्य बाह्' दी व पुन व पुर्व विकास का

नावकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-च (1) के बधीन स्चना

शारव बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-3/37ईई/7-85/976---यत: मुझे, सुनील चोपड़ा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 15 है, तथा जो मधुवन नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिस्ट्री तो अधिकारी के कार्यालय सर्जन रेज-3, नई दिल्ली में आयकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के स्रधीन दिनांक जुलाई, 1985

का पूर्वीवत सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्ध प्रतिशत स अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (यंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) ब्लारण स हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बाधिनियम के अधीन कर दोने की बन्तरक न दाभित्य में कभी करने वा उत्तसे बचने में सुविधा है सिए; बीड/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आप-कर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानयम. या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गय। या में हेना जाना काहिए था, डिपान में सुविधा के लिए;

जतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एस० एस० संजा गिरी एफ-11, माडल हाउस, प्रोक्टर, रोड, बम्बई ।

(ग्रन्तरक)

2 सुधीर ग्ररोड़ा, (एच० एफ०), 6025, नया बास, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

की यह बूचना बारी बारके प्योक्त संयोक्त के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोश भी बाक्षर :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी के कियों कर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ईं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुस्ची

खाली आवासीय पाट नं 15, मधुवन दिल्ली आफोनर्भ, सी० एच० बी० एस०, दिल्ली-92।

> सुनील चो।डा सक्षम प्रधिक्तरी सहायक श्रीयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) धर्भन रोज-3, दिल्ली,नधीदिल्ली-110062

दिनांचः : 6-3-1986

प्रकृष वार्षे हो एत. एव.-----

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सूचरा

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशिया)

श्चर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1986

िदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू-3/37हेई/7-85/977— यत: मुझे, सुनील चोपड़ा

बाबकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंज्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह ि। इवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 150, मधुवन दिल्ली है, तथा जो सी० एच० बी० एम०, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय, श्रर्जन रेज-3 नई दिल्ली में श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन दिनांक जुनाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपिश का उचित हाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती अंतरितियों) के शिथ एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित हच्चेंच्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय कर्त वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बकने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया ज्ञाना वाहिए था, हि पाने में सृविधा के लिए;

असं अत, सबद अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मतिकार कालियों, वर्शाह ह— श्री भगवत सरूप,
 5/9, 16ए, फरीदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

 ग्राप० एल० गुप्ता, एंड संस, एच० यू० 878, क्वीन रोड, दिल्ली-96।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपर्तित में हितबब्ध िकसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ितिखत में किए जा सकोंगे।

न्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूषी

खाली ग्रावामीय प्लाट नं० 150, मधुवन दिल्ली. ग्राफीसर्स सी० एच० बी० एस० दिल्ली-110092, क्षेत्र फल 330 वर्ग गज।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-3-1986

प्रकृष आहे..टी..एन..एस--------

नाथकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांग 12 मार्च 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू-3/37ईई/7-85/978---यतः मुझे, भुनील चोपड़ा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं 131 ए, भीकाजी कामा प्लेस, है, तथा जो नई दिल्ली में स्थित हैं (भौर इससे अपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) कि अपूजी हती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रोंज-3, नई दिल्ली भूआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन दिनांक जुलाई, 1985

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यभान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आव काँ बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्त आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (** 9.57 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति ऐती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, प्रधाने में स्विधा के लिए;

अत: तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित न्यिक्तियों, अर्थात :--

 श्री ग्रार्यविन्द गुण्ता, ई-588, ग्रेटर कैलाण, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. संयोक्ता एल-2/158, डी०डी०ए० प्लेंट्स कालकाजी नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्परित के अजन के शिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पंति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी काक्षितयों पर राचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित• क्ष्मि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगं।

स्थष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पांस्भाषित हैं. वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

् 131ए, भीकाजी कामा प्लैस नं० 5, बिल्डिंग, नई दिल्ली। क्षेत्रफल 110 वर्ग, फीट।

> सुनीर चोपड़ा, सक्षम प्राधिनारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 12-3-1986

प्रकप नाइ 🚉 टी., पुन् ु एस 🚨 🍺 💌

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के विभीन सुचना

भारत तरकार

क(र्यालय,, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांज 6 मार्च 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-3/37ईई/7-85/979--ग्रत: मुझे सुनील चोपड़ा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सपित, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- का से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० शाप नं० 110, 4, भीकाजी कामा प्लस है, तथा जो नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) कार्यान्य, श्रजेंन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 41) के प्रधीन दिनांक जुलाई: 1985

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूसमान प्रतिफन के निए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अन्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रातशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्वेष्य हे उन्त अन्तरण निचित्त में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है दिन्न

- (क) बन्तरम् तं हुई किसी बाय की बावतः, अपते वीधीनयम् कं वधीन कर दोने के अन्तरकः कं बायित्व में कमी करने या उससे अच्छोतं सुविधा कं लिए; औड/या
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायुकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धन-कर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गढ़ था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

बत का, उक्त विभिन्यम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उदा अधिनियम की धारा 260-श की नप्रशास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

- मैं० राजधानी बिल्डिंग प्रोप० मेहता इन्डस्ट्रीज लिम्टिंड ,
 18-14 फ्लोर आत्मा राम हाउस
 - 1, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

2. मिसेस सुपमा श्रब्बी, पत्नी विजेंन्द्र कुमार श्रब्बी, 96, दरियागंज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप्:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्ष) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीख से ↓5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिं करण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिक् भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय रू विया गया है।

अनुसूची

णाप नं० 110, प्रथम खंड 4, भी गाजी कामा प्लैस, नई दिल्ली 206 बर्ग फीट ।

> मुतील चोपड़ा, सक्षप प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (लेरीक्षण) ग्रर्जन रोंज-3, नई दिल्ली

दिनांक 6-3-1986 माहर : प्रक्य आहें ् टौंं एवं . एसं ू------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 259-च (1) ले कभीन स्पना

क्रारत स्रक्ता

कार्यामय, सहायक मायकार बायुक्त (निर्माणक)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-3/37ईई/7-85/980— अप्रतः मुद्दी, सुनील चोपड़ा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार ।69- के अधीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने ज कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजर सम्पत्ति,

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 802, हे में कुण्ट हा उस, है, तथा जो 6, राजेन्द्र प्लेंस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) कार्यात्रय, श्रर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय श्राय में श्रीवियम 1961 (1961 क्ष 43) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1985

जो पूर्वोवत सम्परित के उत्वित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान तिफल के लिए अन्तिति की गई है और मूफ्ते यह विद्यास जुद्भे का कारण की कि अभापूर्वोवत सम्पत्ति का उभित बाजार पूर्व, उगके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का च्यह प्रतिकान से अधिक है और मन्तरक (अंसरकार) मौर अन्तिरिती वितिरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया नया प्रति-क विक्यिलिस उद्घेष्य से अवस ब्युक्टरण वितिस में वास्तिवृत्त य से अभित को किया वसर है क

- (कं) अन्तरण में हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर होने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

त्रत अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बन्तरण , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) सभीन, निम्निनियत स्मिक्तवाँ, सम्मीत क्रिक्ट श्री चन्द्रभान चौबरी, श्री ध्रणोक कुमार चौधरी, जै44/-23 राजौरी गाईन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्रीमती सुषमा भादिया,
 37/14, राजिन्दर नगर,
 नई दिल्ली ।

(भन्तरिती)

स्ते वह स्थवा बारी करके प्रांक्त सम्पर्ति से वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मा कोई भी वाक्षेत्र ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पाल्स मा हिला-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

वनसची

फ्लैट नं॰ 802, हेमकुण्ट हाउस, 6, राजिन्दर प्लैस, नई दिल्ली। फ्लैट 520 वर्ग फीट।

> मुनील घोपड़ा सझन प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 6-3-1986

प्रकृष बाइ"ः ठाँः एनः एवः -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्पीत सुपना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक बायकाड बायुक्त (विद्धीक्षण)

ग्रर्जन रेज-3

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1986

निदेश सं० श्राष्ट्री०ए० सी०/एक्यू-3/37ईई/7-85,981---श्रतः मुझे सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 5/67, डब्ल्यू ईए करोत बाग है तथा जो करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण कर ने विशित है) कार्यालय, धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीय दिनाक जुलाई, 1985

की प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमां प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्निक्षित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण विश्वत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बर: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

पाल मोहन कंस्ट्रक्शन वास्पनी;
 4/4792, चांदर्ना चीक, दिल्ली -5

(ध्रन्तरक)

 मिस मनलीन सचदेवा, सुपुत्री हरदीप सिंह निवासी बी-55, गुजरनवाला टाउन, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वोक्त सम्पृत्ति के कर्पन भी निए कार्यवाहियां करता हु।

डक्फ सुम्बरित के कर्यन के सम्बन्ध में कोई भी शासप 🚈

- (क) इस स्चनाक राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास हिसीबत में किए का मकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुर्वी

तादादी 327 वर्ग फीट, प्रथम खंड 1, प्रोप० नं० 5/67, डब्ह्यू ई ए, करोल बाग, नई दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाक: 6-3-1986

मोहरः

प्रका बाह्य हो है एतं हुए मानवार

बावकर बीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुधना भारत धरकार

कार्यस्य, तहासक नामकर वायुक्त (विरक्षिण) ग्रजीन रेंज-3

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च, 1986

निदेश सं० भाई० ए० सीं०/एक्यू-3/37ईई/7-85/982---भ्रतः मुझे सुनील कोपड़ा

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी० ई०,4,15 है, तथा जो झंडेबालान, एक्सटेंणन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बण्लि है) कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का) 43), के अधीन दिनांक जुलाई, 1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उच्चोध्य से उस्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स जीभनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाक्ति में कमी करने या उससे बचाने में सिन्धा के सिए; और/वा
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिवां को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छा राधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया धाना चाहिए था, स्थिपन में सुविधा के निए;

कड़ भन, जन्द जिभिनियम की भारा 269-ग्य के जन्सरक में, भें', जन्त आचिनियम की भारा 269-क की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 17—16 GI/86 श्रीमती इंदु भरोड़ा,
 3408, गर्ना हर्नाम बाङा,
 घावडी बाजार, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. इन्टर नेशनल जनरल श्रिस्ट्रीब्यूटर्स एजेंसी, ई-4/15, झंडेवालान, एक्सटेंशन, नई विल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध को कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस तुषा के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की वनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषता की तामील से 30 दिन की वनिभ, जो भी सविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उनका स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोंने।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में प्रिका वदा है।

मन्त्र्या

फ्लैट तं० की, मेंज फ्लोर ई-4/15, झंडेवालात, एक्सटेंगत, नई दिल्ती, एरिया, 270, वर्ग फीट।

> मुनील घोपड़ा गक्षस प्राधिकारी महादक आयवर ब्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 7-3-1986

(भ्रन्तरक)

प्रकल कार्द्र, टी<u>.</u> एव*्,* एव_{ं,} ट ० ०

शायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसव, तहावक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांट 7 मार्च 1986

निदेश सं० भ्राई०ए० सी०/एक्यू-3/37ईई/7-85/983---म्रतः मुझे, स्नील चोपड़ा,

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इरफो पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह 'निष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित याजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ओर जिसकी में ० बी ई-4/15 है, तथा जो झंडेवालान, एक्सटेंगन, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप ने विणान है) कार्याला, अर्जन रेंज,-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकार अधिकिएम, 1961 (1961 का 43) के अधीन दिनांक जुलाई, 1985

करे पर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का संबह प्रतिक्षल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिधियों) के भीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक अप से किंपत नहीं किया गया है :----

- (क) मन्तरण ते हुई किसी माथ की बाबत , उक्स मिनियम के सभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कनी करने या उत्तर्ध बचने यो पृतिधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम । 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा अनगर अस्तिय अपिनियम वा अनगर अस्तियम वा अनगर अस्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासन अनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासन अनियम अनियम के विवास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के विवास

जतः अब उच्त जिथिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, खबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- श्रंत इन्द्रणनीत अरोड़ा, पिता और श्रमिशायक, मास्टान, श्रीराज अरोड़ा, 3403, गर्ला ह्याम बाला, चावड़ी बाजार, दिल्ली।
- 2. इन्टरनेशनल जनरल डिस्ट्रीब्यूशन एजेंसी, $\xi-4/15$, झंडेबालान एक्सटेंगन, नई दिल्ली। (धन्तरिनी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के नर्चन के विश कार्यकाहिया शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिउबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्यष्टिकरणः ----इसमाँ प्रयुक्त शब्दाँ और पदाँ का, जे हक्त अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय माँ दिया प्याहाँ।

प्रनुसूची

पलैट नं ० बी, सेंज पलोप, ६-4/15, झंडेवालान, एक्सटेंशन, नई दिल्ली, एप्या 265 वर्ग फीट।

्रनं ल चीपड़ा, मक्षम प्रधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 7-3-86

प्रकार काइ . ट्री. यून. एस.

भागकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन मुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रजीत रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च, 1986

निदेग सं० प्राई०ए० मी /एक्यू-3/37ईई/7-85/986----प्रत: मुझे सुनील चौपड़ा,

नायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसभे इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वात करने का जारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी मं० 5/67, उब्ल्यू ई , है तथा जो करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणय है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन दिनाक जुलाई, 1985

को पृथांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए'से दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से मिथक है और जंतरक (अंतरका) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नसिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण

बिचित में बास्तविक रूप से करियुत नहीं किया गया है 🖫 🐇

- (क) जन्सरण सं शुद्धं फिसी बाय की नावस, उक्स निवास के वधीर कर दोने के जन्करक की वायित्व के अभी करने ना उक्को देवनं के बृधिधा के सिए; जॉर/ना
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिया की बिन्हें आरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ऑधिन्यम, या धन-कर ऑधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अय, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभाग (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ध—— पाल मोहन कन्स्ट्रक्यन, कम्पनी
 6/4792, चांदनी चींक, दिल्ली-6

(भन्तरक)

रैमखम फैमिली द्रस्ट,
 21/56, पंजाबी बाग,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिर्ता)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के किय कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्मृति को अर्थम के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की बद्दीं या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्यान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वृद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्वक्तियों में से किसी स्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकेंगे।

व्यक्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो अवत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिया गवा है।

श्रनुसूची

म्पेस तादादी 327 वर्ग फीट, प्रथम खंड, प्राप० नं० 5/67, डब्ल्यू, ई.ए., करोल बाग, नई दिल्ली।

मुनील चाँपड़ा सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक. 7-3-1986 मोहर।

वक्य मार्च हो पुर एवा : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांश 7 मार्च, 1986

निदेश सं० आई० ए० सं१०/एक्यू-4/37ईई/7-85/987---अतः मुझे, सुनील चौनड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाबार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संग्रह्मरा नंग 1364, 1365, हैं, हथा जो गांच छरत्वपुर, तहसील मेहरोली, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में चिणत हैं) कार्यालय, प्रजन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्राधकार श्रीधिनियम, 1961 (1961की 43) के श्रधीन दिनीक जुलाई, 1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार पृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल का प्रतिक्त का पन्त्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तपुत्र वं हुई किसी बाय की बावर , समक्ष्य श्रीपीत्रम के ब्लीन कर दोने के बन्त्रक के शीयाच यो कभी करने वा कस्त्रों स्थाने में नृष्टिशा के सिए; बीर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, चिन्हें भारतीय नायकर सिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात हु— पृष्पा कम्कर, ई-512, ग्रेटर फैलाण-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्रं सीमा गोधा,
 30-32, बबर लेन, बंगाली मार्किट,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरितः)

को वह स्पना पारी करने पृथा कर कमित् वे अर्थन के विष्

उक्त सम्पत्ति से वृष्टि के तम्बन्ध में कोई सी बाखेयू:---

- (क) दश ब्या के राज्य के प्रकार की शादी हो 45 विन की जनिय या तत्त्रें भी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनिय, जो भी अविष् वाद में जनाय होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इब सूत्रता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्ध व्यक्ति बुवारा, क्योइस्ताक्षत्री के गास निवित में किये वा सकेंगे।

त्यम्बीकरणः----ध्समें प्रयुक्त धन्यों और पदों का, को जक्त अधिनियम के अध्याद 20-क वें धरिशायिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गवा हैं।

मन्स्यो

कृषि भूमि 9 बीघा और 3 विस्वा, खसरा नं 1364, 1365 ; 2 कमरे ट्यूब वैल, फोटिंग्स, और फिक्चर्स, गांव छत्तर पुर, तहसील मेहरोली, नई दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा सक्षम घधिकारी सेहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक , 7-3-1986 मोहर। भूकका, बार्च, दी. एक्, एस., -----

भागकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक बायकर बायकर (निरीक्स)

ऋर्जन रेंज-3

नई दिल्ली, दिनाँक 7 मार्च, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-3/37ईई/7-85/988---श्रतः मुझे सुनील चौपड़ा

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ∡69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उच्चित बागार मृख्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 61, न्यू राजधानी, मी० एच० बी०एस० लिमिटेड, हैं तथा जो दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) दार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपितित का उाजत बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एमे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिथी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए उस पाना नमा प्रतिकास, निम्निजियित उद्योग्य से उसत बन्दरण निश्वत में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मंतरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर क्षेत्र के अन्तरम के वादित्व में कबी करने या उन्तरे वचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिम्मिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कता अव, अवत करिपीनवन की भारा 269-ग के वन्सरण वी, भी, अवत अभिनियम की भारा 269-भ की उपभाग (1) को अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- मिस कैलाश कुमारी,
 35, सैनिक फार्मस,
 नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सविता खें:सला. ए-61, गुजराबाला टाउन, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यनाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी माश्रेप ए---

- (क) इब सूचना के ट्रायपन में प्रकाशन की ठारीय छे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ठामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ई 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रस्ताकारी के पार निध्ति में किए जा सकति।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिण है, बही अर्थ होगा, को जम अध्याय में विका स्था है।

मन्सूची

खाली प्नाट नं० 61,नादादी 250 वर्ग गज, न्यू राजधानी मी०एच० बी० एस०, लिसिटेड, दिल्ली-92 ।

> सुनील चेपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक: 7-3-1986

प्रकप कार्यः, ट्री_य एतः, एस_य ------

आवकाः विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के विभीन स्पना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर काय्यत (निर्दाक्तक)

श्चर्यन रेंज-3. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च, 1986

निर्देण सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू-3/37ईई/7-85/989—-श्रतः मुझे सुनील चोपड़ा,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत विधिनियम' फह्म गया हैं), की भाय 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काल्फ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार वृत्व 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 85, न्यू गराजधानी, एन्अलेब, है, तथा जो दिल्ली में स्थित हैं (श्रींग इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रींग जो पूर्ण रूप से बर्णित हैं) जार्यात्रय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय अर्यवार श्रिधिनयम, 1961 (1961 जा 43) के अधीन दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया नवा या किया जाना चाहिए था, कियाने जे किया के सिक्;

बत: थवा, उक्त जिथिनियभ की भारा 269-म की अनुसरण श्रोत, श्री, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की अभीवा, निस्निजिबित व्यक्तियों, जबाँत क्रास्क 1- सतबीर सिंह,
 ए-36, ग्रमर कालोनी,
 नई दिल्ली ।

(ऋन्तरक)

2. हेमलता खोसला श्रनिल खोसला श्रीर संजीव खोसला 12/9, शक्ति नगर, दिल्ली-7

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शस्तों और पर्दों का, भो उस्त विभिन्नियम, के बच्चान 20-क में परिभाणित है, वहीं वर्ष होगा, भो उस अध्याय में दिया गमा हैं:

अनुसूची

खाली प्लाट नं० 85, न्यू राजधानी एन्कलेव, दिल्ली-92।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 7-3-1986 मोहगः प्ररूप आर्ष्: टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रोज-3, नई दिल्ली । नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च, 1986

निर्देश मं० श्राई०ए०सी०/एक्यू-3/37ईई/7-85/990---श्रत. मुझे सुनील घौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00.000/- छ. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 604-सी जैना टावर, जनवपुरी है, तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुम्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) वार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय धायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 वा 43) के श्रिधीन दिनांव जुलाई, 1985

को पूर्वकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरन माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिस्ति स्पिक्तियों, अधीर :--- जैना प्रापर्टीज, प्रा० लिसिटेड श्रादीनाथ श्री हाउम, ग्रोपे० मुपर जाजार, जनाट सर्कस, नई दिल्ली।

ग्रन्तरहः)

2. श्री एस० पी० सिंह सी-2, पडारा पार्क, सी० जी० एच० एस० डिस्पेंसरी, डा० जाकिप हुमैंन, रोड, नई दिल्ली। (ग्रन्थिती)

को यह मूचना जारो करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, पो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभा-हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

604,मी जैना टावर डिस्ट्रिक्ट सेंटर, जनकपुरी, नई दिल्ली, मुपर एरिया, 170 वर्ग फीट।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायः द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक 6-3-1986 मोहर :

धक्य नार्दे टी पुरा पुरा ,------

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन त्याना

बारत बरकार

कार्यानय, तहावक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च, 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू-3/37ईई/7-85/991--अतः मुझे सुनील चौपड़ा

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् जनत अभिनियम' कहा बया ह"), की भारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारक ह" कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित गांचार मृत्य 1,00,000/- रह. से अभिक ह"

श्रीर जिसकी सं० 297है, तथा जो जागृति एन्झलेब, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रांग जो पूर्ण रूप से विणित है) कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 वा 43) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1985

कां प्रामित सम्पतित के उचित बाधार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाधार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण केवत में बास्तिक कर से कथित नहीं किया क्या है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की शायत, सक्त मधिनियम के बचीन कर दीने के बास्तरण के बानित्य में क्यों करने वा उसने वचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी भाग वा किसी भाग वा बन्ध आस्तियों को, चिन्हें भारतीय नाग-कर निर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर निर्मित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, द्विपाने में स्थिभ के किए;

जितः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री गुरदेव सिंह,
 मी-507, डिफेंस कालोनी,
 नई दिल्ली ।

(म्रन्तरक)

2 श्रीमती सुषमा खन्ना,

6, चन्द्रलं। एन्झलेब, पितमपुरा, [दिल्ली-34]

(अन्तरित**ी**)

को यह सूचना चारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के नर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तैवीय में कोई मी बासीप :---

- (कं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय छे 45 दिन की सर्वाध्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त वस्तों और पदों का, को उन्त जीध--नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा. को उस अध्याय पें दिया गया हैं।

अनुसूची

297, जागृति , एन्कलेव, दिल्ली-92

सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक 7-3-1986 मोहर :

प्रकृष बार्च .टी. एन .एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धादा 269-ए (1) के बुधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जनरेंज-3 नई पिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्चे, 1986

निर्देश यं० ग्राई०ए० सी०/एक्यू-3/37ईई/7-85/992---ग्रतः मुझे सुनील चौपड़ा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शर्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- एउ. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० 190 है, तथा जो प्रमाद नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायमर श्रिधिनयम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वस् अरने का आरण है कि यभाप्तिक सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके श्रमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए सब पाया प्या प्रतिकात निम्निसित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से नुष्ट किसी जाय की वायत उपत अधिनियम के जभीन कर दोने के बन्तरक औ वाधिस्य में कमी करने वा उत्तरों उपने में सुविधा के किए, और/धा
- (का) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों सारतीय आय-कर ग्रीमिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अभिनियम, या धन-कार अभिनियम, का धन-कार अभिनियम, के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्लास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया स्विभा के किया

भार अब, उबत अधिनियम की धारा 269-म की अभ्यारण मों, मों, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्तीलिक्ट व्यक्तियों. अर्थात :—— 18—16 GI/86 श्री कंवर जीत सिंह,
 डी-2, /169, काका नगर,
 नई चिल्ली । -

(अन्तरक)

नमीता चतुर्वेदी,
 6/1192, हिर्सिह नलवा स्ट्रीट,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तिती)

को यह मृचना चारी करके पृत्रों का सम्पॉल्त की अर्जन के क्षिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्ह बुम्बृत्ति के बर्बन के सुम्बृत्य में कोई भी नाक्षपा 🗝

- (क) इस सूचर, ने राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर जूचना की तामील से 30 दिन की अर्थाध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति प्रवार।
- (क) इ.स. सुकना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तस्थ किसी कन्य स्थानत स्वाय भ्याहरताक्षरी के पास सिक्षित में किए का सकतें है।

न्यध्योकरणः—इसमें प्रयम्भ शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषिः हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया एका है।

अन्**स्पी**

डी० डी० ए० फ्लैंट्स, नं० 190, प्रसाद नगर, नई दिल्ली एरिया 980 वर्ग फीट।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक 7-3-1986

प्रक्य बार्च . टी. एन. एक. - - -

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सुनेता

ब्रास्त सरकारु

कार्यासय, बहायक नायकर नायक्त (निर्देशक)

सहायक म्रायकर श्रायुद्धत (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली, दिनौंक 7 मार्च, 1986

निदेण सं० आई०ए०सीं०।एम्यू०-3।37ईई। 7-85/993--श्रतः मुझे सुनील चौपड़ा

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करन का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वासार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 37, है तथा जो विवेकानन्द पुरी, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वणित है) कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रदीन दिनौंक जुलाई, 1985

को प्वेक्ति संपरित के जीजत बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफन के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारमें का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्द्रहे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के लिए तब शाबा गया प्रतिकत, निम्नितियां उपूर्वस्य से स्वतः बन्तरक सिवित में वास्तविक रूप से काबित नहीं किया गया है:——

- [क] नत्तरण से हुई किसी बाय की बायतः, उक्त विधिनयन के अभीत कर दोने के मन्तरक के समित्व में कमी करने या उत्तरे क्याने में सुविधा के निष्
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा चे जिन्ह;

बतः जव, उक्त बर्धिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, इक्तः अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अधीत्:—— श्री गिरधारी लाल गुप्ता,
 5-सी, 41, न्यू रोहतक रोज,
 नई दिल्ली।
 (2) पदम चन्द जैन,
 शाप नं० 3636, बाड़ा हिन्दू सदर बाजार,
 दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती सुधा जैन,
 8938, सिदीपुरा,
 दिल्ली-6

(भ्रन्तरिती)

की यह सुभना जारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां सुरू करता हैं।

उक्त सम्परित के कर्षन के सम्बन्ध में को**इ भी वार्थन** :----

- (क) इब स्वां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन की संवीध या तत्सामाधी म्यक्तियी पर स्वां की तामीन से 30 दिन की संवीध, वी भी मंबीब बाद में समाप्त होती हो, की भीतर प्रविद्ध स्यन्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रचक्कीकरणः—हसमी प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उपर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

मकान तादादी, 160 वर्ग गण, 37 विवेकानन्दपुरी, विल्ती।

मुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंण-3, नई दिल्ली

दिनाँक: 7-3-1986

वस्य प्राष्ट्रं । स्रीत प्रयत प्रयास्थ्य

स्थमकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) वे म्पीन सुपना

नारव स्टब्स्ड

कार्याक्रम, सहायक आयक्तर वायुक्त (विरीधम)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनौंक 7 मार्च, 1986

निदेश सं अधर्ष ०ए०सी ०/एम्यू-3₁ 37ईई, 7-85₁ 994--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 4, नजफगढ़ रोड है, तथा जो कम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विजित है) कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के भधीन दिनाँक जुलाई, 1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृश्य से कम के दश्यकान प्रतिफल को लिए कन्तरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दश्यकान प्रतिफल से, ऐसे दश्यकान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण को लिए तय श्या ग्या प्रति- इस निम्निसियत खब्ददेव से उक्त बंतरण मिण्डित में बास्तिक स्पृ से अधित नहीं किया यया है हि—

- (क) बन्तरण ने हुई किसी बाव की बाबत उक्क विध-मियम के अभीम कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए। वरि/सा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भग या अन्य जास्तियों की, विन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खें किए;

नतः नव, उक्त विभिनियवं की भारा 269-य के बनुवरण वं, मी, 'एक्त विभिनियमं की भारा 269--य की उपभारा (1)' के वभीन, निज्नतिवित व्यक्तियों, वर्षात् क्र---

- इन्दरजीत कौर मिसेस हरजीत कौर श्रौर मिसेस शील कौर, एफ-2;15, माडन टाउन, नई दिल्नी। (श्रन्तरक)
- 2. वेटरिल इलैक्ट्रोनिक्स प्रा० लि०, 101, कॉंचंन हाउस, नजफनढ़ रोड, कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली-15

(भ्रन्सरिती)

को बहु बुचना चारी करके पृक्तिक सम्मिति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां कुरु अरता हुं।

क्या क्रमार्थ के वर्षन के क्रमान में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीच से 45 विन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की वामीस से 30 दिन की जविभ, को भी अविभ काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से विकी व्यक्तिय दूवारा;
- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-क्षृथ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के नास निवित में किए ना सकर्षी।

वन्स्ची

स्पेस नं ० 1, इन्टरमी िएट, फ्लोर नजकगढ़ रोड, कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली-15।

> सुनील घोपड़ा सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, नई दिल्ली

डिनॉंक : 7-3-1986

म ोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकर नाम्कत (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली, दिनाँक 6 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्राई॰ए० सी० । एक्यू-3। 37ईई। 7-85। 995---श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा

बायकर अिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका उचित श्राकार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं ० 107, मोरा बाग है, तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) कार्यालय, शर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधनियम 1961 (1961 का 43) के श्रीधीन दिगाँक जुलाई, 1985

कां नुनोंकत संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, जिम्मिलिवत उद्देश्य से उपत अंतरण लिखित में बास्तिवक क्य में स्थित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त मधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाजिल्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/सा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अध्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था दिख्याने हीं भविषा के लिए;

मत: अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) हो नथीन, जिस्निजिसित व्यक्तियों, मधीन हुन्न श्री अपनीण कुमार,
 बी-3/48, मफदरजंग एन्कलेब,
 नई दिल्ली।

(भ्रान्तरक)

 रीता चानना, एस-52, जनना मार्किट, राजेशी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरितो)

को यह स्चना जारी करके प्तीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्वधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांक से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितब्रद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहरताक्षरी के पाम सिक्षित में किए जा सकार।

न्यस्टोकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रमुस्ची

प्लाट नं० 107, भीरा बाग, नई दिल्ली।

मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाँक : 6-3-1986

प्रकृष बाह⁴् दौ_ं एन्, **एन्**, -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

साउत इंड्रप्सई

कार्यासर, सहारक वारकर वार्क्ट (रिट्रीकर)

श्चर्जन रेंज-3, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 11 मार्घ, 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू-3/37ईई/7-85/996--श्रनः मुझे, सुनील चेथाड़ा

बायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार म्रूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० बी-41, विश्वेक विहार है, तथा जो दिल्ली मैं स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूत्रों में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) कार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिस्त्री में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1951 (1961 को 43) के श्रधीन दिनौंक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित वाजार मृत्य से कम के सम्बन्ध प्रतिकटा के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते

मह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्विक्य सम्परित का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल की, एसे दश्यमान प्रतिफन का पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिमिती (अन्तिरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण को निए तथ पामा भा प्रतिफल निम्निनिषत चव्यदेव से उक्क अन्तरण निम्नित में धास्तीबक रूप से बीधक नहीं किया गया है 2---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीधनियम के मधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अप या किसी धन या बन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, 1927 सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या फिया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा के निर्मा

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अप्रेस, निम्निसित व्यक्तियों, शर्मात् क्

- श्री प्रतुल चन्द्र निवासी-95, डी डी ए (एन० एफ० एन०), 114, प्लैटम अलखानंदा, नई दिल्ली-19 (अप्तरक)
- श्रीमती सुदेश निवासी 68, श्रेष्ठ विहार, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पढ़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अदिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्वता को रावपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें हित-बद्भ किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बी-41, विवेकि बिहार, नई दिल्ली सिमल स्टोरी बिल्डिंग, 200 वर्ग गज, प्लाट।

> सुनील चोपड़ा, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाँक : 11-3-1996

प्रकथ बाह्य द्वी : एवं . ------

बायकर वॉंधीनवंत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

गारत-वरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर वायुक्त (निर्धालक)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 6 मार्च, 1986

निदेश सं० ग्राई०ए०मी०/एक्यू०-3/37ईई/7-85/997---श्रतः मुझे सुनील चोपड़ा

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिस ध्याने ध्रक्ते पश्चात 'उन्त विधिनियम' कहा गया ही, की बारा 269- व के कशीन सक्षम विध्वारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० एफ-203, युसफ सराय, है तथा जो नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में घौर जो पूर्ण रूप से विजित है) कार्यीलय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन दिनौंक जुलाई, 1985

की प्रेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रितफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास फरने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मृक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्षह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक कम निम्नितियाँ उप्योदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक कम से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण चं हुई किसी नाथ की शावत उक्त अधि-निवन के अधीन कर दोने के बन्तरक के शावित्य में कमी करने वा समुझे बचने में सुविधा के सिए;
- ः(च) एती किसी बाप या किसी भन या अभ्य बास्तियों कां, चिन्हें भारतीय बायकार विभिन्नियम, 1922 (1922 का 1!) वा वन्ता विभिन्नियम, या पन-कर वॉर्थानवम, 1957 (1957 का 27) चे क्रमोचनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुनिधा के सिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

एसोशिएटेड प्रोसेशन, इक्यूपमेंट,
 द्वारा पार्टनर डी-211, साकेत, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 डाक्टर विदुर श्याम ग्रौर फैमिली एच० यूफ०, मास्टर गौरव श्याम , ई-132, साकेत, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को नह नुष्ना थारी करके पूर्वांक्य सम्मरित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन, की अविध या तत्स्वस्व-भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्नवृष् किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमुची

एफ-203, दूसरा खंड, युसफ सराय, कर्मांशयल काम्पलैक्स नई दिल्ली, । सुपर एरिया, 225 वर्ग फीट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनौंक 6-3-1986 मोहर: प्रस्य मार्चः, टी. एनः एसः, ---- ---

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सर्कार

कार्याभव, सहायक भायकर भायक्त (निर्याक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च, 1986

निदेश सं० आई०ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/7-85/998---यत: मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनिः भ, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उप्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- र. सं अधिक हैं

श्रांर जिसकी संख्या शाप नं० यू० जी० ए-9, है तथा जो 4, भीकाजी कामा प्लैट भई दिल्ली में स्थित है (श्रांप इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में आयाणं अधिनायम 1961 (1961 का 43) के अधीन तारीख जलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का धन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम भागा गया प्रतिकान, निम्नलिखित उच्चिय से उच्च अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिकतीं व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिविक स्थितियों, अर्थात् ॥—— मैं० राजधानी बिल्डरस् प्रोव० मेहता इण्डल्ट्रीज लिमि० 13 वां खण्डं, आत्मा राम हाउस, 1, टाजस्टाय मार्ग, वर्द दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री शिव कुमार सिंबल सी०-510, शेख सराय फेस-1, नई दिल्ली-17।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कीई भी बाक्षेप 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वापः;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्यब्दिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

नन्स्ची

शाप नं० यू० जी --9, 4, भीकाजी कामा प्लेस, नर्फ्र दिल्ली। एरिया 380 वर्ग फीट।

> सुर्नाल चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख: 7-3-1986

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

क्रायांलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 नई विल्ली नई विल्ली, विकास 6 मार्च, 1986

सं० आई० ए० सी० /एक्यू/3/37ईई/7-85/1022:---अतः सुझे, सूनील चाँपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या काथ ने हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची क्षार, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिक्यम 1961 (1961 का 43) के अधीन, नारीख जुलाई, 1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अखरक को दावित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीन[सत व्यक्तियों, अर्थात ∷— मैसर्स घई बिल्डिरस, घई पैलेस 21, लोकल घापिंग सेंटर, प्रीत नगर, दिल्ली-92।

(अन्धरक)

2. श्रीमती की ग्रल्या गुण्ता श्रीर अरूण गुण्ता, बी-81, श्रीत बिहार, दिल्ली-92।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्यारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यध्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगः जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्स्ची

णाप नं० 3, तल खण्ड $12.56 \times 8.95 = 112.55$ वर्ग फीट घ**ई पै**लेस 21 लोकल शार्षिम सेंटर, प्रीत नगर विल्ली ~ 92 ।

> सुतील चौं हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 3 दिल्ली

नारीख: 6-3-1986

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

्र नई दिल्ली, दिनां रू 7 मार्च, 1986

सं० आई० एं० सी०/एक्यू/3/37ईई/7-85/11-85/ 1227--यनः मुझे, सुनील चौपड़ा

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) तिक्ते इतमें इसके वश्यात् 'उवक अभिनियम' कहा पता ही, जी भाका 269-क के मजीन सक्षम प्रतिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थानर कन्नीस्थ, विकास जीवत बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी संख्या वी—10, मैगताम है तथा जो करमपुरा कम्यूनिटी सेंटर, अई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधक अनुभूची में और पूर्ण का में विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी कार्यालय, अर्जन रेंज 3, अई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985 को वृत्रीक्त संपत्ति के उपाय बागर मृज्य से कम के अधान प्रतिकृत संपत्ति के उपाप्ती का प्रविक्त संपत्ति के अधान महिन्म का कारण है कि अधाप्तींक्त संप्रति का उपाय मुख्य से कम के अधाप्तींक्त संप्रति का उपाय मुख्य उसके स्थापन प्रतिकृत से, एचे अधान प्रतिकृत का बनाह प्रतिकृत से अधिक है और वन्तरक (जम्मरका) भीर उम्परिती (जन्तरिशियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए एस पाया प्रकारिक के निम्निति उपाय से अस्तिक के से किया परित के निष्

- (क) बन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत, अवध समितियम के अभीन कर दोने के बन्तरक खे रामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/वा
- (क) एंडी किसी नाम वा किसी भन वा बन्य नास्तियों करों, जिस्हों भारतीय जायकार क्रीवितियम, 1922 (1922 की 11) या उनल क्रीवित्रमा, का प्रयोजनार्थ अंतरिली देवारा पकंड नहीं किका गंधा वा या किया जाना चाहिए था, क्रिकार के मुनिभूभ के लिए;

जतः अब, ७६। अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में मैं. अक्ल अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधील :--- 19—16 GI/86

 मैं० मोहल इन्वेस्टमेंट एण्ड प्रांपटीज लि० मोहल हाउम 7, कम्युनिटी सेंटर, जसम्बद्धुर कैलाश जालीली एक्सटेंगल, नई दिल्ली।

(अन्धरक)

 प्रिमिथर इन्टरश्राइसिस सी० पी/114 ए, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 😉

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की दायीय से 45 दिन की समीध वा तत्वंबंधः व्यक्तियों पूर सूचवा की दामील से 30 दिन की समीध, को की संस्थि कार में सवाध होती हो, के भीतर प्रविका कविकाों में से किसी स्थापक कुलाका;
- (ब) इक अचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निवित में किए जा सकेंगे।

स्वयदेशकास्य ह—द्वामें प्रश्वत कार्य को वर्ष का को वर्ष व्यक्तियान, के सध्याय 20-क में परिभावित हो, वहते अर्थ होना को उस सध्याय में विवा वया हैं।

अनुस्ची

बी-10, मैगनम हाउस-1, करमपुरा जम्युभिटी सेंटर, नई दिल्ली।

> सुनील चौपड़ा, मक्षम प्राधिकारी, महायक आयका आपुका (किरीक्षण) अर्जा हें:-3, दिल्ली नई दिल्ला-110002

तारीख: 7-3-1986

मोहर 🖫

इक्द बाई ही पुर एक .-----

बावफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

माइत दरकार

कार्यांक्य, बहायक वायकर वायुक्त (निरीक्रय)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां क 7 मार्च, 1986

सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/7-85/11-85/ 1228—यत मुझे, सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रयाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त वाषार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी संख्या बी-3, मैगनम है तथा जो करमपुरा कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (ष्रौर इसमे उपा-बद्ध अनुमुचो में पूर्ण रूप से विणिन है), रजिस्ट्रीकरती प्रधिकारी के कार्यालय अर्जेंन रेंज-3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन, नारीख जुलाई. 1985।

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के स्वीकत बाजार मृख्य से कम के दश्यमान सरिएक के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के शन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंते रिती (अंत्रितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पायः क्या प्रतिक्षत निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे वथने में स्विधा के विद्य: और/वा
- (च) एसे किसी बाब या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रवोचनार्थ अन्त्रीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गण भा वा किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विध्य के निस्था।

बतः वयः, उपन विधिनियम की भारा 269-ग के वन्सरण में में, उपन विधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (४) के अधीन, निम्नीलियत व्यक्तियों अधित् ;—गः मै० मोहन इन्वेस्टमेंट एण्ड प्रोपर्टीस प्रा० लिमिटेड गोहन हाउस 7, जमल्द पुर, कैलाश नालोनी एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री हिर्ण अपूर श्रीमती कमलेण मल्होसा, 17/8, पंचाबी बाग, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रचन के सिद् कार्रगाहियां क्षक करता हुएं।

उपल सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कार्द भी वाश्रीय :---

- (क) इस स्ववा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की संबंधि या सत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की संवंधि, को बी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाथ सिखित में किए वा सकोंगे।

स्त्रभारिकरण :---इसमें प्रयुक्त करूरों और पदों का, जो उक्त । अधिनियम के अभ्याय 20-का में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया प्या है।

अनुसूची

बी-3, मैंगतन ह(उस-1, करमपुरा कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली।

सुनील घौपड़ा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (किरीक्षण) अर्जार रें: 3, दिल्ली नई दिल्ली 110002

नारोख: *7--*2--1986

मंद्धः

प्रकथ बाह्"ु टी. एम. एस्ट्राब = - ----

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) वो वशीन वृष्णना सारत सहकार

क्यमंत्रय, सहायक शायकर शायक्त (निर्दाक्षक) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च, 1986

निदण सं० आई० ए० सी०/एक्यू-3/37ईई/7-85/11-85 1229---अतः मुझे सुनील चौपड़ा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, के भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्ल, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जि कि सं ० एम- 7, मैगनम हाउस, 1, है, तथा जो करमपुरा, कम्युमिटी सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूपों विण्या है) जार्यात्रय, अर्थन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आय जर अधिनयम 1961 (1961 का 43) 43) के अधीन दिनों 5 ज्याई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और म्फें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण तं हुई किती बाव की बावतः, अवस्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में सभी करने वा बचचे बजने के मुस्चिमा में सिद्धः और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वाच प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने जें कृतिकथा के जिए।

शतः नव, उन्त विभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उन्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में नभीन, निस्तिविध व्यक्तित्वों, द्वार्गीत् क्र---- मोहन एसक्पोर्ट, इंडिया, प्रा॰ लिमिटेड मोहन हाउस, 7, जमरूदपुर, कम्युनिटी सेंटर, कैलाश कालोनी एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्रीमती कांना भाटिया,
 बी-177, अशोक बिहार फेस-1,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्चित के अर्जन के सिर् कार्यवाहियां करता हुं।

ब बस सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जालीय क्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील. से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

एम-7 मैगनम हाउस-1, करमपुरा कम्युनिटी सेंटर नई दिल्ली। एरिया 415 वर्ग फीट।

> सुनील घोपड़ा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर गायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक 11-3-1986 मोहर:

प्रकृष केन्द्र . टी . क्य . एत् . ---------

बायकर अभिनियम्, 1961 (१961 का 43) की भारा 269-व (1) से बभीन सुपना

BISE ESTE

कार्यक्रव, तक्कायक वायकर वाव्यक (विश्रीकाण) अर्जन रेज-3,

मई दिल्ली, विभांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-3/37ईई/7-85/11-85/ 1269---अतः मुझे सुनील चौधड़ा

आसकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसको असको परभात 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-% को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अर्थ है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,090/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं जी-9, मगनम हाउस-1 करमपुरा है, तथा जो कर्माणका सेटर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण क्य म विण्त है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिन नियम, 1961 (1961 कि 43) के अधीन दिनांक जुलाई, 85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के रच्यमान शिवफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके रच्यमान प्रतिफल में, एसे रच्यमान प्रतिफल का निर्म विश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की नानत, उन्त निभिन्यन के नभीन कुए दोने के अन्तरक में वायित्प में कमी कारने या उसके बचने में सुनिभा के विष्यु: और/भा
 - (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती वृंगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने से दक्षिण के लिए;

बतः बनः उक्त अभिनियम की भारा 269-न के बन्सरण मैं, मैं, जरूत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) मैं बभीट, निम्नलिखित व्यक्तियरें अभीत "--- श्री मोहत इतबे स्टमेंट एंड प्रोपटींज प्रा० लि०, मोहत हाइम ७, कर्माणयल सेंटर, जगरूदपुर, कैलाश कालोनी, एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

THE TAXABLE CONTRACTOR TO THE TAXABLE TO THE TAXABL

(अन्तरक)

श्रीमती स्वर्णकोर, एंड देविन्द्र पाल सिंह,
 4/5869, देव नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को क्षा वृत्यका बारी करके पृत्रा कर कम्परित में वर्षम के सिप कार्यकाष्ट्रियों शुरू करता हुं।

क्या कमरित से वर्षन के कम्पन वें कोर्र मी नाकर :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व 4.5 दिन की समिश्र या तत्सवंशी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अमिश्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब है
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी है। तस
 सिवित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जी-9, मैगनम हाउस-1, करमपुरा कम्युनिटी सैंटर, नई दिल्ली।

> सुनील चौपड़ा सक्षम अधिकाफी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिस्ली

दिनांक 7-3-1986 मोहर:

प्रकृष नार्ष टी.एन्.एच. - - --

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्केना

बारत सरकार कार्यासय, सङ्गयक **बायकर अञ्**कत (वि**रोजण)** अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिभांदः ७ मार्च, 1986

निदेश सं० आई०ए० मी०/एक्यू-3/37ईई/7-85/11-85/ 1270--अन: मुझे सुनील चौपडा

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं जी-11, सैंगनसं हाउस है, तथा जो करमपुरा, कम्युक्तिटो सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रांग इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांगजा पूर्ण कर्या शिंशा है) पिएस्ट्रीय तो अधिकारी के जार्यालय अर्जन रेड-3, भई दिल्ली में भारतीय अपया अर्जन रेड-3, भई दिल्ली में भारतीय अपया अर्जन रेड-5, भई दिल्ली में भारतीय अपया अर्जन रेड-5, भई दिल्ली में भारतीय अपया अर्जन रेड-5, भई दिल्ली में भारतीय अपया अर्जन है, 85 को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अर्लन को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अर्लन का अवित बाजार अर्लन, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का इह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (जन्तरकाँ) बार अत्तरिती (जन्तरितयाँ) के बीच एसे जन्तरण के निए तब पाना क्या प्रतिफल, निम्हांसिकत उद्देश्य से उक्त जन्तरण कि सिए तब वास्तरिक के बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित ख्यक्तियों, अर्थात्:— मंद्र्त इनांस्टनेंट, एड प्रंतर्टींज प्रा० लि० मोहन हाउस 7, कम्युनिटी सेंटर, जमरूदपुर, कैलाश कालोनी, एक्सटेंणन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

मिलभ फाइनेंस,
 202, मैगनम हाउस-1, कपमपुरा कम्युनिटी सैटप,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवादियां करता हुं।

बन्ध सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई जाओप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाना की तानील से 30 दिन की अविधि, को और अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्य करण: इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, को उक्ट अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिधायिक ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वनुसूची

जी-1, मैंगनम हाउस-1, करमपुरा कम्युनिटी सैंटर, नई दिल्ली।

मुनील चौपड़ा मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नर्ष दिल्ली

दिनांक 7-3-1986 मोहर:

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) में मधीन ब्लाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3.

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1986

निदेश स ० आई० ए 2 सी०/एक्यू-3/37ईई/7-85/11-85/ 1271—-अं: मुझे सुनील चौपड़ा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० बी-8, मैगनम हाउस-1, करमपुरा है तथा जो कम्युयनटी सेंटर, जई दिल्ली में स्थित है (भ्रोर इसने उपाबड़ अनसुची में भ्रोर जो पूर्ण का से विणय है) जायालय, अर्जय रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन दिनांक जुलाई, 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम चे क्यमान इतिफल को निए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य' उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप है किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे ज्याने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्हीं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया था वा किया वाला चाहिए था, कियान में कृष्टिया के लिए;

स्थाः स्था त्रक्त विधियम की पारा 269-व की वज्हरण श्रां की उक्त विधियम की पारा 269-व की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् ्र—— मोहन इनवेस्टमे, एंड प्रोपटीज प्रा० लिमि० मोहन हाउस 7, फम्युनिटी सेंटर, जमरूबपुर, कैलाण कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री तेजिश्रदर सिंह 50, नार्थ वेस्ट, एविन्यु, पंजाबी बाग, एक्सटेंशन, -

(अन्तरिती)

का बहु बुचना चाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां बुक्त करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत ब्यान के त्रावयण में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामीन से 30 दिन की स्थाप, को भं, वविष क्य में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवास;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी वन्य व्यक्ति ब्वाय अभोहस्ताक्षरी के पान सिवित में किए जा स्केंगे।

स्पन्धीकरण :- ---इसमें प्रयुक्त कर्को और पदों का, थी उक्त विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष स्थाप, वो उस सध्याय में दिशः विकासी

नन्त्रची

बी-8, मैगनम हाउस-1, करमपुरा, कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली।

> सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्की

नारीख: 10-3-1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली

भई दिल्ली, दिनांग 6 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/7-85/1510--यत:, मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वात करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर िसकी सं शाप नं 159, प्रथम खंड है, तथा जो 9 भो काजो कामा पसुस, नई दिल्ली में स्थित है (फ्रींर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रींर ६ण रूप में वर्णित हैं)ायिलय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के लिए।

जत: अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त सिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्यिक्तियों, अधीन :---

- 1. श्री एड० ७० भंडारी द्वारा सुदर्शन मीटर्स धनबाद (अन्दरक)
- 2. श्री सोमदत बिरुडर्स प्रा० लि० 56, कम्युनिटी सेंटर, ईस्ट आफ कंताण, नई दिल्ली

(अनः रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां करना हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स्र) इस सूचना के राजपत्र ें प्रकाशन की ताइीस से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जघोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा अकोंगे।

स्पब्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

शाप नं० 159, प्रथम खड, 9, भी नाजी कामा पलेस, नई दिल्ली ।

> सुनील चीपड़ा सञ्जय प्राधि पारी सहायक आमक्त प्रायुक्तः (विकीक्षण) अजन रीज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-11000

तारीख : 6-3-1986

नोहर:

प्रसम्ब आर्चा, टी. एन. एस ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारव तरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च, 1986

निर्देश स० आई०ए० सी०/एक्यू०/3/37बई/7:85/2-86/ 1511——यतः, मुझे, सुनील चोपड़ा,

कामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा मना हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका स्रीवत अध्यार ज्ञान 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसको म० भाग नं 164 है, तथा जो 9, भी हा जी कामा अलेस, ाई दिल्ली में स्थि। है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में स्रोर पूर्ण च्य से विणित है), कार्यालय अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनयम 1961 (1961 का 43) के अवीत, नारीख जुलाई, 1985

की प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बोजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभागविक्त सम्पत्ति का उचित बाबार बुस्द, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) वार बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पावा ज्या प्रतिफल, निम्नतिचित उद्विष्य से उच्छ अन्तरण जिविस में शास्त्रिक कप से कथित महीं किया गवा है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाग की बाबल, उक्त सिंधनियम में स्थीन कर दोने से बन्तरक से वासित्य में कभी करने या उत्तर दचने में सुविधा के सिद्द; बीए/बा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी भन या किसी कारितयों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर विधिवयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिवयम, या भन-कर विधिवयम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ करतरिती क्वारा प्रस्ट नहीं किया गया था या फिला नावा वाहिए वा, डिमान में स्विता के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्ति-स्थित व्यक्तियों, अर्थात् मान श्रीमती गीता देश ई-215, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली

(अन्तरकः)

2. श्रीमती माहिनी मिट्टू एफ-12, निजामुद्दीन वेस्ट, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती ﴾ः

को बहु सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बाबत संपत्ति के बर्जन क मंबंध में कोर्ड भी बासीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वास:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उनस स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकीये।

स्पध्नीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित ही, बही कर्ष होगा था उस सभ्याय में विया वक्षा ही हो

अनुपूची

आप नं ० 164, अदादी 147 वर्ग फीट । 9, भीका जी जामा पलेस, नई दिल्ली ।

> मुनील चोपड़ा मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रोज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ारीख: 6-3-1986

इस्य बाइ', टी. एर. एस. ५

दायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, दिल्ली

नई [ांल्ली, दिनाँक 10 मार्च 1986

निर्देश स० आई० ए० सी० | एक्यू० | 3 | 3 7-ईई | 7-85 | 2-86 | 1553—यत: मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी संव वी-3, मैगनम हाउस-1, करमपुरा है, तथा जो कम्युनिटी सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप ने विणित है), हार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयार अधिरिस 1961 (1961, का 43) के अधीन, जारीख जुलाई, 1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह निक्वास करने का कारण है कि गयाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एन्य, उसके द्रियमान प्रतिफल का ग्रंदह प्रतिशत्ति से अधिक है और अंतरिक (अंतरोक्तें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबक, उक्त जीभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के स्थित: जार/वा
- (स) ऐसी किसी आर्थ या किसी धन या अन्य आस्तियों के अपने कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्य

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के पधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थातः :— 20—16 GI/86

- 1. मोहन इन्वेस्टमेंट एण्ड प्रोपटिस प्रा० लिमिटेंड 7, कम्युनिटी सेंटर, जमरूदपुर, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली (जन्तरक)
- 2. श्री णिवाजी लाल सोंधी पत्नी माधुरी सोंधी 7, रिटंडन रोड़, भई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के याजन्य में कोई भी बाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की त्रवीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्षीय, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास विश्वत में किए वा सकर्य।

स्पष्टीकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्स्चा

बी-3, मैगनम हाउस-1, करमपुरा कम्युनिटी सेंटर नई दिल्ली ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधि कारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख : 10-3-1986

प्रारूप आई°.टी.एन.एस.-----

बायकार बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधील मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंच-3, दिल्ली

नई दिल्ली, विषां : 4 पार्च 1983

निर्देश स० आई० ए० सी० /एक्यू०/१/एस आए-1/१-85/ 132—याः, म्झे, आर० पी० राजेशः,

वायकर विधित्यम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एकको वश्वाद 'उक्त विधित्यम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकाली को यह विश्वास वारमें का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति दिस्ता विश्वास बालाव बहुब 1,00,000/- स्. से अधिक हैं

ग्रोर जिसकी सं० 200 वर्ग गा, भार्टी मं० 6 है, तथा जो इंस्प पटेल नगर, नई दिल्ली में लिखा है (ग्रीं इसके ल्यायड़ अनुसुची में ग्रीं र पूर्ण रूप ने किंगा है), जो क्ट्रीन सिंगी हो। के कार्यालय नई दिल्ली में भा तीय जिल्हा र किंगा १८१ (1961 का 43) के विधीत नासीय जलाई, 1985

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के लिखन बाजार मून्य म स्था के रुगमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्स यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिपाल गं, ऐसे स्थ्यमान प्रतिपाल जा पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिवाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए रास्तरित अव प्रतिकल, निम्नतिवित्तत उद्देश्य के स्थान क्ष्या कि स्था से कास्तिवक रूप से कर्णित नहीं किया स्था है स्था

- (क) बन्धरण संसुधी विश्वी करण को करता करका सिमित्यम के शारील की की के का कि का कि का कि की कि की
- कि) होती किसी बाग था किसा लग के अहत अस्कर्या की, जिन्हों भारतीय नारा-नार नार्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उनत लिएलियक, या धनकर अधिनिएक 1952 कि 157 कर 7) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रधान नहीं किया था या किया जाना चहिए था, जिसारे हैं जिसा की निएए

बतः क्ष, उन्त विधिनियम की धारा 264 म के अन्तरक म, म, उन्त विधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के बार्नेक, निकासिबत व्यक्तियों वर्षान् :— श्री ए० आए० मल्होता ग्रांर बी० आए० मल्होता सुपुत एस० आए० मल्होता निवासी एस-182, ग्रेटर कैनाण, पार्ट-2, नई दिल्ली ।

The second secon

(अन्तरक)

2. श्रीमती भिर्माता थापा पत्नी प्रेम थापर भिवासी--33/10, ईगड पटेल भगर, पई तिल्ली।

(अन्तरिती) :

को भह सूचना आरी करके प्राचित संपत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहिया भृष करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्यत्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संमाल होती हो, जे भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन को भीतर लक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ज्यात्रत द्वार अबहिस्ताक्षरी के पास लिकिसी में किए जा सकीये।

स्पष्टिमेकरण:—इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया हैं, वहीं अर्थ होग जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अस्य मं।

प्रोपटी ६० (/८, ईस्ट एटेल रागर, नई दिल्ली।

ारः पी० राजेश संसम प्राधिनारी एहाया आयार्ट पायुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंग-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-3-1983

प्ररूप बाह". टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत संदुष्टार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंच-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-1/7-85/ 133—यत:, मुझे, आर० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जितकी सं ० 15/32 है, तथा जो देस्ट पटेल नगर नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इसस उपाबद्ध अनुसुची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री निर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुनाई, 1985

का पूर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार नूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का क्ल्यूड प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निसिचक उद्देश्य से उच्च अन्तरण कि लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निसिचक उद्देश्य से उच्च अन्तरण कि विश्वास में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है अन्तरण

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें नारतीय जारकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिमिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जिल्ला का जिल्ला का प्राप्त का प्राप्त का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा से किए;

वत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक की, में अवस अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभी नियमितियों, अभीत्:—

- 1. श्री सुभाष चन्द ग्रोवराय, रीमा पुरी, चन्द्र कांता जाधना देवी, सुनील कुंमार, सुरेश कुमार ग्रौर गुरदेव कुनार ए-18, राधेपुरी, कृष्णा नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती केशरी देवी पत्नी आर० एस० सिंह 15/32, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्परिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिस की बचिध, वो जी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसा व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तालीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां उक्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जस स्थाय में दिका गया है।

अनुसूचीं

15/32, वैंस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

प्रसम्ब बाइ". टी, एम. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के पधीन सुचनः

भारत सहकार

कार्याजय, सहायक जायकर बायुक्त (निज़ीक्षेत्र)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां 5 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस आर-1/7-85/ 134—यतः, मुझे, आर० पी० गजेश

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूं), की वास 269-क के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने क कारण ही कि स्थावर अम्पत्ति, जिसका उचित शबार भूव 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी स० पाट नं० 13, रोड़ नं० 23 हैं, तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (फ्रांटइसन्टउनाबद्ध अनुभुची में ग्रीर पूर्ण रूप व वर्णित है), रिलस्द्री ती अधि गरी क कार्यालय, भई दिल्ली में रिजिन्द्री ५५ अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, भारीख जुलाई, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रस्प्रमान प्रतिकास के सिए अन्तरित की गई है और सुके यह विकास **अन्दर्भ का कारण है कि यथापूर्वोक्त** सम्पत्ति का उपित जाजहरू मुन्ब, उसके दश्यमान प्रतिफाल सं, एस दश्यभाग प्रातफास का क्लाइ प्रक्षिमत से अभिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिबी (बंहरितिका) के बीच एेसे अंतरण के लिए हम पासा समा प्रतिकल निस्पतिचित उद्योग्य से उटता मंतरण लिचिता में वास्त्रविक रूप संक्ष्मित नहीं किय गया है:---

- (स्त्र) सम्बर्ग में हुई फिली बाद की बावत बका मधि। हिनक को क्योंक कर वोने की वन्तरक की वाहित्य में क्रमी क्रप्रतेना उत्तब बचने में सुनिभावी विष्; चंद्र/पा
- (क) एरेनी किसी नान ना किसी वन या अन्य वास्तियाँ को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन् कर विभिनियस, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में श्रुविचा ने विद्

क्षा: अब उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अलक्षरक था, थाँ, धानत नीभीनवन की भारा 269-म क्री उपभारत (1) क्षेत्रधीन_{ाः} निस्नसिष्टिक व्यक्तिवर्षे_{तः} वर्षाद् हः—

- 1. (1) श्री यणपाल मागों
 - (2) श्री अमृत पाल मागों,
 - (3) श्रीमती पृष्ता रानी छतवाल,
 - (4) श्रीमती जंग रानी तलबार,
 - (5) श्रीमती ऊषा रानी वोहरा सूपुत्र श्रार सूपुती श्री इश्वर दास मागों,
 - (6) श्रीमती कमलेश रानी मागों पत्नी स्वर्गीय सत पान मागों निवासी 13/23, पजाबी बाग, दिल्ली । (अन्तरक)
- श्रीमती गुशीला जिन्दल उत्नी स्वर्गीय एस० के० जिन्दल निवासी---एम-28, शालीमार बाग, दिल्ली । (अनारिती)

को यह सुचना चारी कारके पूर्वोक्ट सन्परित के वर्चन 🐗 ीजप कार्यशाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र 🖫 🕾

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा थे 45 दिन की अवधि या तृत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ ५र भूजना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो औ जंबीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से सिसी व्यक्ति द्वारा;
- (भा) इस ब्चमा के राजपण में प्रकातन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-**बक्क्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी व्** क्रम जिम्लित में किए वा भकेंगे।

रण्**क्रीकर्णः — इ**समें प्रयुक्त सम्बां और पद्यों का, जो उक्त विध-विवय के जभ्याय 20-क में परिभावित हैं, भृद्धी कर्थ होता, जो उत्त अध्याय में विया भक्त हैं।

धनुसूची

प्ताट नं० 13, रोड़ नं० 23, क्षेत्रफन 278.19 वर्ग गज पजाबी बाग, बसई दारापुर, दिल्ली।

> आर० पी० राजेम सक्षम प्राधिकारी सहायक कायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली , नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

प्रस्त बाहें, दीं, दम, ग्रह, -----

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाम

काबास्य, सहायक भायकार आयुष्ट (निरोटाच)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिसां 54 मार्च 1986

िर्देश सं० आई० ए० सी०/एमयू०/2/एस आए-1/7-85/ 135---यत:, मुझे, आए० पी० राजेश,

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00000/-रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० पाट का-5/8-ए, है, तथा जो माडत टाउम दिल्लो में स्थित है (ओ: इस एउसबड अनुसूची में स्रीर पूर्ण का स बिंगा है), पाल्ट्रो जी जीवशारी के लायीलय, प्रदे दिल्लो में पिन्ही करण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के जेबीन, पारीख जुलाई, 1985

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के ध्रथमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं कियां गया है:——

- (क) बन्दरण से इन्हें किसी बाय की बावत, उसत अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दासित्व को कभी करने या उपने बच्चे बच्चे में सुविधा के किए; अदि/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

नतक्ष नन, उक्त सीधीनयम की धारा 269-न की जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती अको देवी 'श्रीमतो चीन्सू देवी, श्री श्रन्यौदा नाथ आंर विक्वानाथ अपूर एम-175, ग्रेटर कैलाभ-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कमला लाखनपाल के-4/8, माडल टाउस दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचका जारी करकं प्राचित धंपीरत के कर्जन की बिहा कार्यवाधियां करता हो।

क्ष्मक्ष सम्पत्ति के वर्षन के तम्बन्ध में कोई भी बार्बप :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीय सं 45 किन की सर्वाध सा उत्ताजनथी न्यन्तिकों पर स्थाना की सामील से 30 दिन की अवधित, यो भी प्रकार द्वार में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त स्थान में भी किसी न्यायित स्थारा;
- (५) ५३ शूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से १, १६४ के बीवर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध १, १८४० व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी में शक्त १ किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

ण्लाट नं० के-5/8-ए माडल टाउन, दिल्ली धादावी 272.2 वर्ग गण ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली भई दिल्ली-110002

तारीख : 4-3-1986

artar regarded and the

बंधर बीधें, ही , यह , 🕶 , नरका कानकार

भागकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर वास्त्रत (निर्मासक)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 मार्च 1986

भिर्वेष ग० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस आर-2/7-85/ 136-प्यतः मुझे, आर० पी० राजेष

आयकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिले इस्में इसके वश्यात उचत विभिनियम कहा गया है), की भारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृत्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

प्रीर जिसकी सं जी 13 क् 12 का न टाइन है तथा जो नई दिल्ली में स्थि। है (प्रोर इस के उपावड अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणिन है) रिजस्ट्री ति अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली अर्जन रेंज-2 में भारतीय आयकर अधिमियम 1901 (1961 का 43) के अर्जित नारीख जुलाई 1905 को पूर्वोक्स संपत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के खरमान प्रतिकत के निए वंतरित की नई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि वमाप्वॉक्स संपत्ति का उपित का उपाव वाचार मृस्य अधिक प्रतिकत की निए वंतरित की नई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि वमाप्वॉक्स संपत्ति का उपाव वाचार मृस्य प्रतिकार अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के निए तम प्राया निया प्रतिकत , निस्निसिधित उप्योव से उक्त बन्तरण के निए तम प्राया भारतिकत , निस्निसिधित उप्योव से उक्त बन्तरण के निए तम प्राया भारतिकत , निस्निसिधित उप्योव से उक्त बन्तरण के निए तम प्राया मार्थन किया से से उन्तर कर से किया नहीं किया स्था है ---

- (क) बन्तरक् ६ हुई निकास साम की शामका, स्वतः युरियमियम् के स्थीत कर दोने के बन्तरक के स्वतिथन् में कनी करने या उससे क्वने में स्थिता के लिए; शरिया
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, 1922 भन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजाननार्थ अस्तिर्दी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में पृषिधा के लिए;

 श्री कृष्ण गात इन्द्र राज ज्ञाम कुमार भारत भूषण डी 13-ए/12 माङ्ग टाउम दिल्ली

(अन्धरक)

 श्रीमती गीता गुष्ता व श्रीमती सूमित्रा गुष्ता निचासी 11702/3, शक्ति नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाद्यिं गुरु करता हुँ।

सम्बद्ध सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हरू-

- (क) इस सूचना के राजपण मा प्रकाशन की तारीस क्ष 45 विष् की सबीध या तत्सम्बर्धी स्पक्तियाँ पर सूचना की तासीस से 30 विन की अविधि, को भी श्वीध नाव में समाप्त हाती हो, क भीतर पूजा कर स्पित्यां में स किसी स्वीस्त द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांक स 45 दिन के भौतर उसत स्थावर सम्पत्ति में द्वितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याप अधाहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए वा सकेंगे।

स्वकाकरणः—-इसमें प्रयुक्त क्षमां और पदी का जो उत्तर विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया

वनसंची

प्रापर्टी नं० डी 13-ए/12 माडन टाउन, नई दिल्ली सादादी 499. 9 वर्ग गण एरिया ।

> आर० फी० राजेस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुम्त (किरीक्षण) अर्जम रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अक्षः जव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर, निस्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 5-3-1986

शक्ति सार्वे, ही, एए , मुख कार्यकाराक्रकार

अग्राष्ट्रण क्रिकियम, १०६१ (१९६१ का ४३) की भाग २६९-म (१) के सभीन सचना

गामस्

कार्यालय,, सहायक्र आयक्त आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस श्रार-1/7-85/ 137---यतः, मझे, श्रार० पी० राजेश,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 260-क के क्षीट सक्षम लिक्कारी की, नह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1.00, 200/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ई-84, तादादी 200 वर्ग गज खसरा नं० 2328 है. तथा जो मानसरोवर गार्डन, ब्लाक ई, बसई दारापुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री ति के ग्रिधकारी वार्याल्य, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधियनिम, 1908 (1908 का

16) के अधीन, वारीत्व जुलाई, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान श्रीतफल है लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथाएवाँक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल का लड़क प्रतिकत में अधिक ही और अंतरक (अंतरकारें) और कंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तरिक रूप से कथिस नहीं किया गया है

- (क) अस्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के बंतक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में बृविधा के लिए; और/या
- गांबो किसी अध्य मा किसी अध्य प्रकार प्रितियों कार किसी कार किसी मान , 1922
 गां किसी मारतीय कारकार विधिनियम, 1922
 गां किसी किसी अधिनियम, या अनकार विधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री रमेण कुमार फूल सुपुत्र केटार नाथ फूल 4/37 पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(अन्सरक)

 श्रीमती इन्द्रा गेखरी पत्नी मदन लाल गेखरी, मदन लाले गेखरी सुपुत्र ज्ञान चन्द्र गेखरी ई-48-ए, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली (परनरिती)

कों यह सूचना जारी करके पृष्ठींक्त मध्यिल के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पर्कांकरण :----इसमें प्रयैक्त भव्यों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यो

ण्लाट नं० ६-84, तादादी 200 वर्ग गज । खसरा नं० 2328, मानसरोवर गार्डन, ब्लाक-ई, गांव बसई दारापूर, नई दिल्ली ।

> श्वार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 4-3-1986

प्रस्थ नाई टी. एन. एस. ------ 1. श्री भारत भूषण सुप्त पं० धरम देव 5918/24-य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-?, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस ब्रार-1/7-85/ 138-अत:, मुझे ब्रार० पी० राजेश,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रहे. ये अधिक हैं

श्रार जिसकी सं० 5918/24 यू० ए०, 152.8 वर्ग गर्ज हैं तथा जो जवाहर नगर, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के नार्याज्य, नई दिल्ली मंभारतीय रजिस्द्रीकरण श्रिष्ठनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख जुलाई, 1985

को प्विक्ति संपत्ति के उत्ति वाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकृत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करमें का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकृत से, एसे दृष्यमान प्रतिकृत का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अनुतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत किम्नित उद्देशिय से उक्त अन्तरण निवित में शम्तिकृत क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उथत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

1. श्री भारत भूषण सुपुत्र पं० धरम देव 5918/24-यू० ए० जवाहर नगर, दिल्ली।

(प्रन्तरक)

2. श्री महिन्द्र कुमार सुपुत्र प्रेम नाथ श्रप्रवाल 3/8, रूप नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

 यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्भित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षीप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भ 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों गर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्यारा;
- (स) इस शूचना के राजपत्र में प्रकाशन को शारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृक्षी

पो॰ नं॰ 5918/24 यू॰ ए॰, तादादी $152^{\circ}8$ वर्ग गज जबाहर नगर, दिल्ली ।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायवार ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन, तिम्निलिसिक व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 4-3-1986

इकर कार्ड . ६३, ६२ - ध्र . ० - - - 1. श्रीमती गी ग

भारत 269-च (1) के क्षीन सूचना

WINE PLANT

श्वासीलांब सङ्ग्रामा स्थायकर अध्यक्त हिंदिकार्यः

ग्रजॅन रेंज-2, नई दिल्ली

नाई दिल्ली, दिनां र 5 मार्च 1986

निर्देश से० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम आर-1/7-85/ 139—यत:, मझे, आर० पी० राजेश,

वायकर विभिन्नमा, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् (उक्त किभिन्यमा कहा गया है), यो बाल 269-स के वर्षान, सक्तम प्राधिकारी को, गए विश्वात करने वस कारण है कि ल्यांबर स्थान किम्बा स्थान एका अस्य 1,00,000/-रा में अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० 1 1/2 स्टोरी बिल्डिंग, एच-62 बाली नगर, है, तथा जो नहें दिल्ली में स्था है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिल्ली है), रिस्ट्रीइक्री अधि गरी के जार्यालय, नहें दिल्ली धर्मन रें।-3 ों भारतीय ग्रायक्षण गृधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अवीन, रारीख नुलाई 85 है वधि के जिस कार्यक के किए सक्लिंग की गई की बाद कर्म के प्रवाद कार्यक के विषय सक्लिंग की गई की बाद कर्म के प्रवाद कार्यक के विषय सक्लिंग की गई की बाद कर्म के प्रवाद कार्यक के विषय कार्यक कार्यक कार्यक कार्यक के विषय कार्यक के विषय कार्यक कार्यक

- कि स्वास्त्रक ने हुए। त्वारी हात की बहुत उकता क्रिक्ट के स्विधित में दक्षिण हात विधान के स्वाधित के स्वाधित के स्वाधित के स्विधा के तह प्राधित के स्वाधित के स्वाधित
- ता गांसी किही लग्ध म विश्वते त्य का गांस की जो जो जिस्ती भागा। कि गांग की व्यक्त की 1921 का 11 कि गांग कि 10 श्रा-कार व्यक्तियम (63) (1957 का 77) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती प्रात्त प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था दिख्याने में सुनिया ने विश्वदः

্ল হয়, বনৰ ক্ষিতিমধ্য গাঁলে এবে জঁলন্ত্ৰ হা, হাঁ বাল ক্ষিতিম্বৰ কাঁ লাংগ চলচ্ছ কৰি হালাক (৭) তলক পাত্ৰাকৈছ দ্ধীকাৰী স্থাৱি 21—16 GI/86 श्रीमती तिता देवी पत्नी एल० मालिक चद निवासी— बी-1/261 जनकपुरी, नई दिल्ली

(ग्रन्तरकः)

2. सोमदत्त और ब्रादर्स एच-62, बाली नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को बह स्थान जारा करक प्रांक्त सम्बस्ति के वर्षन के जिए जायवादियों । इ. करता हो।

्रक्त सक्रातिक में अक्रम तो सम्बन्ध में कोई भी बार्बर :--

- जा है जिस्सार है। जनिता का प्रकासन की तारीस से 45 फिल है। जनिता जा उत्सासन की सामित पर श्रीकार की अपनिता को भी अपनिता को भी अपनिता को भी अपनिता होती हों, को भीतर प्रवासित को जातित सामित सामित सामित सामित सामित सामित सामित
- अर प्रकार अपन्त भी दावणक का प्रश्वक्रणक को तारील सं त के दिल के अरेश निकार स्थापित को तिवक्ष किला प्रकार स्थापन क्षाण स्थापकर्त को तिव विकार भी तिहास जा सकरेंगे।

व्यक्ष्यीक्षरण:--इसमाँ प्रयक्त शब्दों और पत्नों का, को स्वक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, ही उमें द्वीगा जी उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रसग्ची

1/2 स्टोरी महान नं॰ एच-62, तादादी 150 वर्ग गज खसरा नं॰ 1598, बाली नगर, नजफ़गढ़ रोड़, एरिया **बसई** दारापुर, दिल्ली ।

ग्नार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख : 5-3-1986

अक्स बार्धः टी. एन. एस. -------

नायकर वीधनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकार कायका (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांवः 4 मार्च 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम श्रार-1/7-85/140—श्रत:, मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विद्वास के इने का कारण है कि स्राप्त सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार बुल्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिमकी सं० के-4/13, माडल टाउन है, तथा जो दिल्ली तादादी 272 वर्ग गज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृति ग्रिधिः री के वायलिय, नई दिल्ली में रिस्ट्रीकृरणश्रिधिनियम, 1908 (1908 वर्ष 16) के ग्रिधीन, तारीख जुलाई, 1985

हैं पृथिति से पिति के जिस्त बाजार मून्य से कम के सम्बद्धान प्रिक्षित की नहीं हैं और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकन संपत्ति का उचित बाजार गृन्य, उसके रहयमान प्रतिकाल से एसे नियमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण विकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-विवस के अधीम कर धने के बन्तरक के दावित्य में अभी करते मा उससे अधन के प्रविधा के जिये; और/मा
- (क) होती किसी बाय वा किसी घन वा अन्य आसिट्यों की, जिन्हों भारतीय आयकर अपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किमीनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा ना या किया जाना चाहिए था, कियाने में भ्विपा की निया

अतः अवः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण गं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखिल चिक्तयों, अर्थात्— 1. श्री सोहन लाल कनौजिया सी-47, जंगपुरा-बी, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री चरणजीत सिंह साहनी, सी-5/22, माडल टाउन, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के मधन के लिए कार्यवाहिमां शुरू करता हुं।

हक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोल् भी भारतेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र मो प्रकावन की तारील वें
 45 दिन की जविभि ना तत्सम्प्रम्थी स्वित्यों पर सूचना
 की तानील से 30 दिन की क्विमि, जो भी अविभि
 नत्व मों सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वीक्तयों मों से जिन्ही व्यक्ति इवारा;
- (व) इस स्वता के राजपत्र को प्रकासन की तारीब है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मो द्वित-बद्दभ किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी की पास निर्मात की किस् का बकी गै।

स्वध्यक्तरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्यों भौर पदों का, थो उससे काधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

के-4/13, माड टाउन, दिल्ली तादादी 272 वर्ग गज।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 27-2-1986

प्रकृत बाह् , ही . एक , एस . *********

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन मुभना

भारत सरकाइ

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्रण)

अजैम रेंज-2, नई दिल्ली

मई दिल्ली-110005 दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/2/एस आर-1/7-85/ 141—यतः, मुझे, आ४० पी० राजेश,

भायकर अभिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4598-12 -बी, गोला काटेज दिल्या गंज, है, तथा जो दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उन्बद्ध अनुसूची में श्रीर श्रीर पूर्ण कर से विणित है), रिकिन्ट्रीनित्त अधिनारी के कार्यालय, भई हिल्ली में भारतीय अस्य एर अधिनियम 1951 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उणित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मूक्षे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उणित बाजार मूक्य, उसके रश्यमान प्रिक्त है, एस रश्यमान प्रतिकत क बन्धह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंदरिती (बंदरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्म आस्तियों का, जिन्हां भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः श्रव, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलियित व्यक्तिमों, नर्थात्:—

- 1. इन्डेटो प्रा० लिमि० ३६, मिन्टो रोड, भई दिल्ली । (ग्रन्तरका)
- 2. श्री आप० डी० माथुर सुपुत्र स्वर्गीय डी० पी० माथुर एफ ८/15, कृष्णा भगर, ५ई-दिल्ली 51 ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना भारी करके पूर्वांक्त सस्पत्ति के अर्थान के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मीत के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप ह---

- (क) इस सुखना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक के 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सुखना की लामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थितर बुबारा;
- (का) इस स्थाना के राजपत्र पो प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के पीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मा हित नव्य किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी क पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

न्यख्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दां और पदां का, में उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

तलखंड गोरणत तादादी 980.85 वर्ग फीट। प्रोपर्टी नं० 4598:12-की, गोला भाटेल, दरियागंज, दिल्ली।

> आए० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नहें दिल्ली-110003

तारीख: 4-3:1986

प्रस्प बाईं.टी.एन.एस. -----

बाबकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिलांक 4 मार्च 1985

निर्देश सं ाआई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस आ४-1/7-85/142—यतः. मुझे, ऋार० पी० राजेश,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० के-1/8, माडल टाउन, दिल्ली हैं, तथा जो 282 वर्ग गण में स्थित है (स्रोर इसा उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण का से वर्णि। है), रिजिस्ट्रो ती निध गरी व गर्थालय, नई दिल्ली में भारतीय आयमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार भूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एस दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित म बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त आध-निषम के अभीन कर देने के अतरक के दायित्व में कुछी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, ज्ञिपान में सुविधा के लिए:

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निकालिकित व्यक्तियों, नुभात् :---

1. श्री जगदीण अन्द्र सिक ा 16/227, मालविया नगर, मई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सरोल वाला जैन 4693-गली उमराव सिंह पहाड़ी धीरज, दिल्ली

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाइपां करका हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

प्रापटीं न० के-1/8, माडल टाउन, दिल्ली तादादी 282 वर्ग गज ।

> आए० नी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-3-1986

प्ररूप बार् .टी .पन .एस . -----

बायकर जांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस आर-1/7-85/ 143—यत:, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् याजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० सी-7 है, तथा जो बाली नगर बसई दारापुर दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विशत हैं), रिजस्ट्रीकतो अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व कत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रोमतो सुन्दर कार पत्नी जभेत सिंह एच-61/ए, बाली नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

2. श्रो धागमा सूपुत मोना राम सी-7, बाली नगर, नई दिल्ली

(ग्रन्तन्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म जान नं ० सी-7, तादादी 146 वर्ग गज । बाली नगर, गांव बसई दारापुर, दिल्ली राज्य (दिल्ली) फी होल्ड ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-11000<u>2</u>

तारीख: 4-3-1986

जन्म वार्षे . टी . एव . एक . ------

भावकर निपित्तिवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नेभीन सुचना

शारक सरकार

कार्यासय, सहायक जायकार भागुक्त (निरीक्स)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

भई दिल्ली, दिनां ७ 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस आर-1/7-85/ 145—यत:, मुझे, आर० पी० राजेश:,

भागकर विधित्तयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रधात 'उन्नर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर समित, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

मीर जिंकी सं जिंदि नं 45 है, निथा जो रोड़ नं 71, क्लास-बी, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में श्या है (फ्रांर इसन जपाबद्ध अनुसुची में मीर पूर्ण कर से विज्ञा है), रिजर्दीकर्ता अधिकारी के जार्यालय, नई दिल्ली में रिजर्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधील, तारीख जुलाई, 1985 को वृशेंक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्यमान प्रतिकत के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वश्मपूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार करने का कारण है कि वश्मपूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार करने का कारण है कि वश्मपूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार करने का कारण है कि वश्मपूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार करने का कारण है कि वश्मपूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार करने का कारण है कि वश्मपूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार करने का कारण है कि वश्मपूर्वोंक्त सम्परित का उचित वश्मप्रतिकत सम्परित का उचित वश्मप्रतिकत सम्परित का उचित वश्मप्रतिकत का प्रतिकत का प्रतिका का प्रतिकत का प्रत

- (क) बन्तरण से शुर्व किसी बाब की बाबता । जनस समितिया के अधीत कर दने के सन्तरक की सावित्य में कमी करते वा उससे वचने में सुविधा से तिस्; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अगस्तियाँ कर जिन्हें भागतीय भायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सृतिभा के लिए:

भत्तः अध्य, सक्त विधिनियम की भारा 269-भ के वनुसरस् वें में, उक्त विधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के वधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ः--- श्री रमेश सिंह मंडेर सुपुत लखा सिंह ए-46, कीर्ति मगर, मई दिल्ली

(फ्रन्तरक)

2. श्री संत लाल एंड संस एच० यू० ए० द्वारा संत लाल सूपुद्ध राम दित्ता मल (40 प्रतिषत) शेयर, आर० बी.०^ कटारिया सुपुद्ध शंकर दास कटारिया और श्रीमती आशा कटारिया परनी आर० बी० कटारिया निवासी पर्लंट 70 भीर 37 सनसाइन अलार्टमेंट ए-3, पश्चिम विहार, नई दिस्सी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के नर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

बक्क सम्मत्ति के मर्जन के संबंध में केंद्र भी नाक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीं से 30 दिन की अविध, जो भी नविध वाद में सर्वाप्त होती हो, जो भीतार प्रवेषिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्च व्यक्ति इवारा नभोइस्ताकरी के पार्व सिविक में किए या सकेंगें।

त्वध्यीकरण:— इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त व्योधिनवर्ता, को अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्र<u>मु</u>सूची

प्लाट नं 45 रोड़ नं ०-71, क्लास-बी, पैजाबी बाग, नई दिल्ली, गांव बसई दारापुर स्टेट, दिल्ली । तादादी 500 वर्ग गज । फी होल्ड ।

> आर० पा० राजश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

क्का सर्व हो देन दुष ;======

काशकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अभीन सूचका

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक सामकार कार्यका (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 फरश्ररी, 1986

निदेश सं० आई० ए सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 7--85/146--अन: मुझे, आर० पी० राजेश

आवकर मीभानवम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें प्रश्नात् 'उनता अभिनित्रम' कहा गर्म ही, की भाषा 269-स के सभीन तक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण ही कि स्थान सक्ष्मित, जिन्नका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रू. से अधिक ही

श्रोर जिसकी सं० पोरशन नं० 8 है तथा जो एच-3/12, माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (श्रांत इससे उपाबद्ध अन्सूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधियारी के कार्यालय, मई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य है कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक सम्पत्त का उचित बाजार भूत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्वमान प्रतिफल का अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरकां (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब भावा गवा प्रतिफल, विम्निजित उद्विषय से उक्त अन्तरण निवित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने वा उसने बचाने में सुविधा के सिक्; खौर/वा
- (य) इंकी किसी साम मा किसी अन या नास्त नास्तियों को, फिन्हें भारतीय सामकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनता सीभीनयम, या धनकर सीभीनयम, 1957 (19/ / का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्ष्याच प्रसंद नहीं किया गया था वा किया जाना चारिक वा प्राप्त करी हुए या, किया में सुविकत के किए;

बक्द बाब, उपल विधिनयम की शास 260-ल की बन्धरण 41, वी जक्त मीपनियम की भाष 269-व की उपधार्य (1) के अधीन निस्तिविद्यत व्यक्तियों, वर्धत् :—

- (1) श्री श्रोम प्रांगण भसीन
 श्री तिलक राज भसीन,
 श्री जगदीय लाल भसीन,
 सी-1/3 डी/111, माडल टाउन, दिल्ली।
 (श्रन्सद्क)
- (2) श्री अमर नाथ चावला,
 फ्लैंट नं० 8, एच-3/13,
 माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करकं धूनोक्त तस्यक्ति के जर्बन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वा के राजपत्र में अबक्षशन की तारीस स 45 दिन की नवींच ना असम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी नवींच नोर में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्द किसी जन्य व्यक्ति द्वारा माहिस्ताक्षरी के पास सिचित में किए था सकें

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

पोरणन मार्कंड नं० 8, प्रथम खण्ड एच-3/12, माडल टाउन, दिल्ली तावादी 1470 वर्ग फीट।

> आए० पी० राजेश ाक्षम प्राधि गरी हैं सहायक आयकर आयुक्त (शिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, न**ई** दिल्ली

नारीख: 4-3-1986

प्ररूप बाइं .टी : एन .एस . -----

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक कायकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/ एस० आर०-1/ 7-85/147-अन: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 209-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृख्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० एफ-32 ए विभय नगर, है तथा जो विल्ली-9 में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिलस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रांतिकार के लिए कन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रांत्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और वन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिख में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी अत्य को बाबत, उक्त बीधीनयम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/का
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धनकर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बंजरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के हिए;

कतः मधः, उसत अधिनियम की धारा 269-ण अं अनुसर्व को, भी, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती घन श्यास देवं पत्नी श्रो जमभ लालं, एफ-32 ए, विजय नगर, दिल्ली-9।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायण एलियास श्री मनोहरलाल सुपुत श्री हेम राज, डी-32, विजय नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बास्तेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की डविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उन्से जिथिनियम, के अध्यक्ष 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया ही।

वनुस्पी

प्रापर्टी सर गरी विल्ट प्रापर्टी नं० एफ-32ए, विजय नगर, दिल्ली-9।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 4-3-1986

प्ररूप आहे. टी. एम. एस. -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्कालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण).

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० आर०-1/ 7-85/148--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रः. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० अपर ग्राउन्ड फ्लोर, पापटी नं० 1539, है तथा जो वार्ड न० 13, अजीज गंज, बहादुर गढ़ रोड़, दिल्ली तादादी 102 वर्ग गज में स्थित है (भीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख ज्लाई, 1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्वकान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है जीर मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मुख्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यभान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिचत में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घेषय से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबल, दक्त नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- 🚧 ए'सी किसी अगय या किसी धन या अभ्य वास्तियो को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त विधिनियम, गा ववकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया या वा विका जाना चाहिए या, कियाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त ऑफिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन : विम्नलि**सित व्यक्तियों , अर्थात** :→-

- (1) श्रीमती सप्दार बंगम परती श्री मोहम्मद एफीक, 6829, अहाता किंदारा, बाडा हिम्दू राव, दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती विद्याभाटिया पत्नी श्रीजे० सी० भाटिया निवासी 1539, अजीज गंज, बहादूर गढ़ रोड़, दिल्ली, मुद्दला भाटिया परनी श्री के० सी० भाटिया, 1539, अजीज गंज, दिल्ली। (अन्भरिती)

को वह स्वाना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए, कार्यधाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन वो सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन को अवधि या तत्सविधी व्यक्तियों स्चनाकी तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्ष) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धा किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्काकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, को अध्याय 20-क में है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिशा गया है।

अपर ग्राउन्ड फ्लोर प्रापर्टी नं० 1539, वार्ड न० 13; अजीज गज, बहादुर गढ़, रोड़, नादादी 102 वर्ग गज । फी होल्ड ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख: 4-3-1986

मोहर:

22-16 GI/86

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

शारत तरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जं दें रेंच-2, अई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां च 4 मार्च 1986

िदेश मं० आई० ए० सी०/एनयू०/2/ एस० आए०-2/ 7-85/150--अतः मृझे, आए० पी० राजेषा आएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1..00.000/- रु. से अधिक हैं श्री िएजेकी सं० 26/9 हैं, तथा जो केन्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में पूर्ण का से विणित्त हैं), राजिन्द्री हर्ता अधिवारी के वार्यालय, वर्ड दिल्ली में प्राचिन्द्री हर्गा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) ये अधीन, वारीख जुलाई, 1985 को पार्थिक राज्यित के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह, विश्वास करने का करना है हैं अपर मृझे सहस्त करना सामार

प्रतिफल के लिए अन्तरिट की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का दिह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उस्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित मे वास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की आबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नीलिकिक व्यक्तियां, अर्थात् धः— (1) श्रीमती की गर्ना वाई दिनी
 स्व० श्री शामवनद्र एवं 95,
 वेस्ट पटेन भगर, भई दिल्ली।

(अन्भर्क)

(2) श्री मतीण कुमार सङ्गत मुपुत्र श्री सूदर्गा 26/9, वेस्ट पटेन भैगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह स्भाना जारी करके पृथिक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयानत शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

26/9, खाः/भारादी 100 वर्ग गत्र वेस्ट पटेन अगर, मई दिल्ली लीग होल्ड।

> आां० पी० पाजेण सदाम प्राधि जारी सहायात आत्यक्रप स्नायुक्ष्म (किरीक्षण) अर्जात रेजेच्2, जई दिल्ली

ारोबा : 4-3**-**1986

प्ररूपः बाह्रीः टीः, प्रनः प्रसः, न न न न

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रजांन रेंज-2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/2/एस० आर०-1/7-85/151--असः मुझे, आर० पी० राजेश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारज हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 10 बला ह, ई है तथा जो राजन बाबू रोड, श्रादण नगर, नई दिल्ला 150 वर्ग गर्म में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री हती अधिकारों के कार्यालय, नई दिल्लों में रिनस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार भूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया अतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में पाल्तिक कप सं कथिय नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से शुर्व किसी शांव की नावत, उनते बीवीनस्थ को अभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/शा
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य आस्तियां को, चिन्हें भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं मा सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (।ऽ ≼ अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ड—

- (1) जनमाल पिह् झीर श्रन्य।
 डा 60, 3/5, माडल टाउन रोड, दिल्लो।
 (श्रन्तरह)
- (2) हरोगवन्द्र गर्ग एण्ड श्रदर्ग, डी-69, लार्ड ज्रुष्णा रोड, श्रादर्ग नगर, दिल्ली।

(ग्रन्ति)

कार्य यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यविसयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृतंतिस स्ववितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा?
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य स्थिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिधित में किए वा सर्कांगे।

स्वध्विकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा जक्क अधिनियम, के अध्यय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया वया है।

अनुसूची

10 बन क ई, राजन बानू रोड़, आदर्श नगर, दिल्लो तादादी 50 वर्ग गज ।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निर्शक्षण) स्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 4~3─1986

मुक्तपः आर्दः टी. एवः, एकः, - - - -

जायकर जीभीनयम, 1961 (155 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीन सूर्यमा

मार्च बद्रवाड

कार्यानयः, संप्रायक वायकर वायुरः (निरीक्षण)

म्प्रजीन रेंज-2, नई-विल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 4 मार्च 1986

निवेश सं० श्राई० ए० सीः०/एक्यू०/2,एस० श्रार०/ 17-85/152--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

श्रामकर का भिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 12, रोड नं० 85 है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्षय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्मत्ति का उपित बाजार भूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का प्रतिकृत प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत , निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक क्य में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) लन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उसत को, जिन्हें भारतीय । बदर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) थे प्रयाजन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया नथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

वतः अव, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण भा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिबित स्ट्रीक्तयों, अर्थात् क्र--

- (1) श्री जगर्वास चन्द्र कोहली, 10,29, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली श्रीर 15, नार्थ एवन्यू पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री बलजीत सिंह गम्भीर एण्ड श्रीमती डोली गम्भीर, 40,44, पंणाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्टेंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हाः

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरा के पास तिकित में किए का सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दर्गनीय पर्वो का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया वदा हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 12, रोड नं० 85, पंजाबी बाग, दिल्ली फी होल्ड ।

> आर० पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रार्जन रेंज-2, नई विस्ली

तारीख : 4−3−1986 मोहर:

प्रकप बार्च . टी. एन. ह्व.

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के नभीम स्वना

शारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरक्षिण) भ्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 4 मार्च 1986

निदेण मं० श्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/7-85/153--श्रतः, मझे, श्रार० पी० राजेश,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 26% के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जियकी सं० ग्राउन्ड फ्लोर का पिछला हिस्सा मकान नं० 41, रोड, नं० 5 है तथा जो ईस्ट पणाबी बाग, गाँव दारापुर बत्तई, दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन नारीख जुलाई, 1985

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के अवजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते वह विक्याम करने का कारण है

कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रितिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योच्य से उत्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाद की वावत, उच्के अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपधारा (1)** के अभीन, जिल्ला**जित व्यक्तियों, वर्जन** कुल्ल (1) श्री राम बत्ता मल मुपुत्र श्री निहालचन्द कार्ता एचयूक मैसर्स राम दित्ता मल-निवासी रियर फोरसन मकान न० 41, रोड, न० 5, ईस्ट पजीबी बाग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्रोमती मधुपत्नी श्रीपवन कुमार गुण्ता, 4/3, पजाबी बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

इन्द्र संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क्क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सन्पत्ति में हित-बव्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित इ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

जन्स्ची

प्राउल्ड फ्लोर का पिछला हिस्सा मकान न० 41, रोड नं० 5; गौंब बमई दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारी**ख**: 4-3-1986

प्रकृष कार्ड, टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री भारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीत रेंज-2, नई दिल्लो नई दिल्ली, दिनाँक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 7-85/154-- श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

जायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी संव पोरणन श्रीर मकान है तथा जो ईस्ट पंजाबी
बाग, नंव 41, रोड, नव 5, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली में
स्थित हैं (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूत्री में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं)
रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुनाई,

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्धरण सं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विभिनियम के जभीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में मृत्रिधा के सिए; वॉर/या
- (ख) एमें किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के पर जनाथ अविश्वी दुनार। प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में मुनिधा बै विदः

बतः जब, उक्ते विभिनियम की भारा 269-ग सै बन्तरण बो, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को विभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) श्री नन्द लाल सुपुत्र श्री राम दित्ता, मल कार्त (एचयूक), श्री नन्द लाल एण्ड सन्म निवासी मकान नं० 41, नीड नं० 5, ईस्ट पंजाबी बाम, दिल्ली सामने का हिसा।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती शॉति देवी पत्नी श्रो फूल चन्द श्रॉर श्रीमती रेखा परनी श्री कृष्ण कुमार, 4/3/ पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

दक्त सम्पत्ति को भर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आखोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिकित में किसे जा सकर्ष।

स्वक्तीकरणः - इतमें प्रमुक्त सब्दों और पदों का, वो उत्तर विधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याम में दिया नवा हैं।

वन्त्र्य

सामने का हिस्पा । मकान नं० 41, रोड नं० 5, ईस्ट पंजाबी बाग, दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीखा : 4-3-1986

श्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंण-2, नई फिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०| एत्यू०| 2| ए.स.० प्रार०-1| 7-85| 155--अतः मुझे| आर० पी० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह शिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं प्रथम खंड श्रीर मकान नं 41, है तथा जो रोड़ नं 5, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली गाँव बमई दारापुर दिल्ली में स्थिन है (श्रीर इसमे उराबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जुलाई 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूधिधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (﴿) के अधीराः निम्निलिति व्यक्तिनयों, अर्थातुं —— 1. श्री संत लाल गुगुत्र राम दिला मल कार्ता एजयूफ संत लाल एंड प्रथम संस खंड, मकान नं० 41, रोड़ नं० 5, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती दुनारी पत्नी प्रेम चंद ग्रीर मुकेश कुमार सपुत्र फूल चंद, 4,3, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^र, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम खंड श्रीर मकात नं० 41, रोड़ नं०5, ईस्ट पंजाबी बाग, गाँव-बसई दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> श्रारः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 4-3-1986

मोहरा,

म्रूच्य बाइ^{*}० टी० ध्नु० एस०-------

शायकर संभिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीत स्थान

भारत सरकार

कार्यासय,, सहाधक आग्रकर नागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 5 मार्च 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 2,ए.स० ग्रार०-1, 7-85/ 156-∋ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश

बाधकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके इकके बक्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धरच 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार स्म्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 3473-75, 300.5 वर्ग गज है तथा जो निकल पन रोड़, नई दिल्ली में स्थित हैं (भीर इपसे उपास असुपूची में भीर पूर्ण का से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ती म्रधिकारी के कार्यीलय नई दिल्ली रेंग-2 में भारतीय आयकर मिंबिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात संभीधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सीवक रूप संभीधित नहीं किया गया है:—

- (क) बच्चरण ने हुई किसी जाय की वायब, उपन अधि-निवस के अधीन कर येने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में जुनिया के लिए; धीर/वा
- ्ष) एसी कियी नाव या कियी भन या जन्म बास्तिकों का जिल्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्स अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) छ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या या या वा वाहिए था. जियाने में सुविभा के लिए;

बत अब, उक्त जीभिनियम की भारा 269-ए के बन्धरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) क जभीत, निम्न**निवित व्यक्तियों, वर्षाह** 1. श्री मुर्गाल चंद्र सृपुत्त व मलेशा कुमारी पत्नी स्वर्गीय प्रेम चंद, 1106, बाजार गिलयान, जमा मस्जिद दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 मेतर्स मनसोत प्रांतर्रीं प्रांत निमिटेंड एन-155 पंचणील पार्क नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारांच सें 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्प्रत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा तकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगे। जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फी होल्ड 1 प्लाट नं० 3473 तादादी 300.5 वर्ग गण 242 वर्ग मीटर, निकलपन रोड़, नई दिल्ली।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रजेंत रेंज-2, नई दिल्ली-110002

नारीख: 5-3-1**98**6

प्ररूप आई..टी..एन .एस..----

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्प्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू० 2, एस० श्रार०-1, 7-85, 157—श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपृत्ति, विश्वका उषित साधार मून्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 0.1, 4, भाग बेंसमेंट है तथा जो नार्थ वेस्ट फ्रन्ट साइड कोमन स्टेंयरम् एन०-104, कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रीभी, तारीख जुलाई, 1985

को प्वींक्त संपित्त के उधित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उधित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 वि. 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्द्रहरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अजीत, जिल्लासित व्यक्तियों, अर्थात् :— 23—16 GI/86 मेनर्स शिवलोक अवार्टमेंट इंडिया प्रा० लिमिटेड 410, नई दिल्लो हाउस, 27, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली-1।

(श्रन्तरक)

2. श्रोमती रजनी बन्ना पत्नी धर्म पाल बन्ना एन-20, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4, भाग बेंगमेंट, नार्थ-बेस्ट फंट साइड, कोमन स्टेंयरस् 800 वर्ग फीट एन०-104, कीर्ति नगर, नई दिल्लो-2 फी होल्ड।

> स्नार०पी० राजेश ाक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

इसमें नारि टी ु पुन**ु पुन**्रिस्टरराज्यक

भायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन क्षवा

THE THE

कार्याचन , प्रहानक नायकङ नावुक्त (विद्रक्षिक)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांस 5 मार्च 1986

निर्वेण सं० [ग्रई-3₁ 37-ईई₁ 22922₁ 85-86--- मृतः मृमो; ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मुख्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिलकी सं० भूमि का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 231 सी०टी० एप० नं० 5, 5/1, 5/2 है तथा जो कुर्ला (पूर्व), तालूका कुर्ला, अम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो हैं, तारीख जुलाई, 1985

को पूनां अत सम्पत्ति को उणित बाजार मृस्य सं कम को दश्यमान विकास को जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्सांस करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाखार मृस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोत्तशत से प्रथिक है और अंतरक (अंतरकों) बोर अंतरित (अन्तरित्यों) के बीथ ऐसे अन्तरण को निए तय शाया पदा कितिफल, निम्नलिखित उस्दोर्य से उन्हें कर्यान स्वार्थ का कारण से सम्पत्ति कर से स्वित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण सं हुई सिन्धी चाच की बानदा इवच अधिनियम के बधीन कर द'ने के बन्तरक के वायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा की लिएए और/मा
- को किसी नाय या किसी यन या अपन शास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विश्या जाना चाहिए था, क्रियाने जें स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुबरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (†) के अधीन निम्निविषक व्यक्तिस्तें, अर्थाव :---- 1. श्री बो० बी० निगुडकर श्रीर श्रन्य।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रेमजी एम० राम्भीया और अन्य।

(भ्रन्तरिती)

को वह पूर्णमा जादी कारके पृथेक्ति सम्मति के वर्णन के लिए कार्यवाद्यिमां कारता हां ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के इंबेप में कोई थी बाओप ---

- (क) इब बुक्ता के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की संविध् या तत्सम्बन्धी मनिवासों पर सूक्ता की तामील से 30 दिन की संविध, यो भी संविध माँ समाप्त क्षेती हो, के मीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति इवार;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाधन की तारीख वें 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिए-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रसाक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंने।

स्त्रभाष्टिकरण: ---इसमें प्रमुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त काधिनियम, के बच्चाम 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याव में विका गया है।

बन्त्यी

भूमि का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 231, सी० टी० एस० नं० 5, 5_l 1, 5_l 2, कुर्ला (पूर्व), तालूका कुर्ला, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3,37-ईई,22922,85-86 अंग्र जो तक्षम प्राधिकारी बस्बई ढारा दिनाँक 1-7-1985 को र्जिस्टर्ड किया यया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-3, बम्बई

विनौक: 5-3-1986

मोहरः

प्रक्रम भाष्ट्रीः दी. एमा. एस. -----

भाषकर विभिन्निम्न, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के बचीन सूचना

शारक सरकार

श्चावित्र , सहायकः जायकर जायकतः (विरीक्तन) प्रजीत रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 4 मार्च 1986

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1// 7-85/159---यतं:, मुझे श्रार० पी० राजेश

जावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उन्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्प्रित, जिसका स्वित बाजार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 1/4 भाग बेसमेंट है, तथा जो एन०-104, कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रींग पूर्ण रूप से बॉणत है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजेस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1985 की प्रांचित सम्पत्ति के दिल्ली कारा मुख्य से कम के स्थयान

प्रांतफल के लिए अंतरित की गईं है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रांवल सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियन उद्देश्य क उक्त अंतरण मिखित में बास्तिवक रूप से किथन नहीं किया पया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बायत, उपत अधि-नियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए, बार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों आरतीय आयकर अधिनिधम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा औ तिए:

अत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपगारा (1) के स्थी।, गिक्निनिस्त व्यक्तियों मार्चा क्र--

1. मेसर्स शिवलोक श्रपार्टमेंट झंड़िया प्रा० लिमिटेड 410, नई दिल्ली हाउम, 27, बाराखम्बा रोड़ नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती दया बन्ना पत्नी यशपाल बन्ना एन०-20;
 कीर्ति नगर नई दिल्ली-15।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्चन के जिल्लु कार्यवाहियां करता हुएं ॥

उन्त क्रमिति के वर्षक भी तम्बन्ध में क्रोड़ों भी बाक्षेत्र छन्छ

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशम की तारीश है 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वता की तामील से 30 विन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील सं 45 दिन के भीतर अक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जगाहस्ताक्षरी क पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियभ के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

भ्रनुसूची

1/4 भाग वे स्पेंट पाउथ-वे-ए-नाइड कीमा रटेंबरस् 800 वर्ग फीट एन-104 कीनि नगर नईदिल्ली फी होल्डा

> श्वार०पी० राजेश ाक्षम प्राविकारी सहायक श्वापकर ऋप्रुवन (िरिक्षण) श्वर्जन रेज-2 विल्ली नई विल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

मं(हर:

प्रकल जाहरू हो . एन . एस . -----

भावकार सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) से सभीन सुम्हा

BITTE BYEN

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2 नई दिल्लो

नई दिल्ली, दिनाँक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/7,70 ब्रार०-1/7-85/160--यतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

कायकर अधितिकम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्के प्रश्नात् 'उस्त अधितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-अ के अभीन सक्षम प्रतिभक्तारों को यह किरवास करने का कारण हैं कि स्थापर उप्यक्ति, जिसका उत्तित काळार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 1/4 भाग धरातल खन्ड है तथा जो माउथ वेस्ट लाइड कोमन स्टेयरस् 800 वर्ग फंट 104 कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपवद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वाणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ती में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1508 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

की पृश्वित सम्पत्ति की उपित बाजार मून्य है कम के स्वयमान श्रीपफा के लिए अन्तरित की गर्य है बीर दूसे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, इसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्म बाम प्रतिफस का पश्च प्रतिकृत से अधिक है और अतरक (अंत कों) और संतरिती (अंति तियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- एंक) वस्तरण से हुइ किसी वाय की वायतः, उपत विविध्यत के बधीन कर वर्ष के बंधरक के अभिन्य के कभी कार्य का बस्क बच्चे में स्विधा के सिद्ध; और/धः
- (क) एकी किसी बाय या किसी धन या क्य किसी की, विनहीं भारतीय लागकार के विनिक्षत , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिक्षत , या धनकार अधिनिक्षत , या धनकार अधिनिक्षत , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती ब्वारा अकट नहीं किया गया था या किया बागा वाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

नतः सम, उनतं विभिनियमं की भारा 269-म् के मनुस्रम् मी, मी, उनतं विभिनियमं की धारा 269-म की उपभाग 111 के मधीन, निम्नलिखित स्थितयों, वर्षाम् ॥—— मेनर्स णिवलोक प्रपार्टमेंट इंडिया प्रा० लिमिटेड 410, नई विल्ली हाउन, 27, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री यणपाल बना सुपुत कुंदन लाल बन्ना एन०-20, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-110015।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृष्ठोंका सम्मत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

समय होपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई मी नार्कप:---

- (क) इस तुष्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों इर तृष्ता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त सम्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

-

1/4, भाग घरातल खण्ड साऊथ साइड, कोमन स्टेयरस् 800 वर्ग फीट,। एन०-104, कीर्ति नगर, नई दिल्ली फी होल्ड।

> श्रारः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-3-1986

RET TIT E . CHE . CHE . THE PERSONNEL

नायकर विधिनियम, 1981 (1961 का 43) का पाच 269-व (1) के जधीन सूचना

शाक्ष शरकार

भागीयन, सद्भावक वायकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंग-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनाँक 4 मार्च, 1986

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०,एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1, 7-85,161—-ग्रनः मुझे, श्रार० पी० राजेण

कायकर किंभिनियम, 1961 (1967 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्कात् 'उक्त किंभिनियम' कहा गया हैं), की धाए 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित शाखार मूक्च 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी सं० प्लाट नं० 7.1 ब्लाक जी, 150 वर्ग गज है तथा जो बालीनगर, दिब्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपा-वद्ध अनु सूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान मिलिका के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह जिल्लास करने का कारण है कि रभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित अलार सून्य, उसके दश्यमान प्रतिकास है, एंचे इस्प्रमान प्रतिकास का पेदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारितियों) के बीच एंचे बन्तरण के बिए तब शास क्या प्रतिक का निम्नितिखित उद्वरिय से उचत अंतरण निवित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- ्रिक) बल्दरण से सुर्ध किसी बाव की बावब , स्वरंध अर्द्धिनियय में अधीन कर दोने के अन्तरण में धायिए में कमी करने वा उससे वसने में सुविधा में बिए; बीट/वा
- (क) हुरी किसी बाय ना किसी पन ना सन्य नास्तियों नते, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्वीक्सर्य प्रमृद्धिती कुनारा प्रस्ट नहीं किसा पना ना ना किया बोला पार्टिश मा, कियाने के कविना में किया

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :----

- श्री देविन्द्र कृमार खन्ना सुपुत्र द्वारका दास खन्ना निवासी सी० ए/32/1, टैगोर गार्डन, नई दिल्नी। (ग्रन्तरक)
- श्रीमतो रोना वाधवा पत्नो राजनुमार वधा 8820, नथा मोहल्ला, पुल बाँगूम, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत् स्थारितः के नर्जन के सम्मारम में कोई मी शाक्षेतः न

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनिव या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की जनिव, थो औं व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के नितर प्रविक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्तियां हुं सरा
- (क) इस त्यान के राज्यन के प्रकारन की धारीय है 45 दिन के शांधर उस्त स्थान्त सम्मित में हितनकृष् किसी सम्भ स्थानत द्वारा नभोहस्त शर्भ के पास सिवत में किए या सकेंगे।

ल्काकरण:--इसमें प्रयुक्त घट्यों भीर पर्यों का, को सकत महिन्दिया, में क्ष्मान 20-क को न्रिभाषित ही, वहीं मची होगा को उस अध्याय को विशा भया ही।

ननसंची

मकान प्लाट नं० 74 ब्लाब जी, एरियण:150, वर्ग गज बाली नगर, दिल्ली गाँव--बसई दारापुर, दिल्ली।

> म्रार०पो० राजेम पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीजण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 1 4-3-1986 _। मोहर: प्रक्ष काइं.टी.एन.एस. :------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

मारत तरकार

कार्याजन, तहाबक जायकर जायका (निर्यक्तिक) श्रर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एस्यू०, 2/एस० आर०-1/ 7-85/163--म्रतः मुझे म्रार० पी० राजेश

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्के पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ए के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सस्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं प्रापर्टी नैं बी क, 557-558 हैं, तथा जो कटरा असर्फी, चाँधनी चौक दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इमसे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वाँगत है), रिजस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

का पूर्वोक्षत संपरित के उचित बाजार मृख्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि मधा पूर्वोक्षत संपरित का उचित बाजार मृस्य,, उसके क्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशद से बर्धिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निविचत उद्वेषय से उच्त अन्तरण लिचत में बास्तविक रूप से क्षित नहुँ किया गया है

- (क) बलाइच च हुई किजी मान की बाबस, शबस विजियन के बंधींग कर पोनी के अन्तरक के बामित्व में कमी क्युने वा उससे पचने में सुविधा के लिए; बीट/वा
- (ए) एंसी किनी नाम वा किसी भून था नत्म मास्तिनों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्त्व विभिन्यम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इक्षेत्रार्थ क्लारियों इवारा प्रकट नहीं किया वया वा ना हिन्दा बाला लाहिए वा किन्दा में स्विभा के सिक्;

शिष्टः नेन, सम्बर्ध काणिनियम की भारा 269 म के सम्भारक माँ, माँ, उन्नत अधिनियम की भारा 269 म की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए--- श्रीमतो बोरो देवी व श्रीमती कृपना देवी निवासी ई-543, श्रीर बोल्। 359, न्यू फेंडस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्रमृत कीर इन्दरजीत सिंह निवासी ई०-६ राजौरी गार्डन, 4, नई विल्ली मकान नं 6, रोड़ नं 0 48, पंजाबी बाग, नई विल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्ववाहिकों करता हूं।

वक्त सम्मति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद :---

- (क) इस ब्रुक्ता के राजपन में प्रकाशन की तार्विक से 45 दिन की अपिथ मा तत्त्र अप्यो व्यवस्थि पर स्कार की तार्वीक से 30 दिन की जनभि, को भी अपिथ बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्विकाशों में से किसी व्यवस्त बुवारा;
- (w) इंड सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख हैं
 45 विष के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 नाम सिवित में किए या तकीन ।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० बो०, 557-558 कटरा ग्रशकीं, चाँदनी चौंक दिल्ली।

> न्नार०पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 4-3-1986

प्रकप काई .टी. एन. एस...-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुभना

भारत चरकार

कार्यालयः, सहायक शायकर शायुक्त (निरक्षिण) प्रार्णन रेंज-2, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०,एक्यू०, 2,एस० आर०-1, 7-85,164--आतः मुझे आर० पी० राजेश

'चायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इंसको पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

का पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मृल्य से कम के स्परमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंशरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पांचा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देष्ट से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के निए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: लव, उक्त अधिनियम की पारा 269-न की अपूबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीजिकिक व्यक्तियों, वर्णीय ह—— श्री इन्दर कुमार जैन मुपुत्र गुभकरत दास जैन निवासी 1864 श्रीमहालक्ष्मी मार्किट चाँदनी चौंक दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती स्नेह लना जैन पत्नी हैम चंद जैन ए-286 विकासपुरी दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के अफर्यन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी स्थिवत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकींगे।

स्थळिकरण: ---इसमे प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विया गया है।

वन्स्ची

फैक्टरी बिल्डिंग लाट नं 17, डी ० एत ० एफ ० इन्छस्-ट्रीयल एरिया, नजफगढ़ रोड़ दिल्ली । तादादी 425 वर्ग गज।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-2, विरुली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

मोहरः

remainment of the party party

शासकर निभ्नियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-प (1) के नभीन स्पता

कारक सरकार

कार्यातक, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

, म्राजेन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० श्रार०-1, 7-85,165—-ग्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश

गायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'छक्त जिथिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 च के मधीन क्षक्रम प्राधिकारी को, थह बिक्ंज करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका उचित बाजार मुल्थ

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ए०-2,54 है तथा जो राजौरी गार्डन गाँव बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूचि में ग्रीर पूर्ण रूप से वणिन है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1909 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिएफल को लिए अन्सरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूक्य, असके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंसरितियों) के बीच एसे अंतरिण के सिक तय पावा बचा प्रतिकात, निग्ननिचित उद्देश्य से उक्स अंदरण सिकित में काला-विक क्य से किया नहीं किया वदा है है—

- (क) बन्तरण से झूड़ कि वी बाब की बाबत, उसत अधि-निवंश के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायिएन में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: भौर/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा चे सिह;

अप्तः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६——

- 1. श्रो श्रमरोह निह् चावला सुपुत्र श्रस्ता निह् निवासी जे०-7/13, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (श्रनारह)
- श्री क्रम दन सुपुत्र स्वर्गीय बी० राम निवासी-बी-1/598, जनकपुरी, नई दिल्ली। (भन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पुर्वोक्त सुम्परित के अर्जन के जिल्ल कार्यनाहियां अरता हुं।

वक्त ब्रम्मीत्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रवक्षण को तारींच से 45 विव की अविधि मा तस्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर सूचन. की ताबींच ते 30 वित् की अवृधि, को भी वविध वाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्ति व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्तिस् व्यक्तिस्य;
- [क] इस ल्याम के राजपण में प्रकाशन की तारीध से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
 पास लिकित में किस वा सकोंगे।

स्पक्तीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

मकान एउ० एस० लाट नं० ए०-2/54, एम० जी० 290 वर्ग गजै। राजौरी गार्डन, गाँव-बमई दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> श्रार०पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप ६ हो । पुन् पुर्व जनसङ्ख्यासम्बद्धाः

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुख्या

भारत तरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रार्जन रेंज-2, नई दिस्ति।

नई दिल्लो, दिनाँक 4 मार्च 1986

निर्वेण सं० श्राई० ए० सी०/एम्q०/2/एस० श्रार०-1/7-85/166--श्रतः मुसे, श्रार० पी० राजेण

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की भारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हाँ कि उधावर मंगीना, जिनका उचित वाजार भूक्य 1,00,000/- रा. से नधिक हाँ

ग्रौर जिनकी सं० 879/1 है तथा जो किदार बिल्डिंग सब्जी मंडी, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को प्रतिक्षित सम्पत्ति के उधित बाजार मृस्य से कम के रक्ष्यमाण प्रतिकल के निए अंतरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृस्य, जसके क्ष्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकाल में उधिक है और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निक किया एक के क्षरण निम्निक में बास्तिकल के पंद्रह भी किया एक के सिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निक किया एक के क्षरण निम्निक में बास्तिकल के पंत्रक के सिए तय पाया गया प्रतिकल के पंत्रक के सिए तया प्रतिकल के पंत्रक के सिए तया प्रतिकल के प्रतिक

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्सरक को पाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सबिधा के नित्तः विर्ाश्वितियाः
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी भन १, १८० प्रास्तिक्तं की, जिल्हां भारतीय जायकर अधिनियम, 1992 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वे निगर।

लतः जनः, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग की जनुसरक भी, भी, प्रकार सीधीनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन विक्रिकालित क्यं/क्यांगी, जधाति:— 24---16 GI/86 श्री श्रात्मा राम जैन मुपुत रघुनाय सहाय निवासी सी० सी०-4/37, सफदरजंग डेवेल्पमेंट एरिया, नई दिस्ली।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती ग्रनीता पत्नी सुरेन्द्र कुमार।
 - (2) श्रीमतो गीता रानी पत्नी नरेन्त्र कुमार।
 - (3) श्रीमती इंदू पत्नी विजय कुमार।
 - (4) श्री विजय कुमार सुपुत्र पन्ना लाल ।
 - (5) श्री पन्ना लाल पुपुत्र मुन्नी लाल।
 - (6) श्रीमती कृपता वेबी पत्नी पन्ना लाल निवासी--कूपा लाटू साह, दरीबा कंला, विल्लो।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करकं पूर्वाक्ति सञ्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

तकत सम्मति के वर्षन के संबंध में को**ई भी धार्या**क रू--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध माद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स स्विकतयों में सं किसी व्यक्तिस स्वारा;
- . (का) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच च 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्साक्षरी के पास तिसित्त में किए जा सक्षेत्र।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नवा है।

श्रनुसूची

प्लाट नं ० 879/1, की तर बिल्डिंग, सब्जी मंडी, दिल्ली।

श्चार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-2, दिल्लो, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

प्रचय नाहाँ की स्व स्त . -----

भायकर विभिनिमस, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-व (1) की लगीन सूचना

भारत सहस्राह

कार्याव व, सञ्चायक वायकार काव्यात (निरासिका)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 4 मार्च, 1986

निर्वेश सं० आई० ए० सी०,एक्यू०, 2,एस० आर०-1, 7-85,167--अनः मुझे, आर० पी० राजेश बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् (उक्त अधिनियम) कहा गया हैं), की धारा 269-% के अधीन सक्षम गाधिकारी को एक विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं और जिनको सं० नी-419, 100 वर्ग गज है नथा जो

श्रीर जिनको सं नी-419, 100 वर्ष गण है नथा जो मणिल पार्क, दिल्ली-33 में स्थित है (श्रीर इसके उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से लिणत है), रिजिस्ट्रीकर्सा श्रीधिकारी के पार्यात्य, नई दिल्ली में भारतीय रिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 18) के श्रीधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को अधित बाजार मूल्य से कम के स्वयंत्रम अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल जा पन्नाह प्रतिकत से शिवक है और अंतरक वंतरकों) और अत-क्ति (बंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया अतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उस्त अंतरण कि सित्य में वास्तिया रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरक में हुई किसी आय की बाबत, उन्नत अहिंब-वियम में अभीन कर दोने के अंतरक के विकास में कभी करने या उससे बचने में सविभा में निष्टः अरि/शा
- (क) इसी किसी बाब हा किसी धन वा जम्ब शास्तिकों को रिजाई भारतीय बाबकार साँधनियन, 1922 (1922 का 11) वा उचल सीधीननमं, वा धन-कार लिधिनमनं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनामं बंतरिती इंगरा प्रकट नहीं किया नया था या किया वाना बाह्यिए था, छिथाने भी सुविधना के जिस्

कतः इदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अमृहरू मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,, अर्थात् :--

- श्री गगन नाथ सुपुत्र मनोहर लाल निवासी 10417,
 बगीची प्रशाउद्दीन मगनीन 'गर्क दिल्ली-35।
 (ग्रन्तरक)
- 2. में तर्स मधू बंतल पत्नी रमेश चंद बंसल बी-419 गली नं० 4, मजलीस पार्क, दिल्ली-33।

(भ्रन्तरिती)-

को यह सूचना कारी करके पूर्वीकृत सम्पत्ति के बर्चन के बिस् कार्यवाहियां शृक्ष करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जबीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिमों में से किसा व्यक्ति व्यक्ति हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिमों में से किसा व्यक्ति व्यक्ति हुए।
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्किस में किए या सकेंगे।

स्यास्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, औ उक्ते अधि-नियम, से अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी अर्थ होंगा को तम अध्याय में विद्या कहा है।

ألحس

मकात नं० बी-419, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज मजलीय पार्क, दिल्ली-33।

> श्रार०पी० राजेश नक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 4-3-19**3**6

मोहरः

प्ररूप जाइ . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालव,, सहायक भागकर आगुक्त (निरुक्तिण)

धर्जन भें 150, ाई **दिल्ली**

नई दिल्ली, दिलींग 4 मार्च 1986

निर्देश सं वाई० ए० मील्एक्यूल्2/एस० श्रार०-1/ 7-85/168---श्रतः मुक्षे, स्थर० पीर० राजेश,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और िसर्का मं० 90.35 वर्ष गत हे तथा जो मकान नं० 879/1, िसार रिलिंडण, सक्जी मंडी, रिल्ली में स्थित हैं (जीर इसने उपाबद्ध प्रमुर्की में और पूर्ण क्य ने विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पद्दी दिल्ली में रिजिस्ट्रीकर्रण अधिकारी 1908 (1908 का 16) के धर्धान, तारीक्ष जुलाई, 1985

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वितत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तिगितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्निकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से इन्हें किसी आय की बाबत, खबत नियम के अभीन कर कोने के अन्तरक के वायित्व में कभी अरने या उक्षसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत हव, उक्त जीभीनवभ की भारा 269-ग के अनुसरण हैं, ग्रं-, उक्त औभीनवभ को भारा 269-च की उपधारा (1) के अभोतः निक्सीलीकत स्थावकार्वे अभीत ८——

- श्री त्रिनोट कृषाः जै । सुपुत्र धात्मा राम जैन सी०-4/37, सफदरजंश डेवेलयमेंट एरिया, नई दिल्ली। (धन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती अनीता पत्नी सुरेन्द्र कुमार।
 - (2) र्शांभर्ता गीला जानी पत्नी नरेन्द्र कुमार।
 - (3) श्रोमतो इंदू पत्ना विजय कुमार।
 - (4) श्री विजय कुमार भुपुत्र पन्ना लाल।
 - (5) श्री प्रशा लाल मुपुत्र मुर्झा लाल।
 - (6) श्रीभती कृषता देवी पत्नी पन्ना लाल ियामी सी०-1784, कूची लाटी णाह, दिवा कला, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह रुचना जागी करके पुर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तर्री व कें 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पाल निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रश्वन्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दिशाणिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में निया गया है।

भनुसूची

मकात नं ० 379/1, ोजदार बिल्डिंग, सब्जी मंडी, दिल्ली सब्जी मंडी, दिल्ली । 92.35 वर्ण गजा।

श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्र*ः*क्ष**ण)** श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

भक्त **मार्**, हो. दम. एक. n - - ----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के सभीत सुभना

भाउत सदकार

कार्यालय, तहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यृ०/2/एस० श्रार०-1/ 7-85/169--श्रत: मुझे, शार० पी० राजेश,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्यात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 879/1 है तथा जो कीदार बिल्डिंग, सब्जी मंडी नई दिल्ली में स्थित हैं, (और इससे उपाद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप तो विण्या है), बीजर्स्ट्रीकरण प्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, वारीक्ष जुलाई 1985

कां नुर्वोदत तब्पित के उपित वाजार मृस्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूना कित संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिष्ठ से अधिक हैं हैं और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शिच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिबिक हम्म से क्रिशत नहीं विश्वा गया है :--

- (क) अन्तरण संदुर्श किसी आवकी वावत, उसत विभिन्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व वा कार्यों करूपे या उसने वचन में स्विधा के निए वरि/या
- (क) इसी किसी जान ना किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीन जान-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजतार्थ अस्तिरती वृज्ञाचा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था किया वे स्विधा के स्विह;

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-च की अपधारा (1) अर्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- 1. श्री विभिन्न जैन सुपुत्र चिनोद कुमार जैन सी०-4/ 37, सफ्दरजंग डेवेल्पमेंट, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

- 2 (1) श्रीमती भ्रनीता पत्नी मुरेन्द्र कुमार,
 - (2) श्राप्तती गीता पत्नी तरेन्द्र कुमार।
 - (3) श्रीतिती इंदू पत्नी विजय कुमार ।
 - (4) र्श्वा विजय कुमार सुपुत पन्ना लाल।
 - (5) श्री पन्ना लाल पुपुत्र मुन्नी लाला।
 - (6) श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी पन्ना लाल 1784 कूचा लाटू गाप, दर्शका कलां, दिल्ली। (श्रनास्ति)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाशंप र--

- (क) इस स्वना को राज्यन में प्रकाशन की तारीश ने 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी स्विक्तयों वेश स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ , को मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंपारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की नारीक हैं 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्न, क्यूप किसी धन्त व्यक्ति स्थाय स्थाहस्ताक्षरी श्रे शास निकास में सिक्ष वा क्योंगे ≀

स्वयासम्बद्धाः प्रमुक्तः सन्दर्भे जीर पद्धां का, को उक्तः विधिनवन के अध्याय 20-क में परिस्माचिक ही, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया नवा ही।

अनुसूची

प्रोरणन नं० 879/1, किदार बिल्डिंग, सक्जी मंडी, दिल्ली।

श्रार०पी० राजेश मक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

प्रस्थ , बाइ' . टी . एवं एवं -

मासकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 (व) (1) के बचीन स्थना

शास्त्र करकार

कार्यालयः, मदायक भायकर आध्वतः (निरीक्षण) श्रजन रेज-2, नई दिल्ला

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986
निर्देश सं जाई ए ए सी श्रिप्तयू श्री एस श्रीर०-1/
7-85/170- श्रेतः मुझे, श्रीर० पी राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
बनके बहुधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
गरण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 879/7 है तथा जो कीदार बिल्डिंग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), रिजर्स्ट्रावर्ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजर्स्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

की पूर्वित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के खबमान विकास के लिए अंतरित की गई है और बुके यह विश्वास करने का कारण है कि वचाप्वींक्त सम्मित का दिया वासार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे रुखमान प्रतिफल का स्त्रह प्रतिकत से मिथक है और मंतरक (संतरकों) की बंद प्रति (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए गय पाया विवास निकासिक रूप से कामिक नहीं किया गया है देन

- (क) बंतरण से हुईं किसी बाब की वाबत , उक्त बंधिनियम के वधीन कर दोने के अंतरक के बांधित्व में कभी करने या उससे त्रचने में सुविगत भ न्नाए, जार/या
- (क) एसी किसी जाव या किसी थन या जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजाबनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान। चाहिए था, छिपाने यो स्तुविधा को निए,

कतः अच, उक्त विभिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण कां, मां उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उन्नधारा (1) के विभाग, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ह

- श्रीमती सुशीला देवी पत्नी विनोद कुमार जैन सी०-4/37, सफ्दरजंग डेवेल्पमेंट एरिया, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्रामती अनीता पत्नी सुरेन्द्र कुमार।
 - (2) श्रीमर्ता गीता रःनी पत्नी नरेन्द्र कुमार ।
 - (3) श्रीमती इंदू पत्नी चिजय कुनार।
 - (4) श्री विजय कुमार भुपुत पन्ना लाल।
 - (5) श्री पन्ना लाल सुपुत्र मुन्नी लाल।
 - (6) श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी पन्ना लाल 1784, कूचा लाटू शाह दरीबा कला, विल्ली।

को स्व अपना कारी करके द्वानित छ न्याति है वर्जन के लिए कामनाहिकां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी विकास पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त विकास में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्डिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असुची

पोरंशन प्रापर्टी नं० 879/1, कीदार बिल्डिंग, सब्जी मंडी, नई दिल्ली।

> मार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

मोहरः

प्रक्ष आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

सप्तर्वास्त्य, सङ्घायक गायकर जायुवस (निन्दीक्षण) धर्णन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोक 4 मार्च 1986

निर्वेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 7-85/171---श्रतः मुझे, आर०पी० राजेश,

वायकार मिशिनयम 1961 (1961 का 43) (विश्वे इत्यामें इत्यामें प्रकार प्रभात 'वन्य मिशिनवम' ब्याम क्या इति, की धारा 259-व को मधीन स्वाम प्राथमानी की वह किरवाद करने का अरुग है कि स्वाम सम्मादि , विश्वामा दिवह बाबार मुख्य 1,00,000/- क. से मिशिन है

अंदि जिसकी सं० के-3/5, तादावी 272.2 वर्ग गज है सथा जो माडल टाऊन, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिअस्ट्रीकित श्रीध-कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकिरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1965

को पूर्वोक्त तम्पति के उच्चि बाजार मूल्य से कम के क्षयमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान अतिफल से, एसे स्थ्यमान अतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधिक है और अंतरक बंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मीनिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिए विवत में शास्त्रहक रूप में किंचा नवा है :---

- (क) अंतरण से हुई फिसी आम की वायदा, उक्स विभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्ध और/वा
- (य) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- भनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविभा के लिए;

क्षतः कव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण . अं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च खपभारा (1) * वर्णन, निम्नीजिसित कार्यस्तान्त्रें, क्ष्मीन ---- 1. श्री जगत राम सुपुत्र सनवाल ऐंड दयावती पत्नी जगत राम निवासी बी०-130, डेरावाल नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री बलदेव राज चावला सुपुत सुन्दर दास घाचला, श्री सुदेश घावला पत्नी बलदेव राज घाचला नि-वासी — के० सी०/23-ए०, अगोव किहार, फेस-1, दिल्ली-52।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त संपत्ति के अर्जन के लि<mark>ए</mark> कार्यका**हियां करता ह**ूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस की अर्थाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर धूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (थ) इस स्थान, के राजण्य में प्रकाशन की तारीय से 45 विश्व के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हिए-वृद्ध किसी जन्म क्यांचर स्थादर अधोहस्ताकरी के वृश्य सिवित में किए या तकने।

स्वक्यक्रिक्याः—इसमें प्रयुक्त कार्यों और पर्यों का, को उनकें स्वितिकत्व के सध्याय 20-क में विरिधाणित हैं, कही क्षे होता को कह स्थान में दिक्स क्या हैं।

मयकारी

प्रोगर्टी नं० के०-3/5, तादादी 272.2 वर्ग गण माछल टाऊन, विस्ली-1।

> आरंजूपीं० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहाथक ग्राधकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख । 4-3-1986 मोहर:

अ**रुष बाइं्टी. एन . एस**् तननवतनननन

नामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाँक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 2_i एस० श्रार०-1/7-85/172--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेग,

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गरा हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- क. से अधिक है

- (क) अल्परण से **हर्ष किसी आय की बाबत, उप**त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्केश्य के कक्षी कराये के उपते के क्षिण के क्षिक् **सीर/का**
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी थन वा बन्ध आस्तिवों को, जिन्हों भारतीय अवकार विधितिवनन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अद आधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रवासिताम किसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया ६००० जिल्हा भारत को इस का जिनाने में स्थिता की लिए;

अन्तः भ्रदः, अक्षतः अभिनियम की भारा 26**9-ण को जनुबरण हो, हो, धक्त त्रीभीनमस की भारा 269-ण की उपभारा (1⁾ के सहीस जिल्लामिक जनिकायों क्रभीत् :---**

- 1. (1) श्रीमती ग्यान कौर पत्नी महिन्द्र निह
 - (2) श्री मुरेण पाल तिह पुत्र स्वर्गीय महिन्त्र पिह।

- (3) कुमारो पुर बलिबिन्दर कोर लुपुत्रों श्री महोन्द्र सिंह।
- (4) श्री सुद खीन्द्र सिंह पुत्र स्वर्गीय महेन्त्र सिंह ए०-2/59, राजौरी गार्धन, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

- (1) एस० रनजीत सिंह गुजराल सुपुत ग्यान सिंह गुजराल।
 - (2) श्रीमती श्रमरजीत कौर गुजराल पत्नी रनजीन सिंह गुजराल।
 - (3) श्री परमजीन लिह सुपुत्र मन मोहन नि-वासो-जे०-12/34, राजौरी गार्डम, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

तो यह तूमना जारा करके पुत्रीकृत समितिन की अक्रार का उस्तर कार्यपाहित्यों करका हो।

उन्त जन्मित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आध्येष '---

- (क) एस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शार्तक अं 45 विन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों एर स्थान की मामील से 30 विन की अवित्य, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थाबतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

चक्कीकरण:---इसमें प्रमुक्त सन्तरं और नधीं का, औं उद्यक्ष विधिनका के अध्याय 20-क में कीरभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगां को उस नध्यास में दिसा भवा तैं।

मन्स्पी

प्लाट नं० बी०-3/6, राजौरी गार्डन, गाँव बशर्द दारा-पुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

श्रार०पी० राजेश मक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज-2, दिल्ली, नई दि≈नो-110002

तारीख: 4-3-1986

प्रमण बाह्र ही . एवं . एवं .

बावकर बिधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269--व (1) के बंधीन मुचना भारत करकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-19 7-85/173---भ्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके उन्हें उन्हें (उन्हें सिमियम) कहा नया है), को भारा 269-ल के स्थीन नक्ष्म प्राधिकारी करें, यह रिव्हाल करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जियत बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 255 वर्ग गज प्लाट नं० 11, है, तथा जो बी-5 सिंगल स्टोरी राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है

(ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई 1985

ूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्कें करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्ण, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का रूप्ट्र प्रतिशत से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरका) और लन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एरे अन्तरण के जिए क्य पाना गया प्रतिफल निम्नितियात उद्योग्य से उक्स अन्तरण फिसित में वास्तियक कुछ से क्रिक्श नहीं किया गया है:---

- [क] बन्हरम से हुई किशी बाद की दावल उत्तत कीय विवृद्ध के क्यीन कर दोने के स्वारक के समिल में कर्मी करने ना क्याचे क्याने में वृद्धिमा के क्या; क्यीं-करने ना क्याचे क्याने में वृद्धिमा के क्या; क्यां-करने
- (स) एंसी किसी बाब वा किसी: धनः मा अस्य कास्तिवर्गं कों, जिन्हें जारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्क जिन्हिम था धन कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं क्लारिटी कुक्क प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिमाने से मौबधा के लिए।

असः अबः उक्त अधिनियम की धारा 269-गंके अम्सरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इंडिभीन, निक्नीकिति अधिकार्यों, क्लीन है—

- श्री मोतू मल पारीनी सुपुत स्वर्गीय धर्म दास पारीनी निवासी बी०-5/11, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती कमलजीत कौर पन्नी उधम सिह ग्रहल्वालिया।
 - (2) श्री ग्ररिवन्द प्रीत सिंह ग्रौर गुरप्रीत सिंह सुपुत्र उधम सिंह ग्राहलुव लिया निवासी सी ०-3,11, रेलबे कालोनी, किशन गंज,

(ग्रन्तरिती)

को बहु भूषना बारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के निश्

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस मुखना के सम्मन में प्रकासन की तारीक से 45 किन की समीम या तत्का करणी का नित्त में प्रकार की तारीक से 45 की समीम से 30 दिन की समीम, जो भी तबीम बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथ्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वास;
- (ख) इस सूचना को राजपन मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को नीतर उनत स्नावर तम्पत्ति में हितबब्ध किसी सन्य व्यक्ति इतारा अफोहस्ताकरी को पास निस्ति में किस् का सकोंने।

स्पञ्जीकरण:--इसमें प्रयूक्त कर्कों तीर वर्ष का, जी जक् वीपनिषय के वश्याव 20-क में वरिशायिक ही, वहीं कर्म होगा, जो उस वश्याव में दिवा गया ही।

ग्रनुसूची

सिंगल स्टोरी, प्लाट नं० 11, ब्लाक-5, तादादी 255 वर्ग गर्जे। राजौरी गार्डन, एरिया गाँव--बन्हें वारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> स्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

मोहरः

प्राक्षण **वार्ड** . टी. एन . एस ्चन्यस्य स्वयस्य

भायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) भी की भारा 269 थ (1) के अधीन संजन्म

भारत सरकाह

कार्यासय, तक्ष्यक बायकर बायुक्त (विरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० श्रार०-1, 7-85 174—-श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (थियों इसकों इसकों पश्चात् 'उनत अभिनियम' का नवा ही, की अध्य 269-स को अभीन सक्षेत्र प्राधिकारी को वह विश्वास करने का का आगरण ही कि यथापूजों का इंपित का उच्छित बाबार मूक्त, 1,00,000/- रा. से अभिक ही

भौर जिसकी सं० एक ढ़ाई स्टोरी मक्का मकान प्लाट नं० के०-88 है तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकतां श्रधि-कारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को प्वेबित सम्पिति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रममान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त संबत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के प्रतिकात से निषक है और कन्तरक (अन्तरका) कीर बन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच एसे जन्तरण से लिए तम पाना जना प्रतिकात, निम्लीविक उद्योगों से उच्छ अन्तर्थ किवित में अस्तिविक रूप से किवित नहीं किया गया है है—

- (क) सन्तरम् वे हुई किसी बाव की वास्त्र, उपक् मौत्रीपन्त्र के बसीप कर दोने के सन्तर्रक के क्षित्र, मौ किसी करने वा उन्तर्त वचने यो कृतिया के निष्ठ; भीर/मा
- (क) एकी किसी वाच ना किसी जन ना सन्त आसिसाओं को चिन्हें भारतीय साथ-कर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) ना ज़क्य विभिनयम, ना धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा वा किया काना चाहिए था, कियाने में सुविधा से लिए:

बत: अब, उक्त मांधनियम की भारा 269-ग को, अनूसरण बों, बें, अन्त बोंधनियम की धारा 269-म की उपभारा (१) को अधीन, निमालिसित व्यक्तियों, बर्धात् :---25---16 GL/86 श्री दीना नाथ कौल मुपुत्र कें शो राम कौल के०-88, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मेससं सुरज प्रकाश साहनी एण्ड संस एव० यू० एफ० द्वारा राकेश साहनी सुपुत्त स्वर्गीय सुरत प्रकाश सहानी 4/41, वेस्टेंरन एक्स्टेंशन एरिया, करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करूके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

दक्त सम्मति के वर्षन के बस्पत्य वो कोई भी जाकोप ह---

- (क) इन्न सूचना के भूजपन में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की नविभ या तरतम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की नविभ, को भी नविभ शद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वित्यों में से किसी स्पन्ति स्वाच;
- (त) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की सारीश से 45 दिन के मीतार सकत स्थानर सम्पत्ति में हितनश्च किसी बन्न स्थानित श्वारा नभोहस्ताश्वरी के वास हिताबत में किस वा सुक्षेत्र ।

धनुसूची

एक ढाई स्टोरी पनका मकान । प्लाट नं० के०-88, कीर्ति नगर, नई दिल्ली 150 वर्ग गण।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक: 5-2-1986

म्बन् वाह्र', टी.सन्.स्य.---व्यवस्थान

কাৰডার ৰশিপিৰ্যন, 1961 (1961 কা 43) কাঁ খায় 269-৭ (1) কাঁ ৰখীৰ মুখ্যা

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक बावकर नायुक्त (निर्दाक्तिक) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 4 मार्च 1986

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू०, 2, एस० भार०-1, 7-85, 175—भतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इच्चें इच्चें परेपात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा ही, की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 1.00.000/~ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ए०-7 धरातल खंड है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावत प्रनुसूवी में पूर्ण रूप ने विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1985

करे पूर्वोक्त संपर्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के रहयमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाबार बून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे द्वायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरुकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्ला में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्न

- (क) कन्तरण संहुदं किसी काय की वावतः, उक्त वीधनियत्र को अधीन कर देने को अन्तरक को वाधित्य में कमी करने या उत्तरी वर्षा में कृष्टिधा वी खिल; और/या
- (क) एसी किसी बाद वा किसी धन वा बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाद-कर अधिनियम, 1922 (1932 का 11) या इक्त अधिनियम, 23 प्रकार अधिनियम, 23 प्रकार अधिनियम, 27) के प्रयोग्यमकी सन्तिरिती द्वारा प्रकट महीं किया ज्या का का का किया जाना चाहिए वा किया जे वाकिया के लिए;

बतः सथ, उक्त बिधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण बी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में बुधीम निम्नसिचित व्यक्तियों अधात हुन्स ्री श्रोम प्रकाण संगल सुपृत्न विधानदास सहगल बोन् 161, सम्दरगंज एंकलेव, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)

 श्री कमलेश खोतला मुपुत्र धर्म प्रकाश खोतला ए-7, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्षन के विश् कार्यवाहिमां शुरू करता हूं।

तकत बन्दरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी कार्या ३००

- (क) क्ष्म सूचवा चै राजपूत्र में प्रकारत की तारांच वें 45 विन की अवधि वा त्राव्यमांथी व्यक्तियों वर सूचवा की तामील से 30 विन की अवधि, ने भी जबीन वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त ध्वितवों में से किसी व्यक्ति ब्यारत;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख छ 45 दिन के भीतर उंजस स्थावर सम्पत्ति में हिद्वबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कृत्यों और पर्यों का, को उक्त स्विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं कर्ष होगा को उत्त संध्याय में विया गया है।

नन्स्यी

धरातल खंड प्रापर्टी नं० ए० -7, एरिया 217 वर्ग गज, राजौरी गार्डन क्षेत्रफल बमई दारापुर, दिल्ली दिल्ली राज्य। फ्री होल्ड।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्कत (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

मोहरः

प्रकार कार्य हो प्रमान्य हो ।

बावकार विधितियम्, 1961 (1961 का 43): की धारा 269-व (1) के बंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्धातय, सहायक नायकरु नायकर (निर्दासक)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1936

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/ एस० आर०/1 7-85/176---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

कामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गावार मृत्य 1,00,000/ रहन से अधिक हैं

अंद जिसकी मं० ए-7, फहली व दूसरी मंजिल है तथा जो राजौरी गार्ड-; नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीयाती प्रधि-कारी के आयोजिए नई दिल्ली में रिजस्ट्रीयारण प्रधि-नियम 1903 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकृत से स्थिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाना ज्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्या या है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोक्रकार्थ अंतिस्ती स्वकर प्रकट नहीं किया गया का या किया आता सामा किया सामा का किया सामा के लिए;

नतः नन, उक्त निधितयम की धारा 269-म के जनसरण ने, में, उक्त निधितयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के निधित, निम्निसिक स्वित्वकों, सर्वात के 1. श्रीमती भगवती सहगल पत्नी स्वर्गीय विशन दास सहगल बो-5/161, सफ्दरजंग, एंक्लेब, नई दिल्लो।

(अन्तरक)

2. श्री धर्म प्रकाश खोसला सुपुत कृशन खोसला ए-7, राजौरी गार्डन, नई दिस्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोत्रस सम्पन्ति के कर्चन के सिक् कार्यवाहियां सुक्ष करता हुई।

वक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी शाबीय हरू

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की हारनेश से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीज से 30 दिन की व्यक्ति सो भी जबधि या में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संम्यति में हित्यद्व किसी बन्य निवत वृद्धारा क्याहस्त्यावारी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

लाक किरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया गवा हैं।

मन्स्यो

प्रथम अोर द्वरा छण्ड प्रोपर्टी नं ० ए०-७, तादादी 21७ वर्ग गज राजीरी गार्डी, नहीं दिल्नी बसही दारापुर, दिल्ली। दिल्ली राज्य फी होल्ड ।

> श्रार० पी० पाजेश सक्षम प्राविकारी सहा∷ं भागकर शायुका (िरंक्षण) प्रजीतरें के-2, नदे दिल्ली-110002

दारीख: 4-3-1966

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---- -

आक्राप्तकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

HIST THEFT

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं अहि एउ सं विषयू व 1 एमव आर०-1 7-85/177---अतः मुझे, आरउ पी राजे म भाषकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के जधीन समान प्रतिकारी को वह विद्यास करने का भारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उधित वाजार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 7/31, हैं तथा जो पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (ऑर इसके उपावज अनुभूवी में आर पूर्ण रूप में बर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

ी पूर्वोबत सम्मित्त के उत्तित बाबार मूम्ब से फाम के कावाम अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्हें यह ज़िक्साब करने का कारण है कि मथापूर्वोबत सम्मित को उत्तिस बाजार मूम्य, जसके बश्यमान प्रतिफल से एमं क्रियमान प्रतिफल की बन्दर प्रतिफल से मित्र प्रतिफल के बन्दर प्रतिकत से अधिक है और बंतरक (बंतरफों) को ये मंतरिती (बन्तरितिकों) के योच एसे बन्दरण के निष्णाय पापा प्या ध्रिक्का, दिस्तिविद्य उद्योक्त से उत्तर अव्युक्त विद्यालय विद्यालय है हिन्दर के बन्दर अव्युक्त विद्यालय के बन्दर अव्युक्त विद्यालय के बन्दर अव्युक्त विद्यालय के बन्दर के

- (क) वंतरण से हुए किसी बाद की वावत, उन्हा अर्थ-तितम के वभीत कर दोने के बंतरवा के दायित्व के कमी करने था अससे वचने में सुविधा के किए; बार/का
- (ण) एती किसी आव या किसी धन य अप्य बास्तियों को चिन्हें भारतीय नायकर विशेषित्रया, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधि नेवस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) जे प्रयोजनार्थ मंतरिसी इवारा प्रकट हिंदी किया यथा या मा किया बाना बाहिए था, विधान में सुविधा के लिए।

बतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श ाती उपधारा (1) ﴿ स्थीन, निम्निस्थित व्यक्तिस्थित क्ष्मितः श्रीमतो हरसरन कौर 7/31, एस० पी० नगर, दिल्ली।

(शस्त्ररक)

2. डा० इन्दू खुराना 7/31, एस० पी० नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्या के द्रावपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पड़ सृष्या की तामीस से 30 दिन की संविध, को भी संविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी स्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन को तारीच के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविध्य में किए आ दक्षेत्र के

स्वध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, को उपक विभिन्निम के कथ्याम 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं क्या होगा को उस कथ्याम में दिवा नवा हो।

नन्सूची

7/31, साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली।

श्रार०पी० राजेण सक्षम गाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

मोहरः

प्रकृष् नाइ.सी.एन.एस्.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भागकर आयुक्त (निर्राक्षक)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० भाई० ए० मो०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/ 7-85/178---शत। मुझे आर० पं≀० राजेश

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणितं बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

तथा जो सं० 4393-4399 है, जो 5 ए, अंसारी रोड, विरागिज, नई विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाधन्न अनु-सूची में और पूर्ण रूप ने विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारोख जुलाई 1985 को पूर्विक्त सम्पत्ति के जिस्त बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिख उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अप या किसी भन या अप आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धन-भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति (तौ व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनानं में सृविधा से आए;

खड: वब, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की अनुसरक भें., में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ध्रे वधीम, निकासियक काक्टियों, वर्षांच :--- 1. श्रो ज्योति प्रसाद विसन लाल एच०यूक बी-518, न्यू फेंड कालोनी, नई दिल्लो हारा विसन लाल क्लाइंशा नुपूत्र ज्योति प्रसाद निवासी बी-518, न्यू फेंड कालोनी, नई दिल्ली की।

(भ्रन्तर्क)

2. वेस्. कोस्ट पेपर मिन्स लिमिटेड जारी मल सोमानी मार्ग, श्रीनिवास हाउस, कोर्ट।

(अन्तरिती)

का वह सूचना पारी करके पूर्वोक्त कमित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उभत नपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी क्यनितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वोक्च क्यां क्सां में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीचं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- स्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याद में विका मया है।

वर्ष्यी

प्रथम खण्ड, 1300 वर्ग फीट । 5-ए०, अंसारी रोह, दरिया गंज नई दिल्ली -110002, नं 4398-4399।

श्रार० पं '० राजेश सक्षम आधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रोज-2, दिल्लो, नई दिल्ली-10002

तारीख: 4-3-1986

प्रस्त बार्ड ही एन एस -----

बायकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के वभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायकर (निर्शाक्त)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं अर्थि० ए० सी ०/एम्यू०/2/एस० आर०-1/7-85/179---अत: मुझे, आर० पी० राजेश

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त बन्धिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृल्य 1,00,000/- क. से बिधक है

अार जिसकी सं० फ्लैट बी-6 एक कमरा है तथा जो प्रोपोरसन्ड बाथरूम, स्टेयरस, लिफ्टबेल और कोमन पैसिज, तावाडी 632.314 वर्ग फीट, 4736 एमका हाउस, हरियागंज, कई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध प्रतुसूचों में और पूर्ण रूप से विंगत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है

- (क) बन्तरण वे इूड हैं तिसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दिवल्य में कमी करले या उससे बचने में सुविधा दिवल्य के सिधु; और/बा
- (क) एसी किसी काम वा किसी धन या अन्य वास्तियों को चिन्हों भारतीय बायफ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया बाना चाहिए था, छिपाने में सविष्ट के सिक्ट:

नतः तव, उन्त विधिनियम की धारा 269-म के जन्मरम भें, में, उन्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है वधीन निम्निनियत क्षित्रकों, क्यांत् है— 1 श्री संजय मीदिल चुपुत एम० एल० गोविल 114, जोर बाग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्री अभोनव जैन सुपुत्र सुधीर कुमार जैन 5-ए०, बेला रोड़, सिविल लाईस, दिल्ली-110054, श्रवयस्क, संरक्षक व श्रीभभावकश्री सुधीर कुमार जन।

(अन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति की नर्जन के तंत्रंश में कोई भी काक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजमत में प्रकाशन की तारीब हैं
 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी नन्य व्यक्ति द्वारा, नभोहस्ताक्षरी के
 पास किवित में किए जा सकीने।

स्वष्टिकरणः—इसमें प्रमुक्त बाब्दों जीर पदों का, जो उक्त विधित्यमः, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया वदा है।

अनुसूची

पलैट नं० बींo/6, एक कमरा, बाथरूम, स्टेयरस, लिफ्ट और कोमन पैसिज। तादादों 632.314 वर्ग फोट एरिया। प्रोपर्टी नं० 1/2 (4736) एमका हाउस, 23, अंसारी रोड़, दिरयागंज, नई दिल्ली।

श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्लो, नई दिल्लो-110002

तारीख: 4-3-1986

शहर बार्य हो : एक. एक. ------

भाषकर विधितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (त) के गमीन स्थान

भाउत संस्काड

कार्यान्त , बहाबक मारकड बाज्यत् (विद्रीक्षण)

ग्रजैंन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च, 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य्०/2/एस० ग्रार०-1/

7-85/180— क्रतः मुझे क्रार० पी० राजेश, नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचारा 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारम हैं कि स्थावर क्यांस, विसका उच्चित वाचार मन्य 1,00,000/-रु. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० नं० 110 एक कमरा, है तथा जो एक बाथ रूम स्टेंगरस, लिफ्टबेल ग्रीर कोमन पैसिज, एमका हाउस दरियागंज नई दिल्ली जिसवा क्षेत्रफल 454.824 वर्ग फीट दरिया गंज दिल्ली (4736) में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची मैं ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), जिसे रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई, 1985

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1985 को व्योंक्त सम्पत्ति के उचित वाकर मून्य के क्य के द्वामान प्रिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वधापृत्रोंक्क सम्पत्ति का उचित बाजार बृह्य, उसके उपयान प्रतिफल से, ऐसे उपयान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरका)ं और बंतरिती (बंतरितयों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया प्रा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित के बास्तिबक रूप में कथित नहीं विज्ञा गया है हैं—

- (क) ननारण से हुई किसी काय की बाबतं, उक्त अधिन्दित् के द्वीत कुछ दोने के अंग्रहक के वापित्य में कुमी कुछने वा उन्नतं वचने में सुविधा के जिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी जाक मा किसी धन या अस्य बास्तियों का, विन्हें भारतीय जावकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या एकत विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया वा सा निका बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा में सिका बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा में सिका

जितः जब, उक्त जिथिनियज की भारा 269-ग के बनुबरण में, मैं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के न्थीर, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री मनोहर लाल गोविल सुपुत्र एस० एन० गोविल (स्वर्गीय) 114, जोर बाग, नई दिल्लो। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमता -सरीता मुष्ता पत्नी कर्नल एस० सी० गुष्ता 22, श्री राम रोड, सिविल लाईंस, दिल्ली। (ऋन्तरिती)

को वह ब्यायाः शार्कः कारके पूर्वेत्तर सम्बन्ति के अर्थन के निए कार्यवस्त्रको कुरू कारका हो।

इस्स तम्बीत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के सम्बंधन के प्रथायन की सारीय है 45 दिन की अवधि या स्वयम्बन्धी व्यक्तियों कर स्थान की सामित को अवधि अवधि को सामित को भी अवधि का में समाध्य होती हों, के भीतर पूर्वों कर स्थानक में समाध्य होती हों, के भीतर पूर्वों कर स्थानक में से हैं हैं स्वती स्थानक हुआता;
- (व) इस त्वना के राजवन में प्रकाशन की तार्यं से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्प्रीत में हित-व्यूभ किसी व्यक्ति द्वारा, वभाहस्ताक्षरी के शास सिसित में किए वा सकींगे।

स्पन्दीक एता:---इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्न निभीनयम के नध्याय 20-क में परिज्ञासित है, नहीं नर्ष होगा, जो उस नध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 110, एक कमरा प्रोपी संड शेयर बायरूम स्टेंग स, लिफ्ट नें०. कामन पैसिज, ताटादी 454.824 वर्ग फीट: प्रेपर्टी नं० 1/2 (4736) एम्काहाउस, 23, श्रंसारी रोड, दिख्यागंज, दिल्ली।

ग्रार०पी०राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप , आईं. टी । एन । एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन नुमना

भारत सरकार

अन्यसिय, सहायक बाबकर बाबुक्त (बिट्रीकन)

श्चर्णन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनोक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० ग्रार०-1, 7-85/181—ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परच.त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० एमपोल नं० 383 है, तथा जो बाबू बली, मोरी गेट, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसुकी में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्वत हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसुकी में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्वत हैं), रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-कारी के बार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृन्ते मह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, संसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरक के निए त्य पाम गया प्रतिफल, निम्मसिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अनित नहीं किया गया ही है

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उसते वजने में सुविधा के लिए? और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनियम, वा धनकर विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिये था स्थिपाने में के निए;

1. श्री लाल चंद ड़िगरा 3813-मोरी गेट, दिल्ली। (ग्रन्तरक)

2. मेंसर्स जोध हौजरी वर्क्स, दाल बाजर, सुधियाना। (म्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुते।

वक्त संबन्धि के वर्षन संबंध में कोई भी बार्क्ष है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (प) इत ब्याना के रायपुत्र में प्रकावन की तारींब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्म व्यक्ति बुवारा वभोहस्ताक्षरी के पाक निवित में किए वा स्कारी।

स्थादीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उन्स अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

प्रनुसुबी

एम०पी• एल० 3813, गली बाबू वली, मोरी गेट, दिल्ली।

> (प्रार०पी० राजेश) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंअ-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) फ्रर्जन रेंज-2, नर्फ दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च, 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस० श्रार०-1/ 7-85/182--- श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश बायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके बध्वात 'तकत मीधीनयम' सहा नवा हैं), की धारा 269-इ के वधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास सरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मृश्य 1,00,000/- सः. से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 3/17-बी०, रूप नगर दिल्ली -- 7है तथा जो म्रावासीय निवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनु-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यातय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख जुलाई, 1985 का पूर्वीक्ट सम्परित के उचित बाबार मृश्य है कम के क्यमाध प्रोतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्राय, उसके स्थायमान प्रतिकात से, एसे कार्यमान प्रतिकास का पंष्ट्र प्रतिश्वत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंशरिती (बंदरितियों) के बीच एंसे वस्तरण के लिए तब पाया ग्वा प्रति-क्य निध्नतिमित उद्देश्य से उन्त बन्दरण निवित में बास्त-

> (क) करुड़क से **हुई किसी बाद की बायत उक्त व**िथ-नियम को जभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बच्छी में सुविधा के लिए; **अ**धिया

गिक अप से क[ा]यत मही किया नका है द---

(ब) एंडी किसी बाद या किसी धन वा अन्य आस्तिकों को, जिन्ही भारतीय वाय-कर वर्तिभीववन, 1923 (1922 का 11) या अवत अभिनियमः, या बन-कर बर्बिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया बाना आहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनसरण में में, उनत मधिनियम की धारा 269-व की उपधादा (4) वे अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अधीत ५----

1. श्री जितन्द्र मोहन शाहुजा 5/17-बी, रूप नगर, नई दिल्ली (पूराना पता) 35, वर्जन रोड़, दला नवाला, देहराहून यु० पी० वर्तमान पता)।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गौरी शंकर गृष्ता विनय कुमार गुप्ता, श्रीमती संतोष गुप्ता श्रीमती रमारानी गुप्ता, 25/128-29, श्रग्रवाल मार्ग, शक्ति नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हि—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य न्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिशिल भी किए जा सकें थे :

स्थळकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, हो उन्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया न्या 🐔

मन्युची

5/17-बी, रूप नगर, दिल्ली-7 (श्रावासीय निवास)।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: **4-**3-1986 ै

मोहर :

26-16 GI/86

प्रकार नाहाँ क्षा की क्षा सुवान कुछ हमा कार नाहता नाहता का

श्रिव्याप्ट विविध्यक्त, 1961 (1961 का 43) की पांच 269-वा (1) के गंबीन ह्यारा

HIST THE

शामीयन, बहुतन वायनह नायुक्त (निर्देशक)

मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०,एक्यू०, 2,एस० श्रार०-1, 7-85,183--ग्रमः मुझे, श्रार०पी० राजेश

ब्राह्मकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिये इक्कों का प्रेच परवात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 266-व के सभीन दक्षन प्राधिकारी की, नह निवस्ता करने का कार्य हैं कि स्थापर सम्मत्ति, विसका उभित नाभार मृत्य 1,00,000/~ रा. व मिथक हैं

श्रीर जिसकी सं० पी० नं० 3184, लाल दरवाजा बाजार, सीता राम दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री हर्ता श्रधिकारी के बार्यालय नर्ष दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को प्रेंकित सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कान के दक्यशाल प्रतिक्रक के लिए जलारित की नई हैं क्षेत्र मूओ यह विकास करने का कारण हैं कि येथापूर्वोकत सम्पत्ति का स्विष्ठ कालार भूग्य उतके दक्ष्यज्ञान ग्रीक्षक हैं, एंडे दक्ष्यवान प्रतिकृत का मृत्यह प्रतिस्त निभक्ष हैं और बंतरक (जंतरका) और बंतरियी (वंत्रितियाँ) के नीच एंडे वंतरण के सिए सब क्ष्मा ग्या प्रतिक्रका, विम्नसिवित उद्देश्य से उच्त बंदरण विश्वित में वास्त्रिक क्षम से क्रिशत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुए किसी अपन की बाबत, अवत अभिविद्य के अभीत कर को के कन्तरक के कियान में कसी करने या उससे सचने में नृत्रिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाव वा किसी भव वा काम आस्तियों की, किसू भारतीय बावकर वीमीवयम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ वीभीवयम, या धन-कर बीचीवयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया वा मा किया जाना बाहिए था, फिपाने में स्थिश के निक;

कतः अन., उकत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण ने, मैं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हु- श्री विरेन्द्र नाथ गुप्ता सुपुत्र गोगाल स्वरूप सिंगल ई-14, होजखास, नई दिल्ली।

(स्रन्तरकः)

2. श्रीमती मधु अग्रवाल पत्नी क्रशन श्रग्रवाल निवासी 46, माङ्गल बस्ती, करोल बाग, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को वह चूचवा चाड़ी कड़कें पूर्वोंच्छ संपरित के वर्षन के किए कार्यवाहियां कड़छा हुां।

इक्ट क्रमित के वर्षन के तस्वस्थ में कोई भी बाख़ीप हैं---

- (क) इस स्थान के राष्यम में प्रकाशन की राष्ट्रीय से 45 विन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यवित्यों पर सूचना की तानी सु के 30 विन की अवधि, को भी अवधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर धूचोंकर ध्यांक्तशा के से किसी व्यवित ब्यांकर;
- (ज) इस सूचना के गवपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति के दितवद्ध किसी जस्य व्यक्ति द्वारा कथोहरताक्षरी के वास् निवित के तिरुप का सकतेंगे।

स्वक्रीकरण :----इसमें त्रयुवन शब्दों और पर्यों का, थी अथन मधिनियम के वश्याब 20-क में परिभावित हीं, वहीं अर्थ होगा थी तथ कश्याब में दिया भूषा हीं।

वन्त्यी

पी० नं० 3184, 75 वर्गगग। लाल दरवाजा, बाजार सीताराम, दिल्ली फी होल्ड।

> भ्रार०पी० राजम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (जिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

प्रका बाहु हो पुन तुन व्यक्त

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्(1) में न्यीय सूचना

मास्त्र सरकार

कार्यां तथ, सहायक वायकर वायकत (निर्क्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, गई दिल्ली नई दिल्ली, दिनां ह 4 मार्च 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/2/एस० आर०-/1
7-85/184--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), हीं भारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिसकी स० ढाई स्टोरी महान नं० जे-90, है तथा जो एम० जी० 223, 1/3 वर्ग गज, कीर्ति नगर, क्षेत्रफल वसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (ग्राँर इसने उताबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण का में वर्णित है), रिजस्ट्री हर्ता अधिकारी के हार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के डिचत बाजार मृश्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के निए, अन्तरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रति-फल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाइत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा क जिए, और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा जाय जी सिर्वा को सिन्हें भारतीय जायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनयम, या धन-कर जीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ सन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया नवा वा जिल्ला जाना वाहिए था, जिल्लान में सुविचा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्तनिश्चित व्यक्तिसों, अर्थात् क्षान-

 श्री जोगिनद्र पाल गुप्ता, जुगल किशोर गुप्ता श्रौर मनोहर लाल गुप्ता सम स्वर्गीय हंठा राज गुप्ता जै-90, कीर्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री हरी नारायण शाह सूपुत शिव दयाल श्रौर श्रीमती शी शाह पहनी श्री हरी नारायण शाह निवासी एल-19, कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

का यह तुवना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित से बर्जन के विद्

उपव सम्मचि के सर्थंप के समस्य में कोई भी वालोप हाना

- (क) इस स्वार में एक्ष्य के प्रकाशन की तार्थिंग है 45 किए की सर्थिंग वा त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वार की तार्थिंग है 30 किए की सर्थिंग, को भी वर्षिंग वास में समान्य होती हो, के भीतर प्रविकत न्यांसर निकती व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय क्यारा;
- (क) इस स्वना के समयन में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिस के भीतर उनत स्थानर संपत्ति में हित- बक्थ किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोह्नलाक्षरी के पान विविध्त में किए वा समीचे !

स्वाधिष्टण ह्ना प्रयुक्त सन्दों जीर वहाँ का, को स्वकृ कृषिनिकत के सभाव 20-क में वरिभावित है, वहीं वर्ष होता को उस सभाव में द्वित। ववा है।

श्रनुसूची

ढाई स्टोरी महान प्लाट नं० जे-90, 223.1/3 वर्ग गणा कीर्ति गगर, गांव बसई दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायात आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंग रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तरीख: 4-3-1986

शक्ष वार्षः धीः एतः एड

शायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के बधीन सूचना

MIND WESTER

कार्गाजन, तहायक नावकर मान्यत (निर्मिक्ष)

अर्जग रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986
गिदेश सं० आई० ए० सी०/एक्पू०/2/एस० आए०-1/
7-85/185—अतः मुझे, आए० पी० ए जेंश,
आयकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके गम्भात् 'उक्त श्रीभीनयम' कहा गया हैं), की भाष्य
269-इस ने सभीन सभम प्राधिकारी को, यह पिश्वास कर्न
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका श्रीभत बाजार मुल्य

ग्रीर जिसकी सं० महान नं० बी०-455, फी होल्ड प्लाट है, तथा जो पलाट, हादादी 100 वर्ग गज, 1 खसरा न० 2, गांव भड़ोला, मजलिस पार्क, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसते उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिन्ट्रीहर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई हिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीहरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के के अजीन, नारीख जुलाई 1985

1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को ध्रममान इतिकत को तिए अन्दर्शित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त स्म्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके ध्रममान प्रतिफल्ल से, एसे ध्रशमान प्रतिफल्ल को प्रत्यक्ष प्रतिकत्त से अभिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण को लिए एस पासा गया प्रतिक कम िस्निलिब्त उद्देश्य से उक्त बन्तर्ण विकित में बास्तिबक् कम सं करिश्त नहीं किया प्या है हिल्ल

- (क) बंबरण वे हुई किसी जाय की बाबत्त जनत शांभागमा में सथान अर दोने के व्यापक को बारिया में कमी कहने वा बच्च वचने ों सुनिया को लिए। बोट/वा
- (ण) प्रेसी किसी आज वा किसी भाग्या शाल जास्तियी को जिन्हों भाइपीय जायकर गिर्भानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किसीनयम, या भन- कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ करतिहिती दुवाड़ा प्रकृष्ट नहीं किया वसा था वा किसी क्रांग वाहिए ना, क्रियान में कृषिणा ने क्रिया क्रांग ने क्रिया

वाह नव_ा उन्त विधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण वें , पी, उन्त विभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के जीत, निस्तिविक स्पन्तिस्ति, जनति अ

- 1. श्री सत्य पाल नागपाल सुपुत्र ग्यान व्ह नागपाल बी-455, गनी नं० 5, मलीस पार्क, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री अशोक कुमार मुपुत्र देवी दयाल रोठी श्रांर किरन सेठी परनी अशोक कुमार, निवासी बी— 455, गली नं० 5, मलिस पार्क, दिल्ली—33 । (अन्तरिती)

का बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित् के न्वंग के सम्बन्ध में कोई भी वासीप:---

- (क) इत त्यना के राजपन में प्रकासन की तारीस हैं
 45 दिन की बनीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 जूपना की दामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी
 जन्मि भाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वानझ
 व्यक्तियों में से निस्ती व्यक्ति धूनारा;
- (ख) इस सूचना की राज्यत्र मों प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्परित मों हित-किसी जन्म स्पन्ति इतारा नथोहस्ताक्षरी के शत विभिन्न में किए का सकेंगे।

स्वयांकरणः — इसमें प्रयुक्त बन्धों बार पर्धों का, को उक्त बरिशीनयम, के बन्धाय 20-क के परिभाषित है वही पर्थ होगा जो उस घडणाय में दिया गया है ।

अनुसूची

म कान नं० बी-455, फी होल्ड प्लाट नं० 100 वर्ग गज। खमरा नं० 11; गांव भड़ोला, कालोनी जानी जाती है, मजलिस पार्क, दिल्ली।

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जग रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखा: 4-3-1986

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जग रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०/्र/एस० आर०-1/ 7-85/186--अनः मुझे, आर० पी० नजेश,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी स० म० बी०-51 है तथा जो राजन बाबू रोड, आदर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बिल्ली में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिकारत, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई 1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार र्मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ेछपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री प्रेम नाथ डिंगरा सुपुत्र गोवाल दास, निवासी बी-51, राजन बाबू रोड, आदर्श नगर, दिल्ली। (अन्तर्फ)
- 2. श्री सुरिन्द्र अग्रवाल ऐंण्ड लक्ष्मी देवी, दी० टी०-5, शालिमार बाग, दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति मों हितबद्ध 'कसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लाक्षत मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-कः मों परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मों दिया गया है।

अनुसूची

म प्रान नं० बो ~51, राजन प्राबू रोड, अंदर्ण नगर, दिल्ली, 150 वर्ग गन ।

> आप० पो० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहात्रक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेग रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप कार्दः टी. एन. एस. 😕 - -

नारकर निर्माननन, 1961 (1961 का 43) की गांडा भारा 269-व (1) के सभीन स्वान

MITT STEEL

कार्यानय, बहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

अर्जग रेंज-2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निदेश यं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/37—ईई०/7~85/742—अनः मुझे, आर० पी० राजे \bar{w} ,

कायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृत्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिल्ला गं० एन०-13 है तथा जो मुखर्जी नगर, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उताबद्ध अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीस्त्री अधिकारी नई दिल्ली में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण आंधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पृत्रीकरा सम्परित के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि वथा पृतिंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एोसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-निवित उप्योच्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप है कमित नहीं किया ग्वा है ध---

- (क) बन्तरण है हुई किसी बाध को बायता, सबस सिम्हिन्दन से स्थीत कर योग के मृत्ताह्रक की स्वीवत्थ में कती करने वा उससे व्यन में सुनिधा है सिस्; सिंह/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर गीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्ठ;

जतः अव, उन्त जीभिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निकालिखित व्यक्तियों, अर्थात् हेल्ल श्री पूर्त नुद्ध चन्द्र, एच--9, हडसग लाईनस, किंसवे कैम्प, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जनह रानी छावड़ा, विक्रम कपूर एडवोकेट, 1478, कृष्णा लीज, चान्दनी चौक, दिल्ली। (अन्तरितान)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के ट्रिप् कारिवाहियां करता हुं

अनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा सक्त कि स्वाप्त के स्वर्थ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रोंक स्वित्यों में से किसी व्यक्ति इसाराह
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति वृत्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकाँगे।

स्वव्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो इक्ट जिपनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस जभ्याय में दिश्ताक गया है।

मन्सूची

एन-13 मुखर्जी नगर, दिल्ली प्लाट तादादो 160 वर्ग गण लीज होल्ड।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधि तरी सहायक आयन्तर आयुक्त (निगरीक्षण) अर्जेग रेजि--2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

भारीख: 4-3-1986

LEY ME . CT. CT. HE . warmen warmen

भागकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना आरक संस्कर्भ

कार्यासम सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस भ्रार-2/37-ईई/ :7-85/743—यतः, मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्हें अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित वाबार मृज्य 1.00.000/- रह. से अधिक है

और जिनकी मं० मकान नं० 4398-4399, है तथा जो स्रंसारी रोड़, दरियागंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के वार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1961 के प्रधीन तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वीका सम्पत्ति को उत्तित बाजार मूल्य से कम को ध्रयमान मितफल को लिए अंतरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, असके ध्रयमान प्रतिफल सं, एसे ध्रयमान प्रतिफल का "पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के सीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म निम्मनिवित उन्दर्भ से स्वत्य जन्तरण किश्वित में बास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है है—

- (क) जलारण संहुम् जिली बाय की रायत, उपत् शीमनिम्म के नधील कर रोगे के सन्त्रक के बाबित्य में कभी कड़ने वा उसके बुक्ते में सुन्धि। में जिए; ग्रीड/वा
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या कत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा अनकर अधिनियम, शा अनकर अधिनियम, शा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 स्व 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं विज्ञा गवा था वा किया जाना बाहिए था, क्रियाने पे श्रीविधा में जिए।

करं विष, अपन, अपन विधिनियम, की भारा 269-म के वन्करूर में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् है——

(1) श्री विभन लाग कनोड़िया कातां मैसर्स ज्योति प्रसाद विगन लाल एच०यू०एफ० वी-518, न्यू फेंड बालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रातरन्क)

2) दी वेस्ट कोस्ट पेपर मिल्स लिमिटेड, हजारीमल सोमानी मार्ग, बम्बई-400 001।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्ट सम्परित के वर्षात के लक्करण में करें भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी स्पिक्त दुसारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकात में किए का सकेंगे।

स्पष्टीफरणं: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुधी

प्रथम खन्ड 1300 वर्ग फीट मकान नं० 4398-4399 बिजली व पानी कनेक्शन समेत, 5-ए, श्रंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली। फी होल्ड।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

नायकर मिथिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-भ के निथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिस्सी, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/2/37-ईई०/एस०-आर०-1/7-85/744--अतः मुझे, आर० पी० राजेश, नायकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की भारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी मं० पर्नैट सं० 204, दूसरा रोह, है तथा जो पाल में हुए अर्था में हिथत है (श्रीर इसने उराधाड अनुसूची में सीर पूर्ण का से विंगिर है), रजिस्ट्री जिल्ली अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिल्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शिलका के लिए इस्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार बूख, जसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकृत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (क्लारितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गंवा प्रतिफल निम्नीसिवत चब्वेच्य से जकत अन्तरण सिवित में बास्तिक कप से काथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण वे हुए जिल्ली आग की गायत है जनक नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वाजित्व में कभी करने या उसते अचने में सुविभा के हिस्टू और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः वव, उक्त वीधीनयज की धारा 269-ग के अनुसरण में, जी, उक्त विधिनियंत्र की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, वर्धात् %—

- 1. मैं० ऋषि पाल प्रोपर्टीज प्रा० लिमि०, 704 प्रगति टावर, राजिल्लद्व सुपुत्त, नई दिल्ली। (अन्यस्क)
- श्रीमती करनार कौर (2) अमर ज्योति, 1565, चर्च रोड़, नश्मीरी गेट, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पाल के अर्थन की किए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेत्र हु---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब को 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर क्षितयों में से विश्ली व्यक्ति ब्रांग;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्थ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा क्षशेहस्ताक्षरी के पार तिवित में किए जा सकेंगे।

स्वय्दीकरणः ----इसमें प्रमुक्त शास्त्रों और पदों का, जो खबत जीभीनयम, श्रें जभ्याय 20-क में परिभाविक ही, जहीं अर्थ होगा जो उस जभ्याय में दिया, गवा ही।

अनुसूची

प्लैट नं० 204, दूसरा खण्ड, पाल मोहन अपार्टमेंट्, एम० डब्ल्यू० ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। फी होल्डा,

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जग रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्लो-110002

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप वार्ड .टी.एन .एस<u>.</u>-----

बायकर मींभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्ज 1986

निर्वेष सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/ए ा० आर०-1 37-ईई०/7-85/745--अन: मुझे, आर० पी० राजेश,

श्रीयकर शिंधिनयम, 1961 (1961 क्रम 43) (जिस्ने इसमें वहमात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की शारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संघत्ति जिसका उचित बाबार मुख्य

1,00,000/- क. से विश्वक हैं।

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 23, है तथा जो नं० 4, मरेयूर) कोर्ट रोड़, सिविल लॉईस, दिल्ली-54 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीग, तारीन जुलाई 1985

वहाँ पूर्विकर तंपिस से छितित बाजाच मूल्य से कान से कानकान प्रतिकाल में लिए अंतरित की गई है और मुझे कह किस्मास करने का कारण ही कि स्थापूर्विकर संपत्ति का किस्सा बाजार संहर, क्सने रहपेबान प्रतिकाल से, एसे कानभाग प्रतिकाल का बाजाह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (अन्तरका) और अन्तरिका किसी (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के अधि तस पासा गया प्रविकाल किसी विकास के बालाविका कर से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से इन्हें किसी जाग कर बाबद, उक्त ज़रीभी मंत्र के अभीन कर दोने को जंतरक के दायित्य में कमी करने या उसके बचने में समिधा के भिए; जौर/वा
- (ब) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः बव, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अम्बरण में, कि उक्त अधिनियम की धारा 209-म की उक्तारा (18 के अधीम जिम्मिलिकित व्यक्तियों, वक्षी ध—— 27—16 GI/86 मै० हाई टावर बिल्डर्स, 4-एक्यूट कोर्ट रोड़, सिविल लाईस, दिल्ली-54।

(अन्तरक)

 श्री गुलाब सिंह सूपुत्र दलीप सिंह, गिवासी 29, बांगलो रोड़, दिल्ली।

(अन्न्सरिती)

को यह सूचना चारी व्यवसी पूर्णीयक सम्मृतिक **यो भर्चन के चित्र** कार्यवाहियां करता हुं:

डक्त सम्बक्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र ३——

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की कारीचा से 45 दिन की अवधि या तर्सवंधी व्यक्तिकों पर बूचना की तामील से 30 दिन की जनींग, की जी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णीकत काविस्तवों में से किसी स्पीत्त ब्याब;
- (का) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशका की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्लिन व्यथ किसी कन्य व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरी की पास तिथित में किए जा सकीय।

स्थाकर्गकरणः — इरुजें प्रकृत्य कन्नां और पत्ने ना, जो उपक अभिनेत्रका, के जभ्यात 20-क में तथा गौरभाषित है, तही अर्थ होगा जो उपक अध्याद में विचा गजा है।

नन्सूची

पलैट नं० 23, अपार्टमेंट न० 4, रेक्यूट कोट रोड़, सिविल लाइस, दिल्ली-54, सगभग 1260 ूँवर्ग फिट।

आर० फी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जग रेंज~2, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीख: 4-3-1936

प्रकम जरहे ही एक एक हुन-अन्तर

आयंकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, नई विल्ली नई विल्ली, विनांक 4 मई 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/85/37-ईई/747---ग्रतः, मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० एफएफ-106/प्रथम खन्ड है सथा जो प्लाट नं० 5-6-7, लोकल शापिंग सेंटर, एच ब्लाक, अशोक विहार, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में और पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जुलाई, 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्णमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच होसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रति-

फल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक

रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) फें, अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अ**धीत्:—**

- (1) श्री निपुन कंस्ट्रक्शन प्रा० लि० 8सी/3, डब्ल्यू ए, करोल बाग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मैनी चावला एंड घदर्स, जे-13/22, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली। (,घन्तरिती)

को यह स्थला कारी कुरुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन में जिस कार्यवाहियां करता हूं ॥

उनत सम्पत्ति में बर्जन के संबंध में कोई भी बाज़ीप --

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीच से 45 दिन की अविभ शा तत्सवंभी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविभ , जो भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

एफएफ-106; प्रथम खन्ड, पलाट नं० 5-6-7, लोकल शापिंग सेंटर एच-ब्लाक, ग्रशोक बिहार फेस,-1, दिल्ली 285 वर्ग फीट सुपर एरिया।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्रयधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 4-3-1986

प्रकृष साहाँ हो है। युग्ध पुत्र हुन्यसम्बन्धाः

बावकर विधितियत्त 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत कुछना

नार्व चह्याह

कार्यांसय, सहायक कायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986 निर्देश सं० अाी० ए० सी०/एक्यू०/2/एए० आर०-1/7-85/748--अनः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भाउत 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

श्रोर की.सं० बी/207-बी०, है तथा जो डेराबाल नगर, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रांर इांसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप में वर्णित ई), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वायंत्य, रई दिस्ती में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (19 08 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितिहोंं) के बीच एसे अन्वरण के लिए तम प्राया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण में हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उच्चसंबजन में सविधा के सिए; औद/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया बाना बाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

प्रतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग की अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री राजेंश चुग, 217, भारत नगर, दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती मिश गुप्ता, ए/13, सवर्न सिंह रोड़, आदर्श नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को गह सुवना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीश वं 45 विश की जनभि वा तत्त्राज्यां व्यक्तियों वर सूचवा की शामील वे 30 विन की श्रविष, की भी अविश बाद में क्याप्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिराह
- (क) इस सूचना को सम्बन्ध में प्रकादन की दारीच वें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 जिवित में किए का सकींचे।

ल्लाकरणः --इसमें प्रयुक्त कव्यों और पद्यों का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस सध्याव में दिया गया है।

वन्स्ची

बी/207-बी॰, डेरावाल नगर, दिल्ली।

आर० पी० राजेण मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई :दल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

भारत आहे हों। १५३ एक उपन्याना

सायकर निर्धानसम्बा 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म ((1) के नभीत सुन्ना

जारव बरकार

कार्यासन, स्कारक नायकर नायक (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मई 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एम्यू०/2/37-ईई०/7-85/ एस-1749--अत: मुझे, आउ० पो० गर्जेश,

नायकः जिभिनियम, 1961 (1961 का 4:) (जिसे इसमें 'सन्दे पंचात् 'सन्दे अधिनियम' कहा नया है), की भारा 269-र के अधीन तक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उजित बाजार मृज्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० एफ० एफ०-303/तीसरा खण्ड है तथा जो पत्स 151, वर्ग फिट प्लाट न० 6, की ते नगर, लोकल मापिंग सेंटर, नई दिल्ली, नई दिल्ली में स्थत है (ग्रीर अनुसूचों में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रोक्ति अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, तारीख जुलाई 1985

को पृषं कर संपरित के उचित बाजार मृस्य में कम के दश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की पद्दं हैं और मृक्ते यह विद्वास करने मा कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्मत्ति वा उचित बाजार भूस्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्न से एसे दश्यमान प्रतिपत्न का पन्ति प्रतिपत्न का पन्ति है जिस बाजार अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरित से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा वामा गया प्रतिपत्न , निम्नसिवित उद्वेषम्य में उक्त अन्तरण किवित में वास्तिविक क्य से अधित नहीं किया पना है प्रन

- हुँक) अन्तरण से हुई हिस्ती बाय की बावत, उचल वीपित्रक को अधीन कर देने की अन्तरक को दावित्य में अभी करने या उससे क्याने में सुविधाः को जिल्ला वारि∕वा
- (का) एसी किसी जाय या किसी भन या कन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छल्ल बिश्वियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, विष्याने में सुविधा के लिए।

संतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 2(19-ग के अनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 2'69-स की उपभारा (1) के अधिभ, निम्मिशिक व्यक्तिजी, अधिक में -

 मैं० हकुमत राय ऐंड एसोसियेटिड प्रा० लिमि०, सी-2/4, कम्यूमिटी णापिंग सैंटर, अशोक विहार, फेस-2, मई दिल्ली।

(अन्धरक्)

2. श्री आर० एख० तनेजा, एच० यू० एफ०, ई-87-ए, मानसरोवर गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के अर्थन के तिक् कार्यवाहियां करता हूं।)

उन्त सन्तील के नर्जन के संबंध में कोई भी जाओंप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए था सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वस हैं।

मनस्यी

एफ० एफ०-303/तीसरा खन्ड, 151 वर्ग फिट खुला, प्लाट नं० 6, कीर्ति नगर, लोकल गापिंग सेंटर, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली~110002

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.------

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/37-ईई०/7-85/ 750--अन: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्राँग जिसकी सं बीं एस०-4/बेसमेंट हैं तथा जो प्लाट नं 6, कीर्ति जगर, लोकल शापिंग सैंटर, नई दिल्ली में स्थित हैं (प्राँग इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्राँग पूर्ण रूप से विंगत हैं), रिजस्द्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिश्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिष्

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — 1. मैं० हकुमत राय एसोसिएटिंड प्रा० लिमि०, सी-2/4, कम्यूनिटी शापिंग सेंटर, अशीक विहार, फेस-2, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती कविता सोनी, 37, हनुमान रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) धस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकींगें।

स्पष्टीक रण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

बी० एफ०-4|बेसमेंट प्लाट नं० 6, कीति नगर, लोकल शातिम सेंटर, नई दिल्ली लीज होल्ड। 338 वर्ग फिट।

> आर्० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 4-3-1986

१क्ट भार<u>ः र्</u>रा<u>प्</u>याप्य प्रयास

भागकर वृधिनियन, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के वृधीन बुचना

THE RESERVE

कार्यालय, सञ्चयक बायकर बायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्ज 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई०/7-85/751--अन: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वं श्वामं इसके परचात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हु"), को भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वस कारने का कारण हु कि स्वावुद सम्पत्ति, विश्वका स्थित् वाचाद मूल्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 101, ए-12, 13, है तथा जो श्रमन बिल्डिंग, डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

नी पूर्विकत सम्मिति के उत्तित वाचार नृश्व से कम के इसमान प्रितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित वाजाइ वृश्य, असके स्थ्यमान प्रतिकत से, एसे इस्यमान प्रतिकत का त्वार वाजाइ वृश्य, असके स्थ्यमान प्रतिकत से, एसे इस्यमान प्रतिकत का त्वार प्रतिकत का त्वार प्रतिकत से विभक्त है और वंतरक (वंतरकों) बौद वंतरिती (जन्तरितिवों) के बौध एसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकत का निम्निविक समुद्रिकत से जन्तर वंदरण सिवित में वास्तिक क्या से इस्य के स्थान स्थान के स्थान वहाँ किया प्राप्त है इस्य के स्थान स्थान

- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में कृषिभा के सिए;

 श्रीमती राजिन्द्र कौर पत्नी ईश्वर सिंह, 101, ग्रील्ड गुप्ता कालोनी, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० राइदबर्ग फारमोटिकरुस, 25/51, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अदिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैट नं० 101, ए-12, 13, श्रंसल बिल्झिंग, खा० मुकर्जी नगर, दिल्ली।

> आर० पी० राजेण सक्षम गाधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

भत् अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसुरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप आह².टी.एन.एस.------

जायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई०/7-85/752--- ग्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ब के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से विभिन्न ह

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, एस० एफ० है तथा जो तादादी 283 वर्ग फिट, प्लाट नं० 6, एल० एस० सी०, कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सेह्र्इ किसी जायकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए? और/गा
- (स) एसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निशिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मै० हकुमत राय एसोसियेट्स प्रा० लिमि०, सी० 2/4, एल० एस० सी०, श्रशोद विहार, फेज-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सीता देवी भ्रम्रवाल, 8623, गोणाल मार्ग, किशन गंज रोड़, दिल्ली-6।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां क रहा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत म्यक्तिवाँ में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

फ्लैट नं० 201, एस० एफ० तादादी 283 वर्ग फिट प्लाट नं० 6, एल० एस० सी० कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 4-3-1986

मोहरः

There she is the transfer

प्रकल हार्ड **टी**ड पुराड पुराड कारणाच्याच्या

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) में नभीन स्थान

धारक सरकार

कार्यांतय, सहायक वायक्क जायुक्त (निर्दाक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई०/7-85/753----भ्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् शाकार सूक्ष्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० एफ०-301, तिसरा खंख है तथा जो प्लाट नं० 6, कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालर, नई दिल्लें में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिकियम, 1908 (1908 दा

16) के अधिका, हाई ए जनाई 1985

को पूर्वोक्त सम्बन्धि के उचित बाजार मृत्य से कम के बष्यमान प्रतिक्रम के लिए अन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके बस्यमान प्रतिक्रल से, एसे बस्यमान प्रतिक्रम का क्लाह प्रतिक्षत से सिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिक्रम, निम्निसिक्त उच्चेश्य से सबत अन्तरण किस्तर्ह में बास्तिक रूप से क्षित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किती बाव की बावत, उक्त जीध-नियम के अधीन कर कोने की जीतरक की बायित्व में कमी करने या उद्युग बच्चने में स्विध्य के नियः; कार्य-वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या नम्य नास्तियों को जिल्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नेतिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया नाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्ट;

कतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग को अनुसरण वै, मैं, सक्त अधिनियमं की भारा 269-च की ख्यभारा (1) को अधीन, निम्नसिचित् व्यक्तियों, अर्थात् ड— 1. मैं हकुमत राथ ऐंड एसोसियेंट्स प्रा० लिमि \circ , $\pi(-2/4)$, कम्यूनिटी शापिंग सेंटर, श्रमोक विहार, फेस-2; दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2 श्री करम सिंह, 3/24, इन्डस्ट्रियल एरिया, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष्मत सम्बद्धि के कर्मन के संबंध में कोई काक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजएन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी सी सबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविद्य द्वारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 हिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में से किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकरण्:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो खक्त जीभिनियम, के बभ्याय 20-क भे परिभाक्ति ही, वहीं वर्ष होगा को उस अभ्याय में दिवस वया हैं।

श्रनसुची

एफ० एफ०-301, तीमरा खण्ड, प्लाट नं० 6; कीति नगर, लोकल मापिंग सेंटर, नई दिल्ली, वर्ग फुट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

मोहर।

प्ररूप वाई.टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई०/7~ 85/754---भ्रतः मुझे, स्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से चणित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण धिकियम, 1908 (1908 का 16) के धिन, तारीख जुलाई 1985

को प्वोंक्य तम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रायमान प्रतिक्रस को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के लिए;

वतः वव, उक्त अधिनियम की भाग 269-म के अन्तरभ में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---28—16 GI/86 1. मैं० हकुमत राय एंड एसोसियेट्स प्र.० िंत, $4i-2_14$, कम्यूनिटो शापिंग सेंटर, श्रशोक बिहार, फेम-2, दिल्ली।

(अन्तरक्)

2. श्रीमती महिन्द्र कौर, 1-सी, 155-156, नाम-धारी कालोनी, रमेश नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त कंट्यों और पर्यों का जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-चित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द्वी

एफ० एफ० $\rightarrow 302$, तिसरा खण्ड, पनाट नं० 6, कीर्ति नग $^\circ$, लोकल कर्मिंग सेंटर, नई दिल्ली व खु $^\circ$ । 2^3 न्म 151 वर्ग फुट (356.50 वकर्ग फुट)।

श्रारः पी० राजेश मक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (किरंक्षण) श्रजेंन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

CONTRACTOR CONTRACTOR

प्रक्ष्य नाइं, बी. एन. एसंड ----

नायवार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-व (1) वे न्वीन स्वता

भारत शुक्रा

क्यपंतिय, तहायक नायकाडु नामुक्त (रिगर्डीक्रण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निवेश सं० भाई० ए० सीं०।एक्यू०। 2,37-ईई०। 7--85,755----श्रतः मुझे, श्रार० पीं० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), को धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव एफव एउव -202 दुसरा खण्ड है तथा जो ब्लाट तंव 6, सोकल शापिंग सेंटर, कीर्ति नगर, नई विल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रमुम्बी में और पूर्ण रूप ने धणित है), राजस्ट्रीकर्ता धिधशारी के दार्यालय, नई विल्ती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 शा 16) के '(दीन, ारीख नुलई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यक्षान प्रतिफल के सिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिक्षत से अधिक है और मन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया नवा प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित वो वास्तरिक स्थ से क्षित कहीं किया वशा है हिन्त

- (क) अंतरम से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त विध-विवन के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व के कभी करने वा उक्त देवने के स्विधा के लिए: धीर/धा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यार्थ अस्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

नतः जब उक्त जिभिनियम की भारा 269-ए के अमृतरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— 1. मैं० हकुमत राय एण्ड एसोसियेट्स प्रा० लिमि०, $\dot{\mathfrak{t}}_{i} \mapsto 2_{l} A_{i}$ कम्यूनिटंi शापिंग सेटर, अशोक दिहार, फेंस $\rightarrow 2$, दिल्ली ।

(अन्तरकः)

मैं प्रारा प्रार्टन झ हैंग्डं कापट्स, जं --ां कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरितः)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जाक्षेप. ह---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील के 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के शास बिद्धित में किए का सकेंगे।

स्वक्टीकरण ६—-इसमें प्रयुक्त कर्ना और पर्दों का, को उन्स्त विभिन्नियम के वभ्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया व्या हैं 10

अनुसूची

एफ० एफ०-202, 2सरा खण्ड, प्लाट नं० 6, कीति नगर, नई दिल्लो लोकल शार्पिंग सेंटर ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: ं-3-1986

प्रस्प बार् , टी. एव. एव. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग्र 269-भ (1) के अभीन सुक्ता

भारत सहकार

कार्यास्य, सहायक भायकर नायुक्त (निरिध्यम्)

श्चर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986 निर्देश मं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई०/7--85/756----श्चतः मुझे, श्चार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं) की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्य हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अंदि जिसकी सं० एफ० एफ०-109, पहली मंजिल, है तथा जो प्लाट नं० 5-6-7, लीकल शापिंग सेंटर, एफ० ब्लाक प्रशोक विहार, फेस-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल के एन्स् इत्यमान प्रतिफल को एन्स् अंतरिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्य में कभी करने या उद्धर्श बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनुकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, कियाने में सुविधा को सिए;

संतर क्षेत्र उक्त विभिनियम औं भारा 269-ग के जनुसरण मों, मी, उत्र प्रअधिनियम की धार 269-स की रमधारा (४) के जधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैं० निपत कल्स्ट्रक्शत प्रा० लिमि०, 8 सी।०/3, डब्स्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री इन्दरजीत शर्मी, डी→113, अशोक विहार, फेस→1, दिल्ली-110052।

(अन्तरिती)

को यह स्वना वारी कर्क पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांड्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सुभना के राजपण में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुमना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास निकास में किए, जा सकों से

स्थव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा के उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एफ॰ एफ॰ -109, प्रथम खण्ड, प्लाट नं॰ 5--6--7, लोकल गापिंग सैंटर, एघ॰ ब्लाक, श्रमोक विहार, नई दिल्ली।

> ग्नार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) ग्रर्जन रोंज- 2, दिल्ली, नई दिल्ली- 110002

तारीख: 4-3-1986

क्ष्य बार् हा हो । प्रमु प्रस्कानन

आयकर वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

STATE OF THE PARTY

कार्याजय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्पू०/2/37-ईई०/7-

85/757---भ्रतः मुझे, मार० पी० राजेंश,

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

अंद जिसकी सं० 12000 वर्ग फिट है तथा जो ए० 23 व 24, छा० मुखर्जी नगर, नई विक्ली में स्थित है (अंद इसने उपाबद्ध मनुसूची में अंद पूर्ण रूप से वर्णित है), रिप्ट्रिकर्री अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिज्ट्रिकर्रा प्रविन्धिम, 1908 (1908 का 16) के प्रवित, तारीख जुलाई 1985

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के रहयमान प्रातिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापवाँकत सम्मत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके रहयमान प्रतिकल का पन्द्रह शितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में कारणित कर से कथित नहीं किया गया है है—

- [क) बन्तरण है हुई किसी बाव की बावत अन्त अधिनियम के बधीन कर दोने से अन्तरक वे दामित्व में कमी करने वा उत्तरसे दश्ने में बृविध, वे किए; बहु/वा
- (क) एंती कि जी जान वा किसी यन या अन्य जास्तिनी को जिन्हें भारतीय जायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिम्मियम, या थन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया एका जाहिए था, छिपान में सुविधा के जिए;

1. मैं जिल्लों क'स्ट्रवसा बालानी, इरोज सिनेमा, नंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. मैं० सतीजा बिल्डर्स ऐंड फाइनिन्स प्रा० लिमि०, 790, डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली-9।

(मन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां क्राइसा हुई।

उन्त रंपति में बर्धन से संबंध में कोई भी बासी ह---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, को भी नवभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

वन्त्वी

स्थेम 12000 घग फिट, प्लाह नं० ए-23, 24, डा॰ मखर्जी नगर, विल्ली-9।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

गेतै: कव, उक्त अभिनियम की भारा 269-न की अनुसरण में, में', उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के नभीन, निम्मसिष्य व्यक्तियों ज्ञानीत क्र---

दिनांक: 4-3-1986

अक्ट आहे. ही. एन .एश . ------

भायकर भिश्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुपना

भारत राजका

कार्याजन , सहायक जामक र जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1936 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई०/7-85/758---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 113, पहला मंजिल है तथा जो प्लाट नं० 3, ओल्ड रोहतक रोड़, तई दिल्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण क्य से विष्ता है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के बार्यालय, तई दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का

16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफाल से, एसे व्ययमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिशित उद्योध्य से उक्त बंतरण लिशित के बास्तिक क्य ते कांचित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाग की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के प्रायित्य के क्रिकी करने वा बससे बचने के सुविधा से लिए; जोट/बा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भन या जन्म जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने ने सुविधा के सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों क वर्षात् :---

- 1. श्री एस० र्बं । सैंत्स प्रा० लिमि०, यू० बी०-1, अंसल भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री श्रार० एल० कन्हैंया लाल एजेंसी, 258, कटरा प्यारे लाल, चांदनी चौक, दिल्ली। (भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्चन के सिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपर्तित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पित्वों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतह उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए था सकेंगे।

म्पाकिरणः ---इसमें प्रयुक्त श्रम्यों और पदों का, को उस्त मिनियम के मध्यार 20-क में परिभाषित हैं, यही नर्थ होगा को उस सध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

सीण नं० 113, प्रथम खण्ड, सिंडोकेट हाउस, प्लाट नं० 3, ओल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली 320 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, दिल्लो, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

प्रक्ष मार्च . दी . एम् . एस . -----

वायकर निवित्तवन 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्थाना

भारत चर्डकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षक)

प्रजिन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986 निर्देग सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई०/7-85/759---श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेण,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इस्में इतके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाच र रने का कारण हैं कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 70 वर्ग फीट है तथा जो चाबड़ी बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रमुची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उमित बाजार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उमित बाजार मृस्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ता, निम्मुलिचित उद्वेद्य से उसत बन्दरण निचित में बात्त- दिक रूप से क्षित नहीं किया प्या है:---

- (क) बन्तरक वे तुर्द किती भाव की बाबतः, उक्त वींपनियम को बधीन कर दोने की अन्तरक की खीयत्व में कनी कर्द्र वे बा उक्त बजने में तृक्षिण के सिए; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भागा चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

 मै० श्रत्भाईन श्रोपर्टीज प्रा० लिमि०, 5/2389, चायड़ी बाजार, दिल्ली--6।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सरोज गुण्ता पत्नी सेरेश चन्द गुण्ता, 2379, तिलक स्ट्रीट, चूना मंडी, पहाड़गंज. नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

अक्रम संपत्ति के नर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जनधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनाय;
- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पर्टित में हित-बब्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास विविद्य में किए का सकों मे≀

स्थाकीकरणः -- इसमें प्रयुक्त काकों और पदों का, को उन्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ह. नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

मनुसूची

प्रोपर्टी नं० 202, पहली मंजिल, प्रोपर्टी नं० 5/2389, चायर्ड़ बाजार, दिल्ली।

> श्रारः पीं राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिंख व्यक्तियों, वर्धात म

तारीख: 4-3-1986

क्ष्य मार्च । श्री हे सुरह सुरह । । । । ।

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के मधीन सूच्या

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नर्ड दिल्ली नर्ड दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्वेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37—इ**इ०**/7~ 85/760——अत: मुझे, आर० पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

ग्रीर जिमकी संव बीव-15 है तथा जो जीव टीव करनाल रोड़, दिल्ली-33 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायक अनुभुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय आयहर अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख जुलाई 1985 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का प्रदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए हव पावा गया बति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वं हुई किवी बाद की वावड़, काव वीवीनवय के वर्षीय कर वर्षे के बन्तरक के व्यक्तिय में कमी करने वा अवसे वचने में बृषिया के दिवह; कीर/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भग या नव्य नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय नायकर निर्माणका, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्माणका, वा कनकर निर्माणका, वा कनकर निर्माणका, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ नन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया नथा था या किया वाना चाहिए था, कियाने में मुविका के निर्माणि

ततः तव, उन्त वीर्धीन्यन की पारा 269-न से वयुक्तरन तें, तें. समत वीर्धीनयन की भारा 269-न की वर्षास्य रूँ।) के वर्धान, निस्तीसवित व्यक्तियों, वर्षात् ३── 1. श्री एस० पृथी पाल सिंह, बी-56, जे० टी० ारनाल रोड, दिल्ली-33।

(अन्तरक)

 श्री जोगिन्द्र मलहोत्रा, के०-1/47, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्:रिसी)

को यह स्थाना भारी फरके प्यांक्त सम्पत्ति से अर्थन् से जिस् कार्यनाहियां करता हूं।

बंधत कमित्त के बंधीन के सम्बन्ध में कीई भी प्राविष ह—

- (क) इत ब्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय हैं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर
 त्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को की
 अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रविका
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाए;
- (थ) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पाथ किसित में किए या सकेंगे।

स्थलकिरण :—इसमें प्रमुक्त सन्यों और पर्यों का, से सन्ध सिंगियम् के सभ्याय 20-क में प्रिशायिक हैं, वहीं सर्व होगा, यो उस सभ्याय में विका यदा हैं।

मन्स्ची

बी-15, जी० टी० करनाल रोड, दिल्ली।

आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहाय १ आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 4—3—1986

प्रकार बाही, दी । एन, एवं व्यापनायन

बावकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीत स्वता

गाउँव परकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांग 4 मार्च 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-इइ०/7-85/761--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रांर जिसकी सं० 5-बी०, ग्राउण्ड फ्लोर, समाट भवन, है लथा जो ए०-7-8-9, रनजीत नगर, कम्यूनिटी सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसुत्री में श्रीर पूर्ण कर से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके बस्यमान प्रतिकल से एसे बस्यमान प्रतिकल का बाजार कृष्य, उसके बस्यमान प्रतिकल से एसे बतरकां) और वंतरिती (बंतरितिवाँ) के बीच एसे वंतरण के लिए तय पाया नवा बतिकल निम्हिलीबत उप्रदेश ते उक्त वंतरण विश्वत में बास्यिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (फ) मन्तरण ने हुई किसी बाद की बाबस, उपक्ष निर्मातक के नधीन कर दोने के सन्तरक के राजित्व में कभी करने या उन्तरे वचने में सुनिशा के किए; बॉड/बा
- (थ) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत जिधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए वा, क्रियाने में सुविधा थे सिए:
- #* अब उथत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण बं, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) वे बधीर, निम्नीसियत व्यक्तियों, स्वाह के---

- 1. बेबी भावता मल्होता सुपुत्री सूमन मल्होता, डी० 25-जी, एन० डी० एस० ई०-2, नई दिल्ली-49 (अन्तरक)
- 2. मिस अन् श्रारोड़ा, सुपुती अचरक लाल अरोड़ा, 15/42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के तिह कार्यगाहियां करता होता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस न्यान के राज्यम में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की जबिंध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी मंदिय के में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितक्ष्म किसी अन्य अपनित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस् था सकरी।

स्पद्धीक रण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा नवा हैं।

अनुसूची

शो। रूम स्पेत नं० 5-बी०, तल खण्ड, समाट भवन, ए०-7, 8, 9, रनजीत नगर, कम्यूनिटी सेंटर, नई दिल्ली तादादी 260 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ता**रोख:** 4-3-1986

प्रस्य बाह्"ु टीं पुरुष्ट हुर्य 🗪 🗪

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986
निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-इइ०/7-85/762--अतः मुझे, आए० पी० राजेण,

रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

त्रीर जिसकी गं० 6-बी० ,तल खन्ड समाट भवन है, ताथ तथा जो ए० 7-8-9, रन्जीन नगर कम्यूनिटी सेंटर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंवरण के विषय प्रयाम प्रतिफल का प्रतिस्थित के विषय प्रवास विश्व के वास्त्रीक का प्रतिस्थित का प्रतिस्था का प्रतिस्था का प्रतिस्था के बीच एसे अंवरण के विषय प्रवास विश्व के वास्त्रीक का प्रतिस्था का प्रतिस्

- (क) बन्तरन वे हुई किसी बाथ की बावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के बाबित्य में कमी कुड़ने वा उससे क्षमें में बृचिध. के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनक अधिनियम, का अनकर अधिनियम, का अनकर अधिनियम, का अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अधिना के निष्ट;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्विक्तयों. अधीत :— 29—16 QI/86

तास्टर सत्यन प्रभाश सुपुत्र उदयजीत प्रकाश,
 33, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राम कुमार केणर श्रौर सतीश कुमार दत्ता वी० पी० श्री० जंडोला (141303), जिला जालधंर (पंजाब)।

(अन्तरिती)

को सूत्र सूत्रका झार्य करके पूर्वोक्त सुन्तित्व के सूत्रक से जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्द सम्मृत्यि के वर्षम के सम्बन्ध में कोई औं बाक्सेंप्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकी।

स्थळित्रा - इसमें प्रयुक्त वज्यों की, पश्चों का, जो उपत विधिनयम को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा प्रवाह हैं।

अनुमूची

शो रूम स्पेस सं० 06—बी, तल खण्ड, सम्प्राट भवन, ए०-7—8—9, रमजीत नगर, कम्यूमिटी सेन्टर, मई दिल्ली—271 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

प्रकम बाद . टी. एन. एस. -----

श्रायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के मधीन सुचना

बारत बरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई०/7-85/765-अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,06,000/- रा. से निधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० स्पेस नं० 5-ए, समाट भवन, है तथा जो ए 7-8-9 रनजीन नगर, कम्यूनिटी सेन्टर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्स सम्मति के अक्ति वाचार मूस्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाचार मूस्य, उसके दम्यमान प्रतिफल से, एसे दम्यमान प्रतिफल का किह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) चौर कंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के सिए तय वाचा नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण सिचित यो वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाग की बाबस, उपस विभिन्निया के अभीत कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बोड़/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय साथ-कार अधिनियम 1922 (1922 को 14) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया क्रांत्र आहिए था, क्विपाने में स्विधा के विद्

जतः जव, उक्त जिथिनवम, की भारा 269-ग के अनुसरण भैं- मैं उक्त जीभनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्तिचित्र व्यक्तियों, क्षणीत् क्र—र 1. बेबी सुमेधा गाहोता सृषुती सुमन मलहोता, इी-25 जी०, एन० दी एस० ई०-2, भाग-2, नई दिल्ली।

(अन्दर्क)

2. मास्टर अमित अरोड़ा सुपुत्र अम्बराज लाल अरोड़ा 15/42, रंजाबी बाग, नई दिल्ली।

श्चार । (रि. ८)

की वह बुचना आरो करके गुर्वीक्य सम्मरित के वर्षन से नित्य कार्यवाहियां करता हुई।

उस्त सम्पत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी वाकोप :---

- (क) इस स्वाना को राजपण में प्रकाशन की तारीका से 45 विज्ञा जनिय वा तत्क्ष्म्यण्यी व्यक्तिकों प्र स्वाना की रामीक से 30 विज्ञा की जनिय, को भी अवधि बाद में स्वाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कर अधिक स्वाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कर अधिक स्वाप्त होती हो ।
- (क) इन्ह सूच्या के हाज्यम् में प्रकासम् की तारीक के 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बस्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकींगे।

स्पत्कीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्योका, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, शृही अर्थ होता को उस अध्याद के दिवा नवा है।

वन संची

भो रूम स्पेत नं० 5-ए, तल खण्ड, समाट भवन, ए--7--8-9, रज़जीत नगर, कम्पूनिटी सेंटर, नई दिल्ली 269 वर्ग फिट सुपर एटिया।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिहारी सहायह आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख: 4-**3--1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986
निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई०/785/764--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 119, प्लाट नं० 2 है तथा जो श्रील्ड रोहन्क रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपायं अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजाद्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, भई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीसफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विद्यास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निवित उद्देश्य से उक्स अंतरण सिक्ति में वास्तिक इस से किंग्ड नहीं किया दशा है —

- (क) जन्तरण ते हुएं किसी जान की बाबस, उनक संधिनियम के अधीन कार दोने के जम्महरू के दासित्व में करने या उससे बचने मीं सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वरः वयः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग वी वनुसरण भें, में. उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन, निस्तिविद्य व्यक्तियों, वर्षाठ ⊯— मैसर्स एलाइश्व कस्स्ट्रक्शन कम्पनी, जी-5, दीपाली 92, नेहरू पलेस, नई दिल्ली-19 ।

(अन्तरक)

 श्रीमती विजय कपूर, एच० डी०-18, पितमपुरा दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्द सम्बुटित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्:--

- (क) इश्व ज्यान के राजपन में प्रकाशन की ताड़ी व रं 45 विम् की अविभिया तत्श्वान्त्री व्यक्तियों वर सूचना की तामीन से 30 विन की जविभि, यो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारः।
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्धि में हितबकुथ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्मव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्या

पलैट नं० 119, एरिया 425 वर्ग फीट, प्लाट नं० 2, भ्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारी**ख**: 4-3-1986

(अन्तर्ग)

प्रकार वार्ष_क हो_{ं।} हुर_ं पुरं हुर-----

कामकद्र अभिनिषम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

कार्यासय, बद्धायक नायकर नायुक्त (निर्धाकक)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई०/7-85/765--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन तकम प्राधिकारी को, यह विक्वात करने का समझ्य हैं कि स्थाप्र सम्पर्तित्, चित्रका उपित वाचार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 304, प्लाट नं० बी-1/2/ है तथा जो आजादपुर कमिश्रयल काम्पलैक्स, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विज्ति है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान इतिप्रक के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य इसके इश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्तद्व प्रतिशत से बधिक है और बन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच पूसे बन्तरण के विष् सूब् बाबा चया प्रतिफास निम्नविधित अद्भावन के उच्य बन्तरण कि कित् वास्तिवक स्प से किथ्त नहीं किया व्या है क्

- (क) बन्दरन वं हुए किसी बाब की बाबद । छवड बिविविव के बचीन कर दोने के बन्दरक के बाबिटन में कमी करने वा उससे बचने नो सुविधा के बिद; बहु/बा
- (क) एंडी फिली नान् ना फिली थन ना नन्द निहितकों को, चिन्हें भारतीय आयु-कर निश्नित्तन, 1922 (1922 का 11) ना उपत निश्नितन ना थन्कर निर्मितन, 1957 (1957 का 27) के प्रकारनार्थ जन्तरियों दूबाय प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जिलाने में सुविधा हो जिल्हा

सता यव, उपव अधिनियम की धारा 269-व की वनुबारक में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन, निम्नजिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- भनोट प्रोपदीस ऐंड इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, 30-31, नेहरू प्लेड, नई दिल्ली।
- 2. श्री राज कुमार नय्यर ,मकान नं० 72, शाम नगर, राजपुरा, जिला पटियाला, राजाब। (अन्नरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनक बम्मृतिक के नुर्वाद के सम्मन्ध में कोई भी बाक्षेप उ---

- (क) इब स्वान के स्वप्त में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तानील से 30 दिन की जनभि, जो भी स्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस त्वमा के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य न्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए वा कर्षींगी।

धन् सूची

फ्लैट नं० 304, तीसरा खण्ड, सुनर एरिया 350 वर्ग फीट वी-1/2, कर्माणयल काम्पलैक्स, आजादपुर, दिल्ली।

आर० पी० राजम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.------

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन न्यना

माइत वरकाइ

कायांतय. सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1986
निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ईई०/785/766---अन: मुझे, आर० पी० राजेग

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 312, प्लाट नं० बी-1/2 है, तथा जो आजादपुर जमणियल काम्पलैक्स, दिस्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बणित है), रिजस्ट्रीरिनी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उभके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पावा गया इतिफल, विम्नितियत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण किचित में बास्तिक स्थ से किचित में बास्तिक स्थ से किचित में

- (क) बन्दर्य ते शुद्ध कियाँ बाव की दावतः, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्दर्क की दारियम में कभी करने वा उससे वचने के सुविधा के सिए; और√या
- (च) एसी किसी जाम वा किसी धन वा अन्य आस्तिवी की जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त वर्षिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ध— मै० भनोट प्रातिटीय ऐंड इन्डल्ट्रीय लिमि०, 30—
 तेहरू प्लैस, नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

 श्रीमती अनिता भण्डारी ऐंड मधु एस० भण्डारी, कांशात क्लीमिक, गोविंद गढ़, जिला पटियाला, पंजाब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंडे 45 विन की जबीं या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर स्वमा की तामील से 30 विन की बबीं भ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितजब्ध किसी जन्य अपेक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ निचित में किए का सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्दों का, थो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगे जो उस अध्याय में विशा गद्या है।

वर्षा

पलट नं० 312, तीसरा खण्ड, 310 वर्ग फिट प्लाट नं० बी० 1/2, आजादपुर, कमिशियल काम्पलैक्स, निर्दे विल्ली।

> आर० प्रो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, विल्ली, नर्ष दिल्ली-110002

तारी**ख:** 5-3-1986

प्रकृष आहाँ, टी. एन.; एस. ------

भायकर अभिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई बिल्ली
नई दिल्ली, दिनां म 4 मार्च 1986
निदेश सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/2/37-ईई०/785/767-अत: मुझे, आए० पी० राजेण,

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, ए० 10-11, है तथा जो भन्डारी हाउस, मुखर्जी भगर, कर्माणयल काम्पलेक्स, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विजन है), रिजस्ट्री कर्मा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृख्य से कम के स्वयंशान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्यः उसके स्वयंगान प्रतिफल से, एसे स्वयंगान प्रतिफल का पत्त्रह् प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया म्या प्रतिकल, शिन्निविचत उष्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से क्रथित नहीं किया गया है

- (क) बनारण दें हुई किसी भाग की बाबत्, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक से दायित्य में कभी करने या उत्तरे दचने में सुविधा से किए, और∕या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आगा आहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

भतः वयः, उक्त विधिनियमं कौ धारा 269-ण को वनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए कौ सपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित स्थितियों, वर्षीत अन्त श्री नीरज कुमार जैन सुनुत डी० के० जैन, खंड
 5/31, रोहनक रोड़, नई दिल्ला।

(अन्धरकः)

2. श्री जें० बों० ग्रमी सूयुत्र एस० सी० ग्रामी, सी-3/ 245, यमुना विहार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को थह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक् सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया विकाह ।

वनुसूची

पलट नं० 201/ए०-10-11, भण्डारी हाउस, काम-शियल काम्बलेक्स, डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली, तादादी 431 वर्ग फिट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-711002

तारीख: 4-3-1986

प्रारूप आइ°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज: 2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निदेश सं० आई०ए०मी०/एमयू०/2/37ईई/7-85/768—— अतः, मुझे, आर० पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रीर जिसकी सं० ई-50, फैज-1 है तथा जो अशोक विहार नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के जार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख जुलाई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के क्यमान प्रतिफस के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का ठारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफस सं, एसे दृश्यमान प्रतिफस का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया पया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से किथत महीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुंदूर किसी जाय की, वावत, सक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधर की कर:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, विम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ह—- (1) जी जी जो जे स्था एक्सन निवासी ई-50, अशोक विहास, 1, नई दिल्ली।

(अव्रतरक)

(2) श्रीमती संकुतला जैंन, प्रवीन कुमार जैन ग्रोर नवीन जैन, ई-50, अशोक विहार, फैंज-1 दिस्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त क्यक्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी शक्षीय :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब चैं 45 दिन की अवधि या तत्सकंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यासः
- (स) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायुर संपत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य का दिन व्यवस्था अभोहन्ताक्षरी के पास सिवित मों किए मा सकी प्र

स्पन्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

ई-50- फेज--1- अशोक विहार- दिल्ली, सिंगल स्टोरी।

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली

नारीख: 4-3-1986

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.-----

सारकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/2/37 ईई /77-85/769 ---अत मझे, आर०पी० राजेश,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से इस्तें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० एके 5, है तथा जो शालोमार बाग, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रार इसमें उपाबंद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर मान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नति द्वित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में के बन्तरण नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/था
- (ख) एरे गि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अस्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, सर्भात्— (1) श्री राज प्रज्ञाश 68ए, कमना नगर, दिल्ली।

(अन्तर हा)

(2) श्रीमती राज वर्मा, जी-94, अशोग विहार, पालीमार बाग, दिल्ली-110052।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप रू--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशना की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के रक्षपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हितााद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किये जा सकी।

स्यक्तीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शादों और पदों का, जो उक्त अधिनिधम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा के उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

प्नाट नं० ए०के०-5, शालीमार बाग, दिल्ली-110033

आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारी**ख**: 4-3-1986

मोहर 🖫

मक्त नार्व स्रोत प्रमा एक 🖘 🖘

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-भ (1) के अभीद सुमना

STATE STATES

कार्यालय, सङ्गादक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 4 मार्च 1986 निदंग मंठ आई०ए०सी०/एक्यू०/2/37ईई/7-85/770— अदः मुझे, आ४०पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके गश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रीत जिमकी जंजा पनेर नं जी-10, है तथा जो एलाइण हाऊस, 2, प्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली में स्थित है (प्रोर इसने उराबद्ध अनुसूची में पूर्ण ख्य ने विणित है), विश्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जुलाई 1985।

अने पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार स्था ते कम के अवस्थान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योगय से उस्त अन्तरण लिखित में शस्तिबक क्य से कथित नहीं किया गबर है है—

- ेंकः शतारण से हुई किसी नाम की नामत उक्त अभिनियन के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व कों कभी करने या उसने बचने में स्विधा के सिए; गौराणः
- (स) एजी किसी लाग वा किसी धन वा बन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय शायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धनकर विभिनियम, या धनकर विभिनियम, या धनकर विभिनियम 1957 (1957 का 27) के प्याजनाथ कन्तरियी ब्वारा प्रकट नहीं किया वजा था वा किया बाना वाहिष् था, कियाने वें सविधा अंशिक्ट:

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो. मी, अक्त अधिनियम की धारा 269 प की उपधारा (1) के अधिन विकास कित व्यक्तियों, अर्थात् है—
30—16 GI/86

- (1) एलाइड कन्स्ट्रमान काली 5/92, दीनाली नेहरू पलैस, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री पवत कुमार जैंद स्रौर उमा जैन एत-105, शास्त्री तगर, मनय रोहेल्ला, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जबक सम्पत्ति के अपनि के सम्बन्ध के मानेहाँ भी बाक्षेप :---

- (क) इस ब्याम के राज्यन में प्रकारण की साहीस में 45 किन की अवधि या तरसम्बन्धी न्यस्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में सभापत होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच चे 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किनी अन्य व्यक्ति द्वाना, अधोहस्ताक्षरी के गास निस्तित में किए जा सकोंगी।

स्पष्टीकरण: ---इसमों प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उक्त व्यापिनियम के बन्धाय 20 के मी परिभाषित ही, वहिंदर्भ होता े उस अध्याय में दिया गया ही।

अम्श्ची

फ्लैट नं॰जी-10, क्षेत्रफल 104 वर्ग फीट 1 सल खन्ड, एलाइड हाउस, 2 ब्रोल्ड रोहमा रोड़, धालीमार बाग के सामने, दिल्ली मिर्माणाधीन।

> ार० पी० राजेश सन्तम प्राधिकारी सहाग अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जंप रेंज-2 स्टली, नई दिल्ली

तारीख: 4-⁻²-1986

प्रस्प गाइ. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनिया, 1931 (. ३. क. 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 4 मार्च 1986

निदेश सं० ्दाी ०ए०सी व/्नयू व/्/ व.इइ/ 7-85/77—— अतः मुझे, आर० पी० राजेण,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके पश्चात् 'उक्त अधिकिक्षण' कहा गया की, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित अज़ार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पत्रैंड तं० 5:3, एस०एफ०एसै० है तथा जो राजौरी गार्डन, नई जिल्ली में रिया है (श्रौर इस दे उपाबद्ध अनुभूकी में पूर्ण कर कि जिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्याक्य, रई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिकारी 1908 (1908 का 16) के अधीन वारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्द प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निव्निष्कित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री अन्द्र प्रकाश गर्मा, एल पी टी 334, सरोजनी नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री बी०के० डिगरा, प्रथम फैट नं० 318, एस एफ एस०, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

की बहु सुचना आरो करके पूर्वांक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवादिया करता हो।

नक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सक्षा हैं।

अनस्खी

फ्लैट नं० इसी-316, एस एफ एस, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-27।

आर० पी० राजेश तक्षत्र प्राधि परी सहाय र आयम्बर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-2 दिल्ली, ाई दिल्ली

तारीख: 4-3-1986

प्रकार बार', टी. एन. एड. - - -

आयखर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2⁄49-भ के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यांत्रव , तहावक आवकर वाव्यत (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

दिल्ली, दिनाँक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/7-85/771 ए०--ग्रत: मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित बाबार मृस्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

न्नीर जिसकी संख्या 18/21 डब्ल्यू० एच० एस० है तथा जो कीर्ति नगर नई दिल्ली गाँव बरुई बसई दारापुर, दिल्ली राज्य में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 (1980 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिस्त से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हम पाया गया प्रतिफल, निम्निनिसित उद्देश्य से उसते अन्तरण निम्निनिसत में बास्तिक क्ष्य से कृषित नहीं किया गया है हि—

- (क) सन्तर्भ सं हुए किसी बाय की बायस उपत अधिन नियम के अभीन कर बने के बन्दारक के दायित्य मं कृमी कुरने वा उससे वजने में सुविधा के लिए; खोड़/बा
- (क) ऐसी किसी बाब का किसी धन या बन्ध कास्तिशं का, जिन्ह भारतीय कायकार विधिनियम, 1922 (1922 का. 11) या उक्त विधिनियम, सा धन्ध कार जो पानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए:

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के समुबर्ध में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुतिकित व्यक्तियों, अभीत्:— श्रीमती सन्तोष मिलक,
 पतैष नं० 8, डवल बिल्डिंग, मार्किट,
 नई राजिन्दर नगर,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

मै० गौरव इन्टर नेशनल,
 13/2, डब्ल्यू० एच० एस०,
 कौर्ति नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्ति रती)

की वह सूचना वारी करके पूर्वाक्त सम्बद्धि के बर्चन के विह

उन्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप:-

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वर्वी में, वो भी वर्वी साथ में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्यूथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए वा सकते।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टिकत हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिल गवा है।

अनुसूची

तादादी 400 वर्ग गज, इण्डस्ट्रीयल प्लाट नं० 18, ब्लाक-2, कीर्ति नगर, वेयर हाउसिंग स्कीम, गाँव बसई दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> . ग्रार० पी० राजेश, नःभम ग्रिवि गरो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली

तारीख: 4-3-1986

ब्रेक्स बाह^{*}, डी. **ए**न , **एड** , पन्न

बाधकर अधिनियस, 196 ं 961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासव, सहायक वायकर आयुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-II दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/5~86/1096:-श्रत: मुझे, श्राई० पी० राजेश,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पहचात् 'उपत कांकीन्यम कहा गया है), की पाद् 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी संख्या प्लाट न० एक एक एक 1/प्राई० यू० ए० है तथा जो वन्दर बाल राड दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबत मनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ती प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्लो में भारतीय आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

का पृथा नत् संपत्ति के उण्यक्ष आकार मृत्य सं क्षम के अपनाप् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्यों नत संपत्ति का उनित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का दन्त्रह प्रतिश्वास सं अधिक हूं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिश्वत उक्तर है उक्त अन्तरण लिश्वत में वास्तिशक रूप संक्षित नहीं कि गया है:—

- (क) जन्तहरू वे हुई कियी नाव की वावत, अक्ष अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तस्क के कपित्य में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविभा के स्थिए; बांड/बा
- (ण) एसी किसी नाम या फिसी धन या अन्य नास्त्यों को, जिन्हों भारतीय नायकर निर्मानयन, 1922 (1922 का 11) या उन्हें निर्मानयन, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गना था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृतिभा चे किया

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मै० यूनाइटिड प्रोपट्रीज,
 मंभरानार्य भार्य, सिविल साईन्स,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री जितेन्त्र कुमार गुप्ता सुपुत्र लाल राम कंत्रर,
 2944, कुचा मेल, द्रस्ट,
 बाजार सीता राम, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वीवत सन्पान्त के अर्जन है जिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नावांप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीय व 45 विश को भीतर उक्त स्थाय पंपत्ति में हितनव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा वकांगे।

स्पल्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20 क में यथा परिमाणित है, बही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया सवा है।

अनुसूची

2982 वर्ग फोट बेंत्रमेंट 1000 वर्ग फोट तल खण्ड ग्रौर 993 वर्ग फीट मजानीन, कंस्क्ट्रोड प्लाट नं० एक्स एल-1/ग्राई० यू० ए० चन्दरवाल रोड, दिल्ली। फो होल्ड।

> ग्राट० पी० राजेश, ाजन ग्रविकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजेन रेंजै-2 दिल्ली

तारीख: 4-3-1986

九朝本 祖原, 荆 · 乃益 · 虚鬼 · ***** *****

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग (169-व (1) के अभीत संवात

कारत वरकार

कार्याचय, सहायक जायकर जायकत (निर्दादक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 3 मार्च, 1986

निर्वेश सं० ग्रई-1/37ईई/7232/84-85:---श्रत मुझे, निसार श्रहमद,

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण भी कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित दाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या यूनिट मं० 109, जो, नवयुग इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 1क्षी मंजिल, गणपती बाग, डा० ठोवणणी जीवरान रोड, भिवरो, बम्बई-15 में स्थित है (यांत इच्से उपानड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण ख्य से विजित है), श्रीविकि का जिसका नामा श्रायकर श्रिधित्यम 1964 की धारा 269 के खाके श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्व में रिजस्ट्री है, तारीखा 9-7-1985

का पृथिवत संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दशामान अतिकल के लिए अन्ति रत बते तह है और लेक कर विषय अववान करने को कारण है कि यथापूर्वायल सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, असके प्रथमान अतिकल स एसे अव्यमान अतिकल का बन्द्रह प्रतिकृत से विभिक्त हैं और वन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरती (अन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा नया प्रतिकल, निम्नसिति उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) मन्तरण सं हुए किसी बाम की गाउँछ, उपस् अभिनियम के अभीन कर याने के अन्तरक के वाजिल्ड में कभी कारने या उससे एक्से में सुविधा के शिष्ट; जरि/बा
- ्ष्ण) ध्रेसी किसी काव या किसी तम का काय कारितानी क्षेत्र, जिन्हीं भारतीय आय-कहर क्षेत्रपित्त्वयः, 1922 । 1922 का 11) या उनत अधिनियम या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था खिपाने को साथा के किए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपपारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सधीत :— श्री प्रभात, उर्फ बतन्त कुमार, माधव जो कारीया।

(भ्रन्तकर)

2. मेसर्स श्रीनाथ टेक्सटाइल्स।

(ग्रन्तरिती)

क्षे यह सुषता बारी करके पृत्रांक्त सम्पन्ति के अवने क निम्न कार्यवाहियां शुक्त करता है।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पटकोक रण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्तुकी

यूनिट नं० 109, जो, नवयुग इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ाली मंजिल, गणपति बाग, डा० ठोकरशी जीवराज रोड, सिवरी, सम्बई-15 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई-1/37ईई/6796/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 9-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निनार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बस्बई

दिनाँक: 3-3-1986

मोहर

भ्रमण मार्ड^क, ही. एवं. **एए** . . . - - -

आवकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-म (1) में अभीन सुपना

शास्त वजनार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1 बम्बई अम्बई, दिनाँक 3 मार्च, 1986

निदेश सं० श्रर्ष-1/3/ईई/7246/85-86:---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

मायकर मिर्भियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें हसके वस्कान् उदार अधिनियम कहा गया हो, की भार 269-अ के अधीन स्थाम आधिकारी की, यह विश्वास करने का कारफ है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार गुल्य 1,00,000/- रह. सं अधिक है

श्रीर जिन्नो संख्या फ्लैंट नं० 201, जो, विना विहार, 2री मंजिल, 17 ए, फलन्त रोड, नायल (पूर्व), बम्बई-22 में न्थित है (ग्रीर इ.से उनाक्षत अनुसूदी में श्रीर पूर्ण रूप ने विजित है), श्रीर जिन्हा जरारनामा श्रायहर श्रविनियम 1961 का बारा 269 क ख के श्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के जार्यालय में रिजिस्ट्रा है, तारोख 9-7-1985

को प्रशंकित मध्यित को जीवत बाजार मृत्य स कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विदेशास करते का कारण हो के यथापूर्वावत सम्पास का जीवत बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालियत उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिलिस में बास्तयिक रूप से किया गया है :---

- (क) अभ्ययन वं हार्द किसी नाथ की नाथक, उन्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिक में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए अटि/सः
- (क) एसी किसी जाए या किसी भने या पत्त आरिसथः की, फिल्हूं भारतीय प्राय-कर जीवनियम, नगद्ध (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन्तार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था भा किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए।

अशः अयः जनतः भोभिनियम को धारा 269-न को अनुसरक्ष भो, मी, उक्त अभिनियम की ारा 269-व की उपधारा (1) के अभीर, निम्निसिक्त व्यक्तियो अथादि 2--- 1. श्रीमती जयश्री ढीपर सोनी

(ग्रन्तरक)

 मूल चन्द मेम चन्द वरैया श्रीर श्रीमती जाँद बेन मेम चन्द वरैया

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रॉक्त संपत्ति के अर्जन के 🕡 🚞 कार्यवाहिया शहर करता हूं।

बच्छ सन्पत्ति को कर्षांप को सम्बन्ध में को**र्ड भी** काक्ष्येप 🗠 -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति क्रिता क्रिता
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं . 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र निवास में किए का सकेंगे।

स्वाह्मीकरण ----इसमी प्रयुक्त शब्दी और यदी का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लैट नं० 201, जो, विना विहार, 2री मंजिल, 17 ए, फलन्क रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० ग्रई-1/37ईई/6809/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 9-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निनार ग्रहमद, लक्षम प्राधि कारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजें -1, बम्बई

विनाँक: 3-3-1986

मोहरः

Solvens and Street S

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनौंक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रर्ड-1/37ईई/7248/84-86:--श्रत मुझे, निमार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पण्चात 'उत्पा अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के के अधीन सक्ष्य पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य

1,00.000/- रु. स अधिक हैं
श्रीर जिएकी संख्या फ्लैट नं 3, जो, 1ली मंजिल, पटेल
श्रीर गुप्ता टावर्स, बी० जी० खेर रोष्ठ, बरली, बम्बई-18
में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से बिणत है), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम
1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 9-7-1985
कां पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाजार मृष्य से कम के ख्रयमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार
मृद्य. उमके इत्यमान प्रतिकल से, ऐसे इत्यमान प्रतिकल का
बम्बई प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
काम गया प्रतिकल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
किवित में वास्तीयक एक से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की वायत, उबल अधि-ियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उक्कसे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- ह) एमी किसी आय या किसी धम वा अन्य शास्तिकों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, खिपाने में सृविभा के लिए;

अकः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृक्ररण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्र श्री युनुफ ग्रब्दुल्ला दिल।

(अन्तरक)

श्री लक्ष्मी चन्द गणेणी लाल गुप्ता श्रौर
 श्रीमती गीता देशी लक्ष्मी चन्द गुप्ता।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवर्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचरा हो राजपन यो प्रकाशन को तारील में 45 दिन को शीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहम्नाक्षरी के पास किसित में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हे ला जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्त्री

पलैट नं० 3, जो, 1ली मंजिल, पटेल ग्रौर गुण्ता टावर्स, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई 18 में स्थित है।

प्रनुसूची जैता कि ऋ०मं० श्रई-1,37ईई,6811,85-86 भीर जो सक्षण प्रकितारी बस्बई द्वारा दिनाँक 9-0-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ितार भहमद नक्षत्र प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज- 1,बस्बई

तारीख: 3-3-1986

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के कभीन त्वना

भारत सरकार

कार्याभव, सहायक जायकर बाव्यत (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंण - 1, बस्बई

बस्बई, दिनाँक 3 मार्च 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 कर 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या करपल्टींग कमरा नं० 203, जो, डाक्टर सेंटर, श्रामस्ट कांती मार्ग, कैम्पम कार्नर, बम्बई-36 में स्थित है (ग्रीर इतने उपावन अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रीर जिपका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांसय में रिणस्ट्री है, तारीख 19-7-1985 का पर्वापन सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य ते कम के सम्यमान प्रतिकत ⁸लए अन्तिरत कि व गच्च ह दिङ्गास करने कि यथा पर्वोक्ट सम्पत्ति का **उचित बाजार मण्य**. उस**में स**बमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रविद्यत से मीधक हैं जौर अंत^{प्र}क (अंतरकों) और अंत**रिती (अंतरितियों) के** भीच एसे अन्तरण को हिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नीलीबत उत्दोष्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित भहीं किया गया है:---

- (क) अम्तरण ते हुई किसी आय का बाबत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1900 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्वैवधा के जिद्द;

अत. क्षत्रं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अजूनरण जों, में, उक्ष्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्मनिकित व्यक्तिरायों, अर्थात :--- श्री प्रयोग अन्द्र एल० साहा और प्रायस्य ट्रेंडिंग कम्पनी।

(अन्तरक)

2. डा० (श्रीमती) यू० बी० सरैया श्रौर बी० ग्रार० सरैया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यशाहिमा शुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति को मर्थन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तरसंबंधी व्यक्तियों पर शूखना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि पाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त विकास में किसी में किसी त्यांक्ति दुवारा:
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्दाध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्क्षा में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हत्रोगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

वन्स्यी

कन्सल्टींग कमरा नं० 203, जो, 2री मंजिल, डाक्टर सेंटर, ग्रागस्ट क्रांती मार्ग, कैम्पस कार्नर, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई- 1/37ईई/6933-ए,85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 19-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निनार श्रह्मद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 1, बम्बई

दिनौक: 3−3−1986

एकम् अरहा . दी . एम् . एस् : ******

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (१) के अभीन स्थाना

पार्त सरकार

नार्गालय महायक आयकर आयक्त (निरोक्सम)
प्रार्जन रेंज~ 1, बस्बई

बम्बर्ह, दिनौंक 3 मार्च 1986

निदेश सं० अई-1/37ईई $/7447/85-86:\longrightarrow$ अतः मुझे, निसार भ्रहमद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इस्कें इसके प्रवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.00,000/- रहा से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 52, जो, 5वी मंजिल, वार्डन कोर्ट, श्रागस्ट कांती मार्ग, बम्बई—36 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25-7-1985

का पूर्वों कर संपृति अचित बाबार भूस्य से कम् के क्स्यमान् प्रतिफल में जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाचार पूर्वस, उसके क्ष्यमान प्रतिफल तं, एसे क्स्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ध्या प्रतिफाल, निम्नसिखित उद्देश स उक्त अन्तरण सिखित वो वास्तिबक रूप से क्रीयत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वायत, जनत अभिनियम, के अभीन कर देने के बनारक क वायित्व में कमी करने या उसस वचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रधाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था रा किया जाना चाहिए चा, कियाने में धृष्टिका के सिन्धा

प्रकारण अभिनियम की भारा 269-व की बनुबरण भाषी रक्षा अभिनियम का भारा 269-व की उपभारा (1) न करार ोरेन लिखित व्यक्तियों, अथीत्:— 31—16 G1/86 श्रीमती शाँताबेन जे० भाडा।

(अनारक)

 श्रो रमेश चन्द्र बी० णाहा ग्रीर श्रीमतो बमुमतो ग्रार० णाहा।

(भ्रन्तरितो)

3. भन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग ने सम्पत्ति है)।

4. श्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सुचना बारी करक पृथासत प्रस्मात्त के बर्चन के सिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं।

बच्छ बंदित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि का तत्त्वक्षणी अविद्यार पर क्षाना की तामीन से 30 दिन की ववधि, को भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स काल्यों में के किसी व्यक्ति वृक्षारा,
- (व) इव बुवना के छात्रपूर में मुक्तकन की ताड़ीय हैं 45 किन में श्रीदार क्वत स्थाप्त कम्पीता में हितबव्ध विकास क्षम्य महिन्द क्यारा स्थाहस्ताकाड़ी के पास विकास में किए का क्वोंने ।

स्वाकारण :---इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्यो का, को उक्त ब्राँखीनुब्द, के बच्चाब 20-क में परिभावित ही, बही क्य होगा, को उस कथ्याव में दिया स्वाही।

ग्रनुन्ची

फ्लैट नं० 52, जो, 5त्रीं मंजिल, वार्डन कोर्ट, श्रागस्ट क्रांती मार्ग, बम्बई- 36 भें स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० श्रई-1/37ईई/7001,85→86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनॉक 25-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निनार अहमद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूश्रजैन रंज-1, बम्बई

বিনাকি: 3-3-1986

मोहर: 🖔

प्रक्य कार्ड . हो . एन . एस . -----

धम्बकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निदेश सं० ग्रई-1, 3कईई, 7271, 85-86:—-प्रत: मुझे, निमार महमद,

कायकर किश्वित्यमं, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त किश्वित्यमं' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या कार्यालय नं 107 जो, क्षमालया त्रिमायसेन को ब्यान सो सायटी लिं , 37 त्यू मरीन लाइन्स, बम्बई—20 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबज श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 के सा, के श्रधीन बम्बई स्थित नक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 10-7—1985

का प्रविक्ष सम्पन्ति के उत्वत नाजार मुस्य से काम के दश्यमान विश्वल के सिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि मजापूर्वोच्त सम्पन्ति का उजित वाजार बून्य, उसके दस्यमान प्रतिकार में, पृत्रे दस्यमान प्रतिकार का बन्द्र प्राधिवत से ज्यान हैं और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितिमों) के बीच एमें अंतरण के जिए तम पाया गया प्रतिक क्या निम्निकिथित उद्विचय से इक्त जंतद्रण जिल्लित में वास्तिविक क्या निम्निकिथित उद्विचय से इक्त जंतद्रण जिल्लित में वास्तिविक क्या ने कांचर वहीं किया जवा है हैं---

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ज्या धनकर अधिनियम, ज्या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या नियम जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधार (1) के अधीन, निकालिनित स्रक्तिकार स्थान :--- 1. डा० बी० एय० निघल, (ट्रम्टं) निजय ट्रस्ट) (श्रन्तरक)

2. श्री सी० डी० गहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्रत सम्पतित के नर्पन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उथत सम्मरित के लर्चन क संबंध में काई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध िकसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिस्ति में किए जा मकोंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

नपृत्यी

कार्यालय नं० 107, जो, 1 ली मंजिल, क्षमालया प्रिमायसेम को-ग्राप० सोसायटी लि०, 37, स्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-20 में स्थित है।

अनसूची जैंदा कि क० सं० ग्रई-1/37ईई/6832/85-86ंग्रौर जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक $10\cdot7-1985$ को रिजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमध नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुकः (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनौंक: 3-3-1986

स्क्य बाद् , टरे , एन , एस ,-----

कायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थान

जारत तरकार

कार्यालय, सहारक आयकर नायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज -- 1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निदेश सं० श्रई- 1/37-ईई/7320/85-86--अतः मुझे, निसार श्रहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार म्ह्य 1,00,000/- उन्न संअधिक है

ग्रौर जिंसकी सं० फ्लैंट नं० बी-38, जो, निर्माल निवास, इसारत नं० 2, 79/8 1, ग्रौंगस्त क्रांनि मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिन्ना करारनामा आकहर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिज्स्ट्री है, दिनाँक 12 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अभ्यार्थ से हुए सिजी बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कनी करने या उससे क्वने में सुविधा से शिष्ट; स्वीर/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अनक्ष अधिनियम, या अनक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 2) के अयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे स्विधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती भान्मति एस० मर्चन्ट श्रौर चंद्रकांस एस० मर्चन्ट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिनेशचंत्र एम० शाह ग्रीर श्रीमती ज्योत्सना एच० शाह।

(अन्तरिती)

(3) श्रन्तरितीयो । (वह व्यक्ति जिसके श्रिक्षोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

अक्षत लम्मिक्त को मर्चन को संस्वन्थ में की**ई भी बाक्षेप** द्र—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की व्यक्ति या तत्त्वस्थली व्यक्तियों प्रश्न सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, हो ही जनिप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति इंदारा;
- (ब) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीन हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा मकोंगे।

स्पद्धीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उत्तर विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं धर्भ होगा जो उस अध्याय में दियों नया हैं।

नगरा ची

फ्लैंट नं० बी~38, निर्मल निवास इमारत 2, 79/81, श्रांगण्ड क्रांत नागं, तम्बई-36 में स्थित है।

प्रापुती जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-1/37-ईई, 68 77/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 12-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद, अझम प्राधिकारी पहायक श्रायुक्तर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनाँक: 3-3-1986

्रकष् बार्ष् हो. पुष्य पुष्य ----

बायकार ब्रिपिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-स (1) के अधीर संक्रमा

बारत ध्रासार

कियां जिया सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-1. अस्वर्ष

बम्बई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/7347/85-86--श्रतः **मुझे,** निसार श्रहमद

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिस इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

घौर जिसकी संवपलैट नंव 141, जो, 14वी मंजिल, मेकर टाबर-जे, अफ परेड, दम्बई-5 में स्थित हैं (ग्राँग इससे उपाबद प्रनस्ची में धौर पूर्ण रूप से विवित्त हैं), श्रांग जिसवा करारनामा प्रायकर श्रिधित्यम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित अक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री.है, दिनाँक 16 जलाई 1985।

की पूर्णेक्त सम्पन्ति के उण्यत याजार मृत्य से केंद्र के दश्यमान अतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्क यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निशिवत उष्ट्रदेश से उत्तर अन्तरण सिवित में बास्तिक एप में कथित नहीं किया नवा है :——

- (क) अन्तरण ने हुई किसी नाय की बाबत, उक्त वीपनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के सामस्य मा कभी करने या उच्चे मणने में सुद्धिश के लिए; भीर/शा
- को, जिली आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या जनकर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, विश्व कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, जिया में सुविधा के लिए;

आरा: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसीं, अर्थात् :--- (1) श्रीमती पारूल ए० मेठ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेनर्सं भ्रोमकार ट्रव्हस्स प्रा० लि०।

(श्रन्तरिती)

(3) भन्तरका

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) विल्डसं-मंकर्स डेव्हलोपमेंट सर्विस प्रा० लि०। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिय कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की जनीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी जनिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में ने किस्मी अभिना कारण;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तार्राक रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिल-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थक्षीकरण :- इसमें प्रयुक्त सम्बों जौर पद्यों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याश में दिया गया है।

अनुस्**ची**

प्लैट नं 141, जो, 14वी मंजिल, मेकर टावर-जे, प्लाट नं 73ए, 74, 83, 84 श्रीर 85, ब्लाक 5, बक्बे रेक्लमेशन स्कीम, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

्ष्रतसूची जैसा कि कि सं प्रई-1/37-ईई/6904/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 16-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमः सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, अम्बई

दिनाँक: 3-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें**ज**~ा, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निर्देण सं० भ्रई--1/37-ईई/7348/85--86----- मुझे निसार महमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके शवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिरुक्तिसंबद्धाननंब 64-बी, जी, तल माला मेकर श्रार्केड़ कफ परेड बम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)। श्रीर जिसका करारनामा श्राय कर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के उपर्यालय में रजीस्ट्री है दिनौंक 16 जुलाई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल को ऐद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम के किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्ते अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती पूच्पा जैन।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती वनमाला के० शहा।

(श्रन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) बिल्डर्स-मेकर्स डब्ह्लोपमेंट सर्विस प्रा० लि०। (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं 64- बी जो तल माला, मेकर आकेंड, मेकर टावर्स काम्प्लेक्प प्लाट नं 73प, 74 83, 84 और 85, ब्लाफ 5, बकबे रेक्लमेशन स्कीम, कफ परेड, बम्बई - 5 में स्थित है। प्रमुक्ति जैसा कि कि सं आई - 1/37-ईई/6905, 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 16-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

नियार अहमद, ाअम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रें**ण**-1, ब स्वर्ष

दिनॉक: 3-3-19**8**6

प्रस्प आहे. टी. एन. एस.-----

जायकर व्यक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, त्रम्बई

बम्बई, दिनौंक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० प्रई- 1/37-ईई/7346/85/86--प्रतः मुझे, निसार श्रहमद

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० दुकान नं० 16, जो, तल माला, मेकर धार्केड, कफ परेड, बम्बई -5 में स्थित हैं (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित हैं), धौर जिसका करारनामा धायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, दिनाँक 16 जुलाई 1985।

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के दूरयमान जित्तिकल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके क्ष्ममान प्रतिकल से, ऐसे दूरयमान प्रतिकल का भंदह प्रतिशत में अपे है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखिन उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में आस्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (कां) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) तुं अधान, जिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) श्री राम अखरानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती अनीना नागेश पिंगे।

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्बत्ति है)

(4) बिल्डर्स-मनर्स डब्ह्लोयमेंट सर्वित प्रा० लि०। (बह्रव्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस राचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तित ब्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूवित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा हैं।

मन्स्ची

पुकान नं 16, जो, जल माला, मेकर धार्केड, मेकर टावर्स काम्प्लेक्स प्लाट नं 73ए, 74, 83, 84 धौर 85, ब्लाक 5, बेकबे रेक्लमेणन स्कीम, कफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि कि लं श्रई – 1,37 – ईई, 6903,85 – 86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनौंक 16-7 – 1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

नि गर श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रामकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज- 1, बम्बई

दिनौंक: 3-3-1986

मोह्य:

प्रक्ष, बार्च, टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुवना

बारत तरका

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-1, बम्बई बस्बई, दिलांक 3 मार्च, 1986

निदेश सं० श्र**ई**--1/37ईई/7389/85 -86 --श्रतः मुझे निसार शहमद

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं पलेट नं 9, जो अंद्रश्यात्रन्छ 1 ली मंजिल, बेस्ट वहुयू सोसायटी रागण्डी रोड़, गंधालिया टेंक, बम्बई-26 में स्थित हैं और इसने उनाबद्ध अनुसूची में और सूची में और पूर्ण काने विज्ञान हैं।) और जिसका करार नामा धार एं पियह सक्षम 1961 की धारा 269 ए, कज के प्रवीत में बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्रा अस्ट्री हैं, हारी खा 19 -7-1935 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वें स्थ उचत अंतरण लिखित में बास्तिबल रूप से कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्य मा कभी करने या उससे क्लने में भृतिधा के निग्; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियां को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनिध्य, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिध्य, १९२३ वर्त कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने धे मुनिधा अस्तिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (t) श्री प्रवेशण एम्स्ट सहा ।

(प्रस्तरक)

(2) श्रीः चन्द्रकांत एस० मर्चेन्ट और भानूमति एस० मर्चेन्ट ।

(अन्तरिर्ता)

(3) अन्तरक ।

्षह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सभ्यत्सि के अर्थन के लिए कार्यकाहिका करता हुए।

उपत बंपरित के अर्जन के संजय में कोई भी आश्रोद :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्था 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा
- (व) इस सुपना को राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीश्व में 45 जिन को भीतर उनके स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिकिस में किए का सकी।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, आं उत्कर विधिन्यम के अध्याय 20 क में गिरभाषिता है, वहीं अपने होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 9, जो अंडरग्राउन्ड ाली मंजिल, बेस्ट व्हयू को० ओप० सोमायटी हाउसिंग, रागवजो रोड़, गंघालिया रोड़, टेंक, बम्बई-र26 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई 1/37ईई/6946/35 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दि तक 19 -7--35 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> िसार श्रह्मय गाम प्राधिकारी सहायक श्रावकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) भनेति रोजना, बस्बई

दिनांक : 3 -3--1986

महिं

प्रकल् आहे. हो. एन एछ. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन स्वना

बारत बडकार

कार्याजय, सहायक जायकर बाबुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बस्बई

बम्बर्ड, दिनांक 3 मार्च, 1986

निदोंण सं० श्रई \cdot ।/3.7ईई/7.156/85-86--श्रतः मुझे निसार श्रहमद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 26, जो 7वीं मंजिल, धन्वस्तरी भुवन को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, श्रागस्ट कांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित हैं (और इससे उपाबद धनुमूची में और पूर्ण रूप से पणित हैं) और जिसका करारतामा धायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 3-7-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमाब प्रतिकार के लिए अंतरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकार में, एसे स्थमान प्रतिकार का पन्दह प्रतिकार से अधिक हैं और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरित (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरका) और जन्तरित (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरका) और जन्तरित (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरका) की स्वाप्त नया प्रतिकार, जिम्मितीयत उप्रवेषा से उस्त अन्तरण कि विश्व पाया नया प्रतिकार, जिम्मितीयत उप्रवेषा से उस्त अन्तरण कि विश्व पाया नया प्रतिकार, जिम्मितीयत उप्रवेषा से उस्त अन्तरण कि विश्व प्रवेषा से उस्त अन्तरण कि विश्व प्रवेषा से स्थान स्वाप्त का स्वाप्त

- (क) कस्तरण सं हुई किसी नाय की शावस, सबस कथितियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य मा कमी करन गा उसस् अचने माँ सविश्य के लिए, नार/या
- कि एकी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- भर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनाथ अन्तिरियो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बत्त: सब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त जिधीनयम की धारा 269-व की उपभाग (1) क बधीस, निम्नीलीवत व्यक्तिकों, क्यांत ३—

- (1) श्री णांता बेन पूजम चन्द्र धारिया।
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भनीत समिकलाल झतेरी श्रीमती हसूमती शनील अवेरी और श्री रसिकलाल बीठ झवेरी।

(अन्तर्रात्तं)

(3) श्रदारक ।

(वह काक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के जर्जन के लिए कार्यक्षाह्या करता है।

उच्च सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारील से 45 विस की व्यविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जब्धि शव में सजाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स व्यक्तियों में से डिज़्सी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ निविद्य में किए का सकींगे।

जनसंची

पलेट नं० 26 जो 7वीं मंजिल धन्वन्तरी भुचन को० धाप० हार्जीसम सीसायटी लि० 143 श्रामण्य कांती मार्ग बम्बई--36 में स्थित है ।

ानुमूर्वा जैना कि कन सं० भई -1/37ईई/6721/ 85 कि अर जा मजन प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 3-7-1985 को एजिस्टर्ड विदासिया है।

> निभार पहिमय सारम त्राबिकारी सङ्ग्याह पानस्य पायुका (विरोक्षण) प्रजीन रेजिन 1 बस्बई

दिनांक : 3→3→1986

प्रकाश बाह्र . टी . एन . एवं .------

नाधकर जांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वना

शारत शरकार

कार्यालय: सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-। बम्बई

बम्बर्र, दिनांक 3 माच 1986

निदेण सं० श्रई--1/37ईई/7249-85/86---श्रन: मुझे, निसार श्रह्मद

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

अंदि जिसकी सं० फ्लेट नं० 3 जो 4थी मंजिल इसारत नं० 7वी वरलप कैम्पा कोला कम्पाउन्ड बीं०जीं० खैर रोड बस्बई-18 में स्थित हैं (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स विजित हैं) ऑर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 को धारा 269क ख के अर्धीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 9-7-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकल से एोडे दरयमान प्रतिकल का पन्त्र प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (कन्तरितियों) के बीच एचे अन्तरक के लिए तय पावा गवा प्रतिकल, निम्निसिवित उच्चेस्य से उक्त कन्तरण निविध में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे अधने में मुलिधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी काए या किसी धन या बन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अविस्ति व्वारा प्रकट नहीं किया एए था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सविधा के सिए:

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमाणिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---32—16 GI/86 (1) श्री युसुक अब्दुरुला पटेल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हंगा नटवरलाल कोठारी और श्री नटवर लाल णांतीलाल कोठारी । (अस्तरिर्ता)

का यह सूचना चारी करनी प्रॉक्त रूपित के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्परित के भवन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किचित में किये वा सकोंगे।

क्यव्यक्तिकरणः ---- इस में प्रयुक्त सब्बा बीर पर्वो का, को उनके विभिन्न से बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष हो। यो उस बध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लेट नं 3 जो 4थी मंजिल इमारत नं 7भी धरली केम्पा कोला कम्पाउन्ड बीठ जीठ खैर रोड़ बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुभूचीं जैसा कि क्रम सं० श्रई-1/37ईई/6812 85--86 ऑर जो सक्ष प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 9--7--1985 को रजिस्टर्ड किथा गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राकर प्रायुक्त (निर्दाक्षण) प्रजीत रैंज-1 वस्बर्ध

दिनोंक : 3-3-1986

प्ररूप कार्च . टी॰ एन ् एक ् कार्यक

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

मारत तरकार

कार्यांक्य, बहायक भागकर वाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज~1 बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० प्रर्द-I/3 ७६६/ ७ ७ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ १ । निसार श्रह्मद

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रथमत् 'उन्त विधिनियम' कहा गया हैं). की पारा 263-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकों सं० फ्लेट नं० 4 जो 2री मंजिल इसारत नं० एवं। धरली केम्पा कीला कम्याउन्छ बी० जी० केर् मार्ग रोड वस्बर्ड 18 में स्थित हैं (और इससे उताबद्ध प्रमुर्च में और पूर्ण रूप से विधित हैं) और जिसला करारतामा धायकर प्रधित्यम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्द्री हैं तारीख 9-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के इन्द्रह प्रतिशत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्निर्लिश्वत उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिल्ला में जाम्यविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनयर के अधीन कर दोने के अन्सरक औ दायित्व में कमी करने वा उसम बचने में सृविधा **से निए; बार/वा**
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की चिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कच्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ता किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण हो, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीत, जिस्ति जिस्ति का वित्तयों, अर्थीत :---

(1) श्रं युमुफ अब्दुल्ला पटेल ।

(अस्पायकः)

(2) श्रीमित चौरावें । भतिनाल कोठारी और श्रीमती जिनेंद्र कोठारी ।

(धन्तरितीः)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेरे हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकींगी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो उच्छ अधिनियम के अध्याम 20-क में परिश्रावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस सध्याय में विया गवा है।

मन्सूची

फ्लेट नं० 4 जो 2र्गमंजिल इमारत नं० 7र्बा बरली कैंम्या कीला कम्याउन्छ बीठ जीठ खैर रोड़ बम्बई-या 3 में स्थित है।

पनुसूची जैसा कि कम संव प्रई--1/37ईई/6813/ 35-36 ओर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-7--1985 की रिजस्टिड मिथा गथा है।

> निसार **भ्रह्मद** सक्षम प्राधिकारो सहायक आए: इर आयुक्त (क्तिरक्षण) अर्जन रेंज-1 वस्वर्ष

दितिका : 3 /3 /19**8**3

न हिंदी ।

मध्य बार्च हो एम एसं . ------

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के बचीन स्वता

नारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निवेश स० ग्राई०-1/37 ईई०/7251/84-85---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.30.030/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिनकी सं० फ्लैंट नं० 2 है तथा जो पहली मंजिल, इमारत नं० 7-ए, श्रौर गैंनेज नं० 3, पटेल श्रपार्टमेंट्स, वरली कस्मा कोला कस्माउन्ड, बो० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण क्य से विजित है), श्रौर जिज्ञा करारनामा श्रायकर श्रधि-विसम, 1961 की धारा 209 कख के श्रद्धांन बम्बई स्थित सक्षम द्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 9 जुनाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सस्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित को गईं है और मुक्ते यह बिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दियमान प्रतिफल से एसे दियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसा जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भ्या था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में वृत्या के जिए;

कत: कव उक्त अधिनियम की धारा 269-मं के अभूतरण वो, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपवादा (1) हो बधी। निस्तिविक्त व्यक्तियों, वर्षांद्र ए— (1) श्रीय्सूफ ग्रब्दुल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गाँतिबैन हीरालाल पचीली ग्राँर श्री बमोधर हीरालाल पंचीती।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का स्थिक्तियों में से किसी स्थिक्त द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए वा सकोंगे।

स्थव्यक्तिस्थाः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्दो को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं० 2, जो पहली मंजिल, इमारत नं० 7 ए, श्रीर गैरेज नं० 3, पटेल श्रपार्टमेंट्न, वरली कम्पा कोला कम्पाउन्ट, बी० जी० रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैना ऋम सं० श्राह्य०-1/37 ईई0/6815/85-86 श्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 9-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार ऋहमद नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज∼1, बम्बई

नारीखा: 3-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए के जधीन सूचना

भारत संरकार

कार्यास्यः, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंण-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेण सं० आई०-1/37 ईई०/7200/85-86-- श्रतः मुझे, निसार महमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 102-ए हैं तथा जो 10वीं मिजिल, ए- विंग, पिक्विम प्रपार्टमेंट्स, काशीनाथ ध्रुव मार्ग, आफ वीर मावरकर मार्ग, वादर (प), बम्बई-28 में स्थित है (भीर इससे उपाबद प्रतुसूची में भीरपूर्ण रूप से विण तहैं), भीर जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 5 जुलाई, 1985

के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 5 जुलाई, 1985 को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सृविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित्त स्थिकतयों, अर्थात् :-- (1) श्री मनोज कृष्ण तौरमल श्रौर श्री श्रशोक कृष्ण तौरमल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जय प्रकाश चायला ग्रीर श्रीमती चन्द्रा जय प्रकाश चावला।

(ग्रन्तिरतींक्रे*

को यह पृथाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उ--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्ति यों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की सारी है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्रभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यख्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दियु। गया है।

ग्रनुसूची

फ्लैटनं० 102-ए, तथा जो 10वीं मंजिल, ए-विंग, पश्चिम अपार्टमेंट्स, काशीनाथ ध्रुव मार्ग आफ वीर सारवर-करमार्ग, दादर (प), बम्बई-28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-1/37 ईई०/6764/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 5-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

नितार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 3-3-1986

प्रकल आही.टी.एन.एस. ******

भायकार निर्धात्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्मना

भारत वरकार

कार्याभय, सहायक जायकर जावृक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- 1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 मार्च, 1986

निवेश सं० श्रई-1/37 ईई/7201/85~86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

कासकार किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों इसको परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, चित्रका उचित वाचार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 119 जो पहली मंजिल, इसारत कोएटीय इण्डस्ट्रियल सेन्टर, प्लाट नं० 12, सी० एस० न० 72, एन० एम० जोशो मार्ग, श्राफ लोग्नर परेल डिवीजन, बस्बई-11 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनयम, 1961

को धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 5-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के इस्यमान प्रतिकल के निए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्थित बाजार बूक्य, उसके अस्यमान प्रतिकल से, एसे उपयमान प्रतिकल का बंदह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) बार अंतरिती (अन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-कल नि-नीनिश्वत स्वश्य से उक्त बंतरण लिखित में अस्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) शन्तरम् से हुन् किसी शाम की गायस क्या सभितियम के सभीन् कर दोनं के जन्तह्रक की शक्तिय में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के जिए; जीर/मा
- (क) ब्रेबी किसी बाब वा किसी धून वा बन्स बाक्तिवाँ का. एउन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में त्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण वा, बा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वा अधीन निज्निक्षितिक व्यक्तियों, रुशेत् :— (1) श्री गिरधारी दास वधुमन श्रीर श्री रामचन्द्र लीलाराम ।

(अन्तरक)

(2) सेंटीनेल यूनिफार्म सलौइंग कम्पनी । (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुई।

उनत सम्परित के बर्जन के संबंध में कोहाँ भी बाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिशिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है.

भग्सूची

यूनिट नं० 119, है जो पहली मंजिल, इमारत क्रीएटिव इण्डस्ट्रियल सेंटर, प्लाट नं० 12, सी०एस० नं० 72, एन० एम० जोर्गा मार्गश्राफ लोश्रर परेल डिवीजन, बम्बई-11 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि अम सं० श्रई-1/37 ईई/6765/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक $5-7\sim85$ को रिजस्टिं किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 1, बस्बई

तारी**ख**: 3-3-1986

प्रकृष बाह् , टी. एवं , एवं ,--------

भागकर रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-व (1) के नपीन स्वना

भारत वहकात

कार्यासव, सहायक <mark>वासकार वायुक्त (निरीक्षक)</mark>

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निदेश सं० अई० $\sim 1/37$ ईई/7210/85-86--- अतः मुझे, निसार श्रहमद

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाधार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पर्लंट बो, 304 है त्या जो तो रो मरी मंजिल पूनम अगर्टमेंट्न, शिव पागर इस्टेंट्र, डा० अगी बेझट रोड, बरली, बम्बई-18 में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 5-7-1985

को पूर्वेक्ति संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त मपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नालांखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मृन्य भा या किया जाना वाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तिमों अधितः— (1) श्री स्रार० स्रार० बारोट स्रौर श्रीमती एव० स्रार० बारोट।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री इ०ए० पंडाल, श्री टी०ए० पंडाल, श्रीमती पा॰टी॰ पंडाल और श्री एम॰टी॰ पंडाल। (श्रन्तरिती)
- (3) अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हं---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविधा, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोष्ट्रसाक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वच्चीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यवा है।

अन्स्ची

पनेट नं० बी, 304. जो, 3री मंजिल, पूनम श्रपार्टमेंटस, शिव सागर इस्टेट, डाँ० ग्रंनी वेझंट रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

प्रत-पूर्वा जैताको क०सं० ग्रई-1/37-ईई/6774/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाँक 5-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार स्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्र्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 3-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयवत् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

िदेग सं० श्रई-1/37-ईई/7211/85-86---- श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्त इक्सर्ने इसको पदभातु 'जबल अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित सामार मृज्य 1,00,000/- रत. से अधिक **है**

और जिसकी सं० दुकान नं० 5 और 6, जो तल माला, विश्व कुटीर की-श्रॉप० हाउसिंग सोसायटो लि०, (नियोजिक्त), प्लॉट नं 892 टिलिपीलएम 4, ऑफ गोखले रोड (दक्षिण), दादर, बम्बई में स्थित हैं (और इसरे उपाबत धनमूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है)और जिसका करारतामा प्रायकार प्रधिनियम 1961 की धारा 269 करा के अर्धात बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है, तार्राख़ 5--7--1985।

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का यंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स्त) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) भेमर्स धानंद उद्योग।

(अन्तरकः)

(2) श्रंत फिरोज मोडमदश्रस्कंत दाञ्दानीता

(श्रन्तिते)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भ 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों ५८ सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवर व्यक्तियां में गं किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 😸 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जे उस अधाय में दिया गया है।

घनुसूची

दुकान नं० 5 और 6, जो, तल माला, विश्व कुटीर को-ऑप० हाउभिंग मोमायटी लि० (नियोजित), प्लॉट नं० 892, टीं व्यीवएस० 4, ऑफ गोखले रोष्ट (दक्षिण), दादर, अम्बई में स्थित है।

अनुसूर्वा जैमाकी कल्मं० श्रई-।/37-ईई/6775/85-86 अीर जो सअम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिलांक 5-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रह्मद सन्नम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, बम्बई

तारीखा: 3--3--1986

प्रकृप मार्च. टी. एन. एस.-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1**961** का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन स्थान

भारत धरन्धर

प्रतिथा. सहायक बायकर बायकत (मिरीक्षण)
 श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 फरवरी 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/7417/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

नाभकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसमें इसमें परकार 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका अचित वाधार मून्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 326, जो, पंनरतः ओपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित हैं (और इसमें उपानद्ध धनुसूती में (और पूर्ण रूप से बणित हैं) श्रीर जिसका करारगामा श्रायकर श्रिधिनिंगम 1961 की धारा 269 कुछ के अर्थान बम्बई स्थिग सक्षम प्राधितारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं। तारीख 24-7-1985

का प्रक्रित सम्पत्ति के उचित माजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वा ए करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त समप्रित का उचित बाजार बूक्य, उसके स्वयमान प्रिक्षण से, एसे स्वयमान प्रतिक्रम का पत्त्रह विश्वा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जोर जंतरिती (अन्तरिकों) के बीच एसे जन्तरण के तिए तब वाया गया प्रति-क्य निश्निक्षित्व उद्वोद्य से उक्त अन्वरण जिल्ह विश्वा में वास्तिक्य कप से कथित नहीं किया गया है :---

- िक) जन्तरण संहूर किशी बाय की बाय्य, उन्त वृष्टित्र के स्वीन कर वाने के सन्तरक के खनित्व में कनी करने या उत्तत बचने में सुविधा के सिम्; बीर/बा
- (व) एसी किसी जाव या किसी भन या अन्य जास्तिकों कर्ग, 'जिन्ह' भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर बांभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविका के लिए;

भतः धव उन्त विधिनयम की भारा 269-ए की बनुबरभ हं, वी, उन्त विधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीर: निस्तिति विवन व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रां जील्प्सर भुद्धलेचा।

(श्रन्तरकः)

(2) वितम डायमंडस्।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में समाति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य**ाहियां करता हुै।**

क्यत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की जनीच ना सरक्रियों प्रमाण किन्द्र की समित की तारीस से सूचना की वानीज से 30 दिल की समित, जो भी समित ना में समाप्त होती हो, के भीतर प्राचित स्वीक्श में से सिक्षी स्थानत इनारा;
- (ब) इस मुजन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विच के भीतर उक्त स्थावर सम्बत्ति में हितवस्थ कि ती कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तासरी के पास जिला में किए आ सकोंगे।

श्चनुसूची

कार्यालय नं० 326, जो। 3री मंजिल पंचरत ओपेरा हाउस, बस्बई-4 में स्थित है।

श्रनुभूर्चा जैसाकी कि सं श्रई-1/37-ईई/6972/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार घहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर आयुक्त (तिरीक्षण) शर्जन रेज-1; बस्बई

衍式度: 21--2--1986

प्ररूप वार्षं.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालब , सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई विनांक 21 फम्बरी 1986

तिदेश सं० ६.ई-1/37-ईई/7366/85-86-- श्रतः मुझं, निसार श्रह्मद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय यूदिट नं० 216 जो पंचित्र इमारत एम०पी० मार्ग बन्बई-4 में स्थित हैं (और इसमे उनाबद्ध प्रमुखी में और पूर्ण रूप से धीनत हैं) /और जिसका करारतामा धायकर धीधितितम 1961 की धारा 269 जब के प्रधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं नारीख 17-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

(अतारातया) के बाच एस अंतरण के बाच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनअप अधिनियम, या धनअप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) सिमना दायसी।

(अन्तरक)

(2) गुन एण्ड एमोसिएटस ।

(अन्तरितंं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हूं।

जक्त संपंत्रि के अर्थन के संबंध में कोई भी आरोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

हपष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पना है ।

श्रनुसूची

कार्यालय यूनिट नं० ४16 जो 2री मंजिल पंचरत्त इमारत एम०पं७ मार्ग बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी फर्किर श्रई-1/37-ईई/6923/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी सम्बद्धे द्वारा दिनांक 17-7-1935 को रिजस्टर्ड िया गरा है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रजीत रेंज-1, बस्बर्ष

दिपांक । 21-2-1986 मोहर।

प्ररूप बाइ . टी . एन . एस . ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुवना

भाग्त सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भायक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-! बम्बई

बम्बई, दिनाक 21 फल्बरी 1986

निवेग सं० श्रई-1/37-ईई/7344/85-86---श्रतः मुझे निसार श्रहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1107 जो, पंचरत्न इमारल जाता प्राप्तांत पार्ग, मिने में हाऊम नम्बई-4 में स्थित हैं (ऑट इससे उपाबह अनुभूजी में और पूर्ण का में बिणित हैं) और िसका कार्यामा आयकर अधिनियम 1961 को प्राप्त 259 ह, व के ध्वीन नम्बई स्थित सक्षम प्राधिन्हारों के हार्योग में जिल्हां हैं, नारीं व 16-7-1985। को पूर्वों के हार्योग में जिल्हां हैं, नारीं व 16-7-1985। को पूर्वों के हार्योग के जियत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में कास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में मृविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. स्थिपने में सविधा के बिहा;

बत: इव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण के वनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, वर्धात्:— (1) डा॰ प्रकाश एस॰ शमी।

(इस्ट्रास्का)

- (2) श्रीमती विशाषा उमाकांत मनानिया। (श्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरिती । (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पति हैं

का यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्य सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यशाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को सभ्याम 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया नवा ही श

वप्याची

फ्लेट नंज 1 ± 0.7 , जो, 1.1वीं संज्ञिल, पंचपन इसारत, माना परमानंद मार्ग, श्रांपेरा हाउस बम्बई-4 में स्थित है।

अतुमुची जैमाकी अल्सं० अई-1/37-ईई/6902/85-36 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> िसार श्रह्मद नक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-1 बम्बई

तारीख: 21--2-1986

मोहर ः

प्रकृष बाह्", टी. एन. एस. ------

बायक्षार बिधिनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भाइत बहुकाड

कार्यक्षय, सहायक नामकार वास्कत (निरावाण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 फरवरी 1986

निर्देश मं० ग्रई-1/37-ईई/7199/85-86---- म्रतः मुझे निसार श्रहमद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें ्सके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गणा हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित वाचार मूस्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर जिनकी संव कार्यालय नंव 1305, जो पंचरत्न इमारत श्रापेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार नामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मैं रिजस्ट्री है। तारीख 5 जुलाई, 1985

को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मृश्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे व्यवमान प्रतिफल का वन्द्रह स्तिकत से विभक्त है और बहु कि वत्रदक (वंशरका) बीर बंशरिती रिती (अन्वरिविवा) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब वाया गया प्रतिकत, निम्नलिवित उद्देश्य है उक्त बन्तरण सिवित में वास्तरिक कम से करिया नहीं किया गया है कम्प

- (क) अन्तरक से हुइ कियी बाव की बावत, उक्त विभिन्नित्र के वभीन कर दोने के बन्तरक के दासिस्य में कमी करने या "ससे वचने के बुविधा के जिए; बाद/वा
- रि) एसी किसो भाग गा किसी भन ना अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्नियम, या भनकर बाभिन्यिम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना शाहिए था कियाने में सनिभा के लिए;

 बतः वयः, उक्त व्यीपनिषयं की धारा 269-ग के बनुतरण थें, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) है बधीरः, निम्निसिमित व्यक्तियों, अधितः :--- 1. मेसर्स श्री राम डायमंडस्।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स इंडो यनिक ट्रेडिंग (प्रायवेट) लि०। (ग्रन्तिंगी)

3. ग्रन्तरको।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह भूपना घश्री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं

जबत बम्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाबाय ५---

- (क) इस स्वका के स्वपम में प्रकाशन की हारोध सं 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी स्वित्यों पर स्वचा की हामील से 30 दिन की नवींथ, को भी वदिश सार में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्यों में से किसी स्वित्य द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित्यव्यक्तिक्षी अन्य स्थावत द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास - निवित में किए वा सकोंगे।

स्यक्कीकरण: इसमें प्रमुक्त कन्यों और पर्यों का, जो अन्ध अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में प्रदेश नवा हैं।

नस्यी

ार्यात्रय प्रिमायसेस नं० 1305, जो, 13वीं मंजिल पंचरत्न इमान्त श्रोपरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है। श्रतुसूची में जैसाकी क० सं० श्रई-1/37-ईई/6763/85-86 श्रौर जो सक्षत प्राधि तरी बम्बई द्वारा दिनांक 5-7 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 21-2-1986

मुक्त मार्च ही एन एस् -----

क्षायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 21 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/7283/85-86—फ्रतः मुझे निसार ग्रहमद,

्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरं सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुरान नं० 25ए, जो तल माला पंचरत इमारत, श्रोपरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधित है) श्रीर जिसक करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 10 जुलाई, 1985

को पूर्विक्त समाति के उवित बाजार मूल्य से कम के **हरममार** परिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिकात से अधिक है

और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उथत अन्तरण सिचित में बास्तिषक रूप से कथित । ही किया गया ही :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अभ्य जास्तियों करं, जिल्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, प्राथनकर अधिनियम, प्राथनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

बरा: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं . मं , उपन अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीत . निम्निविधित व्यक्तिस्ता मुख्यक :--- 1. श्री नानजी जि० करानी, श्रीमती प्रविणा के० करानी श्री जयंत एम० संघवी, बिना के० संघवीर, भावना डी० संघवी, श्री केणवजी बी० नागडा, श्रीमती, चंद्रांका के० नागडा।

(ग्रन्तरक्र} -

2. मेसर्स श्रीराज द्रह्मर्ल्स एण्ड दुर्स प्रायवेट लि०। (ग्रन्तरिती)

को मह सूचना जा<u>री करके पृत्रीक्त</u> सम्पत्ति के अजन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उपत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मा दितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अध्याय स्थाय

मन्सुची

दुकान नं० 25ए, जो तलमाला, पंचरत्न, श्रोपरा हाउस बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-1,37-ईई,6843,85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-7-ें:1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिका सहायक श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोजा, सम्बर्ध

विनांक: 21-2-1986

मोहर /

प्रका बाह् ही.एम.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

HIST SERVICE

कार्यात्तम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोजा 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 फरवरी, 1986

निर्देश सं० म्रई 1/37.ईई/7178/85 86—- म्रत: मुझे, निसार महमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-च के सभीन सक्तम प्राणिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 246, जो पंचरत्न, श्रोपेर हाउत, बस्बई-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसता करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क ख के श्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री तारीख 3 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्क हैं और मुक्त यह विद्यमान करने का कारण हैं कि अभाप्नोंक्त संपत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के भिए तय पावा बया प्रतिकृत, विक्निसित उच्चेष्य से उन्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरभ के सूर्व किसी भाष की वासन, उत्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अम्तरक के सायित्य में कमी करने या उत्तरसे बचने में सुविधा के लिए; 'और ∕ा
- (क्ष) एसि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय नायफर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या धनकर धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के निए;

कतः अब उक्त विधिनियम का धारा 269-ए के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निश्चित व्यक्तिवाँ, अर्थात् ध—- 1. श्रीमती विमला पी० जैंन।

(ग्रन्तरदः)

2. मेसर्स फोर स्टार डायमंडस्।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

का यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त कम्मति के मर्चन के निस्र कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकने।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

कार्यातप नं ० 246 जो । 2रा प्रजिल पंचरत को ० आप० हाउभिह सोतायटी नि ० औवरा हाउस, बन्धई-4 में स्थित है।

स्रतृभूची जवाकी करु मंद्र गृहे-1/37-ईई/6744/85 -86 भ्रौं: जो सक्षम त्राधाकरी बम्बई द्वारा दिन्तंक 3-7 -1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमट सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बाबई

दिनांक: 21-2-1986

में हरः

प्ररूप बाइं.टी.एन्,एस.,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श्र (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्धालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 21 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7262/85-86---- प्रतः मुझे,

निसार ग्रहमद

क्रायकर विधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें एसके पश्चात् 'उक्त विधिनमम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिक्यास करने का कारण हो कि त्यादर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- रु. से अधिक हो

श्रीर जिसकी संब हुकान नंब 73, जो हिरा पक्षा शापिंग मेंटर, भूलाभाई देसाई रोड़ श्रीर हाजी अली का कार्नर बम्बई-35 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 9 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूक्षेत्र यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मात्त का उचित बाजार मूल्य उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिसत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरित (अन्तरित वां) के बीच अन्तर्ण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नोसिकत उक्षेत्र से उक्त जन्त-

<u>रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है रि</u>

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आव की बाबल, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सूविभा के निए; और/या
- (व) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तिकों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नक्षीं किया पता वा या किया वाना वाहिए था, किया में स्थिका के स्थित के स्था के स्थित के स्था के

णतः। सब उक्त विशिविषय की वारा 269-व व विश्वद्रव में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, जिल्लीसिवन व्यक्तियों, वर्षात् ए—— 1. श्री डी० ग्रार० पट्टीवार।

(श्रन्तगक)

2. श्री ग्रब्दुल ग्रक्तिज्ञ ग्रहमद।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी भारतेप है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच । 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्त में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, जो उनल अभिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय है दिया गया है।

भनु**भू**ची

हुकान नं० 73, जो, हिरा पश्रा णापिंग सेंटर, भुलाभाई वेसाई रोड़ श्रौर हाजी श्रम्ली का कार्नर, बम्बई-34 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क्र॰ सं॰ ग्राई-1/37-ईई/6824/85 -86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बध्बई द्वारा दिनांक 9-7 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-1, बस्बई

दिनांक: 21-2-1986

प्ररूप **आई**. टी. **एन. एत**ु-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न के नधीन सुचना

भारत सरकार

काञ्चलका, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजीन रोंज-I बम्बई वम्बई, दिनांक 21 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई०-1/37 ईई०/7179/85486—~श्रत मुझे, निसार श्रहरूद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00 000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 53, जो, हिराई गन्ना शारिंग सेंटर, ताडदेव रोड श्रीर भूलाभाई देसा रोड का जंदर वम्बई 16 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रसुसूची में भीर पूर्ण रूप ने वर्णित हैं (श्रीर जैसाकि करारनामा श्रायक र श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 3-7-1985

की पृत्रोंक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का नंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (कां) अन्तरण से हुइ किसी एय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय न्यायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी, अकत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, जन्मीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् हि— 1. श्री मुकेश श्रारः वादलानी।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती शकुंतला नंदलाल नारंग।

(ग्रन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचाा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृशारा उधोहरताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

दुकान नं० 53, जो, हिस्सा पन्ना णापिक सेटर, ताडदव रोड और भुलाभाई देंसाई रोड का जंशन, दम्बई 26 में स्थित है।

श्रनुसूची जेसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37 ईई/6745/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्रायधशारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1985 को रजीस्टर्ड गिया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहयक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 21-2-1986

मोहर

प्रक्य बार्च टी.एन.एस.-----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (१) के संधीन सूचना

नारत सरकार

कार्याजय, तहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1 व वई बम्बई दिनांक 21 फरवरी 1986 निर्देश सं० आइ-1/37-ईई/7452/85-86---ग्रतः मुझे निसार धहमद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1.00.000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 1502, जो, 15वीं मंजिल (14 वी मंजिल), मेकर चेंबर 5. नरीमन पाइंट, बम्बई 21 में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रावत अधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 25-7-1985

को प्नॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिक्ष के लिए अन्तरित की पद्दें हैं गौर मुक्के बहु पिदवास करम का कारण हैं कि स्थाप्नाँकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरमान प्रतिकास से एसे दरममान प्रतिकास का धन्तह प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्त-रिसी (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तम पाना बस श्रीतक के प्रमानिक उद्विषय से उक्त अन्तरक निवित्त में बास्तिक के प्रमानिक अद्वित अहाँ विका बना हैं है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्त अधिपित्रण के अभीव कहा दीने के अस्तरण क वाजित्य में कही अस्त्री मा स्वरूप अस्त्री में शुन्यका के लिए; और/मा
- (%) एसो किसी जाब वा किसी वन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अत्या अधिनियम, या अत्या अधिनियम, या अत्या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था वा किया बाता वाहिए वा, कियाने में सुविधा के सिए;

बतः विभाग उपत विभिन्यम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उपत बिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्रीमती मंजु श्रेष्ठ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बालकृष्णन एन० पोपावाला, कर्त्ता ग्राफ बाल कृष्ण एन० पोपावाला, हि० श्र० कु० भ्रौर श्रीमती भारती बी० पोपावाला।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)

(4) बिल्डर।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता

है कि वह सम्पति में हितबद है)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यकाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोश्रद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के कार जिस्त स्थावर में किस के कार का सकती।

स्पद्धिकरण :—इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया: गवा हैं।

अनुसूची

ार्पात्रय विमायसंस तं० 1502 जो, 15वी मंजिल, (14वी मंजिल), मेकर चेंबर्स 5, ण्लाट नं० 221, नरीमन पाइंट बम्बई-21में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्राई-1/37-ईई/7006/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वौरा दिनांक 25-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 21-2-1986

प्ररूप गाइ . ढी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्शालक)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 फरवरी 1986

निर्देश मं० श्राई-1/37-ईई/7209/85-86-श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विते इसमें क्ष्मके प्रसाद 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 74, जो, हिरा पन्ना गापिंग सैंटर, भुलाभाई देसाई रोड श्रीर हाजी अली का कार्नर, बम्बई-34 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के दार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 5-7-1985

को पूर्विकत सम्मित्त के उचित वाजार मृत्य से कम के रहश्यमान गतिफल के लिए अन्तरित को गई आहा मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वेक्स सम्मित्त का त्रिक्त बाजार मृख्या, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे जंतरण के लिए तय पागर गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निश्वित में बास्तिबक रूप से किशा नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण से हुई किली आव का राबत. सन्तर बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा बे बिच; कीड/बा
- (क) एसी किमी नाय या किसी भन या कार्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर किमिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाधनार्य कम्परिती इवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिनित व्यक्तियों, अर्थात् :— 34—16 GI/86 (1) डी० श्राय० पटटीवार ।

(ग्रन्तरक)

(2) मोहमद परख हाजी ग्रहमद।

(भ्रन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के मर्जन के लिये कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेत्र :--

- (कां) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरी।

स्मष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त जन्दों और पर्दों का, जो उन्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बहुं। अर्थ होगा को उस कथ्याय में विश्वः क्या है।

धनुसूची

दुकान नं० 74, जो, हिरा,पन्ना मापिक सैंटर, भुलाभाई देसाई रोड श्रौर हाजी श्रली ा कार्नर. बम्बई 34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसायि क्र० क० श्राई-1/37 ईई/6772 85-86 ओर हो पक्षण प्राधिकारी बम्बईद्वारादिनांक 5-7-1985 को रजीस्टर्ड दियागया है।

> निमार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रुजैन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 21-2-1986

प्रस्य बार्ड: दी. हुन्: एस ;-----

आरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत स्रकार

कार्वाक्य, सहायक कायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई दिनांक 21 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई-1/37-ईई/7355/85-86—ग्रतः गुझे, निसार ग्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करसे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव दुवान नंव 126, जो हिरा पन्ना शापिग सैंटर, हाजी ग्रली, बम्बई-34 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्दई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे सम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उदत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप ने किया नहीं किया नया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कची करने थे उधकों स्वान में सुविधा के सिए; बार/बा
- (ख) एसी बिसी जाम या किसी धन या कत्म कास्तियाँ
 स्थ फिल्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) से अकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधी, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स एस० पी० बिल्डर्स ।

(ग्रन्तक)

(2) श्री बद्रददीन ग्रब्दुल मजिद खांन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णेक्त सम्मरित के नर्जन के किएं कार्यगाहियां करता हुं।

उन्त सन्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५२ सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी विषय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिव के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्युष् किंगी कन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गतः विविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपज अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

दुकान नं० 126इ जो, हिरा पन्ना शापिगसैंटर, हाती ग्रली, बम्बई 34 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि क० सं० ग्राई-1/37 ईई/6912/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रजैन रेंज बम्बई

दिनांक : 21-2-1986

प्रकप आहें. टी. एत. एव. -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत बहुकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 21 फरवरी 1986

निदेण सं० ग्राई-1/37-ईई/7451/85-86--ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसफे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० कार्यावय नं० 201. जो मेकर चेंबर्स 5, नरीमन पाँइंट, बम्बई-21 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विजित है), भ्रीर जिसका करारनामा भ्राय कर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 25-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की भई है और मुख्ये यह निश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तिः का उचित बाजार भूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशक्ष से बाधक है बार जंतरक (जंतरकों) बार जंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नितिस्त उच्चेष्य से उच्त जंतरण विचित्त में वास्तविक क्य से कृष्यत नहीं किया च्या है ≲~

- (क) अन्तरण सं शुर्क किसी नाव की वावत, उपत सीचित्रम वी संचीय कर दोने के सन्तरक को दानित्य मं कमी करने में। उससे स्थाने में सुविधा हो विध्; मार/मा
- किर्स किर्स भाग गा किसी धन ना कन्न नास्तिनों को, जिन्ह भारतीय नाब-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ं बत: क्रब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात अन्त (1) श्री चेतनसम टी० रंगीयानी, श्री स्थाम एस० वाधवानी श्रीमती सुनीता जे० रोहरा (द्रस्टीज जी० ग्रार० इंटरनेगनल ट्रस्ट)।

(प्रन्तरक)

(2) श्री ग्रश्विन के० प्रपाडिया।

(प्रन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) बिल्डम्)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पक्ति में हित**बढ़ है**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहिया करता हुं।

उक्त सम्मरित के वर्जन के संबंध में काई भी बाह्य :--

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकादन की तारीख र्ध 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी अवधि जो भी सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि , जो भी अव्धि वाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं फिसी अभीक्ष्य दुवारा;
- (त) इत सूचना के राज्यक में प्रकाशक की तारील से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्ष किसी बन्ध का किस इवारा अभाइस्ताक्षरी के पास निश्वस के किस वा सकते।

स्वस्थिकरणः — इसमें प्रयुक्त वक्यों और वक्षों का, को स्वक्त विभिनियम देशकमात्र 20-क में विशिविक है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्यास में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं 201 जो 2री मंजिल में कर चेंबर्स 5 प्लाट नं 221 बेड़बे रेक्लेमेशब स्किम बरीमन पाइट बम्बई-21 में स्थित हैं।

प्रापुती जैप्रति कश्यंश्यर्द 37-ईई/7005/85-83 और को नज़म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोंक 25-7-1985 को रजीस्टर्ड जिया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायल आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−1, बम्बई

विनांक: 21-2-1986

मोहरः

HOM MIN' .. 2) .. 44 . 44

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के व्यथि कुमना

and alam

आर्थालय, सहायक वायकार वायुक्त (निर्वाणक)

ग्रर्जन रैंज-1 बम्बई

अहमदाबाद, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रई- /37ईई/7449/85-86--ग्रतः मुझे निसार अहमद,

वावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसकें इसकें वश्वात् 'उनत विधिनियम' कहा गया है, की धार 269-ख को वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् गांचार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कार्यालय, प्रिमायसेस नं० 87 जो 8वीं मंजिल, फी प्रेस हाउस, बेक्बे रेक्लमेशन स्किम, नरीमन गाँइंट बम्बई-21 में स्थित है (भ्रौर इसस उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), ग्रौर जिसका करारतामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 25-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उद्धके क्षरमान प्रतिकल से, एसे क्षयमान प्रतिकल का पंचह अतिकथ से अधिक है बार मन्तरक (मन्तरका) बाह मन्तरित (बन्तरित का) के बीच एसं मन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तर्भ ते हुई किती बाब की बाबतं, उत्तेत निधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) को किसी बाब या किसी धन वा बन्य बास्तिया की, विम्हें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिवनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया धाना चाहिए का क्रियाने में सुविधा के जिल्हा;

बतः अब, उक्त अधानयम का धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स मंक्स इंटरनैशनल।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री संजय मुन्शी भागीदार मेसर्स सामु ट्रेडिंग एण्ड एक्सपोर्ट प्रायवेट लि०।

(ग्रन्तरिती)

(4) मेसर्स ग्रयेस्थेटिक बिल्डर्स प्राकृवेट लि०। (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष्ठु कार्यवाहियां करता हुं।

टबरा संपत्ति के दर्जन के रांबंध मं काई भी जाक्षेप :--

- (क) इस श्रुचना में राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, सो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वशहत्ताकरी के पास विश्वित में किए का वकी वे

ल्या करण: ---इसमें अयुक्त कथ्यों बाँड पदों का, को उन्हरें अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस व्ध्याय में दिवा नदा हैं।

बन्सूची

कार्यालय प्रिमायसस नं० 87, जो 8वीं, मंजिल, फी प्रेस हाउप इमारत प्लाट नं० 215, ब्लाक 3, बेकबे रेक्लमेशन स्किम नरीमन गाँइंट वस्वई-21 में स्थित है।

ग्रुनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-1/37—ईई/7003/85—86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी क्रिक्ड द्वारा दिनांक 25–7–1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 21-2-1986

प्रकल भाषी, द्वी . एक . एक - ००००

कायकर शांधनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

शास्त्र वस्थार

कार्यासय, सहायक बायकर मायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 21 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्रई-1/37—ईई/7433/85—86—ग्रतः मुझे निसार श्रहमद .

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अबीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजा मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 106, जो सी- विगमित्तल कोर्ट, बरीमबपाइंट बज्बई-21 में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर आधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बज्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री विनाक 25-7-1985

को पूर्णोकत सम्मित के अधित अध्यार मूक्य से कम क दश्यभाम अतिकाल को निष् अंतरित की नहीं हैं और मूझे यह विक्यास करने का कारण हों कि वथापूर्णोकत सम्मित का उधित वाचार मूक्य, उसके क्रयमान प्रतिकाल का पन्द्रक्ष भित्रत से अधिक हैं जार वन्तरक (अध्यानक प्रतिकाल का पन्द्रक्ष भित्रत से अधिक हैं जार वन्तरक (अध्यानकों) और अध्यारिती (जन्तिकित्या) के बीच होते अध्यारण को निष् तय पामा पना प्रतिकाल, जिम्मिकित स्मार्थकों से उसक वन्तरक विक्रित में वास्तिवक स्पा से किया गया हैं है—

- (क) बन्यक्रम् वं हुन् किसो वाय क्ष्रं पास्कः, उत्थर विभिन्नकः सं वर्षीय कर्तः वर्णे सं भगारक कं सर्विश्य में क्सी करने या प्रसुद्धं बचने में स्थिता के लिल्यः; भौतिताः
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करों, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनिशम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिशी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, जिपाने में सुविधा के किए।

्रवरः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बन्सरण २८, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को वधीन, विकास प्रविक्त कार्कितयों, अधीत् ६—— (1) श्रीमती हेमलता दिनेश णहा श्रीमती इच्छाबेन ए० देसाई और श्रीमती निशा नरेश कुमार मेहता।

(ऋन्तरक)

(2) मैसर्स प्रारी जी इन्बेस्टमेंट कन्सल्तैन्टस प्राइबैट लि०। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के दिख् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कांद्र भी बाबोप :---

- (ह) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्पिस में हिन्बक्स किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पास सिन्दिस में किए का सकीने।

स्वध्यक्रिकरण:---इसमें प्रभूषत शब्दों मीर पदों का, भी सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही नुर्ध होगा को उस अध्याध व्या है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 106 जो 10वीं मंजिल, सी० विंग मित्तल कोर्ट प्लाट नं० 224, नरीमन पाँइंट बम्बई-21 में स्थित हैं। श्रनुसुकी जैसाकी ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/6987/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षृण) श्रजैंस रेंज-1, अस्टार्फ

दिनोदः: 21-2-1986

प्रकार वार्ड . बी. क्य , देश

आयकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-भ (1) के बभीन सुभवा

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक वायकर वायुक्त (विक्रीक्रक)

ध्रजन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 21 फरवरी 1986 निदेश सं० अई--1/37-ईई/7404/85-86---ग्रतः मुझे निसार अहमद आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस

कायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उबल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रह. से अधिक हैं

श्रीर जिपकी संव कार्यालय नंव 706 जो, 7वीं, मंजिल, तलियानी चेंबर्ज नरीमन पाँडंट बम्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिता उरारनामा श्रायत्र श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 ं, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 22-7-1985

को प्रशेषित (स्वार) व एलिया बाजार मूल्म स कम के इक्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उपित श्रामार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्यथमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिपत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना गमा प्रतिफ ल्नीम्नलिखित उद्देश्य से उस्त् अन्तरण किविच में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है :---

- (कः) अन्तरण वे हुई किसी शाम की वानवा, सकत क्रीधरित्यम क्षेत्र अभीत कर दोने के सन्तरण त दासित्य में कमी करने या उससे बचाने क्षेत्र सृविधा को तिए; और/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या पत धनकर अधिनियम, या पत धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है अधाजनाथ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीतः, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री श्री देव रामजी मिश्रा ।

(ग्रन्तरक)

- (2) मैसर्स कोलंबिया लिसिंग एण्ड फायनान्स लिमिटिड
- (3) अन्तरक।

वह व्यक्ति जिलसके अधिभोग में सपत्ति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कांई भी धाओप :--

- (क) इस स्थान को राजधन में प्रकाशन को तारीं है 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी अधिकायों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनिंध, औं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हिराबर्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पार सिवित में किस् जा सकेंगे।

क्ष्मच्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त धव्दां और पदां का, जो उक्त विधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

कार्यालय नं ० 706 जो 7वी मंजिल तुलसियानी चेंबर्स नरीमन पाँइट बम्बई 21 मे स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० श्रई-1/37-ईई/6960/ 85-86 श्रोर जो सज्ञन प्राधिनारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निभार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक 21-2-1986

मोहर 🖫

प्रारूप आई.टी.एन.ख्व. ...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 फरवरी 1986

निर्देण सं० अई-1/37-ईई/7350/85-86-अतः मुझे, निसार अहमद

श्रौर जिसको सं० कार्यातय सं० H, जो 11 वी मंजिल, मित्तल कोर्ड, गरीयत प्याइट, बम्बई-21 में स्थित हैं (श्रौर इसचे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप वे विणत है), श्रौर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 16 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्मरित के उषित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान इतिकान से स्मिए मन्दित की वर्ष है बरिर मृत्ये वह विकास स्माने का कारण है कि वष्णप्रोंक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रीतकान से, होते स्वयमान प्रीतकान का कम्बूह प्रशिक्त से अधिक है और सन्तरण (बंतरका) और वंतरिकी (बन्तरितिका) के बीच होते वन्तरण से सिन्ह हम पाना कम प्रीत-कम निम्मणिक्त ज्यावस्य से उनका सन्तरण निकास में धास्त-विकास स्मान से किया नहीं किया गया है हु---

- ंक्ष्मं क्ष्मन्त्रकः से मुद्दं विकरी कामः की वासकः, सम्बद्धः सीधनियम के सधीन कर दोने के सन्तरक केंद्र दाधिरक में कमी करने का उसने बचने में स्वीतभा के बिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विक्री भारतीय गाम-कर विधिनयमं, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनयमं, वा अन्तर अधिनयमं, वा अन्तर अधिनयमं, वा अन्तर अधिनयमं, वा अन्तर अधिनयमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट महीं किया गया या का किया बाधा विद्या वाधा किया विद्या विद्या

जन: धन, डफ्त सीपनिवंध की पारा 269-म के, सनुसरण भी, मी उक्त जीपीयम की भारा 269-म को उपभारा (1) के जपीन निम्नीसीयत व्यक्तियों सम्बंध मून्य

- (1) श्रीमती दमयंती देवी, उर्फ ध्यूदेवी बी० गुप्ता, श्रीमती पुष्पादेवी पी० गुप्ता, श्रीमती कंतादेवी जे० गुप्ता, श्री महेंद्र कुमार पी० गुप्ता, श्रीमती देवकीरानी राम पुरुषोत्तम, श्री वेदप्रकाश मनवरलाल, श्रीमती मीना देवी पल्लाडीयम द्रेडिंग एंड एन्सीज लिमिटा। गोविंदराम श्रौर श्रीमती जमनादेवी मनचरलाल । (अन्तरक)
- (3) अन्तरक । (वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (ह) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्न-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास विविद्यत में किए जा सकोंगे।

स्पक्किस्टम : क्लामें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो स्वत अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, मही अर्थ होगा को उस अध्याव में दिया गया है।

अनुस्ची

कार्यालय नं । III जो सी-विंग, 11 वीं मंजिल, मित्तल कोर्ट इमारत प्लाट नं 224, ज्लाक 3, बकबे, रेक्लमेंशन स्कीम, नरीमन पाइट, बम्बई-21 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० ग्रई-1/37-ईई/6907/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकाली बम्बई द्वारा दिनां र 16-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनां क : 21-2-1986

प्ररूप बाइ . दी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० अई--1/37-ईई/7225/85-86--अत:, मुझे, निसार अहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात जिसे प्राप्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी पंजपत्त नं २ 2, श्रीर गैरेजतं २ 2, जो, (ठी मंजिल, इमारता ं २ 7 जो, उटेन आहं मेंट, बीठ जीठ खेर आगं, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (श्रीर इसके उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), श्रीर जिसका जरारनामा आधकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दियो ह जुलाई 1985

कां पूर्विविद सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार श्रूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती श्रीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित अब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंगत अहीं किशा म्या हैं:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अंिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविजा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

जिल जर. जर्म अधिरिजय की धारा 269-ए के अनुवस्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री युसूफ अब्दुल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

(2) थेराप्युटी :म् केमिकल रीसर्च कार्पोरेशन । (अवतरिती)

को यह सुभन्त जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप द्र---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसर्पा

'पलैट नं० 2, श्रौर गैरेज नं० 2, जो इमारत न ० 7बी, पटेल आपर्टमेंट, बी० जी० खेर मार्ग, बरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर ग्रंथ अई-1/37-ईई/6789/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक श-7-1985 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बर्ष

दिनां ६: 3~3-1986

१क्ट्र वार्ड्टी : **१३** .ए४ ..----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) जो अभीन स्चना

बाहर प्रकार

कार्यांसय, सहायक कायकर काय्क्त (निराक्षक)

अर्जन रेंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं अर्ध-1/37-ईई/7224/85-86--अत: मुझे, निसार अहमद

मायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 स्रोर गेंरेज नं० 1, जो, 6टी मजिल, इमारत नं० 7बी, पटेल अपार्टमेंटस्, बी० जी० खेर रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित हैं (स्रोर इससे उनाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित हैं), स्रोर जिसका कराएतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 8 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मृत्य से कम को क्यमान भिरिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, विस्तिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्त-किक रूप से कथित नहीं किया चना है है—

- (क) बन्तरण संधूर्व किसी बाय की बाबत, उक्त सिथिनियम के सभीन कार दोने की धन्तरक को दावित्य में कभी कारने या उच्च ब्यूने में सुविचा वे सिथ्; न्हेंद्र/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, किसी भारतीय जाव-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्दिश युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में संविभा के लिए;

कतः अव, उकत अभिनियम की धारा 269-न के अनुसरक कें, में, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अध्या, निम्नसिविद्य कविद्यों, कवीद ■── 35—16 GI/86

(1) श्री युसुफ अब्दुल्ला पटेल ।

(अन्तरक)

(2) थेराप्युटीक्स केमिकल रिसर्च कार्पोरशन ।

(अन्तरिती)

को बृह सूचना बाड़ी करके दुव्योंक्य स्वयंतित के श्वीन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्ट दल्लीत्व में वर्षन में डम्बन्य में सोई पी वासोर ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधेष्ट्स्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्कीकर्णः -- इसमें प्रमुक्त सक्कों और वर्षों का, को उक्त वर्षिन्यमं के वश्यान 20-क में परिभाषित है, बहुी वर्ष होया को उस वश्यान में विया गया है।

भनुसूची

"फ्लैट नं० 1, श्रीर गैरेज नं० 1, जो, 6ठी मंजिल, इमारत नं० 7बी, पटेल अपार्टमेंटम्, बी० जी०खेर ठीरोड, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० मं० अई-1/37-ईई/6788/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

मोहर 🖫

THE SELECTION OF THE PERSONS

वायकार वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्थना

साउँ चडकाड

कार्यासय, सहायक आयकर नार्क्स (विरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिलांक 3 मार्च 1986 निर्देश सं० अर्ड-1/37-ईई/7222/85-86--अत: मुझे। निसार अहमद

नावकर जीविमियन, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इस्ती दशको परपात् 'उनत जीभीनवन' कहा नवा है), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से किभिक्ष है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 602, जो, सी-ज्लाक, पूनम अर्गार्ट मेंटस, डा० एनी बेग्रनी रोड, बरली, बम्बई-18 में स्थित हैं (भौर इसने उत्तबद्ध अनुमुंबी में ग्रीर पूर्ण क्व मे वर्णित हैं), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 जब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 8 जुलाई 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंवरण के निए तय पाया गया प्रति-का, विश्वानिवित क्रयमेन से बच्च कम्सरण सिवित में बास्तविक कन में कवित नहीं किया बचा हैं—

- (क) भारतपत्र वे हुई किन्दी शास की बावतं, तक्त विभिन्निया के जभीन कर दोने के कस्तरक के कृषित्व में कभी करने वा उससे वभने के स्थिभा के निष्कृ और/जा
- (ण) देवी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय कायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, जियाने में स्विभा के जिल्हों

नुतः वन, अनतः अभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण की, की, अनत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की अभीम, निम्निसिस्त अपितयों, अभीत हु--- (1) मेसर्स फ्रेस्ट होटेल्स लिमिटेड ।

(अण्तरक)

(2) श्री अरूण भोगीलाल मोदी श्रीए श्रीमती सूधा अरूण मोदी।

(अन्तरिती)

का वह बुचना बारी अच्छे पुर्वेक्त सम्बद्धि के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

एकद सम्मति के क्यीन के संबंध में कोई भी कर्मान :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की शारीय है 45 दिन की अनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की शामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सब्धि नाम में समाप्त होती हो, के शीलर कुर्विश्व क्यांक्स कार्यों में से किसी कार्यत द्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकारण की सामीत से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थानर संपरित में हित्रस्थ किसी सन्द स्थानत स्थार स्थाहस्ताक्षरों के शब सिचित में किए वा सकने।

प्रमुखी

"फ्लैट नं० 602, जो, सी-च्नाक, पूत्रम अपार्टमेंटस्, डा० अनी बेसंट रोड, बरली, बम्बई-18 में स्थित है। अनुमुत्ती जैसा कि क० सं० अई-1/37-ईई/6786/85-86 श्रौर जो सजन प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 8-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सह्यार अध्यक्त अधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—1 वस्कर्ष

दिभांक: 3-3-1986

प्रसम् चार्च . टॉ . एम . एस . ------

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीत सूचना नारद सरकार

कार्यांकन, तहावक वायकर वाय्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 3 मार्चे 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई 7221/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं वुकान नं 4, जो, गिपट हाउस, प्लाट नं 940, टी । पी । एस | 4, लोग्नर माहीम, प्रभावेनी रोड़, बम्बई - 25 में स्थित है (श्रौर इसने उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिष्ठानियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनौंक 8 जुलाई 1985 को प्रोंबर यस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, एसे क्रयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिक्रत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित महीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सूविधा वौ किए; बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं अंदतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्ञातः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण वें, व्रॉ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, मिस्निसिक्त व्यक्तियों, अव्यक्ति ३००० (1) मेसर्स गिफ्ट कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(भन्तरक)

(2) हिलीमान फिल्म प्राईवेट लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पुनें अस सम्पत्ति के अर्थन के जिल्ला अर्थवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी नाक्षेत :---

- (क) इस स्वना को राधपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविभ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तांभील से 30 दिन की सबिध, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कृत्याः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 बिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ब किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास व्यक्तिंत में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त शस्यों कीर वहाँ का, को उभत किथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं कर्ष होगा को उस सभ्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4, जो, गिफ्ट हाउस, लाट नं० 940, टी० पी० एस० 4, लोग्रर माहीम, प्रभादेवी रोष्ट्र, बस्वई-25 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क० सं० **मई** 1/37 म**ई**ई/6785/85 86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनौंक 8-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

विनाँक: 3-3-1986

मुख्य आहें, ट्री. हर प्रस् -------

बायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के लभीन सूचभा

भारत सरकार

काबीशय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षा)

ग्नर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० ग्रई-1,37-ईई/7278/85-86--ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रकार 'उत्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 14, जो, 2री मंजिल, राम निवास, ए-विंग, प्लाट नं० 226, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनाँक 10 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्यंत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आग की बाबत, उक्त जीवनियम के बचीन कर दोने के बंतरक के वाक्तिय वो कमी करने या उक्कसे बचने में तृष्टिया के निए; बौर/वा
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय भायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियस, वा के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा विका बाना वाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के ब्रियः;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, क्रमत अधिनियमं की भारा 269-च की जयभारा (1) को नभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् हि—— (1) श्री लक्ष्मीचंद नागशी मोमया और श्रीमती हिमाबाई लक्ष्मीचंद मोमया।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वसंतराय भगवानजी संघवी श्रौर श्रीमती ज्योती बाला सुखलाल संघवी।

(ब्रन्तरितीः)

(3) श्रन्तरितीयों। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्क्क स्टारित के वर्षन के संबंध में काई भी वासोप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य क्वित्ववाँ में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस सूचमा के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी बन्म विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास निवित्त मों किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पड़ों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैंट नं ० 14, जो, 2री मंजिल, राम निवास, ए-विंग, प्लाट नं ० 226, सायन (पूर्व), बम्बई-32 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37—ईई/6838/85—86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 10-7—1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, बम्बर्ष

विनाँक: 3~3~1986

प्रकल बाह्र टी.एन.एक.-----

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) जे नधीन सुचना

माद्रत सरका

कार्यालय, सहायक सायकर नायुक्त (निर्देशक) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निर्वेश मं० श्रई-1/37-ईई/7479/85-86--श्रतः मुसे निसार श्रहमद

शायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त लिभिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 503-डी, जो, स्टील चेंबर्स, 5वीं मंजिल, 58-बी, देवजी रतनशी मार्ग, बम्बई-9 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 19.61 की धारा 269 कख के अधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनाँक 26 जुलाई 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य ने कम के समझाध प्रिक्षित्व को लिए अंतरित की गई है जौर मुम्हे यह विश्वाध करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल का पन्छह भिक्षित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बौच ऐसे बन्तरण के निए तय पावा पन। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण जिल्डिय में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया जवा है ——

- (क्) क्लाइन ने हुई गिया नान की बान्यू, स्वय निर्मित्र के भूगीन कार देने में बुन्तुस्क की राजिस्य में कती करने या उपने समाने में सुनिया को सिए; शीर/या
- (क) एरेडी किसी नाम वा किसी अब का काम जारितकों को, जिन्हों भारतीम जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था का किया वावा चाहिए था, किनाने में बुविधा को किस्;

जितः सम, थक्त विधितियम की धारा 269-स के बनुकरण ही, ही, उक्त निवितियम की भारा 269-स की उपचारा (1) के श्रुधीन निम्तनिवित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री महेंद्र चंपकलाल मेहता।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स जयंत आक्ट्राय रिफंड एजेंसी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी काक्षेप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की नगिंध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पद्य सूचना की तामील से 30 दिन की नगिंध, जो भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ठ क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इंशाय;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अ्धोहस्ताक्षरी कें पात निविद्य में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याव में दिया गया है।

मनुष्

कार्यालय नं० 503-डी, जो, स्टिल चेंबर्म, 5वी मंजिल, 58-बी, देवजी रतनशी मार्ग, बम्बई-9 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कै० से० श्रई-1/37ईई/7033/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 26-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनाँक: 3-3-1986

मोहरः

प्रस्य वार्षं . टी . दुव् . व्यः ्वनवन्त्रवस्तरस्य

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

बारत बरकार

चार्यक्य, सहायक भागकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज- 1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7296/85-86-अतः मुझे निसार अहमव,

नायकर गौधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उन्देश नौधनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ज के नधीन सक्षत्र प्राधिकारी को बहु विश्वास अर्जे का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं व यूनिट नं ० 609, जो, 6ठी मंजिल, णहा~नहार (वरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्ष म प्राधिकारी के कार्याक्य में रजीस्ट्री है, दिनांक 11 ज्लाई 1985

को पृथिनित सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के अस्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विस्वास करने वा कारण हैं कि यथांपृषीवत सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, असके अस्यमान प्रतिफाल से, एसे अस्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निसिक्त उड्डिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रीवक रूप से किंबत महीं किया गया है है—

- (क) अप्तडल वे हुई किसी भाग की वावता, उन्तर अधिनियम के स्थीन कड़ बेने के जन्तहरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्यमे में सुविधा के किए; मौद/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अत्य बास्सियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्स वृधिनियम, 1927 (1957 का 27) के प्रवोद्धनार्थ क्विटिट व्यास प्रकट वहीं किया नया या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

क्षतः वय, उक्त वाँभनियम की भारा 269-व के वनुकरण की, मी, वक्त वाँभनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसिल व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) मेसर्स शहा एंड नहार डेव्हलोपमेंटस्।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स हरीसन्स ग्रपारेल प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

(3) बिल्डर।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संवर्ति को अर्थन के सिए कार्यवाहियां कडता हूं।

उनत् सम्परित् के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् ह---

- (क) इस क्षमा भी राज्यम में म्कास्त भी ताडींस से 45 जिल की जन्दींस वा स्टान्स्थी न्यूरियसी व्य स्थान की तासीस से 30 दिन की सर्वीय, से भी सर्वीय वाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रवेकिश न्यूरियसी में से किसी स्थानित हुवारा?
- (क) ्स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरणः --इसमें प्रमुक्त कव्यों और वयों का को अवध अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभावित हैं,। नहीं वर्ष होंगा, को उस वध्याय में दिया प्रमा हैं॥

वन्युषी

मूनिट नं ० 609, जो, 6ठी मंजित, शहा-नहार (वरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई- 1/37-ईई/6854/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 11-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनौंक: 3-3-1986

मोहरः

प्रक्ष नार्षः, हर्गः, दुषः, दुषः,---वन्त्रन

जायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन क्चना

भारत तरकार

कार्यालय , सहायक बागवार जागुक्त (निर्यालन) श्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देण मं० श्रई-1/37-ईई 7297/85-86--श्रत: मुझे निसार शहमद

बावकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल् 'उक्त विभिनियम' कहा नया ही, की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि विभागविक्त सम्पत्ति का उचित वाकार मूल्य 100,000/- स्तु से विभिक्त ही

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 17, जो, तल माला, विना बिहार को - श्राप । हाउसिंग सोसायटो लि ०, फलन्क रोड़, पण्मुखानंद हाल के पाम, सायन, बम्बई - 22 में स्थित हैं (और इससे उपाबद श्रनुमूची में और पूर्ण रूप में विष्त हैं), और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के खके श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, दिनांक 11 जुलाई 1985।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कन के व्ययमान बितकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह निकास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का बलाह प्रतिकात अधिक है और अस्तरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरक के निए तब पाया गवा प्रतिकल निम्नितिचित उद्योच्य से उच्य अस्तरक निचितं में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया नवा है इ—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनत बांधानयम के बनीन कर दोने के नन्तरक के खाबत्य में कमी करने वा उससे बचने में सर्विधा के चिद्रा कींग्रंग
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजीजनार्थ जन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ब्लिपाने में स्विशा के लिए;

कतः जब, उक्त वीभीनयम की भारा 269-ग के वनुसरव में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, वर्षात् :—

- (1) श्री अङ्गीलारायण पुरम भारायणम्बार्म, वर्गेष्ट (प्रन्तरक)
- (2) श्री णणि भूषण गोधल और श्री रिव कॉल गोधल। (ध्रन्तरिती)
- (3) अन्तरिर्तायों । (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभाग में सम्पति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को नह सूचना चारौँ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस ध्वना के द्वावपत्र में प्रकाशन की बारीक के 45 दिन की नगीं या तत्वत्वन्त्री व्यक्तियों दर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत क्यन्तियों में से किसी क्यों क्या
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस्सवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहत्साक्षरी के पास विवित्त में किए जा सकोंने।

न्यक्रीकरण: ---इसमें । युवत शब्दों वां, पवां का, जो अवत विभिनयम के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस वश्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

पलैट नं ० 17, जो, तल माला, धिना बिहार को-माप ० हाउसिंग सोसायटी लि०, फलन्क रोड़, पण्मुखानंद हाल के पास, सायन, बम्बई- 22 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि क० सं० श्रई-1 37-ईई 6855/85-86 आर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 11-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेज--1, बम्बई

विनांक: 3-3-1986

मोहर 🚦

प्रकल बाह्यं हैं हैं , एवं , एवं ,

वार्षकंड वर्डभ्रित्यम, 1961 (1961 का 43) की बार्ड 269-व (1) के ब्योन क्यान

बार्स बरमाव

कार्यज्ञ , रहायक मायकर मायुक्त (प्रिटीक्राण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनौक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० ग्रई--1/37--ईई 7295/85--86---श्रत: मुझे निसार ग्रहम्ब

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस-का उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं य्निट नं 608, जो, 651 मंजिल, शहा-नहार (यरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट, यरली, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आर्यर अधिन्य 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 11 जुलाई 1985।

को न्वींक्त सम्मत्ति के विषत बाबार मूक्य से कम के क्यमान मृतिपन्न के सिक् बन्बार्डित की पर्द हैं और मुन्ने वह विश्वात भारने का कारण है कि बयाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मून्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचात से अभिक है और मंतरक (मंतरकों) भीर मंतरिली (मन्तरितियों) के बीच एसे बन्बार्य के सिए सम पाया गया मृतिपन्न निम्मिनिक क्ष्योंक से सकत बन्बार्य जिल्लि में बास्तांबक क्य से क्रियत महाँ किया गया है हिल्ल

- (क) नन्तरक से हुई किसी नाव की वावत, उक्त वीविनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के खरित्व के कनी कड़ने वा दक्क बड़ने में बृधिया के लिए; और/या
- (श) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियंस 1922 (1922 का 11) शा उन्तर अधिनियंस, वा धन-कर अधिनियंस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इतारा प्रकट नहीं किया नवा वा विका वाका वाहिए वा, जिनाने के सुर्विना के विक;

वराः वर्षः, उक्त विधिनियमः, की धारा 269-न वै वम्हरणः *. वै., उक्त विधिनयमं की धारा 269-व की सप्पादा (1) वधीनः जिल्लासिक व्यक्तियों, वधीत् क्ष-- (1) मेसर्स णहा एंड नहार डेम्हलं प्रमेंटस् ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स हरीसन्स अपारेल प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

(3) बिल्डर।

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पति है)

(4) (बह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

कार्य बहु सूचना चार्डी करके प्यॉक्ट संप्रित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष्म् दल्हीत् वे वर्षप् वे दल्ह्म् वे कोई ही वाक्षेप्रः ः

- (क) इस त्यना के एक्पन में प्रकारन की तारीय सं 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्यका की ताबील के 30 दिन की जबिश को भी अवृति कह में संसाध होती हो, से मीत्र प्रॉक्त कालाकों में से विश्वी न्यांस्य इसका;
- (व) इस स्थान के राजवन में त्रकावन की दारीय से 45 दिय के भीतर उच्या स्थानर संगरित में हितवस्थ कियी बन्न स्थानत इंगारा, अभोइस्ताक्षरी के गास सिवित में किए या सर्वीन।

स्पन्दीकरण: ---इसमें प्रवृक्त सन्दों और पदों का, जो अन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा क्या हैं।

नग्स्ची

यूनिट नं० 608, जो, 6ठी मंजिल, शहा-नहार (वरली) लाईट इंडस्ट्यिल इस्टेट, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1 37-ईई 6853/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजीस्टर्ज किया गया है।

निसार श्रह्मद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

प्रारूप बार्च .टी . एन . एस् . ------

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर मायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्वेश सं० श्रई-1/37-ईई/7298/85-86--श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिच इसकें इसकें पश्चात् 'उबत विधिनियम' कहा गया हैं) की चात 269-च के वधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विकास करने का करण हैं कि स्थावर संपरित. जिसका उपित बाबार मृख्य 1,00,000/-रा. से विधिक हैं

और जिसकी संव यून्टि नंव 411, जी, 4ई मंजिल, बुरा हेरी इंडस्ट्रियल इस्टेट, हनुमान लेन, लोक्ष्य परेल, बम्बई-13 में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध धनुमूर्ज में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), और जिसका करारतामा आयकर प्रधिन्यम 1961 की धारा 269 के खे के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 11 जुलाई 1985

को पूर्वेक्स सम्मित्त के उचित बाजार बूक्य से कथ के अवसान विश्वन के लिए अन्तरित की गई है और बुधों, यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थापूर्वेक्स सम्मित्त का जीवता बाजार पूर्व का कारण है कि स्थापूर्वेक्स सम्मित्त का जीवता बाजार पूर्व अवसान प्रतिकत का के क्ष्म प्रतिकत का के क्षम प्रतिकत का के किए प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अभारिं) को बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिकत, निम्मितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि कि में वासरीयक रूप में कथित नहीं किया ममा है :---

- (क) अन्तरण ह हुई किसी बाय की बाबस, उपत विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक बी बामिरन में कमी करने या उससे वचने के सुविधा के किए; और/या
- (ण) वृत्ती किसी बास न्या किसी धन-वा सन्य सहिताकी की, जिन्हों भारतीय कास-ऊटर विश्वतिषया, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिविध्या, या धन-कट अधिविध्या, या धन-कट अधिविध्या, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया व्या था था किसा बागा चाहिए वा, जिनाने के सविध्या के किए:

करः वस्त्र अस्त्र अभिनियम की भारा 269-न के अभूतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) चै अभीत निकामिकिक चिक्कारी, संचीत् ह—— 36 ——16 GI/86 (1) नेसर्स शुभा आर्टस् ।

(प्रन्तरक)

(2) मेसर्स अमरीतज्योती एक्सपोर्टस् ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त स्थाबि के वर्षण के किन्न कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बाबत क्रमालि के वर्षन के बानला में कोई नी बाज़र :---

- (क) इस श्रुवना के राजपण में प्रकारण की तारीन हैं
 45 विश् की वनिष या तरसम्बन्धी क्वित्यों क्व स्थान की तामील ने 30 दिन की समित, वो भी समित काम में समाध्य होती हो, से भीतर पूर्वोक्य क्वित्यामी से सिक्सी करित हुवाराह
- (व) इस ब्यान के रायपन में प्रकारन की सारीत से A5 किन के और उपल स्थायर सम्पत्ति में दिएवड्स हैंक्स करन व्यक्ति हुगार जनाहरताकारी से शहर सिचित में किए भा सर्वीत !

स्वत्त्रीकारण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्यों का, जो उपस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ ही, प्रहीं जर्थ होगा, जो उस मध्याय में विका गका ही।

वन्स्यी

यूनिट नं० 411, जो 4थी मंजिल, बुसा हेवी इंडस्ट्रियस इस्टेट, हनुमान लेन, लोहार गरेल, बम्बई-13 में स्थित है। शनुमूची जैसा कि का सं० धई-1/07-ईई/6856/85-36 और जो पक्षम पाधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 11-7-1985 की रर्जास्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायवा श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जात रेज-1, बस्बई

विनांक: 3-3-·1986

मोहरः

प्रकृष बाह् . दरे . एन . एसं . - - - - - - - - -

बायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुख्या

मारत संदुकान

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजैन रेंज-1, तम्बई वम्बई, हिलांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-१ई/7256/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीत सक्षेत्र प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्थ 1,00,000/- क. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, जो, तल माला, ड्रिमलैंन्ड को० धाप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 103, सायन (५०), बम्बई 22 में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध शनुसूची में और पूर्ण कप से विणित हैं), और जिमको करा तामा धायकर धिवियम, 1961 की धारा 269 के, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में जीस्ट्री हैं, जिनांदा 9 जुनाई 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित वाजार भूल्य सं कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए कल्लिन की एडं हैं। और मुफ्ते यह विध्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजर मूज्य, उसके रूप्यमान प्रतिफाल से, एंगे रायमान प्रतिक्त का क्लाह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और क्लाह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और क्लाह प्रतिकत से अधिक है वीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है एन

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बावस, उक्स बांब -नियम की अभीत कर दोने के अन्तरक के दासिसक मों क्रमी करने या उससे बचने मों सरिष्ण के किए: थार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना वाहिए था, छिपानं हैं स्विधा के तिए;

अतः इतः, तक्त विधिनयम की धारा 269-व के अनुसरण में, में उधत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- (1) श्री टेक चंद होतचंद चुघ और श्री चुनीलाल होतचंद चुघ।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती द्राणावेवी चुनोलाल चुच श्रॉफ । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति को वर्णन के लिए कार्यसम्हिमा कारता हुन्।

बन्द बन्दीत्त के बर्चन में सम्बन्ध में सोई भी नामोप:--

- (क) इस स्वाना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जलिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासील से 30 दिन की व्यक्तियों पर नविश्व की समित को भी नविश्व को में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (व) इस स्थाता कः राष्यत में प्रकाशन की तारीब से 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी मन्य व्यक्ति स्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पर्धाकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उनक निधिनियम के नध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं कर्म होता को उस नध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 3, जो, नल माला, ड्रिम लैण्ड को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 103, सायन (प०), बम्बई-22 में स्थित है। श्रृतुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/6818/85-86 और जो सजम प्राविकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निर्र/क्षण) अर्जन रेंज⊶1, बम्बई

विनांक: 3-3-1986

प्रथम भारती, धा, स्था, स्था, - - ---

श्रायकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नमीन कुमना

वारत तरकार

कार्यक्रम , सहायक मार्थकः त्राय्कः (निरक्तिकः) अर्जन रेज-1, बस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निवेश सं० अई-1/37-ईई/7257/85-86---अतः मुझे, निवार अहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् जिस्त नियमियम कहा पता है), की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को. बहु निक्यम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित भाषार मृस्य 1,00,000/~ रा. से जिथक है

म्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, 4थी मंजिल, इमान्त नं० 7-बी, वरली कैम्पा कोता कम्पाउन्ड, बी० जी० खेर रोड़, बम्बई-18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 9-7-1985

को पुनीक्ष सम्पत्ति के उन्नित बाजार मूस्य सं कम के क्रममान इतिकत्त् के लिए क्रन्तरित की गई हैं जार मुख्ये यह विकास बहुने का फारण हैं कि युवायुर्वोक्त क्रमारित का उचित बाजार मूस्य, उत्तके क्रममान प्रीतकत्त सं, एसे क्षममान प्रतिकत का पल्कह प्रतिकत से अभिक हैं जार बन्तरक (अन्तरका) जार बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तर्य के लिए तब पामा गया प्रतिकत्त, निम्नीसिवत क्ष्यक्त सं उक्त बन्तर्य जिल्ला से बादरितक कम से क्षिक नहीं क्षिमा क्या हैं :--

- (क) अन्तरण के हुई कियी बाय की बायत उक्त अधिक्रिया के अधीन कर की के अन्तरक के शायित्य में क्यी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) पानी किसी बाय या किसी धन वा बच्च वास्तियों की चिन्हें भारतीय अस्यकर विधिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनयम, या धन-कर व्यक्तिवयम, 1957 (1957 का 27) के अधीवनार्ज वन्तरिती बुवारा प्रकट वहीं किया ध्या था वा विध्या प्रशासी वाहिए था, कियाने में बुद्धिया वे सिक्;

वात: वात्र, अवत विविचित्रम की भारा 269-न का वनुवरण वो, वी, उनत विभिन्दिन की भारा 269-न की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- 1. श्री युसूफ अब्दुल्ला पटेल।

(अन्तर्क)

2. श्री नटबरलाल शांतिलाल कोठारी ग्रांश श्रीमती हंसाबेन नटबएलाल कोठारी।

(अन्तरिती)

को यह बुचना चारी करके पुत्रोंकत सन्तरित के नर्चन के सिए कार्ववाहियां भूक करता है।

रुपत राज्यित के क्यान के शब्दान्य में कोई थी जासीप :---

- (क) इस युवना के रायवण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर त्वाना की तानील से 30 दिन की संविध, वो भी संविध वाद में सनावा होती हो, ने भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर उक्स स्थावर सम्मत्ति में हित-वर्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के वास निवित में किए जा संस्थित :

स्वक्रीकरण :---देशमा प्रयक्षित प्राप्ती और प्रशास्त्रा, क्रा प्रवस्तिमा के अध्याय 20-क मा प्रदेशनात्र्या है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा नवा है।

प्रनसूची

प्लॅट नं० 4, जो, 4थी मीजल, इमाप्त नं० 7—बी०, बरली कैंग कोच जम्माउन्ड, बी० जी० खोर रोड़, बम्धई— 18 में स्थित है।

अनुसूची जैशा कि ऋ० सं० अई-०/37-ईई/6819/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां 9-7-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ंहमद सक्षम प्राधितारी स**हायक म्रायकर म्रायुक्**त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-198**6**

मोहर 🛭

प्ररूप भाइ. टी. एन. एत. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ(1) के अधीर स्थार

भारत सरकार

कार्याक्षय, बहायक मानकार बाबुक्त (विद्वीकाण)

अर्जंत रंज⊸, बस्बई बस्बई, दिनांत 3 मार्च ०98मैं

निवेश सं० अई--/37--ईई/7258/85~8**6---अ**तः मुझे, भिसाप्र अहमद,

शायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ्सके पक्ष्वाल् 'उक्तः अधिनियम' कहा गया ह[‡]), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कर कारण है कि संभावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य I,00,000 / - रु. से अधिक है भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 👍 जो, 5वी मंजिल, इमारत नं० ७-ए, वरली कैम्प कालका कम्पाउड, बी० जी० खेर रोड़, बम्बई-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णिय है), और जिस झ अरापनामा । आय ःप अधितियम, 1961 की धारा 269, हखा के अधीत, बम्बई स्थित प्राधिकारी सक्षम के कर्पालय में अधिस्त्री है, तारी ख 9-7-1985 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धरममान प्रतिफल से, एसे धरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरका (अन्तरकारें) आर्थर **चंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया** गया प्रतिफल, निम्नलिखित उड्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित प्रै वास्तिनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबस, उक्क अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (अ) एसी किसी अब या किसी धन या जन्य जास्तिया को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को ११) या उत्तर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया क्या वा किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

कतः कवः, उक्त किथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :--- 1. श्री युसूफ अब्दुल्ला पटेल

(अन्तरक)

 श्री शांतीलाल जगजीवन कोठारी ग्रीर श्री विनोद णांतीलाल कोठारी।

(अन्तरिती)

को यह सुचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवरिह्यों करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यांक्तयां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यंक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो सक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना जो उस वध्याय में दिया गवा है।

अभूत्यी

प्लैंट नं० 4, जो, 5वीं मंणित, इमारत नं० 7--ए०, वरली कैम्पा कोला कम्पाउन्ड, बी० जी० खेर रोड़, बम्बई--18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-०/37-ईई/6820/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 9-7-1985 की रजिस्टई किया गया है।

निसार अहम**द** सक्षम प्राधिका**री** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∼०, बस्ब**ई**

विनांक: 3-3-0986

प्रकृप बाई.टी.एन.एस.-----

क्षियों कि विश्वास की प्रतिस्था (1961 का 43) की भार 269-व (1) के क्षीन स्थान

ence arm

कार्यकिय, सहीयक वायकर वायकर (पिरिक्षिण, अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० अई-०/37-ईई/7273/85-86- -अतः मुझे, निसार अहमद,

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्रं एकसें इसकें प्रकात (उनत निधिनियम कहा नवा हैं), की धारा 269-व के अधीन स्थान प्राधिकारी को वह विश्ववाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- ा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० यूपिट नं० 508, जो, 5वी मंजिल, मिलन इंडस्ट्रियल इस्टेट, परेल सिवरी डिवीज्म, कांटन ग्रीन, बम्बई—33 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं), ग्रीर जिसला करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख 10-7-1985

स्रो पृत्रों कर सम्मिति के उपित बाधार बूल है कन के उस्पतान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुओ बह बिखास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य उसके उपत्रज्ञान प्रतिफल से. एसे उपयान प्रतिफल का बन्द्रह्र बीवस्त से अधिक है बीर अन्तरक (अंतरकों) और बंबरिती (अन्तरितवां) के बीच एसे अन्तरण के हैं कर मुक्त बाबा ध्वा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रीबद कर से अधित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई कितो बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बंधीन कर दने के जन्तरक के बायित्य में की करने ये जनसे उचने में सीविधा के बाय: और/जा
- (क) एसी किसी कॅमिं या किसी ते या अंग्र क्रिंगियीयों की जिल्हें भारतीय केंग्रिकिंग्रेस केंग्रिकिंग्रिस, केंग्रिकिंग्रेस, केंग्रिकिंग्रेस, केंग्रिकिंग्रेस, को अन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अवीवनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा वा किया जाना चाहिए था, छिपारे में सरिक्षा के विष्टा

कत कव. उक्त विधीनयम का धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :--

- मसर्स प्रभूदास दॉलीचेन्द एण्ड कम्पनी (अन्तरक)
- 2. श्री नितिन इस० ऐस० पानवाला (अन्तरिती)
- 3. अन्तरिती

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचीना जारि करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीं :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका अवितयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के संपंपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवास अभोहस्ताक्षरी के शक्त जिल्ला में किए वा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त सन्दों बीड पक्षे का. की स्वक्ष वींभविषय, के अध्याय 20-के में परिभाष्टित है, कहीं अर्थ होगा को उसे अध्याध में दिया स्या हैं।

नवास की

यूनिट नं० 508, जो, 5वी मंजित, मिलेन इंडस्ट्रियल इस्टेट, परेल सिवरी डिवीजन, काटन ग्रीन, बम्बई-33 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6834/ 85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनीक: 3-3-1986

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

वाबकर अप्रिमिनक, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वधीन सूच्या

भारत संस्कार

कार्यात्तव, तहात्क जानकर नावुक्त (निर्देशक) अर्जन रेंज-1, बस्बर्द

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

्रि निदेश सं० अई-1/37-ईई/85-86-7266-अतः मुझे, िनिसार अहमद,

आयकार विधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात् 'स्थत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित अधार मृख्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

स्रोर निसकी सं० यूनिट नं० 301, भो, 3री मंजिल, अमित इडास्ट्रियन इस्टेंट, 61, एस० एस० राव रोड़, परेल, बम्बई— 12 में स्थित हैं (श्रीर इसस उपाबज अनुसूची में धौर पूर्ण रूप में बंजित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 10 जुलाई 1985

- (क)) अन्तरण ने हुई फिकी बाव की बावत उपन प्रीकृतिकृत के बुकीय कर बोने के बुकाइक की कृतिरण में कमी करने वा उससे बचने में तृतिका के किए; कर्त्र/वा
- (क) श्रेची कियो नाम ना विश्वी सन ना कुल जारिसकों को, विमहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या नमुक्तर निविचन, 1957 (1957 का 27) ने स्वीचनार्ग अक्टीरनी द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था कियाने में वृद्धिया नी किया:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अधीन :—

- 1, अमीत इंटरप्राजेस
- (अन्तरिति)
- 2. मेसर्स प्रमोसनल आईडस

(अन्तरिति)

की यह सुचना बारी करके पृत्रोंक्त सम्बक्ति के वर्षन के जिहें कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बक्ति के वर्षन के तंबंध में नेग्रह भी बाखेय :---

- (क) इस त्यान के राज्यन में प्रकासन की तारींच से 45 किन की व्यक्तियां पर स्वान की वाणीस से 30 दिन की स्वीध, को भी संघी वाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वीधतां में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध
 किसी जन्म ज्योक क्लारा नभोहरवाकरी के पास
 लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और ध्वों का, जो उक्त विश्वित्रम के अभ्याद्य 20-क में द्रवा परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस सभ्याय में दिया प्रवा है।

नगृज्ञी

पूनिट नं० में, जो 3, री मंजिल, अमीग इडस्ट्रियल इस्टेट, 61, एस० एस० राव रोड, परेल, धम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कर संर अई-1/37-ईई/6828 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 10-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, यम्बई

विनोक: 3-3-1986

प्रकर बाहु , दहे , ध्रम . एव . ------

जायकर जीधनियम 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के भर्गीन स्चना

बारत रहकार

कार्यात्तय, सहायक वाधकर वाय्यत (निरीक्ज) धर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/7267/85-86--श्रतः मुझे, निसारः ग्रहमद,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00-900/- रु. से अभिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट नं० 202, जो, 2री मंजिल, अमीत इंडिन्ट्रिश्ल इस्टेट, 61, एस० एस० नघ रोड़, परेल, बम्बई—12 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के मधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 10-7-1985

भी पर्याच । सपित के उपित वाजार मूल्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाब की बाबत, उजक अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक क दावित्व में कजी करने ना उकते बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियां करे, जिन्हें भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यह था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे किए;

वतः अव, उक्त विधिनवन की धारा 269-न की जनुतरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मै० धमीत इंटरप्राईजेस ।

(ग्रन्सरक)

 श्रीमती एन० ई० सुवाबाला और श्री एस० धार० कारखानीस।

(श्रन्तिः)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

जनत संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इत स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनीभ या तत्त्वस्वस्थी व्यक्तितमां पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इत त्वना के राजपण में प्रकातन की तारीच से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संधित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा वधोहस्ताक्षरी के पाक किदित में किए था सकति।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्धां बौर पर्यों का, को उक्त आयकर क्रिशियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं कर्य होगा को उस कथ्यान में दिया नवा ही।

जनसूची

युनिट नं० 202, जो, 2री मंजिल, शमीत इंडस्ट्रियल इस्टेट, 61, एस० एस० राघ रोड़, परेल, व \mp ब $\xi-12$ में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37–ईई/6829/85–86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निमार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्ब**र्ड**

विनांक: 3-3-1986

अस्त्र बाईं.टी.एन.एस.

≰लाकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) के नधीन व्यथना

भारत सरकार

क्रजीक्षम , सहायक जायकर वावल्त (गिरीबान)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निवेश सं० श्रई-1/37-ईई/7282/85-86--श्रतः मुझै, निसार श्रहमद,

कलकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) विश्व इसके कलके परचाल 'उक्त मिनियम' कहा गया ही, की धारा १०००-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- कः से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 7, जो, तल माला, बुसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बुसा इंडस्ट्रियल प्रिमायरोस को-धाप० सोसायटी, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रमुक्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री हैं, तारीख 10-7-1985

को प्रवेशित सम्मित्त के लिया नावार मृत्य से कम में क्यमान मिलका के तिए नंतरित की नई है और मुंखे वह विकास करने का कारण है कि यथापुर्वेशित सम्मित्त का उन्ति नावार मृत्य, उन्ति स्यमान प्रतिफल से, एसे स्थनान प्रतिकास का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (जंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया नया प्रतिकास, निम्मितियां स्वाप्ति स्वाप्तियां से सम्मित्त के स्थाप क्या प्रतिकास के स्थाप क्या स्वाप्ति कम्मितियां से सम्मित्त के स्थाप क्या से स्थाप क्या स्थाप स्थाप से स्थाप क्या से स्थाप से स्थाप स्थाप से स्थाप स्थाप से स्थाप स्थाप से स्थाप स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप स्थाप से स्थाप स्थाप से स्थाप से स्थाप स्था

- (क) क्रायाच्याचे हुद्दिक्की सामान्त्री बार्चक, उपक .सिपिनियम के संधीय-कर देने के जन्मारक के सामित्र में कमी करने वा दश्रंचे स्थाने में सुविधा के किए; और/धा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन् या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय नामकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम या धनकर अभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ करतियों क्वारा अकट नहीं किया पना पा सा विकास वाना आहिए था जिनाने में सुनिधा के लिए;

बहु क्य उपत विधियम की धारा 269-व के नमुत्रारक वा, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपवारा (!) के वधीन, निश्नसिवित व्यक्तियों क्यांब ध— 1. मैं० लखनवीं शार्टस प्रा० लिमि०।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मंजुला जयंतीलाल गहा, श्रीमती भारती लित गहा, श्रीमती श्राशा निरंजन गहा, श्री राजेश कल्याणजी महा, श्री रमेश कल्याणजी गहा, कर्ता श्राफ श्रार० के० शहा, हि० श्र० कु० (भागीदार मेससं इंटरप्लास्टर्स)

(ग्रन्तरिती)

की बहु कुचना भारी करके भूगों कर कम्मीत्त के अर्थन के जिल कार्यवाहियां करता हुं।

क्या सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेय र---

- (क) इस स्वभा के रावषण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की ननीथ ना तर्शनंभी व्यक्तितमें भूद्र कृषना की ताथीन से 30 दिन की नगीय, भा भी नवीय नाद में समान्त होती हो, के मीत्तर प्रॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस स्थान के रावपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उपल स्थानर सम्बन्धि में हितक्ष्म किसी सन्ध स्थानत इयारा सभाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या तकने।

रच्यतिकरणः — इसमें प्रवृत्त संस्थों और पथीं का, वा अवत विविवय के अध्यात 20 क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में विका पंचा हैं।

अनुसूची

यूनिय नं ० ७, जो, तल माला, बुसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, बुसा इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-श्राप० सोसायटी, प्रभाषेत्री, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-1/37-ईई/6842/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, कम्बई द्वारा टिनांक 10-7-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> िसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निर्राक्षण) भर्जन रेंज⊶1, बम्बई

विनांक': 3-3-1986

ब्रक्ष्य बाह्र , टी., एम्., एक्., -------

नायकर नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सूचना

शास शास

कार्यालयं, सहायक भायकर आयुक्त (निहास्त्र)

श्रर्जंत रेंज⊷1, बम्बई यम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/7218/85-86--शत: मुझे, निसार शहभद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), को भाष 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर संपत्ति जिसका उक्ति बाजार मूल्य 1,00,000/-र. भ अभिक हैं

और जिसकी सं यूिट गं 306 जो 3री मंदिल प्रमित इंडिस्ट्रियल इस्टेट 61, एस० एस० याद रोड, परेल, यम्बई-12 में ल्यित हैं (और इससे उपावद प्रमुम्ही में और पूर्ण इप से विजय हैं), और जिसका करारनामा प्राथमर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के स्थित, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 8~7~1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पर्शि का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिखित उद्दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की शामत उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उसमें क्याने के स्विधा के किए और/धा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम,, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, या अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रसांजनार्थ बन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया भूषा का वा किया जाना चाहिए था, कियाने में प्रविधा के लिए:

अत: अब: उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कथीन: निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 37—16 GI/86 1. मैं० अमीत इंटरप्राईजेस।

(भ्रन्तरक)

 श्री सँलिय के० शहा और श्री संजय यू० अजमेरा। (अन्तरिती)

को स्थान्यका ब्राह्मी कहको पूर्वाचिक वृज्यारिक को न्वीन के लिए कार्यकाहियां सुक करता हुं।

बन्द बन्दित के नर्दन के संबंध में कोई भी नाबोप ८--

- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की राशीय से 45 दिन की व्यविध मा तत्वक्यन्ती व्यक्तियों पर सूचना की दावीय के 30 दिन की व्यविध, ता भी व्यक्ति बाद में बनान्त होती हो, के शीतर प्रवेशित स्वतियों में से किसी महित ध्वारा;
- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील स 45 दिन के भीतर उक्त त्यावर सम्मति में हितवपूथ किसी मन्य स्पृष्टित द्याद्रा जभोहस्ताक्षरी के गर्थ सिमित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, यो उत्स्थ विभिन्नमा, के ब्रुधाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो तस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

यूनिट नं० 306, जो, 3री मंजिल, श्रमीत इंडिस्ट्रियल इस्टेट, 61, एस० एस० राव रोड, परेल, बम्बई-12 में स्थित है।

श्रनुसूर्वा जैसा कि कि सि श्र्र्ष-1/37-र्र्ष्ट्1/37-र्र्ष्ट्1/37-र्र्ष्ट्1/37-र्र्ष्ट्1/37-र्ष्ट्र्य कि श्रीम प्राधिकारी, बम्बर्घ द्वारा दिनांक 1/37-1/37-र्ष्ट्य को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवार शायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 3-·3-1986

प्रकृष बार्द. टी. एत. एव.-----

बावकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

आर्थानम, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7293/85-86--श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

शायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधित्यम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से निधिक है

और जिसकी सं० यूनिट नं० 607, जो, 65ी मंजिल, महा-तहार (बर्ली) लाइट इंडस्ट्रिश्ल इस्टेट, वर्ली, बम्बई—18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा धायकर अधि-तियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी है वार्यालय में रिकर्ट्र है, टार्र छ 11-7-1985

को प्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाय प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्प्रित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी पन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर आधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, व्यिपानं से स्विभा के किस्

वतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरक को, माँ, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के वभीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातः 1. भेसर्स शहा एण्ड नहार डेबल५मेंट्स।

(श्रन्तरक)

2. मेसर्स हरीसन्स ग्रपारेल प्रा० लि०

(ग्रन्तरिती)

3. बिल्डर्स

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टिभोग म सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष्ट - कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच की 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, को भी जनिथ बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितवब्ध, किसी बन्म स्थावत द्वारा, क्योहस्तांशरी के पांच निश्चित में किए या सकेंगे।

स्बच्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों बौर पदौं का, श्री उक्त बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा जो जस बध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युतिट नं० 607, जो, 6ठी मंजिल, शहा-नहार (बरली) लाईट इंडस्ट्रियल इस्टेट, घरली, बम्बई-18 में स्थित है। श्रृनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/6851/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार घ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

म ोहर

अ**क्ष्य बार्ड**्डी. एस., एस.....

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) से वधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक भागकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986 सं० अर्द-1/37-ईई/7294/85-86--3

निदेश सं० अई-1/37-ईई/7294/85-86--अतः मुझे, निसार अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० युनिट नं० 103, जो, 1ली मंजित, शहा-नहार (बरली) लाइट इंडम्ट्रियल इस्टेट, बरली, बम्बई—18 में स्थिन है (भीर इसी उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण हम न वर्णित है), भीर जिसका जन्मजामा आयकर अधिनियम, 1951 की बारा 2697, ख के अधीम, बम्बई स्थित सन्नन प्रात्वेहारी के नार्योत्त्य में रजिस्ट्री है, तारीख 11-7-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से क्या के क्याबार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे ध्रथमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष ध्रियमान प्रतिफल को एसे ध्रथमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिचात से अधिक है और अतरक (अतरकाँ) और अवरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, विस्नतिस्थित उद्योच से उच्त अन्तरण कि बिद्य के बास्तीयक स्प से कथित नहीं किया गया है के—

- (क) अन्तरण से हुई किती बाय की बावत, उपन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक अ दावित्य में कनी कटने या अवसे बुक्त में सुविधा क चिए; अधि मे
- (अ) एसं किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों करों, जिन्हों भारतीय जायकार विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त जिमित्यम, या धन-कर जीधीनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा में जिएहे

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को कथीन, निस्निविश व्यक्तियों का अवाद के —— निसर्व पहा एण्ड नहार डेवन्यमेंट्स।

(अन्तरक)

2. डा० अब्दुल रहीम काजी

(अन्:रिती)

3. बिल्डर

(बहु ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उनत बम्मिक् के भर्जन के संजंभ में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्मबंधी न्यांक्तयां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और वदिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुसारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-ब्यूथ किसी स्थाबत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पार विचित्त में किए ज। सकने।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त काब्दों और पदों का, जा उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होया जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनस् ची

पुतिट नं० 103, जो, 1ली मंजित्र, महा-तहार (वरली) लाईट इंडस्ट्रियन इस्टेट, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा हि कर सं अई-1/37-ईई/3852/85-86 और जो सक्षम प्राधि गरी, बस्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

िसार अहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंलं-1, बम्ब**र्ड**

दिना ह: 3-3-1986

प्रस्य भाई.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक भागकर मायुक्त (निरीक्तण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

नियेश सं० अई-1/37-ईई/7216/85-86---अत: मुझे, निसार अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का नं3) जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उस्त जिधिनकम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 42, जो, 4थी मंजिल, जयश्री 75, अब्दुल गफ्फार खान रोड, बरली सिफेस, बस्बई—25 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विजन है), ग्रीर जिमात करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2095, ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 8-7-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के छ्यमान प्रतिपात के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्रे यह विश्वास करने का अतरण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से, एंगे छ्यमान प्रतिफल से पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तिनों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गय या या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितमों, अर्थात् ः—— 1. श्री एस० डी० वर्मा

(अन्तरक)

2. श्री परेश जांत

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में/ संपंति हैं)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

म्लैट नं० 42, जो, 4थी मंजिल, जयश्री, 75, अब्दुल गफ्कार खान रोड, वरली सीफेस, बम्ब-ई25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6780/ [85-86 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बर्ध

विमांक: 3-3-1986

प्रकल् वाद^क् टील एवं तु एवं तुम्माला १०५

नाथकर निधानुसम्, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) में स्थीन सुकरा

STOR STORY

कार्याक्षक, सहायक नायकर नायकत (हैनरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्ज 1986

निर्देश मं० अ**ई** - 1/37-ई**ई**/72256/85-86—-अत., मुझे,

निवंग में० अइ-1/37-इइ/72256/85-86--अत., मुझ, निसार अहमट,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिल्ले इसमें इसके परपात् 'उनस अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्वावर सन्धीत, विश्वका उचित काकार स्थ्य 1,00,000/- उ. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी संव यूनिट नंव 117, जो, 1ली मंचित, बडाला उद्योग भवत, 3, नायगांव जास रोड, वडाला, बम्बई-31 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद अनुसची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित हैं), श्रौर जिसका करान्नामा आयहर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के जायलिय में रजिस्ट्री हैं तारीज 8-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के विषय बाजार अन्य से कम के कम्यमान अविकास के लिए नन्दरित की भई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यणापूर्वोक्त सम्पत्ति का विषय नाजार बूच्य उत्तकों काममान अविकास है, एोड काममान अविकास का मन्द्रह अविकास से बीचक है और बंबरक (बन्यारकों) और बन्दरिती (जन्दरितयों) के बीच एंडे बन्दर्स के जिए क्ष्य पाना चुंचा मृद्धिका दिन्यिकिक्ष क्ष्यूबेच्य से बच्च बंदर्स विकास से वाकारिक कम से समित कही किया ग्या है है----

- (क) मन्दरम् चे हुन्दे कियों भान् की नान्दा, धनत् अपितिनश्च के अभीत कर दोने के मृत्युरक के वामित्य में कभी करने ना अवसे बुन्ते में स्थिता की किए; ब्रोडिंगा
- (स) एंडी किसी नाम या किसी भन मा गण्य अपंत्यकां को, जिन्हों भारतीय आवकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जेवत बीवनियम, या अधका वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसादमाओं बन्धरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना था वा किया क्षाना चारिक्ष का किया के द्विमा के विष्;

जतः अभ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभाषा (1), के अभीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अभीत् :—

1. मेसर्व इम्ब्रीटा

(अन्तरक)

2. मेसर्व अनुपम टैक्सट।ईल

(अन्तरिती)

3. अन् ितियों

(बह न्यम्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां जुक करता हुं।

सकत सक्तींत को सर्वन को मध्यम्भ भी भारेही भी साक्षीर 🏎

- (क) इस ब्याय के राज्यक में प्रकारन की तार्रीय के 45 बिय के भीतर उपन स्थापर सम्बद्धित में हित-भव्य किसी नन्य स्थापत स्थाप, नक्ष्य स्ताकड़ी के नाम स्थित में बिया था सकेंचे।

स्वत्वक्षिरणः -- इक्षवें प्रवृक्त वन्त्री और पर्वः ता, का वन्त्रः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को तस बध्धार में दिन्तः गया ही।

ननसची

युनिट नं० 117, जो, 1ली मंजिल, बडाला उद्योग भगा, 8, नायगाव काम रोड, वडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई-1/37-ईई/6790/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशांः 8-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-1, बम्बई

दियाँ 7: 3-3-1986

माहर:

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस: -----

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं • अई-1/37-ईई/7227/85-86--अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बांबार मूल्य 1,00,000/-एउ. से अधिक है

स्रोर जिसकी अं० पनिट नं० 311, जो 3री मंजिल, जय गोनाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, 510, बी० एस० कास रोड़, दादर, वम्बई-28 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद अनुसूची में स्रौर पूर्ग कर से विगात है), स्रौर जिसका करारनामा अयगर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, खंके अधीन, बम्बई स्थित सजन प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 8-7-1985

को प्रबेंक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे बतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण बिबिखत में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बीध-नियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) एका किसी लाग या किसी भन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अज्ञिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

क्तः भव, अक्त ओधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्री एम० के० अरोंडकर, श्रीमती वी० एल० अरोंड-कर ग्रीर श्रीमती एन० एम० अरोंडकर। (अन्तरक)
- 2. श्री एस० आर० कुबाडिया, श्री एस० आर० कुबा-डिया, श्री आर० आर० कुबाडिया, श्री एस० आर० कुबाडिया ग्रौर श्री के० आर० कुबाडिया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टाकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 311, जो, 3री मंजिल, जय गोपाल इंड-स्ट्रियल इस्टेंट, 510, बी० एस० ऋास रोड, दादर, बम्बई— 28 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37–ईई/6791/85–86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8–7–1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस- -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र ज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/7231/85-86--अत:, मुझे, निसार अहमद,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिन्ने इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्राँर जिबकी नं यिति नं 110, जो नवयुग इंडस्ट्रियल हस्टेट, 1नी मंजिल, गणपित वाग, डा० ठोकरको जीवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है (ग्राँर इसने उपाबढ़ अनुसूची में ग्राँर पूर्ण ह्य से विणित है), ग्राँर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दर्शनान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यकान प्रतिफल के गंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया रितिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्कित ये शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण चे हुई जिन्दी शाय की वावह है उक्त विधिनयंत्र के जधीन कर देने के अन्तरक वें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी कार वा किसी भन या कर्म बास्तियों को, बिन्हों मारतीय जाय-कर विभिनयन, 1922 (1922 का 11) या उनत विभनयन, या भन-कर विभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा सुविधा के सिद्धा,

बत: क्षत्र:, उक्त विधिनयम की भारा 269-न के बनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री प्रभात उर्फ वसंतकुमार माधवजी कारीया। (अन्तरक)
- 2. मेसर्स एल्जय टेक्सटाईल्स

(अन्तरिती)

को वह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के वर्षन के जिए कार्यवाहियां कृत करता हूं।

बच्च सम्बद्धि के कर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप रू-

- (क) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचका की तासींस से 30 दिन की बबिध, को भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकते।

स्यब्दीकरणः - इतमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का को उपक्ष विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिवा नया है।

अनुसूची

यूनिट नं 110, जो नवयुग इंडस्ट्रियल इस्टेट, ाली मंजिल, गणपित बाग, डा० ठोकरशी जीवराज रोड, सिवरी, बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-1/37—ईई/6795/85—86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-7—1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

प्रकृष वाह्ं, हो . एम . पुस . ----

नायकर मीधनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-न (1) के नधीन स्थना

बाएड ब्रुक्ट

आर्जिस , सहासक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश मं० अई-1/37-ईई/7455/85-86--अत:, म्झे, निसार अहमद,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिजने तसमें इसके पश्चात 'उक्स विभिनियम' कहा गया हैं), की भार। 269-ने के विभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्चाय करने का कारण है कि स्थावद सम्पत्ति, जिसका स्थित सावार एक्स 1,00,000/-रड. से विधिक हैं

र्णंद्रीय जिसकी संव बेसमेंट संव 9, जो यापार व्यवन, 49, पीडिमेलो रोड, बम्बई-9 में स्थित है (ध्रीप इसके उपाबद्ध अनुसूची में ध्रीर पूर्ण रूप ले विणा है), ध्रीर जिसता करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 209ए, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 25-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और बुक्ते यह जित्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बालार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे रक्यमान प्रतिफल का पंवह प्रतिक्त से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वों) से बौच ऐसे बन्तरक के विए तथ पादा गला प्रतिक्ता, निम्नीबीवत ज्युवोद्य से उच्छ बन्तर्थ कि किस में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है :--

- किंदी निर्मात के हुई किशी बाथ की कामल, उपल मीपीयन के जमीप कर दोने के मम्बरण के पानित्य में कमी करने या उसके बचने में माँ करा में लिए; मोर/बा
- [क] प्रेची कियी बाच या कियी पत्र वा बन्ध वास्तिकों को, चिन्ह बारतीय वाब-कर विधितियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधितियम, धा धनकर विधितियम, धा धनकर विधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया नवा चा वा किया जाना चाहिये था. स्थिपान में स्विधा के सिद्ध;

वर्गः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के जन्मरक भें. में, अक्त विभिन्नम की धारा 269-व की उपधारा (1) भं त्रधीन, निक्लिनियम व्यक्तियों कर्णन क्रम्म 1. मेसर्स टोडी इंडस्ट्रीज प्रा० लिमि०।

(अन्तरक)

2. मै० कायपान इंटरनेशनल।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों।

(वह स्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को नह सूचना चारी करने वृत्योंनत सम्परित के अर्थन के जिए कार्यनाहियां करता हूं तो

जनत सन्प्रित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी आक्षीय:--

- (क) इस स्थान के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीय से 48 दिन की वर्षीय वा तत्त्वस्थानों न्यवितकों वर क्षाना की तासीय से 30 दिन की व्यवित सो भी कवित बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवाराः
- (ख) इस स्थान को राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीब छें 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किंक्षी क्षम व्यक्ति इवारा स्थाइन्ताक्षरी को पास निवित में किए वा सकोंगे।

भ्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उभते जिथिनयम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं जर्ज होगा को उस जभ्याव में दिवा भ्या हुँ।

अनुसूची

बेसमेंट नं० 9, जो ब्याणार भवन, 49, पीडियेली रोट, बस्वई-9 में स्थित है।

अनुमूची जैसा ि अ० तं० अई-1/37-ईई/7009/ 85-80 ग्रीए जो सक्षम प्राधिकारी, श्रम्बई द्वारा दिलांक 25-7-1985 को रिजस्ट्रई किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-3, बम्बई

माहर :

प्रस्य बार्ड . टी. एव . एस . न्यान्य प्रमाणका

भागकर विभिन्तिका, 1961 (1981 कर 43) की भारा 269-भ (1) में लधीम स्प्रमा

मारत बहुक्प्रद

कार्यालय, ब्रह्मयक जामकर आवच्छ (निर्देशक) अर्जन रेंज⊸1. बस्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देण सं० अई-1/37-ईई/7456/85-86--अत:, मुझें, नि । र अहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इस्त्री इसके पश्चातः 'उत्थत अधिनियम' कहा क्या हैं), की धारा 269-ख के अभीत सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से नीभक ही

श्रीर जिमाी सं० कार्यालय नं० 409 जो 4थी मंजिल. णारदा चेंबर नं० 1, 31, केशवजी नाईक रोड, बम्बई-9 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 26-7-1985

की पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की नहीं है और मूझे यह विद्वाद करने का कारण है कि वनापूर्वोक्त बन्नरित का जीव्ह वाकार मूच्यु, जसके व्ययमान प्रतिपाल से, श्रेष्टे व्यवद्वाद प्रतिपाल का पंतर प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (बंदरकों) जीर बंदरियों (अन्दरितियाँ) के बीच एंडे अंतरण के जिए सब पास गया प्रतिपन्त , निम्ननिष्टित उत्वरेश से उन्ह बंब्र्टन सिक्ति से वास्त्र[वर्ष्य क्या वे करियत यहाँ विक्रम पदा 💅 🖦 🗕

- (का) अन्तरम से हुई किसी वाय की बाबत , साबत बीधनियम के बचीन कर दोने के बम्तरक के वायित्व में कभी करने या असते वचने में सुनिचा के लिए; बहु/या
- (स) एोसी किसी काय वा किसी भन वा कर्य जास्तियाँ को, जिन्ह[ा] धार**लीय जायकर मधि**नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम, मा धन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट महीं किया नया या या विकास काना कान्निए था, कियाने में समिधा में सिए।

वतः वनः धन्य वीधीनवध की पास 200-न व वन्तरम बें, में, उस्त जीवनियम की वाद्य 269-व की व्यवारा (1) चे अधीतः निर्माशिका व्यक्तिको 🖫 वर्षात् 🖦

1. मेसर्भ ठाणा एसिड एण्ड केमिकल कंपनी,

(अन्तरक)

2. श्री गाह जिलेन्द्र पी० श्रीर शाह मनस्य पी० (अन्तरिती)

को यह ब्लना धारी करने प्रॉक्ट सम्पत्ति ने वर्षन ने विद कार्यपाहियां करता हूं।

जनत संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप द---

- (क) इस स्थना के राथपत्र में प्रकाशन की तार्यांच है 45 विन की सर्वाभ मा तस्सवंभी क्यक्तियाँ पद ब्बार की तामील से 30 बिन की अवधि, वो 📽 जर्माभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषिक व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की बार्यील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को डिब-जबुध किसी बन्ध ध्यक्ति ब्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरी।

स्थापनिकरण ह—इसमें प्रयुक्त कर्मा और पर्वो का,, जो उपस्थ **मधि**नियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्ष होगा वो उस अभ्याय में दियः नवा है।

कार्यालय नं० 409, जो 4थी मंजिल, शारदा चेंबर, नं 1, 31, केशवजी नाईक रोड, बम्बई-9 में स्थित है ।

अन्सूची जैसा कि ऋ० स० अई-1/37-ईई/7010/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद मक्षम प्राधिकारी महाधक आयकर धायकन (विरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

मक्ष वाष्ट्रं हो हो हुन्। हुन् हुन् हुन्

मानकर वीधीनमन, 1961 (1961 का 43) की शहा 269-न (1) में न्यीन मुम्सा

आयोजय, तहायक जावकर आयुक्त (विर्यालक)

अर्जन रेंज-1, **बम्बद**

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निवेश सं ० अई-1/37-**१ई**/7312/85-86--अतः मुझें, निसार अहमव,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परपात् उनत् अधिनियम कहा नवा है), की पाड़ा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का अपने हैं कि स्थायर संस्थित, विसका उपने वायार मून्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 201, जो, खजूरवाला चेंबर्स, 2री मंजिल, 313, नरप्ती नाथा स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है (ग्रांर इससे उपाबछ अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, नारीख 12-7-1985

को प्राेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रितिक्स के सिए अन्तरित को गई है और कुर यह विष्यास करने का कारन के स्थापना प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्विच से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तविक क्य से क्रीजित महों। किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- [क] एसी किसी जाव वा किसी वन ना नत्व जास्तिनों को, जिल्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ नन्दरिसी ब्वास प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना वाहिए या कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भं की उपधारा (1) को अधीन, रिम्निल्शिक्त व्यक्तियों, अधीत् ु— 1. श्री ललित शेठ।

(अन्तरक)

2. श्री वीरचंद माह।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(बह व्यक्ति; जिसके अधिभोग में सम्पत्ति

को नृष्ट् भूजना जारी कार्यने पृष्ट्रीनय संपृत्ति से अर्थन से जिल्ल कार्यनाहियां कारता होते।

बक्त ब्रंपुरित के वर्षन के ब्रंपु के कोड भी कार्यु ---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्षणा की तामील से 30 दिन की बर्बाथ, को भी बर्बाध नां से समाप्त होती हो, के भीता पूर्वांका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाडा;
- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकावन की तारीय वे 45 दिन के भीतर एक्ट स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वथ किसी जन्म स्थानित द्वारा मुशेहस्ताक्ष्री के पाद चित्रित में किस जा सकेंचे।

स्वाधित्यः स्वतं प्रयुक्त कव्यों जीतु प्यों का, वा अवव जिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित ही, ब्रह्मी वर्ष होगा, वो उस बध्याय में विभा शवा

अनुसूची

कार्यालय नं० 201, जो, खज्रवाला चेंबसे 2री मंजिल, 313, वरली नाथा स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है। अन्मुची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6874/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-7-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

ROW ME TO HER PROPERTY.

भायकर सिंभिनियम, 1961 ((1961 का 43)) क्री भारा 269-च (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986 निर्देश सं० प्रई-1/37-ईई/7135/85-86---श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 53-बी, एम्पायर इस्टेट्स, बी-क्लाक, श्रागस्ट क्रांति मार्ग, बम्बई-36 में स्थित हैं (अंद इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में धणित हैं), और जिसका बगरनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कार्य के कार्यालय में रिजर्स्ट है, हार्यक 2-7-1965

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मभ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यह पथा पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) करनारण सं शुक्ष किसी बाव की बावस, अनल विभिन्नम को अधीन कार दोने को अन्तरक को वासित्व में कमी करने या ससने अधने में सृधिधा के लिए; धीर/मा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां का जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अप-कर अधिनियम, या अप-कर अधिनियम, या अप-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने के स्थिभा से निए;

अतः अबः, उक्त अधिरियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् क्र--

1. श्रीमती कमला एस० खेमलानी

(श्रन्तरक)

2. श्री भ्रमरीतलाल माणेकलाल महा।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरिती

(वह व्यक्तिः, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्मरित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

पत्रत् सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ध---

- (क) इब त्यना के द्रावपत्र में त्रकाशन की तारीय से
 45 दिव की नवीध या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर
 सूचना की तामीन से 30 दिन की नवीध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 स्पन्तियों में से किसी स्पन्ति द्वारा;
- (क) इड सूच्या के राज्यम में प्रकादन की तारीत से 45 दिन के भीतर स्थत स्थावर सम्पत्ति में हित-सूच्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, व्योहस्ताक्षरी के बात लिखित में किए जा स्केंगे।

अनुसूची

पलैट नं० 53-बी, जो, एम्सघर इस्टेट्स, बंस्बलाक, झागस्ट क्रांति मार्ग, बम्ब- \pm 36 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/6700/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिदांक 2-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

िगार श्रहमद सदाम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजम रंज–1, बर**्ड**है

दिनाँक। 3--3--1986 मोहर। प्रका बाह् ह दीह एवं । यस हारकारकारकार

भायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

श्रारक बडकार

कार्याचय, तहायक वायकर वाव्यत (विर्धित)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986 निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7215/65-86--धत:, मुझे, निसार श्रहमद,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से व्यक्तिक है

अौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 902, जो, गैरेंज नं० 7, जो, प्रभू कुटीर इमारत, अल्टामाउंट रोड, बम्बई—26 में स्थित हैं (ऑर इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत हैं), और जिसका करारनामा आ कार श्रिक्षितमा, 196 की बारा 269क, ख के श्रधीन, बग्बई स्थित सक्षम प्राधि धरी के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा हैं, तार्र ख 8-7-1985 की पूर्व के सम्पत्ति के खिला बाजार मून्य स कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने व कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरि तयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नि खित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथा गया हैं:——

- (क) वितरण से इ.इ. किसी आय की बाबत, उक्त अधि-विधिनियम के बधीन कर दो की अश्वरक के दावित्य में कभी करने मा उससे बधने में मृतिधा के विष्:
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या कत्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय जायकार निश्तियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर मिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के सिष्ट; बीर/या

जराः अव, उन्त जिथिनियम की भारा 269 ना के अनुसरण मों, भी उन्नत अधिनियम की धारा 269 न्य की उपधारा (1) के जभी निम्नसिखित व्यक्तियों. अर्थातु ह—

- 1. मैं विजय प्रोपर्टीज एण्ड कम्स्ट्रक्शन प्रा० लि०। (प्रस्तरक)
- मै० गोबिया रेस्टोरेन्ट प्रा० लि०।
 (श्रन्तरिती)
- 3. श्रन्तरिक्षयों

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरितियों

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पति में हितबत्त है)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शित के अर्थन के हिनद कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त तन्परित के नर्बन के संबंध में कोई भी बाधरेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्यां और पदों का जो उनत जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया जवा है।

नगल जी

फ्लैट नं० 902, जो, प्रभु कुटीर श्रल्टामाउट रोड़ और गैरेज नं० 7, बम्बर्श-26 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-1/37-ऐई/6772/85-86 आंर जो सक्षम प्राधिकारी, सम्बद्ध द्वारा दिनांक 8-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ा, बम्बई

दिनांब: 3-3-1986

मांहर 🗓

प्रकल आसुर्ध्य हो है एन पुरु पुरु प्रकार करन

आयकर जिभिनियत, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक भागकर भागूनत (निर्शासक)

धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिलाक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० धई→1/37→६६/7185/85→86→∞पतः मुझे, निसार शहमद,

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसं इसमें इसमें इसमें प्रकार वंबक्त मिनियम कहा गया है), की भारा 269-क के नभीन सक्षम प्राभिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार जून 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 402, जो, दथी मंजिल, सी-बलाक, न्यू पूर्णिमा प्रपार्टमेंट्स को-शाए० हार्रास्य सोस्पर्ट. लि०, 23 पेडर रोड़, बम्बई-26 में स्थित हैं (और इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित हैं), और जिसका सरारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के सायलिय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-7-1985

को व्योक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दब्यमान शितकत को लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असंके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवाल से अभिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तर्भ तया) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गक्षा प्रतिफन, विम्नितिवात उच्चेक्स से उक्त बन्तर्भ बिक्त के बास्तरिक क्य से कथित नहीं किया गया है क्र---

- (क) अन्तरण सं हुक् िकिसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था भा या किया आना चाहिए था, िअपाले में सकिया और सहिं सिक्या और सहिं सिक्या और सहिं सिक्या और सिक्या सिक्या

बत: ग्रंथ, उक्त अभिनियम की भारा 26%-श कें, अनुसरस् भी, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) स्टेअभीश, निक्तिवितित व्यक्तिकाँ, अभीत क्र--- 1. श्री भुष्पाची राममूर्थी।

(अन्तरक)

2. श्रीभती चंदनमणि एच० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

सक्त सम्म दिल को वर्षन के संबंध में कोई भी आध्येप र---

- (क) हस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जे भी जबधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकांशन की तारीक्ष से 45 ित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका क्या है।

श्रनुसूची

पलैंट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, सी~ज्लाक, न्यू पूर्णिमा फ्रांगर्टमेंट्स को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 23, पेडर रोड, वम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूर्च। जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/6751/ 85-86 अंर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसाः श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

मोहर।

प्रकप आहें ही एक एस ु-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वृथीन सुचना

भारत सरकार

कार्याचन , सहायक जायक है जायुक्त (निर्दाक्तण)

प्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्वेश स० श्रई-1/37-ईई/7305/85-86--श्रत: मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्कास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी-11, जो, मलबार श्रपार्ट-मेंट्स, श्राफ नेपियनसी रोड, लाला जगमोहन्दास रोड, बम्बई-36 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है हु—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोंने के अन्तरक के अधिन्ध में कमी करने वा उससे व्याप्त में बुद्धिया के लिए; बॉर/मा
- एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सविधा की लिए;

जतः जय, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण जो, मैं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के जधीत, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती लीला एस० महतानी

(भ्रन्तरक)

2. श्री चिनोदकुमार जे० भिमराजका

(श्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग[ि]में सम्पत्ति है)

4. सोसायटी

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबत्त है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्ज़न के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-, बक्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्लीकरण :--इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृसूची.

फ्लैट नं सी--11, मलबार श्रपार्टमेंट्म, श्राफ नेपियनसी रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ई\$/6863/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रोज-ा, बम्बई

तारीख: 3-3-1986

श्रम्भ आर्थः दौ ु एव ह एत*्रा*ल्यान

बावकार विधित्वक, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-स (1) के अधीन क्षता

कार्यातव, सहायक बायकर बायका (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986 निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7284/85-86---अत: मुर्से, निसार अहमद,

भावकर सीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंतर्ने इसके परणात् 'उक्त नीधीनयम' कहा गया हो, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कार्य ही कि स्थावद्व तथ्यति, श्रिक्ष श्रीवत वाचाद मुख्य 1,00,000/-रु. से व्यक्ति ही

धीर जिसकी सं० पलेट नं० 13, जो, श्याम सदन, खफ-गोड, 85, मरीन झूडब्ह, बम्बई-2 में स्थित है (ग्रीर इससे ज्याबद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रुप में वर्णित है)/ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 11-7-1985।

को पूर्वोत्रत सम्पृतित के उपित बाजार मूक्य से कम के करवाब वित्रक्ष के सिए अंतरिक्ष की वहाँ है और मुक्त वह विश्वाब १६६में का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृतित का अधित नापार प्रथा, उसके असमान प्रतिकत है, एवे असमान, प्रतिकत का गृंद्ध प्रतिकत से निधक है और बन्तरक (बन्तरकों) जोर अंतर्व रिती (बन्तरितियों) के बीच एवे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल निम्निविद्यत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में में वास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुइ किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के दायित में कमी करने या उद्यसे दचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधनियम, या धन-कर निधनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ नंसरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया किया पाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्राप्त, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वमुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) ऐ अधीर निम्नुलिखित व्यक्तियाँ॥ वर्षात ध—— (1) विजय कुमार रतीलाग मेहता भ्रौर कोकीला वि० मेहता।

(अन्तरक)

(2) श्री ताराचंद बी० संघवी, ग्रीर श्रीमती, बिबिना ताराचंद संघवी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरको।

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

करे यह सुनना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

इसकु बुक्तिक के अर्थन में बुक्तिन के कोई की आक्षेत्र--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारील ने 45 दिन की अवधि या तत्त्वस्था व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अधि शह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा?
- (च) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्णि में हित्बव्ध किती अभ्य स्थित व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए में सक्ये।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पदों का, वो स्वयः अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

त्रनुसूची

पनेट नं० 13, जो, श्याम सदन, खफ-रीज, 85, मरीन ड्राइब्ह, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०सं० अई-1/37-ईई/6843-ए/85-86 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहम र सक्षम प्राधिकारी सहायक क्षायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1 बस्बई

तारी**ख : 3−3−198**6

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक आयकर आयुज्य (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश र्षं० अई-1/37-ईई/7109/85-86--अनः मुर्झे, निसार अहमद,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

त्रांर जिसकी सं० कमरा नं० 65 जो, 7वी मंजिल, राजगिर चेंबर्स, 12/14, शहीद भगतिस्म रोड, बम्बई-23 में
स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से विणत है) श्रीर जिल्लका करारमामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 के,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-7-1985।
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल से ऐसे द्ध्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंतरका) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रविफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्षत अन्तरण लिखित में
वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंधरण से हुइ किसीं आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंग्ररक क्रें दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नवः, उस्त निमिन्यनः, की धारा 269-ग के नन्सरकः ने, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (।) श्रीमती ग्रंनी फॉन्को।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मोतीबाला अंग्ड कंपनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डाक्त सम्पर्दित के अर्थुन के संबंध की कार्य भी जासीय अन्तर

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विश्व गया है।

मन संची

"कमरा नं० 65, जो, 7वी मंजिल, राजगिर घेंबर्स, 12/14, $m_{\tilde{e}}$]द भगतिंसह रोड, फोर्ट, बम्बई-23 में स्थित है।

अनुमुनो जैसाकी ऋ०सं० अई-1/37-ईई/6694/85-86 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी पहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

नारीख: 3-3-1986

प्रकृष वार्ष . बी. एन् . एक . -=----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-म् (1) के अधीन स्वना**

नारत बढकाड

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

धम्बई दिनांक 3 मार्च 1986

मिदेश सं० अई-1/37-ईई/7197/85-86/663-64--अतः मुझें, निसार अहमद;

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी औं, वह विक्थास करने का कारण हैं कि स्थावर संगीत जिसका रुपित बाजार मृश्य

1,00 000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कमरा नं० 62, जो, 7वी मंजिल, राजिंग चेंबर्म, श्रोल्ड कस्टम हाउस के सामने, फा फोर्ट, बम्बई-में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिष्ट्री है, तारीख 5-7-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम क रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिका है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उच्चेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से अधित वहीं किया गया है हिन्स

- (क) जनारण ये हुई किसी जान की वानतः, शब्ध वार्थिनवयं वे अधीन कर दोने के वंतरक के श्रीयत्व में क्यी करने या क्सचे वसने में सुविधा के तिराः बीर/वा
- (क) एसी किसी नाम वा किसी थन वा अन्य वास्तियी को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने जें सर्विचा के शिक्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
39—16 GI/86

(1) श्री जें०एस० अल्पोन्सो।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय एम० ट्रेकांन ।

(अन्तरिती)

को बहु सुचना प्राप्ति वादिनो पूर्वीक्य सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाद्वियां करता हूं ते

उक्क सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में मुकाबन की तार्रीय के 45 दिन की समित वा सर्वावंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 दिन की समित को भी नविष् बाद में समान्त होती हो के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यवादा;
- (क)) इस स्वता के राज्यव में प्रकाश की तारीन में 45 विन के मीसर सकत त्यावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य स्थिति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विधित में किए वा सकीयो।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था हैंगी

धनुषुची

"कमरा नं० 62, जो, राजगिर चेंबर्स, 7की मंजिल, श्रोल्ड कस्टम हाउस के सामने, फोर्ट, बम्बई-23 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-1/37-ईई/6761/85-86 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 5-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बद्ध

तारीख: 3-3-1986

The state of the s

प्रका बाद'.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वता

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग्र-1 बम्बई बम्बई दिनांक 3 मार्च 1986

निवेग सं० अई-1/37-ईई/7554/85-86---अत: मुझे, निसार अहमद,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसे इसमें ध्सके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-६ के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को वह विख्वास कारने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाजार बृल्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

ग्रोर िसकी सं० कमरा नं० 47, जो, 62ी मंजिल, राष्ट्र-गिंग चेंम्बर्स, 12/14, शहीद भगतीं ग रोड, ग्रोल्ड जरटम हाउस के सामन, बम्बई-23 में स्थित है (ग्रीट इमसे उपा-बद्ध" अनुसची में ग्रीर पूर्ण हप से विणि। है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन वम्बई स्थिन सक्षम प्राधिनारी के नार्याबय में रजीस्ट्री है। तारीख 16-7-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में सस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बकारण से हुए किसी बाय की शबत, उक्त बीधीन्यंक के बंधीन कर दोने के असारक क वावित्व में कभी करने वा उससे बचने में सविधा के निग्; नीर/मा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य असिस्यों को, जिन्ही भारतीय बाय-कार बीधनियम, 1922 नियम का 11) या उनत बिधनियम, या जन-कार बीधनियम, या जन-कार बीधनियम, या जन-कार बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निर्लिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री गजिंदर सिंग चावला।

(अन्तरक)

(2) श्रोमतो विलिना प्रविण णेठ ग्राँर इन्टरनेशनल सल्स कांपोरेशन ।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी सबिध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्र्ध-किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिमिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंदी

कमरा नं० 47, जो, 62ो मंजित, राजगिर चेंबर्स, 12/14, पहीद भगशिंसग रोड, श्रोल्ड कस्टम हाउस के सामते, बम्बई-23 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०सं० अई-1/37-ईई/6911/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां र 16-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> तिसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकम स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, वम्बई

तारीख: 3-3-1986

त्रक्त बाह् , दी. एव , प्रवि

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, वस्बई

वम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० अई--1/37--ईई/7353/84--85---अंतः मुझे, निसार अहमद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269- ह के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं किंगरा नं 46, जो, छठी मंजिल, राजगिर चेंबर्स, 12/14, प्रहींद भगतिस्ग रोड, ओल्ड कस्टम हाउस के सामने, बम्बई-23 में स्थित हैं (अंर इसमें उपाबद्ध अनुसूर्च: में अंर पूर्ण हप से हणित हैं), अंर जिसका करारनामा आयकर अधिन्धम, 1961 के धारा 269क; ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राध्वार के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है, तार्राख 16-7-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाचार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का वृष्यह प्रतिस्त से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे सन्तरण के सिए तम पात्रा मना प्रतिस्त का विश्वतिक स्वयमान प्रतिक स्वयमान प्रतिक स्वयमान प्रतिस्त से बादरिती (बंतरितियों) के बीच एसे सन्तरण के सिए तम पात्रा मना प्रतिक क्या से काश्यतिक स्वयम से काश्यत नहीं किया गया है हि—

- [ंक] क्रसर्थ सं हुन् किसी साय स्ती बाबस क्षत्र कि कि नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए स्कार्य
- की विस्ति वार्य या किसी भन वा काय वासिस्वी की, किन्हें भारतीय काळकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, रा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रधावनार्य बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किसा न्या का या किया वामा वाहिए या, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री रविन्द्र सिंग चावला

(प्रसाक)

2. श्रीमती निलिमा प्रविण सेठ।

(भ्रन्तरितंत्र)

3. धन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शृक्ष करता हुं।

उक्त संपर्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बांकों :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पटिकीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह[‡]।

वन्स् ची

कमरा नं० 46, जो, 65ो मंजिल, रागिंगर चेंबर्स, 12/14, जहाद भगतिंमह रोड ओल्ड कस्टम हाउस के सामितें वस्बई-23 में स्थित है।

ानुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-1/37-ईई/6910/85-36 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 16-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार घहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िर्रक्षण) श्रर्जन रेंज⊶1, वस्ब**ई**

दिनांक: 3-3-1986

IN MESON WAR

बावको गरित्तवन् 1961 (1961 का 42) की धारा 269-ए (1) ने क्योन स्वन्त

THE STATE

कार्यकर, खालक बावका बावका विद्यालयाँ

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० ग्रई- 1/37-ईई/7196/85-86---ग्रतः मुझे, निसार **श्र**हमद,

नानकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसर्ने इसके करकात् 'उक्स मिनियम' कहा करा हैं), की काला 269-स से मधीन बसाम प्राथकारों को, यह विश्वास करने का स्थाप हैं। कि स्थाप सम्बद्धि, विश्वास समित् वाद्यार क्रक 1,00,000/- का से सिथा है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 42, जो, 5वीं मंजिल, राजिंगर चेंबर्स, 12/14, शहीद भगतिसह रोड, बम्बई—23 में स्थित है (और इससे उनाबद्ध प्रनुपुर्ची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसका करारनामा धायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 5-7-1985 को पूर्वोंक्स संपत्ति के उजित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान तिकक से लिए बन्तरिय की गई बार यूनी कह विकास करने का बारण है कि वशाप्वोंक्त संपत्ति का शिवन का गंदा करने का बारण है कि वशाप्वोंक्त संपत्ति का शिवन का गंदा विकास का गंदा का विकास के विक

- विश्वी अन्यस्थ वं हुई जिल्ली नाथ की बानस्य, तत्रस अविविद्युक्त में स्थीन कर बने के अन्तरक की दावित्य वे स्थी स्कार्य या समुद्रे क्यून के स्टिप्ट्या के क्यूर; बोह/का
- क्षिणे किकी बाब वा किवी भन वा सक्ष वास्तियों की, त्रिक्ष अग्रहरीय वावकर विश्वितवा, 1922 (1922 का 11) वा उपल वृद्धिवववा, का धन-कड़ विभिन्दिन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती हवाय प्रकट नहीं किया क्षा वा वा किया जाता क्षाहिए था, क्षिपाने वे किया के किया

वक्त क्षेत्र क्षिपियम की पारा 269-म की अनुबह्स है, बीक्र कार्य बहैपनियम की पारा 269-म की उपपास (1) है अपीय, विक्लिक्ट अधिरयों, संबंधि :--- मै० राजगिर बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. मेसर्स जे० बो० शहा ऐंड कम्पना।

(भ्रन्तरितो)

को यह सुख्ता बाड़ी करके पूर्वोक्त सुम्परित के वर्जन के जिने कार्यगाहियां सुरता हुई।

दक्त संन्युरित के नर्धन के दस्यत्थ में कोई शासीप ह—

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की मनिध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, को भी ननिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वाड़ा;
- (क) इस नुष्या को राज्यम में प्रकाशन की हासीय से 45 दिन को भीतर उत्तर स्थावर सम्मति में हितनपुष् किसी सन्य स्थावत स्थादा सभोहस्ताक्षरी के पास चित्रक में किए का सकति?

स्वक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को स्वक्ष अधिनियम, को अध्याय 20-रें में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस वश्याय में दिला देश हैं।

स्पर्या

कार्यालय नं० 42, जो, 5वीं मंजिल, राजिंगर चेंबर्स 12/14, शहोद भगतिंसह रोड, बम्बई-23 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/37-ईई/6760/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

म्हर।

त्रक्य बार्षः दी. एत. एस. -----

क्रायकष्ठ वर्षभविषयः 1961 (1961 का 43) की वाहा 269-व (1) के वर्षीय सुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च, 1986

निदेण सं० श्रई-1/37-ईई/7229/85-86--श्रत: मुझे, निसार अहमद,

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) शिवसे इस्ते इसके प्रधात् 'उक्त विधितियम' कहा गया है कि बहुए 269-ख के मधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारूण है कि स्थावर स्मिति, विस्ता उचित वाबाद मूक्य 1,00,000/- रु. से मधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय सं० 611-ए, जो, 6ठी मंजिल, कामर्म हाउस, 140, एन० मास्टर रोड, फोर्ट, बम्बई-23 में स्थित है (और इसमे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के वार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 8-7-85

की पर्वोक्षत सम्पत्ति के जिन्दा बाजार मस्य से कम के जनमान प्रतिफल के लिए गइ बन्तरित की नरि विश्वास करने मुश्ते वह का कारण . पूर्वोक्त राम्पत्ति का उजित बाजार मूस्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे ध्रथमान प्रतिष्ठम के पन्द्रह प्रतिशत सी मिनक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के **बीच ए'खे** जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निश्चित उद्वेध्य से उक्त मन्तरण निकित में भारतिक रूप से क्रांभव नहीं किया गया 🕊 🖫

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम को रूपीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/गृह
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी थन या अन्य आस्तिर्वा की, चिन्हें अस्तीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उनते अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जियाने में तृतिथा की खिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री क्लिलोकचन्द पी० मेगबानी

(भ्रन्तरक)

1. श्री गंगा एघ० पुरोहित।

(श्रन्तरिती)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पधि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उपन सम्मित से वर्षय में सम्मन्य में कोई औं वार्षय ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वायः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्त्रध्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिका प्रया हैं।

प्रनुपूची

कार्यालय नं० 611-ए, जो, 6ठी मंजिल, कामर्स हाउस, 140, एन० सास्टर रोड़, फोर्ट, बस्वई-23 में स्थित है। श्रनुमूची जैसा कि क्ष० सं० शई-1/37-ईई/6793/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 8-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ब्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3~3~19**8**6

क्ष्म बार्ड: टी. एन. एड. ----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्य 269-व (1) के ब्योन स्थान

WITH STREET

कार्यात्वय, तहायक नायकर नायका (निरोधाण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिलंक 3 मार्च 1986

निदेश सं० ग्रई-- 1/37--ईई/7420/85--86--ग्रत: मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चाम, 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,00/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 22, जी, बेले ब्यू, 2री मंजिल, 85, भूताभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से चिंगत है), और जिसका करायनामा आयकर शिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अवीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-7-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नृष्ट हैं और मुक्ते यह विश्वास अरने का अपना है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का अनुदृष्ट प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में आस्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) निराम ने हाई किसी नाय की वाबत, उन्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दास्यत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा औ निष्कृ और/वा
- (ब) ऐसी किसी बाग या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, छिपाने में तुविशा के बिद्धा

नतः तम, उनत निधियम की भारा 269-म की अनुसरण में, में, उनत निधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री धरमदास ए५० दलाल

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रायेशा श्रासद सिद्दीकी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां सूक करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में क्षोह भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जनधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जनधि, जो भी स्वर्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (व) इंड बुंचेया के राज्यक में प्रकारत की तारींस है 45 दिन के भीतर उक्त स्मापर सम्पत्ति में हिंदा-बंचेंदें किसी कर्म म्यानित स्वारा, क्योंहस्तांकरी के वास निविद्य में किए वा सकते ।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क लिभ-नियम के बध्याय 20-क में परिसाधित हैं, यही वर्ष होता, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

भनुसूची

फ्लैंट नं ० 22, जो, बेसू ब्यू, 2री मोजल, 85 भूलाभाई देसाई रोड़, बम्बई-26 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रद्ध-1/37-ईई/6975/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 24-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनोक: 3-3-1986

प्रकृष् बाई की एन एस . -----

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन भूचना

भारत सरकार

कार्यांकय, सहायक वायकर भागुक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986 अर्ड-1/37-ऋी/7228/85-86--अ

निर्देश सं० अर्ड--1/37-ईई/7228/85-86--अनः मुझे, निसार अहमद

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनमम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नधीन एक्सम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थावर त्या जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या पर्लेट नं ० 51, जेंदे, हवी महिन्दे कर कि स् ब्लाफ नं ० 91, 51, भूलाभाई देसाई रोड, बस्बई—2€ में स्थित हैं देशीर इस से खपाबढ़ अनुकृषी में श्रीर पूर्ण रूप से दिण्हि हैं), श्रीर जिसका करावनामा आयव के विकित्त कि कि कि चर्चा 269 क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के दार्यात्य में रिजस्ट्री हैं दिनांक 8-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के सरमान् प्रतिकम के लिए नंतरित की गई हैं और मुक्ते यह निववात करने का कारण है कि स्थापनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्ता से, एसे दृश्यमान प्रतिक्त का दृल्ह प्रतिकृत से अभिक हैं और संतरक (बंधरकाँ) और संतरिती (बंधरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-क्या निम्मालिखित उद्वरिय से उक्त बंतरण सिथित में बारत-विक कम से अभित नहीं किया वया है है

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त बावियम के अवीन कर बोने के बंतपुरू के बावित्य में कमी करने वा उन्नचे बचने में सुविधा के जिए; बार/वा
- (ख) ऐसी किसी आय ए किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीर नेजका अधिनयम, १५२२ (१९०२ वर्ष १९) ए उक, नेपिनयम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भागा थाहिए जा, खिए। में शुंधिया थी सिए।

कतः, अव, उक्त अभिनियमं कौ भारा 269-गं के अनुसर्गं, भें उक्त अभिनियमं की भारा 269-भं की उपभारा (1) अभीतः, निम्तिनियमं व्यक्तियमं, अभीतः ह—

मरेन्द्र सिन् जिन्मा सिन् वराङ्गः

(11 - 12 F

 श्री प्रसंदर (१ इ दोडेका, श्रीमती पुनम बीठ दोडेका श्राप लोकराम पीठ दोडेका।

(अन्:रिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अवंग के सिथ् कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अमिश या तत्मम्बरणी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी बविध दाद में समाप्त हाती हो, के शीतर पूर्विकः म्यांच्स्यों में में किसी व्यविश युवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक धै 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति को हिस-बहुभ किसी जन्म व्यक्तित इकास अकारणाक्षणी के पास लिखित मों किए आ सकेंगे।

Thurst

पलैट नं० 51, जो 5वी मंशि?, श्याम निवास, ज्लाक नं० 9, 51, भूलाभाई देमाई रोड, बस्बई-26 में स्थित है।

अनुमुची जैसां ि क० मं० अई-1/37-ईई/6792/85-86 श्रांर जो सक्षम प्राधि हारो बम्बई द्वारा दिनां ए 8-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> िसा अजनद संभाग भाषि गरी महाया भाषकर अधिमारो (निरीक्षण) अर्जन रेज-1 बम्बई

तु.रीख: 3-3-56

इक्य वार्ड्टी. एन<u>ं</u> एस_{्टर}-----

कायकर जीधीनयस, 1961 ³(1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1; बम्बई बम्बई, दिनौक 3 मार्च, 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/7148/85-86--अत.

मुझें निसार अहमद

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह बिक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. हे अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6 जो तल माला रमेण निवास 51 सी० भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 सें स्थित हैं (श्रांर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रुप से वर्णित हैं), भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 3-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृस्य से कम के दूरयमान प्रतिकंत के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का डिचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान इतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से विधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के धीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित मही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबता, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में त्रुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री विल्सन जोन्स और श्री मतीपग्गी जोन्स। (अन्तरक)
- (2) श्री हबीब एच० दात्तुभाई भ्रौर श्री मती रेहाना एच० दत्तुभाई।

(अन्तरिती)

(3) अम्सरकों।

(वह ज्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन को जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधीं व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैट नं० 6, जो तल माला रमेश निवास, 51-सी भोला भाई वेसाई रीड बम्बई 26 में स्थित है।

अनुसूची जैसां की क्र० सं० अई/1/37-ईई/6718/85-86 फ्रींर जो ांक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ृतिसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, बम्बई

दिनोक: 3-3-1986

मोहरः

प्रकर जादं<u>.टॉ.एर..एर</u>ा वर्णकरम्ब

नायकर विधितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के नधीन स्वेता

MISS STREET

कार्गाचय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्ष्)

अर्जन रेंज-1, धम्बर्ष धम्बर्ष, दिनौंक 3 मार्च 1986

नदेश स० अई-1/37-ईई/7219/85-86--अनः मुझे, निसार अहमद

वायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पण्डात 'उक्त विधिनमा' कहा बना हैं), की पारा 269-व के जभीन सम्मन्न प्राविकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित वाबार मुस्ब

1,00,000/- रु. से बिभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, जो 10वी मंजिल,
गेरेन नं० 2! मनाम हाउस भुनाभाई देसाई, रोड, बम्बई
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण
रुप से बणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक
8-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्वित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उर्वित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या मन-कर अधिनियम, या मन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे सिए;

(1) बददीन तैयबजी, हिंडल तैयबजी, अदील तैयबजी लैना तैयबजी खिनद तैयबजी, विभर तैयबजी, हसन तैयबजी, सल्लान तैयबजी, नासिर तैयबजी, कमिला तैयबजी, एड गणेसन, क्यू० एम० तैयबजी और इस्मत तैयबजी, संजीय मुखजी श्रीर श्री मती मैना मुखजी।

(अन्सरक)

- (2) संजीव मुखर्जी और श्रीमती मैना मुखर्जी। (अन्तरिसी)
- (3) अन्तरितीयों।

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तैयवजी होल्डीग एण्ड इन्ब्हेस्टीग कंपनी (वह ब्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानन, है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन को तिव निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्णि के अर्जन के संबंध में कीई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्थना के राज्यत्र में प्रकाशन की दारीच चं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यन्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उन्ह स्थावर सम्मस्ति में हितवबुध किसी बन्ध स्थाक्त व्यास क्यांका के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

पलैट नं 101 जो गैरेज नं 24, 10बी, मंजिल, समरसट हाउस भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26 में स्थित है। अनुसुची जैसांकी ऋ सं अई-1/37-ईई/6783/85-86 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज−1, बम्ब**र्ध**

दिनांक: **3~**3-1 86

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानन , तहायक वाक्कर कामूचर (रिवर्रीक्रम)

अर्जन रेंज-1, बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 3 मार्च 1986

निवेश सं० अई-1/37ईई-/7384/85-86---अत:

मुझें; निसार अहमद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, जो 1ली, मंजिल, वल्लभ अपार्टमेंटस्, भुलाभाई देसाई रोड, वम्बई-36 में स्थित है। (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप स वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, खभे अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनां 19-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्च अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गवा है है—

- (क) उन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य भें कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

सके अब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक वो, मी, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति स्यक्तिकों. क्यांत केन्न (1) नरेन्द्र पाल सिह्।

(अन्तरक)

(2) अनील भुपतराय मेहता भीर श्री मती हंदू अनील मेहता।

(अન્સ રિત્રેડ્રેન્)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) बाम्बे भ्रोक्कारा करीअर्स (रजीस्टर्ड) वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध श्विसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—हरामें प्रयुक्त घन्दों और धवाँ काः, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट न्० 112, जो 1ली, मंजिल, बल्लभ अपार्टमेंटस भूलाभाई, देसाई रोड, बम्बई-36 में स्थित है।

अनसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-1/37-ईई/6941/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनक 19-7-1985 वी रजीस्टई किया गया है।

> नि**सां**र अहमद सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्ब**ई**

程千 事: 3-3-1986

म् ११ भ

क्ष्म अर्थे <u>वीत्र्य र्</u>ष्ण भागानामा

नावकर निधानवम् ॥ 1961 (1961) का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्वता

भारत करकार

कार्यासय, सहानक आयकर नायुक्त (जिर्दाक्क)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० भई-1/37ईई/7338/85-86--श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

बायकर निवित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर निधित्यम' कहा गया हैं), की धारा 269-- को मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सन्मति, जिसका उचित बाधार मृज्य 1,00,000/- उ. से निधक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय न० 502 जो 5वीं मजिल, सूरत सवन प्रिमायसेस को० श्रापं० सोसायटी लि०, सूरत स्ट्रिट, बम्बई--9 में स्थित हैं। (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितियम 1961 को धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रजीस्ट्री हैं। विनांक 15--7--1985

को पूर्वन्त तम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रा'तफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार एत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाषा गया प्रतिफल, निम्मिनियित उद्देश्य से उपत अन्तरण जिल्ला में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द——

- (क) अन्तरण वे हुई किजी बाव की बावता, जेक्ट बिधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन एर अन्य क्सियतरों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण बै, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात क्र— (') श्री राजकुभार सिंघल।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शिवकुमार अग्रवाल।

(अन्तरिती)

को यह त्यना चार्या करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्वन में एक कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्मूरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई वासोब ह—

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच सै
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, मैं भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भौतर उपक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी बन्ध क्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकारी।

स्वत्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वदा इं!

वन्स्ची

कार्या 502,जो 5वीं, मंजिल, सूरत सदन प्रिमाधसेन को० श्राप० सोमाधटी नि०, सूरत स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है।

शनुसूची जैमाको कि सं० अई 1/37-ईई/6396/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिलांक 15-7-1965 को रजील्टई किया गला है।

> िसार अहमद सदाम प्राधिकारो सहायक आधनार आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

भाषकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज⊶1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई, 7306, 85-86---ध्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गरा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका रिचत बाजार मूल्य।1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 210 जो 2री मंजिल, सुरत सदन इमारत मस्जिद बंदर, बम्बई - 9 में स्थित है (औ: इससे उपाबड अनुमूची में और पृणं रूप से विणित और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कार्या के कार्यालय में न्जं म्ट्रें है। दिनांक 11-7-1985 को पृणिक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंसह उतिशत से अधिक है और अंतरित (अंत.कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में बास्ति क रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर आंधनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अिंगिनयम, या धन-कर अिंगिनयम, या धन-कर अिंगिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

असः असः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रोमतो हंसा वी० नकाई।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स पुसेपम ट्रेडर्स।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां कारता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास निविधत में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गमा है!

अनुत्ची

कार्यालय नं० 210, जो 2री मंजिल, सुरत सदन इमारत, मस्जिद बंदर, बम्बई-9 में स्थित है।

श्रनुसूर्च जैसाकी क्र० सं० श्रई-1/37-ईई/6864/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजंन रेंज-1, बम्बई

दिनोक: 3-3-1986

मोहर 🛭

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

तायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-क (1) में स्थीय सूथना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जावकर जावका (निर्याक्रक) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेण सं० प्रई-1/37-ईई/7137/85-86--प्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति चिसका उचित बाचार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय नं० डीं—3, जी 4थीं मंजिल, अम्बा भुषन 83, देवजी रतनशी मार्ग, दाणा बंदर, बम्बई—9 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधि—नियम, 1961 की धारा 269 व, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीक्ट्री हैं दिनांक 2-7-1985

स्त्रे प्रशेषत संपरित के उचित बाबार मृत्य से सन् से करवाम् प्रतिफन के सिए अन्तरित की गई है सौर मृत्रे वह विश्वास करने भा कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्परित का अभित वासार मृत्य, उसके क्षमान प्रतिफस् से, एके क्षमान प्रतिक्त का पंक्र प्रतिशत से विधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एते बन्तरण के सिए तय गया गया प्रति-क्ष निम्मसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित में बास्त-विक स्थ से कथित नहीं किया वसा है।—

- (क) मन्तरम वे हुई किकी भाग की गायत, बक्त जिन्हों के क्योंने कर दोने के सन्तरक के शामित्व में केनी कहने या जबसे मजने में सुविया ने निष्; मडि/मा
- (क) ऐसी फिसी जाव वा किसी धन या वन्य वास्तियाँ का, विन्हुं भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम या धनकर निधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना नाहिए था कियाने में सुविधा के सिक्ष;

गतः सथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) मेसर्स भावना देखिंग कंपनी।

(मन्तरक)

(2) वरिन्द्रं कुमार सिंगल (मालक (मेसर्स ट्रेडविंग करीश्रर्स श्राफ इंडिया।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पस्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिव की समीध या तत्संबंधी व्यक्तिमां पर स्वना की तामीन से 30 दिन की नाधि, को भी अवद्रीय नाद में समाध्य होती हो, के गीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुगारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुष किसी कृष्य क्यांक्त क्यांच क्योंहस्ताशरी के पास निवित में किए वा स्केंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

मनुष्री

कार्यालय नं डी-3, जो 4थी मंजिल, तंबा भुषन 83, देवजी रतनणी मार्ग, दाणा बंदर, बम्बई-9 रे स्थित है। श्रनुसूर्व जैसाकी ऋ० सं० शई-1/37-ईई/6702/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसाः ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊸1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

THE ME ME HE HE HELD STREET

बावकड अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

EIST STEEL

कार्यांसय, सहायक बायकर बायकत (निर्राक्षण)

धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेण सं० ग्रई-1/37-ईई/7342/85-86----श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाल 'उक्त अधिनिम' कहा गया हों), की धारा 269-स के 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्द सम्पत्ति, विस्का स्वित् बाबार मृस्स् 1,00,000/- रहा, से अधिक है

और जिसकी सं यूनिट नं 25 जो 1लं, मंजिल, मिलन इंडिस्ट्रियल इस्टेट, अभ्युदय नगर, कॉंटन ग्रंत, बम्बई-33 में स्थित है (ऑर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण पूर्ण स्प से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर आधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 15-7-1985

भी पूर्वेक्त संपरित के उचित बाबार मूल्य से कम के क्ष्यमान अतिफल के निए अन्तरित की गई है बौर मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त संपरित का उचित बाबाए मूल्य,, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिधों) के बीच एसे अन्तर्ज के सिए तस पासा स्था प्रतिकृत का, निक्ति सिक्त उद्योध्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तः विक रूप से कथित नहीं किया समा है है

- (क) अन्तरण से हुई किली आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी वन था सन्य आस्तियाँ का, जिन्हीं आरतीय आयकर विश्वित्यम्, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर वृधितियम्, वा जनकर वृधितियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं क्सीरती द्वारा प्रकट महीं किया ग्या था या किया वाना जाहिए था, कियाने में स्रीधा के लिए

बतः ब्रां, उक्त विधिनयमं की भारा 269-व के वनुबरक क्षे, गें, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजि**ष्ठ व्यक्तियों** के अभीत् के— (1) श्री हसमुखलाल पी० परमार।

(भ्रन्तरक)

(2) मेंसर्स ग्रमी मेटल फिनिशर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां कपुता हुई।

उन्द हुन्गरिए हो वर्षन् के बुन्वन्थ में कोई भी नाजेंद हा--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की बारीच वें 45 दिन की जन्मि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को मी बदिए बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ब्रवास;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंद्रे।

न्यांकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, को अवस्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मुर्थ होगा को उस अध्याय में दिया प्रया है।

धनुसूची

यूनिट नं० 25, जो 1ली मंजिल, मिलन हंडस्ट्रियल इस्टेट, अभ्नुनगर, कॉटन ग्रीन, बम्बई-33 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि ऋ०ं सं० अई-1/37-ईई/6900/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसारं श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

प्रस्प नार्ड टी. एन्. एस.-------बार्यकर क्षीवनिष्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्वीव क्षूच्या

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक बायकर शायक्त (निरक्षिण) ग्रजैन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, विनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० श्र ξ -1/37- $\xi\xi$ /7311/85-86—ग्रत: मुक्को, निसार श्रहमद

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा असा हैं) की चारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित जिसका श्रीचेत् वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 210 जो नवजीवन इमारत 2री, मंजिल, 121/127, काश्री सैंयद स्ट्रीट, बम्बई-3 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विजात है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनिम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 12-7-1985

करे प्रॉक्त तम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंत्र मित्रक के जिए बन्दरित की नहीं हैं जीर मृत्ये यह विश्वास करने का कारण हैं कि यजापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाकार मृत्य, उत्तके करवमान प्रतिकत ते, होते क्यामान प्रतिकत का क्याह प्रतिकत से विश्व हैं जीर बंदरिक (बंदरकों) जीर बंदरिकों (बंदरितों) के बीच होते बंदरिकों तिम् तब का प्रवास प्रतिकत में वास्त-फल निम्नीलिवा उद्वरेग से उक्त अन्तरण कि वित में वास्त-विक क्या से कि वित को किया नहीं किया नहा है कि

- ंक) अन्तरण ने हुई किसी बाद की बावक, उन्छ अभिनियन के अधीन कर दोने के अन्यरक के व्यक्तित में केमी करने वा सबसे वचने में बुनिया के हिन्दुह करि/वा
- चि एची किसी बास वा किसी वस वा अन्य आरिस्टर्सी को, बिन्हें प्रास्तीय आवक्द समिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनल समिनियम वा अवक्द समिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया बवा वा वा किसा बाना साहिए था, कियाने में स्विधा के सिए;

जतः अव, उक्त अधिनियंश की भारा 269-ग के अनुसर्भ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अभीन, निम्निक्षित व्यक्तियों है, अधीन है—

(1) कांतीलाल कुॅबरजी मेवावाला।

(भ्रन्तरक)

- (2) महेन्द्र कुमार जैन और राजेन्द्र कुमार जैन। (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरितीयों। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह कुमना पारी करके पूर्वोक्त संपर्देश में अर्जन भी जिल्ल कार्यपादियों करता होंगू।

उकत संबरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 हिंच भी बनीच ना तत्त्वस्थानी स्पनित्यों पर सूचल को काशीब के 30 दिन को स्वधि, जो भी जनीय सह में सभापत होती हो, के भीतर प्रोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इतारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के गीतर उक्त स्थावर कम्पत्ति में हिट-बहुभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किस वा ककेंगे।

स्थळीकरण :--इसमाँ प्रयुक्त धव्यों मौर पर्यों का, जो उक्त विधिनवन, के बभ्याय 20-क में परिमाधिक ही, वहीं कर्ष होगा को उस मध्याय में दिवा गया है ।

नगुलुकी

कार्यालय नं० 210 जो नवजीयन इमारत 2री मंजिल 121/127, कासी सैयद स्ट्रीट, बम्बई-3 में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसाकी कि सं० ग्रई-1/37-ईई/6868/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

मोहरः

प्रकल बाह् ,ट्रां, एक .एव .

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को नधीन सूचना

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० म्रई-1/37-ईई/7202/85-86-मत: मुझे निसार म्रहमद

जायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 759-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का श्रीरण हैं कि स्थानर सम्बद्धित, चित्रका जीनत काचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, जो 1ली मंजिल, सी० व्हयू इमारत 185 डुंगरणी रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं (भौर इससे उपावद्ध भ्रनुसुची में भौर पूर्ण रुप से वर्णित हैं), भौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं।

दिनांक 5-7-1985

की वृतिकत सम्पत्ति के जिन्त नावार भूत्व से कम के स्थवान प्रतिकत के लिए बन्तीरत की वर्ष है और नुष्ठे वह विकास करने का कारण है कि व्याप्योंकत संपत्ति का उपित वाधार भूत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकत से एसे स्थयमान प्रतिकत का पत्तक रित्तित से विभिन्न है और अन्तरक (बन्तरकों) और अपितियी बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तब पावा क्या शिक्त, निम्नतिवित चब्दिया वे स्थ्य बन्तरम सिविस में वास्तिवक रूप से कीचल नहीं किया वया है हम्म

- (क) बन्तद्रम चेहुम् किसी आप की गायत, उच्च कथि-हिन्दम की बचीन कर बोनेके बन्दरक की गायित्व में कमी क्षंद्रने वा उच्च बच्च में बुबिधा में सिए; मीट/मा
- (व) एंसी किसी नाय वा किसी थन या नन्य नास्तियीं की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया नाम चाहिए था, कियाने में सुविधी वे सिका:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निकासिवित व्यक्तिक्यों, अर्थात डिच्च

(1) राजेश वि० टन्ना ग्रीर चेतन वी० टन्ना कन्सीटी इयुटेड ग्रॅटर्नी प्रताप सिंह एन० मजिथिया।

(ग्रन्तरक)

(2) विकम सी० शहा और गुणवंती सी० शहा। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पूर्वोक्त, सम्पट्टित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी माक्षेप अन्तर

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की वयि। वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी वयि। वाम में समस्य होती हो, के भीतर प्रोंक मानित हैं से कियी मानित हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज्ञ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कान्यों और पदों का, जो उक्ष निभिन्नियम, के निभी निभाय 20-क में परि-शानित हैं, वहीं नर्प होगा, जो उन नभाव में विशा क्या हैं ॥

पनुषुषी

पलैट नं० 5, जो 1ली, मंजिल व्ह्यू इमारत, 185 डंगरणी रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसाकी कि सं० श्रई-1/37—ईई/6766/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

लातकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारह सरकार कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, वस्वर्ष वस्वर्ह, दिनांक 3 सार्घ 1986 निदेश सं० ग्रर्द-1/37-ईई/7272/85/86—ग्रतः

मुझे निसार ग्रहम्द राजस्य अधियान १८

क्षायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्रकात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के क्यीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन संपंति जिसका उष्टित बाजार मूल्य

1,00,000/- र. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, जो रूबी श्रपार्टमेंट्स्,
253, वालकेश्वर रोड, बस्बई-6 में स्थित हैं (श्रीर इससे
उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है), श्रीर जिसका
करारनामा श्रायव श्रधिनियम 1961 की धारा 269
क, ख के श्रधीन बस्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ही हैं। दिनांक 10-7-1985

को धूर्वोक्त संम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उपित बाजार बृष्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एोसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसं अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की दादित्व में कभी करने वा उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रेणिकार्थ सम्मिति व्वारा प्रकट नहीं किया जा अध्या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अधिमा के लिए।

अदा अधा उन्हें अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्हेंस अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन . निम्निलिखित व्यक्तियों, जर्थात् :--- 41—16 GI/86

(1) झगज हेल्थ आईडस् प्रायवेट लि०। (ग्रन्सरक)

(2) शाँतीलाल एम० यहा योगेश एम० यहा समीत एस० गहा कुमारी प्रितिबाला एस० शहा स्रौर श्रीनती हर्या योगेश शहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षोप ु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्मान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

फ्लैट नं० 201, जो रूबी श्राणार्टमेंटस्, 253 वालकेश्वर रोड, बम्बई--6 में स्थित है।

श्रनुसुनी जैसाकी कि० सं० श्रई-1/37-ईई/6833/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 10-7-1985 को रजीस्टर्ड विध्या गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, **बस्बर्ध**

दिनांक: 3-3-1986

१**४५ ब्राइ**ट ट्रींट एक्_रएक्_{र विकास}

भायकर बर्डिशनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अभीन सुचना

बार्व बडकाड

कार्यांसय, तहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986 निदेश ग्रं० श्रई-1/37-ईई/7431/85-86---- ग्रतः मुझे, निसार श्रहस्द,

वायकर विधितियस, 1961 (1961 का 43) (विर्स इसमें इसके परवाद् 'उक्त विधितियस' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीग जिसकी सं० फ्लैट नं० 101, जो 1ली मंजिल, क्बी ग्रपार्टमेंटस् 253 वालकेक्वग रोड, बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससें उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 श्रीर जिसका रारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। विनांक 25-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार बृत्य से कम के स्वयंत्राम प्रतिकत को जिए अन्तरित की गई और बृत्रों वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबाए भूम्ब, उसके क्ष्यमान प्रतिकत से एते क्ष्यमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते बन्तरण के तिए स्वयं वाचा गया प्रतिकत्त कर है क्षित्र उद्देश्य से स्वयंत्र वस्त्रपत्ति क्ष्य वस्त्रपत्ति के सम्तरित के सम्तरित कर है क्ष्यों कर्म का स्वयंत्र कर है क्ष्यों नहीं क्षित्रा पदा है है—

- (क) अन्तरण ते हुइ किती आव की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी अरने मा उससे बचने में सुविधा के निष्; और/य।
- (1) एकी जिल्हों आग या किलों घत या सन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों इसारा प्रयाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिभा को लिए;

व्यतः अव उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के विनृत्तरण कें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अशीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री मती बनानी चक्रवर्ती।

(मन्सरक)

(2) श्री श्रशोक रामजी शहा।

(ग्रन्तिरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(बहु व्यक्ति जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुवना वारी करके पूर्वीकत सस्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता

अन्त ब्रम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वार्क्ष :--

- (क) इस सूचना को राज्यन में प्रकाशन की तारींब धे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ते 30 दिन की अविध, जो भी अविध साम में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वित्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बह्भ किसी मन्य स्थानित इतारा सभोहस्ताक्षरी के सस निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्पब्दीक रच :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के कथ्याय 20-क में पीरभावित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा हैं 🗊

अनुसूची

फ्जैट नं० 101, जो 1लीमंजिल रूबी प्रपार्टमेंटस्, 263, वालकेश्वर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

श्चनुसुची जैसाकी क सं० श्रई-1/37-ईई/6985/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बज्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजटून रेज-1, वस्बई

दनांक: 3-3-1986

मोहरः

प्रकृष काह्नै . दी . एन . एस : ------

आसकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 48) की भारा 289 थ (1) के अधीन सुचना

कारक सरकार

कार्याचय, प्रक्रमक वायकर मानुक्त (निर्दीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० श्र $\S-1/37-\S \sqrt[6]{7407/85-86}$ --श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का स्थाप है कि स्थावर सम्पत्ति विकास उचित बाबार मृख्य 1,08,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, जो 65ी मंजिल, सुल्झा त्रिमायसेस को० श्राप० हाउसिंग मोसायटी लि० श्राप० श्राप० ठक्कार 254, बी० जी० खेर मार्ग बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायका श्रीमियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन श्रधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिक कारो के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 22-7-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्व से कम के व्यवमान शिवकास के निए अन्तरित की गढ़ें हैं और मृत्रे यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफान से, एसे दश्यमान प्रतिफान का निष्, स्थाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफान से, एसे दश्यमान प्रतिफान का निष्तु प्रतिकात से अभिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के निए तय प्रयाप्त प्रतिफान निम्नसिवित उद्दोश्य से उचत बन्तरण निचित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण सं हुव किसी माय की नायह असल भरीप-नियम में वाधीन बार बोने के अन्तरक के अधिरव में कीमी करने मा उक्कमें नावनं में प्रीताल के नियम, बीर/या
- (ण) एसी किनी बाय या किसी धन या अन्य अहिन्यों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या अनत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गना था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुधिया के निए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सुधीन, निम्नलिकिंग व्यक्तियों, अर्थात हु--- (1) बाब्लाल डी० पटवा।

(धन्सरकः)

(2) जें बीं एण्ड श्रदसें।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की जर्बन की कियू कार्यवाहियां सुक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप रू---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 4.5 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्थाभ, को भी व्यक्तियों में संगिष्त होती हो, के भीषर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति ब्वायः
- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-वक्ष किसी अन्य स्पत्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस निवित में किए जा सकींगे।

स्थविकरण:---इनमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जा उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में विश्व: पत्रा हैं।

भनुभूची

फ्लैंट नं० 601, जो 6ठो मंजिल सुल्झा प्रिमायसेस को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० श्रार० श्रार० ठक्द:र मार्ग 254 बी० जी० खेर मार्ग बब्बई-6 में स्थित है।

जैसाकी कि० ग्रं० ग्रई-1/37-ईहे/6962/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिशारी बस्बई द्वारा दिनांक 22-7-1985 को रजीस्टर्ड िया गया है।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहाय ३ श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,बम्बई

दिनांक: 3~3-1986

मुक्त नार्वे की पुत्र शुक्ष वान्यवनन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

MIST BESTE

कार्यालय, सहायक आयकर सामुक्त (निरक्षिक)

ग्नर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांव 3 मार्च 1986

निदेण सं० ग्रई-1/37-ईई/7203/85-86---ग्रतः मुक्तेः निसार ग्रहम्द,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह लिख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उष्णित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 21, जो 7वीं, मंजिल पूरव प्रपार्टमेंटम् बी० जी० खेर मार्ग बन्बई-6 में स्थित है (भीग इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण घर से वर्णित है) भीर जिसका करागनामा प्रायतःर प्रधिनिया 1961 की धारा 269 क, खके प्रधीन बन्बई स्थित सक्षा प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 5-7-1985

भो पूर्वीक्त संपर्तित को उधित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान लिए अन्तरित प्रतिफल के का विश्वास करने गह कारण है का बंधापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे बस्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतशत से अधिक 💕 और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (स्तरितियों) के **भीच ए**रें **मंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ**ा, निम्नलिखित उद्देष्ट्रेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित भ**ट**िं किथा गया है :---

- (ह) सम्बद्धम से हुइ किसी माय की वाक्स, उपस मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वधने में सुविधा के लिए; और/या
- (१) शेवी किसी शाय या किसी धन या वस्य वास्तियों को, विन्ही सारवीय जाय-कर विनयस, 1922 (1922 का ३१) वा उक्त श्रीधनियस, वा धन-कर विधिनियस, 1957 (1957 का २७) में प्रयोजनार्थ अस्टिरिटी ध्वारा प्रकट नहीं किया गंभा था वा किया धाना चाहिए था, विवान में सूर्विथा के लिए;

श्रतः त्रव उत्तर पंचित्रकः को धारा १८६०म को अवस्था तो, तो, राज्य क्रिनियान को सारा ८३९-छ को उपधारा (1) के सभीन, निम्म्विकित व्यक्तिकों, वर्षाकाः— (1) महेन्द्रकुमार नानालाल प्रविणचन्द्र एन० शहा और दिनेश चन्द एन० शहा।

(भ्रन्तरक)

(2) हरेश जयंती लाल शहा बसंस बेन जे० शहा और उषा श्रजीत शहा।

(श्रन्तरितः)

(3) ग्रन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह स्वाना धारी कर्के पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुए।

जनत संपत्ति के बर्धन के तंबंध में कांद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुभना की ताबील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त क्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (श) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहरताक्षरी के पास
 कि कित में कि इस का सकति।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

एट् पुरक्षे

फ्लैट नः 21, जो 7वीं, मंजिल पूरव शपार्टमेंटस्, बीं जीं खेर मार्ग, बम्बई-6 में स्थित हैं।

म्रनुसुटो जैसाकी क० सं० म्रई-1/37-ईई/6767/ 85-86 ग्रींर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 5-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~ः, बस्बई

दिनांक: 3-3-1986

प्रक्षे वार्षं .टी..प्न..प्स . -----

भाषकर अभिनियम न 1981 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

फार्यांसय, सहायक अयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्धई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाक कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वावार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं.

श्रीर जिसकी सं फ्लैंट नं 61 जो 65ी, मंजिल, सायनारा 17, यफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिमका वररारनामा श्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन वस्मई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांव 25-7-1985

की प्वेष्ति राम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्वर्यकान मिलाल के लिए अन्तरित की गई है और मृम यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके द्वर्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का नन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरका) बार अंतरिती (अन्तरितिकार के बीच एसे अन्तरण के निए अय पाम गया प्रतिफल निम्नितिखित उद्वर्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- देशे एमी किसी बाय या किसी भग गा बन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सूचिभा औं रिक्षा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में , उक्त अधिनियम की धारा 269-य दी उपधारा (1) के अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात् : →

- 1) श्रीमती पेरीन नरीमन दोराबजी हंसोटीया। (श्रन्तरक)
- (2) श्री घिरेश पी० कोठारी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति व्हें कर्पन के जिए फार्यनाहियां करता हूं।

धनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में काई भी वाक्षण :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की दारीच से 45 चिन की अविधि या सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सथोहस्ताक्षरी के पश्त लिखित में किए जा सकेंगे।

भ्यव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 2(-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस मुख्याय में विया स्याही।

भ्रनु सूची

पलैट नं० 61, जो 65ो, मंजिल, सायनारा वि कफ परेड सायनारा को० ग्राप० हाउमिंग सोसायटी वि० प्लाट नं० 9 और 10, 17 कल परेड बम्बई-5 में िथन है। ग्रानुसूची जैसाकि कम मं० श्रई०-1/37-हैंई/6986 85-86 श्री: जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनांक 25-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसा श्रहमध सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

प्रकण भार्य , टी. एन. एस. - -----

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-अ (1) के अभीन सुमना

मार्च चर्च्य

कार्यास्य , सहायक भायकर नायकत (निडासक) श्रर्जन रेंज-1, अस्वर्ध

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० श्रई-1/37—ईई/7450/85-86---- श्रतः भुक्ते निसार श्रहमद

भायकर निर्भागम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निर्धानयम' कहा गया है'), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह निर्ध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 21, जो 2री, मंजिल, मेदार टाँबर-के, कफ परेख कम्बई-5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है; दिनांक: 25-7-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के बह्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुओं यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हो:——

- (क) वस्तरण से हुई किली साथ की वावत , डक्स बीधीनवध की बधीन कर दोने के बस्तरक के बाधित्य में कभी करने या उससे वथने में सुकिथा के लिए; लीर/या
- (वं) एसी किसी बाय वा किसी धन या केन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का १२७) के प्रयोजनार्थ उन्होरिती ब्वास प्रकट नहीं किया तया था या किया थाना चाहिए था, स्थितने में कृषिण के लिए;

वतः भवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-त की अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) भेसर्स भेकर डेव्ह्लोपमेंट सर्विसस प्रायवेट लि॰ । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नारी म्रलीमधन्द भारवानी। (ग्रन्तरिती)
 - (3) प्रन्तरक। (वह व्यक्ति जिसके द्यधिभोग में सम्पत्ति है)

को बह स्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हैं---

- (क) इस स्थमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस १८ ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्पत्ति में हितवह्र किसी अन्य स्थानत द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्वकारिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दी और वर्षों का, यो उपल अभिनियम, के अध्याय 2) क में यथा एटिर-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, यो उर्ज अध्याय में दिया गया है।

ध्रनुसूची

फ्लैंट नं० 21 जो 2री, मंजिल, मेंकर टावर, के प्लाट 73 ए, 74 83, 84, और 85, ब्लाक 5 बैंक वे रेक्लमेशन स्किम, क्षफ परे बम्बई-5 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसाकी कि सं प्रई-1/37-ईई/7004/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

TOT TIE ME TE TE DESCRIPTION

बाक्काड स्थितिन्त्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वता

भारत बरकार

कार्याचन, वहानक नायकर प्राप्तः (निडीक्क)

श्रर्जन रेंज-1; बम्बई बम्बई ; दिनांक 3 मार्च 1986

निदेग सं० म्र**६**— 1/37—ईई/7322/85—86——म्रतः मुझे, निसार मृहमद,

कानकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के निर्मान सक्षम प्राधिक री को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसको सं० फ्लट नं० 31, जो सायनारा, 17, कफ परेड बम्बई 5 में स्थित है (और इससे उपाबह अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1962 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख: 12-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्रवमान प्रविक्तन के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्रयमान प्रतिक्तन से, एसे क्ष्रयमान प्रतिक्तन का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्तन, निम्नीनिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आए की बाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए। ऑड√वा
- (क) एंडी किसी नाय या किसी धन वा क्षम कास्तियां को, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन व्योधिनयम, 1957 (१०57 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के विष्:

बतः थर्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में-, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) श्री मती नीलम बिधिन पारीख और श्री बिधिन नाथाधाल पारीख।

(अन्तरक)

(2) श्री मती सुनीता एस० अग्रचाल और श्री श्री भगवान एस० अग्रचाल।

(ग्रन्तरितो)

(3) अव्रतरितीयों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितवाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त विकास में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अद्रथ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थाकिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

ग्रनुस्ची

फ्लैंट नं० 31; जो सायनारा कफ परेड सायनारा, प्रिमायसेम को० ऑप सोमायटी लि०; 17, एफ परे बम्बई-5 में स्थित है।

धनुसूची जैसा की ऋं० श्रई-1/37-ईई/6879/85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 12-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार श्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 3-3-1986

मोहर।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण्)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई वस्बई, दिनांक 3 मार्च 1986 निदेश सं० शई-1/37-ईई/7405/85-86--श्रतः मुझे निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसको सं० पलट न० 4, जो पहली, भंजिल; प्रकाश
इमारत न० 1, न्यू वाल्मीक को०-आप० हाउसिंग सोसायटी
लि०, बी० जी० खेर मार्ग रीज रोड बम्बई-6 में
में स्थित हैं (और इससे न्याबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप
वर्णित है), और जिसका करारनामा भायकर प्रधिनयम
1961 की धारा 269 छ, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों हैं। दिनां क

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का उन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीत निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात अ— (1) श्रं। छिबिलदास एस० शहा।

(अन्तरक)

(2) श्री कुमारनाल एम संधवी श्रीमतो ग्रिमण्डा के० संसंधवी।

(श्रनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हु⁵, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यन्त्र

फ्लंट नं 4 जो 1ली मंजिल, प्रकाश इमारत नं 1 न्यू लाल्मोक को - ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 28 ए, बो० जो खेर मार्ग रीज रोड, बम्बई 6 में स्थित है।

श्रनुतूबो जैसाको क्र०सं० श्र ξ -1/37-- $\xi\xi$ /6961/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब ξ द्वारा दिताक 22-7-1985 का रजिस्टड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीइण) श्रजैन रेंज-1; अस्ब{

दिनांक: 3-3-1986

प्रकप नाइ.टी. इन . एस . -----

(1) श्रीमती लना एच० संधवी।

(धन्तरक)

(2) और प्रकृत एम० शहा।

(भ्रन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक कायकर आयुक्त (निरोक्सन) ग्रर्जन रेंज-∙3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरचरी 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/22733/85-86--

श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पत्रचात् 'अवत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- स. से अधिक हैं

अर्थार जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो 1र्ली, मंजिल, सुदरम इमारत नाथ पै जगर घाटकोपर (पूर्व), बम्बई--77 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रमुखी में और पूर्ण स्थ से विभिन्न है), अंतर जिसका उत्तरनाना आयगर प्रधित्यम 1961 की धारा 269 का ख है प्रधीत बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में ५र्जास्ट्री है। दि तंक 1--7--1985

क्षों भूगोंक्स संपत्ति के उपित वाकार मृत्य से काम के सम्पनान श्रीतकाल के लिए अन्हरिक की नर्द हैं और मुर्ध वह विकास ारमंका कारण है कि मधायुर्वोक्त सम्बद्धि का दक्षित बाबार प्रथा, उभक्ते कार्यमान प्रतिकास के क्षेत्र कार्यान प्रतिकास क সন্মন্ত্র সচিত্ররে হ' নাখিক ह' নাখি নাজকে (নাজকোঁ) বাখি নাজিকী (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में बास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त किंधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा ा'र ∕गा
- (स) ऐसी किसी नाय वा किसी भन वा जन्य नास्तियों का जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रमाजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किए एक था था किया जाना चाहिए या, फिराने में मुजिया जी निवार ।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं⊤, में , उक्त अधिनियम की धत्रा 269-ग की उपधारा (1) के क्षभीत. निम्बलि**वित व्यक्तियों, अर्थाम्** :----42---16 GT /86

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकासन की तारीच स 4.5 दिन की बर्बीभ या सत्सम्बन्धी स्थमितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी वर्षाध बाद में समान्त होती हो, के भौतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्फटीकरण:---इसमें प्रयुक्त शंब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर शोपांगस्त क अभाग 20-क में परिभावित ह¹, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में **दिया** नवा है।

नन्त्र्ची

फ्लैट नं० 5 जो कि। मंजिल, सुदश्म इमारत, नाथ पै नगर घाटकोपर (पूर्व), बम्बई--77 में स्थित है। प्रमुखी जैसाकी क्रं० सं० धई--3/37-**-ईई**/22733/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 1⊶7–1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जः रेंज⊶1, वम्बई

दिनांक: 3-2-1986

प्रकप नाइं.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1986

निदेश सं० %ई-3/37-ईई/22711/85-86---भ्रत: मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैंट नं० 5340, जो तल माला, इमारत 193 महाराष्ट्र हाउसिंग बोर्ड पं नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-75 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के धर्धान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 1-7-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मुके यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वेक्त संगरित का उचित बाजार मूस्य, उसक दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिकत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण स हुई िकसी आय की बाबत., जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसा किसी, जाय या किसी धन अन्य बास्तियों की बिन्ही धारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर्भ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था खिपाने में गृहिका की सिए;

जतः जन, उथल अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मैं, मैं, उक्त आधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कै अधीर, निम्नालिसिस क्राफ्लिकों, अधित ३---- (1) प्रार० बी० प्रार्थ।

(अन्तरक)

(2) एल० पी० महेश्वरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सन्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नास्त्रेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी से से 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपच में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा मकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्न्यों और पदौं का, को उक्क किथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टिल है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका गया है।

प्रनुसूची

फ्लैंट नं 5340 जो तल माला, इमारत नं 193, महाराष्ट्र हार्जिमग बोर्ड पं नगर घाटकोपर (पूर्व), बम्बर्ड-75 में स्थित है।

श्रनुपूर्वी जैसाकी कि० सं० ग्राह्म-3/37-ईई/22711/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 3-2-1986

बक्य मार्च .थी .यन .एत . -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ध बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1986

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/22232/85-86--- प्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

श्रायकार विभिनित्रमं, 1961 (1961 का 43) (विवे इंडने इसके पश्चात् 'उनत निधनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु निस्वास करने का कारण हुं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित गांचार शून्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

प्रा: (क्रिक्ति) संघ परेट नंध 35, जा, सल माला, फैझ की ब पातक पुरावित पापातकी निक, हाल सोड़ कुर्ली (प), बम्बई-70 ियत है (और इसने उपावद धनुसूची में और पूर्ण रूप से वॉगा है) ओर जिसहा करारतामा प्रायंकर प्रधिनियम, 1961 की बारा 239 है, ज के अर्वान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याता में राजिस्ट्रो है। तारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वीभन्न शम्पत्ति के उचित बाबाद मून्य संकम के ध्यवमान गितफंस के सिए अन्तरित की यह है और मुक्ते यह विश्वाक करन का कारण है कि यथापुर्वोक्स सर्पास्त का उचित वाचार धूल्य, उसके शरदमान प्रतिफल से एेसे अरयमान प्रतिफल की पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंबरिती (अंबरितियों) के नीच के एक अन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेष्य से उस्त अन्तरण क्षिवित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :---

- ्रः) बस्तरण संहृद्धांकासी आय की बादस, अवस्थ मिशिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को हाभित्व में सभी सहने या उत्तर बचने में साविधा के निए; धार/वा
- (क्रा) एोसी किसी बाय या किसी अन वा जन्य आस्तियों, को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रानयम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वर्षे प्रयोधनार्थ बन्धरियी दुवारा प्रकट बडी किया नवा बाया किया बाना चाहिए था, ब्रियान में सुविधा वे विष्।

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम को भारा 269-घ की उपधारा (1) 🖹 मधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, मर्थात् 🖫 🗝

1. श्री सैंथद एम० एस० एम० साद्वा।

(अन्तरकः)

श्री एफ० जिल्ल्बाला।

(भ्रन्तरिती)

को वह सुचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवंत के । संद कार्यवाहियां करता 亡।

उक्त संपत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इब त्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ कर नुषनाकी तामीस सं 30 दिन की सर्वाध, को 🐗 बचिष बाद में समाप्त हाती हो, के नीतर पूरन्या अभिक्तमाँ में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क्र) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष क्र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्ताकारी के बाब निश्चित में किए जा मकी।

स्पद्धाकरणः--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम के सभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्थ हांगा को जस अध्याय में विदा

फ्लेट नं० 35, जो, तल माला, फैन्फड को० ग्राप० हाउ-मिंग सोसायटी लि०, दील रोड, कुर्ला (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुमूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/22232/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजस्टिङ किया गथा है।

> ए० प्रसाद सक्षम त्राधिकारी सजानक आनकर आयुक्त (निरोधण) ं जं : रेंज 3, बम्बई

दिनांका: 3-2-1986

मोहर 🤌

प्रकार बाही, दी, एन, एक, गन्नान्त्रना

बावकर विभिन्नित्र, 1961 (1961 का 43) की बाड़ा 269-न (1) के अधीन स्वना

नारक वहनार

कार्याजन, सहारक नामकद बानुस्त्र (विश्वीक्षाम)

धर्ज ४ में हु-३, समार्थ

बम्बई, दिनांक 3 फर्चरी 1986

निर्देश सं० श्रई-3/37-ई1/23093/85-86---श्रन: मुझे, ए० प्रसाद,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' महा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त वाजार श्रूच्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० फ्लैंट नं० 20, जो, 2ई। मंजिल, प्लाट नं० 58, जगहुना नगर, घाटकोपर (प), जम्बई-86 में स्थित है (म्रीर इससे उपायक शनुमूची में ऑपर पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका जवारवामा धायकर अधिकियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रवीत, जम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में तारीख 1 ज्लाई, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उजित नाभार मृत्य वे कम के क्यायान प्रतिकास के लिए अन्तरित की नक्ष है बार मुक्ते मह किस्तास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त तम्मीत्त का उजित वाचार मृत्य, उत्तके क्यायान प्रतिकास सं, एोसे व्यवमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितिकाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा नया प्रतिकास, निम्नसिवित स्व्यवस्य सं उत्त अन्तरण सिवित में स्तरिकार कम वे कविन नहीं किया नया है क्ष्र--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबस, उसा अधिनियम के अधीन कर येने के सन्तरक की बामिस्य में कमी करन या उससे अवले में लुकिया के निए; बीद्र/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन था अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था, जिन्मा में सुनिधा के सिए।

बद्धः कथा, उपस विधितियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269-य की उपधारा (1) ले वधीन, निम्निश्विकत व्यक्तियां, वर्षात् ~— 1. श्री चंद्रकात चिठ्ठल मोटये।

(अन्तरका)

2. श्री संवाराम नारायण नारकर।

(श्रन्तियो)

को यह सुपना जानी कारचे पुत्रीवल सम्पन्ति के कार्यन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजयत में प्रकाशन की तारीत वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी खबीध बार में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेशन व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्षूण किसी अन्य स्थीतत द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गुरु सिचित्रन में किए सा सकर्ग।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अपुर्वा

पलेट नं॰ 20, जो, 2री मंजिल, प्लाट नं॰ 53, जगदुरा नगर, घाटकोपर(प), अम्बर्द-56 में स्थित हैं।

प्रनुमूर्चा जैसाकी कि स० धर्ष-3/37-ईई/22093/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किथा गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

द नांक : 3-2-1986

श्रर्जन रेंज-3, बस्बई बम्बई, दिनांक 3 फरधरी, 1986

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/22707/85-86--- श्रत: मुझे ए० प्रसाद,

शायकर निविधित्त , 19 का (1961 का 43) (विश्वे इसकें इसकें प्राथात् 'उन्तर श्रीकीत्वन' नहां गया हैं), की धारा 269-व के नदीन कलन प्राधिकारी को वह निकास करने का कारण हैं कि स्थापर बज्यित, विश्वका उपित वाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से की कह हैं

अंति जिसकी सं पलेट नं 405, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं 17, कपाडिया नगर, सं एस टी तोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित हैं (अंति इममे उपाबद्ध अनुभूक् में और पूर्ण रूप के विणत हैं)/अंति जिसका करारणामा वादकर विविचम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीर, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है, हारीख 1 जुलाई,

- (य) अन्वयन वे शुर्ज किसी नाम की बज्जव, उसता स्पिनियम के नदीन कर दोने के बजारक के वाजितन में कभी संस्तेया उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐती निम्मी बाव था विस्ती धन वा अन्य आस्तियों करे, विमहें भारतीय अन्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपक अधिनियम, वा भवकाद अधिनियम, वा भवकाद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारकार्य अन्यक्ति हती वृत्रारा प्रकट नहीं किया नवा भा का किया जाना चारिए था, छिमाने में सुविभा के निहा;

भंतः अब, उक्तं बिधिनियभ की धारा 269-ग के अनुसरण में. में सक्त बीधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, शर्मास् :--- मेसर्स दीपा बिल्डर्स प्रायवैट लि०।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एन० बी० ए० हमदुले।

(प्रस्तरिती)

उन्त सम्बद्धि के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--- कार्यमाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीश हैं 45 दिन की अमिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बसीभ, जो भी अमिथ बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस क्ष्मक के कावरण में प्रकाशन की बारीस से 48 किन के मीकर उपस स्थापन कम्मीस में क्षिन-क्षम किकी क्षम व्यक्तिय क्षारा अभोड़तास्परी के मान स्थिकत में फिल्ड का स्थोंने।

स्मध्यक्रिक्टमः — इक्ष्मं प्रयुक्त सम्बंधिय क्यों का, यो उक्त व्यक्तित्वमं, के बम्बल 20-क में परिभाषित ही, नहीं नर्थ होगा थो उस्त नम्बाय में दिया गया ही।

बन्स्च्य

फ्लेट नं० 405, जो 4थी मंजिल, इमारत नं० 17, कपा कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ली (प), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुभूची जैसाकी करु सं० अई-3/37-ईई/22707/85-86--और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज-3, बम्ब ध

विनांक : 3-2-1986 सेट्र

प्रका बाई है है, एवं, एवं, क्रान्यान

नायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत शरकार

कार्याक्षम, ब्रह्ममक कामकर बागुक्त (रिनर्शक्रम)

प्रजीत रेंज-3, बम्बई

वम्बर्ध, दिनांक 3 फरवरी, 1986

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/22095/85-86-⊷श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अभिनित्रभ, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इसकें इसकें परकार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-न के अधीन सक्ष्म प्राप्तिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्या वाचार नृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक ही

और जिसकी संव फ्लेट नंव 12, जी, 1की मंजिल, प्लाट न 53, जिल्हा 17, बाइएएर (द), बम्बई-36 में स्थित है (और इस्ते) उलबद्ध अनुभूषी में और पूर्ण कर ने विणत है) और जिम्हा बरारनामा श्रावणर अधिनिथम, 1961 की धारा 2690, ख के अर्थान, पम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के नायजिय में रिक्ट्री हैं। तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उणित बाबार मून्य से कम के बह्यमान एतिफस के लिए बन्तारित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि बंशापुर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाबार गुन्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्छ प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (कन्तरकों) और अखरिती (अंतरितिओं) के बीच एसे बन्दरच के लिए तब पादा भवा प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिस के नाराधिक कम से कृषित वहीं किया गया है ——

- (क) नम्बरम वे हुद्र किसी नाम की बावत बक्क लिय-नियम के नभीन कर दोने के नन्तरक के वाजित्य में कमी कपुने या उत्तते वचने में सुविधा के लिए कौर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय के किसी भन का बस्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अभिनियम, या जनकर अभिनियम, 1957 (1957 की 27) वां प्रयोजनाओं जन्सीरिती वृष्टारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूरिका के सिए;

कां कां वा अवतः अधिनियम की धारा 269-म को अनुकार्य को , वीं , उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)
 भ अभीन , निम्निसित अधितामा को भारा क्ष्मिल्य ।

1. श्री चंद्रकांत चिठ्ठल शेटये।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रघुवीर केशव कदम।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के वर्षन के तिए कार्यवाहियां शुरू करबा हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस त्यान के रायपन में अकारन की तारीब से 45 दिन की नवीं में ता तत्वस्थानी व्यक्तियों पर सूचना की दानीस से 30 दिन की न्यीं, से भी नवीं वाद में बनाय होती हो, के बीतर पूर्णेका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाए;
- (क) इत सूचना के राज्यन में मुकाबन की तारीक के 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, स्थाहस्ताक्षरी के शब्द विविध में किस् का सकेंगे।

स्वक्ष्मिरमः क्ष्मिने प्रयुक्त सम्बंधित पद्धों का, को स्वक्ष अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होना को उसे अध्याय में दिया पदा है।

माचची

पलेट नं० 12, जो, 1ली मंजिल, प्लाट नं० 58, जगदुना नगर, घाटकोपर (प), बम्बई-80 में स्थित है। श्रनुसूर्चा जैसाकी ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/22095/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिजन रेंज-3, बस्बई

दिनोकः : 3-2 19मैं 6

मोह्र, :

प्रक्ष काई.दी.एन.एस.-----

1. श्री एन० बी० पेडलेकर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती डीं० डीं० राउत।

(अन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बर्र, दिनांक 3 फरवरी, 1986

निर्देश सं ० षई-3/37-ईई/22493/85-86---अत: मझो ए० प्रसाद

श्रायकण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इम्रस्थं परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्पत्ति, जिसका उचित बाबार गृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 16, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं 52, एस० नं 4ए, घेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (और इसने उपायद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णिस है)/और जिसका करारतामा धायकर अधितियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में राजिस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करममान प्रिंतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उम्त अन्तरण लिखित में शस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किलीं जाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी फरने या उससे स्थने में मुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गवा भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के चिए।

कार्यवाष्ट्रियां करता हा। उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

को यह स्चना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 चिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियां में सं किसी व्यक्ति दुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, यही अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिशा गया हुँ।

मम्स्यी

फ्लेट नं० 16, जो, उरी मंजिल, प्लाट नं० 52, एस० नं० 4ए, चेंबुर, तम्बई-74 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी ऋ० लं० ५ई-3/37-ईई/22493/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 3-2-1986

मोहरा

जत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन . निम्निसिसित व्यक्तियों , अर्थात :---

प्ररूप नार्षं . टी . एन . एस . ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरहरी 1996ा

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/22104/85-86----श्रत: मुक्षे ए. प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. ते अधिक ही

अंदि जिसकी संव फ्लेट नंव 27, जो, 3री मंदिल, प्लाटनंव 58, जगदुमा रागर, घाटकोपर (प), यम्बई-86 में स्थित हैंहैं (और इसने उपाधद्ध अनुभूकी में ऑप पूर्ण का में पणित हैं) और जिसका करारतामा आयकर अधिकियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीक, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवार है वार्यावर में रिजर्स्ट्री है। तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से काम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का इंड्रम प्रतिकत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नतिखित उच्चेश्य से उच्त अन्तरण सिकित में बाक्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत उपक्त ऑधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय साय-कर अभिनियम, 1922 (1922) का 11) वा उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए भा, कियाने में सूबिधा के सिए;

अतः अव उक्त अभिनियम की धारः 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारार (1) के अधीम, निम्नितिबत अधीमतवीं, अर्थात् है—

1. श्री चंद्रकां, चिठ्ठल घेटये।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुभद्रा चसंत माने।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की भवीं या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अक अविधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वो क्ल व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन करें सार अ अ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांगीत्त में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्यों।

स्पष्टिक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसुची

पलेट नं० 27, जो, 35 एंजिल, प्लाट नं० 58, जादुशा नगर, घाटकंपर (४), बम्बई-86 में स्थित है। अनुसूर्वा जैमार्कः क० सं० प्रई-3/37-ईई/22104/8 5-36 जोए जो सझन प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-7-1985 को रिनस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राप्यकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बंबई

.... 1. 1. 1. 6

प्ररूप आई टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आगुक्त (निरीक्षण)

श्रजिन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्रद्द-3/37-ईई/22851/85-86---श्रनः मुझे, ए० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 35, जी, 4थी मंजिल, प्लाट नं० 58, जगदुणा नगर, घाटकीपर (ए), तम्बई-86 में स्थित हैं (और इसने उपायद्ध धनुसूची में और पूर्ण का से पणित हैं)/और जिसका करारतामा धारकर अधितियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीत, यमबई स्थित सक्षम अधितारी है कार्यालय में रजिस्हीं हैं। हार्रीख़ 1 जुलाई, 1935

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब:, उथत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उथत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथित् ——
43—16 QI/86

1. श्री चंद्रवात दिव्हल गेटये।

(मन्तरक)

2. श्रीर यांबार बाबू रेनांशि।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 पिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसूची

फ्लेंट नं० 35, जो, 4थी मंजिल, प्लाट नं० 58, जगदुशा नगर, घाटकांपर (प), बम्बई-86 में स्थित हैं। धनुसूची जैसाकी क० सं० शई-3न37-ईई/22851/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रें**ज-3, बम्बर्ध**

दिनांक: 3-2-1986

मोहर् :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/22090/85-86—श्रत: मुझें, ए० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

और निसकी सं ० पलट नं ० 34, जो, 4थी मंजिल, प्लाट नं ० 58, जगदुणा नगर, घाटकीपर (प), बम्बई-86 में स्थित है)/और जिसका करारनामा श्रापकर शिधिनियम 1961 को धारा 269 के, खं के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिन्ही हैं। सारोख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अप्त: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातुं —-

1. श्री चंद्रकांत दिष्ठल शेटये।

(भ्रन्तरक)

श्री श्रमरीत तिबंक पाटील।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

फ्लेट नं० 34, जो, 4थी मंजिल, प्लाट नं० 58, जगदुणा नगर, घाटकोपर (प), जम्बई-58 में स्थित है।

धनुसूचा जैसाका करु संर ध्रई-3/37-ईई/22090/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनाक 1-7-1985 को रजिस्टई जिया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-3, बम्बई

दिनांक: 3-2-1986

भ्रम् नार्क्षेत्र सी_{लं} प्रवास प्रवासन्तरम

बायकर मर्टिभनियम र 1961 (1961 का 43) की बाडा 269-व (1) से मधीन स्थान

BIEG GEWIN

कार्याचन, सहायक वायकर वायका (विद्वालक)

ं अर्जन रेंज-3; बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-3/37-ई ई/22030/85-86—यत:, मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर भौभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें 269-म के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उर्वित बाबार मुस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रांर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 53, जो, चौथी मंजिल, पंकज बी इसारत, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 है, तथा जो बम्बई में स्थित है (प्रांर इससे उपाबद्ध अनुसुची में प्रार पूर्ण रूप से वणित है), ग्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 261 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

क्षे पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे रूर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशमों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग क अनुसरण में, ४,,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नेलिखिस व्यक्तियों क क्यांस् ६—— भैसर्व महाराष्ट्र ट्रेडिंग कम्पनी

(अन्तरक)

2. श्री ए० बी० सहा

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करनी पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं० 53, जो, जौथी मंजिल,पंकज बी-इमारत; एल० बी०एस० मार्ग; घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ई ई 22030/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

नारीख : 3-2-1986

माहर ::

बरूप वाद¹.टी.एग.एक_ः------

नायकर निधिनिवय, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुभन

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० अर्ड-3/37-ई ई/22606/85-86—पतः, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूख्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5, जो, दूसरी मंजिल, शांति प्रभा इमारा, गारोडिया नगर स्कीम, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 है, तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रील इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप के वर्णित है), ग्रीरियस जाकरारजामा आयवार अधितियम, 1961 को धारा 260 क, खाने अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि :ारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1935

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूच्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- िंक) बन्तरण ते हुई किसी बाद की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिह; आरि∕वा
- (स) ऐसी किसी जाय या फिसी भन पा जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा से सिद्धः

सतक सब, उस्त सिंगियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, इक्त अभिनियम की भारा 269 म की उपधारा (1) ■ मुभीत, निम्मलिखित स्मिक्सों, संवृत्ति क्ष-- 1. श्री पी० अनंधराय पै

(अन्तरक)

2. श्री जार० जी० मेहना श्रीर अन्य

(अन्तिरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन औ तियु कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के मर्थन के संबंध में काई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी क्विधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास विकित में किये जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुमुचो

प्लौट नं० 5, जो, दूसरी मंजिल, शांति प्रभा इमारत; गारोडिया नगर स्कीम, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है ।

अनुसूची जैस∴ितक, सं० आई-3/37-ईई/22305/85-86 स्रोर जो सज़न प्राधिकारी, बम्बई द्वारादियांक 1-7-85 को रिक्टिर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाँद. सक्षम प्राधिवारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

नारी**ख**: 3-2-1986

प्रकष काह". टी. एन . एस

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सुरक्षा

कार्यानय, सहायक जायकर जाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिशांक 3 फरवरी 1986

निर्देश मं० ग्रई-3/37-ई ई/22209/85-86—का: मुझे, ए० प्रभाद,

काबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्ण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० फ्लैट नं० 46, जो ए-इमाफ्त, सिबा इंडस्ट्रियन वर्कमं को-आप० हाउसिंग लोमायटी लि०, अमृत धगर, घाटकोपर (१), अम्बई-86 है, तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इस र उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण स्प संबर्णित है), न्नोर जिस ज प्रत्यामा आयकर पिधित्यम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीत, बभवडी स्थित सतम प्राधिकारी के कार्यालय में रुजिस्ट्री है, तारीख 1 जनाई, 1985

को प्वोंकत सम्मित के उधित याजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्रों यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल के पंद्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रति-फा, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्थ लिखित में नास्य-विक रूप से किथित नहीं किया नवा है :--

- (क) एसी किसी जाय या किसी धन था अन्य जास्तियों की, जिन्हों मारसीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत् अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया नयर या या किया जाता जाहिए था, कियाने में सुनिधा औ तिया;

कतः श्रम, मक्त अभिनियम की भाग 269 म के अनुसरण में, में, सकत अभिनियम की भारा 269 म की सम्भारा (1) से अभीन, निम्नतिचित्र स्परिस्ती, वर्षात् स्राप्त 1. श्रीमती जक्षमी भारतरहा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सूनदा एस० डोईफोडे ।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्पर्टित के वर्षन के तिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन् के संबंध के कार्य भी कार्यप रूप्प

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पड सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपन में प्रकाधन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिनजद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी कर में किए जा सकोंगे।

स्वरुक्त का वर्षे की द पदाँ का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रवा हैं।!

अनुसूची

फ्लैट नं ० 48, जो, ए-इमारत, सिवा इन्डस्ट्रियल वर्कर्स को-आप० हाउसिंग मोसायटी लि०, अमृत नगर, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुपुची जैसा किक मं अई-3/37ई ई/22209/85-86 क्रार जो नक्षत प्राधि शरी, बस्बई द्वारा 1-7-85 को रिजम्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंग-३, बम्बई

तारीख : 3-2-1986

प्रकृष बाह् ती प्रम् पृष्ठ प्रमः

बायकडु मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-3/37-ई ई/22708/85-86——यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन संक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रार जिसकी सं० फ्लैंट नं० 210, जो, दूसरी मंजिल, इमारत नं. 6, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड़, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित हैं (ग्रार इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीरे पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अर्धान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

क्ये पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रोतफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिदित्तियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तिविक कप से कथिल महीं किया गया है द

- (क) बन्तरण से द्वार्य किसी बाय की बाबत, उक्त बाधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; अप्रि/मा
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तियों का, जिन्हें भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, मा भनकर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति द्वीर प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, कियाने में सुनिधा के जिए:

बराः जयः, तयतः विधिनियमं की धारा 269-मं के अवृत्रस्य में, में, उपत अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) क्रों अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अंधित् हि— ा. दीपक बिल्डर्स प्राईवेट लि०।

(अन्तरक)

2. श्रीअब्दुल के ए० डावरी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारौँ कड़कों पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को सिए कार्यनाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आंभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उक्त अधिरियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

पर्लंट नं० 210, जो, दूसरी मंज्ञिल, इमारत नं० 6; कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड़, कुर्ली (प०, क्विंम्बई-70 में स्थित है।

अनुसुचो जैसाकि क० सं० अई-3/37-ई ई/22708/85-86 ग्रीर जो स्नुक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

वारी**ख**: 3-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बानकर वृधिनिस्त, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के स्थीन सुकरा

भारत सरकार

कार्यासन, तहायक जायकर नायुक्त (निरासक)

ध्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/22092/85-86--भनः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसके प्रथात जिस्त निधिनियम कहा नया है), की बारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि रवाब्द सम्मत्ति, जिसका स्वित वाबार मृत्य, 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 10, जो, 1ली मंजिल, प्लाट नं० 58, जगदुशा नगर, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रोर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के ग्रंधीन, बम्बई स्थित सक्षम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान इतिफाम के सिए बंतरित की गई हैं जार बुक्ते वह विश्वाक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बुक्द, उसके द्रयमान प्रतिकास से, एसे द्रयमान प्रतिकास कम बन्दह प्रतिकात से सिथक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) के र बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय तय पाया प्या प्रतिकास मिन्नकिद्द उच्चेक्ट से एक्त अन्तर्भ मिनित् में वास्त्रविक अन्य से कांग्स नहीं किया प्या हैंड-

- (क) अन्तरण से हुन्दे कियी आज की वार्य, उपक अधिनिक्य के अभीन कर दोने के जन्तरण जे श्रीरित्य के सभी करने का उपके क्या के स्विधा भी तिका जैता/का
- (क) एमी किसी जान या किसी धन या नम्म नास्तियों की, जिन्ही भारतीय नाथ-कर निविध्यम, 1922 (1922 का 11) या उपत लिधिनयम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादनार्थ मन्द्रीरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वका या वा का का बाना थाहिए था, छिपाय धी स्विध्य के लिए;

भतः ६ व.स. उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 200-त की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो चंद्रकांत विठठल घोटये।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मण जगन्नाय कांबलें।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यगिहियां करता हूं।

चनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई ब्राह्मीप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की जबिध रा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित स्थितवार में से किसी स्थित इसाय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास िनक्ति में किए जा सक्ते हैं।

स्वच्छीकरण : इसमें अयुक्त धक्यों और पदां का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्वा हैं ॥

अनुसूची

पलैट नं० 10, जो, 1 ली मंजिल, प्लाट नं० 58, जगदुशा नगर, घाटकोपर(प०), बम्बई-86 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा को ऋ०सं० अई-3/37-ईई/22092/85-86 और जो नक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक्त श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज3,बम्बई

नारीख: 3~2-1986

ो हरः

मुस्य बाद्द . टी , यून , यून , ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर जायकत (पिरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनौंक 3 फरवरी 1986

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/22641/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकार वाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (बिन रचमें इसके पश्चात् 'उक्त अपैधनियम' कहा गया हाँ), की बारा 269-ख के अधीन मक्ष्म प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, बिसका उपित बाबार मृस्य 1,00,000/-उ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 13, जो, 3री मंजिल, साविती कुंज प्लान्ट नं० 22, गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कु,ख के श्रिधीन, वम्बई स्थित सक्षम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

का पृश्वांक्स संपत्ति के उसित बाजार पृस्य से कम के रविश्वास प्रतिपत्त को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्स सम्पत्ति का अभित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिपत्त से,, एसे रहयमान प्रतिपत्त के पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त निक्नितिस्त उद्देश्य से उस्त अंतरण लिकित में वासिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) सम्बद्ध से हुई किसी बार की बास्त, उन्त बीविनियम के बधीन कर दोने के संतरक के दायित्व में कमी करने या प्रसरो रचने से स्ट्रमण्ड के जिए: बीर/बा
- (स) एंसी किसी बाव वा किसी भव वा सम्य वास्तियाँ महो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रकर विधिनियम, या सन- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार जनगरिती द्वाय प्रकर नहीं किया गया हो नहीं किया गया का स्वाप्तिय जाता चाहिए था, कियाने में जिला के सिए:

लत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए को अनुसर्थ को, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की जपभारा (1) को अधीन, निम्निकितिक व्यंक्तियों, अधीत अ—— (1) श्री पां०एम० पै०।

(प्रन्तरक)

(2) श्री निलेश जे० देसाई ग्रीर ग्रन्थ।

(सन्तरिती)

कारी वह सूचना जारी करके पूर्वोक्य सम्मत्ति के अर्थन के विष्य कार्यवाहियां करता हूं 1.

उच्छ सम्मरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के धनवज में प्रकाशन की तारीस हो 45 दिन की संबंधि या ग्रस्तियों का कितयों वर सूचना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से सिसी ध्यक्ति बुवाग;
- (च) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबह्ध फिसी अन्य न्यस्ति ह्वारा जनहरताक्षरी के पास निक्षित में विस् दा सकेंचे।

स्पथ्यीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के कथाब 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा को उन्न अध्यास में दिया प्रा हैं।

अनुसूची

प्लैंट नं० 13, जो, 3री मंजिल, सावित्री कुंज, प्लाट नं० 22, गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०मं०अई-3/37-ईई/22641/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वन्त्रई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीखाः 3-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ायकर अधिनियम, 196.1 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/21998/85-86-- श्रतः मुझे. ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन प्रक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, तल माला, इसारत नं० 6, कपाडिया नगर, सीए गटी रोड, कुर्ला (प०), वस्बई-70 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिलका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कुल के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-7~1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---(

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बादत उक्त ाधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करते या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अजीन, किन्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान् १५—० 44—16 GI/86 (1) दीयक बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री उमर ग्रब्दुल कादीर परकार ग्रौर श्रन्य। (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन् सूची

दुकात नं० 1, जो, तलमाला, इमारत नं० 6, कपाडिया नगर, सीएसटी रोड, कुर्ला (प०), बस्बई-70 में स्थित है। प्रनुसूची जैसा की फ्र॰गं॰ग्रई-3/37-ईई/21998/85-86 ग्रीर जो नक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद नक्षम प्राविकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजीन रेंग-3, बम्बई

तारीख : 3-2-1986

मक्य बार् . टी . एम . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन

भारत सर्कार

कार्यासय . तहायक बायकर आध्रक (निरीक्षक)

भ्रर्जं न रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई, 22710, 85-86-- श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशान 'उक्स विधिनियम' कहा नवा है), की भारा 269-च के वर्षान सक्तम प्राध्यकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थापर राष्ट्रका, जिसका रिचत वाजार भून्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो, तल माला, इमारत नं० 6, कपाडिया नगर, सीएसटी रोड, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क.ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पृथोंकर सम्मस्ति के उचित बाजार म्स्य से कंत्र के दश्यमान अतिकास के निए लन्तरित की गर्म हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वे कित तंपित का उचित भाषार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधानसक के अधीन कर गान के शालशक के अधिक कर के कभी करते या उससं बंचने में स्विधा में लिए; बी≱ ने
- (ख) एंसी किसी आब या किसी धन वा जन्म आरितयों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मित्री बनारा पकट नहीं किया गया था के निक्या जाना चाहिए था, जिसाने में भूकिस विद्या

ज़रा: हात. सकत जिथितियम की भारा 269-त से बनुसरण हैं हैं, इक्त किथितियम की भारा 269-ते की उपभारा (1) वे भारीत निम्नीविक्ति स्पृक्तियों, अभारा : (1) दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) ए०ए० कादीर परकार श्रीर श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध को कोई भी बाकोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की संबंधि, को मी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति बुवारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर संपत्ति में हिलबब्ग किसी जन्म स्पन्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पथ्यक्रियाः— इसमें प्रयुक्त सन्दों जौर वदों का, थों उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा को उस अध्याय में किया एका हों।

मन्स्ची

दुकान नं० 6, जो, तल माला, इमारत नं० 6, कपा-डिया नगर, सीएसटी रोड, कुर्ला(प०), बम्बई-70 में स्थित है।

श्रनुसूची जैनाकी कल्सं० श्रई-3/37-ईई/22710/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 3-2-1986

प्रथम बाह्य हो है । एक ह एक हरना न

नाभकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) करीं भारा 269-च (1) के नभीत स्थाना

भारत बदकार

कार्बालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्तक) प्रार्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० श्रई-3_| 37-ईई_| 22393_| 85-86--- त्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्रीभकारी को यह विश्वास अर्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभित बाबार मृश्व 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

म्रोर जिन्नो मं० पनैद नं० 11, जो, 2री मंजिल, मुंदरम इमारत, प्लाट नं० 37, नाथ पै नगर, घाउनार(र्म) बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारोख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बच्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गर्ब है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्तिकत सम्बद्धित का उचित बाजार मृत्य, उसके बच्य-मान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से जोधक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिफल, निक्ल-लिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण निजित में वास्तिकक रूप के किथत नहीं किया ग्या है है—

- (क) कलरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्ख जिथितियम के जभीत कार कोने के बल्धरक के यापित्व में कमी करने या उससे बचन में सृथिधा के लिए; जॉर्√मा
- (भां) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य बास्तियां कां, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिथिनिया, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिमने में सुविधा से लिए;

चत वाव, उक्त विभिनियम की भारा 269-न की वनुवरण ज, वं उक्त विभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी०के० ठक्कर।

(यन्तरक)

(2) श्री एम०एच० पाडीया।

(ग्रन्तरितो)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति को अर्थन के निध् कार्यवाहिमां शुरू करता हूं।

बक्त सम्बद्धि को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक के 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तिस्यों नह सूचना की सामीन से 30 दिन की अविधि, तो भी अविधि और में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकेश व्यक्तियों में से किसी स्परित दुशारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकावन को तारीब इ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में द्वितवकृष किसी वन्य स्थावत द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पांच

न्यव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्धी और पर्यो का, को अवस अधिनियम के प्रध्याय 20-के में परिकाधित हैं वहीं अर्थ होगा, को उस अभ्याय में दियः। नया हैं।

नग्यूची

पलैट नं० 11, जो, 2री मंजिल, सुंदरम इमारत, प्लाट नं० 37, नाथ पैनगर, घाटकोशर(पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैपाकी कल्सं० भ्राई-3/37-ईई/22393/85-86 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 3-2-1986

मोहरः

बायकर निर्मायम, 1961 (1961 का 49) की बारा 269-न (1) के बधीय सुचना

HISE EXPES

श्रामामय, सहायक आयक्तर भाग्यतः (निरक्षिम)

थ्रर्जन रेंज-3, बम्ब**र्द**

बम्बई दिनाँ ह 3, मार्च 1986

निर्देश सं० ऋई/37ईई/22392/85~→8# श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परणात् 'जबत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारों की, मह विश्वात करने का कारज हैं कि स्थान संपीत जिसका अधित बाधार मूह

1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 53. जो, 4थीं मंजिल, पंग्रज बी-इमारत, एल०बी०एग० गार्ग, घाटकोपर (प०), बस्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिपका करारनामा आयकर ग्रीविन्यम, 1961 की धारा 269 क.ख के ग्राधीन, बम्बई रिथत नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के पणित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रीतफाम के लिए जम्तरित की गर्थ हैं जीर मुक्ते यह विश्वास करने का जाएग हैं कि बचाप्योंक्त सम्मान का उचित भागार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफाल का प्रमु प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिती) के दीच ए ते जंतरित का तम्म त्या प्राप्त के विश्व तिमान के दीच ए ते जंतरित का विम्नितिकों) के दीच ए ते जंतरित का विम्नितिकों के दीच प्रतिकात के विम्नितिक का वि

- (क्क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियां का, जिन्हें भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या भन कह अधिनियम, 1957 (1957 का 27) चे प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था या जा किया था। जा किया था। जा किया था। जा किया था। किया था। किया था। किया था। किया था।

कतः शव, यक्त अभिनियम की भारा 269-व के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिंश व्यक्तियों, अर्थात् हु--- (1) मेलर्स महाराष्ट्र टेडिंग कंपनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रमीचंद वि० शहा।

(भ्रन्तरिती)

श्री वह सुधना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के सर्वक के निरुक्ति वार्वनाहियां करता हुं।

धनत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई ही जाक्षेत्र हरू

- (क) इत धूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर धूचना की दामील से 30 दिन की अनुधि, को भीत पुर्वेद अवधि याद में समान्त होती हो, के भीतर पुर्वेद अवधित में में किसी क्यक्ति धुरारा,
- (थ) इस भूचना को राजमत्र में प्रकाशन की तारीय स 45 विन को भीतर जकत स्थाबर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा अभोहरताक्षरी की वास सिकिश में किस्ट का सकीये।

प्र**नु**सूची

पलेट नं० 53, जो, 4थी मंजिल, पंकज बी-इमारत एल०बो०एन० मार्ग, घाटकोरर (४), बस्यई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कल्सं श्राई-3/37-ईई/23392/85-86 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3 ,बम्बई

लारीख: 3-2-1986

मोहरः

प्रस्थ बाह् टी, एस ् एस् , न्नान्ना

बायकार मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) के नभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) धार्जन रेंज-3, बम्बई सम्बद्दे, दिनौंक 3 फरवरी 1986

निवेश सं० श्रई-3/37-ईई/22091/85-86→-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत अधिनियम कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्व 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 13, जो, 1ली मंजिल, प्लांट नं० 58, जेंगदुशा नगर, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप सं वर्णित है), ग्रीर जिमका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम-के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या क्रिसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम, 195/(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

णतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अस्थीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री चंद्रकाँत विठठस शेटये।

(मन्तरक)

(2) श्री रामचंद्र गोपाल चव्हाण।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुमना जाड़ी कड़के पूर्वी ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

यक्त कम्परित के वर्षन के वम्यून्थ में कोइ भी वाक्षेप —

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 43 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयूक्त कव्वों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

धनुसूची

फलेट नं० 13, जो-1सी मंजिल, प्लाट नं० 58, जगदुशा नगर, घाटकोपर (प०), यम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा की ऋ०सं० श्रई-3/37-ईई/22091/85- 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौक 1-7- 1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद यक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारीख: 3-2-1986

मोहूर 🖫

प्ररूप आई. दी. एन. एस. -----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंग-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 फरवरी 1986

निक्षेण सं० ऋई-3/37-ईई/22855/85-86--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निरुवास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिलकी सं० फ्लेट नं० 21, जो, 2री मंजिल, प्लाट नं० 58, जगदुणा नगर, घाटकोपर में स्थित है (श्रीर इत्तर्भ उपायक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉगत है), प्रार जिलका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 का धारा 269 के, ख के श्रक्षोन, बम्बई स्थित सम्गन माने होरा के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1~7-1985

को पूर्वांक्स सम्पत्सि के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितिशों) की बाप एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान, निम्नितिशत अद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक स्प से व्यक्तिश्र नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण गहुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियक के अधीन जर दने के बन्तरक के दायित्न में जभी कक्ते या उत्तबं बचने में सुविधा के सित्; और/वा
- (का) एसी किसी आम या किसी भन्या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आप-कर अधिनियम, 192 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिख;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसीं, अर्थास् :---

(1) श्री चंद्रकाँत विठठल घोटये।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भिकाजी श्रीधर रासम।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

जकत संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत स्वना के राजपत्र में क्रकाशन की तारीख सै
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
 जविश्व में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (ण) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति सां के निक्षी कच्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगी।

स्पृथ्वीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्स अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

भनस्ची

फ्लेट नं० 21, जो, 2री मंजिल, प्लान्ट नं० 58, जगदुशा नगर, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूत्रो जैसाकी ऋ०सं० अई-3/37-ईई/22855/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राविकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीखा: 3-2-1986

शक्त आहे. टी. एत. एत्न----

भायकर मिश्रिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) भी मभीन सुमना

तार्व वरका

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निडीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/22856/85-86—-अंतः मुस्रे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात जिक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 260 न्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलेट नं० 32, जो, 4थी मंजिल, प्लाट नं० 58 जगदुशा नगर, पाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से यणित है), श्रीर जिसका करारतामा आध्यर अधिरियम, 1961 की धारा 269 क.ख के अधीप, बम्बई स्थित में सक्षत प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-

को पूर्वोक्त सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्परित का उधित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन अस क्षेत्र के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने या स्विच्य के लिए; बौह/बा
- (ह) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरी ब्वारा प्रकट नहीं देश गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखत व्यक्तयों, अर्थात् ः— (1) श्री चंद्रकांत विठ्ठल शेटये।

(अटार ह)

(2) श्री शांशाराम प्रभू निगोट।

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या जल्लाम्बाची व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में जिनक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंग।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 21, के के परिभाषत हैं, मही बर्ध द्वीगा जो उस अध्याय में दिया मया हैं।

वन्त्र्यी

पर्लोट नं० 32, जो, 4थी मंजिल, प्लाट नं० 58, जगदुषा नगर, घाटकोपर (५०), बम्बई-86 में स्थित है। अनुसूची जैसा की क०मं० अई-3/37-ईई/2285 //85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख: 3-2~1986

र प्राप्त का<u>र कार्यक्रक कार्यक्रक कार्यक्र कार्यक्र प्राप्त कार्यक्रक हों</u> । प्राप्त कार्यक्रक कार्यक हों । प्राप्त कार्यक हों ।

मामकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के विधीन स्वतः

भारत संस्कार

कार्याक्षयः नहायक नामकार जान्यत (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिशां म 3 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/22853/85-86--ः मुझे, ए० प्रसाद,

कावकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त किंभिनममं' कहा गया है"), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संगीत्त, विश्वका जीवत बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

प्रोंग जिसकी सं० पलैंट नं० 39, जो, 4थी मंजिल, प्लाट न० 58, जगदुशा नगर, घाटको र (५०), बम्बई-86 में स्थित हैं (प्रांर इसो उपाबद्ध अनुसूची में प्रांर पूण स्य स विजा है), प्रांर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

- (का) बन्तरम से सूच् किसी आय की बाबत उनक अभ्भानियम के लभीन कर दार्च के अन्तरण को दाणिक में कार्या करने वा उससे वथने में सुनिभा के किए आर/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आव-सर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ बनारिती ब्यारा प्रकट नहीं किया नया वा वा किया वाना नाहिए था कियान से बुविध से चित्रहें

अतः अव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, म⁴, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री खंद्र-शांत विठ्ठल शेटये।

(अन्तरक)

(2) श्री यशवंत कामीराम सूर्वे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वीक्य संपक्ति के वर्चन के निष् कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उथत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीश मूं 45 बिन की अमिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समझ्दा होती हों, के भीतन पूर्वोक्त स्थानसभा में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (थ) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की दारीश क्ष 45 किन के भीवन उक्त स्थावर सम्मास्त मो हित्तबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताकरी के पार लिथित मा विष्णु जो सकीन।

स्पर्धाकरणः ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदौं खा, वो उसस अधिनियम् के अध्याय 20-क मं परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा की उस अध्याय में दिश गया है।

पन्सूची

पलैट नं० 39, जो, 4थी मंजिल, प्लाट नं० 58, जगदुणा नगर, घाटको र (५), अम्बई-86 में स्थित है अनुसुची जैसा की ऋ०सं० अई-3/37-ईई/22853/85-86 और जो सञ्जन प्राधि हारी बग्बई द्वारा दिशां है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्ता (किरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

तारोख : 3**~2**~1933

प्ररूप काई. टी.एन.एस..----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां उ फरवरी 1986

निवेश सं० अई-3/37-ईई/22852/85-8(——अतः मृझे, ए० प्रसाण,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करूने का कारण है कि स्थापर सम्पित, जिसका उचित गाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिमकी सं० फ्लेट नं० 38, जो, 1थी मंजिल, प्लाट नं० 58, जगदुणा नगर, घाटकोत्तर (५०), बस्वई-85 में स्थित है (प्रीर इसो उत्तपढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारतामा अध्यकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के अधीन, बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कप्ती करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में मृकिधा के लिए:

शतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——
45—16 GI/86

(1) श्री चंद्र हांन विठठन शेटये।

(अन्तरक)

(2) श्रो स्रेश बालकृष्ण आमरे।

(अन्सरितो)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परिस में हिसबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाई चित्रक में किए या सकेंगे ।

स्पष्टाकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

फ्लेट नं० 38, जो, 4थी मंजिल, प्लाट नं० 58, जगदुणा नगर, घाटकोरर (५०), बस्बई-86 में स्थित है। अगुभुची जैसा की क०सं०अई-3/37-ईई/22852/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिशारी बस्बई हाण दिनांक 1-7-1985 को रिजन्टहं िया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **बस्बई**

तारीख : 3-2-1986

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/22854/85-86—अत: मुक्षे, ए० प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रांप जिसकी संव पानैट नंव 31, जो, 3री मंजिल, प्लाट नंव 58, जगदुशा नगर, घाटयोषर (पव), बम्बई-86 में स्थित है (ग्रांप इसके उपाबद्ध अनुसूची में प्रांप पूर्ण रूप में वर्णित है), ग्रांप जिसका करारणमा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1 985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इपके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निकासित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री चंद्रकांत विठठल सेटये।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती सुनीता मखाराम प्रेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्र्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जम के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

पलट नं० 31, जो, 3री मंजिल, प्लॉस्ट नं० 58, जगदुपा नगर, बाटकोपर (५०), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कश्में अई-3/37-ईई/22854/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिशांक 1-7-1985 को र्याजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्ता (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख: 3-2-1986

प्रकृत बार्ड ७ बीत प्रकृत प्रकृत अल्ब्ल

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन सुभना

नारत वरका

कार्यांसय, महायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजैन रेंज—3, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० ऋई-3/37ईई/22094/85-86--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 8. जो, पहली मंजिल, प्लाट नं० 58, जगपुशा नगर, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्वित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कहने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुम्ब, उसके क्यमान प्रतिकल ते, एसे क्यमान प्रतिकल का बम्बद्ध प्रविचत से विभिक्त है और बुन्तरक (बन्तरक्रें) शौर बंदरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के सिए तय पाया विद्या प्रतिकल निम्नितिवत उद्देश्य से उस्त बंतरण निमित्त में बास्त्विक रूप से कविल नहीं किया गया है 3---

- (क) वंतरम से हुइ किसी नाम की बाबत, उक्त अधिकित्वम में अभीन काइ दने के जल्परक के वामिल्य में कभी करने था उससे मन में सृतिक्षा के शिए; कांद्र/मा
- (क) एती किली बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, फिन्हों भारतीय आय-कर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुर्विका के विद्रा;

बतः अव, उक्त विभिनिषम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अभिनिषम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीय- निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री चन्द्रकांत विठ्ठल शेटये।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भालचन्द्र सीताराम सावंत ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्पन के शिष्ट् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसतु सुम्युत्ति के ब्र्चम् के बंबंध में कोई भी बाक्षेप् ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

ल्बस्तीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में पीएअविश्व है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

प्लाट सं० 8, जो पहली मंजिल, प्लाट सं० 58, जगदुशा नगर, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि कि नं ग्रई-3/37-ईई/22094/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 3-2-1986

प्र**कप आह**ै<u>टी एन एस ुननतन्त्रन</u>

भागकर जीपीनयम, 1961 (1961 का 43) की बाहा भाषा 269-म (1) में बभीन स्मना

बाइब बंडबाड

कार्याचय, सहायक माधकर भायूक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1986

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को उद्द विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी मं० पर्लंट सं० 9, जो, पहली मंजिल, प्लाट सं० जगदुणा नगर, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्नृमुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है, स्रौर जिसका करारनामा आयक्तर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के दायिलय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-7-1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के बिए वस बाया गया प्रतिफल, निम्निसिख उक्कोश्य से उसके अन्तर्ज बिस्ति में बास्तविक रूप से किथिए नहीं किया गया है द्वान

- (क) अन्तरण से इन्हों किसी बाय की बाबता, जबत निवृत्रिक्ष के अधीय केंद्र को बे अप्तरफ से बाह्रिया को कामी कारणे या उद्यस मुलतं मां शुधिया। से हिन्द्र, मौर/का
- (च) एती कियी नाम ना किती भन वा जम्म नास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नाम-कर विश्वनिवस, 1922 (1922 का 11) वा अन्य विश्वनिवस, वा चन्-कर वृष्टिन्वस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट मुद्दी किया नया या वा किया वाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा वो निवंद;

बतः वर, उस्त विभिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ः—— (1) श्री चन्प्रद्रकांत बिट्टल शेटये ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लिनावती बाई बालकृष्ण सालूखे (भ्रन्तिरती)

का वह श्वना वारी करके पूर्वीक्त संप्रांत के व्यंत् के विव कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाधीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ध भ 4.5 विप की जबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अंविभ, जो भी जबिभ बाद में समप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस मूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निष्कृत में किए या सकारी।

स्पब्दिकरण: — इसमें प्रयुक्त कम्बों और पदों का, जो अवस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, सही अर्च होंगा जो उस अध्याय के विकास स्या हैं।

श्रन् सुची

फ्लट सं० 9, जो, पहली मंजिच, प्वाट सं० 58, जगदुशा नगर, घाटकोपर, (प), बम्बई-86 में स्थित है ।

ग्रन् सूची जसा कि अरु सं० ग्रई-3/37ईई/22098/85-86 ग्रीर जो नक्षम प्राधिनारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक : 3-2-1986

शक्त्यः आर्षे_त हो <u>. एन . एच .</u>

बायफर विधितियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से बभीन सुचना

BLEG AZAM

कार्याजन, सहायक काशकात्र आगुक्त (निरक्षिक)

प्रजीन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 करवरी 1986

निर्वेश सं० ऋई-3/37-ईई/22099/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रमाद,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त कथिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम शिधकारी को यह निवनास करने का कारण है कि स्थायर सम्मितिस, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लट सं० 23, जो, दूसरी मंजिल, प्लाट सं० 58. जगदुमा नगर, घाटकोपर (प), बन्बई-86 में स्थित है (और इपसे उपाबद्ध अनुमुची कें और पूर्ण रूप से वणित है), और जिस हा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन, बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-7-1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अवित् बाबार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिक्षण से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जोर अंतरिती (अंतरिडियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मूणा प्रतिफल निम्नतिबित उद्वेष्ण से अवत अन्तरण जिल्हा में भारतिक कम ने किंग्स नहीं किया वसा है :---

- (क) बंतरण से हुप्द फिसी बाय की बाबत,, उच्छा शीधित्यम के जबीन कार देने के बंतारक के दासित्य में अभी करने वा उक्कों समूबे में सुविधा के बिए; बॉर्ट/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी थन वा कच्य नास्तिनों को, चिन्हों भाइतीय नायकर मिनिनन, 1922 (1922 को 11) या उन्ते को पनिनन, या धनकर मिनिनन, या धनकर मिनिनन, यो धनकर मिनिनन, विद्यार 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ वंद्यारिती कुनाय प्रकट स्कृति किना भवा था या किया भाग थाहिए था, खिनाने में सुनिका को किस;

सतः वन, उक्त वीधीनसम की भारा 289-ग के अनुसर्ग बैं, बैं, उक्त वीधीनयम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुजिखित न्युविसर्गा, वशित् ध--- (1) श्री चन्द्रयांत विठ्ठल गेटर्पे

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र यशवन्त मोहिते।

(ग्रन्तिरती)

का वह ब्यमा बारी करके प्यांका कमानि वे वर्षण के दिए कार्यभाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र ह---

- (क) इब स्थान के रायणन में प्रकाशन की वारीब धै 45 दिन की व्यविभ या तत्राम्बन्धी व्यवित्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी व्यविध बाद में समान्त होती हो, को भीतर पृथीकत व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति इवादा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उत्स्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अवाह्यताक्षरा के पास विकित में किए जा सकतें।

स्वध्योकरण :---- धसमी प्रमुक्त सन्धी जोर पदों का, जो अवद विधिनियम के जध्याय 20-क मी पहिमाणिक हो, बड़ी अर्थ हामा जो उस अध्याय मी दिया स्वा हो।

श्र<mark>नुमूची</mark>

पलट सं० 23, जो, दूसरी मंजिल, प्लाट सं० 58, जगदुशा नगर, घाटकोपर (प), वस्वई-86 में स्थित है।

श्रतुमुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/22099/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रोज-3, बम्बई

दिनोक : 3-2-1986

प्रारूप आई ्टी एन एस ...-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्धिण), धर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई दिनांक 3-2-1986

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/22101/85-86—अतः मुझे ए० प्रसाद

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीण जिस की सं पलट ं० 25, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं० 58 जगदुणा नगर, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है (श्रीण इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीण पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकण अधिनियम, 1961 की धारा 269 ज, ख के श्रधीन बम्बई स्थित संजम प्राविकारी के कार्याजय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985 का

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूथमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न्न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री चन्द्रकांत विठ्ठल मेटये ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री जयवंतराव बाजीराव घोरपडे।

(भ्रन्तिरती)

भी यह स्वया आरौं करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षत को विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीक्ष से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्री, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलट नं० 25, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं० 58, जगदुशा नगर घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है

श्रनुसुची जैसा कि कि० सं० ग्रई-3/37-ईई/22101/85-96 ग्रौर जो सझम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है :

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-3 बम्बर्ष

दिनांक 3-2-1986 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1986

निदेश सं० ार्ड-3/37-ई ई/22102/85-86--अतः पुझें, ए० प्रसाद,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृत्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं प्लैट नं 7, जो, तल माला, ज्याट नं 58, जगदुशा नगर, घाटकोपर (५०), बम्नई— 86, में स्थित हैं (स्रोट इसने उपाबद्ध अनुमुनी में स्रोट पूर्ण का से वर्णित है (स्रोट जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख क अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अितफल के शिए शंजिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने पत्तुष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तर्कों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पाम गया प्रतिफल निज्निलिख स्टूबिक से खबत दूरण कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य सिवित में बास्तिक स्प से कि चित्र नहीं कि स्थायर सम्पत्ति,

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबता, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः डब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) भी प्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह—- 1. श्री चल्द्र हांत बिट्ठल गेंटये।

(अन्तरक)

2. श्री भिमागव दादासाहेब पाटीत ।

(अन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ६----

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीस से 45 दिन की अविध या तल्सम्बन्धी जित्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त त्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्र्यरा अक्षेष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रम्कत शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, इही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्लैट नं० 7, जो, तल माला, प्लाट नं० 58, जगदुणा भगर, घाटकोपर (प०), बग्बई-86 में स्थित है।

अनुसुबी जैसा ि अ० ८० अई~3/37-ईई/22102/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनक 1-7-1985 को रिलस्टई िया गया है।

> ए० प्रसाद सदाय प्राधिकारी सहाय रु आयार आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रेज-3, बम्बई

दिनां ह: 3-2-1986

प्रक्ष भार्ष, टी. एव . एस., ------

बायकर माभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के सभीत सुमना भारत सुस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बई बम्बई, दिलांक 3 फरवरी 1986 निदेश मं० अर्-3/37–ईई/32103/85–86~–अतः मुझें, ए० प्रसाद,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदरास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 17, जो. 2री संदल, प्लाट नं० 58, जगदुशा गगर, धाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित हैं (ग्रीर इसने उपाबक अनुभुची में ग्रीर पूर्ण म्थ में विणित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 2695, खं के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तानीख

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रवस्तान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्स संपत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसके रहयमान प्रतिक्त से एसे द्रवस्तान प्रतिक्त का पन्तर प्रतिक्त का पन्तर प्रतिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बैप एसे अन्तरक के बिए त्य स्था गया प्रतिक्ता, निम्नितिवित त्युविध से अध्य अन्तर्ण कि बिए त्य स्था गया प्रतिक्ता, निम्नितिवित त्युविध से अध्य अन्तर्ण कि बिए वर्ष के बिए वर्य के बिए वर

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिश्वियम के शंधीन कर देने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उमसे बचने में सृष्टिशा के निए; बारि/मा
- (क) ऐसी किसी जाम था फिसी घन या जल्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या एन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनाम अस्तियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनाम अस्तियम अस्तियम अस्तियम अस्तियम अस्तियम अस्तियम अस्तियम अस्तियम

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की जन्भारा (1) को बधीर, निरुत्तिविश अधितरुमें, अधीर अस्म 1. श्री चन्द्रकां। बिट्छल शेटये।

(अन्तरक)

2. श्री बारणा महालिगणा भुजन्नावर ।

(अन्तरिती)

बी यह सूचना धारी करते पृथित सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप है-

- (का) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि नोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस मुखना के राज्यव मों प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उन्हें रक्षावर सम्पत्ति मा हितबहुध जिल्ली जन्य व्यक्ति इवारा जिल्लाक्षणी के पास विशेष मो कि ना सर्वेश ।

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा को उस उसार हों दिया गया है।

नग्सूची

पर्जंट नं० 17, जो, 2री मंजिल, प्लाट नं० 58, जगदुषा नहुर, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

अतुसृची जस: ि क० मं० अई-3/37-१ई/22103/ 85-86 फ्रांर जो मक्त प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशंक 1-7-1985 वो रिजम्डिं किया भया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायाक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 3-2-1986

प्रकथ बाई. टी. एत. एत.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

चार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिगांस 3 फ/बरी 1980

जिदेश मं० अई-3/38-ई⁻⁷/22770/85-86--अतः **मझे**, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक्षेपरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षेम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृत्य 100,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव फ्लैट तंव बी-8, जो, 2री मंजिल, गीता प्रशास इमारत, गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयक्र अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं नारीख 1-7-1985

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए हथ पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किकत में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया नया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की जबत, उक्त किय-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

लाः जब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में, में, उनते अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीसिक्क, व्यक्तियों, जर्मात् ह— 46—16 GI/86 1. श्री एन० आर० झवेरी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती डी० आर० झवेरी।

(अग्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पर्शि के जर्बन के संबंध में कोई बाखेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के धे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निधित में से किए का सर्कोंगे।

स्यक्तीकरणः इसमें प्रयुक्त शस्यों और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा यश ही।

बन्स्डी

फ्लैट नं० बी-98, जो, 2री मंजिल, गीता प्रकाश इमारत, गारोडिया नगर, घाटकोधर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनमुखी जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/22770/ 85-86 और जो सतम पाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बस्बई

दिन[†] 7: 3-2-1986

प्रकृप बाइ .टी.एन.एस .-----

ा. मोह्म्मद सलीम दुरानी ।

(अन्तरक)

2. झहोरूहोन मोहम्मद ।

(अन्तरिती)

बारा 269-क (1) के अभीन सुबना

भारत सरकार

काषांतयः. १ हायक आयकर अ ्यतः (निर्देक्षण)
अर्जन रेडः--3, बम्बई
बम्बई, दिनःः 3 फरवरी 1986
निदेश सं० अई--3/37--ईई/21997/85--8८---अतः मुझे,
ए॰ प्रसाद,

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) : (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बीधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के बिधीन सक्षम श्रीधकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लंट तं० 303, जा, 3रो मंजि ;, इमारत नं० 12, कपाडिया कार, सी० एस० टी० रोड़, कुर्ला (५०) बम्बई—70 में स्थित है (श्रौर इसं उत्तबद्ध किनुसुबा में श्रौर पूर्ण कार से विभिन्न है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2097, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1—7—1985

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयंशल शितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितियार) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया श्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि कि के बास्तिक रूप से किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण स हुई किसी आय की ताबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक क विश्व में केमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाजा चाहिए था, डिप्पान में स्विधा के लिए:

बतः वध, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग क वजुनरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपनार (!) के वधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, वधीत् : ... को बहु कुषना कारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवादियां करता हुं।

टज्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक भें प्रकासन की टारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति इसारा कथाहरताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त वाधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया नक्त ही!

श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 303, जो, 3रो मंजिल, इमारत न० 12, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित है।

अनृसुची जैसा कि कर सर अई-3/37-ईई/21997/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई हारा दिलंक 1-7-1985 को रिजस्टिई किया गया है।

> ा० प्रसाद सर्वम राधि हारी सहाय ५ आय ५२ आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांंंंं : 5-2-1986

अस्य आर्षः टी. **एन. एव. ---**--

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिगां ३ 3 फरवरी 1986

निर्देश नं । निर्देश नं । निर्देश अति । निर्देश नं । निर्देश ने । निर्देश निर्देश ने । निर्देश ने । निर्देश निर्देश

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयां करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोप जिसकी सं० पर्नेट नं० 17-ए, जो, 4थी मंजिल, इंद्रलोक, 197, गारीखिया नगर, इम्बई-77 में स्थित है (श्रीर इसते उपाबद्ध अनुसुची में ग्रोप पूर्ण रूप से विणित है), ग्राप जिसका करारनामा आयन्त्र अधिनियम, 1961 की धारा 2690, ख के अधीन, इम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिणस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

कां पूर्वा कित सम्पत्ति को जीवत बाबार बुक्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का वन्तर प्रतिफल का वन्तर प्रतिफल को वन्तर प्रतिफल को वन्तर प्रतिफल को वन्तर प्रतिफल को वन्तर को लिए तय पाया नया प्रतिफल, जिम्मिलिवित उद्देशम से उन्तर अन्तरण निवित में वास्तविक क्य से किथा नहीं किया क्या है क्ष्म

- (क) मन्तरण सं धुर्द किसी नाम का बानत, उनस निधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्स में कती करने या उससे बचने में सुविधा में जिए; बीड/बा
- (थ) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य अस्तियां को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना जाहिए था, जिया में सूविभा के सिए:

जतः अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के जनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप्धारा (1). के व्यक्ति, निम्निविषक अधिककों, वर्षांद्र क्र-- ा. श्री चारद ए५० ज्यम ।

(अन्तरक)

2. श्री जया: एस० भारते श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

भी बहु भूषमा भारी करकं पृत्रीक्स सम्पत्ति के अर्थन के अक्ष कार्यवाहियां करसा हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिस की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ केंद्र सूचना की सामील से 30 दिन को अविधि, को भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मांत भा हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्थाधीकरण: -----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त जीभीनियम के अध्याम 20-क मी प्राण्याणिक है वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय को दिया गया है।

मनुसूची

फ्लैंट नं० 17-ए, जो, 4थी मंजिल, इंद्रलोस, 197, गरोडिया नगर, बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/22821/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलां 1-7-1985 की पंजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (किरं६ण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिन i 3-2-1986 मोहर: प्ररूप शाइ टी. एन. एस. -----

नामनार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के नभीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यक्रम, सञ्ज्ञायक मामकर मायुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज⊸3, बम्बई

बम्बई, दिशांक 3 फरवरी 1986

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/22787/85-86-अत: मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार्च 269 के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वात करवे का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० 21, जो, सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, विलेज हरीयाली, विक्रोली (प०), बम्बई—83 में स्थित हैं (भौर इसते उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करार-नामा आयगर अधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के कार्यालय में राजिस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

- (क) जैतरण से हुई किती शाव की बाबत, उक्त जिल्ल विभिन्निक के नथीन कोई दोने के अन्तरक क स्वित्व को कभी करने या उसने अपने में सुविधा के जिल्ल वीर/वा
- (क) एसी किसी क्षाय या किसी भन वा बन्स वास्तिकां का, किसी भारतीय आव-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यक्तियम, या भन- कर विभिन्नियम, या भन- कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वितिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा ती भित्रम

जराः नवः, उनतः विधिनियनं की भारा 269-ग के अनुसरक वै. में, उनते विधिनियमं की भारा 269-ग की उपभारा (1) के विधीन, विकासित स्वीतत्त्वों, अभीत् ह—— 1. श्री राजकुमार एम० शर्मा।

(अन्तर्कर)

2. मेसर्स श्रीजी इंटरप्राईजेस।

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करने पृशीयत सम्मति के वर्षम् के । श्रह्य कार्यवाहिस्स करता हुं।

उन्त सम्पर्दित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शासीप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की वर्षां या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की वर्षां, का भी वर्षां मां मां समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास:
- (थ) इस ब्यान के श्वाम में प्रकासन की तारीब है 45 वित्र के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में दितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास तिवित में किए जा सकोंगे।

प्रनुसूची

यूनिट नं० 21, जो, सुयोग इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, विलेज हरीयाली, चिकाली (५०), बम्बई— 83 में स्थित है।

अनुमूची जैसा ि क० सं० अई-3/37-ईई/22787/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधितारी, ब्रम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

विमोक: 3-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत त्तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्काक) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्वेश सं० अई-- 3/3 7ईई/22845/85-86--- प्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त निर्मित्यम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के निर्मित सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित निष्मा मूल्य 1,00,000/- क. से जिधक है

भोर जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा, स्ट्रक्चर के साथ, जिसका सी० टी० एस० न० 4814 से 4817, म्युनिसिक्ट न० एच० 554 (४), 167, वालिना, कोले कल्याण, सीताकुर (पूर्व), बम्बई-98 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कवारतामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 01-7-1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उपित काजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिपत्ति को लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित वाजार मूक्त्र वसके दश्यमान प्रतिकास के, एते दश्यमान प्रतिफल का पन्तद्व प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती कन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाया गवा प्रतिकास, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुव किसी बाब की, बाबस, उक्त अभिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिद; आरे/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, नेम्निजित व्यक्तिमों, अर्थात् :---- 1. श्रीमती मेरी पी० परेरा और अन्य

(भ्रन्तरक)

2 श्री पीपट के० शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति को धर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितन्द्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस सिचित में किए वा सकने।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क्रें अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह⁶:

भगुसूची

खुला जमीन का हिस्सा, स्ट्रक्चर के साथ जिसका टी० एस० नं० 4814 से 4817, स्यूतिसिपल नं० एच०--7544(2), 167, कालिता, कोले कल्याण, सांताकुज (पू०) बम्बई-98 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई—3/37ईई/22845/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनाक 1—7—1985 को रजिस्टर्ड िज्या गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंनरॅंज⊸3, बम्बई

तारीख: 3-2-1986

मोहर ।

प्रका बाह्र". टॉ. एव. एच. ------

. .

नाधकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ए (1) के नेपीन श्रामा

बारत रहेकार

भागीनय, सहावक बायकार वाव्यत (निर्देशक)

मर्जन रें^{ज-3}, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1986

निवेश सं० भई-3/37ईई/22817/85-36--- **म**तः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि: स्थावर संपत्ति विसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/-रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 403, जो, 4थीं मंजिल, इमारत न० 16, क्पाडिया लगर, सी० एस० टी० रोड़, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से बिणत हैं) और जिसका करार-नामा आपकर पश्चितियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपिन वाचार मूच्य वे कम के समझान प्रतिकास के सिए बन्तरित को गई है और मुक्ते यह विख्यात करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपित वाचार मूच्य, उसके सम्मान प्रतिकास तो, एवे सम्मान प्रतिकास का प्रमुद्ध प्रतिकृत से मिथक है और नंतरक (संसरका) कार नंतरिती (अतिराज्यों) के बीच एसे मंतरण के सिए तम पाना पत्री प्रक्रित किस विस्तिवित में पास्त्रविक स्थ विस्तिवित्त बहुत्रभ्य हो स्थल कन्तरण निश्चित में पास्त्रविक स्थ से क्षित नहीं किया नवा है है—

- (क), बन्बरण वं हुई किसी बाब की बाबत बन्ध स्थिप निषम की स्थीप कर बोने के बन्धरक के बाबिरण कें कमी कड़ने वा उसके व्यक्त में सुविधा के लिए; मार/या
- (थ) ए'सी किसी जान ना निर्माश थन था अन्य बास्तिया को, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उनत निर्माशनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे क्यांचनार्च वन्तिहिती ह्वाच प्रवाद वहीं किया नया था ना किया चाना चाहिए चा, कियाने में क्विया वै किया

बह्ध वर्ष, उत्तर बर्डिशीयन की भारा 269-व की बनुसरम में, में, उक्त बिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्मसिवित व्यक्तियों, बर्बात ४--- 1. मैं दीपक बिल्डर्स गप्रा० लिए।

(भ्रन्तरक)

2. श्री० ए० ए० रमीद।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुभना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुएं !

बक्त सम्मृतिक को लर्चन के बन्धनन् में कीई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के स्वयंत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 वित की सर्वीय या तत्स्वव्यंभी व्यक्तियों पूर सूचना की सामीय से 30 दिन की नविभ, जो भी तविष बाद में तबस्त होती हो, के भीतर प्रांकित व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर उच्च स्थानर संपृत्ति में दिग्ध-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास सिवित में किस का सकत्ते।

स्पन्नीकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, को उन्त वीकीनयम को कथ्याय 20-क में परिभाषित ही, बही कथी क्षोगा के उस अध्याय भी दिया स्था ही:

जनसंची

फ्लैट नं० 403, जी, 4थी मंजिल, इमारत नं० 16, क्पाडिया तगर, सी० एस० टी० रोड़, कुर्ली (प०), बम्बई-70 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राध-3/37-ईई/22817/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रजन रोज-3, बस्बई

विनोक: 3-2-1986

प्रक्ष बाईंु टी. एस. एस. ∹====

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां 🗵 3 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/22141/85-8 ϵ —-अतः मुझे ए० प्रसाद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 110, जो 1 ली मंजिल, इमारत, नं० 6, कपाडिया, नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में और जो पूर्ण रूप ने विणित है) स्रीर जिल्लाका करारतामा आसकर अधिनियम की धारा 269 ज, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्टी है दिनांक 1-7-1085

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूप्यज्ञान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीका एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्ति में धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आध की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में पृविधा के लिए; और/वा
- (च) होती किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में भृतिभा के सिए;

जतः कथा, उक्त विधिनियम करे भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्ष्म अधिनियम की भारा ≥69-ण की उपराारा (1) के अभीग, विम्म^दसम्बद्ध व्यक्तियों, वर्षात् डिल्ल ा. दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लि॰

(अन्तरक)

2. मोहिउहीन इब्राहीम संगे ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (च) इस स्वाना के स्वयम में प्रकारन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्ट बद्ध किसी नन्य स्थवित द्वारा, वभोइस्ताकरी के पास निवित में किए जा सकतेंगे।

क्रक्किएक: - इसमें प्रयुक्त क्रव्यों और पश्चों का, को क्रव्य अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

फ्लैंट नं० 110,जो 1 लीमंजिल,इमारत नं० 6, कपाडिया नगर, सी० एस०टी० रोड, कुर्ला (प०), धम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-3/37-ईई/22141/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिशांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनां ह 3-2-1986 मोहर:

म्बन् आर्ड्, टो <u>. स्</u>व . सुक्ष्_{रा}-४००० नगरमण्याना कर

आवक्षण अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के सभीत स्वता

TIES SEAL

श्चायांसब , सम्रायक कायकर माय्क्त (विरोधाण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1986

निदेण सं० आई-3/37ईई/22786/85-86—अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण हैं कि ल्याबर तस्वीत, जिल्ला उचित भाजार गृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव यूटिट नंव 117, जो 1 ली मंदिल, ज्लाट नंव 13, सीव एसव टीव, नंव 18, सर्वे नंव 99 (श्रंण), हरीयाली, व्हिलेल, एनव बीव एसव मार्ग, विक्रोली (पव), बम्बई-83 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप ने निर्णत है) श्रीर जिसका करारलामा आयकर अधिविष्म 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-7-1985

करे प्रॉक्त सपरित के उचित्त बाबार मृत्य हे क्रम के क्रयमाल प्रितिकल के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विक्याल करने का कारण है कि मजाप्वॉक्त तंपरित का उचित बाबार कृत्य, उसके द्वयमान प्रितिकल से एसे व्यवमान प्रतिकल के बंबह प्रतिकल से गीधक है जॉर बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाया गया गतिकल निक्तिवित उद्ववस्त से उचित कन्तरण निवित्त में मान्तिविक कप में क्रिंगत नहीं किया प्रा है ----

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उसल अधिनयत्र के बधीन कर देने के बन्तरक के बायित्य में कशी करने वा उससे बचने में सुविधा के प्रेंतर; और/वा
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध अस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के निए;

नतः सम, उन्त निर्मानयम की भारा 269-म के जन्नरण में, में, उक्त निभिनियम की भारा 269-म की उपभादा (1) के अभीतः निम्नलिखित न्यानिसर्थों, सर्वाच् क्र-- 1. मैसर्स डी० वं ० बिल्डर्स एण्ड एसीशिएट्स ।

(अन्तरक)

2. प्लारिलायज ।

(अन्तरिती)

को बहु सुवना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यनाहियां करवा हो।

उबत सम्पत्ति को बर्बन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बर्वीच या तत्संबंधी व्यक्तियों एव सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनीव बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व दें 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी कें पास सिवित में किए जा सकते।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित ही, वहीं त्वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 117, जो 1 ली मंजिल, प्लाट नं० 13, सी० एस० टी० नं० 18, सर्वे नं० 99 (ग्रंण), हरीयाली व्हिलेज, एल० बी० एस० मार्ग, विकोली, (२०), बस्बई-83 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्राई०-3/37-ईई/22785/85-86 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा, दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक 3-2-1986 मोहर: प्रक्प आइ. टी. एन. एव. ------

1...

जायकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निराँक्षण)
अर्जेश रेंज-3, बम्बई
बस्बई, दिगांक 4 फरवरी, 1086

िर्देश मं० प्रई-3/37-ईई/22579/85-86--अत: मुझे ए० प्रसाद

अधिकर गिर्धानयन. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मुख्य 1,00,000/- र . से अधिक हैं

श्रीर जिसकी पंज पलैट नं कई/28, जो वल माला, श्रिन्दाचन, मुकुन्द स्टाफ को-आपक हाउसिंग सोसायटी लिक, एए कबीक एसक पार्ग, घाटकोपर (पक), बस्बई में स्थित है (और इससे उराबद्ध निसूची में श्रीर जो पूर्ण का से विणित है), श्रीर िमका कराएतामा आयकर अधि पियम, 1961 की धाण 269 जख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राविकारी के जार्यालय में एक्स्ट्री है दिला ह 1-7-1983

को प्रॉक्त सम्मित के उचित बाजार मूक्य से कम के दायमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे वह विश्वास असने का कारण है कि वधापवाँकत संपत्ति का उचित वाबार मूक्य, उनके दायमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रशिक्षत से स्थिक है और एसे अंतरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितिकाँ) के बीच एसे अन्तरक के किए तब पाया पवा प्रतिफल, निम्नितिबत उच्चेष्य से उक्त अन्तरक विश्वास में नाम्तरिक रूप में क्रियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्रय की वायत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अंतरक को बायित्व में कसी करने या उसरो तचने में स्विधा के लिए; लौर/शा
- (ज) एंसी किसी आय या किसी थन या जन्म नास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इपारा प्रकंट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिथा के लिए;

श्रत: गव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
47—16 GI/86

1. श्री ए।म अन्द्र शाममूर्ती

(अन्तरक)

2. संजय पी० ठाकोर।

(अन्तरिती)

को यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यक्षाहियां ्रुक्ष करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कार्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाध की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पृथेकित स्यक्तियों में से किसी काकिन द्यारण;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की हारीब से 45 दिन को भीतर ज्याबर सम्पत्ति मों हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में उद्य क्या सकोंगे।

ह. आदिकरण: --- हस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि। नियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैट नं ० ई/28, जो अल माला, ब्रीन्दावम, मुकुन्द स्टाफ को-आप० हार्फीया सोसायटी कि०, एक्ष० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर(प), तम्बई में स्थितहै।

अनुसूची जैसा ि क० मं० अई-3/37-ईई/22579/85-86 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी क बम्बई द्वारा, दिनांक 1-7-1985 को एक्स्टिई क्रिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, **बम्बई**

दियांक 4-2-1986 **मोहर**ः

THE HIM P. LEW. LAW.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दियाँ 3 पणवरी, 1986 निर्देश सं० अई-3/37-ईई/23011/85-86:---अतः मुझे ए० प्रसाद

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सपिति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

सौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी/20, जो , 3 री मंजिए, अवधुत कोले कल्याण , जाणिना, वम्बई-98 वे स्थित हैं (स्री) इससे उनाबद्ध अनुसूची में स्रीर जो पूर्ण कर्या वर्णि हैं) और किस म करार तमा आयाजर लिवित्यम, 10-1 की धारा 269 . ख के अधील बम्बई स्थित साम नाधि जारी के कार्यात्य में रिवस्ट्री है दिनांक 1-7-1985

कर प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान झातफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वोंक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एवे दश्यमान प्रतिफल के पत्र धदह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ्याया गया आतफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:

- कि, सन्तरंश से हुई किसी काय की बासस, उक्स की धीनयम की असीन कर दाने के ब्रुक्टरक के वाधितन में कमी करने के उसमें क्या में मुक्किश के लिए; और/या
- को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192?
 (1922 का 11) या करून जीवीनयम, 192?
 (1922 का 11) या करून जीवीनयम एः
 (यर-काः अधिनियम: 1950 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) को अधीन, निम्निलित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. वर्गिस चाको ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राजम्मा जेकब ।

(अन्तरिती र्रे

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बवीध, जो भी बदिध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी/व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितवर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जरे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में एरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशः नवा है।

बन्स्ची

फ्लैट नं० बी/20, जो 3री मंजिल, अवधुत कोले ज़ल्याण, कालिना, बम्बई-98 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-3/37-ईई/22011/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि ारी सहाय के आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंभ रेंज-3, **बम्बई**

दिनां 5 3-2-1986 मोहर: प्रकम काइ^{*}. टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत शरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1986

निवेश मं० ग्रई-3/37-ईई/22630/85-86---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का कारण् हु कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य ा,00,000/- रहा से आधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो इमारत नं० 3, ई-विंग, 2री मंजिल, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घायकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) भ्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क्षा के अधीन बग्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांकः 1-7-85

को पूर्वोक्त सम्भक्ति के उचित भाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि संशापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुन्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से, धुने प्रथमान प्रत्फिल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंग्रन्क (जंतरकों) सौर अंत-ेरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उत्देश्य से अस्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त बाध-नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसं बचने में सुविधा के लिए; वौर/या
- (क) ए'सी किसी शाय मा किसी भन या अन्य वास्तियाँ का जिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर मधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के सिए;

अत्र **अय, उवत अधिनियम की धारा 2**69-ग के अनुसरण , सैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीश, निक्तिविधिध व्यक्तियों, वर्षात् 🕆

ा श्रीपति शशिष्० प्रारो≒ा

(भ्रन्तरक)

2. श्रीयती ए० फीलिप्स, ग्रीर धन्य ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुचना जारा करके पूर्वाकत सम्पत्ति को अर्थन की लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। ।

उक्त सम्पात के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना -की सामील से 30 दिन की अविधि **, जो भी अविधि** बाद मां समाप्त हपती हों, के भीतर एवोंक्त व्यक्तिमाँ में से फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन भी प्रकाशन की तारी ह सं 45 दिन के भंःतर स्थावर सम्गत्ति में हित्बद्ध किसी अना न्यक्ति दशारा नधीत्र्स्ताक्षरी के शास **निश्चित जॉ** किए जासकों गे।

स्पद्धीकरणः--इसम् प्रयुक्त अन्द्री और पदा का, का उक्त द्राधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित 😮, बही अर्थ होगा जां-सम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लॅंट नं० 2, जो इमा∷ा नं० 3, इ-विंग, 2 री मंजिल, दामोदर पार्क, एल० बी०एन० सार्ग, घाटकोपर (प),बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसुची जैपा ि क० सं० अई-3/37-ईई/22630/85-86 और भी नक्षम प्राधिनारी बन्बई द्वारा दिनांव 1-7-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रसाद यक्षम प्राधिकारी संधायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रार्गन रेज-3, बम्बई

दिनांक 3-2-1986 मोहर:

प्रस्य बार्षं .टी. एत .एत . -----

वायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सूचना

HIST ALLES

फार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निर्देशिक) ऋर्जन रेंज-3, बम्बई

ब्रम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1986

निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/22144/85-86-ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद बायकर विधिनियम, 1961 (196! का 43) (चित्रे इसवे इसके पश्चात् 'उक्त विधित्वम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार महत्व 1,00,000 - रत. पे अधिक है भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 405, जो 4थी मंजिल, इमारत नं० 19, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, बम्बई-70 में स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 अख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय, में रजिस्ट्री है दिनांक 1-7-1985 को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उरिवर काराय ब्ध्य, उसके अवज्ञान प्रतिफल सं, एसे अव्ययान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तुव पाया ग्या प्रदि-का। विश्वसिवित उद्वोश्य से उक्त बन्तरम निवित्त में बास्त्रीयक हत से को पत नहीं जिया क्या हैं :--

- (क) बन्तरण में हुई किसी लाग का बाबता, उक्त अभिगेनगढ़ है अधीन धार दोने के अन्तरफ को शांधार की कभी कर्न मा असस क्या में सुनिया को सह, को की
- ्ड) ए थे! कि वी बाय या कि ता थन या बन्य जास्तियां कां, चिन्हें नारतीय जाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें अनुसर्ण कीं, में, उक्त बीधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) केंद्र अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थान ह—

1. दीपक बिल्डर्स प्रायवेट लि॰

(ग्रन्तरक)

2. मोहम्मद हुसैन, हाजी गुजराती ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त रव्यक्ति सी वर्षन सी सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सुषता के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जबिभ सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुषता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समान्त होती हों, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति में
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तहरीय 45 दिन के भीतर उन्ह स्थादर सम्पत्ति में ड्रितबक् किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए या सकोणे

स्वकारकारणः -- इसमें प्रयुक्तः सन्धां और वस्तां कान् हो समझ श्रीप्रियम्, से सम्बाग 20-क में वृष्टिभाषिक हैं वहीं सर्व क्षीण को उसे सम्बाग् में विशे पत्रा हैं।

वन्स्थी

पलें \mathbf{z}^{-1} नं० 405, जो 4थी मंजिल, इमारत नं० 19, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ली (प०), बम्बई-70 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/22144/85-86 श्रीर जो सता मधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 3-2-1986

महर:

प्रका शहरे, कीं, एम ार्स

भाषध्यं अभिनियम्, 1961 (1961 के 43) मां याषा 269-म (1) के यापीत स्थला

भारत उहकार

कार्याक्रय, सहायक आधकर आएक्स (निरीक्रण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बभ्बई, दिनाँक 3 फरवरी, 1986

निवेश सं० ग्रई 3/37/ईई 22869/85 86—श्रत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अप्राण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जितकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, 5वी मंजिल इमारत नं 4सी, दाम खर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घटक पर (प) बम्बई-86 में स्थित है) श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विजत है), श्रीर जिलाता उरायनामा प्रारमण राधिनियम 1961 की धारा 269 एखं के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय, में रिजस्ट्री है दिनांदा 1-7-1985 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाबार मूच्य से कम के दश्यमान श्रीतका के लिए वाली त की गई है को प्राप्त वाबार मूच्य से कम के दश्यमान श्रीतका को स्थाप है कि स्थाप पूर्विकत सम्पत्ति का भारत है कि स्थाप पूर्विकत सम्पत्ति का प्राप्त वाबार मूच्य, असके स्थापन प्रतिकत को प्रस्क भावार स्थापन प्रतिकत को प्रस्क भावार स्थापन श्रीतका को भारत के बीच एसी बन्तरण के लिए तय प्राप्त गम श्रीतका, निम्म लिकित उप्चारम से बन्तर भावरण की लिए तस प्राप्त वाबार श्रीतका, निम्म लिकित उप्चारम से बन्तर भावरण की लिए तस प्राप्त की का स्थापन लिकित उप्चारम से बन्तर भावरण कि कार का स्थापन लिकित से अस्त से अस्त से कार का स्थापन लिकित से अस्त से अस्त से स्थापन लिकित से अस्त से अस्त से स्थापन लिकित से अस्त से अस्त से संजत से स्वारण की सिक्तर से से अस्त से अस्त से सार से अस्त से

- (क) अप/एम हे इन्हें कि ही आम की बस ह, उक्त आ शिमाक के अभीत कर दोन के अम्तरक के का यत्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए.
- (क) घुन्से कि भी अस या किसी धन वा पन्छ आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के असी आर्थ अन्दिर्शी पृष्णरा ५ अट नहीं किया गथा था या किया जाना अहिए था. किया में अधिका के लिए,

नतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निणिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मधुवांता के शहा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती लता एच० संघवी ।

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपत्ति के अर्जन के लि कार्ययाहियां करता॥ हूं।

للمحادث والزران المرواة سندراك

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपंधी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद मा समान्त हाती हो, के भीतर पृविधित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्व्यक्षरण:---इसमें प्रयान्त शब्दों और पदो का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगस्त्री

पलैंट नं० 4, जो 5 वीं मंजिल, इमारत नं० 4 सी, दामोदर पार्क, एन० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैगा ा कि० सं० अई-3/37-ईई/22869/85-86 श्रीर जो भन्नव प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांदः 1-7-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज-3, बस्बई

दिनां कं : 3-2-1986

प्रकृष नाह्र . सी . एन . एवा . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

धारह बस्कार

कार्यासय, सहायक सायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रार्जन रेज-3. बम्बर्ड

बम्बई, दिनांव: 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-3/37ईई/22834/85-86—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों इसकों पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 12, जो कोयल गीतको-श्राप० हाउसिंग सोसायटी प्लाट नं० 353/बी/33, टी॰पी॰एस०-3 बल्लभबाग, रोड, घाटकोपर पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा धायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 क्ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 1-7-1985

को पूर्वाक्त सम्पश्चि के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थममान प्रतिफल के लिए अंतरित की वर्ष हैं और मुफे यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त तम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके स्थममान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिचात से आभक हैं और संतरक (संतरकों) वरि अंत-स्त्ती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिकात, जिल्लीसिक स्पृत्तिक से उन्हा कंत्रका चिचित में बालाविक रूप से कांश्वा नहीं किया गया हैं

- (क) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधि-िनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उत्सर्थ वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी मान वा किसी धन वा अपन नास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या भनकर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में स्विधा के लिए;

अक्तः जया, उपच जीभीनयमं की भारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उपत कीभीनयमं की भारा 269-य की उपधाल (१) व नधीस जिल्लीजीचित्र व्यक्तिस्तां, वर्षास्य क्र- 1. श्री जोसेफ मीनाट्टूर ।

(अन्तरक)

2. श्री पी० एम० पे ग्रीर ग्रन्य ।

(श्रन्तरिती)

का बहु सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों! में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी मन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नपद्या

बलाक नं 12, जो कौयल गीत को आप० हाउसिंग सोसायटी प्लाट नं 353/बी/33, टी० पी० एस-3, बल्लभक्षाग, रोड, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई-72 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० मई-3/37-ईई/22834/85-86 और जो भक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक 3-2-1986 मोहर:

प्रक्ष बार् टी. एम. एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के अधीन सुभमा

भारत सरकार

कार्याक्रय, सष्टायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बर्ध

बम्बई, दिनाँक 3 फरवरी 1986 निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/22363/85-86— झतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बह्न विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1 00,000/- रा में अधिक हैं

भीर जिसकी सं फ्लैट नं ि ए 307, जो 3 री मंजिल, कैलां प्रभात को-आप हाउसिंग सोसायटी लि 173, विद्यानगरी मार्ग, वस्वई-98 में स्थित है (भीर इससे उपाबंड अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनौंक 1-7-1985 को एवोंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्यास फर्न का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और अन्तरित का उचित बाजार मृत्य , उसके दृष्यमान प्रतिफल से , एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्दर , पनिवत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या धितफल, निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक है प से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) वस्तरण से हुई किसी आयं की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में स्विधा के निए:

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

1. श्री बी० श्ररूणाचलम्।

(ग्रन्सरक)

2. श्री एम० ए० हसरत श्रली।

(भन्तरिती)

का यह सम्मना जारी करके पूर्वकत सम्पत्ति के अर्जन क न्लए कार्यवाहियां करता हूं।

शक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चान के राजपण में प्रकाशन की तारिक्ष सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्थष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, आ उक्त अधितिशम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गणा है।

वन्त्रकी

क्लैट नं० ए_/307,जो 3री मंजिल, कैलाग प्रभान को-प्राप० हाउपिंग सोपायटी लि० 173, विक्षानगरी मार्ग, बम्ब**ई-**98. में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37ईई/22363/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रें**ण-**3, बस्ब**ई**

दिनौंक 3-2-1986 मोहर: प्रारूप आर्ड् .ट्री. एन . एस . -----

त्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, अम्बर्द

बम्बई, दिनाँक 3 फरवरी 1986

निर्वेश सं० श्रई-3_/37-ईई_/22121_/85-86⊶**-मतः मुझे,** ए० प्रसाद

ायदार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से बिधिक है

गीर जिलकी संव टेनमेंट नंव 17, जो तल माला, हैपी लाईफ, को-श्रापव हाउलिंग सोपायटी लिव, पिधु बाग, तिलक रोड, घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड श्रनुसूची में ौर जो पूर्ण का ने अगि हो) ग्रीर जिनका हरारतामा श्रापकर श्रधितियम, 1961 की धारा 269 के खे के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनौंक 1-7-1985 को पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य , उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिसित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्ह³ भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उपभाक (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :— श्री शेवानिंग जी० अजवानी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हर्षद पी० दवे ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाषा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त करिक्तयों में से किसी व्यक्ति वृद्वारा;
- (ए) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पडीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो जक्स अधिनियम, के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

श्रनुसूची

टैनमोंट नं० 17, जो तल माला, हैपी लाईफ को-प्राप० हाउतिंग सोनायटी लि० तिधुबाग, तिलक रोड, घाटकोपर बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूचा जैना कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/22121/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-3, बम्बई

दिनाँ ह : 3- 1-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.,-====

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनौंक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई-3,37-ईई/22036/85-86--श्रतः मुझे; ए० प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-8, जो 1 ली मंजिल, जलाराम ज्योत को-श्राप० हाउमिंग सोसायटी लि०, वल्लभवाग लेन, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-17 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंद्ध ग्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाँक 1-7-1985

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुन्हैं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६— 48—16 GI/86 1. श्री एस० डी० संगोई ग्रीर ग्रन्थ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वि०जी० पारेख।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पलैट नं ० ए-४,जो 1 ली मंजिल, जिलाराम ज्योतको-म्राप० हाउसिंग सोक्षाबटी लि०, वल्लभवाग लेन, घाटकापर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैना कि क० सं० ग्रई-3/37ईई/22036/85-86 ग्रीर जा सक्षम प्राधि नारी, बम्बई द्वारा, दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक 3-2-1986 मोहर: प्राकृष आर्ज्यु टी. एन . एस . =======

बायकड विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

काबीक्षव_ः सहायक काबक्षर काबूक्त (वि<u>प्रतिक्</u>रक्)

घर्णन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० म्रई-3₁37-ईई₁22286₁85-86--- मतः मुसे, ए० प्रसाद

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पतैट नं० 6, जो 1 ली मंजिल, हरदयाल, गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-75 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाँक 1-7-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई और मुभो यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निसिवित उद्वरेश से उक्त अन्तरण निम्निसिवत उद्वरेश से उक्त अन्तरण निम्निसिवत अद्वरेश से उक्त अन्तरण निम्निस्ति में वास्तिक रूप से अधित भड़ीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त बिभिनियम के बभीन कर दोने के बेंतरक के दायित्व कें कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; करि/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविभा के लिए;

सतः अत्र, उसत् अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, मैं उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभास (1) के वधीन, निम्निसिक्ट व्यक्तिक्यों, वर्षांद्य ध—— 1. श्री बी० एम० गाँधी।

(भन्तरक)

2. श्री एस० राममूर्थी।

(भन्तरिती)

की यह (सूचना चारी करके पूर्वोक्त सेंपील को शूर्वन के लिए कार्यवाहियां कुक करका हूं है

वक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बासोप ह-

- (क) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज वें 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो ... अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अभ्य व्यक्ति स्थारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चोंकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों बरि पर्यों का, जो उक्त निधनियम, के निभाय 20 क में परिश्लाक हैं, वहीं नर्य होगा जो उस अध्याय में दिश् गया है।

मन्स्ची

प्लैंट नं० 6, जो 1 ली मंजिल, हरदयाल गारोडिया, नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-75 में स्थित है।

जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/22286/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, बस्मई

दिनांक 3-2-1986 मोहर:

মৰুৰ নামুদ্ধি মীত বুৰত বুৰত্যসভালত

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-त (1) में वधीन सूचक

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/21957/85-86:--ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद.

बायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें एक्शात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाख कि9-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर बम्पत्ति, जिलका छोजत वाबार मूल्य 1,00,000/- रह से अभिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 9, जो, श्रम्बर पार्क, 83, गारोडिंग नगर, घाटकोपर, बस्बई-77 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 का, ख के श्रिधीन, ब-बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाधार मून्य से कम के अध्यक्षान ... तिफल के लिए अंसरित की गई है और मूक्ते यह विद्यवास मून्य का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाधार मूक्ते अध्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्धि प्रतिकार का वृद्धि प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (वृंतरकों) और वंतरिती (वंतरितियों) के बीच एसे कन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिक्ष्य का मूक्ति है स्वार्थ के लिए तय पाया गवा प्रतिक्ष्य का स्वार्थ स्वार्थ के विषय मार्थ का वृद्धि का स्वार्थ का स्वा

- [क] मन्त्राम वे हुई किथी नान् की शक्त उपस् ब्रीय-नियन के मुचीन कर वर्ष के बच्चरुक ने शक्तिक भी क्शी करने वा उद्यो व्यव में ब्रीयधा के दिने; बार वा/
- (थ) एंती किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयकर जीधनियज, 1922 (1922 का 11) या उसत जिधनियम, या धन-कर जांधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोद्धनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा वा किया जाना चाहिए था, जिनाने में सूनिया की क्रिया।

सक्त क्या, अथव सीम्पियम की भारा 269-ग की, सन्वरण में, में, उनव सीमिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीय, निकासिक्त स्वविद्यां), संस्थि क्रम्य 1. श्रीमती बी० एन० पटेल।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीएच० एम० दुवे।

(ग्रन्सरिती)

भा यह सूचना चारी करके पूजीकत संप्रीता को अर्थन भी जिल्ला कार्यनाहियां करता हुं।

अबद बम्हरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्बंप ह---

- (क) इस त्या में रायपम् में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन की नवीथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर त्या की तामील से 30 दिन की नवीथ, यो मी नवीथ बाद में समाप्त होती हो से भीतर प्रविचा व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (ज) इत बुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपत्ति में हित-वहुभ किसी बन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताक्षरी वें शक्त किसी बन्य किसी का सकेंगे।

त्वच्यक्तियमः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों बीड एवाँ का, जो जक्त विभिन्नियम के वश्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होगा को उत्त अध्याय में दिवा मया है।

वन्स्ची

फ्लैंट नं० 9, जो, श्रम्भव पार्क, 83, गारोडिया नगर, घाटकोपर, बःबई-77 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/21957/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बस्बई द्वारा दिनांक 1~7-1985 को रजिस्टर्ड निषा गना है।

> ए० प्रसादः सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरक्षीण) श्रर्जन रोज –३, बस्बई

विनांक: 3-2-1986

प्रस्य कार्यं ुटी. एन. एस. ------

भागकर जॉभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सूचना

1. दीपक बिरुडर्स प्राइवेट लिए।

(ग्रन्तरक)

2. एच० एच० इब्राहीम संगे।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1986

निर्देश स॰ ऋई—3/37ईई/21999/85~8€:—-ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 310, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 6, पाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प०), बम्बई—70 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीमंकर श्रीधिनियम, 1967 की धारा 269 क, ख के श्रीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्याख्य में रिजस्ट्री है, तारीख 1—7—1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, जसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए से बास्तिक रूप से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के िलए। बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह आरतीय आयकर अधि नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

जत: प्रवं, उक्त अधिनियम की भारा 26)-ग के अनुसरण जो, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में विवा गया हैं।

जनसूची

फ्लैंट नं० 310, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 6, कपाडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ली (प०), बस्बई 70 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-3/37ईई/21999/85-86 ग्री जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंजे⊸3, बम्बई

दिनांक: 3-2-1986

प्ररूप आर्ड दी. एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-3/37ईई/22540/85-86:-श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै।

श्रीर जिसकी संख्या फ्लंट नं० 3, जो, तल माला, रूपल इमारत मारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है) श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रतिकल से, एसे दश्यमान श्रतिकल का फूल्इ श्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया श्रतिकल निम्नलिखित उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिकल स्पे से कथित नहीं किया गया है :---

- [क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के शंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ा धन-कर अधिनियम, ा धन-कर अधिनियम, ा 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं ाकया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिथा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्र— 1. श्री ग्रार० एन० ग्रोझा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री वि० एन० मेहता श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करको पूर्वोक्त छन्मीस ही बर्जन की रिवर्ज कार्यवाहियां करता हो।

बन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बार्शप 🥌

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामीस से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (क) वस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को सारीका से %5 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पाछ त्रिवित में किए जा सकाये।

मस्यो

पर्लंट नं॰ 3, जो तल माला इमारत मारोडिया, नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि क सं० श्र ξ -3/37 $\xi\xi$ /22540/85~86 ग्रींग जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वाग विनांक 1~7~1985 को ंजिस्टर्ड किया गया है।

ा० प्रसाद सक्षम ाधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज -3, बम्बई

दिनांक: 3-2-1986

रूप नार्व क स्वीत स्वयं स्वयं क व व व व

भायकर गीस्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) में अधीन ब्रह्मना

REST STATE

कार्याचन, बहानक भागकर नामृत्य ([निर्दाक्त)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1986 निर्देश सं० अई-2/37ईई/22473/85-86:--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की पाद 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मून्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 188/5253, जो, 3 री मंजिल, संमती को-भ्राप हाउसिंग सोसायटी, पंत नगर, घाटकोपर, बम्बई-75 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-7-1985।

को प्यंक्ति संग्रीत के विचित्त वाचार मुख्य से कम के धन्तमान करतियक के मिए जन्तरित की गई है और मुक्के यह निवचाय करन का कारण है कि यथाप्नोंकत संपत्ति का उचित वाचार ज्व्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचित्त से विचित्त का उचित वाचार ज्व्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचित्त से विचित्त के विचित्त के विचित्त के विचित्त के विचित्त के विचित्त करतियक कर से कथित नहीं विच्या नवा है अन्तरिक कर से कथित नवा स्वयं कर से क्या से क

- (क) अन्तरण चे हुई किती बाब की बाबत , बंधत विधिनियम के बधीन कर दोने की जन्तरक की दावित्य में कती करने या उत्तते वचने में सुविधा की निष्: बाह्य/वा
- (क) ब्रेसी किसी नाम ना किसी थन वा नम्ब नास्तियों की जिन्हों आएतीन नामकड निधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना चक्क निधिनियम, वा थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा अकट नहीं किया गया का ना किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के जिन्नों किया जाना की अधि।

ब्रुतः जर्ग, उन्त निधिनियम की भाग 269-मृ भै बनुबरण भं, गैं ब्रथल निधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) भू रुभोतः, विस्तिविद स्वित्वयोतः क्रम्बंद ५--- 1. श्री मनोज एन० कोरेकर।

(धन्तरक)

2. श्रीधरन वि० भ्रय्यर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के नर्जन के निष् कार्यनाहियां करता हुई (I)

दस्त दम्मीत्त के बर्चन के तंबंध में कोई भी बाखेद ह—-

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जनभि या तत्संसंभी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्वभि, जो भी नमभि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकासन की तार्ति हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ
 किसी बन्य स्थावत इवारा, अभोहस्ताकारी के पास
 सिवित में किए का सुकारो।

लक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त बन्दों शींड वर्षों का, जो जनव अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीर्भावित इं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में विसा वृता हैं।

वन्स्चीं

फ्लैट नं० 188/5253 जो, 3 री मंजिल, संमती को-भ्राप , हार्जीसन सोसायटी, पन्त नगर, घाटकोपर, बम्बई-75 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-3/37ईई/22473/85-86 श्री जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 3-2-1986

शक्षम आर्ड्_ड टी_ड एन_ड एस₋------

1. श्री ए० एम० एच० मर्चेन्ट।

ग्रन्तरक)

2. श्री जे० ग्रार० शहाग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

बाववाद विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-व (1) के वधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर वायुक्त (निद्वीक्षण) श्रजैन रेंज-3, वस्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1986

निर्देण सं० ग्रई-3/37ईई/22061/85-86'----भ्रत:, मुझे, ए० त्रसार,

कानकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात 'उक्त निर्धानयम' कहा गवा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों की वह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से जिथक हैं

धौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 6149 है जो इसारत नं० 236. तल माला, पन्त नगर, घाटकोपर, (पू), बम्बई-75 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1969 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

हते पूर्वोक्त सम्पत्ति के शिवतः बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिकल के लिए बंदरित की गई है और मुख्ये यह विद्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दद्वयमान प्रतिकल है, एते क्ल्यमान प्रतिकल कर बल्यह प्रतिक्षत से विधिक है और बंदरक (बंदरकों) और बंदिरती (अन्तरित्मों) के बीच एते अन्तरण के सिए तम पामा गवा प्रतिकल, निम्नसित्वित उद्देशक से अक्त अन्तरण निधित में भारतिकल कम से कीवत नहीं किया गया है है—

- (क) वन्तरण वे हुइ किसी बाद की बावता, उस्क वीधिविद्य में वधीन कर दोने के जन्तरक के बादित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के विद्यु और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विविनयम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ववा था वा किया जाना चाहिए था, किपाने में मुविधा के निए;

नतः नवः, उचतं न्भिनियम्, कौ भारा 269-व के बनुसरण कौ, कौ, जवत विभिनियमं की भारा 269-व की जवभारा (1) कै बचीन, जिल्लाकिक व्यक्तिस्थानः, सर्वाक् क्रम्म को वह सूचना भारों करकें पूर्वोक्त सम्पर्टित के बर्धन के जिए कार्यवाहियों करता हो।

अनत सन्तरित हो बर्जन में सम्बन्ध में कोई भी नासीप् ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अविकाशों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थानत इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की बारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिस-नव्ध किसी अन्य स्थानत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिविक में किस जा स्केंगे।

स्वच्यीकरणः--इस्त्री प्रयुक्त सन्दर्भ और वर्षों का, जो सकत अधिनियमः, जो नभ्याम 20-क में परिभाषित हाँ वहीं नर्भ होगा, को उस नभ्याम में विधा वस हैं।

पनुसूची

पर्लंट नं० 6149 जो, इमारस नं० 236, सल माला, पन्त नगर, घाटकीपर (पू), बम्बई-75 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क सं० भई-3/37ईई/22061/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 के रजिस्टर्ड किया गण है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-3, बस्बई

दिनांक 3-2-1986 मोहर नायफर निधीनयन, 1961 (1961 का 43) की नास 269-व (1) के नधीन समान

EIST SPAIN

कार्यांसय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, ब∓बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1986

निर्वेश सं श्र ध – 3/37ईई/22611/85 – 86 – — ग्रत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श के नभीन सक्तम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का चारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छीचत बाचार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं 16, जो, तल माला, दामजी शामजी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एल० जी० एस० मार्ग, विकोली, वम्बई-83 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि बजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अभिक है और मन्तरक (मंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया इतिफल, निम्नीमिचन उद्देश्य से उस्त सम्तरण विचित्र में भास्तिक रूप से क्षित नहीं किना गया है

- (क) शंतरण से हुई किसी बाद की बादरा अवस अभिनियम के सभीन कर दोने के बंदाहर के दायित्व में कभी कारने या उससे सचने में सुविधा के लिए; बॉर/सा
- (क) श्री किसी जाद वा किसी प्रश्न वा जन्म जासिस्टर्से को, जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिनियम, या भन-कार जीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

वत± सव. उक्त वीभीनवन की-भारा 269-व की-वन्तरण को, को, उक्त वीभीनवम की भारा 269-व की उपभारा (1) के वभीन, निम्लीसविद्या स्विक्यों ह वर्षां के क 1. श्री मोन्टी केम।

(ग्रन्सरक)

2. मैं० ज्योति इन्टरप्राइजेस।

(श्रन्तरिती)

का वह तृष्मा वारी कएक पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षम् के हिनए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्क ब्रम्मरित् वे वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासोच् 🖅

- (क) इन सूचमा ने राजपन में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की सनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की समीस से 30 दिन की सन्धि, यो भी सूचित के पात में सुनास्त कोती हो, के भीत द पूर्वे ने स्वाप्त की सी सुनास के दिन की व्यक्ति स्वाप्त की सी सुनास की स्वाप्त स
- (व) इस स्थान के स्वपंत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्म म्यक्ति बुवारा, अभोहस्ताक्षरी के नाथ सिविस में किये जा सकेंगे।

अनुसुची

यूनिट नं । 16, जो, तल माला, दामजी शामजी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, एल० बी० एस० मार्ग, विकाली, बम्बई— 83 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कर्नि ग्रई-3/37/ईई/22611/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद. सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रापकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3, बम्बई

विनांक: 3-2-1986

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांग 3 फरवरी 1986

सं० श्रई-3/37ईई/223701 85-86:--- श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 12, जो, 2री मंजिल, सह-जीवन को श्राप हार्जिस भोसायटी, इमारत नं० 7, घाटकोपर. बम्बई-86 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाश्रद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्राय-वर श्रीधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 1-7-1985

को प्वेंबित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

1. श्री बी० ए० तावडे।

(श्रन्सरक)

2. श्री एपं० ग्राप्० कोलबलकर।

(ग्रन्सिरती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **व सं** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित**बद्ध** किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

जन्स ची

पलैंट नं 12, जो, 2री मंजिल सहजीवन को० ग्राप-हाउसिंग सोप्तपटी, इमारत नं० 7 घाटकोपर (प०) अम्बई 86 में स्थित है।

अनुसुची जसा कि कासं० अई-3/37ईई 22370/85/ 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोक : 3-2-1986

मोहरः

अतः अब अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों अवत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारार (1) के अधी १ निम्नलिखित व्यक्तियों, ब्रांस्ट्र ६——
49—16 GI/86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 196। (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांग 3 फन्दरी 1986 जिलेंग सं अधि-२,२७ईस,२२९७,५८६

निर्देश मं० अई-3/37ईई/22375/85-86:—प्रतः मुझे, ছ ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

1.00.000/- रु. स आधक ह श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 6, जो, 2री मंजिल, हमसिदा कृपा, गारोधिया, नगर, घाटकोपर (पूर्व), बेल्बई-77 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और शिक्षा श्रारनामा ग्रायक्तर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 ... ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के अर्थानय में पितस्ट्री हैं, तारीट्ट

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का अजिस बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से किया नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मो कमी करने था उससे बचने मों सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तियों अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रो एम० एम० पटेल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सी० बी० कोठारी श्रीप श्रन्य।

(प्रन्सिन्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की गराख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबक्ष किसी सन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों भा का उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 6, जो, 2री मंजिल, हमसिका कृपा, गारोक्षिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि ऋ सं० अई-3/37ईई/22375/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, अस्वई द्वारा दिनाक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड विधा गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सक्षयक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 3-2-1986

प्रकर बाह्येत होत एक, एक, अन्यन्य

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारत 260-थ (1) के अधीन सुखना

भारत तरकार

कार्यास्य, बहायक नामकर बागुक्त (निरोक्स)

अर्जम रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1986 निर्वेश सं० श्रई-3/37ईई/22415/95-86:--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी संख्या दुला नं 112, जो, हजारी बाग, इमारत, एल की एस मार्ग, विकोलो (प्), बम्बई—93 में स्थित है (ग्रौर इसो उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के लायालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985 को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिपाद से अधिक है और मंतरक (बंतरका) और जंतरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे मन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल का निकालिकत उद्वोस्य से अक्स बंदरण निचित में वास्तिक ध्रम से किया नहीं किया क्या है है—

- (क) अन्तरण में हुई किसी नाय की वावत, उक्त निधानयम के सभीन कर दोने के अन्तरक के अधिरण में कमी करने या उससं बचने में भाक्षित को निष्; और/या
- (क) इसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तिय। को, जिन्हों भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था कियाने में स्विधा को निरु;

बहः बव, उन्त कॉन्डिनियम की गाँडा 269-म के नवृत्तरण को, जो, अक्त कीश्रीनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निम्नीसिंक व्यक्तियों, वर्षां :--- 1. श्रीमती जबेन्द्रेन केनशी शाहा।

(अन्तरका)

2. श्री बीठ नापठ बापना ग्रीए अन्य

(अद्यस्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूजना की राजपत्र प प्रकाशन की तारीस ६ 45 दिन की अविध पा सासम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से स्थिती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध जिसी गांग व्यक्ति इताया जातिहरू की कास निकास में किए वा सकाँगे :

पन्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त एव्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषिष है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

दुकान नं 112, जो, हलारी बाग, इमारत, एल० बी० एस नार्ग, विकोली (२०), बम्बई-93 में स्थित है। अनुसूची जैसा िक यं० अई-3/87ईई/22415/85-86 ग्रील जो सक्षम बाधि अरी, बम्बई द्वारा दिनां । 1--7-1985 को रिक्स्टिई जिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि धरी सहाय व आयक्ष सायुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 3-2-1986

प्रस्प बाई ु टी ् एव 🖟 एस 🚎 🚥 🚥

्कासकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-७ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां त 3 फरवरी, 1986

निर्देश सं ० जई-3/37ईई/22142/85-86:--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

मायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 211, जो, 2 री मंजिल, इमारत, नं 6, ज्याडिया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प०), बम्बई-70 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करार- नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तरीख 1-7-1985,

- (क) करतरण से हुई किसी बाय की संबत, उक्त विधिनयम के अधीन कर दोने के क्लारक के दायिका में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए: और/मा
- (स) एमें किसी जाय या किया घन या अत्य आसियाँ करें, रिवन्हों भारतीय आराम्य अविवास, 192. (1922 का 11) या उत्त अत्यासमान के भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अर्तारती द्वारा प्रकृष्ट नर्द्या किया बाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः। बाब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) कों को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् उ—

1 मैं दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लि ।

(अन्तरक)

. 2 अली फकीर मोहम्मद मुल्लाजी।

(अन्तरिती)

को यह सुमना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के वर्षन भी

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किसे का सकती।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका यया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं॰ 211है जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 6, कपार्डिया नगर, सी॰ एस. टी॰ रोड, कुर्ली (प॰), बम्बई 70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सट० अई-3/37-ईई/22142 /85-86 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 3-2-1986

प्ररूप् आइं.टी.एन.एस.-----

2. (1) (1) 4 - T TO THE TOTAL TOTAL TO THE TOTAL TOTAL TOTAL TOTAL TOTAL TOTAL TOTAL TOTAL TOTAL TO THE TOTAL TOTAL

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1985

निर्देश सं ० अई -3/37ईई/22143/85-86:—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें प्रस्थात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के भधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

स्रोप जिसकी संख्या प्लंट नं 309, जो, 3री मंजिल, इमारत, नं 6, उपाडिया अगर, सी एस ठी रोड, हुनी (प), बम्बई-70 में स्थित है (स्रोप इसा उपाबड़ अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप न विणित है), स्रोप जिस न करार-नामा आयक्य अधितिया, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के उपालिय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985,

कां पूर्वाक्त सम्पर्शि के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रायमान पितफल के लिए अन्तरित की गईं और मृझे यह विश्वास इसे का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके ध्रायमान प्रतिफल से एसे ध्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण ध्रिमिखत में बास्तविक स्पास कि शिक्ष नहीं किया गया है ध---

- (क्ष) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अंत: अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, रं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधि।, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

। मैं वींपक बिल्डर्स प्राद्दवेट लि ।

(अन्तरकः)

2 शहीद दूसीन उस्मान सठगे झार अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकल अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिशा गया है।

नप्स्थी

फ्लैंट नं० 309, जो 3री मंजिल, इमारत नं० 6, कपाड़िया नगर, सी० एस० टी० रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा क सं० अई-3/37ईई/22143/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिए टर्ड किया गया है।

ा० प्रसाद -सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांफ: 3-2-1986

प्ररूप बार्ड, टी. एत. एस.------

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के वंभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालक, सहायक मामकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां उ फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई--3/37ईई/22097/85-86:---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ब्रारेर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 26, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं० 58, जगादुशा लगर, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ह, खा के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्द्री है, तारीख 1-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उष्यत बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्स संपत्ति का शाजार मुल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भार अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप हे कर्णित न**हीं किया गया है**ं.---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त निवस के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के किए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या निजी धन या अन्य बास्सियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिहु;

नत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1), को अधीन, निस्नीनाइनत स्थीनतयों, वर्षात् स— ा श्री चन्द्रकान्त बिट्टल **शेटी**।

(अन्तरक)

2 श्री हरीशचन्द्र टिमराव नाईक।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में केंद्र भी नाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकित्याः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 26, जो, प्लाट न० 58; 3 री मिणिल, जगादुशा नगर, घाटकोपर, (प), बम्बई-86 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ सं० अई-3/37ईई/22097/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∽3,बम्बर्ध

दिनांक: 3-2-1986

मो हद्र:

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1986 निर्देश सं० श्रई-3/37ईई/22247/85-86:---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर श्रिभिनयम, 1/961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्ल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 10, जं, 1ली मंजिल, फ्रैंड शिप इसारत, काजृपाडा रोड, कुर्ला बम्बई-72 में स्थित (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मैं श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को प्वामित सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के क्यमां। प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विववास करने का कारण है कि यथाप्वामित संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके क्ष्रवमान प्रतिफल से, एसे क्ष्रवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म, निम्नलिचित जब्बदेय से उक्त बन्तरण लिखित में वास्त- विक क्य से किंग्स नहीं किया गया है उ—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोनें के अंतरक कें शाबित्य में कमी करने या उसते बचने में शांवध। खे मिए; बार्टिशा
- (थ) ऐसी किसी जाब वा किसी पृत या बन्ध बास्तिकों को, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, विश्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

बतः क्यं, उन्तं विभिन्नियमं, की भारा 269-ण के ननुसरण कें, में, उन्तं विभिन्नियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) के विभीन, निस्त्रिमिणित व्यक्तियों, नर्पात् :---- 1. मैं० मैंत्री डेबललोपर्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बी० एस० घाटे

(अन्तरिती)

श्री बृह ब्रुचना बारी करको प्रनॉक्ट सम्पृतित को नर्चन को जिल्ल कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से धीतर पूर्वों कर निकास में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) ह्य स्थान के राजपन के प्रकायन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में दितवय्थ किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अभोहस्ताक्षरों के पार लिखित में किए जा सकोगें।

स्वध्यक्तिकार:- क्समें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, यो उद्यर अधिनियम, के अध्यार 20-त में परिभाणि ही, वहीं नर्थ होगा, नो उस सध्याय में दिस वक्त ही ।

बन सची

फ्लॅंट नं० 10, जो, 1ली मंजिल, फेंडिशिप इमारस, काज्पाडा रोड, कुर्ला, बम्बई-72 में स्थित है।

प्रतुस्ची जैसा कि के सं० अई-3/37ईई/22247/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1--7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रोज-3, बस्बक्ष

दिनांक: 3-2-1986

इका बाइ े में है प्रस्त प्रस्तान

शायकर अभिनियम, 1981 (1981 च 43) की भाषा 269-ल (1) के अभीत संचना

RICH STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांवः 6 फरवरी 1986 सं॰ ग्रई-3/37ईई/22100/85-86:--श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

धायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्तर निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- एउ. से अधिका है

श्रीर जिसकी संख्या पलैंट नं० 5, जो, प्लाट नं० 58, जगासुणा नगर, घाटकोपर (प०, बम्बई — 86 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबस श्रन्सूची मैं श्रीर पूर्ण रूप से बिणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1—7—1985।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूच्य से कम के अवसान प्रतिफल के सिए मंतरित की गई है और मुके यह नियमास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूच्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिधात से अधिक है बार बन्तरक (बन्तरका) और अक्तिरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए सय पाता गया प्रतिफल, निम्नीसियत उस्वोच्य से उच्त अन्तरण किल्लित में वास्तर्थिक क्या से स्वीच्य नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुं हैं भिन्ती जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससंबचने में सुविधा जो लिए; और/बा
- (सं) एसी किसी बाव का किसी वन वा अन्य जास्तियाँ करी, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त जिल्ही नियम का अन कर अधिनियम 11 अन्य जिल्हा नियम का अन कर अधिनियम 11 विजय प्रकट नहीं किया गया वा सा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के किया।

जतः भवः, उक्त जिभिनियमः की भारा 269ःग के जनुसरण के जॉ, उक्त जिभिनियम की भारा-269-च की उपभारा (1) हें डान्टि, निस्तिमिसित व्यक्तियों, वर्णाल् हि— 1. श्री चन्द्र कान्त बिठ्ठल घेटये।

(ग्रन्तरक)

2. श्री यशवन्त श्राबाजी सालवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर तंपरित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिया गया है।

बन्ध की

फ्लैट नं० 5 जों, प्लाट नं० 58, जगापुशा नगर, घाट कोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुभुवी जेसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37ईई/22100/85-86 ग्रीर जो अग्रम श्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद ्रंसक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बस्बई

विनांक: 6-2-1986

प्रक्षण = वार्षा = द्रौ ः एव । एकः । - ॥ - ॥ -

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के कभौन स्वना

भारत तरकाह

कार्यालय, सहायक बायकर बाबुक्त (निर्देशक) ग्राजेन रेंज−3, बम्ब**ई** बम्बई, दिनांक 3 फरवरी, 1986

निदेश सं० अई-3/37ईई/22096/85-86:--अत: मुझे, ए० प्रसाव,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियश' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्रम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है फि स्थावर सम्पत्ति, विज्ञका उषिक वाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अभिक है

भौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 18, जो. 2री मंजिल, प्लाट नं० 58, जगादुशा नगर, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध श्रनुसुकी में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जितका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की भारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, सारीख 01-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मुख्य से कम के धर्ममान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नवां है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि बनाप्नोंक्त संगृत्ति का उचित बाबार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का _रपन्द्रहप्रतिशत से वर्षिक है और वन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एके अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रतिकासः निम्ननिक्ति अवृद्देश्य से अन्तर सन्तरण निक्ति में नास्तिक रूप ने कीवड़ नहीं किया बना है हु---

- (क) अन्तरण ते हुई किशो आम की बाबत उक्त वरिपासियम में भेगीन कर दोने से बन्धरक से दाशिल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/वा
- **(क)** एरेसी किसी जाय या किसी भन वा सन्य जास्तियों को. जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिमम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियो बुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिका चे लिए;

बतः जन, उच्य अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरक में, में, उक्त विधितयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६---50-16 GI/86

श्री चन्द्र कान्स बिठल शेठ्टये।

(श्रन्सरकः)

2. श्री श्रीकान्स घोंडू लोमटै।

(अन्तरिती)

की वह तूचना बारी करकै पूर्वोक्त सम्पत्ति महे अर्जन हो हिन्ह कार्यवाहियां करता 🚮 🖟

वक्त कम्मरित के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाह्येय:----

- (क) इब स्वना के रावपत्र में प्रकाबन की शारी वे ही 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर राषना की क्षामील से २० दिन की अवधि, जो भी अविभि बाद में रूपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारींख है 45 विन के भी पर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी क्रिक-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पात लिबित में फिए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण :-- इरापे प्रमुक्त शन्दों औह पदों का, श्री उनक म्भिन्यमं के वध्याय 20-क में परिभाषित है, बृही नर्भ होगा वो उस नध्याय में विका क्रिंग हैं।

पनुसूषी

फ्लॅंट नं 18 जो, 2री मंजिल, प्लाट नं 58, जगाष्ट्रणा नगर, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० प्रई-3/37ईई/22096/85-86 ग्रीर जो सक्षत्र प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाध, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)) ग्रजँन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 3-2-1986

मोहग:

प्रकृत सार्व_ा टॉ_ड एन_ः प्रव_{ासन्यसम्बद्धान}ः

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-च (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातम्, सहायक बायकर नायुक्त (निर्मातक)

धर्जन रज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1985 निर्देश सं**० धई-3/37ईई/22631/85-86:---- प्रतः मुझे,** ए० प्रसाद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके परणात् 'उनत निधीनयम' कहा गया ही, की धाषा 269-च के सधीन-सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वका अधिक वाकार मृज्य 1,00,000/- रु. से निधक ही

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 5, जो, शिय निवास, प्लाट नं० 234, सायन (पूर्व) बम्बई—22 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जित्रता करारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रेजीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1—7—1985

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत है अधिक है और अंसरक (अंसरकों) और बंसरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंसरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितीचित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) नंदरण से हुई किसी नाव की नावत, उन्तर निधिनयम के नभीन कर दोने के नंदरक के दायित्व मो कमी करने या उससे वचने में सुविधा में सिए; मूर्टिना
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य शास्तियों की विनह भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण के, में, अवत अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीन् :---

1. श्रीमती ए० डी० देसाई।

(ग्रन्सरक)

2. श्री पी० डी० मेहता ग्रौर ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के नर्जन के सिंह कार्यवाहियां, कड़ता हो।

डक्ट इम्बल्ति के वर्जन में सम्बन्ध में कीई भी काओप 🖫--

- (क) एत चुचना है डाइएन में बकायन की तारीय दें 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से स्मिती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होना को उस अध्याय में दिया नया है।

धनुसूची

पत्रैट नं० 5, जो, भित्र निवास, प्लाट नं० 234, सायन (पूर्व), बम्बई—22 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० ग्रई-3/37ईई/22631/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, महायज श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 3-2-1986

্যক্ষ সামুদ্ধি মীন মুক্তা মুক্তা স স সভাত

जावभद्र वृद्धितियम्, 1961 (1961 मा 43) छी भारा 269-म् (1) के ब्रांचित सुमान

STATE STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 3 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई- 3₁ 3 7ईई₁ 22 1 62₁ 85- 86:→-ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राथिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति , विश्वक उष्टित वाचार क्रव 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या पर्नेट नं० 7, जो, 3री मंजिल, घाट कोपर संगीत को-ऑप हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 76, गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985,

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान न्यांतिक के जिए कन्तरित की नहीं ही बार मुक्ते यह विकास का कारण ही कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उग्लेख बाबाइ मून्य, उसके क्यमान प्रतिफल का राज्य क्यांति का वाल्य कार्य क्यांति (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के बिए त्य न्यां ग्या प्रतिकाल, निम्निनिचित उद्देश्य से उपत अम्याय निचित में वास्तिविक रूप से क्यित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आकत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में स्विधा अर्थिकार

यतः सभ, उपत अभिनियम की भारा 269-म की, जनुसर्थ को, भी, उभत अभिनियम की भारा 269-म को उपभाव्य (1) भू अभीत, निम्तिभिक्त व्यक्तियों, समित केल 1. श्री एस० राममृति।

(अन्तरक)

2. श्री के० डी० निर्मल ग्रीर ग्रन्य।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपय सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई' मी बाबी उन्न

- (क) इब स्वान के ग्रवपण में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की नवीथ या तत्त्रसन्धी कांक्त्यों कर स्वान की तानीन से 30 दिन की नवीथ, को भी जविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोमक व्यक्तियों में से फिकी व्यक्ति क्यांच:
- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा वधाहस्ताक्षरी के पास चिस्ति में किस या स्थोने ।

स्यक्षाकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्यास कें दिका गया ही।

अनुसूची

फ्लैंट नं २ 7, जो, 3री मंजिल, घाटकोवर संगीत की-आँप हाजीतग सोजायटी लि० ज्लाट नं २ 76, गारोड़िया नगर, घाटकोतर (पूर्व), बम्ही-77 में स्थित है।

श्रनुषूची जैसा कि श्रासं० श्रई-3/37ईई/22162/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∽3, बम्बई

दिनाँक: 3-2-1986

में(हर:

प्रकल आहें , टी., एन., एस.,-----

नायकर भीभाँगवस 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के स्थीन स्थवः

HIST STREET

कार्यांस्य , बहायक जायकर आयुक्त ([मर्गक्रम)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 3 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई--3/37ईई/22105/85-86--अतः मुझे, ए० प्रसाद∙

कामकः वीधिनियभ, 1961 (1961 का 43) (वित्ते इसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनाम' कहा गाः हो), की धारा 269-ए के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हो

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 19, जो, 2तो मंजिल, जग-वुणा नगर, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित स्थाम प्राधिकारी के कर्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1~7-1985

को प्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अंसरित की गई है और मुभ्डे यह विश्वास करने का का ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत वापार मूल्य मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (बन्ती तिथा) के बीच एसे अन्तरण के दिए तम पाम गमा प्रतिफन।, निम्निलिचित उद्देषम से उन्त कन्तरण निविद्य मास्तिक कप से कथित नहीं किया गमा है है

- (क) अन्तरण वं इन्द्रं किसी नाम की नावत उक्त वांध-नियम के अभीन कर दोने के जन्त कि के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में ्विधा के लिए; बाँड/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन व जन्य अस्तियों को, चिन्ही भारतीय धामकर अरिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स कि नियम, वा धन्कर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) खे प्रयोधनार्थ बन्दरिती बुनारा प्रकट नहीं किए। गया बा किया चाना चाहिए था, छिपान के रूबिशा के निए; और/मा

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात ७—— 1. श्री चन्द्रकान्त बिट्रल शेटपे।

(भ्रग्तरक)

2. श्री राजाराम बाबाजीराव शिन्दे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 बब्ध किसी बन्य स्थानत व्यास मधोहस्ताक्षरी के
 गास निवित में किए वा सकेंगे।

अमृसुखो

पलैट नं० 19, जो, प्लाट नं० 58, जग सुणा नगर, घाटकोपर ्प०), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-3/37ईई/22105/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलाँक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

दिनाँक: 3~2~1986

प्रक्रम कार्यु 🗃 🖾 पुरु पुरु पुरु 🗷 🕬 🕬

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

वाडच चडामा

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई सिनॉक ३ फरवरी 1991

बम्बई, दिनाँक 3 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/22127/85-86—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिमकी सख्या पलैट नं० 21, जो, 2री मंजिल, ग्रिभिपेक क्ष्मारत प्लाट नं० 111, गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई—77 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधितियम, 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख

को प्नोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त संपोत्त का उचित बाजार मृन्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्ध्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बे में शान्तविक रूप से किंश्न नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया बवा धा स किया बाना चाहिए था, छिपान ये सृद्धि विषयः

आत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∴—— 1. श्रीमती श्रार० जीव पालन।

(भन्तरक)

2. श्री एउ० पी० पालन।

(अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्ववाहिशां करके हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राज्यात्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पशु सूचना की सामील से 30 दिन की जविभ, को भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकरें।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्वाय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गवा है।

वनुस्ची

फ्लैंट नं० 21, जो, 2 री मंजिल, श्रिभिषेक इमारत, क्लाट नं० 111, गारोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्ण), बम्बई- 77 में स्थित है।

श्रनुसूचा जैसा कि कु० सं० श्रई-3/37ईई/2:127/85-86 श्रार ः। सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँ । 1-7-1985 की रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम त्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–3,बम्बई

दिनाँक: 3-2-1986

भक्त बाह् दी, श्रृ पुत्र व्यानन्त्रसम्बद्धाः

नावकर विधितियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) ने वधीन सुवना

भारत तरकार

कार्यातवः, तहायक वायकर वायुक्त (विर्यावाज्)

ग्रर्जन रेंज-3, वम्बई बम्बई, दिनाँक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं ॰ भई-3/37ईई/22239/85-86:--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबाद मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

गौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, पिसेस विख्य पार्क, श्रॉफ मार्ने रोड मालाड (प०), बम्बई-95 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्य की , ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितयम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1~7~1985 को पूर्वेक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमान श्रीफिक के सिए जंदरित की नई है और बुझे वह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्वोंक्त वंपत्ति का उपित वाचार मृत्य से कम के स्थमान श्रीफिक के सिए जंदरित की नई है और बुझे वह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्वोंक्त वंपति का उपित वाचार मृत्य भाव कि स्वाप्वोंक्त की नई है और बुझे वह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्वोंक्त वंपति का उपित वाचार मृत्य । जात का प्रविक्त की निर्मा प्रविक्त की मन्तरित वाचार की स्वार्थ का प्रविक्त की कि है और बन्तरक (बन्तरका) बीर बन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया नमा ग्रीक्तन, निम्नीकित उद्वेष्य से उक्त मन्तरण कि विवत में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है दिन्त

- (क) नकारक ये हार्च किसी क्षत की वालका, क्षत्र वीचनिक्य के व्योग कर को वे अभारक के वाचित्व में जानी कड़ने या क्यूचे क्षत्र में सुविधा के स्थिए; शीक्ष्रीया
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में श्विभा के निए;

वतः वतः वतः विभिन्नमं की भारा 269-गं के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घं की उपध्रा (1) के अधीर, निम्नितिवित व्यक्तियों, वर्षात् है—

- 1. दर्यनानी (इंडो: सायगन) कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लि० (अन्तरक)
- 2. श्री श्रोम प्रकाश ।

(मन्तरिती)

को यह स्वका बादी करने प्याप्ति व प्रभारत के वर्धन के सिए कार्यवाहिया कुछ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री मार्कप ह---

- (क) दब स्वता के राजपण में प्रकावन की तारीब वें
 45 दिव की व्वशि या तत्सम्बन्धी म्यून्सियों पर
 बुचना की तामीन से 30 दिन की व्वशि, को भी
 व्यश्चि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर
 म्युनिय्मों में वे किसी म्युनिय हुवाराह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वयद्धीकरणः -- इसमें प्रयूक्त कर्का बीर पर्वो का को उक्त विधिनियम, के संध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया यस है.

अम्स्ची

पलैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, पिसेम ित्य पार्क, श्राफ मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई~95 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क्ष मं० ग्रई-3/37ईई/22239/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम गविकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

दिनांक: 11-2-1986

मा हर:

प्ररूप नार्षे हो एन एस ३०००००

बायकर ब्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) जे बचीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1986 भिर्देण सं० अई-3/37-ईई/22639/85-86---यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी संजपलैंट नंज 404, जो, चौथी मंजिल, ए-विंग, नीलगिरी अपार्टमेंट, एसज बीज रीड़, मिलाप सिनेमा के पास, मालाड, बम्बई-67 है, तथा जो बम्बई में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विणित है), भ्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खें अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एके यह थिदवास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकार्य) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्छ अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के जिए; आर्-या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन भा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविध के सिए।

अतः कव, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के बनुतस्क के, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्धात् :— 1. महार बिल्डर्स (इंडिया)

(अन्तरक)

2. श्रीमती नेहा एन० वखारिया श्रार अन्य

(अन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के. लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त संपति के कर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस ब्रुचना के दाजपन ने प्रकासन की तारीक के 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्कान की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ।सा नवा हाँ।

नगराची

प्लैट नं० 404 जो, चौथी मंजिल, नीलगिरी अपार्टमेंट ए-विंग, एस० वी० रोड़, मिलाप सिनेमा के पास, मालाड बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० 3-37-ईई/22639/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1986

अस्य बार्ड ्टी. एवं हु सुख्य वरक्षारक्षार

ा. मैसर्स सौलेक्स ठापरिशन।

(अन्दर्क)

2. मैसर्स कैनाण इंटरप्राईज।

(अन्तरिती)

भायकाः विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

शारत चरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बाव्यत (निर्धिक)

अर्जन रेंज-3. बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986 निर्देश सं० अई-3/37-ई ई 22446/85-86---यत:, मुझें, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर तम्पत्ति, द्वितका उचित वाजार मुस्थ 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्ला मं० माला नं० 214, जो, विनय इंडस्ट्रियल इस्टेट, 428/1 वेवरूखकर वाडी, चिचबंदर रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 है, तथा जो बम्बई में स्थित है (ब्रांर इसन उपाबद्ध अनुभूवी में स्रोर पूर्ण रूप में विणित है), स्रीर जिस हा करारतमा आयहरअधिनियम, 1931 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रायधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उपित वाजार मृत्य से कम के स्वयकान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की नहीं ही नीर मुक्ते वह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उपित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्ति (बन्ति रितियों) के बीच एवं बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निधित में शस्तिवक रूप वे कवित वहीं किया गया है ड---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के नधीन कर दोने में असारक भी दायित्व में कमी कपूने या तससे बचने में सूबिका कं तिए; वडिः∕वा
- (का) एसी किसी अगय या किसी भगवा अन्य अगस्तिकों को जिन्हीं भारतीय बायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अभिनियम, दशभन-कार रूधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ कर रिती बुवारा प्रकट नक्षीं किया नया वा या किया अना अरहिए था, खिपाने में सुविधा में सिंधः

बका बन, उक्त विभिन्नम की भारा 269-न के बन्बरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह स्वता बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हु।

७२७ कम्पीत के वर्षन के बाग्यन्थ में फ़ोर्ड भी गावोप ह—

- (क) इस सुचना के हाजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविभ या तत्संबंधी अ्यक्तियों पह सुचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (वा) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर संपरित में हितवहुध किसी अन्य व्यक्ति वृक्षारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकी।

स्वच्छ]करणः—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का_{री} को उच्छ निधनियम, के नध्याय 20-क में परिभावित ड, बही वर्ष होगा को उस मध्याय में विका वेवा हैं।

श्रनुस्ची

गाला नं ० २१४, जो, विनय इंडस्ट्रियल इस्टेंट, 428/1 देवरूख कर वाडी, चिचनंदर रोड, मालाड (प), **बम्बई**-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्ष० सं० अई-3/37-ई ई/22446/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां ज 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख: 10-2-1986

प्रकृतार्_ष्टी. एव. एव. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

बाइस प्रदुक्ता

कार्याक्षय, पहायक बायकर नाम्क्स (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक ६ फरवरी 1986 निदेश सं० अई-3/37-ईई/22533/85-86—अतः मुझे, ए० प्रसाव,

वायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लाह करने का कारम है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित नाभार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रांर जिस्की मं० दुरान नं० 7, जो, बाले राम 3, ऑफ लिंकीग रोड, उष्मा नगर के सामने, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (ऑए इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रांर जिस हा करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

की पुर्वेक्त सम्मित्त के उमित नाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझा यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्यों की सम्मित का उमित नाजार मृस्य उसके स्वयमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अन्तरित (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण से सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मिनिक उद्देशों हे उसके बुन्तरण भिनित में वास्तरिक रूप में किथत नहीं किया गया है :--

- (क) भन्तरण से हुइ फिसी श्राय की शावत, उनत शीर्भानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उनसे अभने में सुणिधा के जिल्ल, श्रीव/या
- (५) एट डिल्मी बाय ए किसी घर में। अप मास्तियी करें, चिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या तकत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वाच प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा को लिए;

जतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मों, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन,, निम्नलिखित क्यक्तिमों, अभात् :---51---16 GI/86 (1) जनीना इंदरप्रायणेस ।

(अन्तर्क)

(2) श्री प्राप्त श्रीमती प्रन्तैयालील गुप्ता।

(अन्धरिती)

का वह स्थाना जारी कारके प्रबोक्त सम्मत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पर्शिक के अपने के सबस में कार्य भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविशि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाए;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किएं जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रम् सुषी

दुराम नंद 7, लो, नाले राम 3, ऑफ लिक रोड, ऊष्मा अगर के सामन, मानाड (४), धम्बई-64 में स्थित है।

अनुसुची जैसा की ऋ०मं० अई-3/37-ईई/22533/85-86 ग्रोर जो मक्षम प्राधि तरी बम्बई द्वारा दिनांच 1-7-1985 को एजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किर्रक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 6-2-1986

प्रकृप बाइ ती. इन . एस . -----

आधकार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिलांक 10 फरवरी 1986 निदेश सं० अई-3/37-ईई/22815/85-86—-अतः **मुझे,** ए० प्रसाद,

अधिकर अधितियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकः अधितियम' कहा गमा है), की धारा 269-डा के अधी- पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- 5. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० दृष्णान नं० 2, जो, तल माला, प्लॉट नं० 4, तुरेल पखाड़ी, लिबर्टी गार्डन के पीछे, मालाड़ (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का व विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयहर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिष्टरूटी है, नारीख 1-7-1986

को पर्जीक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृन्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के असिरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; अरि/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त आंधिनयम **की धारा 269-ग के अनुसरण** मो, मो, सनत अधिनियम की <mark>धारा 269-ग की उपधारा (1)</mark> के अधीयः जिम्नि**लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---**- (1) मेसर्स एस०जार० इंटरप्रायजेस ।

(अन्तर्क)

(2) श्री प्रगित्माई जी० पटेल ।

(अन्तरिती)

को यह सृजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपंत्र में प्रकादन की दारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की बर्धाम्, वां भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के अन्तर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन भी शरीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितद्वध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

(भध्दीकरण:---दासमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, श्री खेक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभागवत है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। एका है।

अनृत्यी

दहान नं० 2, जो, तल माला, प्लॉट नं० 4, तुरेल पखाडी, लिबर्टी गार्डंच के पीछे, मालाड (५०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि कल्मं अई-3/37-ईई/22815/85-86 फ्रांर जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई द्वारा दिनांक 1-7 1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> ए० प्र**सःद** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

भा**ीस** : 10-2-1986

मोदर :

प्रकम नाइं_छ दी_ं प्रन_ा प्रस_य------अ-अ- बावकर निधितवज्ञ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीत तुषमा

धारत करकार

क्रायांचन, बहानक जानकर नामुन्छ (निर्दाक्त)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांत 11 फरवरी 1986 निदेश सं० अई 3/37 ईई/22355/85 86—अत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

वस्तकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात, 'उस्त अभिनियन' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लैट नं० 21, जो, इसारत नं० ए-1, 2री मंजिल, नव-संरक्षण को-आंप० हाउसिंग सोसायटी लि०, मामलत दारबाडी रोड, लिबटी गार्डन के पास, मालाड (५०), बस्बई 64 में स्थि। है (ग्रीर इससे उनाबद्ध अनुभुवी में और पूर्ण का पंजिंग है), ग्रीर जिस्ता जिरासामा आयज्ञर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के जधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिवरही है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वेक्क संपरित के उचित गाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का थंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंत-रण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्योध्य से स्वतः बंतरण लिखित में वास्तिक रूप ते कथित नहीं किया क्या हैं:---

- (क) अन्तरभ ते हुई किसी बास की नास्त, उत्तः अभिनिक्त के अभीत कर दोने के अन्तरक के वाखित्व में क्सी करने वा उससे बचन में सुनिक्त। में सिए; बीर/सा
- (थ) इंसी किसी आध या किसी धन या अस्य आरितयों की, चिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा वी किए:

वर्षः वयः, उपत वरिनित्न की भारा 269-ग के नन्सरश को, को, उपत वरिनियम की भारा 269-य की तस्भारा (1) के वसीन, निय्नसिविधा व्यक्तियों, कथ्ति ॥—— (1) श्री ए (०के० दोराईएकामी ।

(अन्तर्क)

(2) श्री टी॰एन॰ क्रस्स्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त बम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बर्थ में कीई भी बार्क्षण ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की कविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी विश्वि वाद में सभाष्त होती हो, के भीतर प्रतिल स्वन्तियों के हे किसी स्वित्त बुधारा:
- (था) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध भ किसी अन्य क्यक्ति इतारा अधीत्म्ताक्षरी के पाद निसिद्ध में क्रिए का सकेंगे।

स्वकारणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदां का, जो सबक्ष जिथितियम के अध्याय 20-क में प्रीयक्षाधिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया यस हैं।

अनुसूखी

फ्लैंट नं० 21, जो, इमारत नं० ए-1, 2री मंजिल, नक-संरक्षण को-ऑंक झाउसिंग सोशायटी नि०, म(मक्त-दार वाडी रोड, लिबर्टी गार्डन के पास, माला (पं०), बम्बई 64 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि ऋ०सं० अई 3/37 ईई/22355/85-86 ग्रींर जो बक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि ारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

वारीख: 11-2-1986

मास्य बार्च : हो . एव . एस . -----

कायकार जिल्लीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

शास्त्र क्रमार

कार्यातय, सहायक नायकर आयुक्त (निर्दाक्त)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अस्बर्ड, दिसां-त । फरवरी 1986 निदेश सं० अई 3/37 ईई/22203/85-86—–अतः मुझे, प्रसाद.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन उक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० दुकान नं० 3, जो विरल इमारते, उष्मा नगर, मित चौकी, मल्लाइ (१०) बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसने उताबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) ग्रीर जिसका करारतामा अध्यकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कुख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है तारीख 1-7-1986

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारमें का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिकास, निम्निचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त शिपिनियश के अधीन कर दोने के अध्यक्त के वावित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविक। वी किय; व्यद्भिया
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या करण आस्तिकों को जिन्हों भारतीय वावकर विविध्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः गय, उपत भीभीनयमं की भारा 269-मं के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) कृ अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १००० (1) श्रीमती मरोआ एम मेंडिस श्रीर अन्य। (अन्तरक)

(2)श्री शेखा उमर याकुब।

(अन्तरिती)

न्हीं सह सूचना चाड़ी करने पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं:।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाओप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की सर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थितत्यों में से किसी स्थितत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यथ किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकों में।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्निम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विधा वक्त हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 3, जो विरल इमारत, उष्मा नगर, मित चौकी, मालाड (४०) बम्बई में स्थित है।

अनुसुची जैसा की ऋ०सं० अई 3/37 ईई/22203/85-86 फ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्स आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1986

मोहर

प्रकर वार्ष^क्ष की.. दस .. दश . -------

माचकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से अभीन स्ववा

नारत करकार

कार्यासय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंन-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1986 निदेश सं० अई-3/37-ईई/22664/85-86—अतः मुझे। ए० प्रसाद,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उन्त अधिनियम' सहा गया ही, की वाच 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम कारने का कारण है कि स्थावर सम्मित्, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.00,000/- रू. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 8 जो तल माला नालंदा नं० 1 एवरणाईन नगर के पास, प्लाट नं० 32-33 आफ मार्वे रोड मालाड (१०), बम्बई-64 में स्थित है (और इसने उलाबद्ध अनुक्षुची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुख के अधील, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रुजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूर्ये यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्विक्त अपित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण किया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण

- (क) वस्तरण वं हुई किसी बाब की वाबत, अक्त अधिनियम के बचीन कर बोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; मीप/का
- (वा) ऐसी किसी जाय या किसी अन या जन्य जास्तियों करो चिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर जिभिनयम, वा अव-कर जिभिनयम, वा अव-कर जिभिनयम, वा अव-कर जिभिनयम, वा अव-कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा वी सिए।

बतः अव, उक्त विभिन्नम की धारा 269-ग कै अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:— (1) श्री नारायणदास गियानचंद।

(अन्तरक्)

(2) श्रीमती राज्जना भारएर गाडगे।

(अन्तरिती)

को यह स्वला जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के क्षिए कार्यचाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेष ए----

- (क) इत स्थान के राष्यत्र में प्रकाशन की तारी दे ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इड सूच्या वे हाच्यम् में मुक्सस्य की तारीय दे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिनित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकारण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसके अधिनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जगृस्पी

दुहान नं 8, जो, तल माला, नालंदा नं 1, एवर-शाईन नगर के पास, प्लांट नं 32-33, आंफ मार्वे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुमुखी जैसा की ऋ०मं० अई-3/37-ईई/22664/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिल्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बाई

नारीख : 11-2-1986

प्रस्त बाहु" हो . एवं . एवं . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर जायकत (रिनरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/22824/85-86---अत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 102/डी, जो, ग्रंटलांटा, प्लांट नं० 38, व्हिलेज वालनाय, आंफ मार्वे रोड, मालाड (५०), भम्बई-64 में स्थिन है (भौर इसने उपाबद्ध अनुसुची में भौर पूर्ण का स विणित है), भौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जायोलय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान अतिफल के लिए अन्तरित की यहाँ हैं और मृझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापृजीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्निकिषित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण निक्षित में सास्तिक क्य से किषठ नहीं विश्वा नवा है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाम की मानत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वाक्तिय में कमी करने मा उच्छे बचने में सुनिशा के शिष्ट; बीड/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन था अस्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का का किया जाता बाहार का उन्हें किया विद्या

वत: वन, उन्त विधिनियम, की धारा 269-व की वमुक्तरण में , में , उन्त विधिनियम की धारा 269-व की वपभवा (1) क् मधीन, निम्मीनिक्ति व्यक्तिमों, वर्षात क्रिक्त

(1) श्रीमती निता ए इसरानी।

(अन्तरक)

(2) श्री सलिम आदम पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सुमना सारी करके प्रशंकत सम्परित के नर्मन के लिए कार्यचाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में ने लिसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितक्ष्म किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा नभोइस्ताक्षरी के शब्द सिस्ति में किए जा सकेंचे।

स्थव्यीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सहयों बीर पद्यों का, को ब्रह्म अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाबिक हैं, कहीं अर्थ होगा को उस बच्चाय में विका

धन्सूची

फ्लेट नं० 102/डी० जो, ग्रंटलांटा, प्लान्ट नं० 38, व्हिलेज वालनाय, आंफ मार्वे रोड, मालाड (५०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क०सं० अई-3/37-ईई/22824/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 11-2-1986

ಕ್ಷಾಕ್ರ್ಯದ ಪ್ರಯಾದದಲ್ಲಿ ಬರುವುದರ್ಭವಾಗಿ ಕ್ಷಾಕ್ಟ್ರಿಯ ಕ್ಷಾಕ್ಟ್ರಿಗಳ ಕ್ಷಾಕ್ಟ್ರಿಗಳ ಕ್ಷಾಕ್ಟ್ರಿಗಳ ಕ್ಷಾಕ್ಟ್ರಿಗಳ ಕ್ಷಾಕ್ಟ್ರಿಗಳ

प्रकल बाह्र', टी १२०, एस., -----

बाथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन बुखना

धारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 फरवरी 1986

निवेश सं० अई-3/37-ईई/22643ए/85-86—-अत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मूख्य

1,00,000/- रा से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं पलेट तं प्रांति, जो, तल माला, प्रथमपद को-आप हाउसिंग सोसायटी लिं , पदमा नगर, मालाड (पं), बस्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणा है), श्रीर जिस म करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ह,ख के अधीन, सम्बद्द स्थित सक्षम प्राधिकारी के शार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 1-7-1985

को प्रोंक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्व से कम को क्षवधान अति इस के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विकास इरने का कारण है कि रुभाष्यों क्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, असको द्वायमान प्रतिफल को एते द्वायमान प्रतिफल का उन्तरिक है और वह अन्तरिक (अंतरिक्यों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरिण को मिए तय शबा गया प्रतिफल, निम्मलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बायरे, क्ष बच अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अर्थ लिए; और/थः
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ ग अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा वे किया

कतः अतः उद्यक्त अधिनियमं की भारा 269-र औं सन्मयण में, मैं, उद्यक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधी। निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---- (1) पी०जै० भिनाम ।

(अन्धर्क)

(2) कथेजी फर्नान्डीस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष[े] कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के भवन के संबंध को कोई भी आखेर :---

- (क) इस स्थान के राष्पण में प्रकाशन की तारीय ते 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिसों पर स्थान की तासी? से 30 दिन की अविध, यो भी नविध वाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थानता में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ष के किसे का सकती।

रचम्बरीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वे का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

पलैट नं ० ए/२, जो, को माला, प्रथमपद को-ऑप० ब्राइसिंग सोसायटी कि० पदमा भगा, मालाड (५०), बम्बई-64 में स्थिक है।

अनुभुची जैसा की ऋ०सं० अई-3/37-ईई/22643-ए/ 85-86 र्ग्रांग जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 की रुनिस्टर्ड किया गया है।

> णु० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयहर आयुक्त (क्रिक्शण) अर्जन रेंज-३, बस्व**ई**

क्षारीखा: 11-2-1986

प्ररूप आही. टी. एन., एव., =====

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269(व) (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिना ं 11 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/22745/85-86——अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भाषकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार १८६९-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० दुनान नं० 1, जो, तल माला लिश्रो अपार्टमेंट, सीटीएस नं० 492 श्रीर 492/1, सुंदर गरुली, आफ मार्चे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुत्रों में श्रीर पूर्ण रूप ये विणित हैं,) श्रीर जितना करारतामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

क्षी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण केलिकत में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :----

- (क्ष) अन्तरभ्य स हुन्द्री क्षत्री आय की बाबत, जकत मृथिनियस् के अधीव कर बीमें के जन्तरक के सामिश्य भं क्षत्री करने मा उससे अभने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एस किसी बाब मा किसी धन वा सन्य लारिएओं को जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा और एए !

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स पुरु केरु बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) डॉ॰ भाद ए॰ म्रोझा (हि॰अ॰कु॰)। (जनारिती)

को यह सूचना जारी रू.स्केपूर्वोक्ट सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अयोध या तत्संस्वन्धी ध्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबिध, जो भी पत्रीय यद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सुमता के एजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्मक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निभात में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरण: ---- असमे प्रयुक्त शन्धों और पदों कर, श्रो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में विया ग्या हैं।

अनुसुची

दुकान नं० 1, जो, तल माला, लिश्रो अपार्टमेंट, सीटी एस नं० 492 श्रीर 492/1, सुंदर गल्ली, ऑफ मार्वे रोड, मालाड (प०), नम्बई-64 में स्थित है।

शनुसुची जैसा कि क०सं० अई-3/37-ईई/22745/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांचः 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रांदि सक्षम प्राधिकारी सहायात आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-३, बस्बई

नारीख : 11-2-1986

ध्कप बाद'्दी, एन् . एस . -----

बानकर व्यथितिकत, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के क्षीन शुक्रमा

भारत सरकार

कार्यात्तम, सहायक भागकद्व नागुक्त (निर्द्रीक्षक)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/22532/85-86—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परमात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार सृज्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 8, जो, वाले राम 3, उष्मा नगर के सामने, आंफ लिकीग रोड, मार्वे, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कु,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 1-7-1985

को प्रवेकित संपत्ति के उपनित बाजार मृत्य ते कम के स्थ्यमान प्रतिफल को लिए जंतरित की गई है और अन्ते वह विकास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एते स्थ्यमान प्रतिफल सा वन्त्रह प्रतिस्त से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्ति स्थापिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्ति स्थापिक स्थापिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बानत, उक्त अभिनियन भी वभीन कर देने के अन्तर्क को दरियल्य-में कभी करवें या उसने वचने में सुविधा के लिए; बॉट्र/या
- (व) एवी किसी बाद वा किसी धन या बन्य बास्तिनों को चिन्हों भारतीय बाय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता बिधिनियम का स्वकार अक्रीनिवर्क, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया बाना चाहिए था, कियाने से दिवश के विद्युः

अत: अब, उका अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् :── 52—16 GI/86 (1) अनीता इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री नितीनकुमार एच० मणियार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहिया सुक करता हुं।

स क्या सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाशीय ड---

- (क) इस सम्बन्ध के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध नास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेदित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) धच ब्या के राजपन में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबब्ध किसी अन्य स्थानित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के नार विश्वित में किए जा सकोगें।

स्थानीकारण: ----इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उनक्ष किंपिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में विया गया

अनुसूची

दुकान नं० 8, जो, बाले राम 3, उष्मा नगर के सामने, आंफ लिंकीग रोड, मार्वे मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसुची जैसा की ऋ०सं० अई-3/37-ईई/22532/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1986

प्रारूप बाईं.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनां हु 12 फरवरी 1986 निदेश सं० अई-3/37-ईई/22644/86-85—अतः मुझे,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) हिंबले इतवें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 209-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 303बी, जो, 3री मंजिल, निलगिरी अपार्टमेंट, बी-विंग, एस० वी० रोड, मिलाप के पास, मालाड, बम्बई-67 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप ने विंगा। है,) श्रौर जिसका करार-नामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

स्ते प्वींक्त संपरित के उणित वाजार मृत्य सं कान के स्वयान वितकने के लिए जन्तरित की गई हैं और गुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि वभाप्तित सम्परित का उणित वाजार क्षण, उसके स्वयान प्रतिफल से, एसे स्वयान प्रतिफल का पेइह शिवात से विश्वा है और अन्तरक (जन्तरकों) और अतिरती (जन्तरित्वों) के वीच एसे जन्तरण के सिए तय गाया स्या प्रतिक्क स्व निम्निसिंग उद्देश्य से उदस अन्तरण विविद्य में दास्तविक स्प से कीथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वाबस, डक्त बीधीनयम की अधीन कर दोने के बंतरक के दाबित्व में कमी करने या उत्तर बचने में स्विधा के लिए श्रीहा/वा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्ब आस्तियों को, विन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने भे ब्रिया के जिल्ह:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अवभारा (1) को अधीन जिल्लानित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) महार बिल्डर्स (इंडिया)

(अन्तरक)

(2) श्री आय०सी० डाक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करकी पूर्वीक्त सम्परित के वर्चन के निष् कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त रूपीस के वर्षन् के सम्बन्ध् में सोई भी बासीप:---

- (क) इस स्थान के अध्यम में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नवीं में भी नवीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में से किसी स्थानत ह्वारा;
- (क) इस ब्यान के एक्यन में इकावन की तारीक से 45 दिन के बीतर उसत स्थादर तम्यति में हित-बहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जधोहरताक्षरी के यास सिवित में किए वा हकोंने।

मनुसूची

फ्लेट नं० 303बी, जो, 3री मंजिल, निलगिरी अपार्टमेंट बी-विंग, एम० बी० रोड, मिलाप के पास, मालाड, बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क॰सं॰ अई-3/37-ईई/22644/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 12-2-1986

प्रकल मार्च छ डो । पुन् । प्रक_त त - -- ० ०

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

शास्त्र धरकार

कार्यासय, सहायक जायकर नायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1986

निर्वेण सं० म**ई-**3/37**-ईई**/22182/85-86----म्नत: मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 11, जो उरी मंजिल, भुलेक्षर अपार्टमेंट, बंदर रोड, चिचोली, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारतामा श्रायकर श्रविनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित नाचार मृत्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह निवनास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्मिति का उचित नाचार मृत्य, उसके स्यमान प्रतिफल से, एसे स्वमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरोक्षों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के सिए एव पावा नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबब, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/बा
- (स) एसी किसी आथ या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिक्;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धात क्ष---

र्श्वामर्ताः जाह्या देवसः शंखंडा शेखः।

(अन्तरक)

2. श्री गेख खाजा सेहा और छन्य।

(यन अस्ति।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अवंग के सम्बन्ध में कोड़ी भी आक्राय :---

- (क) इस सृष्यना के राजपण में प्रकाशन की सारीच से 45 फिन की अशोध या दलांचेशी व्यक्तियों पर सृष्यना की काशील से 30 फिन की अशाध, जो भी अवधि बाद में सभापत होती हो, के भीतर पूर्वकित स्वक्तियों में से कियी स्थित दवारा,
- (क) इस सूचना के राजणक में अकाकश की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भित्त में हितबक्ष किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्थिक्षित में कि एए स्थान

भ्रन्भूषा

फ्लेट नं । ।, जो, उर्रामंतिल, भूलेश्वर धर्षार्टमेंट, बंदर रो , चिचोली, मालाड (प), प्रम्पई-64 में स्थित है।

श्रनुसूर्वी जैयाकि ऋ० मं० धर्ष-3/37-ईई/22182/85-36 आर जो पजन गाजिलांगे अम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सञ्जय प्राधिकारी सङ्ग्रक शाक्कर शाक्षक (निरीक्षण) शजीत रोज-3, वस्बई

दिनांक। 12-2-1986 मोहर: प्रकार कार्ड , दी, एन , एक कुल्लानकार

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 268-प (1) के प्रधीत सूचवा

नारत सरकार

कार्याजय, उद्दायक नायकर बायुक्त (निद्धासन)

श्रर्जन रेंज-3, बस्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/21977/85-86—-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्त निभिन्नम' कहा गया है), की चाक 269-क के नभीन सकाम प्राधिकारी की, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित वाजार भूका 1,00,000/- रा. ते अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 54, लिबर्टी गार्डन रोड नं० 2, साई धाम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इसस उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप ते विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के इस्ममन प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारन है कि युवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजर भून्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे इस्ममान प्रतिकाल का पन्नह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए एस पामा गमा प्रतिकास निम्नीनिक्त उद्वेदम से उन्त अंतरण ब्रिक्त की बाइत्विक कप से स्थित नहीं किया गया है है—

- (मा) संस्करण वं हुई जिल्ली नाथ की नायत उपक स्वीतिक दिश्य के ब्योज कर दोने के अन्तरक के सामित्क के क्रमी आहेंने वा बातके नमने में सुनिधा में विष्कृ स्वीक्ष्या
- (वं) एंडी किसी नाव वा किसी वन वा क्या कारितवीं को जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अभिनियम, या वर् कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना आहिए वा, क्रियाने में सुद्रिया में किहा;

वर्षः भव उक्त विभिन्यमं की भारा 269-न के अन्यस्य वी, भी, सक्त वीभीनक्त की भारा 269-व की उपभारा (1) वे क्ष्मीन, निस्तिविक व्यक्तिकों, क्ष्मीत है—— 1. श्रीमती कांताबेन एच० शहा।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमिलाबेन एम० डोशी और अन्य। (अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी कार्क पूर्वोक्त सन्धरित से अर्थन से (क्रिय कार्यनाहियां करता हूं है)

अन्य वंपरित में नुर्वय के संबंध में कोई श्री बाकोप बल

- (क) क्षय त्यमा के त्यमपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 किन की मन्भि या तत्स्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की दानील से 30 दिन की बन्धि, जो भी मध्यि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्षित्रयों में से किसी व्यक्ति वृक्षायः;
- हैंकों इस ब्राचन में प्रकार की तारीक कें 45 दिन कें भीतर जनत स्थानर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य स्थानत द्यारा, अधोहस्ताक्षरी कें साथ किवित में किस वा ककेंगे।

स्थम्बीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्धों नौर पदों का, जो उक्त नीध-विसन के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं नर्थ होगा, नो उत्त नध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

प्लॉट नं० 54, जो, लिबर्टी गार्डन रोड नं० 2, साई धाम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क्ष० सं० श्रई-3/37-ईई/21977/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांस: 12-2-1986

प्रकृष् बाइं.टी. एन . एस . -----

त्रायकतु विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भादा 269-म (1) के वभीन स्वतः

भारत सरकार

कार्याजय, सङ्गायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/21933/85-86----श्रत: मुझे, ए० प्रसाद

कागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 7, जो, 3री मंजिल, क्रमृत इमारत साईवाबा पार्क, मित चंकी, मालाड (प), वम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपायड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारतामा आधवार श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1 जुलाई, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मून्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मून्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिधात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितधाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल पिम्नलिवित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिवित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हैं—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की शावल उक्त किया पियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के शाबित्य में कभी करने या उक्क वचने में सुविधा के सिए; करिया
- (स) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपले में सुविधा के लिए:

अतः अधः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्तरण में, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-जं की उपधारा (1) अधीलः, निम्नलिखितः व्यक्तियों, अधीलः इ— 1. मेसर्स कान्टीनेन्टल कार्पोरेशन।

(श्रन्तरक)

2. श्री प्रमोद स्नार० राजपूरा और अन्य।

(भ्रन्तरिता)

बीं वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्द सम्पत्ति को अर्थन की सम्बन्ध में कोई भी भारतेय 🚈

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अनिधि, जो भी अवाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यों करायों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) 4स स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ज़ित- क्यं किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्वक्द्रीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उद्ध अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वही कर्य क्रोगा, जो उस अध्यास में विका पता हैं।

वन्त्वी

फ्लेंट नं० ७, जो, उरी मंजिल, श्रमृत इमारत, साई बाबा पाक, मित चौकी मालाङ (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुभूचा जोंसा का ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/21933/85-86 और जो पत्तन प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सहायक श्रायकर श्रायकत (ग्नरीक्षण) सक्षम प्राधिकारी श्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-2-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर जीधीनयज्ञ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ज (1) को अधीन सूचका

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक जायकर व्ययक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देग स० प्रई-3/37-ईई/22281/85-86---प्रत: मुझे, ए० प्रसाद

कायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (किसे इस्तरी प्रतन्ते परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के वधीन प्रकान प्राधिकारी को यह विश्वास कहने का आहम हैं कि स्थानर सम्पत्ति विश्वका उचित् भाषार अन्वय 1,00,000/- कः से बाधिक हैं

और जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेस नं० 331, जो, 3री मंजिल, नटराज मार्केट, एस० वी० रोड, मालाष्ठ (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण कर से विणा है)/और जिसका करारतामा, आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित साजार मृत्य हो कम को स्वकान अधिकत को सिए जन्तरित की गई है और मृत्ये यह विक्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोंकत सम्मित का अधित साजार मृत्य उसको स्वयमान प्रतिकत सो एसे स्वयमान प्रतिकत का पंचाइ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तम पामा गमां प्रतिकत, निम्नितिचित उद्देशमां से उक्त अन्तरण सिचित में अस्तिकत, निम्नितिचित उद्देशमां से उक्त अन्तरण सिचित में अस्तिकत कर से किथत नहीं किया गमा है धू

- (क) अन्तरभ से हुन्द किया नाम् की नाम्बन्न क्या निम्नियम् में सभीन कर दोने में म्लाह्य में राजित्स में कमी कर्षणे ना क्याचे बज्ज्ये में सुविधा में सिए; सहिश्या
- (व) एनी किसी बास वा किसी धन वा बन्स वारिस्त्वों को, जिन्ही भारतीय आय-कर विधिनवस्, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनवस्, वा धनकर विधिनवस्, वा धनकर विधिनवस्, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औं सिए;

ः अस्त श्रेष्ठ । अन्त निर्मानयम की धारा 269-ग नौ नगुसरण धर्म, में, उक्त निर्मानयम की धारा 269-व की उपधारा (1) उस् अधीय, निरमसिवित व्यक्तियों स्थानि स्— 1. मेसर्स एच० जे० पटेल एण्ड कंपनी।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स एन० जे० पटेल एण्ड कंपनी।

(अस्तरिती)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सपरित को जुर्जन को तिस् कार्यवाहियां चुच करता हुई।

उक्त तल्लित से वर्षन के तल्लाभ में कोई नासेप हिल्ला

- (क) इस स्वाम के एकपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विक की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (क) इस सूचना के साजपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

ममुस्ची

कार्योलय प्रिमायमेंस नं० 331, जो 3री मंजिल, नदराज मार्केट, एस० वी० रोड, मालाड (प०). बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० ग्राई 3/37-ईई/22281/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, बम्बई

विनोक: 10-2-1986

मोहर्ः

मचन बार् त हो । एक स्वत्रान्त्रकारणस्थान

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वे बभीन व्यका

RESIDENCE OF STREET

कार्यांसय, सहायक बायकर बायुक्त (विर्योक्षक)

श्रर्जन रेंज-3, वस्वर्ध वस्बद्ध, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देण सं० श्रई-3/37-ईई/22706-ए/85-86---- अत: मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परकात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन मुक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० फ्लेट नं० डो-10, जो, 1लो मंजिल, इग्रवर नगर को-श्राप० हाउसिंग सोसायटां लि०, एल० बी० एस० मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित हैं (और इससे पाबषद्ध श्रमुसूचो में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रों हैं. तारीख 1 जुलाई, 1985

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की मानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

बत्त जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग **की बन्तरण** में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चे कभीत. दिस्मसिचित व्यक्तियों, अ**च्यंत ड**— 1. श्रीमती ओ० जी० फर्नान्डीस।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० श्रार० कटयाल।

(भन्तरितो)

भी वह स्थना बाड़ी अड़के पृक्षित कर्मात के वर्षन के तिक कार्यवाहियां करता हो।

उन्त प्रमृतित् में वर्षन के सम्बन्ध में कोई' भी नाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में किंत बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के सभ्याय 23-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

क्षक्री

फ्लेट नं डी०-10 जो 1ली मंजिल ईश्वर नगर को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० एल० बी० एस० मार्ग भांडुप, वम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क्र॰ सं॰ शई-3/37-ईई/22706ए/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-३, **ब**म्ब**ई**

दिनांक: 5-2-1986

CAL MATERIAL AND

प्रकृत नाही, जी ,हुस ,हुस , ------

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269 म (1) में अभीन सूचना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आवक्तर अपकृतत (निरक्षिक) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 6 फरचरी, 1986

निर्देण सं० भई-3 $_{l}$ 37-ईई $_{l}$ 22365 $_{l}$ 85-86----भत : मुक्षे ए० प्रनाद

आधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्मात् 'उनत निश्चनियम' कहा भया हैं), की भारा 269-स से अधीन समान प्राधिकारों के वह कियान करने का आरण है कि स्थावर सम्मरित, विश्वाका स्थित प्राथार जुन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्रुनिट नं 8, जो, 1ली मंजिल, मेघल सर्वीस इंडस्ट्रियल इस्टेट, देवीदयाल रोड, मुलूड (प०), बम्बई-80 में स्थित है (और इसके उपायद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है)और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 को धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्ट्रों है तारोख 1 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के ज्ञायमान प्रतिफल के लिए अंबरित की नई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि अधाप्नॉक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्वायमान प्रतिफल से, एसे द्वायमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशति से अधिक है और अंतरक बंतरकों; जौर बंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंबरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में सुविधा के लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, म^{र्ग}, उक्त अधिनियम की भारा 269-च उपधारा (1) अवधीय निम्नसि**वित व्यक्तिवाँ**। **वर्धा**र क्रम्म 1. मेसर्स हरेन लेबल्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुलोचना बी० शेट्टी।

(भ्रन्तरिती)

को सुद्द सुचना जारी करके पृथाँक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, करता हुं:

जनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तिसों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर. वृजींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वापा;
- (व) इत त्यनाः से रामएन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन से भीतर उत्तर स्थावर सम्परित में हित-सपुथ कियी जन्म व्यक्ति त्वारा अधोहस्ताक्षरी के शक्ष निविक्त में किए वा सकति।

स्वक्रिकरणः — इतमें प्रमुक्त शस्ते और वर्षे का, जो सक्त अधिमनन से बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होना श्री संस् स्थाय में शिक्ष श्री हैं।

संग्रह्म

युनिट नं० 8, जो, 1ली मंजिल, मेघल सर्वीस इंडस्ट्रियल इस्टेट, देवीदयाल रांड, मुलूड (प), बम्बई-80 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/22365/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रापंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रज-3, वस्बई

दिनांक: 6-2-1986

मोहरः

प्रकृष क्ष्माः टी. एन. एस.,------

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वर्धीन संवधा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्तण)

श्चर्जन रेज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 6 फानरी, 1986

िर्देश संव ग्रई-3/37-ईई/22029/85-86---श्रव : मझे ए० प्रसाद

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण 🚜 कि स्थावर मंगीता. जिसका उचित बाजार भस्य 1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सं० औद्योगिक युनिट 72, जो, 1ली मंजिल, राजा इंडस्ट्रियल इम्लट, मलड (प), बम्बर्ड-80 में स्थित है (और इसने उपायद अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारतामा श्रायकर श्रधितियम 1961 की धारा 269ए, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान पतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकास से शिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिंबित उद्देश से उक्त अंतरण लिकिन में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है ट---

- (क) भंतरण से हुड़ी किसी आग की बाबत, उक्त क्षीपनियम के बधीन कर दोने के यन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सविधा ॐ लिए: खरि∕या
- (स) ऐसी किसी जाय का किसी भन 😂 शास्त्र आस्पिएएं का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिवियम, 1992 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या अज-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहरी किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा क्रे के लग

अत: बब,, उक्त **अधिनियम की भारा 269-ग की बन्तरज** में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) दे कभीत टिका^सल**कित स्वक्तियों, संशक्ति:**— ⁵3—16 GI /86

1. मेसर्स राजा बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स टेक्नो-मेख इंटरप्रायजेस।

(श्रम्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पृत्रों क्ल सम्परित के वर्जन के सिक् कार्यधाहियां शरू करता है।

जनत सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मैं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यविश्वयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्र) इ.स. सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का जो उक्त . अधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

श्रनुसूची

अं। द्यो। गिक युनिट नं० 72, जो, 1ली मंजिल, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मुलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसाकि क_े सं० श्रई-3/3*7-*ईई/22029/8**5-**86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिम्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3-, बम्बई

दिनांक। 6-2-1986 मोहर।

प्रकार बार्र दो. **ए**न . **ए**स . :--------------

बायकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269--म (1) की अधीन नृष्टना भारत सरकार

कार्यातरः, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरचरी, 1986

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/22520/85-86---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकार भौधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके व्यक्षात 'ट्वत अधिनियमं कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सभाम प्राधिकारी की, वह विश्वान कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिस्सात उचित वासार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेंट नं० 12, जो, 2रो मंजिल, महाबीर गिखर, इमारत नं० बी/6, शाग्रा रोड, मुलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित हैं (और इसने उपाइड अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं),और जिसका क्यान्यमा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1 जुलाई, 1985

्रे पुर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाशार मृत्य से क्षम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उचकी क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का भूक्य, प्रतिस्त से अधिक है सीर कन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एरे अन्तरक के सिए कप विकास गर्मा प्रतिपक्ष मिन्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त कन्तरण जिकित में बारमध्य क्ष्य से किंश्य जहीं किया सवा है —

- (क) बनसरण से प्रुट्ध किसी बाम की बाबत उच्छा शीक्ष-दिवसम् को बचीन कर बोने को अन्तरक के कामिशन में कनी करने ना कसके बचने में बुनिया को किए; बाँद/या
- (क) वृत्ती किसी बाल वा किसी धन वा अस्य आस्तियाँ को, जिन्हीं बाइसीय वामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स विभिन्नम् या धन कार अधिनेत्रमा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्पिरीयी कृतारा प्रकट वहीं किया पना वा वा किया, जाना जाहिए था स्थितने में साविधा ल विका

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण अते, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) अक्षेत्रभीन, निक्तिविक्त व्यक्तिको, कर्णत कर्

- 1. मेसर्स दांमजी जामजी शहा फिमली दुस्ट। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमतो रेश्मा झेंडू खान।

(ध्रन्तरितं))

सी सह क्षाना कारी करके प्रतिकत सम्मरित को अर्थन के जिल् कर्मकाड़ियां करता होंद्रे।

उपन राज्यस्य के अर्थन के सम्बन्ध में आंधे भी आक्षेप .--

- (क) इस स्थान के राज्यम में क्रमायन की तारीश वे 45 दिन की अविभ ना ताराज्यन्थी व्यक्तियों पर स्थान की तारीश के 30 दिन की वयि।, को भी वयि। नाम में समाप्त होती हो, के बीएस वृष्टेंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाहः;
- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उनके स्थावर सम्परित में दिनवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वार व अमेहस्तावरों के पास विविद्य में किस्य या वर्षों ।

श्याक्ष्यीकरणः — इसमे प्रवृक्त कथाँ बीर वर्षा का, जी क्षाः वीजीनवस्य में बभ्याय 20-क में परिभाषित ही, बही वर्ष होता, जी उस अभ्याय में विकी? नवा ही।

ग्रन्सूची

पलेट नं० 12, जो, 2री मंजिल, महावोर शिखर, इमारत नं० बी/ δ , श्रागरा रोड , मुलुंड (प), दम्बई-30 में स्थित है।

श्रनुसूची जसाकी ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/22520/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राथकर श्रायुक्त (गिरीक्षण) श्रजेन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 6-2-1986

प्रकम बाद् . ट्री. एन . एस--------

माथकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बर्ष, दिनांक 6 फरप्ररी 1986

निर्वेश सं ० भई-3/37-ईई/22593,85-86 --श्रन: मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ब्लाइ नं० 1 जो तल माला साधा जी। वी० क्किम रोड नं० 2 मुलुंड(प) बम्बई-81 में स्थित हैं (और इसरी उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका कराएतामा श्राधकर श्रीधन्दिम 1961 की धारा 269 के खें के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्रा है हाराखा 1 जुनाई 1985

कर पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास हंकरने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीचित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ्ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्तः अस्तियां को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिष् था, विष्पाने में सुविधा के सिकः

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्रत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तित्यों, अर्थीत् :—

1. श्राः प्रभाकतः एक्ट्यू० मालेशाचा

(ग्रन्तरका)

2. शीमती ललिता बेर्ग पी० हरीया।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथा क्ता सम्पत्ति के अर्जन के थिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ना सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमा अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक्ष नं । जो तल माला साधना जी० बी० स्विम रोड नं 2 मुलुंड (प) बम्बई-81 में स्थित है।

भ्रतुभूची जैसाि कि में कहीं-3/37-ईई/22593/85-36 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-3 बम्बई

दिनांक: 6-2-1986

प्रकृष् मार्चं .टी . एन . एस . -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-3, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 6 फरवरों 1986

निर्देश सं० श्र**६**-3/37-ईई/22490/35-86- श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

काशकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के कथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संव्यानिट न ० 57 जो तल याला णांती, इंडिर-

और जिसको स० युनिट न० 57 जो तल याला जाता, इहार-दूयल इस्टेट, सरोजिना नायडू रोड, मुलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणिति है),और जिसका करारनामा धायकर प्रधित्यम 1961 की धारा 269क, खा के अधीन, बम्बई विया लक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारोख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संगीत का उचित प्राजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रुयमान प्रतिफल से, एसे ध्रुयमान प्रतिफल से, एसे ध्रुयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ध्रुविषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: बज, उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलसक काव्यामां, अर्थात :----

1. मोसर्स सोनल कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री णिरोश भिकालाल यहा और श्रन्थ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूच्य करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, भो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रन्म्ची

युनिट नं ० 57, जो तल माला, शांतो इंडस्ट्रियल इस्टेट, सरोजिनी नायडू रोड, मुलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि के सं ० अई-3/37-ईई/2490,85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक: 6-2-1986

प्ररूप बार्ड . टी. एन. एक व्यापन-

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत वर्गार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरचरी, 1986

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई/22409/85-86---म्ब्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० बी-38, जो महेश कुपा, प्लाट नं० 1085, देव हंस को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, देविदयाल रोड, मुलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं)और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राहिबारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल आप पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कारिय नहीं किया गया है हिन्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी नाय वा किसी भन वा नन्य आस्तियां को खिन्ही आरसीय नायकर निमिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, 1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या प्रकृष्ट निष्या (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति हिन्या प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिमाने में सुविधा के लिख्नी

जता जब जबता कि प्रिंतियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती विमला जे० गुरूनानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० वो० परमस्वरन नायर।

(श्रन्तरिती-)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्लाक्षरी के पास विविध्य में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्योकरण :--इसमें प्रयोकत भव्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह[‡]।

नम्बद्धी

फ्लेट नं० बी-38, जो महेश क्रुपा, प्लाट नं० 1085, देव हंस को-म्राप० हाउसिंग सोसायटो लि०, देविदयाल क्रास रोड, मुल्ंड(प), बम्बई-80 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसाको क० सं० श्रई-3/37-ईई/22409/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रोंज-3, बम्बई

दिनांक: 6-2-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 5 फर्चरों, 1986

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/22058/85-86--- मतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'जवत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका जिलते बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव गाला नंव 42, जो, ओंकार इंडिस्ट्रियल इस्टेट, लांजूर मार्ग (प), बम्बई-78 में स्थित हैं (और इससे उपाबब अनुसूचों में और पूर्ण रूप से बणित है),और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269म, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारांख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालांसत उद्देश्य से उचित अन्तरण निविद्यत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से सुद्ध किसी आय की बाबत, उपका अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- () ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बगः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण पै, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1)

🗓 वःगीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 —

1. श्रीमता एस० एम० चंदन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री अर्जुन लाल एफ० चौधरी।

(श्रन्तरिती)

ं.. यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को शर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की गारान न 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित ही, वहीं कथीं होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

अनुसूची

गाला नं ० 42, जो, ऑकार इंडस्ट्रियल इस्टेट, कॉजूर मार्ग (प), बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई-3/37-ईई/22058/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद ूसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-2-1986

ार्ष्य आर्ष्_ष वीत्र स्थान स्वयुक्तनात्रकारमञ्ज्य

बायक्त अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बभीग क्ष्मना

भारत स्टब्स्ड

कार्यानय, सहायक मायकार वायवस (विराधान)

श्रर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई: दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देण सं० श्रई-3/37-ईई/22088/85-86---श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

बावकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विदे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० युक्ति नं० 7 जो तल माला कच इंडि ट्रथल इस्टेट (गोविंद उद्योग भवन) बालराजेश्वर रो मुलूड (५०) बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से पणित हैं) और जिसका करारकामा आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री हैं। तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (का) अम्तरण से हुन्दूरं किसी आय की कावत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे सम्पने में सुविका के लिए; भौड़/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नता नव, उनत सीधनियम काँ धारा 269-म की जनसरम में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखिस स्थितयों, अर्थात् :-- 1. श्री मोहसित गुलामहुसेन बच्चू श्रली।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स इंडो सायगन एजन्सी।

(अन्तरिर्ता)

का वह सूचना भारी करके पृथानित संपत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां कारता हों।

वन्त वन्यरित के नर्वत्र के सम्बन्ध में कोई' भी नासेप्र--

- (क) इस त्या के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 फिन की स्वाधित का स्टब्स्टरची व्यक्तियों पर स्वाध की तासीस से 30 दिन की स्वधित, जो भी बंदिंध कर में समाप्त होती ही, के मीटर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (व) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के नीचर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध क्रिसी अन्य अमिन वृद्धारा अभोहस्ताकारी की पास कि विद्या क्षा सकों गे।

स्पच्छीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

युनिट नं० 7, जो, तल माला, कच इंडस्ट्रियल इस्टेट (गोबिंद उद्योग भवन), बाल राजेम्बर रोड, मुलूड (प), बम्बई में स्थित है।

शनुसूची जिसाकी कि० तं० प्रई-3/37-ईई/22033/85-86 और जो सक्षम पाधिशारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) "जिन रज-3, बम्बई

दिनांक: 5-2-1986

प्रचलम् बाह्री दी एन एस 🕝 -

बाधकर विधितियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फल्बरी, 1986

िर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/22165/85-86---श्रतः मक्षे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और ।जसकी सं० फ्लेट नं० डी/16, जो 4थी मंजिल, ईण्डण नगर, एल० बी० एम० मार्ग, भांडूप बम्बई-78 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में और पूर्ण रूप ने विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनिधम 1961 की धारा 269 के, ख के अवीत, तम्बई स्थित सक्षण प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्द्री हैं, तारीख 1 जुलाई 1985

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्धरण से धूर्य फिसी बाय की बावत, उक्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के बन्सरक के दायित्व मा कमी करने या उससे प्रचान मा भीतावा भीतिए; बार/या
- (च) ऐस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर प्राधीनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) वे प्रयोजकार्य अधिनियम, विद्यार केट अधि विद्या गर्क था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविद्या के लिए;

अतः अग, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के कन्सरक में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती कें सी सल्जा।

(अन्तरक)

2. श्रामती ललिया रघुनाथ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों से में किसी स्थिति वृवारा;
- ्रसं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबस स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध । शक्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निश्चित भी स्थिए ना सकरी।

स्पष्टिः करणः --- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, आ उस अध्याय रू विया गया है।

अनुसूची

भलेट नं० डी/16 जो, 4थीं मंजिल, ईंग्वर नगर, एल० बी० एस० सार्ग, सांच्य, वस्बई-78 में स्थित है।

शतुमुची जैसाकी कि० मे० श्रई-3/37-ईई/221.65/85-86 और जो सदाम पाधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया हैं।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3, बम्बई

दिनोक: 10-2-199

क्षण वार्षः ही. यम्. एतं . AMETERATER

1. श्री के० एस० एन० मूर्थी।

(शन्तरक)

2. श्रीओ०जे० लारेन्स।

(श्रन्त्ररिती)

बायक्षर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवदा

मारव बडकार

कार्यातय, सहावक आयकर जायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरचरी 1986

निर्देण सं० प्रई-3/37-ईई/22151/85-86—प्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

नावकार अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम', कक्ष्म गथा है, की भारा 269-थ के सभीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यात करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धिः, जिसका उच्चित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी संब्ह्नाट नंव 21-ए, जो, मिनीलेन्ड, टेंक रोड भांडूप, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूत्रों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई 1985

का पूर्वोक्त कम्पूति के डांचब बाबार बूक्य से कम के द्रम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रम्यमान प्रतिफल से, एसे द्रम्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्श के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्निकिचित उद्वोच ने उच्च अन्तरण कि विश्व में वास्तरिक कम के किश्त अहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से धुइ किसी बाय की बाबत उक्त विध-नियंश के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व, में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को निए; बार/वा
- (ख) धरेती किसी बाय या किसी धन या अध्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्याजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकाट नहीं किए। गया था या किया थाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति की वर्षन की तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ().

उपत सम्पत्ति को नर्पन की सम्बन्ध में कांद्र भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिव की अवधि, को भी
 नवीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसा स्पन्ति द्वारा;
- (व) इस सूजना को राज्यत्र में प्रकाशन को सासीय थे. 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दिन-वह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेद्धस्ताकरी छे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरण : — इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होता े उस क्ष्माय में दिका गया है।

अनृत्यी

प्लाट नं० 21-ए०, जो, मिनीलैन्ड, टेंक रोड भांडूप, बम्बई में स्थित है।

धनुमूची जैसा की ऋ० सं० धई-3/37-ईई/22151/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-7 1985 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सङ्ग्रिक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, वस्व**ई**

दिनांक: 10-2-1986

मोहर 🖫

क्ष्म बाहुन्ति हो । सुन् । सुन् हन्यवस्था

बायक्ड वीधीनयम, 1961 (1961 व्या 43) की बाह्य 269-व (1) के ब्योन बुचना

तारत परकार

कार्यालय, सहायक जायक ह जायकत (निहासक) धर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरचरी 1986

निर्देण सं० ग्रई-3/37-ईई/22816/85-86—-णतः मुझे, ए० प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंच्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए/19 जो, 4र्था मंजिल, रिष-राज, नवधर रोड, मुलूंड (पू), बम्बई-81 में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध प्रनुस्वी में और पूर्ण रूप में विणित हैं),और जिसाम करारनामा आपकर प्रधिनिधम 1961 की धारा 269 के, खे के अर्थान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट हैं नारीख 1 जुलाई, 1985

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पंचा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय अग्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कर जर. उक्त अधिनियम की भारा २६०-ग के. अन्यका मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन,, निक्तिल्लिक काक्तियाँ, अधीत :--- 1. श्रीमती इंदूमती ए० पवार।

(ग्रन्तरकः)

2. श्रीमती दया के० गावंड।

(भन्तरितं)

बोर बाइ सुभाग सार्थी करूके पूर्वोक्त सम्पृतित के वर्षन के निए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त बुव्यृत्ति भी बर्चन् भी सम्बन्ध् में कीएं भी बाक्षेप् ध---

- (क) इस स्वनाक राजपत्र के प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिल-वर्भ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के वास जिल्हित के किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसुची

फ्लेंट नं॰ ए/19, जो, 4थों मंजिल, रविराज, स्वबर रोड, मुनूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

धनुसूची जैसाको क० सं० श्रई-3/37-ईई/22816/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्त्रई हारा दिलांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ट विधा गथा है।

> ण० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्युक्त रोज-3, बम्बई

दनांका : 6-2-1986

मक्त बाहु है है । प्रस्त प्रस्तान

भाषकर निधिनियम । 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुधना

HIZO GARRIE

कार्यानयः सहायकं नायकर नायुक्त (निराक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई,दिनाँक 6 फरवरी 1986

निर्वेण सं० अई---2/37-ईई/22771/85-86ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मृल्य 1,00,000/- रुपये हैं विध्वास करने हैं

स्रोर जिसकी सं० डोर सं० दुकान नं 6, जो तल माला, श्री नाथ अन्तर्टमेंटस् 2 एल टी एक्सटोंणन रोड मूलंड (पू०) बम्बई में न्थित है (स्रोर इसने उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण चप से विणित है), स्रांट जिल्ला करारनासा स्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 के,खे के स्रधीन, बम्बई स्थित समक्ष प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह गित्रात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्टिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (था) एसी किसी नाय या सिल्सी धन या अन्य नारितयी का जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपान में सुविधा के निष्धा

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्र व्यक्तियों अधीत :---- 1. मेसर्स निखिल कन्स्ट्रकशन कंम्पनी

(भ्रन्तरक)

2. श्री जे० सी० ठाकर ग्रौर अन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यशिहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भेरे अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्तर व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति वृकारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरें।

स्पर्ध्वीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, खोउक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्धहोगा को उस अध्याय में दिशा गया हैं।

नपृक्षवी

दुकान नै० ६, जो, तल माला, श्रोनाय श्रशहंमेंट्म् 2, एल०टी० एक्सटेंशन रोड, मुलूंड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋश्मंश यई-3/37-ईई/22731/85-86 सौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँछ 1-7-1985 को रिजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रनाद गक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षीण) स्रजन रंग-3, बस्बई

तारीख : 6-2-1986

क्षण नार्ष् दी <u>. १५ . १५ . ०००</u>-----

नायकुर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) ने अभीन स्भान

भारत स्रकाह

कार्यातव, सहायक जायकार जायूनत (निर्धाण)

म्प्रजन रेंज-3 बम्बर्ड

बिम्बई दिनाँक 6 फरवरी 1986

निष्ण सं० ग्रई-3/37-ईई/22591/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वत करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० ब्लाँक नं० 4, जो, 1ली मंजिल, साधना, जी०वि० स्किम रोड नं० 2, मुलूड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (स्रोर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में सौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क.ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे र स्मान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से मुभक है बीड बन्तर्क (अन्तर्कों), बीड अंत्रिती (अंत्रिरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया नमा प्रतिफल निम्नितिषय उद्देश्य से उन्त अंतरण विचित्त में मुख्ति कह समान प्रतिफल नहीं किया नमा है कि

- कि) बंदहण संहुद किती वाय भी बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसा बचने से सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी भाग या किसी भन या कम्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर तिभानयम, 1922 (1922 का 11) था उक्त विभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा ! कट नहीं किया गण था या किया जाना चाहि। भा, स्थिपाने में स्थिमा के किया

काक्ष अब उक्त विभिन्नम की भार १६३-ग के अनुसरण हो, हो, अक्त विभिन्नम की भारा 269-र की उपधारा [1] हो स्थीन, किल्ला व्यक्तिस्यों, अभित् :---

- (1) श्री प्रभाकर ७ ज्ल्यू० भालेराव श्रौर श्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रेमचंद एल० हरीया। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना वार्ी काहके पूर्वीक्त संपरित के वर्षन की सिध् कार्यवाहियां शुरू करता हां।

जबस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासी का से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की लाड़ीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, व्योहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए का सकते।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों नाँद पदों का, जो उक्तः जीजनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ द्वीमा को जस अध्याय में विया भया है।

ग्रनुसूची

ब्लॉब नं० 4, जो, 1ली मंजिल, साधना जी०वि० स्किम रोड नं० 2, मुलुड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है। श्रनुसूत्री जैसा की ऋ०सं० ग्रई-3/37ईई/22591/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भाषकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

तारी**ख**: 6-2-1986

प्रकथ वार्ड <u>.टी.पुन.पुन.</u> हानावास्त्रकण्डाः जायकर् अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) भारा 269-व (1) के वर्धीन सूत्रका

भारत बहुकार्

कार्याखय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 6 फरवरी 1986

निर्देण सं० ग्रई-3/37-ईई/22389/85-86---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंदी एसमें इसके पश्चाक् 'उक्त अधिनियम' कहा वया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो, तल माला, श्रीनाथ ग्रपार्टमेंट्स्-2, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 260 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के इत्यकान प्रतिफल को निए जंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास अपने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूप्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के सन्द्रह प्रतिशत से विभिक्ष है और बन्तरक (बन्दरकों) और अंतिरिती (बंतिरितियों) के बीच एसे बन्दरक के सिए तम पामा बमा प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित् में बास्टिबक कम से कांचत नहीं किया नवा है ट—

- (क) जन्तरम् चे हुइ किसी बाय की वायतः, उपत मीधीनयम के अभीन कर दोने में अन्तरक चें दादित्व में कमी करने वा उत्तते वचने में शृतिभा के शिर्; जीड/वा
- (च) एंसी किसी आय वा किसी भग या जन्य जास्तियाँ की हैंचन्हुं भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

नतः वयः, उक्त निधीनयम की धारा 269-न के नमृतरण मों, भीं, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तिसयों, अर्थात् :—- (1) मैसर्स निखिल कन्स्ट्रवणन कंपनी।

(भ्रन्तरक)

(2) डाँ० निमिश एच० शहा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूजींकत सम्पत्ति के नर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

प्रवच सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र हम्म

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकादन की तारीच व 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनभि बाद में सम्प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अकोहस्ताक्षरी के पास निमान में न्किए जा सकोंगे।

स्पन्न किरण: — इसमें प्रयुक्त सम्बाँ बीड पर्वो का, को उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही वर्थ होता को उस अध्याय में दिशा पत्रा हैं.॥

गर्गम्

बुकान नं० 2, जो, तल माला, श्रीताथ श्रपार्टमेंट्स्-2, मुलुंड (एवं), बम्बई-81 में स्थित है।

श्रनुम्ची जैसा की किंसं० ग्रई-3/37-ईई/ :2389/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा िनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्ष्म प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंत-३, बम्ब**ई**

तारीख : 6-2-1986

प्रारूप आइं ्टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातम, सङ्घायक बायकर आवृत्रत (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 5 फरवरी 1986

निवेश सं० श्रई-3/37-ईई/228441/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 102, जो, 1ली मंजिल, बी-विंग, स्वप्न बीप इमारत, भ्रांफ बालराजेश्वर रोड, मुलूंड (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) ग्रीर जिसका करारनामा, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्विका सम्पत्ति के उणित बाजार मून्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्कमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोद्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की वानका बनत अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक को दावित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधाः के सिद्धः और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन था अन्य जास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पता था दा किया बावा चाहिए था, किया से बुद्धिया के जिल्हा।

नतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ा के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन,, निम्निसिसित व्यक्तियमं, अर्थात् :--- (1) मंसर्स श्री डेव्हलोपर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री बी०जी० यादव।

(श्रन्तरिस्ती)-

को यह सूचना आयो करको पूर्वीक्स सम्परितः को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बन्द बन्दित के बर्बन के संबंध में कोई भी आक्रोप हुन्न

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताराच वें 45 दिन की अवधि या तत्संवेधी व्यावस्था ५६ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

फ्लेट नं० 102, जो, 1ली मंजिल, बी-विंग, स्वप्ना दिप इमारत, श्रांफ बालराजेश्वर रोड, मुल्ंड (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/22841/85-86 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 5--2-1986

भोहर:

१९न वार्ड्य **टॉ** ्र एक_ा एक_ा प्रत्यका

भाषकदः विभितियमः , 1961 ∫1961 का 43) की पादा 269-म (1) वे अभीव सुचना

मारत चहकार

कार्यांतय, सहायव जायकर जायुक्त (निर्दाक्तण) श्रजेंत रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986 निर्देश सं० श्र§०→3/37-ईई22344/85-86—श्रतः सुक्षे,

्रुष्ठ प्रसाद जायक र जीभीनियम, 1961 ,1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के अधीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थामर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/-रः. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलट नं० 12 ए, जो, मंजय बी इमारत, द्वी दयाल नगर, एल उबी ० एस० मार्ग, मुलूंड प बम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध स्ननुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसक करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-7-85

की पूर्वोक्त सम्बद्धि के खिन बाजार जून्य से क्रम के ज्यमान क्रिक्र के लिए बंतरित की नई हैं और मुक्ते यह विश्वास क्रम का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्बद्धित के उचित बाजार भूस्त, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एमें का गन प्रतिकल का कन्द्र प्रतिवृत्त से विभक्त है नीर बंदा के (वं क्रम) बीर वंदिखीं (बन्तरितियाँ) के बीच पूसे अन्तरम के किए स्थ पाया नथा पना प्रतिकल निक्तितियुत बनुष्टेय है उक्त वंदरण विश्वित में पास्तिविक क्य से क्षित्र कहाँ किया गन है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रीमती रानी श्रोमप्रकाण ऋरोड़ा। (शन्तरक)
- (2) श्री बलजीन करतार चन्द चोपड़ा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हुई।

चक्त सम्पत्ति हैं वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की सबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रगुक्त शक्यों और श्यों का, जो उक्त जिथियम के हैं शाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हंगा जो उस अभ्याय में दिसा गया है।

नगत्त्वी

पर्लैट नं० 12-ए जो संजय बी इमारत देवी दयाल नगर एल० बी० एस० मार्ग मुलुंड (प) बम्बई-80 में स्थित है ।

श्रनुभ्नी जैसा कि कम सं० प्रई०-3/37 ईई०/22344/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1984 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्ष्में प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्र**र्जन रेज-3, बम्ब**ई**

तारीख: 6-2-1986

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−3, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० भ्रई०-3/37 ईई०/22345/85-86-म्नतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं भीर जिसकी सं० फ्लैंट नें० 12-वी, जो, पहली मंजिल मंदा बी-इमारन देवी दयाल नगर एल० बी० एस० मार्ग मुलुंड (प) बम्बई-80 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है नारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री श्रोम प्रवाश एवं ग्रंदीरा ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री विपीन कर्तार चन्द चोपड़ा।

(श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उने अ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

अनुसूची

पर्लंड नं० 12-बी, जो पहली मजिलः संजय **बी, इमार**सः देवी दयाल नगर एल० बी० एस० मार्ग मुलुंड (प) बम्बई-80 में स्थित है ।

अनुमुची जैसा कि कम सं० आई०-3/37 ईई०/22345/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्र्जन रेंज-3 बस्बई

नारीख : 6-2-1986

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

नार्त सरकार

कायां नयः, सहायक आयकर बाम्क्स (निर्दाक्तिक)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० म्राई०-3/37-ईई०/22668/85-86~-म्नत: मुझे, प्र० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 24, जो तीसरी मंजिल आनन्द संदेण को० ध्रापरेटिव हाउसिंग सोस्पायटी कि० नाहुए मुलंड (प) वश्वई--80 में स्थिम है, स्रोर इससे उपाबस अनुसुची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है) स्रोर जिसका कारारनामा आयक र अधिनियम 1961 की धारा 269 द ख के स्रधीन बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रिक्ट्री है नारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त संगरित का उचित बाजार मृत्य उमके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) कीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में हास्तिकक रूप से करिशत नहीं किया गया है "----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बदने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अहें, जिल्हा भारतीय आय कर अधिभिनाम अहा के (1922 का 11) या उक्त अधिनियम का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विद्या गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के स्विधा के लिश:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---55—16 GI/86 (1) श्रीमती मंजुला जी० गेरा।

अन्तरक)

2) श्रीमती ए० कोशी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी। से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर् स्वना की तार्णन से 30 दिन की अविधि, ओं भी बयां बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकित व्यक्तिरण में से किसी व्यक्ति हवारा;
 - (वा) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति या हितवद्य फिसी अन्य न्यक्ति दवारा अनीतम्बाधार के लिखित में किए जा सकींगी।

ब्दक्रीकरण :-- त्यामा प्यापत शहरा क्षीर पदी का, आ 3 लिधिनियस के अध्याय 20-क में पित्रमाणिक ही, बही क्षर्य होना को उस नक्ष्याय ५ विचा नक

वनसर्वा

फ्लैंट नं० 24 जो तीसरी मंजिल ग्राननः संदेण को० ग्रापरेटिव हाउमिंग लि० नाहूर मुलुंड (प) बस्बई--80 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्राई०-3/37-ईई०/22668/ 85-86 श्रीर जो सक्षम पाधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिकस्टर्ड िया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधि गरी सहास इ आयाजर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 6-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अस 260-ए (1) के बधीन सुचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रई०-3/37-ईई०/22799/85-86--- ग्रत: मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

गौरिजिसकी सं० पलैट नं० 11, जो प्लाट नं० 85, कांजूर की॰ ग्रापरेटिव हार्डिस सोसाइट भारण (१६) बम्बई—78 में स्थित है (ग्रीण इससे उपाबद्ध ग्रन्स की ग्रेश पूर्ण रूप से विजित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायव प्रग्रिधिनियम 1961 की घारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित स्थम प्राधिशारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1—7—1985 को प्रबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से, एसे दृश्यमान प्रतिक्रल का भन्नाइ प्रतिकृत से विधिक है और बंतरका अंतरिती (जन्तिरितमाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए सब पांचा गया प्रतिकृत का निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- कि) कतररण से हुई किसी बाय की बाबत सकत विधिनयम के बधीय कर दोने के कत्तरक में वासित्व में कमी करते या उत्तरे बखने में शृहिका के लिए; बीर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नत अत्र, उक्त विधित्यम की धारा 209-4 के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री जी० जी० मोरे श्रीर अन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० एम० चव्हाण ग्रीर अन्य। (ग्रन्तिरिती)

को वह सूचना चारीं करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सन्पन्ति के क्वान के सम्बन्ध में कोई नी शक्तिप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

पलैंट नं० 11, जो प्लाट नं० 85, कांजूर को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी भांडूप (पूर्व) बम्बई-78 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/22799/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिवारी बन्बई द्वार दिनांद 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज–3 बम्बई

दिनांक: 5-2-1986

प्र**क्षा सार्ध**्य को .. प्रम_ा पुत्र _शन्तरप्रतास्थ

भाषकाप्त व्यक्तिमनम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) में बचीन शूचना

भारत सरकार

क्षयां जयः सहायक वायकर वायुक्त (निराक्षण)

अर्जान रेंज-3, बम्ब**ई** वम्ब**ई**, दिनांक 5 फरवरी 1980

निदेण सं० अई-3/37-ईई/21985/85-86--अतः मुझे; ए० प्रसाद,

कारकार क्षीपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ध को अभीन सकाम प्राधिकारी को,, यह विकास करने का कारण ही कि स्थापर संपरित जिसका उचित वाचाद सूर्य;

1,00,000/- रह. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 36, जो, 3री मंजिल, मत्यम इमारा, जा० आर० पी० रोड़, मुलुख (प०)बम्बई— 80 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमुची में श्रीर पूर्ण का ने विणा है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्स्ट्री है, तारीख 1—7—1985

का प्राचित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कन के दश्यमान प्रतिकक्ष की निए बन्तरित की वह है, और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि बजापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार बृज्य, उसके क्रमान प्रतिकल से एके क्ष्ममान प्रतिकल का पंतर प्रतिकत से विभिन्न है और वंतरक (वंतरकों) जोर वंतरिती (अन्तरितिकों) की वीच एके बन्तरिय के निए तब वावा नवा विकल्प, विक्रमितिका क्ष्मकेष्ट के अन्त बन्तरिय जिल्ला में वास्तिकल है किया वहा है हम्म

- अध्ययक सं शुर्फ किसी बाव को बखत बक्त सीक-भित्रक के अभीत कर दोने को बक्त के के धामिला में कभी कारने या उससे क्याने में समिक्ष के लिए. बीर/मा
- (अ) एंसी किसी बाय या किसी धन था बन्य वास्तियों आहे, जिन्हों बारतीय वाय-अद विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा धन्त अधिनियम या पनक स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ एस्सरिसी व्यास् प्रकट वहीं किया बना था था किया कावा चाहिए था, कियाने में कृतिका के किए;

शत: नव, उक्त जीविनियम की धारा 269-ग को, कनूसरण वो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) वो वसीन ... निम्निसिधित व्यक्तियों, वर्षात ४--- 1. श्री एस० डब्ल्यू० श् हरदास

(अन्तरक)

2. श्री विक्रम मोतीराम कोठारी

(अन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त श्रम्यास के अर्थन के किंदु कार्यशाहिया शुक्र करता है।

उस्त सम्मतित के वर्षन के सम्बन्ध में कांद्र भी वाक्षेप हुन्न

- कि विश्व की व्यवस्थ में प्रकाशन की तारीय में
 45 विश्व की वयित्र मा तरसंबंधी व्यक्तियों प्र प्रवा की तामीस से 30 विश्व की अविध, यो जी अविध नाम में सभाप्त होती हों, के भीतर पूर्ववित श्योक्तियों में से फार्टी क्ष्मिस्स प्रशास,
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की अर्थाल के 45 दिन के भीतर उक्त न्थावर सन्तरेल में दिन के भीतर उक्त न्थावर सन्तरेल में दिन के भीतर उक्त न्थावर सन्तरेल में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के राज निश्चित में किस् के कार्ज निश्चित में किस् के किसी
- शिकरण :---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त किंकि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही कथे हाता. को अस मध्याय में लिया तका है।

अन्**स्ची**

पर्नेट लं० 33, जो. 3री मंजिल, सत्यम इमारत, डा० अत्र० की० रोड़, युनुंड (प०), बम्बई--80 में स्थित है।

अनुपुत्री जैसा ि ऋ० मं० अई-3/37-ईई/21985/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजल्डई रिया गया है।

> ए० प्रसाद सञ्जम प्राधिकारी सहाय र कागक्क क्ष्मिन (किरीक्षण) अर्जन रेंज-3, **धम्बई**

दिनां म: 5-2-1986

मोह र ः

प्रका बार् ् टी. एत ् एवं -----

हायक है विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्थान

गारत तहस्या

कार्यात्व, सहायक बायकर बायकर (निर्देशक)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हुँ), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 502, जो, 5वी मंजिल, शिक्त शापिंग सेंटर आर्केंड, एल० बी० एस० मार्ग, भांडूप, बम्बई— 78 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयवर अधिनियम, 1961 की धारा 269 है, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1—7—1985

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार पूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का गन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से इर्ड किसी आय की शासता, उक्त अधिनियम के अधीन कह दोने के अन्तरक के दायित्व में केसी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए: औष्ट्र/या
- (क) इसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना चाहिए था, छिपाने ये स्विधा के लिए;

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्हरण रें, में, उपत अधिनियम की धारा 269-च की व्यर्धारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तिरों, अधृति क्रं~~ 1. मै० तोलाराम एण्ड कम्पनी

(अन्तरक)

2. श्री जे० ए० शेट्टी

(अन्तरिती)

को वह बुचना चहरी करके पूर्वोक्त कुम्मत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सन्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष ह---

- (क) इस स्वना के राज्यके में प्रकार के की दारोब से 45 विव की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यू फिली जन्य व्यक्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के एम निर्माल में फिला का निर्माण निर्माण

स्यक्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदरें को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पत्रैट नं० 502, जो, 5वी मंजिल, शक्ति शापिंग सेंटर आर्केड, एल० बी० एस० मार्ग, भांडूप, बम्बई-78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-3/37-ईई/22302/-85-86 क्रींर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-2-1986

1. श्री एस० जी० कुलकर्णी मुख्य बार्षः, टी. एवः, एसः-----

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० एस० ठाकुरदेसाई।

(अन्तरिती)

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ए (1) को बधीन स्चना

बाह्य सुरक्त

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० **अई−3/37−ईई/22658/85−86−−**अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी०-1-7, जो, राम आशि कत अ१९० हार्जीनग सोसायटो लि०, साने गुरुजी नगर, मुलुंडश (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से विणित है), ग्रार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, 🛫 बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

. रे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसकं दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरम से हुन्हें किसी बाव की बाबत उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तर्क के वायित्व । में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा भी निष् बॉब/या
- (क) एेसी किसी अगव या किसी धन या अन्य अगन्तियों को जिन्हें आरतीय खावकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या 🔩 ा अधि/ यम, था धनकर अधिनियम, 1957 (१५८७ का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया क्राना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने तिए;

असः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के वर्धार विकासिकत व्यक्तिकारों । प्रश्रीत 🖚

की यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो. उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्रा हैं:

फ्लैट नं० बी-17, जो, राम आधिश को आप० हाउसिंग सोलायटी, जि॰ साने गुरुजी अगर, मुजुंड (पूर्व); बम्बई में

अनुसूची जैना कि क० सं० अई-3/37-ईई/22658/ 85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-2-1986

护笔么:

प्रस्प बाइं. टी. एन. एस. ----

बाव्कर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर जागुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रेंज-3, वस्वई वस्वई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदिश सं ० अई—3/37—ईई/21935/85—86——अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पंचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर किसकी सं० फ्लैंट नं० 201, जो, 2री संख्लि, राज लक्ष्मी जार्ट मेंटस, जबबर रोड़, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसची में ग्रीर पूर्व रूप के विधित है), ग्रीर जिसका करारभामत राज्य र अधि नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के भाषीलय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और असरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिख्ता में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तारण ते हुई किसी शाय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य बास्तियों को, बिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा से निए;

जता जज, उक्त अधिनियम की भाग 269-ण के अनुसरण कों, औं, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निस्तितिकत व्यक्तियों, अर्थात् ड— 1. श्री नरेशकुमार वाशदेव श्रौर अन्य

(अन्तरक)

2. श्रीमती निलनी रामकृष्ण भंडारकर।

(अन्तरिवी)

को यह सूचना चारी करके पृष्टिंक्स सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाओप ह-

- (क) इस मुखना के लागतात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीध गा तत्सकानमी व्यक्तियों पार स्वता की तामील से 30 दिन की बदिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित हुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भैंतर पत्रत स्थावर अम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाब्दीकरण:----६ममें प्रयुक्त शब्दों आँग पत्तों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया यहां हैं।

अनुसूची

पत्रैट नं० 201, जो, 2री मंजिल, राजलक्ष्मी अपार्ट मेंटस भवष रोड़, नृत्ंड (तुर्व), बम्बई-81 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/21935/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया। है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (दिरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 5-2-1986

प्ररूप आई . ती. एन . एस . -----

बायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्रई-3/37-ईई/22654/85-86--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 29, जो, 1ली मंजिल, मेघल सिंवस इंडस्ट्रियल इस्टेट, देवीदयाल रोड़, मुलुंड (प०), बम्बई—80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मैं ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बन्बई रिथत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्ट्री है तारीख 1—7—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया वमा प्रतिक कन, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित हो बास्तिक कन से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, डक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विध्य के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री जी० ए० प्रभू।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राजेश वि० गांधी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कारुवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सन्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजधन में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्याप्त द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कि थे जा सकी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अध होगा जो उस अध्याय में दिया गमर है।

ग्रनुशुची

यूनिट नं० 29, जो, 1ला मंजिल, मेघल सर्विस इंडस्ट्रियल इस्टेट, देवीदयाल रोड़, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि से धई-3/37-ईई/22654/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है। ,1-श्रनुसूची जैसा कि कि से से शई-3/37-ईई/22654/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक

–86 श्रार जा सलम_्त्राावपारा, बम्बइ ६ *7*–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-2-1986

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयंकर आयंकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 198€

मिदेश सं० शई-3/37-ईई/22047/85-86---ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके कश्वात 'उक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रींग जिसकी सं० दुकान नं० 10, जो, तल माला, रूप-रात्रा को-ग्राप० हाउपिंग सोधा टी लि०, सेंट मेरी वान्वेंट हाई स्कूल केपीछे, गदनीपाडा, नाहूर, मुलुंड (प०), बम्बई— 80 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूम्य से कम के बरुबमान प्रित्फल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि

यथाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहवमान प्रतिकल को प्रेस क्याना प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के तीय होते अक्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निक्तितिस्त हव्यक्त से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिविक रूप से करित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर कोने के तत्तरक के दायित्व भे कभी करने या उसने नत्त्र भें गृतिकः के सिए; और/मा
- (का) एसी किसी जाय या किसी अन या क्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाक्तियों जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, सिपार में स्विधा के लिए:

बतः बवः, उक्त निधिनयमः की धारा 269-ग के अनुबरक में, में उक्त निधिनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निध्नतिशित व्यक्तियों, क्यति है— 1. मै॰ रूप-राना को-म्राप॰ आउसिंग सोसायटी लि॰ (ग्रन्तरक)

2. श्री के० चन्द्रशेखर

(ग्रम्तरिती)

को यह ब्बना नारी करके पूर्णेक्त सम्मित्त के अर्जन के कि। कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 15 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर ग्जान की तामील स 30 दिन की अविधि, जो औ ग्वीध बाद में सनाल होती हो, ले जीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के औतर राज्यत स्थानर मंपीत्व में हितबद्ध किशी अन्य व्यक्ति दुराया स्थात्रकाक्ष्यी के णक लिखित में किए जा सर्वां।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त अध्या और पदों का जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहां अर्थ होना तो उस अध्याय में दिस्क मधा हैं।

मन्स्ची

दुक्तान नं० 10, जो, तल माला, रूप।राजा को-आप० इाउँगि सोगायटी लि०, बेंट मेरी कान्वेंट हाई स्कूल के पीछे, गवनीपाडा, नाह्र, मुलुंड (प०), बरुबई-80 में स्थित है।

प्रमुची जैसा कि कि सं शई-3/37–ईई/22047/85–86 प्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिनस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सह्यक अत्यकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज−3, बम्बई

दिनांक : 5-2-1986

रोहर :

प्रक्य वाद<u>्री, हो. ह</u>न. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

नाउत सरकार

कार्यांचय, सहायक वायकार वाय्यक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज — 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986 निदेश सं० श्चई—3/37—ईई/22346/85—86——झतः मझे, ए० प्रसाद,

नायकार जिल्हिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाद जिन्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के सभीन सक्तम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मूख्य 1.00,000/- रा. से मधिक है

स्रोर जिसकी सं पुतान नं 5, जो, विजया लक्ष्मी, जी के 0 गोखले रोड़, मुलंड (पूर्व), बम्बई — 8 1 में स्थित (और इससे उपायद्ध सनुसुची से भीर पूर्ण रूप वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधितियम, 1986 की धारा 269क, ख के स्थीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के काय लिय में रजिस्ट्री है, तारी ख 1-7-85

की प्वेंक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथण्योंक्त तम्मित्ति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्रत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वास, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 262-व की उपधारा (1) के अधीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—— 56—1631/86 1. श्री चितामणि बिल्ड सं

(अन्तरक)

2. श्री वसंत ग्रनंत गोखले

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पच्छोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुस्पी

दुकान नं० 5, जो, विजया लक्ष्मी, जी० के० गोखले रोड़, मुलुंड (पूर्व), बम्बई--81 में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि क॰ सं॰ ग्रई-3/37-ईई/22346 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकार श्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज~3, बस्ब**ई**

दिनांक: 5-2-1986

म्। हर ;

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/22584/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 4, जो, तल माला, श्रीनाथ ग्रपार्टमेंट 2, मुलुंड (पूर्व), बम्बई मैं स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची मैं श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय मैं रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मेसर्स निखिल कन्स्ट्रनगन्स कम्पनी

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती निलनाक्शी बी० शेट्टी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुशान नं० 4, जो, तल माला, श्रीनाथ श्रपायमिंटस, 2, मुलंड (पूर्व), बम्बई मैं स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि क० सं० ग्रई-3/37-ईई/22584/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, **बम्ब**ई

दिनांक: **5-2-**1986

मोहर प्र

प्रकर् नाइं्टी.एन.एस., ------

1. श्री उमेश एन० तिलोकानी।

(अन्तरकः)

2. श्री लिरील सेरॉब ग्रांर अन्य।

(अन्तरिती)

नायकड निर्धानस्य 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सूचना

THE PHIL

धार्याचय , सङ्घायक भावक र आयुक्त (चिरिश्राच)

अर्जम रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निवेश सं अई-3/37-ईई/22296/85-86--अत: मुझे, • प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० दुकान न० 5, जो, निरंजन अपार्टमेंटस, हिरा नगर, नाहूर विलेज, मुलुंड (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय का किसी धन या अन्य अस्तियों करे, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्सीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्थिपने में स्विधा से प्रकट्टी आप से प्रकट्टी आप से स्विधा से प्रकट्टी आप से प्रक

बतः बन्, उक्त विभिनियम की धारा 269-न के बनुसरण वं, बंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वे वधीन, निस्तक्षियत व्यक्तियों, अर्थात् वे— को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप 🖾 —

- (क) इस स्वना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की जनिश मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए वा स्कोंने।

स्यष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धक्त अभिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिन। प्या है।

वनसर्ची

दुष्णात नं० 5, जो निरणत आहर्टमेंटस, हिरा नगर, नाहूर विलेज, मुलुंड (५०), बम्बई में स्थित है। अनुसुची जैसा कि क० स० अई-3/37-ईई/22297/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 5-2-1986

प्रकृष बाह् . द्री . एव . एव . ------

बाष्कार विधित्रयम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-इ (1) के अधीर चुनवा

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई०-3/37ईई/22191/85-86---म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकार निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके पण्डात् 'उक्त अभिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 6, जो, तल माला, गोविद उद्योग भवन, बाल राजेश्वर रोड़, मुलुंड (प०), अम्बई— 80 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं); श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिकत्त के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार ब्ल्य, उसके द्रियमान प्रतिकत से एसे द्रियमान प्रतिकत का बन्द्रह प्रतिसत से बिथक है और बंतरक (बंदरका) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पावा गया ब्रियम निम्नीवित उद्देश्य के उच्च बन्तरम् बिविद में नास्त्रिक कम से कीचा नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाय का बावत, उपस् नियंत्र के बधीन कर दोने के बम्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (व) ऐसी किसी बाव या किसी वन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों बारसीय बावकर अधिविवस, 1922 (1922 का 11) या उसस अधिनियस, या धर-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के हसोचनार्थ अन्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया वाचा चाहिए था, कियाने में सुविवा में जिल्हा

जत: जय उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जम्करण मो, जो, उक्त विभीनयम की भारा 269-ण की उपभारा (1) में वभीन: निव्यक्तिविक व्यक्तियों, ज्यांब क्र--- 1. मेसर्स इंडो सायगः। एजन्सी।

(अन्तरक)

2. मेसर्स यूनिवर्सल इंजी नियर्स एण्ड फिनिशर्स। (अन्तरिती)

को यह भूषभा चारी करके पुर्वोक्त वंपरित से वर्षन के ज़िय कार्यवाहियां करता हो।

बक्त क्रमील के वर्षन के क्रमान्त में कोई भी शक्षेत् ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विश्व की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीस से 30 विन की ववीध, यो भी जबीध वाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाबन की रारीक सं 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्मति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा नथोहस्ताक्षरी के नाथ विविद्य में कियु का सकोने ।

स्थक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उन्ह वीधीनसम् के जध्यास 20-क में परिभाविक हैं। यही जुनै होगा जो उस क्ष्यास में विवा नवा है।

धनुसूची

यूनिट नं० 6, जी, तन माला, गोविंद उद्योग भवन, बाल राजेश्वर रोड़, मुलुंड (५०), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करु मं० अई-3/37-ईई/22191/ 85-86 फ्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1-7-1985 को रुजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनां क: 5-2-1986

मे(हर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

अरमकर जॉभॉनियम, 1961 (1961 का 43) की नार 269-भ (1) के जभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्दीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986 निदेश सं० अई-3/37-ईई/22190/85-86--अनः मुझे, ए० प्रसाद,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रहे से व्यधिष्ठ हैं

भीर जिसकी सं व्युनिट नं ० ७, जो, तल माला, गोबिद उद्योग भवन, बाल राजेक्वर रोड़, मुलुड (प०), बम्बई – ८० में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुमुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है); श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्मम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1–7–1985 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, यसके व्ययमान प्रतिफल से, एसं व्ययमान प्रतिफल का पन्तर में विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, यसके व्ययमान प्रतिफल से, एसं व्ययमान प्रविफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरिती) के बीच इसे बंदरण के निए देव वाक प्रवारिक से मिए से विश्वास से साम से सिक से की से नहीं किया स्था है:---

- (क) नंतरण संबुद्ध किसी नाम की नामक्क, उक्त अभिनियम के नधीन कर योगे के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे मुख्ये में स्विधा के किए; अहुं का
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों धनकर विधिन्दन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंधरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया को, चिन्हें नारतीय बायकर अधिन्दन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या क्वा का विधा जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा में निए,

अति शृत, उसते जोधीनयम की भारा 269-न के अनुसरम वं, में, उसते अधिमियम की भारा 269-म की जप्धारा (1) के अधीन, निम्निन्चित व्यक्तियों, अर्थात् क⊷- 1. मैं इण्डो सायमन एजेन्सी

(अन्तरक)

2. मेसर्स यूनिवर्सल इजीनियर्स एण्ड फिनिशर्स (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

दस्य ब्रम्मीत्व के कर्पन् के ब्रम्मन्य में कोई भी बाधोप् ह—

- (क) इस श्वा के राजपत्र में प्रकाशन की धारींस से 45 दिन की जगिंध या तरसम्बन्धी क्यों तियों पढ़ स्वा की तामीस से 30 दिन की सविथ, को भी सविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वहुष किसी कन्य व्यक्ति वृद्धार, वभोहस्ताक्षरी वी पांच विकास वे विकास किसी के स्थाप सकते हैं।

स्वयद्गिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यें का, जो उक्त जीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं। है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में ्रेवशा गया है।

अनुसुची

यूनिट नं० 7, जो, क्षल माला, गोविद उद्योग भवन, बाल राजेश्वर रोड़, मुलुड (प०), बम्बई-80 में ्स्थित है। अनुमुची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/22190/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बस्बई

दिनांक: 5-2-1986

मोहर 🕄

प्रचम कार्य हुन्या हुन्या हुन्या कार्य

हाज्यार विशिष्टिका, 1961 (1961 का 43) वर्ष वाद्य 269-व (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निवेश सं० अई-3/37-ईई/22189/85-86--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं यूनिट नं 8, जो, तल माला, गोविंद उद्योग भवन, बाल राजेश्वर रोड़, मृलुड (प०), बम्बई—80 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 1—7—1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के उस्तमान प्रतिफल के बिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्स, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिसत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्दरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तब नावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त जन्तरण विविद्य में बास्तरिक रूप से कियत नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी बाब की, वाबत, डक्क विकासियन के अभीन कर दोने के अन्तरक की वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्ट; और/वा
- (क) इसी जिली धाव या जिली धण वा अध्य वास्तिवी को चिन्हें भारतीय जायकर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक जीवनियम, वा धम-अद्य अभिनियम, वा धम-अद्य अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अस्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की कहा;

नतः शव, उसत नीनिननं स्ती भारा 269-ग के जनुसक्ण में, मंं, उसत अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के सभीत्, विश्निविधिक व्यक्तिकच्चे, जव्यकि क 1. मैं १ इंडो गायमन एजेन्सी

(अन्तरक)

2. मेसर्स युनिवर्सल इंजीनियर्स एण्ड फिनिशर्स (अन्तरिक्रों)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन के लिए नार्यवाहियों करता हूं।

उनक सम्माक के नर्बन के सम्बन्ध में कार्द भी भारते :---

- (का) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारित्य से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजका की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी स्वचित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति कृतारा;
- (ख) इस्तर्भाग के राजपण में प्रकाशन की तारिक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबपूष
 किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोद्दस्ताक्षरी के क्षंच
 जिल्ला में किए जा सकी।

स्क्रम्बरण :— इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का, भी समझ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना को उत्त अध्याय में विका क्या है ।

अनुमुची

यूनिट नं० 8, जो, तल माला, गोविंद उद्योग भवन बाल राजेश्वर रोष्ट्र, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित, है।

अनुमुची जैसा कि फ़र्प संश्र अई-3/37—ईई/22189/85–86 थ्यौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-2-1986

मेहिर:

प्रकृत वार्षं की पुन् पुर्व वान्यवाना

वाधकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-न् (1) के ब्लीन् सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकार नामुक्त (प्रितीक्षण)

अर्जन रेंज-3. बम्बर्ड

बम्बई, दिनां 5 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/22108/85-86-अत: मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जियो इस्को इसको प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' क्यू क्या हाँ), को बाद्ध 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्बक्ति, विश्वका बाँचत बाबार भूका 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूभिट न ० 60-ए, जो, तलज माल, गरित इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, सरोजिनी नगर, नायडू रोड़, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित हैं (श्रीर इसपे उपाबद्ध अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाधार भूक्य में कम में असमाय तिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुम्ने यह विषयाद करने मा कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार भूका, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकास के पन्दह प्रतिकास ते अधिक है और अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया/प्रतिकास, निम्निसिवित उद्योग से उसत अस्तरण विविद्य में वास्तृविक क्य से कांचित उद्योग गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बादत . उनत शिधिनयम के स्वीत कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (भ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्च बास्तियों को, जिन्हें प्रारतीय बाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विधिनयम, या धन-कर बीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया धाना चाहिए था, कियाने तो सुविधा के किया।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व जै वनुवरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैं० टिक्रा बिल्डर्स (बाम्बे) प्रा० लि०।

(अन्नर्क)

2. मैं० हेम एजेंसीज

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करनी पूर्वोक्त स्म्युरित के वर्षन भी किए कार्यवाहियां करता हूं।

बनए बंबरेश के वर्षन के बंबंच में कोई भी वार्क्ष ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवींच सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की नवींच, को भी सहित में हमान्य होती हो, के मीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुए।
 - (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्वाचीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्यों का, वो स्वयः अधिनियम के अध्याय 20-क में परि शिवत है, वही कर्ष होगा वो उस अध्याय में हैंदक वंदा हैं.

जनवर्षी

यूनिट न० 60-ग, जो, तल माला, शांति इंडस्ट्रियल इस्टेट, सरोजिनी नायडू रोष्ट्र, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/22100/85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिल्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 4-2-1986

प्रारूप वार्दः ती .एन .एस

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) की मधीन सूचना

भारत चरुकार

कार्यालय, सहायक भावकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निवेश सं० अर्ध-3/37-ईई/21994/85-86--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- फ. से मधिक है

भौर जिसकी सं० माला नं० 211, जो, हिरादानी इंड स्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग (५०), बम्बई--78 में स्थित है) भौर इसरे इस्टिट वन्सुची में भौर पूर्ण रूप से विणित र), भौर जिसका करास्तामा आयकर अधिनियम, 1961 की

धारा 269क ,ख के अधीन बम्बई रियन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

करे पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफख से एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अभिक है और
अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गुमर प्रतिफल, निम्निनिन्ति उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
नया है -

- (क) जन्तरण के हुई किसी जाम की बाबत, उक्त जिथानियम के लभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जरि/वर
- (क) एसी किसी जाय रा किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. किया में स्विधा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित अधिनतयों, अर्थात् :----

- 1. मै॰ हीरान दानी इंडस्ट्रियल इंटन्प्रायसेस (अन्तरक)
- 2. मेसर्स एकी टूल्स एण्ड प्रेसिंग्स।

(अन्तरिती)

की बृह तृषमा पारी करके प्रोंक्त सम्परित के वर्षन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बनत् पुरमृत्ति के मुर्थन् के सम्बन्ध औं कोई भी बाओर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा वभोहस्ताभरी के पास विवित्त में किए वा सर्वों ।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नसम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ध हुम्मा जो उस वध्याय में दिया वर्षा हैं थी

<u>जनसूची</u>

माला नं० 211 जो, हिरानंदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांजूर मार्ग (प०), बम्बई-78 में स्थित है। अनुभुनी जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/21994/85-86 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी; बम्बई द्वारा दिलांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधि शरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, यम्बई

दिनांक: 5-2-1986

प्रकृष जाह[े]्ट<u>ी एनः एकः,-----</u>-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक शायकर शायुक्त (निराक्षक)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/22089/85-86--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके अश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व्या के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 8, जो, कच्च इंडस्ट्रियल इस्टेट, गोविंद उद्योग भवन, बाल राजेश्वर रोड़, मुलुंड (प०), वस्वई-80 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबढ अनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्य अंतरण लिखित यें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- हूँकां) विश्वरम् से हुदं किसी नाम की वास्त्, उक्त समिनियम् के नभीन कर दोने के बंतरक के शासित्व में कभी करने या उससे नमने में स्विभा के लिए; और√या
- (थ) ऐसी किसी जाब या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विद्धा के लिए;

1. श्री म्नीए एम० बच्चुअली

(अन्तरक)

2. मैं० इंडो सायमस एजेन्सी।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्थन क्रॉ जिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सर्कोंगे।

स्वक्यीकरूण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिशायित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट न० 8, जो, कच्च इंडस्ट्रियल इस्टेट, गोविंद उद्योग भवन, बाल राजेश्वर रोड़, मुलुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/22089/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंग रेंज-3, बम्बई

तारीख: 5-2-1986

प्रस्थ नार्द*् टीजु एमजु एस* जनगणनामा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर बायक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज--3, बम्बई धम्बई, दिनांक 5 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/22274/85-86--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रांए जिसकी सं० यूनिट नं० 5, जो, 1ली मंजिल, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट, मुलुंड (प०), धम्बई-80 में स्थित है (श्रींग इससे उपाबद्ध अनुमुची में श्रींर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रींग जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2695, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रांति कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित ब्रामार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का ब्राम्स स्थाप हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित ब्रामार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का ब्राम्स से ब्राम्स निम्निविचत उब्देषस्य से ज्ञान बंतरण निचित में बास्तिक स्य से क्राम्स निम्निविचत उब्देषस्य से ज्ञान बंतरण निचित में बास्तिक स्य से क्राम्स निम्निविचत उब्देषस्य से ज्ञान बंतरण निचित में बास्तिक स्य से क्राम्स निम्निवचत उद्देषस्य से ज्ञान बंतरण निचित में बास्तिक स्य से क्राम्स निम्निवचन से बास्तिक स्य से क्राम्स निम्निवचन से बास्तिक से स्याप से हिन्स गया है हैं

- (क) अंतरण से हुआ े किसी आव की तनसे, उपसे अभिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक की दामित्व में स्थी कहने या उससे क्यने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) होती किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के किए?

कतः अब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर• में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्धात रूच 1. मेसर्सराजा बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. मेसर्स विर इलेक्ट्रोमर्स

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृशीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सूरू करता हुई।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जालेप ह—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यास में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया चया है।

वग्राची

यूनिट नं० 5, जो, 1ली मजिल, राजा इंडस्ट्रियल इस्टेट मुसुंड (प०), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि ऋ० स० अई-3/37—ईई/22274/85-86 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-2-1986

प्रारूप आहे.ट्री.एन.एस.------

भावकर नीपनियत, 1961 (1961 का 43**) प्री** भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत चरकार

कार्याक्षर हा रहा वक्ष वायकर वायुक्त (भिद्धीकर)

ग्रजींच रेंज-3, बम्बई बम्बई,दिनाँक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई-3/37-ईई/22177/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स अधिनियम' कहा नमा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित शासार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 48, जो, 2री मंजिल, बी-इमारत मालाड (प), बम्बई, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका कररनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई हिथत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मैं रजिस्ट्री है तारीख 1-7-1985

को पूर्वों बत् सम्मित्त के जीवत बाबार बृत्व से कम के क्यायाथ बितफस के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों का स्मित्त के उीवत बाबार बृज्व उसके क्यायान प्रतिफल से ज़िसे क्यायान प्रतिफल का पत्तह प्रतिशत से अधिक हैं और लिंदिक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम ममा ब्रिटफस निम्निलिबत उद्देश्य से उस्त अन्तरण विविद्य में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया नवा हैं अन्तरण से साम्तरण के वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया नवा है अन्तरण से क्या से कथित नहीं किया नवा है अन्तरण से क्या से कथित नहीं किया नवा है अन्तरण से क्या से कथित नहीं किया नवा है अन्तरण से क्या से कथित नहीं किया नवा है अन्तरण से क्या से कथित नहीं किया नवा है अन्तरण से क्या से

- (७) अन्वरण सं हुई विक्षी थाय की वावत , उसक अधिनिवध के अधीन कार दोने के अंतरक के वास्तिरक में कभी अधुने वा उसके वामने में वृद्धिया के सिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाद वा किसी भूत या बन्द वास्तियों को, विन्हें भारतीय नायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ क्तिरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए वा, क्याने में सुविभा के जिद्द;

श्रह: वह, उक्त विधिनियम की भाष 269-ग के बनुतरण जै, हैं, अक्त विधिनियम की भाषा 269-व की उपभाषा (1) में बधीन, निकासियित व्यक्तियों, वर्षात हु---- (1) भगवान एन० सावंत।

(भ्रन्तरक)

(2) अरविद की सावंत।

(भ्रन्तरिती)

चा नह सूचना जा<u>रों करके पूर्वोपक श</u>न्मरित के अर्थन में सिए कार्यगाहियां करता हूं।

अबद सम्मरित में वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाकोप् अ---

- (क) इस सूचना के स्वयम में प्रकाशन की तारीब वं 45 वित्र की श्रविष वा स्त्यान्त्र-भी व्यक्तियों प्र सूचना की शामील से 30 वित्र की स्वयि, को और व्यक्ति वास में समाख होती हों, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तिस्थे में से किसी व्यक्ति बुकास;
- (क) इस स्थान के रायप्त में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर उच्छ स्थावड सम्पत्ति में हित्बक्थ किसी बन्य व्यक्ति क्यारा, अभोहस्ताक्षर के पास विविद्य में किए या सकेंचे।

स्वाधिकरण :---इसमें प्रमुक्त कर्मा विश्व पको का, को अवध अधिनियम, के वश्माय 20-क में परिभावित इ. वही वर्ष प्रतेश को उस अध्याय में दिका गया हैं.

वम्स्वी

फ्लैंट नं० 48, जो, 2री मंजिल, बी-इमारत, उज्बल नंदादीप को-ग्रांप हाउमिंग सोक्षायटी लि०, मार्वे रोड, मित खौकी, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्राई-3/37 ईई/22177-ए/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 11-2-1986 मो**हर** ॥

प्रसम बाह[्]्टी. एन , एस_{. -----}-----

जायकर जर्टभिनियम, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

HING GREEK

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 फरवरी 1985

निर्द्रोण सं० ग्राई-3/37-ईई/22541/85-86----ग्रतः मुझे ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कार्यालय नं० 328, जो 3री मंजिल, नटराज मार्केट, एस० वि'० रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है, और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजेस्ट्री है, तारीख 1-7-

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्ति,रितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया नृया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया पया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उन्त अधि-विषय के बधीन कर दोने के बंतरक के धानित्व में कमी करने या उससे व्यने में जुनिया के सिष्; बौद्ध/वा
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन या अस्य जास्तिकों को, जिन्हों नारतीय नायकंद स्थितिका, 1922 (1922 का 11) या उनक स्थितिका, वा ध्य-कर स्थितिका, 1957 (1957 का 27) के प्रकेषनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के जिए;

सतः गव, उनत मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उकत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री समण्दवीन एम० रयानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चंदू यू० बदलानी।

(अन्तरिती)

कों, वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष्ट्र कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के कुर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप ह—-

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हित-बबुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वें पास लिक्कित में किए वा सकोंगे।

स्पाकाकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्वो का, जो उत्कर जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होता, वो उद्य श्रुधाय हैं। दिक गया है।

नन्स्यो

कार्यालय नं० 328, जो, 3री मंजिल, नटराज मार्केट एस० वि० रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि फ़ल्सं अई-3/37ईई/22541/ 85 -86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) श्रुजन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 3-2-1986

प्रकष् बाद्र^र्टी⊴ एनं⊴ एक⊕ न्न

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

मार्च बरका

कार्यालय, सहामक कामकर आमृक्त (रिविकाफ)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 22 फरवरी 1986

निद्रेश सं० श्रई-3_| 37-ईई_| 22587_| 85-86~ - स्रतः मुझे. ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रदेत् 'उच्छा शिक्षिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार वृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीरन जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, जो, ए विंग, राजहंस ग्रपार्टमेंन्ट मालाड राजहंम को-ग्राँप हाउनिंग सोनायटी लि०, जितेन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्था से वर्णित हैंहै), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य असके धर्यमान प्रतिफल से, एसे धर्यमान प्रतिफल का पन्यह बतिशत से स्थिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीथ एसे अन्तरण के सिए तय पाया प्रया प्रतिफल निम्मलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एम से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) जन्तरण को हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिशियम को अधीन कर दोने के बक्तरक की बहिनाई भी कनी कर्तिया उसको बचन में सुविधा को सिंग्र;
- (ज) इसी किसी बाय या किसी वाय वा बाय कारिएकों की विक्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ जन्तरिली बुवारा प्रकट नहीं किया गया धा का किया जागा चाहिए था, कियाने में सविधा जे किए।

बार अथ, उसत जीभीनवज की पारा 269-म से विष्करण वे. में, उकत जीभीनयम की भारा 269-म की उपधाय (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती स्नेह्लता एवं शहा।

(ग्रन्तरक)

(2) पोपटलाल दीपचंद शाहा।

(भ्रन्तरिती)

कार्र वह बुख्ना आही करके प्रवेतित सम्पन्ति के वर्णन् के निव् कार्यवाहियां करता हो।

सक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप ए---

- (क) इब सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जगिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जगिंध, जो भी जब्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के रावपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य अपित द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किस का सकोंने।

स्वाकारण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां उथतः
विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः
हैं, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में विका मया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं 12, जो, ए विंग, राजहंय भ्रपार्टमेंन्ट मालाड राजहंस को-भ्राप हार्जीमंग सोसायटी लि०, जितेंन्द्र रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क. सं० श्रई-3/37 ईई/22587/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रिजस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहााक आयकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 22-2-1986

बावकर व्यक्तिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थातव, तहायक वायकर वायुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, विनाँक 23 फरवरी 1986

निर्देश सं० म्राई-3/37 ईई/22749/85-86-- म्रतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने आ कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 2 जो, तल माला, देवनार हिल व्हयको-ग्रांप-हार्जसंग सोसायटी लि०, देवनार बाग, देवनार, बम्बई 88 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है) ग्रीर जिसका करारनामाम श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 को धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के दृष्यमान मितफल के लिए अन्तरित की गई जार मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार करूय, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीमितिय उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाब की बाबत, उक्त जिल्लामियान के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कृषिभा के सिए;

अतः अन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों., मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीन :---

(1) मैंसर्स कामरान लिकर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ललित कोचर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के निलए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाखेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारी हैं 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पड़ स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी बन्ध व्यक्ति द्वाय, जभोहस्ताक्षरी के गम सिबित में किए वा सकोंचे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किया नियम के बध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसूची

दुकार नं० 2, जो, तल माला, देवनार हिल व्हयू को-श्राप, हाउमिंग सोक्षायटी लि०, देवनार बाग, देवनार, बम्बई 88 में स्थित है।

अनुपूची जैसा कि कि नं अई-3/37ईई/22749/85-86 और जो पक्षन पाबिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-8519 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-3,बम्द**ई**

दिनांक: 23-2-1985

प्ररूप आहें, टी. एप. एक: -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर नायुक्क (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 फरचरी 1986

नि**र्देश** सं० श्रई-3₁3*7-*ईई₁22753₁85-86---श्रत: मुझ, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से विश्वह

और जिसकी संव यूनिट नंव 10, जी तल माला, सती इंडिन्ट्रियल इल्टेट, होराव बंव परल रेड गोरेगांच (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं (और इससे उपावल धन्मूचे में और जो पूर्ण रूप से विजित हैं) और जिसका क्रगरनामा क्रायवर प्रधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-7-1985 को पूर्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम में क्यमान प्रतिकल के तिए अन्तरित की गई है और मूमो यह बिश्वाब करने का कारण है कि यथापूर्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्व, उसके स्थमान प्रतिकल से ऐसे स्थमान प्रतिक्षम का चंद्रह प्रतिकत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितयों) के बीजा ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल निम्नीनिवत उद्देश्य से उकत अन्तरण निजित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ..—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्ह भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने, में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुक्रदण कों, मेंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;;—— ा. श्री जनभाई मीती भाई पटेन ।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती कोकीलाबेन एच० पटेल

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत इनारा अधोहस्ताक्षरी के पाई लिखित में किए जा तकींगे।

स्वयान्त्रियणः — इससे प्रयूत्ति जन्दों और पर्धों का, जो उनका अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिमाणिकः हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया नेवा है।

and the same

युनिट नं 10, जो तल माला, सती इंडस्ट्रियल इस्टेट, आय० बी० पटेल रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है। अनुमूची जैसा कि क० सं अई-3/37-ईई/22753/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा, दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रोज-3, वस्ब€्री

दिनांक : 25-2-1986

प्रकृष आहे. टी. एन. एस. -------

नाशकार नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) से वर्णीन स्थला

भारत बहुकार

कार्यक्षम, सञ्चामक मामकाह नामुक्त (निर्ह्याजन)

श्रजेन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 फर्बरी 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/22508/85-86—-भ्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

गायकर मिर्िरयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उन्तर मिरियम' कहा गया है), जी धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला नं० 29, जो गुरू गोबिन्द सिंह इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे रोड, गोरेगांच (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध अनुसूचों में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कर्ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों हैं दिनांक 1-7-1985

को पूर्वोक्श सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के क्यमान इतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त खंपील का उणित बाजार मूक्त उसके क्यमान प्रतिफल से एवे क्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंदरक (बंदरकाँ) की बंदर्गिती (बन्दिरितयों) के बीच एसे बन्दरण के लिए तम पाया नवा इतिफल, निम्नसिचित उद्वोक्त से उक्त अन्दरण सिचित को बास्तिक रूप से कांजित कहीं किया वना है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जायः की बाबतः, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक को ठाउँयरक में कभी करने या उससे बचने में सुविधः के सिए; बार/का
- (थ) ऐसी किसी अब या किसी भून या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के निए;

क्तः प्रव, उक्त वीभीनवम् कौ भारा 269-ग कै वनुतरण वा, वा, क्यत वीभीनवम् की भारा 269-म की वर्षपारा (1) को वभीन, निम्नसिक्षक स्थापतर्थाः, वर्षात् ४-— ा. मैसर्स बॉन श्रमी।

(ग्रन्तरक)

मैसर्स फलोश्चरसेंट फिक्ष्चर्स प्राईवेट लि॰।
 (श्वन्यरितीं)

को वह सूचना बाही करके पूर्वांक्स सञ्चारित के नुर्धन के किस कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वाक सिकित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, को उक्त जिथितिक्या के जभ्याव 20-क में परिभावित हो, वहीं जर्म क्षांगा को जभ्यावं में दिवा-क्या हो।

वनस्ची

गाला नं० 29, जो गुरू गोबिन्द सिंह इडस्ट्रियल इस्टेट, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे रोड, गोरेगाथ (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसाकि क० सं० श्रई-3/37-ईई/22508/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा, दिलांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रॅंज-3, **बम्बई**

दिनांक : 23-2-1986

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जी भारा 269-व (1) के जभीन स्वना

भारत प्राप्तार

कार्यांत्रय , बहायक बायकर बायका (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 23 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/22523/85-86→-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधिन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार ज्ञाच्या 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं० प्लॉट नं० जी-13, जो राँ हाउस, श्री दघगुरु को-और ब्देवनगर देवनर हाउसिंग सोसायटी लि०, देवनगर किहलेज रोड, बम्बई-38 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण कर मे वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 1-7-1985

को पूर्वोक् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान शित्रफल के शिए अस्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार कृत्व, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का बन्दाइ प्रतिकृत से जिथक है और अंतरक (जंतरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के सिए ध्व पाथा गया प्रतिफल, निस्निसिश्त उच्चेष्य से उन्न जन्तरण किश्वत में वास्त्विक क्य से क्यित नहीं किया गया है —

- [क] सम्बद्ध से हुन्दै कि जी बाव की शावतः, अवस सीमित्यन के अभीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी कारने ना उत्तवे दचने हैं। शृतिका के [सए; बॉर ना/
- (क) एसी किसी बाद या किसी धन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण ्रं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् क्रि—ं 58—16 GI/86 1. वसंत कुमार एस० सेनजीत और ध्रन्य ।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती विजया देण मुख और ग्रन्य ।

(श्रन्तरिती)

को नह सूचना नारों कर्य पूर्वोक्त संगरित के नर्धन से जिस कार्यगाहियां करता हुए।

उन्त सम्मत्ति के नवीर के मंत्रीय में कोई थी बाबीय हन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हे 45 दिन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानीब से 30 दिन की व्यक्ति सो भी व्यक्ति वार्ष में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सुचना के स्वपत्र में प्रकाबन की तारीब बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस वा सकाने:

स्वक्कृतिकारणः --इसमें प्रवृक्त बक्कों जीर पर्दों का, वो उक्त जिथानियम के जभ्यान 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्भ होगा हो उस जभ्यान में दिवा बजा है।

नगसर्ची

प्लॉट नं जी-13, जो राँहाउस श्री दघ गुरु को-श्राप० हाउससिंग मोसायटी लि॰ड देवनार व्हिलज रोष्ट देवनार वस्त्रई-88 में स्थित हैं।

धनुसूची जैसा कि क० सं० क्रई-3/37-ईई/22523/85-86 और जो सक्षम प्राधिष्यारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिल्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर श्रायुक्त (जिरीक्षण) श्रजन रोंन-३, बस्द**ई**

दिनांक: 23-2-1986

प्रकृष बाह् दी. एन . एस . -----

भाग्फर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्याचय, बहायक जायकर जावृक्त (शिर्याक्रक) अर्जन रॉज-3 जम्बर्ड

बम्बई दिनांक 23 फरवरी 1986

निर्देश सं० प्रई-3/37-ईई-/22323/85-86--- मृत: मृत्ते, ए० प्रसाद

आयक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 42 जो कलक्टर्स कालोनी विहलेज बाधबली चेंबूर बम्बई-74 में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूची म और जो पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनामा प्रायक्तर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है दिनांक 1-7-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में बास्तिक रूप से किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिक्षित व्यक्तियों , अधीत :---

1. श्रीमती भगवानी टी० खत्री।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पार्वती बाई पी० खिथानी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्कोप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियों इस सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यध्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिशा मया है।

अनुसूची

प्लाट नं 42 जो कलेक्टर्स कालोनी व्हिलेज वाधवली चेंबुर बस्वई-74 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि कि सं व श्रई-3/37-ईई/22323/85-86 ओर ज। सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-7-1985 को रिजम्बर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

दिनोक 23-2-1986 मोहर ३

प्रथम बाह् ह ही, प्रमृत एक्टर----

वायकर वॉपनियव, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) वे व्योग क्वा

ज्ञादन स्टब्स्ड

कार्यासय, सहायक गायकार जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 फरघरी 1986 निदेश सं० अई-3/37-देई/22667/85-86---अतः मुझ, ए० प्रसाद

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स विधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-व के वधीन संभाग प्राधिकारी को, यह विश्वाद करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 4 जो सीगल ग्रन्मेलोर, को-प्राप० हाइसिंग सोसायटी, लि०, चबूर, बम्बई-89, में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध श्रमुसूची में और जो पूर्ण क्य में विणत हैं) और जिसका वागरनामा शायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 केख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिलांचे 1-7-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के स्थमाय विकास के लिए बन्तरित की गई है जार मुन्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मून्य उसके क्ष्यमान प्रविक्त सं के, एसं स्वयमान प्रतिक्त्य का बाजार मून्य उसके क्ष्यमान प्रविक्त से, एसं स्वयमान प्रतिक्त्य का बाजार मून्य उसके क्ष्यमान प्रतिक्त्य का विकास के बाज एसं बन्तरक (बन्तरकों) गौर बन्तरिती (बन्तरितियों) के बोच एसं बन्तरक के लिए अब पाया नवा विकास , निम्निनिवित उद्योक्त से स्वयम बन्तरित विविद्य में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया प्रया है मन्तर

- (क) बन्तरण सं हुन्दं कि ही बाब की वाबंदः, अबंद ना परिषय के अधीत कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने वा उससे म्लाने में कृषिया के सिए, और/ना
- (क) एँसी किसी बाय या किसी बन या बन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय कर बीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपान में सुविधा के निए;

सस: सम, उक्त अधिनियम की **पारा 269-म से सम्बर्धरण** में, गैं, उस्त अधिनियम की भारा 269-**म की उपधारा (1)** के समीन, निस्नतिचित व्यक्तिकरों सर्वात् क्ष—∞

- 1. श्रीमती एल०के० नम्बीयार।
- (ग्रन्तरक)

2. श्री पी० कुट्टन पिलाई ।

(श्रन्तरिती)

क्रा वह प्याना चारी करके प्यान्त वंपरित के वर्णन के निव् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दें 4.5 दिन की अविभिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन को अविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (श) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की सारीख श्री
 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य श्रीकर व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यव्योक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं क्यें होगा को उस ियाम में दिया गया हैं।

पनुसूची

फ्लैंट नं० 4, जो सीगल श्रन्गेलोर, को-श्राप० हाउसिंग सोमाग्रटी लि०, चेंबर, बम्बई-89 में स्थित है।

श्रनुमूची जैना कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/22667/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी वर्म्ह द्वारा, दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद मजन प्राधिकारी सहायक जन्नायकर आयुक्त (िरीक्षण) श्चर्जन रोज-3, बम्बई

दिनांक 23-2-1986 मोहर। प्ररूप आहें. टी.: एन. एस.,-----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की पादा 269-प (1) से मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यावयः, सञ्चायकः वाधकार वाधुकतः (निद्रीकापः)

म्रार्जन रोज-3 अम्बई अम्बई, दिनांक 26 फरचरी 1986

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/22170/85-8ज्--श्रतः मुझ, ए० प्रसाद

बासकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त मिधितयम' कहा गरा हैं), की धारा 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निवशस करने का कारण है कि स्वावर सम्मित, जिसका स्वित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी मं० माला नं० 14 जो इमारत नं० 3 रमा मंदिर इंडस्ट्रियल इस्टेट गोरंगांव (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है (और इससे उगांबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से दिणत है) और जिसका गरारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कब के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है दिनांक 1-7-1985

को पूर्णेक्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से का के का साथ प्रतिपाल को लिए जन्दरित की गई है और मुख्ये यह निवसास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र आजार सूख्य, उसके दस्यमान प्रतिपाल से, एस अस्यमान प्रतिपाल के बन्द्रह प्रतिस्त से विच्छ है और बंधरक (अंदरकों) और अंदरिती (अद्यक्तिकों) के कैंद्र एसे अन्दर्श के निरं दस एसे अन्दर्श के निरं दस एसे अन्दर्श के निरं तम स्था प्रतिपाल स्था कि कि स्था से उस्त अन्दर्श लिखत में वास्तिविक रूप संक्रित महिला कि

- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय नायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, सा बलकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिक्त स्वात क्रकट नहीं किया नथा या वा किया वाना वर्तहरू था, क्रियान में सुनिधा के सिह्

जतः वर्व, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की गारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् ;---- 1. श्री एस० जे० घ्रज्जन ।

(भ्रःतरक)

2. श्री र्णाकत प्रलीखान मोहम्मद ताकी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करका है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्होकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

माला नं 14 जो इमारत नं 3 राम मंदिर इंडस्ट्रियल इस्टेंट गोरेगांच (पूर्व) बम्बई-63 में स्थित है।

प्रमुखी जैसा कि कि कि सं अई-3/37-ईई/22170/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रजन रज-उ, बम्बई

दिनांक : 26-2-1986

त्रसम् तार्ष<u>ः</u> दौः, यसः, यसः, --=-----

नाधुकुष्ट वृधिर्तिन्त्व, 1961 (1961 का 43) की धाद्य भारा 269-व (1) के बचीन सूचना

भारत सरकाड

कार्याज्य, सहायक जायकार वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 फरघरी, 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/22258/85-86→-भत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थागर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० ४, जो जमुना इमारत, छेडा नगर, बम्बई-89 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से चणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 कब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधावारी के कार्यालय में रजिस्ही है दिनाक 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार बूक्त, उक्के क्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंत-रती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किंशन नहीं किया गया है :---

- हुँक) संस्पण से हुन्द किसी याथ कर्श नावत, सक्त विभिन्न के सभीन कार दोनें के बंतरक से दायित्व में कभी करने या उसते वस्ते में सुविधा के सिद्ध; बीद/वा
- (च) एंती किसी बाय या किसी भन या वन्य बास्तियों को, विन्हें भारतीय वायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्यम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

क्षः गय, सक्त विभिन्नियम की भारा 269-न व विवृत्तरण कें, में, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री एस० सुन्नमणियम ।

(अन्तरक)

2म श्री जीठ एम० जनार्वना

(अन्तरिर्ता)

करें वह तुन्ता पारी कहके पूर्वोक्य सम्मात के वृत्तन के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

उनत सम्पति। से बचीन से सम्बन्ध में सोहाँ भी बाक्षेत्र हु---

- (w) इत सूचना के हाचचन में प्रकाशन की तारीय से 45 वित्र की नवीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीय से 30 वित्र की नवीध, जो भी वर्गीय वाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से दिन को भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में द्वितवस्थ किसी जन्म व्यक्ति इवारा, अथोहस्ताकारी के पास विक्ति को किसे वा स्कों ने।

क्यूपर्य

फ्लैट नं 4, जो जमुना इसारत, छेडा नगर, तस्बई-89 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि के० सं० अई-3/37-ईई/2225://85-86 और जो सक्षत प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनाक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िर्रीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 23-3-1986

प्ररूप गार्द्ध टी. एन. एस..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 फरघरी, 1986

निदेण सं० श्रई-3/37-ईई/21982/85-86 --श्रनः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम् कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 95, जो पर्ल को-धाप० हाउमिंग सोसायटी , इमारत नं० 5, मेक्टर बी, वेग बीज के पीछे, सिद्धार्थ नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद धनुसूची मं और जी पूर्ण रूप में विणित हैं) और जिमका करार-नामा ख्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 रूख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 1-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवान से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप स किथा नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आक की बाबत, उनसे नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती वुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा, वा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

🔹 अभीतः, निम्नोलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रब्दुल अंक्षिफ जीवन मकनोजेईया।

(प्रन्तरक)

2. मोहम्मद नूर मोहम्मद जीवन मक्नोजेईया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोए भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकःशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिशाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची प

फ्लैट नं० 95, जो पर्ल को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी इमारत, नं० 5 सेश्टर-बी, वेग क्रीज के पीछे, सिद्धार्थ नगर, गोरेगांव (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि कि सं श्र श्रई-3/37-ईई/21982/85-86 और जो। सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक 23-2-1986 मोहर ।

प्रकल आई . ही . एन . पृत्

•**प्य**्राप्तः । श्रीमती राधा गोपालन ।

(शन्तरक)

2. श्रीमती वि० विजयालक्ष्मी और श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

बायक्टु वीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) चे मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक कामकर कायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 19 फरवरी 1986

निदेश सं० घई-3/37-ईई/22368/85-86--- झत: मुझ, ए० प्रसाद

बायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 9, में 12, जो सेक्टर 3, ह्रक्षय हमारत, छेड़ा नगर, चेंबूर, बस्बई-89 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ झनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारतामा झायकर ध्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क.ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विनांक 1-7-1985

त्रों पूर्वोक्त सम्मिल के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास किरने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मिल का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है दि—

- (क) बन्तरण से हुन्दै किसी बाय की वायत, उक्क शिधिनियम के बधीन कर बोने के अन्तरक की द्राप्तिस्थ में कमी करने या उससे क्वने में सविधा के लिए: कॉर्ट्या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तारिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

सतः अव. उक्त अधिनियम, की भारा 269-म के जन्सरणी में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासोप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, के उच्छे अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन संची

प्लॉट नं० 9 में 12, सेक्टर 3, श्रक्षय इमारत छेडा नगर, चेंब्र, बम्बई-89 में स्थित हैं।

प्रनुसूची जैसा ि क० सं० ध्रई-3/37-ईई/22368/85-86 और जी सअम प्राधिकारी बस्बई द्वारा, दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रजैन रोज-३, बस्बई

दिनांस । 19-2-1986

प्रकृत कार्य . दी . प्रत . प्रस् . ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के नभीन सुभा

गर्व चर्चाह

कार्यक्षक, सहायक जायकर जायुक्त (जिर्दाक्षक) ग्रजन रोज-3 सम्बर्ध

बम्बई दिनांक 19 फरवरी 1986 निर्देश सं० अई-3/37-ईई/22179/85-86--- अतः मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित् बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लट नं० 2सी/5 जो विजय विहार को-श्राप० हाउसिंग सोमायटी लि० सायन द्राम्बे रोष्ट वम्बई-71 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध श्रनुसूची म और जो पूर्ण रूप ने वर्णित है) और जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधित्यम 1961 की धारा 269 कव के श्रधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, दिनांक 1-7-1985

कर व्योंक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिन्ति की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उपित बाजार ब्रह्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ताह2प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब वाया गया प्रतिफल निम्निसित्ति उद्वोस्य से उन्त अंतरण निरीति में बास्तिक रूव से कथिस नहीं किया जवा है कु—

- (क) अन्तरम हो हुई फिली बाव की बावधा, क्यर विश्वतिका ने वर्षीय कर बोर्ग के बन्तरक की शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; बीए/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त विधिभिषम की पारा 269-न के बन्सरण जं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिक व्यक्तियों, वर्धात् ः— 1. र्श्वामतीः संतोण कुमारी ग्रार० वर्मा ।

(प्रस्तरक)

2. श्री सर्ताम रोगनलाल ओबेराय।

(भ्रन्तरित्री)

को यह कृषमा बारी कर्ड पृथींक्ट सम्मरित के मर्थन के विक कार्यमाहिनों करता हूं !!

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इब स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की नवींथ वा तरवंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तानील से 30 दिन की ववींथ, को भी ववींथ वाद वे स्नास्य होती हो, से बीतंद प्रोक्त व्यक्तियों में ते किसी कावित ब्वास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसंब्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रमिक्त ह इसमें प्रयुक्त कव्यों मीड वर्ष का, को उक्क विधिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होता को उस प्रध्याय में विद्धा प्या है।

नप्य परि

पनैट नं 2सी/5 जो विजय विहार को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० मायन ट्राँम्बे रोड बम्बई-71 में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि ऋ० मं० आई-3/37-ईई/22179/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्दक्षण) श्रर्जन रोज-3, बम्बई

दिनांक : 19-2-1986

मोहर ।

प्रथम बाह्^र्स टी<u>.: पुन_{सी} पुच_-------</u>

नानकर निधिन्यन, 1961 (1961 का 43) की पाछ। 269-म (1) के संधीत स्वता

नारव बहुबार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीत रेज-3 **बम्बई** बम्बई दिनांक 19 फरवरी 1986

निदेश सं० आई-3/37-ईई/**228**52/85-86-—फ्रत: मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूज्य 100,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव पलट नंव 15 जो बसन्त उत्तम को-आपव हाउसिंग सीसारटी लिव एक्योनी रोड चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध धनसूची में और जो पूर्ण रूप में विजित हैं) और जिसका करारतामा धायकर धिविन्यम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 1-7-1986

को पृश्वेंक्त सम्मत्ति के उभित बाजार मृश्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई हैं और भूके यह विद्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास का पंचा प्रतिकात से अधिक हैं और जंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पासा नया प्रतिकास, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नाय की बावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक में बावित्व में कमी करने या उन्नमें क्याने में सुविधा के बिए; धीर/या
- (रा) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर बांधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त बांधानयम. या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना काहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

जतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के. मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :── 59—16 GI/86

1. श्रीमती सिथालक्ष्मी सुब्रमणियम ।

(अन्तर्कः)

2. मनिया मांगरेकर ।

(श्रन्तरिती)

की बहु भूचना बारी करके पूर्वोक्त संपोल के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बनत तम्परित की मर्जन की सम्बन्ध में कोएं भी आक्षेप :---

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी के तिक्यों वह सुधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी सा में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लट नं० 15, जो बसंत उत्तम को-श्राप० हाउसिंग सोसाधर्टा लि० एन्थोर्न: रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूर्चः जैसा कि ऋ० सं० आई-3/37-ईई/22862/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिलाग 1-7-1985 को रजिएटर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकहर महाथक धायरप धायुक्त (िर्दक्षण) धर्जन रेज-3, बम्बई

दिन्तंक 19-2-1986 मोहर। प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रज-३,

बम्बई, दिनांक 19 फरवरी, 1986 निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/22526/85-86--श्रत: मुसे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० गाला नं० 302, जो 3री मंजिल, शाहीविदि हैचि इंडस्ट्रियल इस्टेट, 26, राम मंदिर, रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से चणित हैं) और जिसका करारतामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाव 1-7-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविश्व रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को , जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अन , उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन , निस्निश्चित व्यक्तियों . अर्थात :--

1. श्रीमती कमलाबाई परसराम ।

(भ्रन्तरक)

2. पुरुपोत्तम हीराक्द, रोहरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थिनतमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

गाला नं० 302, जो 3री मंजिल, श्राणीवींद हैचि इंडस्ट्रियस इस्टेट, 26, राम मंदिर, रोड, गोरेगांव (प०) बंम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्राई-3/37-ईई/22526/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा, दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेज-3 बस्बई

दिनांक 19-2-1986 मोहर।

तका जार्^र्व टॉल एग्ल एक्_{ट्रस्थनन}

कायकर मोभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी, 1986

निदेश सं० श्राई-3/37-ईई/22405/85-86---श्रन: मुझे, ए० प्रसाद

शायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबारु मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 202, जो ए-47, कु ज्या की-आप० हा उसिंग सीसायटी लि०, गोकुलधाम, गोरेगांव मुलू ड लिक रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और जो पूर्ण क्यासे पणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि । नेयम, 1961 को धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बार्यालय में है और मूझे यह विश्वास प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास मूल्य, उसके ध्रयनान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का मूल्य, उसके ध्रयनान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का विष्य पाया गया मूल्य, उसके ध्रयनान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का विश्वास विश्वास के बार बन्तरक (अंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया विषक्त, निम्मनिवित्त स्व्यास से ध्रयत कराय विश्वास के बारतिक है से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हें.इं किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया आना बाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

जतः। जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण त्में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित ध्यक्तिस्टें, अधीक् रू---- 1. श्रीमती बासुमती के० मेहता

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती राधा शेषादी ।

(अन्तरिती)

की यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के सिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

ब करा संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूच्या के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँक्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवाए;
- (ब) इत सूचना के राजपम में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीटर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकरेंगे।

भ्यव्यीकरणः -- इसमें प्रयूक्त सन्दों और पर्यों का, को उक्त श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिशादिस हैं, वहीं अर्थ होसा को उस अध्याय में दिया व्या हैं।

मन्स्ची

पलैट नं 202, जो ए-47, कुष्णा को-प्राप हाउसिंग सोसायटी लिं , गोकुलधाम, गोरेगांव मुलूड लिंक रोड, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० धाई-3/37-ईई/22405/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 18-2-1986 मोहर : प्ररूप बाह्र ही, इन्. इन. ----

बावकर विभिन्नित्र, 1961 (1961 की 43) की बारा 269-व (1) के बंधीन स्वता

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जात घर आवृत्त (निरीक्षण) अर्जन रज-३,

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी, 1986

निदेश सं० श्राई-3/37-ईई/21952/85-36---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अंगर जिसको सं ० फ्लंट नं ० डी-9, जो 2 रं मंजिल, रिफायनरी वहुयू० को-प्राप० हाउसिंग सीमायटी लि०, आए० सी० मार्ग, चबूर, बम्बई-74 में स्थित हैं (और इसने उपायद अनुसूची में और जो पूर्ण कर्न के विजत हैं) (और जिसका अनुरामा आध्यर प्रधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के अवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजरही है दिनी 1-7-1985 की पूर्वोक्श सम्पत्ति के वार्यालय में रिजरही है दिनी यह विश्वम प्रतिकृत के स्थाप विश्वत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वम का कारण है कि स्थाप विश्वत सम्पत्ति का उपाय बादार मृत्य असके प्रथमान प्रतिकृत से प्रदेश प्रतिकृत से प्रविद्धत से अध्य है और अन्तरित (अन्तरिका) के भीष एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिकृत का, निम्निसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत,, उक्त मिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खिएल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाह्र/या
- (क) इसी किसी लाग या किसी भन या अस्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या असकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) तो प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना थाहिए था, जियाने में ब्रिक्श के लिए;

कत्तः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण वों, जों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे अधीन विकासियत स्थितिस्थी स्थान हान्स 1. श्री एस० वाधवान ।

(अन्दरक)

2. श्री लालचन्द के० नामधाल और अन्य ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

लक्ष्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. वो अवश् विविवास, के सभ्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होता को उम सभ्याण यें दिका गया है।

अनुसुची

फ्लैंट नं० र्डा-9, जो 2 रो मंजिल, रिफायनरी पह्यू० को-श्राप० हाउसिंग सोसाथर्ट: लि०, श्राप० सी० मार्ग, चेंबूर, व बम्बई-74 में स्थित है।

श्रनुमूची जैमा कि ऋ० सं० श्राई-3/37-ईई/21952/85-36 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा, दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरौक्षण) स्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 18-2-1986

मोहर।

प्ररूप बाई. टी. एन. एस., -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के सभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यानम, सहायक मायकर नायुक्त (निरीक्षण) ष्ट्राजीन रेज-3.

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी, 1986

निदेग सं० प्राई-3/37-ईई/22248/85-86---श्रत: मुझे ए० प्रमाद

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की बारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर स्म्यास, जिसका उचित् वादाह ब्रुव 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जो 1 लीं मंदिल, इमारत, नं० 1, बोर्ली को-प्रापं हार्डासंग सोसारटी लिं०, डा० गिडवानी रोड, चेंबूर, वस्वई-74 में स्थित है (और इसरे उपाबड़ अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करार-नामा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के खके प्रधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रिजस्दी है दिनांक 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान को लिए अन्तिरत की गक् हैं "मभो यह विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रस्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण से हुए किसी आप की बाबत, उक्त अभिनियस के अभीत कार डोनें के जिल्हा के दायित्व में कामी कारत या उत्तस वधा या सुविधा के "सए, और/का
- (व) एंटी किसी बाव वा किसी भून या बन्य वास्तिया का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, गा धन-कर क्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया यायाकियाजानाचाहिए था, क्रियाने में सुविधः वे विष:

अत: वर्ष. उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, ब", उक्त विभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क्रेजधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों 🖟 **वर्धा**त् 🚛

श्रीमती एस० टी० सटटा।

(अन्तरक)

2. श्री महेश जी० बदलानी और श्रन्य ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित में वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी माक्षप क्र-

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकासन की तारीच से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविष, यो भी वनीथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रशेंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (ब) इस त्वना के रावपत्र में त्रकातन की तारींव से 45 दिन् के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बुक्य किसी कन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रमुक्त बच्चों और पद्धी का, जो उनर मीधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रभूसूची

फ्लैंट नं० 6 जो 1 ली मंजिल, इमारत नं० 1, बोर्ला को-श्राप० हाउसिंग सोसायटो लि०, डा० घोईथराम गिडवानो रोड, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकि करु सं० आई-3/3*7-*ईई/22248/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनांक : 18-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3

बम्बई, दिनांक 1 फरवरी 1986

निदेश सं० आई-3/37-ईई/22634/85-86---श्रत: मुझे ए० प्रसाद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.90,000/- रु. से अधिक है

ौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 102 जो 1 ली मंजिल. दीन क्यारी रोड, घाटकोपर घडाला रोड. श्राफ पांजरपोल नाका चेंबूर बम्बई-38 में स्थित हैं (और इसके उपाबद श्रमुमी में और पूण रूप से घणित हैं) और जिसका बरारनामा श्रायंकर श्रीधिनियम 1961 को घारा 269 वाल के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजिस्ट्री हैं दिनाक 1-7-1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क्क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आदि/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. कुमारी सरला राष ।

(अन्तरक)

2. श्री विनय सिंग कटोच।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंड नं ० 102 जो 1 ली मंजिल दीन क्यारी रोड घाटकोपर षडाला रोड भ्राफ पांजरपोल नाका चेंबूर बम्बई-88 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि कि कि माई-3/37-ईई/22634/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा. दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सयायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-3, बम्बई

दिनांक: 18-2-1986

प्रकल बाह्य हो हो एक एक उपना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थना

सारत बरकार

कार्यासयः, सहायक बायकर बाय्वत (निर्दाक्त)

म्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 25 फरवरी, 1986

निदेण सं० श्रई—3/37**ईई**/22077/85~86-**-श्र**तः मु**से** ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ज को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00000/र रुपये से अधिक ही

स्रौर जिसकी सं गाला नं 42-ए, जो 1 लो मंजित , ए-इमारत, विरवानी इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को आप को सासायटी लिं के विरवानी इंडस्ट्रियल इस्टेट वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे, गोरेगा जिल् (पूर्व), वस्वई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण क्य से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 1-7-1985

को प्रविवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान शितफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पत्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरितिया) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए इय पाया गया। प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वरिय से उच्त जन्तरको सिवित सम्पत्तिक ल्य में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण डेहुई किसी आय की वावस उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुर्देवधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काय या धन या कन्य वास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मँ, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नसिचित अधितकों, अधित अस्य (1) श्री प्रवीणचन्द्र ए० शहा

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स परफेक्ट पेपर एन्ड स्टिल कनबरटर्स प्रा० लि० ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तानीस से 30 विन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्ति रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, वो उपन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विमा गया है।

नम्स्ची

गाला नं ० 42ए, जो, 1ली मंजिल, ए-इमारत, विरवानी इ ण्डस्ट्रियल प्रिमायसेरा को० ग्राप० सोसायटी लि०, विरवानी इ ण्डस्ट्रियल इस्टेट, बेस्टर्न एक्पप्रेस हायबे, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-3/37ईई/22077/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी_, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरी**क्षण**) श्रर्जन रेंग–3, बम्बर्झ

दिनाँक : 25-2-1986

प्रकप बाई . टी . एन . एस . -----

प्राथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

भारत चरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनाँक 25 फरवलरी, 1980

निर्देश सं० श्रई-3/37ईई/22145/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कावकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

गीर जिसकी संज प्लाट नंज की 8, है, तथा जो राज कुंज को जाप हाउसिंग सोसायटी , वाधुवली, चें बूर, बस्बर्ध-74 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारक नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्वर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से, एसे द्वर्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरक से हुई किसी आय ो सायत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

भव: भव, उनत निमिनियम की भारा 269-न के ननुसरभ मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री डी० एन० चक्रवर्ती।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरीलाल कुमार प्रीट्टाथ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पूर की लागील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंने।

वपृष्ट्यी

ल्लाट नं० डी_। 8, जो, राज कुंज को० श्राप० हाउमिंग सोसायटी , वाधुवली, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० ग्रई-3,37ईई/22145/8585-86 ग्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई $^{\prime}$ द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

दिनाँक : 25-2-1986

प्रका नार्'. दी. एन. एस...------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के सभीन सूचना

बारत तरकाड

कार्यासन, सहायक बायकाड बायुक्त (निरीक्तन)

श्रर्जन रेंज~3, बम्बई

बम्बई, विनांक 18 फरवरी, 1986

निर्वेश सं० श्रई-3/37ईई/22259/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कामक र विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उन्चित्त बाबार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, है तथा जो बी-इमारत, न्यू गिरीण श्रपार्टमेंटन को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, पाटील लेन, चुताभट्टी, बम्बई-22 में ॄस्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीिं नियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पृथोंकत राम्पत्ति के उभित बाजार मृन्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांकतु सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, इसके स्वयमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिखत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-एरती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया नका प्रतिफल निम्नसिवित उज्वेदिव से उक्त अंतरण मिचित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नका हैं —

- (कः) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) श्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अथोंत :— 60—16 GI/86

(1) श्रीमती सी० साराँव।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० जे० जैन।

(भ्रन्तरिती)

को वह स्थान बारी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां कड़ता हुई [s]

उक्त संगरित के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी बालेप हु-

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विकित याद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इक स्वता के राज्यक में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दभ किसी वन्य क्योंच्त द्वारा अथोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों गौर पदों का, जो उक्त विधिविषय के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाया जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

प्रतृभुःशी

फ्लेट नं० 1, जो बी इमारत, न्यू गिरीण भ्रपार्टमेंटस को० म्राप० हाउमिंग सोसायटी लि०, पाटील लेन, चुना भट्टी बम्बर्ष-22 में स्थित है ।

श्रनुसूकी जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/22259/ 85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बस्बई हारा दिनौंक 1-7~1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक : 18-2-1986

त्रकष बार्ष् . टा. पुन . पुन

भागकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

शारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्राण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 18 फरवरी 1986

निर्देश मं० ग्रई-3/37ईई/22331/85-86~-ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

भागकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषे द्वारों स्थले प्रथाल 'उसत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सजय प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तस्पत्ति, जिसका उद्यक्ति वाचार जून्य 1,00,000/- नः. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 20, है तथा जो इसारत नं० बी-3, महेश नगर, एस० वि० रोड, गेरिगांव (प), बस्बई-62 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधित्यम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के बरमान प्रतिप्यल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बरमान प्रतिपत्त से, एसे बरमान प्रतिपत्त के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-एण के निए तय पाया गया प्रतिपत्त , निम्निलिखित उव्वदेश से अक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सृक्षिभा के लिए; और/या

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के वन्करण पं, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, विक्तिलित व्यक्तियों, अधीत् (1) श्री बाई ० बी० वक्यारिया।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती काँवाँदेवी एम० अगगवाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🚈

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्क्रमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पद्धीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शक्नों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूना

पलेट नं० 20, जो इमारत नं० बी-3क महेश नगर, एस० वि० रोड, गोरेगांव (प), वस्बई-62 में स्थित है। श्रतुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3,37ईई/22331, 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-3, बस्बई

दिनौंक : 18-2-1986

मोहर 👙

वस्य बाद' . टी . इद . एव . -----

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायकं बायकर बायुक्त (निर्दाक्तक)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 फरवरी, 1986

निवेश मं० अई-3/37ईई/21968/85-86--अतः मुझें ए० प्रसाद

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार नृस्व 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लंट नं० 2, जो 1ली मंजिल, प्लाट नं० 18-ए जवाहर नगर, एस० वि० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबड़ अनुभुची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याचय में रिजस्ट्री है, तारींच 1-7-85 को वृत्तींकत संम्मति के उचित बाजार मूस्य से कम के ख्यमान श्रीतक स से सिए बंतरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संयापुर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके ख्यमान श्रीतकत से वृत्तिक से स्थापुर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके ख्यमान श्रीतकत से वृत्तिक है बीर धन्तरक (जन्तरकों) धीर धन्तरिकी (धन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरक के विश्व तय पावा बवा प्रतिक क्य विकासित उद्देश्य के उन्तर धन्तरक विविद्य ने वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से धुर्द किसी बाग की गांधता, क्या अधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के बिए; बंगर/या
- (क) पुंची किसी बाय वा किसी धन ना बन्य वास्तिन्। को। जिन्ह धारतीय धायकर प्रोस्थितवम्। 1922 (1922 का 11) या उत्तत धीक्षित्रयम्। वा सन-व्यर विधित्रवम्। 1957 (1957 का 27) वी प्रयोगमार्थ जन्तिरिती हुवाडा प्रकट नहीं निका गया रहा या किया जाना जाहिए जा, कियाने में सुविक्षां के लिए।
- बतः वन, तस्त विधिनियम की धारा 269-म के कम्बर्स में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपभास (1), के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अधीत्:——

(1) मेसर्स भावता उन्सट्रक्शनस कम्पनी ।

(अन्तर्क)

(2) श्री भविभभाई एम० पटेल श्रीप अन्य। (अस्तिरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 जिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों का ब्यान की ताजील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यान्त;
- (च) इस सूपना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए या सकोंगे।

स्यक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रशासिक्त हैं, वहीं वर्ष होगा को उस बच्छाय थी। शिक्त क्ष

ग्रनुमुची

फ्लेट नं० 2, जो 1ली मंजिल, प्लाट नं० 18-ए, प्लाहर नगर, एस० वि० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है ।

अनुसुची जैमा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/21968/ 85-86 तथा जो पक्षम प्राधिकारी, अम्बई ब्राण दिलांक 1-7-1985 को रिजिल्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–3, बम्बई

दिनांक: 25-2-1986

मोहर .

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . ------

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी, 1986

निवेश सं० अई/--3/37ईई/21987/85--86---अतः सुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,09,000/- रा. से अधिक है

श्रीर निमकी सं अलेट तं । 19, को हमारत नं बी-1 रामानुज को अले कुर्ड़ासँग पोपायटी लिंक, प्लाट तं असर्वे नं अ 46 श्रीर 47, (श्रंग), महेण तगर, एसक विव रोड, गोरेगांव (प), बश्बई-62 में स्थित हैं। (श्रीर इससे उपाधक अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य में विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राक्षिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-7-1985

को प्रांचित सम्मित के उचित बाचार मुख्य से क्य के द्यवमाथ प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वयाप्तोंकत सम्मित का उचित बाजार ब्रुप, इसके द्यवमान प्रतिफात से एसे क्यानान प्रतिफात का प्रक्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्दरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाना क्या हितकस, विम्निविद्य उद्योग के क्या व्याहण कि विद्या में वास्तविक क्य से कवित वृद्धी किया नवा है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः दकः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधी।, निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात् :.— (1) एस० विजया लक्ष्मी ।

(अन्तरक)

(2) एम० एम० मालपानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी क्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लेंड नं० 19, जो इमारत नं० बी~1, रामानुज को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 3, सर्वे नं० 46 श्रीर 47, (श्रंश), महेश नगर, एस० वि० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि ऋम सं० अई-3/37ईई/21987/ 85-86 ग्रीर जो क्षसम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बर्ष

दिनांक : **18**-2-1986

प्रका नार्, टी. एव . एस . =-----

जायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के नभीन स्वता

भारत तरकार

क्षाविषय, तहायक श्रमकार शामुक्त (निर्योक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1986

निदेण मं० अई-3/37ईई/22399/85-86--अतः मुझे, ए० प्रसाद

नावकार निमित्तम्प, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके वहवात् 'उन्से निभित्तम' कहा गया है), की भारा 269-च के नभीन सभान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, चितका रुचित बाकार मृल्य 1.00,000/- रा. से नभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेंट नं० 401ए, जो सिना निवास को० आप० हाउसिंग गोगियटी लि०, विजय टाकीज के पीछे, सायन ढ़ाम्बे रोड, चेंबुर, बम्बई-71 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णित है श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

न्त्रे पूर्धिकत सम्पत्ति के उचित बाबार मृश्य से कम के दश्यनान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नावार मृत्य, उसने अध्यानान प्रतिफल ते एसे व्यवनान प्रतिकल का भिन्द्रह प्रतिगत ते व्यथ्यकान प्रतिफल है और अंतरक (वंदरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के नियं तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिक्टित उद्वर्ध में उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक कम से कथित रहीं किया गया है:---

- [क] अश्वस्थ ते हुई किसी बाब की वावता, अवत श्रीभीशिश्य के अभीत कर दोने के बन्तरक के वासित्व में कशी करने या उससे वचने में खुनिया की सिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या कास्त्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिरिष्ट मान, 1922 (19 12 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त जिथिनियम की भारा 269-न की जनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

- (1) श्रीमती पारुल नितीत शहा उर्फगोथी। (अन्तरक)
- (2) श्री ग्रंथा स्वामी पार्थसारथी।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त क्यांति में बर्डन के क्यांश्य में कोई भी बालेंच :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीचा से 45 दिन की नवीं या तत्त्रस्थानी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी स्वभि याद में समान्त होती हो, के बीतार प्रोंक्स व्यक्तियां में से सिक्षी व्यक्ति हुनारां
- विश्व हमा के राज्यम के प्रकार की वारीय है 45 ज़िए के प्रीत्र क्या स्थापर क्यारित में हित्यहुध विश्वी सम्ब क्षित्र हमारा स्थाहरवासाड़ी में शब विश्वित में जिल्ला स्थाप क्षी

ल्क्यांकरणः--इसमें प्रजुक्त सम्बों और क्यों का, को अवस सीधनियस के अध्यास 20-क में परिभावित हैं, यही तर्थ होता को उस सम्बाद में दिवा गया है।

प्रनुसूची

फ्लेट नं ० 401-ए, जो, सिना निवास को आप० हाउसिंग सोसायटी नि०, विजय टाकीज के पीछे सायन ट्राम्बे रोड, चेंब्र, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-3/37ईई/22699/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—3, बम्बाई

दिनांक : 18-2-1986

अक्स. माध^र. टी. एन. एस. -----

नानकार लिपिनिकार, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-व (1) के निपीन स्वेता

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक शायकर बाणुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-3/37ईई/22674/85-86--अतः मुझे ए० प्रसाद

कामकर किथियम, 195 (1931 का 43) (जिसं इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की भाषा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्षास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिलका उचित याधार मृज्य 1,00,000/- स. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कार्यातय प्रिमायसेस नं० 9, जो 1ली मंजिल, प्लाट नं० 33, सी० टी० एस० नं० 922, डी० के० संधू मार्ग, चेंबुए, बस्बई-71 में स्थित हैं (भ्रार इससे स्पाबद अनुमर्चा में भीर पूर्ण कप से विभिन्न हैं) श्रीर जिस ए अर्थानमा आयकर अधिनियस 1961 की धारा 269%, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रिजिन्द्री हैं, तारीख 1-7-1985

को प्वोक्तः सम्मित्त के उचित वाजार मृस्य से कम के ध्रमजान हिक स के लिए मंतरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने हक्तों का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित माजार मृस्य, उसके द्रम्यान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का बंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और जंदारक (बंदर्कों) और बंदरिती (बन्तरितियों) के भीच एसे जन्तरण के लिए तय पावा नया शिक से, निम्तिविद्य उद्वेषय से उच्या बन्तरण लिक्ति में भारतिक स्थ से कथित नहीं किया गया है।——

- (व) एथी किसी बाव वा किसी धन या बच्च वास्तियां की, चिन्धूं भारतीय वाब-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वस्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गमा था किया जाना चार्रीहर्य था रिज्या में सुविधा से सिर्मा से सिर्मा से सिर्मा से सिर्मा से सिर्मा से सिर्मा से सिर्मा

अतः शबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269 थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मनोहर पी० म्हात्रे।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० जी० देणगंडे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनका सम्पत्ति को अर्थन की सम्बन्ध भी कार्यात :---

- (क) इस सूचना के राज्यन के प्रकारण की सरकीय से 45 दिन की क्षत्रीय या सल्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ बूचवा की सामील सं 30 दिन की अवधि, को भी अवधि याद में समाप्त होती हो, हो भीतर पूर्वोक्स क्योंक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की दारीया से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों सिस-बब्ध किसी अन्य न्यासिए ब्वास नथोहस्ताकारी के पास विविधत मो किए जा सकोंगे।

क्यका किर्मुः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को सक्तें श्रीधिनिकास, को मध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरे नर्म होता, जो उस मध्याय में विका स्था है।

जनस्ची

कार्यालय प्रिमायमेंस नं० 8, जो 1ली मंजिल, प्लाट नं० 33, सी० टी० एस० नं०, 922, डी० के० संधू मार्ग, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कम म० अई-3/37ईई/22674/ 85-86 स्रोर जो सलम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिभांक : 1**8-**2--1983

प्ररूप नाहाँ दी एन एन . ------

बायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के अभीन स्चना

शास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बस्बई, दिनांक 18 फरवरी 1986

निदेश सं० श्रई--3/37ईई/22456/85--86--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उत्रक अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलेट तं० 23, जो 2री मंजिल. गंगा सदन, सौदागिनी को० श्राप० हाउसिंग सोसारटी लि०, 107, पेस्टम सागर एक्सटेंगन, पी० एल० लोखंडे मार्ग, चेंबूर, बस्बई-89 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित हैं) श्रीर जिसवा करारनामा श्रायव र श्रीधिनियम 1961 की धारा 26 व, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्या से कम के स्वयमान द्वितिक क के सिए अन्तरित की गई हैं। जौर मृत्रे यह विश्वास कारणे की कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से एते दश्यमान प्रतिकास के नन्द्व प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बम्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तस पासा मसा प्रतिकान, निम्नतिशित उद्वेदेश से उक्त अन्तरण किश्वत में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया नवा है:—

- (क) मन्तरण में हार्ड किसी शाव की बाबत, कर्कत अभिनियम के अभीभ कर दोने के अन्तरक के अधिक्य में कमी करते या उसमें क्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपक अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाता बाहिए था. छिपाने में सिकिया के निए।

अतः अबः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभिः, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्री सी० डी० गणई।

(ग्रन्तरक्)

(2) श्री कें० श्रो० जोम० श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को बहु तुमना बारी करके पूर्वोक्त तन्मरिक्ष के वर्णन के तिस् कार्यनाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के सामपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसन्वत्थी अविध्यामें पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी नविध बाद में समाप्त होती हतो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिवाँ में ने किसी व्यक्ति ब्वास;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को हिस- बद्ध किसी व्यक्ति दुनारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किसे वा सकती।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया क्या हैं।

यनसूची

प्लेट नं० 23, जो 2री मंजिल, गंगा सदन सौदागिनी को० श्राप० हाउमिंग सोसायटी लि० 107 पेस्टन सागर एक्सटशन, पी० एल० लोखंडे मार्ग, चेंब्र, बस्बई-89 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-3/37ईई22456/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 की रिजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज-3, बम्बई

दिनांक : 18-2-1986

त्ररूप् बार्ड . धी . एत : एव . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को जभीन स्वना

भारत सरकार

कामालय, अञ्चयक आयकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बध्मई

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-3/37ईई/22504/85-86--श्रनः मुझे ए॰ प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, जो इम्परत नं० सी०, जीवन बहार को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०. चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाधव श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985 को प्रॉक्त सम्पर्तित के उपासन वाकार सुख से कम के व्ययमान

को प्योंकत सम्पत्ति के उचित बाबार मृन्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंकत संपत्ति का उचित बाबार मृन्य, उभके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरका (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उम्स अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ही:—

- (क) अन्तरण से हुर्फ िकसी आय की बाअन, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की अनुसरण का, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) हे अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात: ---

(1) श्रीमती उपा श्रार० वेजवानी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० के० शाही ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को बी अवधि बाद में समाप्त होती हो, अने भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

ared .

प्लेट नं० 2, जो इमारत नं० सी०, जीवन बहार को० ब्रियाप० हार्जीसँग सोसायटी लि०, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है। श्रृतुसूची जैसा कि कम सं० श्राई-3/37ईई/22504/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गण है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायंक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, ब∓बई

दिनांक: 18-2-1986

१६५ नहै, **दी. एन. एत**्र जनसम्बद्धान

नायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-भ (1) के जभीन सुमना

नारंत बरकार

कामजिय, तद्वायक नायकर आवक्ट (निरीक्षक) अर्जन रेंज--3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी, 1986

निदेश सं० ऋई-3/37ईई/22154/85-86-- ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 👉 961 (1961 का 43)(जिसे इसर्वे इसकं परवात 'अक्ष अधिनियस' कहा गया है), की धारा 265-क्ष के अधीत सञ्चार प्राधिकारी की, वह विद्याल कारने का कारण ह कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-यः, सं**अधिक है**

भीर जिसकी सं० पलेट नं० 13, जो 4थी मंजिल, इमारत नं॰ एम-8, भानुमती प्रिमायसेस को॰ द्याप॰ हाउसिंग सोसायटी लि० बागूर नगर, बम्बई-90 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। भौर जिसका वारापनामा श्रादकार शकिरियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बजबई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

अर्थ पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मुख्य से कम के दश्यकान प्राप्तफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कन्तरिती (कन्तरितिवाँ) में बीच पंत्रे अस्तरण के किए तब पाया गया प्रटिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, अधिनियम को जभीन कर दोने को बन्तरक को वाधितन ां कभी करने या इससे बचने में सीवधा को सिए; भीर/गा
- (स) गोली किसी बाम या किसी धन वा अन्य कास्तियाँ को, जिल्हें भारतीय जाय**कर वर्धिनिय**म, (1922 का 11) या उबत अभिनियम, भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) क्रे नपोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया भवा भा बा किया कामा चालिए था, कियाने से प्रविधा **के लिए**:

वत: अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण . मैं , प्रक्रम अभिनिजन की भारा 269-व की उपधारा (1) क्षे तारीक निकासिका क्याँग्लगो , संशांत :---₆1—16 GI /86

(1) श्रीवि० वि० काशिव।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० के० सोमानी श्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकदथ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

फ्लैंट नं 13 जो, 4थी मंजिल, इमारत नं एम-8. भानुमती प्रिमायसेस को० ग्राप० हार्डीसग सोसायटी लि०. बांगूर नगर, बस्बई-90 में थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि फम सं० ग्रई-3/37ईई/22154/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांवः 1-7-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 18-2-1986

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

कश्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-इ (1) के बकीय मुचना

भारत सरकार

कार्धातमः, महायक कार्यकर प्राप्तकः (तिरोक्षकः)
प्रार्जन रेज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 18 फवररी 1986

निर्देश सं० ग्रई-3/37ईई/22650/85-86---ग्रतः मुझे ए० प्रसाद,

बायकर क्षेत्रियाः १९६१ (1961 का 43) (**जिसे इसमें** श्विके परभाग परच प्राथितियां ज्या साम ह**ै। की भारा** २६० क के असीन असाम है। का भारते व **कारक है** कि कावार संस्थित, जिसका विस्ता, **बाजार म्**स्क

1.00,000/- रा से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० सी-45, जो श्रीनगर, को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, पेस्टम सागर, चेंबूर, बम्बई-89 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय में रिज्रिट्री है, तारीख 1—7—1985 को पर्योक्त सम्पत्ति के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार क्ष्म, उसके दश्यमान प्रतिफल से, तेसे दश्यमान प्रतिफल का पंचा प्रतिकत से अधिक है और अंतरण के लिए तंस पासा गवा प्रतिकल, निम्नलिखित लब्देश्य में उपल अंारण तिबिख में बास्तिकल, निम्नलिखित लब्देश्य में उपल अंारण तिबिख में बास्तिकल रूप से कीश्वा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण में हुई कि:सी पात की बाबत, जबत जिथिनियद के जधीन कर दोने के बंतरक के शायिन्त में कमी करमें या उसमें बचने में बुविधा के जिए। करि/गा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारो प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाबिए था, किएएने में सजिया है लिए

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गःके अन्तरण औं, मैं तक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिशिक्त व्यक्तियों, जर्थांत् ्र— (1) एस० रंगराजन ।

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रार० परमेश्वरन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोषत सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उचत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बार्धप :--

- (ब) इस सृष्या के राजपत्र के प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के सस विश्वित में किए का दकींचे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और गर्दो का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिमाणिस हैं. बहुति सर्व होगा जो उस्तु सध्याय में दिया, गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० सी-45, जोक श्रीनगर को० श्राप० हाउसिंग सोनायटी, पेस्टम सागरक चेंब्र, बम्बई-89 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-3/37ईई/22650/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिः।री सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 18-2-1986

शस्य बाई. टी. एन. एस.,-----

नाथकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के क्यीन स्वना

भारत बहुकार

आयांनथ, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 18 फरवरी, 1986

निर्वेण सं श्र**र्ह**-3/37ईई/22242/85-86-श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 4.2) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ब्लाक नं एन- 5, जो तल माला, सर्वे नं 161 (श्रंग), बाँगूर नगर, गोरेगाँव (प), बम्बई- 90 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वाँगत है) ग्रीर जिसका करारनामा श्राथकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 1- 7- 1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृज्य सं कम के दरबमान् प्रतिफलं के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छड़् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नविचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण मिचित में ता मिनक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाब की बाब्स उपत अधि-नियम के बधीन कर दीन के अन्तरक के दायित्व में क्षी करवे वा उससे बचने में सुविधा के लिमे; दी ८/६)
- (ण) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियाँ करो, जिन्हों भारतीया नायकार निभिन्दन, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर निभिन्यम, या धन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 को 27) जो अयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था मा किना नामा चाहिए था, खिपाने में सुनिधा अ

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीए०दास्।

(भ्रन्तरक)

(2) श्राथामा 🕏 ० सेम्युग्रल।

(श्रन्तरिती)

की यह सुवना जारी करकी प्रशिक्त सम्पत्ति की बर्जन की लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्स संपरित के कर्जन के अम्बन्ध 🕆 काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र र प्रकाशन की तारीच है 45 विन को अवधि या जिल्लंकिंग स्वक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की अवधि आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन के भीतर उक्त रुपात्र सम्माल में हितकद्ध किमी अस्य व्यक्ति क्याल अयोहस्ताद्रात्र के पास विस्थित में किए ज. केम

स्पच्छीकरण: ---इसमा प्रयुक्त कच्या और पर्यो का, को उक्त अधिनियम क्षेत्र तथ्याय 20-क मी ग्रिभाषित ही, वहाँ अधी शता, को उस अध्याय मी विया स्पाह

क्षनसूची

ब्लाक नं एपन-5, जो, नल माला, नर्वे नं 161 (अंश) बौगूर नगर, गोरेगाँव, बस्बई-90 में स्थित है। अनुसूची जैंग कि कम सं अई-3/37ईई/22242/ 85-86 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसार नक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (तिरोक्षण) प्रजीन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक : 18- 2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यांनय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी, 1986

निदेश सं० श्रई | 3₁ 3 7ईई | 22685₁85-86---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् (उक्त निधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-च के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका अजित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं गाला नं 22, जो हिरा पन्ना प्रिमायसेस को ऑप कोसायटी लिंक, तलमाला, जाट नं 1 ग्रीर 2ख दिंडोगी हिलेज, गोरेगाँव (पूर्व), बम्बई – 63 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1–7–1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य भें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अरा: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अस्तरम मों, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) श्री एस० के० शेट्टी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जें० जी० परव।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया, गया है।

नम्स्ची

गाला नं० 22, जो न्यू हीरा पन्ना प्रिमायसेस को० ऑप० सोसायटी लि०, तल माला, प्लॉट नं० 1 श्रीर 2, दिंडोगी विहलज, गोरेगाँव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई- 3/37ईई/22685,85-86 भौर जो सक्षम प्राधि कारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रजाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक : 18-2-1986

प्रारूप आर्डे.टी.एन.एस.-----

and the same of the same

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 18 फरवरी, 1986

निवेश सं० ग्रई- 3/37ईई/22585/85-86---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961) धा 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' तक्का गया है), 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

न्नीर जिसकी सं० फ्लॉर्जिं० 402, जो 4थी मंजिल, स्पेल एज श्रपार्टमेट, घाटकोडर वंधाला रोड द्वतलार, बम्बई-88 में स्थित है (फ्रोंर इंगों उपावत प्रन्युची में फ्रीर पूर्ण रूप से बिणित है) भ्रीर जिसका उरारनामा भ्रायकर शिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित अक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रिजस्द्री है, तारीख 1 - 7-1985

कां पुत्रे/क्त सम्पत्ति के उचित नाजार मल्य स कम के रहवमान प्रतिकर, के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार क्ष्य, अनको उपयोगन प्रतिकाल से, एकि दश्यमान प्रतिकाल आता भन्<mark>दह प्रश्लिशत संग्रिक हैं औ</mark>ं अतरक (अंतरका) और अंतरिती (बंदरिशियों) के बीच एक जंदरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, विस्वीमित उद्वारम में उक्त अन्तरम लिक्ति में बास्तुन विक रूप से कथित नहीं विश्वाचना 🗗 🏣

- (क) अल्ह्राच संहूर्य किसी बाब की बाबस, अवस वर्षिषियम के वर्षीन कर दोने के अस्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे बचने में भूजिया के लिए; 15 TY /107
- (का) एोसी किसी काम या किसी भन था अल्थ आसिस्यॉर्ग का, जिन्ही भारतीय वाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का ११) था उक्त अभिनियम, या ण.कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की बोधनार्थ अन्तरिक्षी बुबारा प्रकट नक्ष्मी किया। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए ;

बरुः बबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-५ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स स्पेत एज बिल्क्स प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो ए० पालानी दास।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके प्रोक्ति सम्पत्ति के रर्जन के सिए कार्यबाहियां करता हु ।

अवतः सम्परितः के अर्जन के सम्बन्ध में काहिः भी भाषांच हन

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विक् की जन्मिया तत्त्वभ्यत्थी व्यक्तियों पर स्चना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुकारा,
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवहुध किसी अन्य स्थामत दुवारा अधोहस्ताक्षरी में पाड !कामन या **किए जा सकेंगे।**

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गय

मन्सू जी

फ्लॉंट नं० 402, जो , 4थी मंजिल, घाटकोपर, बडाला रोड, स्पेस एज प्रपार्टमेंट बम्बई- 88 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंशा कि ऋम सं० श्रई-3/37ईई/22585/ 85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनॉक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गथा है।

> ए० प्रसाद ाक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज- 3, बम्बई

दिनौंक : 18-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

हायक श्रायकर मागुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनाँक 18 फरवरी, 1986

निदेश सं० श्रई- 3/37ईई/22678/85-86-- श्रतः म्/सी, ए० प्रसाव,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्यूट नं० एच-13, जो, श्री गरस्वती को० आँप० हाउ िम सो नायटी जि०, चेंबूर गोबंडी, रोड चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 ह, ख के श्रीधन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायदेलय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब उन्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्स अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के मधीन, निम्निजिक्ति स्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) एस्केन इंजीनियरिंग इन्टरप्रायईज ।

(अन्तरक)

(2) श्री एल० एस० कदम ग्रीर श्रन्य।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के रक्षिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हित्तबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्णे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

फ्लेट नं० एच-13, जो, श्री सरस्वती को० ऑप० हाउमिंग सोसायटी लि०, चेंबूर गोवडी रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० श्रई-3/37ईई/22678/85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रिषस्टिई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनौंक : 18-2-1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.------

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आय्क्त निरीक्षण) अर्जनारोज-3, अम्बद्द

> बम्बई, दिनांक 18 फरवरी, 1986 सं. अई-3/37-की/22670/85-86---

िर्वेण सं० श्रई-3/37-ईई/22670/85-86---श्रत। मुझ, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० फ्लेट नं० 14, जो, इसारत नं० डी~7, 3री मंजिल, जलिनिधी को-शाप० हा सिंग सोसार है लिं०, वांगृय नगर, गोरेगांघ (प), बस्बई-96 में स्थित है (और इससे ज्ञाबल अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करायतामा शायकर प्रधिनिधम, 1961 की धारा 269न, ख के अधीन, धमबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्हों है। नारीख । जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्चित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप स कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिसित स्थिक्तयों, अर्थात्— 1. श्री एन० एम० चीधरी।

(ग्रन्तपन्।)

2. श्रीमती एस० जे० राषा

(श्रम्धरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्स स्थातर राजपित के तिहबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

पलेट नं १४, जो, इमारत नं ईी-7. उरी मंजिल ज जलिकी को-भाग हाउसिंग सोसायटी लि०, बांगूर नगर, गोरीगांव (प), बमबई-96 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि सं शई-3/37-ईई/22679/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को राजस्टई क्या गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज-3, बस्बई

दिनौकः। 18-2-1986 मोहर।

प्रका बाईं दी ह एवं व एक व्यक्त

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धात 269-म (1) के बधीन सुषका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायकत (विरोक्षण)

शर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/22451/85-86----श्रत। मुझे, ए० प्रसाद

श्रायकं र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 369-च वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करफ का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूक्त 1,35.300/- रु. से अधिक है

अ ि द रूं पलेट नं० एम०-4/8, जो उरी मंजिल बाग्र नगर, हिरामणें रतन को-आरं० हाउससिंग सोसायटी लि० एम० जीं० रोड, गोरेगांच (५), बस्बई-90 में स्थित है (और इससे उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अवीत, बस्बई स्थत सक्षम प्राधिकारी

के नार्यालय में रिजस्ट्रें। है, तारीख 1 जुलाई, 1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूर, से कम के दश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच उसे, अंतरण के लिए तम पाया गया इतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्द्र में हुई फिसी बाद को बादत उक्त बॉध-विदय के बंदीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व से कभी करने या उसके वचने में सुविधा के निवी; वीर /धा
- हुँको सुनी किसी काम या किसी धन केन्स वास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का : 1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना वाहिए वा कियाने में सुविधा खें लिख:

कतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण वें, में, उक्त विधिनियम की था 269-च की उपधारा (1) क क्योन, जिल्लीलिखत व्यक्तियों, सर्वात क्रिक्त 1. श्रो के० एम० नालकथ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री म्रार० के० कारवा और भ्रन्य।

(अन्तरितो)

को यह सूचना बारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता

उक्त ार्मा के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचका की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति ह्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी जन्म व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस निवित में किए वा सर्काने

सम्बद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को स्वती अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित्त है, वहीं सर्थ होगा वो उस अध्याय में दिशा गया है।

अपृश् भी

फ्लेट नं० एम-4/8, जो, 2री मंजिल, बांगूर नगर, हिरामणि रतन को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० एम० जी० रोड, गोरेगांव (प), बम्बई-90 से स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक क० स० श्रई-3/37-ईई/22451/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिवारो सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरोक्षण) श्रर्जनोज-3, बम्बई

दिनांक: 18-3-198

मोहर । 🎨

प्रथम बाह्य हो । यह । यह , मन्त्रमण्या

भावकर विभिन्तिया, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन चुचना

मारत सूरकार

कार्याचय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्ज)

म्रजन रंज-3, बम्बई

बम्बई, दिलांक 18 फरवरी, 198

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/22279/85-86--श्रता मुझे, ए० प्रसाद,

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात् 'उन्त निभिनियम' नहां गया हैं), की भारा 269-व में नभीन सम्ब प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्मति, विश्वका अचित वाचार मृत्य 1,30,000/- रा. से निभक्त हैं

और जिसकों सं० फ्लेट नं० 101-ए०, जो, पारस निकेतन, छेडा नगर, चेंब्र, बम्बई-700089 में स्थित है (और इसरे उपाधद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से चर्णित है)/और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1 जुलाई, 1985

श्री पृवांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रीतफल के लिए अंतरिस की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, रिक्फिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्रीमती मेघबाई डी० गाला।

(भ्रन्तरक)

2 श्री चंद्रकांत डी० गाला।

(अन्तरिती)

 वह कृषना जारी करके पृथानित चंपरित के अर्थन के निव् कार्यनाहियां करता हु"।

उक्त संपत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बालोइ ह—

- (क) इस सूचना के राज्यात में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीज से 30 दिन की अवधि, जो भी वस्थि वाद में समान्त होती हो, के भीतर पृष्टीकत जाकित में से किमी व्यक्ति व्यक्ति वाद है
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यास अधाहस्ताक्षरी के पाल जिकित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त विधिवन, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा. वो उस अध्याय में दिया वसा ही।

मरास्थः

पलेट नं० 101-ए, जो , पारस निकेशन, छेडा नगर, चेंब्र, बम्बई-89 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर संर शई-3/37-ईई/22279/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांस 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गथा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर आयुक्त (निरक्षण) धर्जन रेज-३, बम्बई

दितांक: 18-2-198°

मोहर 🚜

वक्य कार्य हो व्याप्तक व्याप्तक

1. श्री दौलत राम।

(अन्नरका)

2. श्री एम० एस० श्रीवास्तवा।

(भ्रन्तरिती)

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 **का 43) की गाउ** 260-घ (1) की अ**धीन म्चना**

नारत नरकार

कार्यासय, सहायक बावकर बावुक्त (नियोक्क)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 फरघरा, 198 निर्देण सं० श्रई-3/37-ईई/22277/85-86---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जानकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसके परनाध् 'उनत विश्वितन' कहा नवा ही, की भाष 269-स के अधीन सकत प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारभ है कि स्वावर सम्बद्धि, विश्वका उचित वाकार मुख्य 100,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 601, जो, गोकुलधाम, स्थलन की-ऑप० हाउसिंग सोपायटी गोरेगाँव शुर्लूड जिंक रोड गोरेग व (पूर्व), वस्बई-63 में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा धायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269वा, ख के अधीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्याच्य में रिक्ट्री है। तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार वृश्य वे कम के व्यवनाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे कन्तरण के लिए तथ पाया गवा वितिक के निम्तिविक के बिल्ल के विद्या पाया के लिए तथ पाया विविक्त के लिए तथ पाया के लिए तथ पाया के लिए तथ पाया के लिए तथ पाया के किया के लिए तथ पाया के किया के लिए तथ के विविक्त के लिए तथा के लिए तथा

- (क) अन्तरण से हुए सिनी साम की नानक, क्यां वृश्विमया के समीन कर वोने के सम्बद्ध के व्यक्तिया के क्यों करने वा स्वयं क्यां में वृश्यिमा के लिए; क्येंग्रा
- (व) एसी किसी शाय या किसी थन वा कवा आफितनी नहीं, जिन्हों आरतीय जल्म-मार अर्टिम्हिन्यन, 1922 (1922 का 11) या उनक विभिन्नन, वा धर्म-कर जिथिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरियो इनाय प्रकट यहीं किया क्या या का किया जाना चारिहर था, जिनाने में सुविधा के सिक्;

अतः अर्घा, उत्रक्ष साधितयम की पारा 269-न के नमुकरण पं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

को वह बुचना धारी करके प्रशेषित सम्मरित के वर्षन में विक् कार्यनाहिलों करका हूं।

क्या सम्मत्ति के वर्षन के प्रवंत में कोई भी वासीय ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बव्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

शन्स्की

फ्लेट नं० 601, गोकुलधाम स्वजन को-प्राप० हाउसिंग सोमायटी , गोरगाँव मुलूड लिंक रोड, गोरेग व (पूर्व) , बम्बई-63 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-3/37/ईई/22277/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बर्ष

दिनांग: 18-2-1986

मोहर।

प्रकृष बाह्य, हर्ते, एन . एक्-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 फरचरी, 1986

निर्देश सं० श्रर्थ-3/37-६६/22586/85-86----श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लाट नं० 41, जो तल माला, आफ सायन ट्राम्बे रोड, युनियन पार्क, चेंब्र, बम्बई-71 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूचों में और पूर्ण रूप ने विणि⊉ हैं)और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, , बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों हैं, तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रह्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास किरने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रह्ममान प्रतिफल से, ऐसे ब्रह्ममान प्रतिफल का प्रवृह्म प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के के लिए;

अतः अश्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के समूसरध्र. भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती टी० बहल।

(अन्तरक)

2. मेसर्स युनियन पार्क अपार्टमेंटम प्रायवेट लि॰। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 जिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त हान्नेती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिया के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्भी

ण्लाट नं० 41, जो, तल माला, आफ सायन ट्राम्बे रोड युनियन पार्क, चेंबूर, बम्बई-72 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-3/37-ईई/22586/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रास दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टई किया गथा है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 18-2-1986

प्र**रूप आहु^र.टी.एन.एस**्,------

आवकर जिम्मियम, 1961 (1961 का 43) की धरुय 269-व (1) के अभीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर भाग्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 फरवरी 1986

निर्वेश सं० अई-3/37-ईई/22317/35-85----- प्रतः मुझे, ए० प्रसाद

जायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परचाक् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट नं० 5, जो, 2री मंजिल, फीलरिना मी-इमारत, टेंक रोड, अंलिंम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इममें उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रश्रीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1 जुलाई, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके रूपमान प्रतिफल के, एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायिस्व में कमी करने या उससे दचने में स्विधा के लिए; मरि/या
- 'क) एंसी किसी जाय या किसी भन वा अन्य आस्तिक को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गर्वा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए:

नवः जन, सन्त निक्षिनियम की भारा 269-न के जन्मरण मं, मं, अन्त जिल्लीनियम की भारा 269-म की उपभाश (1) के अभीन, निक्लीलित न्यांकितयों, अर्थात र---- 1. श्रीमती मेरी वाझ।

(भ्रन्तरक)

श्री डोमनिक डायस और श्रन्य।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनक सम्मत्ति के मर्जन के संबंध जो कोई भी मानांच हु----

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वभरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यध्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

प्रनुभूची

पलेट नं० 5, जो, 2री मंजिल, फोलरेना सी-इमारत, टेंक रोड, ओर्लेम, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्र० सं० श्रई-3/37-ईई/22317/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक । 20-2-1986 मोहर ।ः प्रकम आई ुटी. एत. एस.-----

नावकर निप्तिन्न्, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-न (1) ने स्पीन स्वना

बारत सरम्बद

कार्यासय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्दीक्षण)

म्रर्जन रोंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश मं॰ गई-3/37-ईई/22541/85-86---श्रतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे ध्याने इसके परवात उक्त अधिनियम कहा गया ही की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मुख्य 1,0 र. से अधिक ही

और जिमकी मं पुनिट नं 220 और 221, जो, 2री मंजिल, मालाड सोनल हेवि इंडस्ट्रियल इस्टेट, रामचंद्र लेन, मालाड (प), वम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित है) और जिसका वरार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के शबीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिष्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण हिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्सरण सं हुई जिसी भाग की जावता, उक्स अधिनियम के घणीन कर दोने के मृत्यरक के वामिस्य में कमी करने या उक्स भिने में सुविधा के जिए; शौर/ना
- (क) प्रेसी किसी भाग या किसी धन गा अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियस, 1922 (1922 का ११) या सकत अधिनियस, वा धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वाध प्रकट महीं किया नक वा वा किया नाना चाहिए था, कियाने में प्रविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इं अभीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, वर्षात् 1. श्रो प्रभुदास माधवजी पाडीया।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वहलभ कम्बाईन्स।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

- उक्त सम्पक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—
 (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

प्रमुखी

युनिट नं० 220 और 221 ,जो 2री मंजिल, मालाख सोनल हेवी इंडस्ट्रियल इस्टेट, रामचंद्र लेन, मालाख (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की %० सं० श्रई-3/37-ईई/22541/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिल्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-2-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बंभीन स्थना

कार्यात्रयः, सहायक बायकर भाग्वत (निरक्षिण)

प्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरघरी, 1986

निर्देश सं० भ्रई-3/37-ईई/22488/85-86---श्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परभात 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह निस्तास करने का कारण कि स्थापर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

अंतर जिसकी सं० गाला नं० 107, जो, मालाड सोनल इंडस्ट्रियल प्रिमायसेम को-आप० सोसायटी लि०, रामचंद्र लन,
मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमे उपाबद्धः
अनुमूची में और पूर्ण रूप ने चिनत है)/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के
अवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के वार्यालय में रिजस्ट्रों
है। तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के जीवत बाबार मूक्य से कम के स्थवमान अतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मूक्य, उसके स्थवनान प्रतिफल से एसे स्थवान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के दिल्ए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नसिखित उच्चेश्य से उसते जन्तरण निम्बत में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है क

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने बा उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह^{ें} भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :— 1. श्री डी० टी० पाडीया।

(भ्रन्तरक)

2. मेमर्स परेण प्लास्टीक इंडस्ट्रिज।

(भ्रन्तरिसी)

की यह त्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तियु कार्यवाहियां करता हो।

बक्त संपत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप रे---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीस से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति व्वतरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि है, वहीं अर्थ हार्रेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं० 107, जो, मान्ताड सोनल इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को-प्राय० सोसायटी लि०, रामचंद्र लेन, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

धनुसूची जैसा की कि० सं० ब्रई-3/37-ईई/22488/85-86 अं।र जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक: 10-2-1986

प्रकृत वाद् , दी, एन् , एच , -------

1. श्री उदब इंग्ड ऑदे।

(अन्तर्क)

2. श्रीमती डायसी कुटिन्हो और ग्रन्थ।

(अन्सर्गितः)

नाथकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) को) भारा 269-म् (1) के नुभीन सुभना

मारत शरकार

कार्याजन, तहानक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरचरी, 1986

निर्देश सं० श्रई-3/37/ईई/22819/85-86—-श्रत: मुझे, ए० प्रसाद

आवासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थान्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,600/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 3, जो, तल माला, इमारत नं० 3, ग्रीम पार्क को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सीए एस० नं० 325(अंग), सर्वे नं० 28, एच० नं० 4 (अंग) लिकींग रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध श्रनुमूर्वों में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारतामा श्रायकर श्रिश्चित्यम, 1961 की धारा 269व, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री हैं। तारीख 1 जुलाई, 1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित अध्वोध्य से अबत अंतरण निम्नल में वास्तियक कर से किथ्व महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) लें प्रांजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्मा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिक्य किया

बत: अब उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) बो अधीन, निम्निनिवित स्थितिखों. बर्धात ः--- को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जनिध, भी भी समित में समाप्त होती हो, के भीसर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबल्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विका भवा है।

जन्सूची

फ्लेट नं० 3, जो, तल माला, इमारत नं० 3, ग्रीनं पार्क को-ग्राप० हाउसिंग सोमारटें लि०, सी० एस० नं० 325 (अंग), सर्वेनं० 28, एच० नं० 4(अंग), लिकींग रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा की कि सं श्रई-3/37-ईई/22819/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 कीपरिक्षिकार्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायदार श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेजि-3, बस्बई

दिनांब: 10-2-1986

मोहरः

प्रकप नाइ . टी. एन. एस . ------

नाम्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन सुचना

ARE, JUSTALLAS DERMINISTERATURANTE

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रॉज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 6 फरवरी, 1986

निर्शेष मं० अई-3/37-ईई/22640/85-86---- अत: मुझे, ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विख्यात करने का कारण की कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० फ्लेट नं० ए/6, जो, 2री मंजिल, दि मालाड योजा। को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित हैं (और इसमे उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारतामा श्रायकर श्रधि नियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। सारीख 1 ज्लाई, 1985

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में अमी करने या तभसे बचने में सुविधः अस्तरिक्षः शीवरणः
- (w) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कक्तः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपस्टारा (1) के क्रीन निम्निसिश्ति व्यक्तियों, क्यति क्रिस

1. श्री शिवगर वेवगर।

(भ्रन्तर्क)

2. श्रीमती गंजराबेन उर्फ जीठ केठ दोशी। (अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां भूक करता हुं।

उक्त तत्र्यक्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचमा के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर एकत स्थावर सम्पत्ति में हिस- बहुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए आ सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमे प्रयुक्त अव्यों और पर्यों का, वो उक्त अधि-नियम के अध्याव 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० ए/6, जो 2री मंजिल, दि मालाष्ट योजना को-प्राप० हाउमिंग सोसानटी लि० मालाष्ट (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई-3/37-ईई/22640/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को एजिस्टई किया एया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयवण आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रोज-3, ब≭बई

दिनांग: 6-2-1986

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन समाना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बम्बई ,दनांक 6 फरवरी 1986

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

निर्देश सं० भई-3/3 7-ईई/22269/85-86--- भ्रत: मुझे, ए० प्रसाद

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिक बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संबद्धकान नंव 169, जो, तल माला, मालाख गापिंग सेंटर प्रायवेट लिंव, मालाख (प), बस्बई-64 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है नारीख 1 जुलाई, 1986

को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से ऐसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रत अतिशत स अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावत, उपत नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वाधित्व में कमी करने या उससे यचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) दोसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः जल, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्तरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269 ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निरिधिक व्यक्तियों, अर्थात र—

63-16 GI /86

ा. श्रं मोपाल उत्तलाल माला।

(अन्तर्क)

2. श्री भुनगी भिमणी गाष्टा और अन्य।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति क्यियत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जि सकेंगे।

स्यव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रीधनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

दुकान नं 169, जो, तल माला, मालाष्ट्र गाधिय सेंटर प्रायवेट लिं , मालाष्ट्र (प), बम्बई-64 में स्थित है। धनुसूची जैसा कि कि सं धई-3/37-ईई/22269/85-86 और जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिलाष 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राविकारी सहायक श्रायकर शायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रोज-3, वस्बई

दिनांक: 6-2-1986

अस्य नार्वं, बी. एन. एत . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बहे, दि त : 3 फरवरं, 1986

िर्देश सं० प्रड-3/37-ईई/22846/85-86---प्रतः **मुझे,** ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इंब्यूनें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकें संबद्धानिक 4, जो, तल माला, चेरी ब्लासम पार्टिनेंट, मीठ टीक एमक नंक 522 (अंग), बिलेज बाल-नाप, डिमोंटे लें, मालाड (प), अम्बई में स्थित हैं (और इसने उपायद्ध धनुभूची में और पूर्ण क्याने पणित हैं) और जिसका नरारतामा आधकर अधिक्यिम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्ट्री हैं, तारीख 1 जुलाई, 1985

मा १७०८ स्थान के उतित बाजार य्ल्य में कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्म्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जन जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) इं कथीन, जिन्निसित •प्रक्तिशों, अर्थात् क्र— 1. मसर्स बंग्रि एच्या कल्स्युक्यान कपनी।

(भनारक)

2. श्री जमील श्रह्मद बी० खिलर्जी।

(भ्रान्तरितं)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के हैंगए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त कुम्पत्ति के बुर्जन के तत्वत्य में कार्क भी वालेप :---

- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकारी के पास्त्र लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विक्

श्रनुसूची

दुकान नं 4, जो, तल माला, चेर्रा ब्लासम ध्रपार्टमेंट सीं टीं एनं नं 522 (अंग), विलेग वालनाय, डीं मोन्टे लेन, मालाड (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० से० श्रई-3/37-ईई/22846/ 85-36 और जी सक्षम प्राधिकारी बस्बई ब्रासा दिनांक 1-7 1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 3-2-1986

इक्य नावै .टी . एवं

शायकर श्रीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकार नायुक्त (निर्देशक)

श्रजीत रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनौंक 6 फरवरी, 1986 निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/22430/85-86→-श्रतः मुझे, ए० श्रसाद

कावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवाह 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बण्जार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, बगवतो श्रपार्टमेंटस को-श्राप० हाउसिंग सौसायटी लि०, ब्लाट नं० 6, एस० वी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबस धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है)/श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1 जुलाई, 1985

की प्रॉक्त सम्मित के जीवत बावार मृत्य से कम के स्वस्थान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वात करने का कारण है कि स्थाप्योंकत संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और मंत्रिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) से बीच एसे संवस्था के सिष् तय पाया क्या प्रतिफल निम्निसित उद्वार्थ से उक्त बन्तरण सिचित में बास्तिक हुए से कथित नहीं किया कथा है उ--

- (क) मृत्यप्रम सं हुइ किसी बाब की वासस, अक्ष्य बीवृतियम से सभीत कर दोने हे बस्यादक से दाविस्तू में कभी करने वा उससे ब्यूने में सुविधा से सिस्टू और/सा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तियों को विन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता जाहिब था, कियान में वृष्या की निए;

कतः अभ , उक्त अधिनियम की भारा 269-म की मन्तरभ में , में , उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों , वश्री :--- श्री पुरुषोत्तम टी० रोहिरा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शामून प्रव्वासभाई काशी श्रीर अन्य। (अन्तरितो)

को वह त्यना बारी करके पूर्वोक्त कम्मिति को वर्धन के निध कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्द संपरित के वर्षन के संबंध में आहे। भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पृत्रीक्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-वह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

लब्बीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त कि कि नियम के बध्याय 20-के मी परिभाषित हैं। अडी वर्ष होता, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

वनुसूची

पुकान नं० 3, जो, बगवती श्राश्मिंट्स, कोबश्राप० हाउब सिंग सोसायटी लि०, ज्नाट नं० 6, एा० त्रो० रोड, मालाज। (प), बस्बई-64 में स्थित र।

ग्रनुमूची जैपाको ऋ० सं० ग्रई-3/37 हिंदी/22430/85ब 86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बस्बई द्वारा निर्के 1-7-1985 को रिनस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रााद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-3, बम्बई

दिनौंक: 6-2-1986

मोहरः

मुख्य कार्याः स्थाः ध्रुः एकः, प्राप्तानामा

भायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) स्वी भारत 269-म (1) में समीन मुखना

MISS SEATS

कार्यालय, तहायक गायकर जायूक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-3/37 ईई/22718/85-86---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्रिको पश्चात् 'उन्त अधिनियम' क्रिका गया हैं), की भाग 269-द के अभीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह जिस्तास करने के कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

द्यौर जिसकी सं ० फ्लंट नं ० 26, जो, 2रो मंजिल, बी-विंग, ब्लूय हुबेन, आफ लिंक रोड, विलेज वालनाय, यब ब्लाट नं ० 2 (श्रांश), ज्लाट नं ० 9, सी० टी० ए १० नं ० 30/22 (श्रंश), मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रांर इपमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) श्रीर जिनका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्याबाव प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य, उतके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पद्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त वृधिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा क अध्यक्त कार्य
- (त) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों का, विमह भारतीय वायकार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्य ज्ञिभिनियम, या भनकर मुश्लिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मुख्लिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्वा था या किया आगा चाहिए था जियाने में वृत्विया से निष्;

अतः अब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचिसित व्यक्तियों,, अर्थात् :-- 1. मेसर्स एम० एण्ड जे० कम्बाईन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रिचर्ड लासराडो ग्रीर ग्रन्य।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रॉक्त सम्मत्ति के अर्थन के विष् कार्यशिक्ष्यां करता हो।

उन्द कुनिश्चित के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ७---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितववृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकी

स्यव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, वा उक्त विभिन्दम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा वो सस बच्चाय में दिया व्याही।

भन्स्ची

फ्लेट नं० 26, जो, 2री मंजिल, बी-विंग, ब्ल्यू हवेन, श्राफ लिंक रोड, विलेज वालनाय, सब प्टाट नं० 2 (ग्रं), प्लाट नं० 9, सी० टी० एउ० नं० 30/22 (ग्रंग), मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कं सं० श्रई-3/37बईई/22718/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रपाद यक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनौंक: 6-2-1986

मोहरः

प्ररूप आहे.टी.एन.एव.-----

अन्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्ती धारा 269-अ (1) को अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश मं० श्रई-3/37-ईई/22214/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रमाद

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 204, जो, इमारत नं० डी०-2, निपायन, पठाणवाडी रोड, बेस्टर्न एक्सप्रेस हाथवे, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्राय-

कर अधिनियम, 1961 की धारा 269फ, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख ा जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास -करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तु ह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गवा वितफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निकित को बाजप्रितिक रूप से कथित वहीं किया प्रवा है ■——

- (क) बन्तरण ते हुई किसी आय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तिथं को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, स्थिनने में सुविधा के सिह;

श्रतः म्राव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनसरण भौ, भौ, डक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के प्रधीन, निम्मसिकित व्यक्तियों, वर्षात् ३—- 1. श्रोमती लता चंद्र लाला।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एच० एम० शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि यद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (ख) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा मकींगं।

स्पद्धोकरणः ---इसम प्रयूक्त शब्दा और पद्मां का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसुची

फ्लेट नं० 204, जो, इसारत नं० डो०-2, तमात्रत, पठाणवाडी रोड, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाय वे, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा को ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/22214/ 85-86 श्रीरजो नक्षत्र गविकारो बन्दई द्वारा दिर्गाह 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सञ्जन प्राधिकारी सहायक श्रायंकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3, बस्बई

दिनाँक: 10-2-1986

मःहर:

प्रकृप नार्च . दी . एन . एस . -----

आयक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

बम्बई, दिनाँक 6 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/22131/85-86~ - श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पलेट नं 2, जा तल माना, श्रो राम । हिमेंट्न, एस बीव रोड, मिलाप विनेमा के पास, 5मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबक्क अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

की पूर्विकत सम्मित के उपित बाबार मूस्य से कम के क्यमान प्रतिकत के लिए जन्हीरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत संपत्ति का उपित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पल्झह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्निनिधित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निधित में बास्तिक रूप से किशत महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स धुद्ध किसी अत्य की शस्त्रत्, अच्छ अधिनियस के अभीन कर दोने के अभारक को दायित्व मों कमी करने या उससे अचने में स्विधा के निष्; और/या
- (क) ऐसी किसी नाम वा किसी धन वा जन्म जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ जन्मरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा खेलिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:— 1. मेसर्स संघंबी कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(ग्रन्तरक)

2. मेंसर्स राजेशभाई नरोत्त मदास मर्चेन्ट श्रीर श्रन्य। (मन्तरिती)

कं यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त तत्र्यक्ति के वर्षत के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पष सूचना की तामील से 30 दिन की नविभ, वो भी अमिश नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया। में से किसी स्पनित दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की दारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अभोहस्ताकरी के पात निस्ति मों किए वा सकेंगे।

स्पळ्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीवनियम, के जध्याय 2:0-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगर वो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 2, जो, तल माना, श्रो राम ग्रावार्डमेंटस, एस० वी रोड, मिनाप मिनेमा के नान, मानाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा की क० सं० श्रई-3/37-ईई/22131/85-86 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रताद ाक्षन प्राधिकारो सहायक ग्राधकर 'प्रायुक्त (निरोक्षण) भजन रेंज-2, वन्बई

विनौक: 6-2-1986

मोहरः

प्रस्प बार्षं .टी .एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रें ज-3

बम्बई, धिनाँक 6 फरवरी, 198 6 निर्द्रेण सं० श्रई ০-3/37-ईई/22719/85-86-- श्रनः मृञे, ए॰ সমাৰ

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उनत 'चिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स को अधीन सक्षम पाधिकारों को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- राज से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० फ्लेट नं० ए-32, जो 3ते रं^{ति}त, इत्यू० हवेन, श्राफ लिंक रोड, विलेज वालनाय, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रोर इपने उगावद्ध श्रतृपूत्री में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, यम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

करे पूर्वेक्त सम्पत्ति के उिचन बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल में एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण स एक किया आय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के जंतरक के दासित्य में कमी करने या उससे उच्चरे में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आए या किनी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के किए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण माँ, मौँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपनारा (1) के अनीन, निम्नलिकित स्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स एम० एण्ड जे० कम्बाईन।

(श्रदतरक

2. श्री फान्मीय लोपेत ग्रौर ग्रन्य।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यास के अर्जन क । भए कार्यवाहिया करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (श) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त कन्यों और पर्यो का, जो उक्त अधिनिधम, के अध्याय 20-स में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसर गवा हैं।

अनुसूची

फ्लेट नं० ए.०-32, जो, 3री मंजिल, ब्ल्यू हवेन, श्राफ लिक रोड, विलेज बालनाय, मालाड (प) वम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-3,37-ईई/22719/85-86 श्रौर जो नक्षम प्राधिकारी अस्पर्द दारा दिनाँक 1-7-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ायुक्त (फिरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, वस्बई

दिवाँक : 6-2-1986

ध्यक् भार्द्र हो , एन , **एव**्न - - -----

भाषकर माधानवान, 1961 (1951 सा 43) की भाग 269-न् (1) से अभीन स्थता

मार्च दरकार

भागसिय, सहायक जायकर जागुक्त (निरोक्तण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनौंफ 10 फरवरी 1986

निर्देण सं० श्रई-3/37-ईई/22427/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धार्थ 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मुक्स 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 19, जो, "बी" (श्राय), तल माला, नटराजें मार्केट, एस० बी० रोड मालाड (प), सम्बद्ध-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण क्य से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रीचीन, बैम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजेस्ट्री हैं, नारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण विवित में आस्थिक कर्य के कथित नहीं किया प्रया है क्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा डेरिन्स; और/या
- (स) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों अने जिन्हों नारतीय आध्यार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन- अस् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा जे निरा:

भाग अन उत्त अभित्यम की भारा 269-य की अनुसरम में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) से अभीन, निम्मिणिक अभिन्यों, अर्थात् :--- 1. श्रीमतो रक्षिया बेगम प्रव्युल रेहमात ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमतो मणिबेन मोरारजो धारो । (ग्रन्तरितो)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के सूर्यन के जिस कार्यकाहियां कारता हैं।

उक्त सम्मत्ति के बर्चन की सम्बन्ध में कोई भी बाबोद हु---

- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोत्पत स्विता सुवादी;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में अकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर तकत स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्म व्यक्ति इनारा मधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्वध्योक्षरण :----इसमें प्रयुक्त क्वां और पदों का, जो उकत विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा की जस अध्याय में निवा गया है।

वन्त्र्यी

दुकान नं 19, जो "बी" (श्राय), तल माला, नटराज मार्केट, एस० बी० रो , मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है। श्रनुसूची जैमा की कि सं श्रई-3/37-ईई/22427/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रिनस्टर्ड बिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-३, बम्बर्ड

दिनाँक: 10-2-1986

प्रकार बाह^{*}. टॉ. एन. एन्.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन सूचना

शारत बरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जानुवर (विरोधक)

म्पर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 14 फरवरी 1986

निर्द्रोश सं० श्रई-3/37-ईई/22125/85-86---ग्रतः मुझे. ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास खड़ने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 203, जो, 2री मंजिल, गूट लेन्ड ग्रपार्टमेंट, लाउडसू कालनी, मार्बे रोड, मालाड (प०) अम्बई-64 में स्थित है। (ग्रीर इम उपाबज अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिलका करारनामा आयकर अधि-नियम् 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मूक्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, स के बृश्यमान प्रतिचल हो, ऐके दृष्यमान प्रतिचल का भूषण्य होनित म से प्रविच है बीच बन्तरक (बन्तरकों) बीद चन्तरिती (बन्तरितिनी) में बीच देश अन्तरक के लिए तब पाना बना प्रविच्या विकासितिन उद्देश्य के बन्त बन्तरम सिवित में बास्त्यिक कम के बिवत नहीं किया गया है :—

- (क) जनसरण वे हुई किसी आप की वावबा, वनस विधिनवन वे बधीन कर योगे की वनसहरक ने दायित्व में कनी कड़ने या उससे वजन में स्विधा के जिए; बाह्र/का
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनिक्स, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनिक्स, या धन-कर अधिनिक्स, 1957 (1957 को 27) जै अयोजनार्ज अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया थाना चाहिए था, कियाने में सविधा के किए; और/वा

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

64-16 GI/86

1. मेसर्स रोझ बिल्डर्स एण्ड श्रासोसिएटस।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ए० ग्रार० डिसोझा ग्रौर ग्रन्य।

(श्रन्तरिती)

को वह तथना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के हिन्छ कार्यनाहियां जुक करका हैं।

उक्त इन्होत्त में वर्षन के सम्बन्ध में कोई नी बाबेद झ—

- (क) इस स्थान से सम्मन में प्रकारण की राशिय में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों गड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समान्य होती हो, ने धीतर पृत्रीका व्यक्तियों में सिक्ती व्यक्ति प्रवादः
- (व) इब स्वका के राजपन में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दिय-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकीये।

स्पृक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो सन्य किश्वियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिना वस है।

अनुसूची

पलेट नं० 203, जो. 2रो मंजिल, शूट लेन्ड श्रपार्टमेंट, लाउड्सू कालोनी, मार्बे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसां की फिल्सं अई-3/37-ईई₁22125₁85-86 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रिजल्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-3, बस्बई

दिनाँक: 14-2-1986

नायकर विभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन स्थना

नारत तरकार

कार्यासकः, सहायक बावकः, वावकः (दिश्रीकणः) शर्जन रेज-३, बस्बर्ध

बम्बई, दिनौंक 14 फरवरी 1986

निर्वेश सं० धई-3,37-ईई,22126,85-86--- मतः मुझे, ए० प्रसाव

नायकार न्यिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंचे इसमें इसके पश्यात 'उन्त अधिनियम' नहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निध्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पतित, चिसका अभित बाजार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलेट नं० 202, जो, 2री मंजिल, शूट लैन्ड श्रपार्टमेंट्स, लाउडस् कालोनी, मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्राधीन, वम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

करे पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उक्षके दरममान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर व्याधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना वाहिये था, छिपाने से व्याविधा वी विष्/ः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ्र—

1. मेसर्स रोझ बिल्डर्स एण्ड ग्रासोनिएटस।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सी० के० पुजारी।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुचना जाड़ी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्षन् के लिए करता हुई :1)

उनत संपत्ति को बर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वाग के हाजपन में प्रकाशन की ताड़ीय के 45 दिन की संवीध ना वस्तप्त्रमणीं व्यक्तियों पर स्वाग की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस स्वता के रावपण में प्रकासन की ताड़ीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

वनुसूची

पलट नं 202, जो, 2री मंजिल, णूट लैन्ड ग्रपार्टमेंट्स, लाउडस कालोनी, मार्वे रोड, माला (प), बम्बई-04 में स्थित है।

भ्रानुसूची जसांकि कर सं० श्रई-3/37-ईई/22126/85-86 भ्रीर जो मक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, बस्बई

दिनाँक: 14-2-1986

मोहरः

प्ररूप आहे ्ट्री पूर्न ्प्रस ्नत्वन्तवन

नायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज-3: बम्बई बम्बई दिनौंक 6 फरवरी: 1986 निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/22820/85-86-—श्रत: मुझे. ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पलेट नं० 301 जो: मयूर श्रयार्टमेंट उरी मंजिल जितेंद्र रोड मालाड (पूर्व) - बम्बई-97 में स्थित हैं (श्रांर इसमे उपावद्ध अनुस्त्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिलक करारतामा श्राथकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के खाके श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीखा 1 जुलाई-1985

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेसूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उन्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मों, मों, उक्ट अधिनियम की भारा 269-च की उपधारार (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित्ः— 1. श्री एच० शंकर नारायण राव।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भ्रनील कुमार सराफ भीर भन्य।

(भ्रन्तिरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पच्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त नीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्ची

फ्लेट नं० 301 जो मयुर अगार्टमेंट उरी मंजिल, जिलेंद्र रोड , मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि० सं० श्रई- 3_i 37-ईई $_i$ 22820 $_i$ 85-86 और जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रादि सक्षम प्राधिकारी सहायक व्यायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेत रेजि-3, बस्बई

दिनौक: 6-2-198 6

मोहर 🛭

प्रस्प बाह् ु टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म को अभीन सम्बना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंग-3, बम्बई
बम्बई, दिनाँक 12 फरवरी, 1986
निवेश सं० श्रई-3/37-ईई/21938/85-86--ग्रतः
मुझे ए० प्रसाद

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिस्ता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 501, जो, दि काँचन नालंदा को-श्राप० हाउसिंग मोतायटी लि०, सुन्दर नगर, एस० बी० रो , मालाष्ट (प), बस्बई-64 में स्थित है और इससे उपा-यद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधितयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिखित में नास्तिक स्थ से कथित नहीं किया गया है :---

- श्रृंक) अन्तरुष्ण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त निवम के अधीन कर दोने के अंत्रःक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में शृविधा के लिए;। और∕आप
- (क) एसी किसी आय या किसी धन ा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती बोलार वासंशी राव।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुधा बी० जैन।

(भ्रन्तरिती)

कोः यह स्वना आरी वरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त क्योंक्तमों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

घनुसूची

फ्लेंट नं० 501, जो, दि काँचन नालंदा को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सुन्दर नगर, एस० वी० रोड, मालाड (प), बम्नाई-64 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा की ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/21938/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई ब्रारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंण-3, बम्बई

दिनाँक: 12-2-1986

प्रकृत बाह्", टी. एव., एस्., अन्तर

फान्सीस डिसोझा और अन्य।

(ग्रन्तरक)

नायकर मिपीनवस, 1961 (1961 का 43) की पादा 269-प (1) के मुपीन सूचना 2. श्री श्रीकिशन मुंधा।

(अन्तरिती)

भारत तरका

कार्यासयः, सहायक जायकर जाम्बत (निर्धिका)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई -----

बम्बई, दिनौंक 12 फरवरी, 1986

निर्देण सं० ग्रई- 3_l 37-ईई $_l$ 2195 1_l 85-86- —ग्रनः मुझे, ए० प्रसाद

क्षायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसवें इसकें प्रथमत् 'उकत् विभिन्नियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-च के वभीन समन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वा उवित वाबाद सून्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० श्रार०-5, पलेट नं० 16, जो, 4थी मंजिल, मुन्दर नगर, एस० बी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससें उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) श्रीर जितका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि दश्यपृत्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बद्ध प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्प से कथित नहीं किया गया है न—

- [क) बंधरण से हुई किसी बाय की बायक, क्या बाविनियम के अधीत कारु दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने वा बख्से ब्यने में सुविधा के लिए; बॉर∕मा
- (थ) एसी किसी अाव या किसी भन या जन्य जास्तियां को, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1977 पूर्922 का 11) या उन्नच अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंखरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुनियम के जिए;

ब्तः वतः, उक्त विधिनियमं की भाष 269-गृजी अनुसरण वाँ, वाँ, सक्त विधिनियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) वाँ विधीन, निम्नविधिट व्यक्तियों वर्षात् । ---- की यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्थन के विषय कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

क्कड सुम्परित के वृत्ति के संबंध में कोई भी वाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अव्धि या तत्संबंधी व्यक्तियों पृष्ठ सूचना की तानील वे 30 दिन की बृह्मिं, को और अविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) १स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ने 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वष्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

बन्द्र्य

श्रार०-१, पलेट नं० 16, जो, 4थी मंजिल, सुन्दर नगर, एस० बी० २७ , मालाड (प), बम्बई-64 में स्थिए है।

अनुसूर्च जैसा की फि॰ सं० अर्थ-3/37-ईई/21951/85-86 श्रीर को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ़ि प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंप-3, बम्बई

दिनाँक: 12-2-1986

प्रकृष् भाष् .टी..एन .. एस .-=----

भायकर मधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवृता

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई वम्बई, दिनाँक 12 फररी, 1986

निवेश सं० मई-3/37-ईई_{/22} छ2*6*/85-86--मतः मुझे, ए० प्रसाद

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राध्कितरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० दुकान नं० 19, जो, तल माला, इमारत नं० एसा, मालाड कोकील को-आप० हाउसिंग सोमायटी लि०, सुन्दर नगर, एस० बी० रोड मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रीर किसका करारनामा श्रायकर घधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाबार मृष्य से कम के दरमान प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का करण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एते दश्यमान प्रतिफल से पत्त्रह प्रतिशत से अधिक हा और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से कथित मही किया गया है हु-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे श्वाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही आर्द्धीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में सुविधा औ लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग को, अनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः--- श्री मुलजी केणवृजी शहा भीर भ्रन्य।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स बालजी मुलजी बोरा (हिं० घ० कुं०) ग्रौर धन्य।

(मन्तिप्रती)

को महसूचना पारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपृत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबव्ध किसी अन्य स्थिकत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

दुकान नं 19, जो, तल माला, इमारत नं एस । 1, मालाड कोकील को -- श्राप हाउसिंग सोसायटी लि , सुन्दर नगर, एरा वी रोड मालाड (प), बस्बई- 6 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमाकी कि० सं० ग्रई-3/37-ईई/22926/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रताद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 12-2-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बन्बई बम्बई, विनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० म्रई-3/37-ईई/22779/85-86—म्रतः मुझे, ए० प्रसाद

हायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उकित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. स आध्यक ह

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 302, जो, 3री मंजिल, "एस

युनिट नं० 2, मालाङ कोकील को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी

लि०, सुरवर नगर, एस० बी० रोड, मालाङ (प), बम्बई-64

में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से
विजित है)/श्रीर जिसका दःरारनामा श्रायवःर श्रिधिनयम,

1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई 1

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के ितए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में सुविभा के लिए:

अक्तः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, क्योंत् ह—-

1. श्री अमरसंग फत्तेहसंग राना।

(अन्तरकः)

2. श्री ग्रन्प कुमार भिगराक्षा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलेट नं० 302, जो, 3री मंजिल, 'एस' युनिट न० 2, मालाड कोकील को-ग्राप० हार्जीसंग सोसायटी लि०, सुन्दर नगर एस० पी० रोड यालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्रई-3/37–ईई/22779/85–86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिन्तंक 1–7–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 10-2-1986

प्ररूप बाइ दी एन एस------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्वाना

भारत सहकार

कार्बात्तव, सहायक काचकर जायुक्त (जिरिक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

अम्बई, दिनाँक 10 फरवरी, 1986

.निदेश सं० अई-3/37-ईई/22548/85-86---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्त प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० युनिट नं० 222 ग्रौर 223, जो, 2री मंजिल, मालाड सोनल इंडिस्ट्रियल इस्टेट, राभचंद्र लेन, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावक प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिलका करारनामा ग्रायकर प्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई,

को पूर्वीक्ष तस्मित के खींचत सामार नुष्म से क्षम के क्षममान् प्रतिकास ने लिए सन्तिरत की नहीं है और मुक्ते नह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वोक्त सम्मित का जींचत वाचार मुख्य, उन्ने क्षममान प्रतिकास है, एोडे क्ष्यमान प्रतिकास के बन्द्रह प्रतिकास से मिश्क है जॉर अंतरक (मंबरकों) और मंत्तिरती (अंतरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तस पाया नवा प्रतिकास, निम्निलिखित उन्दिष्म से उन्त अन्तरण निधित में नास्तिन्क क्ष्म से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आव की बाबस, उस्त जीवनियम के अधीन कर देने के मन्तक के शियत्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (व) एसी विक्री अस्य या किसी धन वा कम्य अनिस्तरों को, जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम, या भशकर अधिनियम, या भशकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्लारा प्रकट नहीं किया नया धा या किया जाना चाहिए था, किनाने में सुविधः। के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, जो, नक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपपारा (1) को अधीन नियनलिकित व्यक्तिओं, वर्षात् :--- 1. श्री प्रभुदान माधवजी पाडीया।

(भ्रन्तरक)

2. श्री वल्लभ निर्पात।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्तेय :---

- (क) इस धूबना के राज्यका में प्रकारण की बार्डीक वे 45 विन की नवींच वा उत्संबंधी व्यक्तियों कर बूजना की तानील से 30 विन की जवींच, को भी नवींच नांच में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) हव सूचना के राज्यन में प्रकाशन की बारींथ वं 45 दिन के नीतर उनत स्वावर बंदरित में हितक्ष्य किती कवा व्यक्ति क्यारा नवोक्साकारी के वास सिवित में किए वा बकोंने।

स्यन्तिकारणः----व्याने त्रकृतक क्ष्यां और प्रश्नी काः, यो स्वत्ताः श्रीपनियम्, स्रो अध्याक् 20-क में व्यक्तिशाक्षिक ही, सही अर्थ द्वीपा क्षी क्षत्र अध्याक में विका स्वा ही।

नगर्

युनिष्ट नं २२२२ श्रीर २२३, जो, २२ी मंजिल, मालाड सोनल इंडिस्ट्रियल इस्टेट रामवंद्र लेन, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क० सं० प्रई-3/37-ईई/22548/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, वस्बई

विनाँक: 10-2-1986

प्रका भार्<u>र</u>े,दी. एन*ुए*स._=----

मध्यकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाइ। 269-व (1) के संधीन सूचना

गारत बहुकान

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्तण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1986

निर्देश गं० अई-3/37-ईई/22505/85-86---श्रतः मुझ, ए० प्रसाद

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसजे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, सुगंध श्रपार्ट-मेंट, पन्नालाल घोष मार्ग, श्रोल्ड गावठाण रोड मालाड (प) बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसुची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है) श्रोर जिमका करारनामा ग्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थिस सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पृशेषित सम्पत्ति के उण्यत नाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापृशेषित सम्पत्ति का उण्यत बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का उन्तर प्रतिकत से व्यथमान प्रतिफल का उन्तर प्रतिकत से व्यथमान प्रतिफल के सन्तर (वंतरका) वौर वंतरिती (वंतरितियाँ) के नीच एसे वंतरण के निए तय पाना गना प्रतिक फल निम्नलिकित उद्वरेश्य से उक्त कन्तरण निकित में वास्तिक कप से किश्त नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरम सं हुई किसी बाम की बाबत अकत अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के ब्रासिक में कसी करने या जबसे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्त आस्तिनों को, विन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर यिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के व्यापनार्थ अन्तरिती ब्वास् प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाला वाहिए था, जियाने में सुविधा से जिया

अत: बंग, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, मैं, नक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिचिता स्यक्तियों, अर्थात् :----65---16 GI/86 1. मॅं सर्स बी० कें० अप्पा एण्ड कंपनी।

(अन्सरक)

2. श्री राजन गजानन मित्री श्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को वह बुजना कारी करके पूर्वोक्त सञ्जात्त के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत जन्मित के वर्षन के संबंध में कांद्र भी वासोब उ---

- (क) इस त्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय । सं 45 दिन की व्यक्तियां तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य अवन्ति व्वारा अभोहस्ताआरी के पास जिल्ला में किए चा सकींगे।

ग्रनस्ची

फ्लट नं० 2, जो ाली मंजिल जुनंध अपार्टमेंट, पश्नालांस घोष मार्ग, औल्ड गावठाण रोड, मालाङ (प), बम्बई-62 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसाकी कर मं अई-3/37-ईई/22505/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३, बम्बई

दिनांक: 6-2 -1986

मुख्य बाह् , ही । व्याः हुन .-----

शामकर मृश्तिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) **से मशीन सुमा**

शास्त्र पुरस्कृत

कार्याजय , तहासक आयकर आयुक्त (विद्वासक) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की <mark>भारा</mark> 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै श्रौग जिसकी सं० फ्लैट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, मारू गाँपिंग सेंटर, एस० वी० रोड, मालाड (प०), बम्बई मैं स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायवार ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269वः, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के करवमान परिकास के लिए अन्तरित की गई है कि स्केट वह विस्थात करने का कारण है कि यथाप्वींक्त संपरित का उचित दावार मूल्य, उसके उपयमान प्रतिफल से एसे उपयमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) केबीच एसे बन्तरण केकिए₃तब ाया गया प्रतिफल, निम्नसिधित उत्दर्शेय से उज्जत सन्तरण

> (क) बन्तरण से हुद्दे किसी बाय की अंडट, श्वन्त गभिनियब के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में अहैंअध्य के सिद्द; बीट्र/बा

िलक्षित में वास्तविक रूप ने कवित नहीं किया बया 🗗 🚛

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफितारों को चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, १०३० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्यरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना था, छिपाने में सविधा व विश्व;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्रीमती राजाबाई के० प्रमाल।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मिना पी० रोहरा ग्रौर श्रन्य। (श्रन्तिरती)

को यह सुचना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के नर्जन के किं कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध वो कोई भी नासंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारींच से 45 दिन की अनिध या तत्सं कंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी क्यें किस बुबारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा कथाहस्ताक्षरों के पास विवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पळीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनक ज़रिशनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विदा वजा है।

नमुस्ची

फ्लैंट नं॰ 402, जो, 4थी मंजिल, मालाड शाँपिंग सेंटर, एस॰ वी॰ रोड, मालाड (प)॰, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० श्रई-3/37-ईई/22669/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बन्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

विनोक: 10-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

नाम् ३) नापा स्वास

(अन्तरक)

(2) विरेन स्रोसानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, अम्बई
अम्बई दिनांक 3 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-3/37 ईई/22332/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात् 'उकत विधिनयम' कहा नवा हैं), की भाषा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 8, जो, सप्तिष को-आंप० हाउसिंग सो(सयटी लि०, 55-डो 1, दफ्तिरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई 64 में स्थित हैं (श्रींप इससे उपाझड अनुसूची में श्रींप पूर्ण रूप में विणित हैं, श्रीर जिच्चका करारणमा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रिधकारी ं कार्यालय में रिजस्ट्री है नारीख 1-7-198:

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलि**वत** व्यक्तियों, अर्थात :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

(1) पदमाप्रकाश सोमप्रकाश भाटनागर।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पतेट नं० 8, जो, सप्तिषि को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 55-डी-1, दफतरी रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क०सं० अई-3/37-ईई/22332/85-86 और जो सक्षब प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-78 1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रताद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

तारी**ख**: 3-2-1986

अक्य वार्<u>ष्ट्री, एन . एव .</u>-=-----

जावकर जिम्मिनवस, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, बहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जाभ रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986 निदेश सं० अई-3/37-ईई/21934/85-86---अत: मुझे, अप्रमाद,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० बी-4/9, जो, सःसंग भारती को-आँग० हाउसिंग मोसायटी लि०, गोविंद नगर, चिचोली, मालाड, बम्बई, में स्थित हैं (श्रीप इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं, श्रीर जिसका उरारलामा आयकर अधिनियम, 1961 की धरा 269 क,ख के अधीन धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-7-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रिक्षित के लिए भंतरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि सभापवांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफाल से एसे दृष्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत ते अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर बोने की जन्तरक के दामित्य में कमी करने या उसते बचाने में सूबिधा दामित्व के निष्; बार/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के जिन्हा;

अतः वन्, उन्तः वीधिनयम की भारा 269-न के बनुसरन या, भी उन्तः अधिनयम की भारा 269-न की उनभारा (1) कं अभीन निम्ननिविद्य, व्यक्तियाँ, वर्षाद्य ६—— (1) श्रीमत्ती विजय जे० खोपकर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस०डी० मुले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके वृत्रोंक्य सञ्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उपत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचन, को राजपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 किं। को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य स्थिक्त द्वारा, अधांहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए का सकोंगे

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, वो उपर निभिनियम के मध्याय 20-क में परिशाविष हैं वहीं अर्थ होगा, को उस मध्याय में दिया गया है।

नपुर्य

फ्लेंट नं ० बी-4/9, जो, निसंग भयरता को-आँप० हाउंगि सोसायटी नि० गोविंद नगर, चिंचोली, मालाइ, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कें सं० अई-3/37-ईई/21934/85-86 मीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्फ किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारी**ख**: 10-2-1986

शक्य वार्षः ठीः पुद्ध पुष्कान्यन्यन्यन

मायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीम सुमुखा

बाउन बडबांस

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्धई बम्बई दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/2681/85-86—अत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें इसमें पर्वात (उन्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रांप जिसकी मं जिन्नामी प्रिमायमेस प्लांट नं 1, एस व नं 131, एस जिल गेड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (प्रांप इसने उलाबद अनुसूची में प्रांप पूर्ण क्ष्य से विष्य है), प्रांप निमाल करायतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। नारीख 1-7-1985। को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रहवजान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है जीर मुझे मह विस्तास करने का कारण है कि स्थाप्यें क्त सम्पत्ति का जिल बाजार मृस्य, उसके रहयमान प्रतिकल से, एसे रहयमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के स्थित वन्तरण निवास प्रतिकल, निम्नीसित उद्देश के उच्च वन्तरण किता की वासति के बारतिकल रूप से किया पर्दी किया गया है है—

- (45) बन्तरण चे हुई किसी बाव को बावत, उन्ह विभ-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक की वादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या जन्म जास्तिकों की जिन्हों भारतिय जायकर जिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्च जिमिनयम, या भनकर जिभिनयम, या भनकर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविभा के निष्ह;

(1) कुमारी अरूणा इरानी।

(अन्तरक)

(2) श्री बी०एम० शहा ग्राँर अन्य।

(अन्तिरिती)

को यह बुद्धना जारी काइके पूर्वोक्त बंपहित में वर्षन के निष् कार्यनाहियां चुक करता हुएं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (44) इस युवना के स्वयम् में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कर्ष तामील से 30 दिन की बन्धि, वो भी बृद्धि वाद में सवाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त कर्मकत्वों में से किसी क्यूनिस द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाशर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाह निष्टित में किए बा सर्वेंगें।

स्वच्यीकर्त्व :—इसमें प्रयूक्त शब्दों जीर पदी का, वो स्वक् व्यथिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा वो संस बध्याय में दिकः वदा हैं।

अनुसूची

"निवासी प्रिमायसेस प्लांट नं० 1, एस नं० 131, एस०वि० रोड, मालाड (५०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ०सं० अई-3/37-ईई/22681/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3 बस्बई

बत:, सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के बन्दरण को, को, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उनुभारा (1) दे बचीन, निकासिचित व्यक्तियों, नर्वात् काल

तारीख: 14-2-1986

प्रका बार्ड .. बी., १५, एक ,-----

बायकर निधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न् (1) के वधीन स्थान

नाइत् बहुन्तरः

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई दिनांक 18 फरवरी 1986 निदेश सं० अई-3/37-ईई/22472/85-86—अतः मुझे, ए० प्र**का**द,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की पारा 269-ख के अधीन सक्ष्म कि कारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर स्थित, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० फ्लंट नं० एच-20, जो, 4थी मंजिल, बल्वा लगर यूनिट नं० 2, मदीना मंजिल, एस०वि० रोड, गोरेगांव (५०), बम्बई-62 में स्थित हैं (ग्रांर इससे ज्याबद्ध अनुसूची मे ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित हैं, ग्रांर जिसका कररार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाबार मूच्य से कम के दश्यकान प्रविक्रण के लिए अंतरित की ग्रा है और मूक्ष यह निकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिव बाबार मूच्य, उसके दश्यकान प्रविक्रण से, एसे दश्यकान प्रविक्रण का पन्तर प्रतिक्रण का पन्तर प्रतिकात से विभिन्न है और अंतरिक (अंसरकरें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाक नया प्रतिकृतः, निम्मिसिया उमूचेया से समा वन्न के सिए तथ से किया से सास्तिक कप से किया नहीं किया ग्रा है ६—

- (क) बंदरण ते हुई किसी बाव को वावक श कका वृधिनिवृत्व के वृधीत कुट देने को बंदहक के शायरण में कामी करने या उसके बच्चने में सुविधा के सिक्; ब्रॉट√वा
- (ण) एसी किसी नाय वा किसी भूत वा नम्य नास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धानियम, या धन-यार आधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जेतिरती दुवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना नाहिए था, ज्याने में तृविधा के किसी

नतः शव, उल्ल नीधनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण को, जो, उसत निधित्तवन की भारा 269-व की उपधारा (1) को नधीयः निम्मुलिहिक स्वित्तवेहः अवीत् छ— (1) मेसर्स ऑसं/तिएटेड बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) आयुव गुलाम मोहमव सालेह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाद्यिमं करता हुं।

बन्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध वो कोही भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अत्रीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्विक्तमों में से किसी स्वित्त दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरों के पास निविद्ध में दिये जा सक्षेत्रे !:

स्पन्नीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्_{री} है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा वृद्या है।

धनुस्ची

फ्लेंट तं० एच-20, जो, 4थी मंजिल, बल्वा नगर यूनिट नं० 2, मदीना मंझिल, ए \mathfrak{L} ०वि० रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०स० अई-3/37-ईई/22472/85-86 श्रीर जो ांक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्ब**र्ध**

तारीख : 1**8**-2-1986

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्थल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-3/37-ई ई/21989/85-86—यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 था के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिक बाजार मूच्च 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीप जिसकी सं दुकान नं 3, जो, तल माला, हेम सागर इमारत, एस बीठ रोष, गोरेगांव (ए), बम्बई है, तथ जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), श्रीर जिसका जरारतामा आयकर श्रिधित्यम, 1901 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रक्रिक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रक्रिक्त को लाए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उम्बे ध्यमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल निम्नलिखत स्थूद हैय से उक्त अन्तरण कि सिहत में बास्तिक स्प से किवत नहीं किया गमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बायतः, उक्त मियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने यां उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के किए;

अत: रूप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औं, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मोलकित अधितयों. अर्थात :--- 1. मैसर्स आंधिम भिल्डर्स प्राईवेट लि॰

(अन्तरकः)

मैसर्स एम० डी० गुप्ता फैमिली दूस्ट

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^क, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

दुकाभ नं ० 3, जो, तल माला, हेम सागर इमारत, एस० वी० रोड़, गोरेगांव (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ई ई/21989/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधि तारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-7-85 को रिजस्टड किया गया है।

> ए० प्रांाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 18-2-1986

प्ररूप वार्षे. टी. **एन. व्**स्.-----

भायकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निचीका) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1986 निर्देश मं० प्रई-3/37-ईई/22464/85-86—यत:, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० ब्लाक नं० 6, जो, प्रचिती को-आप० हाउसिंग सोस/यटी लि०, प्लाट नं० 146, जवाहर नगर, गोरेगांव (प), बम्बई-62 है, तथा जो बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से विजित है) श्रीर जिस ना करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित क्षिम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, शारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया मया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: श्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-च के जनसरच जो, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (१) चे अधीन, निजननिधिन व्यक्तियों, अवित् ड— 1. श्री जे० बी० महा

(अन्तरक)

2. श्रीमकी नीता सी० घहा

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की बारीस से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किश्वाः -- एसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

ब्लाक नं० ६, जो, प्रचिती को-आप०, हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 146, जवाहर नगर, गोरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ई ई/22464/85-86 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकार्गें / बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-85 की रजिस्टर्ड वियागया है :

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-3, बस्बई

नारीख: 18-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1986 निर्देश सं० अई-3/37-ई ई/22076/85-86—यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम।' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिल्की सं० फ्लैट नं० 8, जो, तीनरी मंजिल, मुम्धादेवी को ब्याप० हाउगि सोसायटी लि०, चर्च के पीछे, चेंबूर, बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इसम उपावड अनुसूत्री में और पूर्ण रूप से विणि। है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनिम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविदा रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अभ, उन्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उन्तं अधिनियम की धारा 269-च करी उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---66---16 GI/86 1. श्री आर० बी० शेहर

(अन्तरक)

2-श्री एम० एस० पी० राव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो, तीसरी मंजिल, मुम्बादेवी को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० चर्च के पीछे, चेंबूर, बम्बई में स्थित है। अनुसूर्च। जैसानि क० सं० अई-3/37-ईई/222076/85-86 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी वस्तर्ह टारा दिनास 1-7-1985 हो।

श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अ(युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 18-2-1986

शुक्रम् आर्थः हो . एन . प्रस् . -----

ब्रावकर गॅथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुवना

भारत वरकार

कार्याशय, सहायक बायकर वायुक्त (निक्रीकर्य)

अर्जन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1986 निर्देश सं० अई-3/37-ई ई/22471/85-86—-यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्रें के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कीरण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार म्ल्य 1.00.000/- रा. से विधिक हैं

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ई-1, जो, तल माला, बल्या नगर, यूनिट 2, मदिना मंजिल, एस० बी० रोड़, गोरेगांव (प), बम्बई-62 है, तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रांर इसने उपाबड़ अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से बर्णित है) ग्रांर जिसका करारनामा अ: यक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ए. ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिप्स्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

को बृद्धिका बन्निका के जिया बाजार मृत्य ते कम के दश्यमण प्रशिक्षण के विद्यास्ति की गई है बीर मुक्ते सह विश्वास कर्ण का कारण है कि सभा बृद्धिका बन्दित का उपित बाजार बृद्ध, वश्यके क्ष्यमान प्रतिकास से, एसे क्ष्यमान प्रतिकास के पंचह प्रतिकास से बीप है बीर बंतरक (बंदरका) बीप बंतरिती (बंदरितियों) के बीप एसे बंदरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निलिकात उद्देश्य से उस्त अन्तरण निवित्त में वास्त्रीक कर से क्षित रहीं किया गया है है—

- (क) वन्तरम् चं हुद्दं निस्ती वाय की वाचरा, उच्च निधिनयम के नधीन कर दोने के वस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी शाम या किसी भन या अन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

अतः जिम्र, समेद मीधीनयम की धारा 269-ग की अनुसरण मी, मी जन्दा मीधीनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) इ.सभीन, निम्नसिधिक स्वनिद्यकों हु वर्षांद्र ह— 1. मैसर्स एसो एटेड बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री आर०ई० बलसानिया

(अन्तरिती)

को यह कृष्ता पाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन को सिक् कार्यगाहियां करता हूं।

स्वत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वासप :---

- (क्लू) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं &5 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को औं जबिंध बाद में समाप्त हम्नेती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख । 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनकृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के वाल सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पर्दों का, यो उपल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याव में दिवा गया है।

and the

प्लैटनं० ई-1, जो, तल माला, बल्वा नगर, यूनिटनं० 2, मदिना मंजिल, एस० बी० रोड़, गोरेगांव (प—), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जा सिकिक्ष० सं० आई-3/37-ईई /22471/85-86 फ्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां र 1-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बम्ब**ई**

तारीख: 18-2-1986

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ------

नायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थान

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
श्रर्जन रज-3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1986
निर्देण सं० श्रई-3/37-ई ई/22805/85-86---यल:, मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इस दें इसके परचात् 'उनत निधीनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृन्य 1,00,000/- रा. से निधक है

अंति जिसकी संव दुकान नंव 29, जो, धनवन्ता इमारत, पेक बाग, आरे रोड़, गोरेगांच (प), बम्बई-63 में हैं, तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनिथम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवार्गः के कार्यालय में रिजर्ड़ा हैं, तारीख 1 जुलाई, 1985

को प्रबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गरा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ;——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (च) एसी किसी भाग या किसी धन या जन्य बारितयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कर्ष ४, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीयू० वी० भक्ता

(अन्तरक)

2. श्रीमती धार० डी० महा और धन्य

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के कर्जन के सिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षान के संबंध में कांद्र भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानत्यों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में से किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें ध्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इविहास की होगा, को उस अध्याय में दिशा पत्रा है।

बन्स्ची

दुक्तान नं० 29, जो, धनवन्ती इमारत, पेरू बाग, ग्रारे रोड़, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुमूर्चा जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ई ई/22804/85-86 ऑर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को राजिस्टर्ड किया गथा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 18-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एसं.------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ম (1) को अधीन सुचना

शास्त्र स्टब्स्ट

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्3, बम्बई

बम्बरी, दिनांक 19 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-3/37-ई ई/22750/85-86---यतः, मुझे, ए० प्रमाद,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उन्त मधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, पिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० औद्योगिक यूनिट नं० 119, जो, गुरू गोविद मिह इंडिस्ट्रिय इस्टेट, गोरेगांच (पूर्व), बस्बई-63 है, तथा जो बस्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण एवं से दलित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

की प्लॉब्त संपत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात में अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरित्यों) के बीच ऐसे जन्तरक के लिए तय वासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्च अन्तरण लिखित भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत, सक्छ किशिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के प्राथन्थ मों कभी करने या उससे बचने में वृत्रिया के श्लिए; व्यूष्ट/मा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम सा धन-कर अधिनियम में 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया खाना आहेए था, स्थानी में सुविधा की तिए;

1. थीं मोती तेजराल यहाती

(भ्रन्तरक)

2. शीमती इन्दिराबेन बीठ तीलिया

(इन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त तम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जविश्व या तत्सं की अधिकतयों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की वविश्व सो भी अविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य स्थित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस वे 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नस्मृ सिवित में किए वा सकोंने।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

औद्योगिक यूनिट नं० 119, जो, गुरू गोविद सिंह इंडस्ट्रियल इस्टेंट, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० प्राई-3/37-ई ई/22750/85-86 और जो सक्षम प्रधिकारी, बम्बई द्वारा दिन्तंब 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिवारीः महायक भाषकर भाषुक्त (निर्दक्षण) श्रर्जन रोज-3, बम्बई

अतः अतः, सकतः अभिनियमं की भारा 269-ग के जन्मरण में, में उबत अधिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीतः, निम्नतिखित व्यक्तियों, अधित :——

तारीख : 19-2-1986

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंत रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 18 फरकरी 1986 निर्वेश सं० श्राई-3/37-ई ई/22160/85-86----एना: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उसत निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित माजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० डी-5/4, जो, बसंत पार्क को-प्राप्त हाउसिंग सोसायटी लि० रामकृष्ण चेंबूरकर मार्ग, चेंबूर, बम्बई-71 है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबंद्ध प्रमुखी में और पूर्ण क्य से बणि तहें) और जिसका करारतांगा प्रायक्तर प्रवितिथम 1961 की धारा 269 वा, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री हैं, तार्राक 1 जुलाई 1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यभाष्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल के नरह प्रशिवात से मधिक है बार अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय वाया गया ग्रीतफल से निम्नलिवित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण कि बित में बाम्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उच्चत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (प) ऐसी किटी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्हा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधः के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः --- श्री भृदेश गी० खुगाता

(फ्रन्हर्यः)

2. श्री दिनोद के० बिल्ला

(भन्तरिसी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त तम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

इन्स कुलात्त के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीं है ते 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्श व्यक्तियों में से किन्नी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक हैं

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दिलक्वा किसी मन्य व्यक्ति द्वारा वभोइस्ताक्षरी के
 पांड मिनित में किए वा क्वोंने ।

स्वकाषिकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, वो उपक विवित्यम के जन्माय 20-क में परिश्रावित्र हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस अन्याय में दिया नया हैं।

मगत्त्री

फ्लैंट नं ० ईं।-5/4, जो, बसंत पार्क, रामकृष्ण चेंबूरकर मार्ग, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है ।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० आई-3/37-ई ई/22160/85-86 और जो सक्षम पाबिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है ।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

नारीख : 18-2-1986

प्रकृत **बाह**ें ही हुएन , पुरान कर करन

नायकर विधानियस, 1961 (1961 को 43) ही शरा 269-म (1) के मधीन सुचना

बार्ड पंडला

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 फरवरी 1986 निर्वेश सं० मई-3/37-ई ई/22448/85-86---यसः मुझे, ए० प्रसाव,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रचाद 'उनत निर्मितनमं नहां पना है कि पास 269-च के नभीन सक्तम प्रतिकारों की वह निरमात करने का कारल है कि स्थापर कन्मीत, जिसका अभित नामार नृस्य 1,00,000/- का से अभिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० एफ-2/13, जो, जल निधि को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि० बांगूर नगर, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (प), बम्बई-90 है, तथा जो बम्बई में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांजय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के त्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्त-विक रूप से कथित किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अवोजनार्थ जंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—- 1. श्री श्रार० के० बोधरी

(अन्तरक)

2. श्रीमती के०ए० जैन

(भ्रन्तरिती)

का वह बुजना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इब स्थान के राधपत्र में त्रकावन की सार्टीय है 45 विन की नविध या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की दानीय से 30 दिव की नविध, को भी नविध बाद में संबाध्य होती हो, के भीतृत पर्नोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पटिकिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

वर्ष्या

फ्लैंट नं० एफ-2/13, जो, जलिधि को-ध्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बांगूर नगर, एम० जी० रोड़, गोरेगांव (प). बम्बई-90 में स्थित है।

त्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ई ई/22448/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

सारीख : 18-2-1986

मोहर ः

प्रकल्प कार्यः टी. एन. एतः 😕 - =

नाय्कर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म्(1) के बभीन सुम्ता

भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्क)

श्चर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० घर्द-3/37-ई ई/22120/85-86--- यत:; मुझे ए० प्रसाद,

गायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमें इस के परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया 📢 , की भारा 209- व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संबद्धकान नंव 7 जी तल माला मीरा श्याम इमारत गौशाला रोड़ मुलूंड(प) बम्बई है सथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रजिस्दी है तारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान मितिपाल के लिए अन्तरित की गुई है । और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूपै क्ष से किथत नहीं किया सभा है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त निधिनियम् के नधीन कर देने के अमारक के वाजित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: नौर/पा
- (अ) एेसी किसी अाथ या किसी धन वा अन्य आर्यस्तवॉ का, जिन्हें भारतीय अधिकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा वन-कर विधिविवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था क्रियाने के स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त वीभीनयव की भारा 269-व वे अव्यक्त में, थें, उस्त वीधीनयम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् [--

मैसर्से ग्राशापुरा बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

2. श्री एन० डी० नारवानी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधाहस्ताक्षरी की पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया यया है।

अनुसूची

दुकान नं० 7 जो तल माला मीरा श्याम इमारत गौशाला रोड़ मुलूंड (प) बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्रई-3/37-ई ई/22120/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहामक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 5-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जाबंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 19 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई०-3/37-ईई/22026,85-86--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं फ्लेट नं बी, 14, जो, विमल ग्रपार्टमेंट, 4थी मंजिल, ए० टी० रोड, एक्सटेंगन, मूलूड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 को धारा 269म, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूला, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिख में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उन्त कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना श्वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन किम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ल 1. मेसर्स बिमल इंटरप्रायजेस।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रामप्पा शिवप्पा हडापाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप हु--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

त्रपष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पतेड नं बा, 14, जा बिना प्राह्मेंड, 4वो मंग्जिल, एलं टी रोड, एक्सटेंशन, मुलूंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-3/37-ईई/22026/85-86 भीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 की रिजस्टर्ड किथा गथा है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 19-2-1986

प्रकृत कार्य_{ा ह}ैं पुत्र पुत्र _स कार्यकार स्थान

बायकर अभिभागः 1961 (1961 का 43) की भास 289-ण (1) के बचीन यूचना

भारत सरकार

भागीनय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनौंक 5 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/22148/85-86--- म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रदश्त (जिसे इसमें कहा प्रमा हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिन्नका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

चौर जिसको सं० गोडाउन नं० 219, जो, एस० नं० 200 (अंश), सी० टी० एस० नं० 208, पी० एन० कोठारी इस्टेट, आगरा रोड, भांडूप, बम्बई में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध प्रनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1 जुलाई, 1985

को प्योंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार अस्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से एोसे दश्यमान प्रतिकास का अंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच देते ¦अन्तरण के शिष् तय नाम प्या प्रति-कल, निम्नसिक्ति उद्देश से उक्त अंतरण सिचित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ध—

- (क) अन्तरक् से हुइ कियी आप की वावत स्वत् विधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक की वावित्व में अभी करने वा स्वत्ते वचले में सुविधा के लिए, बरि/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत् अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती हुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए जा, कियाने में सुविधा के खिए;

कतः वन, उन्त किंपिनियमं की भारा 269-न वो वन्तरण हैं, में उन्त निधिनियमं की भारा 269-न की स्पेधारा (1) के अधीन, निम्निचिति व्यक्तियों, वर्धातः— 67—16 GI/86 1. श्री पी० एन० कोठारी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती हिरू जे० चंदनानी।

(ग्रन्तरिती)

महे सह पुष्पका चाडी करके पूर्वांतर सम्मरिश के बचन में लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

बक्त कम्पित के वर्षन के सम्मन्त में कोई भी वासोप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो मी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितक्ष्य किसी जन्म व्यक्ति वृदारा अभोहस्ताक्षरी के बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियंग, जे अध्याम 20-क में प्रिभाणिक हैं, बहु कर्ष होगा जो उस स्थाय में दिया पता हैं।

प्रन्युची

गोडाउन नं० 213 जो एस० नं० 200 (ग्रंश) सी० टी० एस० नं० 288 पी० एन० कोठारी इस्ट ग्रागरा रोड भांडूप बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि० सं० श्रई-3/37-ईई/22148/85-86 ग्रीर जो प्रक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३ बस्ब**र्द**

दिनौंक: 5-2-198**6**

प्रकप. बार्ड. टी. एन , एस . - - - -

बच्चकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीव स्थान

भारत संकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 बस्वई

बम्बई, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईडी/22863/85-86- - ग्रतः मुझे, ए ० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम शिधकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं दुकान नं 16 जो तल माला, निलकमल इमारत, गोविंद नगर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की भारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई 1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का फ्लूह प्रांतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निर्मिश्चत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप अंगरिकत नहीं किया नवा है क्रम

- (क) बन्तडण वं हुई किसी भाष को बाबत, उपत विधिनियम के अभीत हार दोने के बन्तरक के वाबित्य में काणी करने हा पाल्ये उसरे हो बहुई हथा के निक: बरि/वा
- (ण) होसी किसी जाय या किसी या गा अंब क. 50.00 यो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भग-कर अधिनियम, वा भग-कर अधिनियम, 1957 (1937 का २००० के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्या साम या या किया जाना जाहिए था, विकास मी क्या जाना जाहिए था, विकास विकास

बत. अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की अपधारा (1) के अजील, निस्तिविक्त व्यक्तियाँ, अर्थात स— 1. श्री के० माधवन पिल्लाई।

(ग्रन्तरक)

2. मसर्स स्वास्तिक सनिटरवेश्वर लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को बह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

इस्त सम्पत्ति के वर्षन ने संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस नुचना के राजपण तें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृचना की तानील से 30 दिन की अनींथ, को भी जनिथ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्वना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के जीतर उक्त स्वावर सम्मतित में हितवक्ष किसी वन्त व्यक्ति ह्वारा, वशोहस्ताक्षणी के पास जिस्सि में किए वा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

दुकान नं ० 16. जो. तल माला निलकमल इमारत अनुसूची गोविन्द नगर रोड, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थिति है। जैसाकी क० सं अई-3/37-ईई/228 63/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निक्षिण) श्रजैन रॅंज-3, बम्बई

दिनाँक: 14-2-1986

प्रस्प आर्डे.टी.एत.एस.-----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभील समना

भारत रास्कार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनाँक 11 फरवरी 1986

निर्वेश सं० ग्रई-3/37-ईई/22350/85-86-- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं खुली जेमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं । 211 एच० नं० 40 सी० टी० एस० नं० 1472 विलेज मालवनी तालुका बोरिवली मालाड बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध धनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जून, 1985

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यनान प्रतिफंत के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गका प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वोच्य से उत्तर अंतरण लिखिर में वास्तीयक रूप में कथित नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाय्त्वि में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एंबी किसी या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिल्हें भारतीय जायकर जीभनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गवा भावाकिया पाना पाहिए था, किन्छो में त्विधा चे सिए।

वतः वद, उक्त वीधीनवन की धारा 269-ग के बन्तरण में, में, उक्त जिथिनियम की धारा 262-व की उप्धादार (1) के वंधीन,, निम्नलिक्ति व्यक्तिकों, वर्षात :---

1. श्री उमेश कपुर।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स शिल्पक।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोह भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुखना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियं जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः ---इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, ओ उक्त विधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मन्त्रची

खुला जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 211 एच० नं० 40 सी० टी० एम० नं० 1472 विलेज मालवनी ताल्का बोरिवली मालाड, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/22350/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-6-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक दिनांक: 11-2-1986

मोहरः

क्षित्र सार्व के होंचे प्रमूख हर्षा क्षेत्र - a mesa

नाम्कर ग्रिप्णियम्, 1961 (1961 का 43) कर्ष भाष 269-म (1) के बधीन स्थ्ना

MEN NAME

कार्यातम, सञ्चानक नायकर नायक (निर्दाक्षण) प्रार्थन रेंज- 3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्वेश सं० मई- 3,37-ईई,22700/85-86-- धतः मुझे, ए० प्रसाद,

वानकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें प्रचल परवाद 'उक्त मिनियम' कहा गया है'), की वारा 269-व के जवीन सक्तम प्राधिकारी को यह निवचन्द्र करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित गावार मूल्य 1,00,000/- रा. से मिक हैं

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 4, जो, तल माला, दि जय साकेल को-आप० हाउनिंग सोसायटी लि०, साकेत 19, स्कूल रोड़, मालाड (प०), बम्बर्ड-64 में स्थित है (भौर इससे उपाबढ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा श्रायंकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 260क, ख के अधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (वंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रविक्रण, निम्नलिखित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अद्योगक कप से किंगत नहीं किया गवा है:—

- (क्) जन्तरण से हुई जिसी आव की बाबत,, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना वाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिक्;

जतः जन, उनतं अधिनियमं की धारा 26 क्र-गं के जनुसरण में, में., उन्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) वं नभीन, निम्नतिचिक व्यक्तियों, मर्थात् र—— 1. श्री नवित डी० कामदार

(मन्तरक)

2. श्रो जिनेश श्रार० पारेख श्रीर श्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को वह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्तित के वर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबींक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताकारी के पास लिक्ति में किये जा सकेंगे।

स्पष्किरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुकान नं० 4, जो, सल माला, दि जय साकेत को-भाष० हाउसिंग सोसायटी लि०, साकेत 19, स्कूल रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० भई-3/37-ईई/22700/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें**ण**-3, बस्बई

विनांक: 10-2-1986

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43 की भारा 269 घ (1) के अधीन संबन्धा

भारत तरकार

कार्यालय, तहाबक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3. बम्बर्ध

बम्बई, विनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रर्ध- 3/37-ईई, 21955, 35-8€--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद.

आक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अभीन सक्षम प्रतिभकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिप्तकी सं० दुकान नं० 2, जो, मातृकिपा, पंडित साजि-सिटर मार्ग, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है (फ्रौर इससे उपाबक ग्रनुभूकी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा प्रायकर भ्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितः बाजार मृत्य संकम के कथमान व्यक्तियां के सिए अन्तरित की गर्द और मुझे यह विश्वास करने कर कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्व, असके दश्यमान प्रतिफस से ऐसे दश्यमान प्रतिफस का **इन्द्रिष्ट** प्रतिकास से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय शाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिविश में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है ध-

- (क) बन्तरण हे हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के बादिएक हो कभी कुरने मा उससे बचने में सुविधा ने भिए; नीर/ग
- (क) एंसी किसी नाथ या किसी भन या अन्य जारिस्तयों का जिन्ही भारतीय भागक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रवोद्यनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया मा वाकिया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा चे जिल्ह

अतः गय, अन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण रों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) 🕯 अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 🗝

1. श्री रमेश प्रभ्वास शहा।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीम एफ० जरीवाला

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना ज़ारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति में वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उनतः सम्मत्ति की शर्जन की संबंध में कोड भी बाओव ::---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में त्रकाशान की तारीच से 45 विन की वर्गींभ या तत्त्तस्वन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की वविध, जो भी वनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया मवा है।

अनुसूची

कुकान नं० 2, जो, मातुकिया, पंडित सालिसिटर मार्ग. मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कि० सं० भई- 3/37-ईई/21955, 85-86 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागकत (निरीक्षण) भ्रर्जन रें ज- 3. बम्बर्ष

चिनाँक: 28-2-1986

मोहरः

प्रक्य आहे . दी . एन . एस . ----

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत चरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० म्रई-3,37-ईई,22696/85-85--भतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

जिसकी सं० पलैट नं० , इमारत नं० 4, मालाड कां-प्राप्त हाउ सिंग सो सायटी लि०, पोदार पार्क, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 260क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित स्थम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टई, ख

का पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्श्न के रायमान प्रतिकल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिक हब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथिल नहीं किया थया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनिश्रम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने वा उत्तर क्यां के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को. जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धन या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिध;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की जपभारा (1) के अधीन, निय्निणिनित न्यांक्तियों, वर्षांच :---

- श्रीमती उर्मिलाबेन एच० कपाडिया श्रौर श्रम्य।
 (श्रम्तरक)
- 2. श्री गिरीश ए० शहा।

(मन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी अयिकत व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त सक्यों और पतों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ared)

प्लैट नं० 24, जो, इमारत नं० 4, मालाङ को-म्राप० हाउसिंग सीसायटी लि०, पोदार पार्क, मालाङ (पूर्व), बम्बई-27 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई_/22696_/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, खम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनौंक: 28-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भाधकर व्यक्तियन, 1961 (1961 का 43) की भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्वेश सं० श्रई--3/37-ईई/22239/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रसाय,

बाबकर अधिनिजन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त अधिनिजन' सद्धा नया हैं), की धारा 268-च की अधीन सक्तम प्राप्तिकारी की यह विकास करने का कारक है कि स्थापर सम्मति, जिसका उपित नाजार भून्य 1 00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 283 (ग्रंग), एव० नं० 5 (ग्रंग), सी० टी० एस० नं० 597, पठाण वाडी, मालाड (पूर्वे), बम्बई में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क्यांक्य में रजिल्ही के लागिक 1-7-1985

के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1~7-1985 वे पूर्वोक्त संस्थित के उपित बाजार मृत्य र अंश के स्वयमान गीतपाल के जिल अन्तरित की गई है जोर वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंका सम्मत्ति का उपित बाजार स्वय, उसके कर्यमान प्रतिकास से, एसे क्रममान प्रतिकास का क्ष्मस् प्रतिकास से विषय है और अंतरक (अंतरका) और बंधरिकों (क्षन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना बना शिक्का , निम्मसिका क्ष्मदेशों से उपन बन्तरण विश्वित में भारतिका एए से कांग्या महीं विश्वा क्या है उ----

- (वा) अन्तर्य से हुई जिली बाद की मानश खन्छ क्रीय-निवार के वधीय फर दोने के क्रमरक के दायित्व में फर्मी कार्य सा स्वयं मचने में स्विधा के लिख; और/ज
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, विन्हें धारतीय नाथ-कर विधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उन्ते प्रविनियम, 1957 वा 27) के प्रशंपनार्थ सन्तिरती क्वारा प्रकट नहीं किया नमा भा ना किया चाना चाहिए था, छिपाने में सन्तिन के विक्:

करा वाष्, अवत वीधीनवन की पारा 269-म से अनुसारत में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपार्टिस (०) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तिस्टें. अर्थात् ३--- 1. श्री एडवर्ड जोसेफ डिसोजा।

(ফলকে)

2. कुमारी कुलू ग्रार० तिवारी ग्रीर ग्रन्थ । (श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथा कत सम्परित के अर्जन के लिए कायवाहियाँ करका हूँ।

इक्त मुक्यांता की अर्थान को सम्मन्त्र में भीता भी बाकांत्र :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में त्रकावन की तारीय से 45 दिन की अविज मा तत्वं वंधी स्वत्रिकां पर स्वान की ताजीत में 30 दिन की सर्विष्ठ में भी क्वाधि बाद में सम्बन्ध होती हो, के भीतर प्रांक्त स्वत्रियों में से विज की व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना में राजपन में प्रकाशन की तारीस है 45 किन के बीचर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हिस-बक्त किन्दी नन्य व्यक्ति इंगरा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए वा सकते।

स्वकारिक रण:---इसमें प्रयुक्त कथ्यों जीर वहां का, को सबक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही वर्ष होना. को उस सध्याय में दिया स्वा है।

मन्स्ची

जमीन का हिस्सा, जिल्लका सर्वे नं० 283 (श्रंण), एच० नं० 5 (श्रंण), सी० टी० एस० नं० 597, पटाण वाडी, मालाइ (पूर्व), बम्बई ों स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3¹37—ईई₁22230₁ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रिनस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रें**ज-** 3, बम्बई

दिनौंक: 10-2-1986

प्ररूप आहें ् दी. एम. एस.------

ायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निवेण स॰ अई-3/37-ईई/22580/85-86-अतः मुर्झे; ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके धानात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 11, जो, तल माला, उमाझरा, मालाड विलेज, मामलतदार वाडी रोड़, मालाड (प०), बस्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबज्ञ अनुसूची में ग्रीर पूण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मृत्य से कम के ख्रवमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृद्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) े अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मेसर्स लक्ष्मी विजय बिल्डस।

(अन्तरक)

2. मेसर्स अजय इलेक्ट्री ह स्टोअसं।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वृवेषिक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविभ बातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

जन्सूची

दुकान नं० 11, जो, तल माला, उमाझरा; मालाड विलेज; मामलतदार वाडी रोड़, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/22580/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकरी, बस्बई द्वारा विमांक 1-7-1985 को रिणस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी .सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸3, बम्बई

दिनांक: 10-2-1986

प्ररूप आई..टी.एन.एस._-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-3/37-ईई/22417/85-86--अतः मुझें, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अभिक**ह**ै

और जिसकी सं० हार्यालय प्रिमायसेस नं० 132 जो पहली मंजिन, नटपाण मार्केट, मालाड, बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रांर इससे उपायड अनुसूची में श्रां(र पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रोर जिसका करायनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2695, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यानय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृष्यमान प्रमूतिफल के लिए अंतिरत की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तिरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधन के लिए; और/या
- (क) एनी किसी भाष मा किसी पन सा बस्य नास्तिक को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्तिम के सिए;

मत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. किल्लिसिक क्यक्तियों, अर्थात् १००० 68—16 GI/86 श्री विनोद ए० शहा और अन्य।

(अन्तरक)

2. श्रीमती तरला हेमंत गोगरी श्रौर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण ;----द्शमें प्रमुक्त क्रम्यों बीह पर्यों का, वो धमक समितियम के कम्बाय 20-क में परिभाषित हैं, वहती अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भूबा है।

अनुसूची

कार्यालय प्रिमायमेस नं० 132, जो, 1ली मंजिल; नटराज मार्केट, मालाड, बम्बई-64 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37-ईई/22417/ 85-86 ग्रांग जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रेंज-3, **बस्बई**

दिमांक: 10-2-1986

माहर 🛭

प्रकप बाहै .टी .एन .एस

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) जे अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई धम्बई, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश स॰ अई--3/37-ईई/22680/85--86--अतः मुर्झे,

ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के नधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दुहान नं० 1, जो, तल माला, मालाड शाँपिंग सेंटर, बी०-इमारत, एस० बी० रोड़ के पीछे, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), श्रौर जिस हा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

को पूर्वाक्स संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान पतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एोसे धरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निग्निलिंकत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निग्नित में वास्तिवक अप से क्षियत नहीं किया थवा है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचके में सृविधा के लिए; और/मा
- (स) गंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन- धर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए भा, खिपाने भें सुनिधा के लिए।

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण काँ, माँ, उक्त रुधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) डिअधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ; अर्थात् :--- 1. श्रीमती रेनुका इन्द्रवदन देसाई।

(अन्तरक)

2. श्रोमती उषा विजयकुमार शहा।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जुन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राष्प्त्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिंत- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्काकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

दुकाम नं 1, जो, तल माला, मालाड शापिंग सेंटर, बी-इमारन, एस० बी० रोड़ के पीछे, मालाड (प०), बम्बई-64 में रिथा है।

अनुसूचो जैसा कि कि सं अई-3/37-ईई/22680/ 85-86 फ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनां ह: 13-2-1986

प्रकार मार्च <u>क्षेत्री प्रमान</u>्द्रका । ----

बावफर विविध्ययः 1961 (1961 का 43) की वार्ष 269-व (1) वै अवीन स्वता

बारत स्टब्स्टर

कार्यासय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-3, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 28 फरवरी 1986

भिदेश म० अई-3/37-ईई/22752/85-86--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर विधितिषय, 1961 (1961 का 43) (जिसे स्वर्धे स्वर्धे प्रथात् जिस्त विधित्वयं कात् गया ही, की पारा 269-स के वधीन संबंध प्राधिकारीं को यह विस्ताप काले का कारण ही कि स्थावर सम्मित्त, विश्वका उपित राजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

प्रगार िसकी सं पलैट नं 104, जो, 1ली मंजिल, वडाला घाटकोपर रोड़, इमारत-ए, विलेज बोर्ला, देवभार, वस्वई-88 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में भ्रौर पूर्ण कार से विणत है), और जिस मा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 में, खे के अधीन, बम्बई रिया संअम प्राधि गरी के कार्यात्व में रिजस्ट्री है, नारीख 1-7-1985

- (श) बन्तरण से हुए किसी नाम की नामत, जनत विधिनियम के मंदीन -कर -दोने के कम्मलक में क्रियरण में कमी करने या सकते नमने में सुविधा के सिक्; ज़रि/या
- (क) एंडी रिकरी बाय या किसी भन या अप्य आस्टियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उर्वत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रवोष नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था स्थिनने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसण्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निज्निधिया व्यक्तिंक स्थाब ■—— 1. श्री आए० श्रीनिवासन ग्रौर अन्य।

(अन्सरक)

2. मेसर्स चेंधूर इस्टेट्स एण्ड इन्वेस्टमेंट प्रा॰ लि॰। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त बम्मरित के वर्षन् में बम्बन्ध में कोई बाक्षेप ए----

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की नवींच या तरकव्यन्ती व्यक्तियों पद प्रवा की वालीस से 30 विन की व्यक्ति, को औं नवींच मा में क्रमान्य होती हो, के शीवत प्रवास व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्याय;
- (क) इस ब्राचना के स्वाचन में जन्मानन की तारीना ते 45 दिन के भीतर उनत स्वावर सम्मत्ति में दिलक्ष्य किसी सन्य स्वीमत द्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास किसीस में निक्य सामकोंगे त

स्वयं करण :- इसमें त्रयुक्त स्वयों और पर्यो कर, को समझ निष्मियम के बध्याण 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता, वो उत अध्याय में दिया वया है।

अनुसूची

गर्नैट नं० 104, जो, ाली मंजिल, बडाला घाटकोलर रोड़, इमारत—ए, विलेज बोर्ला, देवनार, बम्बई—88 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि ऋ० मं० अई-3/37-ईई/22752/ 85-86 स्रोए जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिल्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम आधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनां सः 28-2-1986

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर भावन्त (रिरोक्सण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक, 28 फरवरी 1986

निदेश सं० श्रई-3/37-ईई/22686/85-36--ग्रस: मुझे, ए० प्रशाद,

नायकर शिधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर बाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह शिक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1-00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जो, इमान्त नं० 8-ए, एम० जी० नगर, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित हैं श्रीर इससे ज्याबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पृत्रोंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रशिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पृत्रोंक्त सम्पत्ति था उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंदल प्रतिकति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण मिखित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है;—

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जिमित्सम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बावित्य में कभी करने या उससे धवने में सुविधा के सिए; बाड़/बा
- (ग) एसी किसी आय या किसी भन य जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय क्षायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम, या अनकर अभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था भा किया जाना चाहिए था, दिपाने में सुनिधा थे लिए:

नतः नन, उन्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुनरण में, में अन्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (१) के बधीर, निवनतिस्ति व्यक्तिकों, अधित ---- 1. श्रीमती शिला एन० हिरानंदानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भ्रर्जुन बी० हरदासानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपर्दित को नर्जन को संबंध में कोई भी बाकरे हैं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की व्यक्षिया सत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जाधिश बाद में समाप्त होती हो, के भी शर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपभ में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितब्ध्ध किसी अन्य स्पन्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के पास् सिचित में किए वा सकोंगे।

स्पटिकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्षी बीद पत्नी का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होमा को उस अध्याय में विया गया ही।

मन्त्रकी

पलैट नं० ६, जो, इमारस नं० 8-ए, एम० जी० नगर, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से ग्र $\xi-3/37-\xi\xi/22686/85-86$ श्री: जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम पाधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 28-2-1986

मोहरः

धनन आहे<u>.टो.एन.एच</u>.........

आयकर विभिन्नित, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) में वभीन स्वना

RISS START

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांदा 28 फारवरी 1986

निदेश सं श्र श्र क-3/37-ईई/22827/85-86--असः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर गिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षक परणाह, 'जनक अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-भ क ग्राचीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, निसका उचित बाजार मृत्य

1,00.000/- एक. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० प्लेट नं० 5/24, जो, यदुकूल को-श्राप० हार्जीमंग सोसायटी लि०, सर्वोदय इस्टेट, पोस्टल कालोनी, चेंबूर, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनाम श्रायकर ग्रिशिनयम, 1961 की धारा 269%, ख के श्रधीन, बम्बई थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1-7-1985

को पृत्रींगत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकान के सिए अस्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार क्षण ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार क्षण , यसके स्वयंजान प्रतिकास से, एसे दृश्यमान प्रतिकास के चल्क्ह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरका (अन्तरका) जार कम्बारिती (अन्तरितिमा) के बीच एसे अन्तरण के निष् क्य बाया गया प्रतिकास, निम्नसिवित उत्दर्शय से उक्त अन्तर्ष्ण जिल्का में वास्तिक रूप से क्षण नहीं किया गया है ---

- (िक) अन्तरण चे हुई किसी आय की बावत उक्त आहें वर् तियम के लभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी कपने वा उसके वजने में सविवा के खिए; की ख/मा
- (क) वृंकी किसी क्षाय या किसी भन या अस्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त व्यथिनियम, या चनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सुजिधा के सिक्;

श्रव: श्रव, उक्त श्रीधनियम को पारा 269-म से अभूतरण हैं, मैं, जक्त श्रीधनियम की भारा 269-म की जपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्थों, अभृति क्र—

1. श्रीमती विमला एस० मौक्ताली।

(भ्रन्तरकः)

श्रीमती मोहिनीबाई ग्रार० राठौड़।

(ग्रन्तरिती)

की नह त्या वारी करने प्रोंक्य सम्मत्ति के वर्णन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्म :---

- (क) इस स्थान के राज्यम के प्रकासन की तार्तींब से 4.5 विन की अविधि या तत्त्रस्थाधी स्थित्यां पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिक शास के सवाप्य होती हो, के भीतर ध्वीक्य व्यक्तियों के सिक्षी क्यांबिश दुवास;
- (व) ध्य स्वना के शब्दन के प्रकारन की हारीकर भी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ंष्ट्रभ कि बी जन्म व्यक्तियु द्वारा वशेष्ट्रस्ताक्षरी के ाष्ट्र विविद्य में किए या सकत्रि।

क्लक्किक्किक्क इसमें प्रमुक्त धन्दी और रदी का, सी उक्क वृधिनियम् के वध्याय 20-क में परिभाविक ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में किया प्याही

अनुसूची

फ्लैंट नं० 5/24, जो, यदुकूल को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी ि:०, सर्वोदय इस्टेट, पोस्टल कालोनी, चेंबूर, बम्बई मैं व्यित है।

ग्रनुसूची जैसा ि क्र० सं० ग्रई-3/37-ईई 22827/85-86 ग्री 7 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वार दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद सक्षम गिधनारी सहायक आयक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 28~2-1986

प्रस्त् सार्वेश होंश हुन्। स्थ्य संस्थ संस्

बारभाउ वीधीनरचा 1961 (1961 मा 43) की पाछ 269-म (1) के मधीन भूपना

भारत सरकार

कार्याचय, बहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० ऋई-3/37-ईई/22484/85-86---अत: सुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० गाला नं० 25, जो, मजिथिया इंडस्ट्रियल इस्टेट, वेबनार बम्बई-88 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जिसका करारनामा भाषकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य हे का के दश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गढ़ है और भूमें यह विश्वास का कारण है कि स्थाप्-वॉक्त सम्पत्ति का प्रवित श्वाप मूस्य, इसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मृद्धितितृत्व में वर्षीय केड दोने के बृत्युरक के बादित्व में कभी करने या त्रवृति वस्ते में शृतिया के जिए; महि/भा
- भि होंगे किसी बाब का किसी थव वा वास्त को को, निवाह भाउतीय आयकर जिम्मियन, 1922 (1922 का 11) या उपक वा पिन्यम, वा भन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा व किए?

जत | जब, उक्त अधिनियम की धारा 260 -ग के अन्सरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 -घ की उपधारा (1) के अधीन निमनलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ८—

1. श्री नूर मोहम्मद ए० प्रेमजी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० नावराजन।

(भन्तरिती)

को यह स्थना थारी करके पृथीका सम्पत्ति भी अर्जन के हिन्यू कार्यनाहियां कड़ता हूं।

क्वत अन्यत्ति के वर्णन के सञ्चन्ध वो कहि भी वाक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, में भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्याराई
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाय रसम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति इवारा कभोहस्ताकारी के पाइ लिखित में किए जा सकोंगे।

ज्यस्थीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कथे होगा जो उस अध्याय में दिया भक्त हैंं

ग्रनुषुषी

गाला नं० 25, जो, मिजिथिया इंडस्ट्रियल इस्टट, देवनार, बम्बई-88 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि कि सं श्रई -3/37-ईई/22484/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

मोहरः

प्रकृत बाइ . डी. एन. एच

भाषकर विधानिकन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सुबना

भारत राष्ट्रकार

कार्यांचय । सहायक नायकड नायुक्त (निर्दोक्तक)

ग्रजैंन रेंज~3, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० ऋई-3/37-ईई/22005/85-86—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर श्रीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दक्तात् 'उक्त जिधिनयम' महा गया है), की धारा 269-च के भधीन सक्तम प्राधिकारी को, वह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रह. से अभिक है

ष्मीर जिसकी संव बंगला नव 13, जो, तल माला, मिहीसद को-प्रापक हाउसिंग सोसायटी लिव, गुलाब व्ह्यू, सीवपीव गिडवानी रोड़, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में वजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्चेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:--

- (क) जंतरण से हुन्द किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बखने में सुविधा के लिए; कर्रिया
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1,922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के सिए।

अदः अब, उभतः अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उकत अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीतः :--- 1. श्री एम० के० शमन।

(ग्रन्सरक)

2. श्रीमती शांति ए० पै।

(भन्तरिती)

को. यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपर्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शख में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुकाड़ा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में युक्त परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिवा गया है।

जग्राची

बंगला नं० 13, जो, तल माला, मिहीसद को-ग्राप० हार्जीसम सोसायटी लि०, गुलाब न्ह्यू, सी० पी० गिडवानी रोड्र, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/22005/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, जम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्रकृप नाही , दी , एत , एत ,-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आधकार आयुक्त (निर्माणण) श्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 19 फरवरी 1986

निदेश मं॰ अई-3/37-ईई/22304/85-86/-अस: मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलेंट नं० 701/की०, जो, इसारत नं० बी, श्रतूर पार्क के पीछे, सायन ट्राम्बे रोड़, वेंबूर, बम्बई—71 में व्यित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम. 1961 की धारा 269क, ख के शधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

को पृत्रेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके द्रवमान प्रतिफल से पृत्ते द्रवमान प्रतिफल के पंत्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वंश्य से स्वल कन्तरण कि लिए से

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव भी बाबत , सबस नियम के अभीन कर दोने के जंतरक के वाबिस्त में कमी करने या उसते यचने में सुविधा की सिंप्र; और/वा
- (का) ध्रेसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में तृनिधा की जिए;

कशः जव, उक्त क्षिनियम की भारा 269-म के अमुसरम बी, बी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभास (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत्:— मेसर्स गंगा धेवलपर्स ।

(भ्रन्तरहः)

2. श्री श्रनील सोमनाथ धवन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वाची करके पूजोंकत सञ्यक्ति के अर्चन के तिथ् कार्यनाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोंप हु--- ः

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 36 दिन की अविध, जो भी क्रिकी बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यांक्त में से किसा व्यक्ति इस्तरा;
- (च) इस सूचना के राजपण मं श्रकाशन की सारीख से 45 विक के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के गांध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रांकरण:--- इसमें ध्रवत शब्दों और पदों का, जो जनत जीवनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं?

अपूर्वी

फ्लैट नं० 701/बी, जो, इमारत नं० बी, श्रदूर पार्क के पीछे, सायन ट्राम्बे रोड़ चेंबूर. बम्बई-71 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/22304/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्द£ण श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोक: 19-2-1986

प्रकल बार्च ही. एवं. स्थ_{ं प्रकार क}

काषकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन सूचना

नारुत सर्देशर

कार्याक्षत्र महायक बायकर नायुक्त (निरक्षित्र) श्रर्जन रोज-3, बस्बर्ड

अणग रण-७, बस्बह

बस्बई, दिनांक 19 फल्बरी 1986

निवेश सं० **भई-**3/37-ईई/22305/85-86--- अत: मुझे, ए० प्रसाद,

वानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), वो कि भारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संव पलेट नंव 201/जीव, जो, इमारस नंव 9, अतूर पार्क के पीछे, सायन ट्राम्बे रोड़, चेंबूब, बम्बई—71 में स्थित है (श्रीय इससे उपाबद अनुसूर्च। में श्रीय पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीय जिसका करारनामा श्रायकर श्रीयनियम, 1961 की धारा 269य, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारों के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूच्य से कम के दश्यकाम श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह क्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उनके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) कररारण ते हुइ' किसी बाग की बाबक, तकर बीधीनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक से वरियरण में कभी करने या उससे दचने में संविधः के निष्; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1020 का 11) या उलल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनाई अन्तिरती व्वास प्रकट नहीं किया गया था सा सा किया वाना वाहिए था कियाने में नृतिभा के सिए;

कतः कथा, वक्त विधिनियम की धारा 269-ण के वन्तरक भो, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निकाशिकीक व्यक्तियों वधाति प्र---69---16 GI/86 1. मेसर्स गंगा डेब्लपर्स ।

(भ्रन्तरवः)

2. श्री श्रोमप्रकाण वःरमचंद सिंडना और अन्य। (श्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी कारके पृथोंक्त सम्पत्ति के कर्जन के लि**ष्** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वासंप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीय ने 45 दिन की अनीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां एवं सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी जनिध नाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितल व्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास बिखित में किए जा सकेंगे।

प्रनुसूची

फ्लैंट नं० 201/जी०, जो, इमारत नं० 9, श्रतूर पार्क के पीछे, सायन ट्राम्बे रोड़, चेंबुर, बम्बई-71 में स्थित है।

ग्रन्सूची जैंसा कि कि कि भई-3/37-ईई/22305/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज⊶3, बग्रवर्ष

दिनांक: 19-2-1986

मोहरः

त्रक्ष काइं.टी.एन.एस. -----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन नुचना

नारत चरकार

कार्यां सद्धायक भायकर भाष्ट्रत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बस्बई बस्बई, दिनांक 19 फरवरी 1986 निदेश सं० अई-3/37-ईई/22307/85-86--अत. मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इक्काँ इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की बारा 269-के के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, बिसका उचित बाबार ब्रूब्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव बंगला नंव 17, जो, लब कुण अपार्टमेंट्स 8वां रास्ता, सिंधी सोसायटी, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका वरारनामा श्रायकर शृधिनियम, 1961 की धारा 269न, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-5-1985

को पूर्वोक्त तम्पत्ति को उचित वाजार मूल्य से कम को क्षवकान प्रतिकास को सिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित वाजार नृभ्य, उसके क्ष्ममान प्रतिकास से, एसे क्ष्ममान प्रतिकास का वंबह प्रतिकात से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के किए एक पाया नथा प्रशिक्त कर्ज निम्नितिकार उक्दोस से उक्त अन्तरण किवित में बाह्त-भिका क्ष्म के क्षिण नहीं किथा क्या है ध----

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी बाय को बाबत उच्च अधि-णियच के अधीय कर दान के अन्तरक क वादित्व के सनी करने वा सतत्वे अधने मं स्विध्य के क्रिंग्, अदि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उभते अंधिनियम, ,, धन कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः अव उक्त विभिनियम की भाग 269-न के अनुसरण मं, मं, उन्त अधिनियम की भाग 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, वर्भात :--- 1. मेसर्स कुकरेजा कन्स्ट्रकशन व स्पनी।

(अन्तरक)

2. कुमारी शरुन्धती पी० पिपत्स्ने और अन्य। (अन्तरिती)

को वह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन का सिष् कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त राम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तार्रीय वे 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्वधि, को बी स्वधि नष्ट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी स्थानत ब्वारा;
- (क) इस स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वास्य अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकांगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त कर्जी और पदौका, जी उपन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्यास में दिश गया है।

मनुसूची

बंगला नं० 17, जो, लय कुण श्रपार्भेंट्स, 8वां रास्ता सिंधी सोसायटी, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा तिः क० सं० श्रई-3/37-ईई/22307/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

> ण्० प्रसाद सक्षम प्राप्तिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) -श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 19-2-1986

प्रकृप बाइ .टी.एन.एस. -----

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन त्वना

माप्रत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रेज-3, बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनांक 5 मञ्जर्व 1986 निदेश सं० श्रर्ध-3/37-ईई/22249/85-86---ग्रतः मुझ, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० दुकान नं० ६ जो, एस्पी० ग्रपार्टमेंट्स, तल माला, मेहता इंडस्ट्रियल इस्टेंट के सामने,डी० पी० रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-7-1985

करे पूर्वों . अस्मास्त के जिन्त बाजार मूल्य से कम के क्ष्ममान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य उसके क्ष्ममान प्रतिकल से, एसे क्ष्ममान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ज से लिए तय पाया गया प्रतिकल कम, निम्निनिश्चित उद्देश्य से उस्त अन्तर्ण मिलित में बास्त-विक कम से क्षिण नहीं किया नवा है है—

- (क.) अन्तरण से हुई किसी जाय की, बाधत, उक्त श्रीधनियप के अधीन कर दोने की अंटरक की दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (च) एंसी किसी नाम या किसी धन या जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूतरण गै, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की स्पथारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित स्युक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री सन्करसेट्ट एण्ड पितले।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ध्रनील एस० सावंस श्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को नह तुमना पारी करके पूर्वोचल संपत्ति के सन्नीन की जिल्ल कर्मगाहियां शुरू करला हुई!

बन्दा संपत्ति के नर्धन के संबंध ने कार्य भी शासंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्स स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्य स्थित द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस जा सकतें।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, वा अवत्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स् भी

दुकान नं० 8, जो, तल माला, एस्पी स्रपार्टमेंट्स,मेहसा इंडस्ट्रियल इस्टेट के सामने, डी० पी० रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थिस है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-3/37-ईई/22249/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-3-1986

प्ररूप आह. टी. एन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्ज 1986 निदेश सं० अई-3/37-ईई/22250/85-86--अतः मुझे,

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परवात 'सक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं दुकान नं० 5, जो, तल माला, एस्पी श्रपार्टमैंट, मेहता इंडस्ट्रियल इस्टेट के सामने, डी० पी० रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबस अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-7-1985

का पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मून्य से कम के अध्यक्षान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार बूच्य, उसके कावमान प्रतिपत्त से, एसे क्यमान प्रतिपत्त का पत्तक का पत्तक प्रतिपत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिपत्त निम्नलिखित उद्दोस्य से उक्त अंतरण लिखित में गासाबिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किबी बाव की बाबत, उक्त जिमित्रमु के बभीन कर दोने के संतुरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के निष्क, और/बा
- (थ) एखी किसी नाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कः अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकृत नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, कियाने भे स्विष्

म्ब: बब, उक्त जीर्थानयम की धारा 269-च की बन्तरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की अध्यादा (1) को अधीन, निम्मिसिसित व्यक्तियों, अधीत १--- ा सन्करसेट्ट एण्ड पितले।

(भ्रन्तर(

2. श्री करीम एम० भुरीबाला श्रींग ग्रन्य। (ग्रन्सरिती)

nga amin mangkalaban kaban kaban kaban <mark>man</mark>

का वह बुचना चारी कारके प्रशेषत सम्मति के वर्षन् से विह कार्यवाहियां कारता हूं।

बक्य करपारित के वर्षन के उंदंध में कोई भी बासेप ह--

- (क) इत तुचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारी से 45 दिन की बनीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की बनें थे, जो भी बनें भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, सभोहस्ताकारी के पाइ रिविद्य में किये वा इकों के।

स्थाधिकरण :---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उक्र विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित्र हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिशा भूवा है।

नन्स्ची

दुकान नं० 5, जो. तल माला, एस्पी० श्रपार्टमैंटस, मेहता इंडस्ट्रियल इस्टेट के सामने, डी० पी० रोड़, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं ग्रई-3/37-ईई/22250/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रज–3, बम्बई

दिनकि: 5-- 1986

मोहर '

प्रकृष बाइ .टी. एव .एस------

.

नाशकर विधिनियस, 1961 (1961 के 43) की पाय 269-व (1) के नधीन सूचना

नारत बहुन्तर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ऋर्जन रोज-3, **बम्बई**

बम्बई दिनांदा 18 फरवरी 1986

निर्देश सं० ऋई-3/37-ईई/22240/85-86---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भाषकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवो इसको प्रकार प्रकार अभिनियम' कहा गया ही, की धार 269-स को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भित्त, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रींग जिसकी सं० फ्लंट नं० 702, जो, बी-इमारत, गंगा डेंबलपर्स, श्रुत्र पार्क के पीछे, सायन ट्रांग्बे रोड़, चेंबूर, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका परागनामा श्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269द, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्स्ट्री है, तारीख

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से आध्यक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निचित दस्यभ्य स उन्त अन्तरण सिचित में वास्तिकक रूप से कश्चित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (घ) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा वा किया जाना जाहिए जा, जियाने में सुनिधा के जिए;

अतः वसः, उस्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण मैं, मैं, उस्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्नीलिद्धित व्यक्तियों, अधीत् ■— 1. मेसर्स गंगा डेवलोपर्स।

(अन्सरक)

2. श्री योगनाथ रामलाल धवन।

(ग्रन्ति रती)

को यह सूचना जारी करके पृष्कित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 विन की व्यक्तियां पर स्वान की तामील से 30 विन की व्यक्तियां पर व्यक्ति को तामील से 30 विन की व्यक्ति को भी व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बहुभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयूक्त कब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लेट नं० 702, जो, इमारत, गंगा डेवलपर्स, भ्रतूर पार्क के पाछ, सायन, ट्राम्बे रोड़, चेंबूर, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूचा जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/22240/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकण प्रायुक्त (निरीक्षण) फर्जन रेंज-3, बम्बई

विनांक: 18-2-1986

प्रकृप बाह् . टी. एन. एस. ------

करकार स्थितिका, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्थना

नारत सरकार

कार्याक्षय , बहुत्रक आयकर आयुक्त (निर्देक्का)

फ़र्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 20 फरवरी 1986 निर्देश सं० अई-3/37-ईई/22734/85-86--श्रत मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) 'शिवडे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार नृत्व 1,00,000/-रु. से विश्वक है

स्रोर जिसकी सं० शोड नं० 2. राम मंदिर इ अस्ट्रियल इस्टेट प्लाट नं० 1-बी एस० नं० 14 श्रीर 25, एच० नं० 37, राम मंदिर रोड़, गोरेगांव पूर्व, बम्बई-63 में स्थित है (श्रीर इससे जिपाबब अनुसूचा में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-19-85

को पूर्वोक्त सम्पृतित को अधित बाबार बृह्य ते कव के व्यवज्ञान कित्रक के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृतित का उचित बाजार बृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का बन्तर (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वामा गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देव से उक्त जन्तरण किवार के सिवार से सिवार से सिवार के सिवार से सिवार से सिवार के सिवार से सिव

- (क) अन्तरच से हुई किसी बाब की, शक्त, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के बिए; और/वा
- (स) इसी किसी साम या किसी भन या जन्म जास्तिको को जिन्हें जारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, जा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में जुनिश्वा के लिए;

बत: अव, उक्त अविनियम की भारा 269-ग के अनुसर्भ वे, गै, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (†) के वभीग, विकासिका स्पन्तियों, अर्थाक् क्ष्र--- 1. श्री जगदीम ए० पटेल।

(अन्तरक)

2. श्री हरीशभाइं एम० ५टल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्धोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूक करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काहें की वाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति वदारा;
- (क) इसस्थान के राज्यम में प्रकासन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध्य किसी अन्य व्यक्ति युवारा अधोहस्ताक्षरी के पांच निश्चित में किए था सकर्गे।

स्यक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सम्बां और पवां का, जा उनके विभिनयम, के वश्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस वश्याय में विका गणा है:

अनुमुचो

शेड नं० 2, राम मंदिर इंडस्ट्रियल इस्टेट्स, प्लाट नं० 1-बी०, एस० नं० 14, श्रीर 15, एच० नं० 37, राम मंदिर रोड़, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई--63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं प्रार्थ-3/37-ईई/22734/ 85-86 श्रीर जी सक्षत प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्**बई**

दिनांक: 20-2-1986

प्रकल आहें हो. एन. एस.-----

बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुधना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं॰ श्रई-3/37-ईई/22204/85-86--श्रतः सुझे, ए॰ प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकाशी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 15,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेंट नं० 74, जो 7वीं मंजिल, तिरूपित अपार्टमैंट्स, लाला देविद्याल कास रोड़, मुलूंड (प०), वम्बई-80 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसुधी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसदा करारनामा अध्यकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्याल्यमें रिजिस्टी है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि संधा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एसे क्षयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (जन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्तं नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) देसी किसी नाम या किसी भन या अन्य नास्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस स्प्रीक्तथों, अर्थात्:—— 1. श्री प्रमोद एन० केडिया श्रीर अन्य।

(ग्रन्तरकः)

2. श्री शिवराम जी० शेट्टी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी मार्थप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

बन्स्ची

फ्लेट नं० 74, जो, 7बीं मंजिल, तिरूपित श्रपार्टमेंट्स, लाला देविदयाल कास रोड, मुलूंड (प०), बस्बई-80 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/22204/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को प्रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्षम (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 14-2-1986

मोह्र 🕸

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनौंक, 3 मार्च 1986

निर्देश सं० घर्ड- 3/37-ईडी/22798/85-86-- ग्रतः मुझे,

ए० प्रसाद,

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगीत, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 414, जो, 4थी मंजिल, दर्शना श्रपार्टमेंट्स, साने गुरुजी नगर, नवघर, 90, डी० पो० रोड़, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रीधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, सारीख 1-7-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्प्रमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की नई है जोर मृत्रों यह विस्वास उसने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ृत्य, उसके इस्प्रमान प्रतिकास से एसे इस्प्रमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिबों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तम पाया गया प्रतिकास, विम्निशिवत उच्चेक्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी अन्य की बाबत उपस्त अधि नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायि क्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय अ:थ-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

बार बार उस्त निमित्रम की थारा 269-व के बनुबर्फ हो, मी, उस्त निमित्रम की भारा 269-व की उपभाश (1) हं क्षीत, ज्ञितिबर स्थितरणों, नवाह —

- 1. मेनर्म केडा इन्डहेस्टमेंट्न प्रायवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री महेश जो० वटीयानी श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध कद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पर्वाक्षरणः — इसमें प्रयोक्त कव्दों और पर्दों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्वी

फ्लैंट नं० 414, जो, 4णी मंजिल, दर्शना श्रापार्टमेंट्स, सामे गुरुजी नगर, नवघर, 90, डी० पी० रोड़, मुलुंड (पूर्व), बम्बई ~ 81 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/22798/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 की र्जिस्टर्ड फिया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजे-3, बस्बई

दिनांक: 3--3-1986

मञ्जू बाह् , दी हुन् हुन् , नाराना

नामक<u>ार</u> मॅभिनियम्, 196<u>1</u> (1961 का 43) की भाष 269-च (1) में नेपीन सुखना

STER STEELS

कार्यात्तव, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्न)

म्रर्जन रेंज-3, बस्बई बस्बई, दिनाँक 19 फरवरी 1986

निर्देश सं० म्रई-3/37-ईई/22931/85-86--मतः मुझे, ए० प्रसाव,

नायकर निर्मियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इतने इसके पश्चात् 'उक्त निर्मियम' कहा गया ही, की भारा 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्परित, चिसका उचित वाजार संस्थ,

1,00,000/- रत. से अधिक है

- (क) मन्तरम वे हुए कियों भाग की पावत, क्ष्मत वीपीरचय के मधीन कर दोने के अस्तरक से खिश्य में कमी करने का उत्तरे अवने में सुविधा मैं जिए; बीड़/मा
- (क) एसी किसी बाब या किसी अन या करूर जास्तियों को, विन्हें भारतीय कायकर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिम्मिनयम, या वर्नकर अधिनियम, या वर्नकर अधिनियम, या वर्नकर अधिनियम, विन्तियम, या वर्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया वा वा किया भागा चाहिए था, कियाने में युविधा वे लिए;

वतः थयः, उक्त विभिन्नम की भारा 269-ग के बन्सरण की, में अवत अभिनियम की भारा 269-म की स्पभारा (1) के बभीन भिन्निविस स्विवसी, सर्भीय हि—। 70—16 GI/86

1. मेसर्स हेम डेकोर्ड

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स ग्लेश एन्टरप्राईजेस ।

(भ्रन्तरिती)

को वह बुचना जारों काहके पूर्वोक्य बंगीरत में वर्षण के जिए कार्यनाहियां करता हूं।)

इत्रत सम्पत्ति के नर्पन के दम्मन्थ में कोई भी नाओप ह—

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिश की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस भूकना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबहुध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
 पास सिवित में किए जा सकोंगे 1

स्वक्रीकरुक्: -- इसमें प्रमुक्त सब्दों बीट पर्वो का, जो स्वक्ष शीधनियम के सध्याय 20-क में परिभाविक है, वहीं सूर्य होगा जो उस सध्याय में दिया नदा हैं।

वन्त्र्य

यूनिट नं० 26, जो, दूसरी मंजिल, रूपल इंडस्ट्रियल इस्टेट, भातवाडी, घाटकोपर (प०), अम्बई-400086 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3/37-ईई/22931/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रिजस्टड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, बम्बई

दिनौंक: 19-2-1986

मोहरः

प्रस्य बाइं.डी.एन.एस., -----

आयकर व्योधिनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 268-न (1) के वधीन सुमना

नारव चहनार

कार्याक्षव, तहायक आयकर वायक्त (निर्दाक्षण)

ग्रजीन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रई-3,37-ईई,22537,85-86--- ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्नीर जिसकी सं० भूमि का हिस्सा, जिसका नं० इ/13, इनामदार प्रायवेट लेग्राउट, विलेज वालनाय, माला (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबढ़ श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायदेलय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पृथोंक्त सम्पत्ति से उपित बाजार मृश्य से कम की दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्दरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास

करने का कारण है कि यथापूनोंक्त तस्पीत्त का उचित नाजार कृष्य, उनकों करमान जीतफल से, एते क्ष्ममान प्रीतफन का बन्द्रह प्रीतबत से मधिक है और मंतरक (मंतरकों) मीर मंतरितीं (मन्तिचित्रमों) के नीच एसे मन्तरण के सिए तम पाना नना प्रतिकास, निम्निलिबित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिवित में बास्तिक क्ष्म वे कवित नहीं क्षिका पना है है——

- (क) अन्तरक से हुई किसी बाय की वावत उक्त अधि-निवज को क्वीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के निता वरि/वा
- (च) देवी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अर्जे, विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन अर अधिनियम (1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिक्त

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 259-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिबिस व्यक्तितयों, अर्थास् हिन्स श्रीमती हेमलता एम० दोशी भ्रौर भ्रन्य।

(घन्तरक)

2. मै० श्रनीता इंटरप्राईजेस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता, हुं।

उनत सम्मतित के बर्चन के सम्मन्य में कोई भी भारते हैं---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकासन की तारीक से 45 विश को स्वीच ना तरहम्मानी व्यक्तियों पर त्यका की तानीस से 30 दिन की व्यक्ति, को भी स्वीध वाद में स्वाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां हुए।
- (थ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वें
 45 दिश के भीतूर उनत स्थापुर संपत्ति में दितक्ष्म किसी जन्म न्यानत् ब्यारा अभोहस्ताअपी कें
 पात् तिथित में किए का सकेंने।

रमकाकारणः — इसमें प्रयुक्त सन्तां और पर्यो का, यो समसः अधिक्षित्रक के सम्बद्ध 20-क में परिवासिक ही, मही वर्ष होगा को उक्क सम्बद्ध में विका भवा ही।

अनुसूची

भूमि का हिस्सा जिसका नं० इ/13, इनामदार प्रायवेट लेब्राउट, विलेज वालनाय, मालाङ (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि ते ग्रंह -3/37 – ईई/22537/85 – 86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रिजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनाँक: 5-3-1986

मध्या **वाह**ें हों हु एक्ट एक्ट ने वन वन

हारकड स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के स्थीद ह्याना

शास्त्र बहुन्तंत्र

कार्यासन्, रहानक नानकर नामृत्य (निर्माण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनाँक 18 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-3,37-ईई,22751,85-86--ग्रतः मुझे,

ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/-फ से निधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, प्लाट नं० 171, घाट-कोपर कैलाण विहार को-ग्राप० हाउमिंग सोसायटी लि०, जे० वी० रोड़, घाटकोपर (प०), बम्बई- 86 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 2569क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूक्य से कम के करमाय प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाबार ब्रुच्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्त से अभिक है और अंतरक (अंतर्कों) और अंतरिती (अन्तर्शित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया ज्वा अस्तिफल निम्मीअधित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिवित बें शास्त्रीक रूप से क्षित नहीं किया ज्वा है।

- (क) बन्तरच ने हुई कियी बाय की व्यक्त है क्या क्या की व्यक्त है क्या कर होने के व्यक्त की दावित्व के क्या करते वा उत्तव क्या के सिए; वार्/वा
- (क) पुर्ची किसी नाय या किसी भन वा नास नास्तियाँ को, चिन्हें भारतीय नाय-कर निर्मात 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मात वा क्य-कर निर्मात वा क्य-कर अभिनियम, वा क्य-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा से निर्मा

बातक वाय उपया वायिनियम की पाला 269-म के वयुक्त में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथीत् :---

- श्री रसिकलाल एस० शहा भौर श्रन्य। (श्रन्तरक)
- श्री केणवजी एम० शहा श्रीर श्रन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहिंगी करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्ये हु-

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपुत में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य स्थानित द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सक्तेंगे।

स्थाकोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों जाँर पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहीं कर्श होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसू ची

बुकान नै० 3, जो, प्लाट नं० 171, घाटकोपर कैलाश विहार को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, जे० बी० रोड़, घाटकोपर (प०), बम्बई-86 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि. सं० श्रई-3/37—ईई/22751/185-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद स**क्षम** प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांवा: 18-2-1986

प्रकल भाइके टी. एन. एस :------

विष्णु विशिविषात् 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भा (1) को अभीन सूचना

भारत बहुन्प्रर

क्यूक्रिक्_{र)} सहायक मायकर नायक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986 निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/22071/85-86—शतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,05,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-1, जो, तल माला, भगिरथ प्रपार्टमैंटस, जे० पी० रोड़, नं० 5, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आपकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को प्राेंचत बंग्गरित के स्वित बाजार ब्रुप्य ते कात के अवकान इंडिक्ड के किए बन्तिक की पर्द है और भूके वृद्द विस्ताब करने का करने है कि बचाप्नोंक्ट कमरित का स्वित्व कार्यार कृष्य, स्वार्थ सम्बाध प्रतिक्षक हैं, होडे स्ववान प्रतिक्षक का पंत्रह प्रतिक्षक से नीभक है बीर खंतरक (बंतरकों) भीर बंबरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पासा गया प्रतिक्षम, निम्निवित स्वृद्धिस से क्या क्यारण हिंबिक में बास्तिक रूप से किया नहीं किया क्या है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक की दासित्व में कमी करने या उससे बचने में कृषिया के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या कस्य बाल्सियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना आहिए था, कियाने में सुनिधा के सिख;

सताः जब, उनतं नार्रिभीनयम की भारा 269-ग के जन्मरण मी, मी, उनतं मिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वभीन, निम्मतिश्विक्ष व्यक्तियों, वर्षात् हु--- 1. श्री डी० जे० शहा।

(अन्सरक)

2. श्रीमती पूर्णिमा डी० शहा।

(अन्तरिती)

नां नद्व स्थान आडी करके पृथानिक सम्मृतिक से अर्थन ने हिन्दें कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के बर्चन के बम्बन्य में कोई भी बाबोद:--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सविध मा तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मूच व्यक्ति ब्वास सभाइस्ताकरी के पान विवित में किए का सकों है।

वरक्षी

फ्लैंट नं॰ ए \sim 1, जो॰, तल माला, भिगरण धपार्टमेंट, जो पी॰ रोड़, नं॰ 5, गेरेगांव (पूर्व), बम्बई \sim 63 मैं स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर श्रई~3/37-ईई/22071/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राक्षिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, **बस्बई**

दिनांक: 6-2-1986

तक्त बार्ड व्याँ<u>ः स्त्र प्र</u>स्त तनस्थनशनः

बावकुट श्रीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन चुमना

MIST TENIN

कार्यासय, सहायक नायकतः नायुक्त (विद्यक्षिण)

धर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986 निर्देश सं० अई-3/37-ईई/22073/85-86--श्रतः मुझे, प्रसाद,

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके प्रकात् 'अस्त वर्षिनियम' क्या नवा ही, की वाल 269-व के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह निक्वास करने का कारल है कि स्वावर सम्बद्धि, विस्ता स्वित वाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1 जे, इमारत नं० 18-ए०, ए-विंग, गुलभन की-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, गोकुलदास धाम, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सेवणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्वरयमान प्रतिफल से एसे द्वरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्बाः सर्व, उत्तर वीधीनवंत की भारा 269-व के बन्दरण वें_छ में उत्तर व्∰धीनयम की भारा 269-व की स्पर्भारर ः(1) वे वधीय, निकासियस व्यक्तियां अपोस् क्रान्स् 1. श्री लारेन्स एल० ग्रल्वा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री लक्ष्मण बी० ठाकुर।

श्रन्तिरती)

को बहु सूचना जारी कराई पृथाँक्त सम्पत्ति को वर्षन् को सिए कार्यः वाहियां करुवा हुई क

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाबोन्ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीबर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के नाक लिखित में किए या सकीन।

स्पष्किकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा। उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 1 जे, इमारत नं० 18-ए, ए-विंग, गुलबान को-म्राप० हाउँसिंग सोसायटा लि०, गोकुलधाम, गौरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37-ईई/22073/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बर्धः

दिनांक: 6-2-1986

प्रकल आहें हैं हैं। पुन्त पुक्त -------

नायक्ष्र विवित्तवन , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज ((1)) से न्योंन क्ष्म

माइत जहन्त्र

कर्मानय , तहायक नायकत नायुक्त (विद्वालिक)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनीक 6 फरवरी 1986

निवेश सं० ऋई-3/37-ईई/22157/85-86--%त: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उनत निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिनका उद्वित वाचार भूक्य 1,00,000/- का से नधिक हैं

भौर जिसका सं० ब्लाक नं० 101, जो, बी-विंग, इमारत नं० बी-42, सर्वे नं० 34, एच० नं० 2 (अंग), सर्वे नं० 35, दिंडोशी, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-62 मैं स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भौर पूर्ण रूप से विंगत है), भौर जिसका करारनामा भ्रायक मधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मैं रिजस्ट्री है. तारीख 1-7-1985

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है जीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रथमान प्रतिफल से एसे ब्रथमान प्रतिफल का पंड्रह प्रतिशत से विश्वक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के बायित में बायित्य में कमी करने या उससे अचुने में सुणिधा के लिए; और/या
- (क) देवी किकी अन्य वा कियों भन या अन्य गास्तियों को किन्हें जाउँतीय जाय-कर वीधनिवस, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनयम, तर क्ष्य-कार वीधनियस, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तिकती हुनास प्रकट महीं किया गवा का या किया जाना अनिह्यू का, कियाने में कुलिका को किया

व्याप वाच-, ज्वार विकित्यमं की भाषा 260-ए की नतुस्रक में, में:, उन्हां अधिनियम की भाषा 269-ए की उपधारा (1) के मधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्:---- 1. श्री एम० डी० परमार।

(मन्सरक)

2. श्रीमती सी० ए० मुणगेकर।

(भ्रम्सरिती)

को यह सूत्रमा जारी कड़के पूर्वोक्त संपरित के वर्षन **में जिस** कार्यवाहियां कड़का हुई [i]

इसर श्रंपरित में अश्रंप में श्रंपण में कोई श्री शासेर ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन भी दारीय चे 45 जिन की जनमि या शरप्रकाणी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 बिन की नगीय, जी भी नगीय गढ़ में समान्य होती हो, के भीतर प्रीक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाडा;
- (व) इस तुज्ञना के राज्ञपण में अकारण मही तारीस से 45 दिन के भीत्र वच्य स्थापन संपत्ति में द्वितवहुध किसी अन्य स्थापत द्वारा अजाहस्ताक्षरी के वास निवात में किए वा सक्ति।

स्थमित्रकारणः — इसमाँ प्रवृक्ष कम्यों भीर गुर्वों का, जो उक्त कावकर महिशानियम के कंभाव 20-% में भीरशामित ही, मही नर्थ होगा, जो इन्त मास्त्रक में विका नमा ही।

भ्रनुसूची

कलाक नं 101- जो बी-विंग इमारस नं बी-42, सर्वे नं 34: एच० नं 2 (ग्रंग), एस० नं 35, विंडोगी, गोरेगांव (पूर्व), अस्वई-62 मैं स्थित है।

श्रनुसुनी जैसा कि कि से ग्राई-3/37-ईई/22157/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्र्यंन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 6-2-1986

ए० प्रसाद,

नायकर नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के व्योत त्यता

बारत बरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (हैनरीक्र्य)

ग्रजॅन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1986 निदेश सं • ग्रई - 3, 37-ईई/22619, 85-86--- ग्रतः मुझे,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परवास 'उक्स अभिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने अप्र कारण है कि स्थान्द सम्पत्ति, जिसका उचित नामार जुल्ब 1.00.000/- रा. ये मन्त्रिक है

मीर जिसकी सं० 2, लक्ष्मी शार्पिंग सेंट , जंक्शन शाफ जै० वी० रोड़ ग्रीर एच० डी० रोड़, घाटकोपर बम्बई-400086 में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसुनी मैं भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मैं रजिस्ट्री है, सारीख 1-7-1985

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान Pप्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उलको रूपयमान प्रतिफल से एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और जंतस्क (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफन, निम्निविधित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिक्ति में रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जंबरण से हुइ किसी जाय की बाबत, सकत बीधीनवस के बधीन कर दोने के बंदरक के बाबित्व में कमी करने या उत्तवे बचने में बहिया के सिए; आर्रिपा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, चिन्हें भारेतीय बायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार मधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ बंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया बाबा किया जाना चाहिए या, स्थिनने में सुविधा ने विका

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , में, उक्त अधितियम की भारा 269-व की जपभारा (1) है अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षाल् 🖫 —

1. श्री दामजी राघवजी शाह।

(धन्सरक)

2. श्री श्रर्जन करसन पटेल।

(भन्तरिती)

को यह सुषया बाही करके पूर्वीक्ट सुन्युहिए के मुर्धन के सिक् कार्यवाहियां करता हुई 🚯

उन्हा सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई श्री कार्यन b---

- (🖛) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीच 45 विज की समिप या तत्संबंधी स्पवितयों सुचना की लागीम से 30 दिन को संचीप, वो भी नगरि बाद के समस्य होती हो, के भीतर प्रवेषिक अभितामों में से किसी अभित दुवारा;
- (च) इस स्वना के रावप्त में प्रकारन की वारीय से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर धन्यति में हितवहुच किसी बन्य व्यक्ति दुवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास मिक्ति में किए वा बकेंगे :

म्मकारिकरणः -----इसमें प्रयुक्त सन्दों सार पदों का, को उपन विभिनियम - के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा यो उस वस्याय में दिवा क्या हैं।

शाप नं० 2, जो लक्ष्मी शापिंग सेंटर, जंक्शन शाफ जै० बी॰ रोड़ और एच॰ डी॰ रोड़, घाटकीपर, बम्बई-400086 में स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि क० सं० ग्रई—3/37—ईई/22619/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1--7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्ष) भर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 5-3-1986

प्ररूप् बाह्"्टी, एन . प्रास . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाच 269-व (1) ने वर्धीन सूचना नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बर्ड बरबर्ड, दिनांक 28 फण्यरी 1986

निवेश सं० ग्रई-3/37-ईई/21963 भ्रीर 21970/ 85-86-- शत मुझ, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया ही, की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि के साथ इमारत नं० जो, 643 भीर 644, (1), हाउम नं० 129,130, खिमजी लेन, एम० जी० रोड़, घाटकोपर (पूर्व), अम्बई में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूचो में और पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा श्रायक शिक्षितियम, 1961 भी धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय मैं रिअस्ट्री है ताराख 1-7-1985

को प्वाँक्त सम्परित के उचित बाजार मुस्क से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे वह विकास करने का कारण है कि यथाप्वाँक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, असके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिक्त से जीव कंतरक (वंतरक) बीर बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विकल, निम्नलिकित उक्तकेय ने उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप में कांवत नहीं किया जवा है।

- (क) व्यापन से हुए किसी बाब की बाबतः, ब्यास मीर्थिनयम के मधीन कर बोने में अन्तरक में विकास में कमी करने या उद्यस बचने में स्ट्रिका से निग्धः और/मा
- (प) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को बिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की ६ । 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिवित व्यक्तिकें, अधित् :—

- 1. श्रीमती शांताबाई प्रागजो खिमजी भीर भन्य। (धन्तरक)
- 2. राज राजेश्वरी इंटरप्राईजोस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्तिः से वर्षन के विष्

कार सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कीई भी बार्क्ष 🗝

- (क) इस स्थान के राजपणि में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत तै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रथक्त शब्दों और पदों का, जो जन्ने अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याम में विशा नवा हैं।

अमुसू ची

भूमि के साथ इमारत जो 643 ग्रीर 644 (1). हाउस नं 129/130 खिमजी क्षेत्र. एम जी रोड़, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई मैं स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-3₁37-ईई₁21963 भीर 21970₁85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बट्ट द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्ट**ड** किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, **बस्बई**

दिनोक 28-2-1986

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

बायकर जिभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की शाउर 269-स (1) के संशीत ब्यान

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक **गायकर नाय्क्त (निरीक्न)**

श्चर्जन रेंज-3 अध्यह बम्बई, दिनांक 5 मार्च 1986

निवेश सं० ऋई-3/37-ईई/22431/85-86-- मन: मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसको पश्चास् 'जक्त अभिनियम' कहा गया हुः, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1,09,000/- स्त. से विभक हैं

श्रौर जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा ५ट्टक्चर के साथ. जो, घाटकोपर, सर्वे नं० 38-ए, एच० नं० 1, सर्वे नं० 170, एच० नं० 3, घाटकोपर, बम्बई मैं स्थित है (भ्रौर इससे उपाबक्क प्रनुसुची मैं घौर पूर्ण रूप से बर्णित है), भीर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम, 1961की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1986

की पर्तोका सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के वस्वमान व्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द**है और मुक्ते वह** विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उराको दक्षमान प्रतिफल सै, एसे दक्कमान प्रतिफल को वन्द्रहर्मिकत से सभिक हैं और सम्तरक (सम्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच एेचे अन्तद्वय के सिए तय पाया गया कस दिन्ति जिल्ला उदब्देय से उन्त अन्तरण सिचित में बास्तविक में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की शक्त, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्धरक दाविरल में कमी करने या उससे ज्वने में सुविधा क निया, **जीर/गा**
- ्ड) एस कियो नाथ या किसी भन्न या अन्य कास्सियों को, चिन्हुं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त आधानसम, च्न-कर व्यथियवा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट कहीं किया गया का या निक्या जीता चा**हिए था, छिपान म**ें सुविधा ने लिए;

नतः स्थः, उन्त मिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)

के अधीन, निकालित व्यक्तियों, अर्थात :---71-16 GI/86

1. श्री एस० बी० घाणेवार श्रीप धन्य।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स सृप्रिम बिल्डर्म।

(भ्रन्तरिती)

की वह त्यमा बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

सक्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कीई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५र स्चना की तामीस से 30 दिन की जविधा, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिं न्यक्तियों में से किसी न्यक्ति ब्याराः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दूभ किसी अन्य व्यक्ति बुबारा अधोहस्ताक्षारी के पाण लिनित में किए जा सकति।

रमक्तीक रणः--इसमें प्रथमत शब्दों और पदों का, वो ल**बत स**र्थि निवम के वभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्च होया, को उस कथ्याय में विधा गया है।

नम्सूची

खुला जमीन का हिस्सा, स्ट्रक्चर के साथ, जो, घाटकोपर सर्वे नं० 38-ए, एच० नं० 1, सर्वे नं० 170, एच० नं० 3, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/22431/ 85-86 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1--7-1985 को एजिस्टर्ड विया गया है।

> ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, **ब**रम्बई

दिनांक: 5-3-1986

प्रकृप कार्षः, टी. एम. एस.-----

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन नुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भागपूर

नागपूर, दिनीत 10 मार्च 1986

निर्देश सं० एम० ए०ं सी०/एक्बी०/44/24/85-86----यतः, मुझे, एम० सी० जोशीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रोप जिल्ला संव प्राट नंव 219 है, क्षया जो स्मान फैक्ट्री एरिया डीवनंव 3, तर्कल नंव 2/16 वार्ड नंव 21 भागपुर में स्थित हैं (स्रोप इत्ये उत्तब अनुसूची में स्रोप पूर्ण रूप से विणित है), रिजिल्ह्री ति अधिकारी के ायिह्य, भारपुर में में रिजिल्ह्री उत्ता अधिकारी के त्रायहित्य, भारपुर में में रिजिल्ह्री उत्ता अधिकियम, 1908 (1908 त्रा 16) के अधिक, भारीख 3 ज्लाई, 1985

को पूर्वोक्त तम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नथा प्रतिफस निम्नतिवित उद्ववस्य से उनत अंतरण निचित बें जानिव हम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भृतारण संहुदं किसी साथ को बाबता, सबत संधितियम को सभीव कर दोने को बन्तरक सं दायित्व में कमी करने वा उच्चे बचने में हाविधा के स्पिए; बॉड/बा
- (च) होती किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, जिया से विश्वा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- मै० तत्र गुणस द्रांख्योटं इस्पनी सी० ए० रोड़, ागपुर।

(अन्तरक)

2. मै० तन्द्र किशोर प्रापर्टीच, 32-सी० ए० रोड्रे, जाग, (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के तिय कार्यवाहियां करता है।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप

- (क) इब सूचना के राजपन में प्रकाशन की लागींव वें 45 दिन की नवींच दा तरकम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शाबील वे 30 दिन की वनिथ, को भी नवींच नव की कमान्य होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब क्ष-45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पर्ति में दिश्वकृत्र किसी जन्म व्यक्ति दुवारा अभोद्दलाकारी के पास निवित में किस् का सकार्ये।

प्रनुषूची

ट्रस्ट प्ताट नं० 219, म्यू० हा०नं० 832, डिवीजित नं० 111 तर्कन न० 11/16, वार्ड नं० 21 प्ताट क्षेत्रफन 46050 स्क्वेयर फीट, शेड 2000 स्क्वेयर फिट स्माल फैक्ट्री एरिया, भागपुर में स्थित हैं।

> एम० सी० जोणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, नागपुर

नारीख : 10-3-1986

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 9th January 1986

No. 32011/1/85-Admn.I.—In pursuance of the Department of Personnel & Training O.M. No. 5/9/84-CS.II dated the 4-9-85, Shri I. N. Sharma, a permanent officer of Grade B of the CSSS cadre of Union Public Service Commission and working as Private Secretary from time to time on advace basis in the CSSS cadre of Union Public Service Commission, has been included in the Select List of Private Secretary (Grade A of CSSS) in the CSSS cadre of the Union Public Service Commission with effect from the 26th December, 1985.

No. A,32011/2/85-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri Dhanish Chandra, a permanent Section Officer of the CSS Cadre of Union Public Service Commission to officite as Under Secretary in Grade I of CSS on ad-hoc basis for the period from 4-1-86 to 24-1-86 or until further Orders, whichever is earlier under the powers vested in him vide Regulation 7 of Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958.

The 5th February 1986

No. A-19014/1/86-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Sharma, CSS as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 3rd February, 1986, until further orders.

The 19th February 1986

No. A-19014/8/83-Admn.I.—In pursuance of the Office of the Controller General of Defence Accounts's letter No. AN/I/1174/I/Vol-III, dated 11th February, 1986, Shri Suhas Banerjee, an officer of Indian Defence Accounts Service on deputation as under secretary in the office of the Union Public Service Commission has been relieved of his duties in the Commission's office with effect from 19-2-1986 (AN) with instructions to assume charge of the post of Joint Controller of Accounts (Factories), Accounts Office, Gun Carriage Factory, Jabalpur (under the organisation of the Controller of Accounts (Factories) Calcutta

The 26th February 1986

No. A-32013/2/86-Admn.I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint the following permanent Section Officers/Private Secretary of the CSS/CSSS Cadre of UPSC to officiate as Under Secretaries in Grade-I of CSS on ad-hoc basis for the period shown against each or until further orders whichever is earlier under the powers vested in him vide Regulation 7 of UPSC (Staff) Regulations 1958:—

SI. Name No.		 Period		
1. Shri Dhanish Chandra	•	for 3 months w.e.f. 30-1-86		
2. Shri M. C. Khorana		 from 30-1-86 to 28-6-86		

M.P. JAIN
Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commissionn

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 19th March 1986

No. 1/2/85-Admn.—The Central Vigitance Commissioner hereby appoints Shri Manohar Lal a permanent Section

Officer of the Central Vigilance Commission, as Under Secretary in the Commission on ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 1200-1600 with effect from the forenoon of 18-3-86 for a period of 3 months.

No. 1/2/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. L. Malhotra, a permanent Under Secretary in the Central Vigilance Commission as 'Officer On Special Duty' in the Commission on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 1800-60-1800-100-2000 with effect from the forencom of 18th March, 1986 for a period of 3 months under Rule 9 of the CVC (Staff) Rules, 1964.

M. K. DIXIT, Deputy Secretary for Central Vigilance Commissioner

New Delhi, the 12th March 1986

No. 2/2/84-Admn,—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. P. Bansal, Executive Engineer (Elect) of the Central Public Works Department as Technical Examiner (Elect) in this Commission in officiating capacity on deputation basis in the scale of pay of Rs. 1100-1600 with a special pay of Rs. 200/- per month with effect from the forenoon of 10th Feb. 1986, until further orders.

MANOHAR LAL Under Secy. (Admn.)

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMN. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION (DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TARINING) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 18th March 1986

No. C-1/69-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri, C. Sahay, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation as Deputy Legal Adviser in C.B.1, with effect from the forenoon of 28/2/86.

No. 3/24/85-AD.V.—The services of Shri R. N. Vasudeva, IPS (HAR-SPS) Supdt. of Police (Trg) Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment on repatrition are placed at the disposal of Govt, of Haryana with effect from the afternoon of 28th Feb., 1986.

No. 3/14/86-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri D. P. Bhalla, Under Secretary of CSS borne on the cadre of Ministry of Home Affairs as Administrative Officer in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 10th March, 1986 and until further orders.

No. 3/16/86-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri Jaswant Singh Sidhu as Senior Public Prosecutor, Central Burcau of Investigation with effect from 28-2-86 (forenoon)

K. CHAKRAVARTH,
Dy. Director (Admn.)
Central Bureau of Investigation

New Delhi-3, the 20th March 1986

No. K-9/71-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri K. N. Sharma, Senior Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation as Deputy Legal Advisor in C.B.I. with effect from the forenoon of 26-2-86.

No. A-19021/4/80/AD.V.—The services of Shri S. K. Chatterjee, IPS (CR-1964) Deputy Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Calcutta Branch are placed at the disposal of Government of Orissa with effect from the afternoon of 28th February, 1986, on repatrition, with directions to report for duty to the Director General of Police, Orissa on the expiry of 31 days Earned Leave from 1-3-1986 to 31-3-1986.

D. P. BHALLA,
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-11003, the 18th March 1986

No. 3/9/86-Adm.I.—The President is pleased to appoint Shri K. Narasimha, IPS (AP.) as Principal, Central Detective Training School, Hyderabad with effect from the afternoon of 28th February, 1986, until further orders.

> S. K. MALLIK. Director General.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 14th March 1986

No. O.II-2129/86-Estt... The President is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Bina Singh as General Duty Officer Grade II (Dy. Supdt. of Police/Coy Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from 26-2-86 (FN) till further orders.

No. O.II.2131/86-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Samir Chakravarty as General Duty Officer Grade-II (Dy. Supdt. of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from 1-3-1986 (FN) till further orders.

The 18th March 1986

No. O.II-1764/82-Estt,—The President is pleased to appoint Dr. B. P. Hazarika as General Duty Officer Grade-II (Dy. SP/Coy. Commander) in CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 4/3/86 till further orders.

No. O-II-2045/85-Estt.--Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. K. Scetharamaraju as JMO in the CRPF from 25/1/86 to 12/2/85 on ad-hoc basis.

No. O.II-213286-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Gopal Bhushan as General Duty Officer Grade-II (Dy. Supdt. of Police Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from 4/3/1986 (FN) till further orders.

No. P.VII-3/85-Estt-I.—The President is pleased to appoint on promotion the following Assistant Commandants of CRPF to the rank of Commandant in an officiting capacity until further orders,

They took over charge of the post on the dates as indicated against their names :-

Date of taking over

S. No. Name of Officer

1. Shri N. N. Mishra 22-8-85 2. Shri V. Parsuraman 20-8-85 (AN)

No. P. VII-2/85-Estt, I-The following Dy SSP presently on deputation to various states/Ministries are granted pro forma promotions to the rank of Assistant Commandants in CRPF in the Pay scale of Rs, 1200 -1700 w.e.f. 11-12-85 date when one of their senior Officer (Shri Umesh Chandra) from the panel took over charge on promotion as Asstt. Comdt in CRPF :-

S. No.	Name of Officer	Stat e s/Minis- tri es to which deputed	Will take seniority		
1	2	3	4		
1.	Shri G. C, Mili	Govt. of Assam	Above Shri C. J. S. Hira and below Shri P. P. Kunj ooju		

1	2		3	4
2, Shr	i M, Deshmanaya	•	Govt, of Tri- pura	Above Shri S.S.A. Khan & below Shri T. Chandra- sekharan
3. Shr	i Balbir Singh	•	.М Н.А.	Above Shri-Bhagwan Singh and below Shri Bhopal Singh

2. This issues with the approval of M. H. A. vide their U. O. No. 1117/86-Pers. II dated 12-3-86.

The 19th March 1986

No. O.II-1761/82-Estt.—The President is pleased to appoint (Dr. (Mrs.) P. Pradhan as General Duty Officer Grade II (Dy. Supdt. of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from 11-3-86 (FN) till further orders.

O.II.2133/86-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Himanshu Shekhar Tiwary as General Duty Officer Grade-II (Dy. Supdt. of Police/Coy Comdr) in the CRPF in a temporary capacity with effect from 10-3-86 (FN) till further orders.

No. O.II-2134/86-Estt.—The President is pleased to appoint Dr (Miss) Kalpana Mishra as General Duty Officer, Grade-II (Dy. Supdt. of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from 13-3-1986 (FN) till further orders.

> D. D. GUPTA. Dv. Director (Estt.)

New Delhi-110003, the 12th March 986

No. O.II-1918/84-ESTT.—Consequent upon their voluntary retirement from service under rule 43(d) of CRPF Rules, the following officers have relinquished their charge of the post of Dy. SP. 85 Bn. on 28-2-1986 (AN):—

1. Shri Dhani Ram, Dy.SP., 85 Bn.

2. Shri Mahesha Nand Bhatt, Dy.SP., 85 Bn.

M. ASHOK RAJ Assistant Director (Estt.).

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION LABOUR DEPARTMENT

(LABOUR BUREAU)

Shimla-171 004, the 4th April 1986

No. 5/1/86-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 stands at 633 (Six hundred thirty three) for the month of February, 1986. Converted to base: 1949=100 the index for the month of February, 1986 works out to 769 (Seven hundred sixty nine).

> J. N. SHARMA Director

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 18th March 1986

No. ESC-1-21/26460,-In continuation of this Office Notification No. ESC-1-21/13011, dated 19-9-85, the General

Manager, Currency Note Press, is pleased to extend the appointment of Shri Sohanlal as Stores Officer, Currency Note Press for a further period of Six months from 19th March 1986 on ad-hoc basis or ull the regular appointment is made. whichever is earlier,

> S. D. IDGUNJI, General Manager.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT & COM-MERCE WORKS & MISC.

New Delhi the 20th March 1986

No. Admn. III/2(1)/VIII/3429--The Director of Audit CW&M, New Delhi, has ordered the promotion of following Asstt Audit Officers as Temporary Audit Officers on provisional basis in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 from the dates shown against each,

S. Name No.			Date from which promoted
1. Sh. S. S. Buttar			18-8-84
2. Sh. Devinder Singh			29-12-84
3. Sh. O. P. Manchanda			24-5-85
4. Sh. O. P. Mittal .			24-10-84
5. Smt. Leela R. Verma			31-10-85
6. Sh. H. H. P. Sinha.			31-10-85
Man Mohan Singh.		,	14-01-85
8. Sh. P. S. Krishnamurthy			6-12-85
9. Sh. M. V. Ramamurthy			4-12-85
10, Sh, Prem Chand .			4-12-85
11. Sh. Risal Singh Sharma			5-2-85
12. Sh. G. C. Srivastava			7-2-86

R. P. SINGH Dy. Director (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, (AUDIT) I, BIHAR

Patna, the 6th March 1986

No. Admn.I(Au)-I-20-5-1611.—The Accountant General (Audit)-I, Bihar, Patna has been pleased to promote the following Section Officers to officiate until further order as Assistant Audit Officers (Gr. 'B') Gazetted in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from 11-10-85 (FN), or from the date of taking over of charge, whichever is later.

St. No.

Name

- 1. Shri Shyam Sunder Prasad Burnwal,
- Shri S. M. Abul Hayat Shaida.
 Shri Harsu Dayal Sinha.
- 4. Shri Hari Lal Verma.

No. Admn.I(Au)-I-20-5-1618.—The Accountant General (Audit) 1, Bihar, Patna has been pleased to promote the following Section Officers to officiate until further order as Assistant Audit Officers (Gr. 'B') Gazetted in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from the date they take over charge of the post.

Sl. No. Name

- 1. Shri Girdhari Lal.
- Shri Jamuna Prasad
- 3. Shri Jogdish Prasad No. I Sbri Rabindra Nath Sanyal.
- Shri Mahendra Nath.

(Sd.) ILLEGIBLE. Audit, Bihar, Patna. Dy. Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) MAHARASHTRA

Bombay-20, the 6th March 1986

No. Admn. I/Audit/Genl./AO/1(1)/20---The Accountant General (Audit)I, Maharashtra Bombay is pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit with effect from the dates mentioned against their names until further orders :-

Sr. No.	Name		Date of appoint- ment as Audit Officers.
1, Sł	ri M, L, Chadda .	 •	21-2-86
			F.N.
2. Sh	ri S. D. Patange .		21-2-86
			F,N.
3, SI	ıri D. K. Khathaedkar.		27-2-86
			F.N.
4. Sh	ri R. N. Mulbagal .		20-2-86
	_		F.N.

No. Admn. I/Audit/Genl/AO/AAO/1(1)|21.—The following Officers of the Office of the Accountant General (Audit), Maharashtra, retired from Govt. Service on Superannuation with effect from 28-2-86 (A.N.).:-

- (1) Shri V. Y. Tulpule, Audit Officer,
- (2) Shri T. M. Jagdeo, Audit Officer.
- (3) Shri V. G. Deshpande, Assistant Audit Officer.
- (4) Shri D. D. Kulkarni, Assistant Audit Officer,
- (5) Shri D. N. Barve, Assistant Audit Officer.

The 12th March 1986

No. Admn. I/Audit/Genl/AAO/2(1)|22.—The Accountant General (Audit) I, Maharashtra, Bombay is pleased to appoint Shri V. R. Govind, Section Officer, to officiate as Assistant Audit Officer (Group B-Gazetted) with effect from 30-1-86 (FN), until further orders.

> P. K. RAMACHANDRAN, Sr. Dy. Accountant General/Admn.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I UTTAR PRADESH

Allahabad, the 13th March 1986

No. A.G. (Au)1/Admn./13-7/2882.—Following Asstt. Officers have been appointed to Officiate in the grade of Audit Officer w.e.f. the date shown against them. S/Shri

- 1. Prem Shankar Shukla w.e.f. 21-2-1986.
- 2. Jang Bahadur Singh w.e.f., 21-2-1986.
- 3. Mathura Prasad Srivastava w.e.f, 21-2-1986.
- 4. Bhagwat Prasad Dube w.e.f. 24-2-1986 (AN),

No. A.G. (Au)I/Admn./13-2/2882.--Shri Mool Kamla, Audit Officer of the Office of the Accountant General (Audit)-I, U.P. Allahabad has retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 28-2-86 (AN).

> B. K. CHA'ITOPADHYAY, Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT N. F. RAILWAY

Gauhati, the 18th March 1986

No. Admn/5-16/79/35A/11722.—Shri B. K. Bhattacherjec, Section Officer is promoted to officiate until further orders as an Asstt. Audit Officer in the Scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040/- with effect from 12th March 1986.

(Sd.) ILLEGIBLE. Director of Audit, N.F. Railway.

MINISTRY OF COMMERCE

American control of the control of t

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 11th March 1986

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1357/81-ADMN(G)/830.—On attaining the age of superannuation. Shri B. S. Grover, Officiating Controller of Imopris and Exports in this office retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1986.

No. 6/1473/84-ADMN(G/84).—On attaining the age of superannuation, Shri Hirdey Nath Controller of Imports and Exports in this office retired from Government service with effect from the aftrenoon of 28th February, 1986.

The 14th March 1986

No. 12/86-Admn.(G)/865.—The President is pleased to appoint Shri G. Venkatachalam, (CSS Grade I Select List 1985) Controller of Imports & Exports as Deputy Chief Controller of Imports & Exports on ad-hoc basis in the office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi for a period of two months from 1-1-1986.

SHANKAR CHAND, Dv. Chief Centroller of Imports & Exports For Chief Controller of Imports & Exports.

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF CIVIL SUPPLIES) DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS AND FATS

New Delhi-110003, the 14th March 1986

No. A-12023/1/84-Estt.—Shri B. S. Agrawal is appointed as Inspector (Vanaspati) in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fats, Ministry of Food & Civil Supplies in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on temporary regular basis with effect from 26-2-1986 (FN), until further orders.

K. M. SAHNI, Chief Director.

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 12th March 1986

No. 1658B/A-32013(2-GS)/83-19B.—The President is pleased to appoint the following Geophysicist (Jr) GSI, on promotion to the post of Geophysicist (Sr) in the same department on pay according to rules in this rule of pay of Rs. 1100-50-1600/- in officiating capacities with effect from the dates mentioned against each until further orders.

- 1. Shri C, S. Pathak w.c.f., 12-12-85 (F/N).
- 2. Shri J. C. Roy, w.e.f., 12-12-1985 (FN).
- 3. Shri Buddhadev Sarkar w.e.f., 12-12-1985 (FN).
- 4. Shri N. C. Vaidyanathan w.e.f., 16-12-1985 (FN).
- 5. Shri S. G. Gaonkar, w.e.f., 16-12-1985 (FN).
- 6. Shri M. Venkateswara Rao, w.e.f., 16-12-1985 (FN).
- 7. Shri S. P. Sankaram w.e.f., 16-12-1985 (FN).
- 8. Shri K. P. R. V. Rao, w.e.f., 16-12-1985 (FN).

The 17th March 1986

No. 1312D. A-19012(3-PRC)/85-19B.—Shri Parimal Ray Choudhri, STA (Chem.), Geological Survey of India is appointed by the D.G., G.S.I. to the post of Assistant Chemist in the same department of pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21-2-1986, until further orders.

The 17th March 1986

No. 1767B/A-19012(3-BN)/85-19B.—Shri Bablu Naskar, STA (Chem.), GSI, is appointed by the D.G., G.S.I to the post of Assit. Chemist in the same Deptt, on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 12-2-1986, until further orders.

No. 1779B/A-32013(2-Ch.Sr.))/84-19B—The President is pleased to appoint the following Chemist (Jr.) GSI on promotion as Chemist (Sr.) in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1100 to 1600/in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against each, until further orders.

Sl. Name No.			Date of appoint- ment
1. Sri A. K. Majumdar			30-12-85 (F.N.)
2. Dr. Ram Gopal Vijay	٠	•	30-12-85 (F.N.)

No. 1797B/A-19012(2-AKL)/85-19B.—Shri A. K. Lahiri, S.T.A. (Geophysics), G.S.I. is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 18-11-1985, until further orders.

The 18th March 1986

No. 1811B/A-19012(3-DKB)/85-19B.—Shri Dilip Kr. Bandyapadhyay, STA (Chem), Geological Survey of India is appointed by the D.G., G.S.I. to the post of Asstt. Chemist in the same Depti. on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 12-2-86, until further orders.

No. 1837B/A-19012(2-NVSM)/85-19B.—Shri N. V. Satyanarayana Murty, STA! (Geophysics), GSI, is appointed by the Director General, Geological Survey of India, as Assistant Geophysicist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the afternoon of 7-11-85, until further orders.

No. 1866B/A-19011(1-TK)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri T. Kannadasan to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1200/in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 22-1-1986, until further orders.

No. 1880B/A-19011(1-SKB)/52-79/19A.—Shri Srijib Kumar Biswas, Geologist (Junior), Geological Survey of India retired from the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India on superannuation with effect from the afternoon of 30-9-84 (A.N.).

No. 1889B/A-19012(2-NBKR)/85/19B.—Shri Nuthulapati Bala Kiishna Rao, S.T.A. (Geophysics), G.S.J. is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 7-11-85, until further orders.

No. 1899B/A-19011(1-SKS)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri Sanjoy Kumar Srivastava to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 6-1-1986, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

Calcutta-700016, the 18th March 1980

No. 1848B/A-32013/1-Dir.(Geol.)/84-19A,—The President is pleased to appoint Shri Devashis Chaterjee, Geologist (Senior), Geological Survey of India, on promotion as Director (Geology) in the same Department according to rules in the scale of pay of Rs. 1500—60—1800—100—2000/- in an officiating temporary capacity with effect from 20-12-85 (FN), until further orders.

D. P. DHOUNDIAL, Sr. Dy. Director General (Oprn.)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 17th March 1986

No. A-19011(46)/76-Estt.—The President is pleased to appoint Shri T. K. Basu, permanent Deputy Controller of Mines to the post of Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the forenoon of 17th February, 1986 until further orders.

No. A19011(370)/85-Estt.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission Shri A, K, Udeniya to the post of Asstt. Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 18-12-85, until further orders.

The 18th March 1986

No. A-19011(389)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. K. Patnaik, Assistant Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Junior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from 7th March, 1986 (forenoon).

No. A-19011(390)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. N. Mitra, Assistant Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Junior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with, effect from the forenoon of 6th March, 1986.

G. C. SHARMA, Asstt. Administrative Officer for Controller General

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 18th March 1986

No. 4(106)/75-SI (Vol. II).—Shri D. V. Maheshwari, Programme Executive, All India Radio, Bombay retired voluntarily from Govt. service with effect from the afternoon of 28th February, 1986.

Dy. Director of Administration (WL)

for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 5th March 1986

No. A.12026/4/83-Est.—The Director of Advertising and visual Publicity hereby appoints Shri Diptendu Chowdhury

as Assistant Production Manager (Printed Publicity) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—40—1000—EB—40—1200 in this Directorate on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 21st February, 1986, until further orders.

B. S. SANDHU,
Dy. Director (Admn.)
for Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES M E SECTION

New Delhi, the 18th March 1986

No. V.21011/4/86-ME.—On attaining the age of Superannuation. Miss Mela Ram working on an ad hoc basis as Nursing Superintendent in Lady Hardinge Medical College & Smt. S. K. Hospital retired from service with effect from the afternoon of 31-10-85.

P. K. GHAI, Dy. Dir. Admn. (C & B)

MINISTRY OF AGRICULTURE & R.D. (DEPARTMENT OF AGRICULTURE & CO-OPERATION) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 6th March 1986

No. F. 2-7/85-Estt.I.—Shri S. L. Dhir, appointed to officiate as Assistant Administrative Officer on an ad hoc basis vide this Directorate notification of even number dated 16-10-1985 is reverted to his regular post of Superintendent (Grade 1) with effect from afternoon of 28-2-1986,

No. F. 2-7/85-Estt.I.—Shri K. L. Sharma appointed to officiate as Superintendent (Grade I) on an ad hoc basis vide this Directorate notification of even number dated 16-10-1986 is reverted to his regular post of Superintendent (Grade II) with effect from afternoon of 28th February, 1986.

No. F. 2-7/85-Estt.I.—Shri P. B. Dutta, appointed to officiate as Assistant Exhibition Officer (Visuals), on an ad hoc basis vide this Directorate notification of even number dated 16-10-1985 is reverted to his regular post of Artist (Senior) with effect from afternoon of 28th February, 1986.

R. G. BANERJFE, Director of Administration.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 3rd February 1986

No. PA/81(6)/85-R-IV—The Controller Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officers/Engineers grade 'SB' in the same Research Centre with effect from the forenoon of August 1, 1985 in an officiating capacity unitl further orders:—

81. No.	Name				Post held at present
1	2			 	3
1. Sh	ri L. B. Subba				F'man/A
2. Sh	ri S, N, Das				D'man/C
3. Sh	ri P. Gangopad	lhyay			SA/C
4, Sh	ri S. Bandyopa	dhyay	у.		S/A/C

1 2		3
5. Shri B. Banerjee		SA/C
6. Shri G. C. Basak		SA/C
Shri S. Vikram Kumar		SA/C
8. Shri R. K. Verma.		SA/C
9. Shri A. M. Deopurkar .		SA/C
Shri Thomas Kurian .		SA/C
11. Shri N. S. Panchal ,		SA/C
12. Shri M. S. Patil		SA/C
13. Shri B. Dube.		SA/C
14. Shri P. M. B. Pillai		SA/C
15. Shri K. K. Sharangpani .		SA/C
16, Shri M, G. Joseph	, ,	
17. Shri K, R. Viswambharan		SA/C
		SA/C
18. Smt. V. V. Deoukhakar		SA/C
19. Shri M. M. Adtani .		SA/C
20. Shri P. K. Premachandran		SA/C
21, Shri R. P. Jain , .		SA/C
22. Shri B. R. Patel		SA/C
23. Shri A. H. Pranjape .		SA/C
24. Shri T. Laxman Rao		SA/C
25. Shri S. Rajeshwar .	, .	SA/C
26. Shri G. C. Chaki		S/AC
27. Shri M. K. Hardasani .		SA/C
20 Ch C T 12		SA/C
29. Shri D. K. Shetty		·
		SA/C
30. Shri A. G. Godbole		SA/C
31 Smt, V. B. Sagar		SA/C
32. Shri N. D. Dahale .		SA/C
33. Shri J. V. Dehadraya .		SA/C
34, Smt. G. Visalakshi		SA/C
35. Shri I. K. Gopalakrishnan		SA/C
36 Shri S. M. Deshmukh .		SA/C
37. Smt. P. J. Purohit		SA/C
38. Shri U. H. Nagvekar		SA/C
39. Shri P. K. G. Nair		SA/C
40. Shri Y. M. Raghunath .	•	SA/B
41. Shri D. M. Dhalryawan .	•	SA/C
42. Shri K. N. Adhe	• •	
		SA/C
43. Shri K. B. Gaonkar		SA/C
44. Shri R. Ramanathan .		SA/C
45. Kum. S. Mallikaa . ,		SA/C
46. Shri S. Ramakrishnan .		SA/C
47. Shri S. K. Malhotra		SA/C
48. Smt. Rugmini Kaimal .		SA/C
49. Shrl M. Ravanan		Foreman(A)
50. Shri R. Jayaraman .		SA/C
·		

The 7th March 1986

No. PA/81(1)/85/R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri J. Subharaju, a temporary Scientific Assistant (C) of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Enginer Grade 'SB' in the same Research Centre with effect from the forenoon of February 1, 1985 in an officiating capacity until further orders.

N. L. VENKITESWARAN, Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 12th March 1986

Ref. No. DPS/2/1(11)/83-Adm./1618.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. C. Sharma, a permanent storekeeper, to officiate as an Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 7, 1986 until further orders in the same Directorate

Ref. No. DPS/2/1(11)/83-Adm./1628.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri C. Kulasekaran, a permanent Store 'kekeper to officiate as an Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 26, 1986, until further orders in the same Directorate.

Ref. No. DPS/2/1(11)/83-Adm./1638.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoint Shri A. Venkitachalam, a permanent store-keeper to officiate as an Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from 26th Feb. 1986 (FN) until further orders in the same Directorate.

Ref. No. DPS/2/1(26)/83-Adm./1648.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri A. H. Sadarangani, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temparary capacity with effect from the forenoon of February 25, 1986 in the same Directorate.

B. G. KULKARNI, Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 19th March 1986

No. Ref. 05012/R1/OP/1126.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Vasant Krishna Mahagaonkar, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer, Heavy Water Project (Central Office) to officiate as Accounts Officer-II in the same office, in a temporary capacity, on adhoc basis from the forenoon of November 25, 1985 to December 27, 1985 (AN) vice Shri V. K. Potdar, Accounts Officer-II, granted leave.

No. Ref. 05012/R1/OP/1127.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Vijay Gajanan Tamhane, a permanent Asstt. Accountant in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Asstt. Accounts Officer in the same office in a temporary capacity on adhoc basis w.e.f. November 25, 1985 (FN) to December 27, 1985 (AN) vice Shri V. K. Mahagaonkar, Asstt. Accounts Officer, appointed to officiate as Accounts Officer-II.

SMT, K. P. KALLYANIKUTTY, Dy. Director (Admn.).

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110066, the, 7th March 1986.

No. A. 32014/7/82-EC(.)—The Director General of Civil Aviation is pleased to extend the period of ad hoc appointment of the following Assistant Technical Officers in the Civil Aviation Department for the period indicated against each :-

S. Name No.						of ad-hoc extended
				-	From	То
S/Shri						
1. H. R. Kundra					1-1-84	31-10-85
2. S. Ramaswamy					1-1-84	31-03-86
3. A. C. Dutta					1-1-84	31-3-84
4. M. N. Dhasmana					1-1-84	31-3-86
5. H. N. Adhikari	•	٠	•		1-1-84	27-1-86
 S. N. Iyengar K. S. Debnath 	•	•	٠	٠	1-1-84	28-2-85
8. M. K. Gupta		•	•	•	1-1-84	31-3-86
9. A. M. Gupta	•	•	•	•	1-1-84	31+3-86
10, M, M, Chakrabor	· tv	•	•	•	1-1-84	31-3-86
11, P. K. Kakoria	Ly	•	•	•	1-1-84	31-3-86
12. H. S. Bhatia	•	•	•	•	1-1-84	27-1-86
13. N. D. Kapoor	•	•	•	•	1-1-84	31-3-86
	•	•	•	•	1-1-84	31-3-86
14. L. R. Sachdeva	•	•	•	•	1-1-84	31-3-86
15. R. C. Verma	•	•	•		1-1-84	31-3-86
16, V, R, K, Sharma		•	•		1-1-84	31-3-86
17. C. J. Udesi			•		1-1-84	31-3-86
18. S, R. Kalia	•	-			1-1-84	31-3-86
19. E. K. V. Babu					1-1-84	31-3-86
20. Bhoj Raj					1-1-84	31-3-86
21. Jagan Singh					1-1-84	31-3-86
22. P. Kishan					1-1-84	31-3-86
23, U, K, Yadav		_		Ĺ	1-1-84	31-3-86
24, P. K. K. Nair			,	·	1-1-84	27-1-86
25. O. P. Khurana		•	•		1-1-84	27-1-86
26. J. S. Saib	•	•	•	•		
27. J. K. Nath	•	•	-	•	1-1-84	27-1-86
28, S, V. Patnaik	•	•	•	•	1-1-84	28-2-86
29. S. R. Ramachandr	•	•	•	•	1-1-84	27-1-86
30, G, C. Chhabra	an	•	•	•	1-1-84	31-3-86
	•	•	-	•	1-1-84	27-1-86
31. B. S. Nair	•	•	•		1-1-84	31-3-86
32. Jagir Singh		•			1-1-84	27-1-86
33, S. K. Upadhyay					1-1-84	31-12-85
34. M. C. Gupta					1-1-84	31-3-86
35. K. R. Narasimhan		, 			1-1-84	27-1-86

^{2.} The extension of the period of ad-hoc appointment of the above mentioned Assistant Technical Officers shall not bestow on them any claim for regular appointment in the grade and the period of service recred on ad-hoc basis shall neither count for seniority in the grade of Assistant Technical Officers nor for eligibility for promotion to the next higher grade.

V. JAYACHANDRAN Dy. Director of Administratiou

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 11th March 1986

No. 12/6/86-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. N. Singh, Officiating Hindi Officer as Hindi Officer in a substantive capacity, with effect from 1-3-1985.

No. 12/10/86-FST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. G. Joshi, Officiating Traffle Accounts Officer, as Traffic Accounts Officer in a substantive capacity, with effect from 1-3-1985.

> V. D. KULKARNI Director (Admn). for Director General

Bombay, the 25th February 1986

No. 1/587/86-EST. The Director General, Communications Service, hereby appoints the Superintendents as Assitant Administrative Officer, in an officiating capacity, with effect from the date and at the Branch shown against each, until further orders :-

SI, No.	Name	Present Branch of posting	Branch of posting upon appointment as AAO.	Date on which apptt. as Asstt. Admn. Officer
	S/Shrl			
1, D.	S. Karve.	Hq office, Bombay	Arvi Branch	10-2-86
2. S.	N. Bhatnagar	ASES,	ASES,	5-2-86
		Lachhiwala	Lachhiwala	

for Director General.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur, the 18th March 1986

No. 7/86.—Shri V. M. Mehta, Assistant Collector of Central Excise Group 'A' of this Collectorate retired voluntarily under Rule (48(A) of C.C.S. (Pension) Rules 1972 from Government service on 28-2-86 (A.N.).

R. K. AUDIM Deputy Collector (P&E)

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. S. B. Process and Products Engg. Consultancy Pvt. Ltd.

Bombay-400 002, the 15th November 1985

No. 705/19165/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. S. B. Process and Products Engg. Consultancy Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. RADHAKRISHNAN

Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay-2

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Meghdoot Finance and Investment Company Limited

Patna, the 17th March 1986

No. 1068/560/6292.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Meghdoot Finance and Investment Company Pvt. Ltd, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Popular Paper Mills Limited

Patna, the 17th March 1986

No. 1562/560/6283.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the M/s. Popular Paper Mills Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bihar Jeewan Pvt. Limited

Patna, the 17th March 1986

No. 1497/6/560/1947 to 1949/6297.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of M/s. Bihar Jeewan Pvt. Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mahabir Construction Pvt. Limited

Patna, the 17th March 1986

No. 1782/60/560/6307.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s, Mahabir Construction Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Bright Food Products Pvt. Limited

Patna, the 17th March 1986

No. 1481/59/560/6303.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the M/s. Bright Food Products Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the Registe and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Shah Printing Pvt. Limited

Patna, the 17th March 1986

No. 1759/64/560/2769 to 2770/6300.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of M/s. Shah Printing Privat Limited has this day been struck off and the said company i dissolved.

R. A. SINGH Registrar of Companies, Bihar, Patna

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Catholic Syndicate Private Limited

Cochin, the 17th March 1986

No. 273/Liq/560(3)/2077/86.—Notice is hereby giver pursuant to Sub Section (3) of Section 560(5) of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Catholic Syndicate Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Lavania Tourist Home Private Limited

Cochin, the 18th March 1986

No. 3466/Liq/560(3)/2080/86.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (3) of Section 560(5) of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Lavania Tourist Home Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Supreme Auto Service Private Limited

Cochin, the 18th March 1986

No. 1886/Liq/560(3)/2083/85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (3) of Section 560(5) of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Supreme Auto Service Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Kerala Printing and Publishing Company Ltd.

Cochin, the 18th March 1986

No. 1501/Liq/560(3)/2075/86.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (3) of Section 560(5) of the Companies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Kerala Printing and Publishing Company Limited unless cause is shown to the contrary

will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and in the matter of Calicut Chamber of Commerce and Industry

Cochin, the 18th March 1986

No. 1407/Liq/560(3)/2086/86.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (3) of Section 560(5) of the Com-

panies Act, 1956 that at the expiry of three months from the date hereof the name of Calicut Chamber of Commerce and Industry unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE Registrar of Companies, Kerala.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th March 1986

Ref. No. AC-39/Acq. R-IV/Cal/85-86---Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN.

SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Nil situated at Raghunathpur, P.S. Rajarhat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Pegistration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer, und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri Badal Chandra Paul, Sri Santi Ranjan Paul, Smt. Pramila Paul, Sri Sustanta Paul, confirming parties, 12/23, South Kustia Road, Beliaghata, Calcutta-10.

(Transferor)

(2) M/s Panorama Electronics Pvt. Ltd., 8/1B, Chowringhee Lane, P.S. Talta, Calcutta-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 10K-14-Ch-11 sq. ft. with two storied unfinished building.

Address: Mouza-Raghunathpur, P.S. Rajarhat, District 24-Parganas.

Deed No.: 12372 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent_Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016

Date: 10-3-1986

Seal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th March 1986

Ref. No. AC-38/Acqn. R-IV/Cal/85-86.-Whereas, I,

Rel. No. AC-38/Acqn. R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 35 situated at Lawrence Street, Uttarpara, Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 12-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Veena Saxena, Smt. Bino Saxena, Sri Krishnalal Varma. 205, Old China Bazar Street, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) M/s North Complex Co-operative Housing Society I imited. 35, Lawrance Street, Uttarpara, District Hooghly.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the put lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Land: 305.48 sq. mtrs. with four storled building. Address: 35, Lawrance Street, P.S. Uttarpara, District Hooghly.

Deed No. 12007 of 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurrouses of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :-

Date: 10-3-1986

Seal '.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th March 1986

Ref. No. ASR/85-86/68.—Whereas, I, J. PRASAD, JRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
One property situated at Model Town, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in July, 1985 S.R. Amritsar in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds tht apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Kanwar Sain, S/o Shri Jaikaran Dass, and Shri Subhash Talwar. S/o Shri Kanwar Sain, r/o Gali No. 3, Model Town, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Desh Mukh Trehan. S/o Shri Balwant Rai, r/o Gali No. 3, Model Town, Amritsar.

(Transferce)

(2) As at S. No. 2 overleaf and tenant Shri P. C. Arora, State Bank of India, Jalandhar. Rent Rs. 150/- p.m. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated in Gali No. 3, Model Town, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 4857 dated 26-7-85, of registering authority Amritsar.

> J. PRASAD, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 4-3-1986

Scal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th March 1986

Ref. No. ASR/85-86/69.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing One property situated at White Avenue, Amritsar

One property situated at White Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R. Amritsar in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in terrsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kamlesh Kumari, w/o Shri Dev Raj, Kothi No. 68, White Avenue, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Puran Singh, s/o Shri Jagat Ram, Kothi No. 68, White Avenue, Amritsar.

(Transferce)

- (2) As at S. No. 2 above and tenants if any.
 (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of Kothi No. 68, situated at White Avenue, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 4965 dated 30-7-85 of registering authority, Amritsar.

J. PRASAD, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 4-3-1986

Seal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th March 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq)/2668.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 3 situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 24-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the offices of the ladian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rashim Vyas, W/o Shri Vimal Kumar, A-27 Kanti Chandra Road, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Bajrang Lal, Rajendner Kumar, Ashok Kumar Aggarwal, Narsingh Badh Varnpur (Vardhman).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servic c of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 3-A, situated at Sansarchhandra Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 1853 dated 24-7-1985.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-3-1986

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th March 1986

Ref. No. Raj./JAC(Acq.) /2669.—Wherear, I,

Ref. No. Raj./JAC(Acq.) /2669.—Wherear, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. D-122 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 19-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(0) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

73—16 GI/86

(1) Shri Ramesh Chand Sharma, S/o Shri Radha Krishan Sharma, Plot No. D-84, Ghiya Marg, Bani Park, Jainur.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi Kaudie, w/o Shri Gauri Shankar Kandoi Plot D-17, Anba Bari, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D-122, situated at Amba Bari, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 1822 dated 19-7-1985.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th March 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq)./2670.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair reason to believe that able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

ment of transfer with the object of-

Agri. Land situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaiour on 8-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income unising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wea'th-tax Art, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kishan Lal, S/o Shri Nanu Lal Sharma, R/o Nathdwara Hall Vill. Kakdi Teh. Dist. Jipur, Banderwas. (Transferor)

(2) Buniyadi Vikas Grah Nirman Sahakari Samiti Ltd., Jaipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, situated at vill. Banderwas Kakdi Teh. and Dist. Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 1733 dated 8-7-85.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-X Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jainur, the 11th March 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2671.—Whereas, I. MOHAN SINGH,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

House with land situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi on 20-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andler
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incompotan Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-san Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Phool Kumari Sethi,
 W/o Late Shri Dalmichand Sethi,
 R/o Sujangarh, Distt. Churu (Rajasthan).
 (Transferor)

(2) Shri Fatch Chand Bhansali, R/o As above.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-MPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Building with land underneath, measuring about 5258 Sq. Yds. situated at Mohalla Kundan Mal Sethia Marg, Nath Talab Bas Werd No. 10, Sujangarh District Churu, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Delhi vide registration No. 1105 dated 29-7-1985.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I her by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th March 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2672.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 326 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jaipur on 2-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269O of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

(1) Shri Khajanchand Doda, S/o Shri Bahdurchand Doda, Arora R/o Plot No. 326 Gali No. 7 Raja Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Mukesh Chand Gupat, S/o Shri Bholanathji Aggarwal, R/o Y. M. C.A. Colony. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 326, situated at Raja Park Gali No. 7, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1690 dated 2-7-85.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaiour

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Sharla Devi, W/o Shri Khajanchand Arora, R/o Plot No. 326 Raja Park,

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chand Goyal, S/o Shri Bholanath Aggarwal, R/o Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th March 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2673.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 326 situated at Jaipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 2-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 326, situated at Raja Park, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1691 dated 2-7-1985.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

laipur, the 11th March 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2674.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, ocing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter recovered to as the 'anil Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed nereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Manju Goyal, W/o Shri Kadash Chand Agarwal, r/o Plot No. A-1, Gangwal Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Alka Jain W/o Shri Gyan Chand, R/o Pilani Bhawan, Nahargarh Road, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot in situated at Shankerpura, Gangwal Park, Nayala House, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1742 dated 8-7-1985.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Jaipur

Dato: 11-3-1986

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th March 1986

Ref. No. Rai./IAC(Acq.)/2675.--Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable reserved to be a supplied to the sald Act'), have reason to believe that the immovable reserved to the sald Act'). property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferer so pay tax nuder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ora
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Manju Goyal, W/o Shri Kailash Agarwal, Plot No. A.1, Gangwal Park, Jaipur.

(Transferor,

(2) Smt. Sushila Jain, W/o Shri Vimal Chand Jain, R/o Pilani Bbawan Nahargarh Road, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a pariod of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Caratte

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot in situated at Shankerpura, Gangwal Park, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1471 dated 8-7-1985.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

_ ru -, _-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th March 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2676.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House situated at Sardarsher (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardarsher on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- va) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and the
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if

 Shri Sampatmal, s/o Shb. Bhanwarlal Mahata, R/o Aguna Bazar (Fast), Sardarsahar, Churu.

(Transferor)

(2) Smt. Jhankar Devi, w/o Snri Navratanmal Oswal, Chhajer Cast Oswal, Sardarsahar, Churu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at South Bazar behind Sanschar temple Sardarsahar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sardarsahar vide registration No. 804 dated 25-7-1985.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 11th March 1986

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/2677.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Sardarsher (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sardarsahar on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the land market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (5) Inclitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tai Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, is garsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

74-16 GI/86

(1) Shri Sampatmal, s/o Shri Bhanwarlal Nahta, R/o Agune Bazar, Sardar Sahar, Churu. (Transferor)

(2) Shri Naurattan Chhajer, s/o Rementmal, Sardarsahar, Churu.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House property situated at South Bazar behind Sanechar temple Sardarsahar and more fully described in the sale deed registered by S.R. Sardarsahar vide Registration No. 803 dated 25-7-1985.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-3-1986

LORM TENS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th March 1986

Ref. No. 977/85-86.—Whereas, I, H. R. DASS,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

P.s. 1.00.000/- and bearing
No. 2210 and 2212 situated at Hagur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the filter of the Penistering Officer
at Hagur under registration No. 6275 on 25-7-1985

et Hajar under registration No. 6275 on 25-7-1985 for an opparent consideration which is less than the fair related value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) tachhating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purcoses of the Indian Income-tax Act, 1972 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

- (1) Shri Kanhaya Lal, S.o. Cori Lula Ram, T.o. Katta Landa and Road, Hapur,
- (2) M₂, t., bidi and Milk Suppliers, Nill Ghaziabad Road, Hapur, Through Shei Kimati Lal, Cho Sundari Lal, Cho Salata Road, Hapur,

(Transferee)

(Transferor)

- (3) --Do (Person in occupation of the property.)
- (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of '5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said intrnovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given a in that Chapter.

THE SCHEDULE

 $(\mathrm{P}^{2})^{2}$ n e fina, 2010 e e fi 2012, $(10^{2}3)^{2}$ Vag fit. Ghaziabad Foa l. Hapun

H. R. DAS
Competent Anih nity
Inspective Assistant Commission in Proceeding Acquisition Range, K. W. ur.

those therefore in pursuance of Section 269C of the said Ast. I have be initiate proceedings for the acquisition of the start of proceedings for the acquisition of the start of proceedings for the acquisition of the said Act to the following page in well them.

ります。6.3-1986 と同じ

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282. ANCILAN BIIAWAN. GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 6th March 1986

Ref. No. M-1093, 85-86.—Whereas, 1, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 105 AG situated at Chirtham (Dadri)

has been transferred and registered under the Registration Act, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chazivabad under Registration No. 279, 1985 dated 8-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument in transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and ot

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Mangat Singh s/o Bhup Singh, R/o Chirihana Bujung, Dadari.

(Transfarci)

- (2) M/s. Chaiyabad Oxigine Gaichise Pvt. Ltd., Model Town, Through Shri Prem Kumar Bajaj.
- (4) —Do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (3) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 105, Chirthana-Dadari.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (45°OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 6th March 1986

Ref. No. M-1019/85-86,---Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1888.74 sq. yards situated at Membo Ganj, Nasirpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziyabad under Registration No. 3/788 dated 24-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 et 1937); M/s. Webbing & Belting Factory Pvt. Ltd., Nicalson Road, Delht Through its Managing Director Shri Rattan Kaul.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Kumar Jain S/o Shri Mam Chand Jain

(Transferee)

R/o 111-E/90, Nehru Nagar, Ghaziyabad.

(3) —Do—

(Person in occupation of the property)

(4) --- Do---

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning 38 given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Landed property measuring 2259 sq. yards situated at village Mehma Sarai, Nasirpur Loni,—Ghaziyabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in parsuance of Section 269°C of the enid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDIII NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 6th March 1986

Ref. No H. R. DAS, No. M-965/85-86,—Whereas

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

1. No. 393 situated at Deoband

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deobard under Registration No. 3532 dated 10-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have r.: been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection -1) of Section 269D of the said Act, to the fullowing per as, namely :--

(1) Shri Saiyad Suleman Hamid S/o Saiyad Gumtyaj Ali Late R/o Kila Deoband, Saharanpur,

(Transferor)

(2) M. s. Dabon Chemical Product Pvt. Ltd., R/o Deoband, Saharanpur Through its Managing Director, S. Suleman Hamid.

(Transferce) (3) --Do--

(4) —Do—

(Person in occupation of the property) (Person whom the undersigned knows

to be interested in the property

Olections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 393 Deoband, Saharanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-3-1986

FORM IINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

CHIVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK.

KANPUR-208012

Kaupur-208012, the 6th March 1986

Ref. No. M-981/85-86.—Whereas, I. H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Be 1.00 000 and beauting

Rs. 1,00,000 - and bearing No. 530, situated at Khasra No. 530 Karanyas (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadari under Registration No. 5699 dated 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the conceannent of any income or any moneys or other assets which have not been or (27 of 1957);

(1) Shri Jaipal Singh S/o Shri Lal Singh Village Tikavan Teh. Karanvas, Ghaziyabad.

(Transferor)

(2) M/s. S. R. F. Inter Continental Investment Ltd., Bahadur Shah Jafar Marg, New Delhi Through Shri Deepak Das Gupta S/o Shri J. B. Das Gupta, 17A-38 W.E. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property)

(4) ---Do---

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publicution of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 530 Village Tilwara Karanbag, Dadari, Ghaziya-

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate processing. for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1986

FORM 1.1.18.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,

KANPUR-208012 Kanpur-208012, the 6th March 1986

Ref. No. M-988/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

heing the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 148A situated at Model Town Ghaziyabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Ghaziyabad, under Registration No. 30343 dated 5-7-85 for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facultating the concealment of any income or new moneys or other assets which have not occur or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-transferse, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Santosh Kumari Wd/o late Prem Nath Singh R/o 148A Model Town Ghaziyabad, Present Village Machna Mithau Mayatu, Meerut

(Transferor)

(2) Smt, Ram Vati w/o Shri Preetam Singh, Village Vaidpura Dadari, Ghaziyabad.

(Transferee)

(3) -- Do---

(Person in occupation of the property)

(4) ---Do----

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 148A, Model Town, Ghaziyabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-3-1986

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 6th March 1986

Ref. No. M-1008/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

KG-32 situated at Kavi Nagar, Ghaziyabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziyabad under Registration No. 31119 dated 16-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Suraj Bhan S/o Shri Bhagwan Das R/o 42 Gurnanakpura, Jaipur Through Shri Vinod Kumar Bajaj S/o Shri Shiya Lal R/o 49, Jassipura, Ghaziyabad.

(Transferor)

(2) Shri Shiva Lal Bajaj S/o Shii Koda Ram Bajaj R/o 49, Jassipura, Ghaziyabad.

(Transferee)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property)

(4) —Do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. K.G.-32 Kavi Nagar, Ghaziyabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kappur-208012, the 6th March 1986

Ref. No. M-1017/85-86,-Whereas, L. H. R. DAS,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 184 situated at Turab Nagar, Ghaziyabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under Registration No. 31683 dated 23-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the alorested property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. pamely :

75 -- 16 GI/86

Shri Satya Pal Mahendru S/o Lala Lal Chandra R/o Tusar Nagar, Ghaziyabad.

(Transferee)

(2) Smt. Kaushilya Devi W/o Shri Shyam Prakash Gupta R/o 62, Gandhi Nagar, Ghaziyabad.

(Transferce)

(3) —Do---

(Person in occupation of the property)

(4) —Do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. House 184 old 171 Turab Nagar, Ghaziyabad.

IL R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpu-

Date: 6-3-1986

Seal ;

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 6th March 1986

Ref. No. M.D. 2017/85-86,—Whereas, I, H. R. DAS,

fer with the object of

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 20 situated at Nashvilla Road, Dehradun
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dehradun under Registration No. 6569 dated 23-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trans-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Smt. Vidyawati
 Shri Dina Nath apoor
 Nashvilla Road, Dehradun
 Through Shri Dina Nath Kapoor.

(Transferor)

(2) Smt. Rekha Sharma W/o Shri Ved Kant Sharma Raipur Road, Dehradun.

(Transferee)

(3) --Do---

(Person in occupation of the property)

(4) -- Do---

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the increasid persons within a period of 45 days freez the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Chificial Case to

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20, Nashvilla Road, Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 6th March 1986

Ref. No. M.D. 288/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 13/11 situated at Teg Bahadur Marg, Dehradun

No. 13/11 situated at Teg Bahadur Marg, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under Registration No. 6609 dated 26-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Nishhui Singh S/o Sher Singh 13/11 Teg Bahadur Marg, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Avinash Saxena S/o Shri H. C. Saxena 17, Circular Road, Dehradun.

(Transferee)

(3) --- Do---

(Person in occupation of the property)

(4) -- Do---

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 13/11, Teg Bahadur Marg, Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 6th March 1986

Rcf. No. M.D. 289/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

of transfer with the object of :---

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 67/67B situated at Rajpur Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

Rs. 1,00,0007- and bearing No. 67/67B situated at Rajpur Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under Registration No. 6616 dated 25-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as befored to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Smt. Bhupinder Kaur w/o Late Shri Avtar Singh R/o 12|2 67|67 Rajpur Road, Dehradun.

(Transferor)

- (2) Smt. Asha Nathani W/o Shri K. P. Nathani R/o 12|2 old Survey Road, Dehradun.
- (3) —Do—
- (4) —Do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property

(Person in occupation of the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 67/7B Rajpur Road, Dehradun,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1986

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 11th March 1986

Ref. No. M.D. 292/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

12 situated at Laxmi Road, Dehradun (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer.

Dehradun under Registration No. 6284 dated 16-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957; (27 of 1957);

now, insertione, in pursuance of Section 269C of the said now. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresate property by the issue of this notice under subtraction (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

Shri Gopal Chand Jain
 S/o Late Shri Rai Bahadur Justice Kanwar Sain,
 R/o 84 Lodhi Estate,
 New Delhi.

(Transferor)

- Major Surender Sen S/o Lt. Col. Narendra Sen, 12, Laxmi Road, Dehradun.
- (3) —Do—

(Person in occupation of the property)

(4) —Do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 12, Laxmi Road, Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 11th March 1986

Ref. No. M.D. 295/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

13, situated at Chandrashwar Road, Rishikesh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Dehradun under Registration No. 5957 dated 2-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscome arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vinod Chandra Shastri S/o Ram Chandra Shastri R/o 116, Sagar Bhawan, Bhuleswar, Bombay.

(Transferor)

(2) Tehri Garhwal Motor Owners Corpn. Private Limited, Rishikesh, Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 13, Chandreshwar Road, Rishikesh, Distt. Saharanptir.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 11-3-1986

FORM ITNE ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETCING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 11th March 1986

Ref. No. M.D. 303/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land No. 575, 285, 286, 288, 289 village Sikhdanda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzuffar Nagar under Registration No. 8490 dated 3-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the residence of the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mehar Singh, Gurmel Singh & others R/o Sikhnda Disti. Muzaffar Nagar.

(2) Savita Rani w/o Raj Kishore, Saroj Agarwal w/o Parmatma Sharan, r/o Canal Colony, Officer Guest House No. 8, Bijnaur.

(Transferce)

(3) —Do—
(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 275, 285, 286, 288, 289 situated at Village Sikhsandra, Distt. Muzaffar Nagar.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 11th March 1986

Ref. No. M.D. 310/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 136, 130 Agr. land Jansath Muzaffar Nagar

One Share,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhawal under Registration No. 3698 dated 16-7-1985

Budhawal under Registration No. 3698 dated 16-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated by the said tentrament of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the inhility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concentment of any income or any memorys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the house of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mool Chand S/o Bharat Singh R/o Village Kedi Post Kedi Distt. Muzaffar Nagar.

(Transferee)

(2) Kulveer Singh, Rajeev Singh, Ashok Kumar & Others, R/o Vill. Khanoopur, Post Mausoorpur, Teh. Jan Sath, Distt. Muzaffar Nagar.

(Transferor)

(3) - Do-

(Person in occupation of the property)

(4) —Do---

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 136, 130 situated at Jansalto, Muzaffar Nagar.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 11-3-1986

Seal ;

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BIIAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur-208012, the 11th March 1986

Ref. No. M.D. 313/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Ag. No. 195 of Maya Chauhatti Post Chartwal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Muzaffar Nagar under Registration No. 9531 dated 27-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the coneealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

76—16 GI/86

(1) Maya Prasad s/o Satya Murthi R/o V. P.O. Charthavol, Distt. Muzaffar Nagar.

(Transferor)

(2) Dev Dutt S/o Sher Singh, & Brij Mohan S/o Dev Dutta, Sudhir S/o Brij Mohan R/o V. & P.O. Charthaval, Distt. Muzaffar Nagar.

(Transeror)

(3) —Do—

(Person in occupation of the property)

(4) —Do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 1957 at Village Chauhatti Post Charthaval, Distt. Muzaffar Nagar.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE Gandhi Nagar Opp. Lanin Park 106/282, Kanchan Bhawan

Kanpur-208 012, the 11th March 1986

Ref. No. MD-317/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. D-88 situated at Saket Meerut

No. D-88 situated at Saket Mecrut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 15332 dt. 25-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Lin Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Svanoi Sharan Misra S; Shri K. S. Misra R/s: D-88, Saket Mecrut.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Prasad S/o Shri Mohan Jal R/o D-88, Saket, Meerut.

(Transferee)

(3) Shri Jagdish PrasadS/o Shri Mohan lalR/o D-88, Saket, Meerut.

[Person(s) in occupation of the property]

(4)Shri Jagdish Prasad S/o Shri Mohan lal R/o D-88, Saket, Meerut.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No D-88. Saket Meerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 11-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kaupur-208 012, the 7th March 1986

Rel. No. MD.318/85-86.—Whereas, 1, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 239 situated at Civil Lines Meerut

No. 239 squated at Civil Lines Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 15465 dt 23-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the weatherax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Chaudhari Dhanbir Singh Adv.
 S/o Chaudhari Shyam Singh
 R/o Civil Lines Meerut.

(Tainsferor)

(2) Shri Rama Nand S/o Shri Ram Swarup R/o Swamipara, Meerut.

(Transferee)

- (3) Shri Rama Nand
 S/o Shri Ram Swarup
 R/o Swamipara, Merrut
 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Shri Rama Nand
 S/o Shri Ram Swarup
 R/o Swamipara, Meerut
 (Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the anid property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 239, Civil Lines, Mcerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 7-3-1986

H. R. DAS,

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

Ref. No. MD.319/85-86.—Whereas, I,

heing the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-27 situated at Difence Colony (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut

under registration 14914 date 12-7-1985
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any mensus or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1967);

Now, therefore, a presumes of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforemul property by the inne of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following presum, namely:—

(1) Shri Chandra Kant
 S/o Shri Paragzal
 R/o Λ-27, Defence Colony, Mecrut.
 (Transferor)

(2) Shri Kuldeep Mahajan So Shri Ram Nath Mahajan R/o 88 Jain Mohalla, Meerut Cantt. Meerut.

(Transferee)

(3) Shri Kuldeep Mahajan So Shri Ram Nath Mahajan R/o 88 Jain Mohalla, Meerut Cantt, Meerut.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Shri Kuldeep Mahajan So Shri Ram Nath Mahajan R/o 88 Jain Mohalla, Meerut Cantt. Meerut.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. A-27 Defence Colony, Meerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 7-3-1986 Seal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kaupur-208 012, the 7th March 1986

Ref. No. M.D. 320/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 243 situated at Purva Aheeran. Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 14152 date 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and fer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Onkar Sharma
 Late Shri Basudeo
 120-A Civil Lines, Barely.

(Transferor)

(2) Shri Durga PrasadS₁o Shri Jwala PrasadR₂o Budhana Gate, Mcerut.

(Transferee)

(3) Shri Durga Prasad
S/o Shri Jwala Prasad
R/o Budhana Gate, Meerut.
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Shri Durga Prasad S/o Shri Jwala Prasad R/o Budhana Gate, Mcerut.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No 243 Purva Aheeran, Meerut,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

Ref. No. MD.321/85-86.—Whereas I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 24 situated at Purvoa Aheran, Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 14153 date 17-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Onkar Sharma Retired 1.6. Police,
 S/o Late Shri Basudco Sharma,
 R/o 120-A Civil Lines, Barreily.

(Transferor)

(2) Shri Durga PrasadS/o Shri Jwala PrasadR/o Budhana Gate, Meerut.

(Transferee)

- (3) Shri Durga Prasad
 S/o Shri Jwala Prasad
 R/o Budhana Gate, Meerut.
 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Shri Durga Prasad S/o Shri Jwala Prasad R/o Budhana Gate, Meerut. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 Share of House No. 24, situated at Purwa Ahiran, Meerut City.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

Ref. No. MD-322/85-86.—Whereas, I, H, R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Property No. 27 situated at Meerut
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No .14151 date 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 et 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesi id property by the issue of this notice under sub-section. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt, Kamla Devi W/o Shri Hargovind R/o 156-B, Sector-14, Noida, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Durga Prasad S/o Shri Jwala Pd. R/o Budhuna

R/o Bisharamy, Meerut.

(Transferee)

(3) Shri Durga Prasad S/o Shri Jwala Pd. R/o Budhana

R/o Bisharamy, Meerut.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Shri Durga Prasad S/o Shri Jwala Pd. R/o Budhana

R/o Bisharamy, Meerut.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition o tfhe said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personne whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land No. 27 Bakhepurwa Abiran, Meerut.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 7-3-1986

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

Ref. No. MD-323/85-86.--Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 24 situated at Purwa Ahiran, Mccrut City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 14154 date 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Onkar Sharma Retired 1-6 Police, R/o 120-A Civil Lines, Barreilly,

(Transferor)

(2) Shri Durga Prasad S/o Shri Jwala Prasad R/o Budhana Gate, Meerut.

(Trausferce)

(3) Shri Durga Prasad R/o Budhana Gate, Meerut.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Shri Durga Prasad
S/o Shri Jwala Prasad
R/o Budhana Gate, Meerut.
(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 24 Purswa Ahiran, Mccrut City,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . -

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

Ref.K.- No. 330/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax: Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 117/H2/167, situated at Pandu Nagar, Kanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 15697 date 31-7-13 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
77—16 GI/86

(1) Surject Singh S/o Shri Balwant Singh 111-A/167 Ashok Nagar, KANPUR.

(Transferor)

(2) Smt Amrit Kaur W/o Sardar Aaya Singh & others 117/H-2/111 Pandu Nagar, Kanpur

(Transferee)

- (3) Smt. Amrit Kaur W/o Sardar Aaya Singh & others 117/H-2/111 Pandu Nagar, Kanpur. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Smt. Amrit Kaur W/o Sardar Aaya Singh & others 117/H-2/111 Pandu Nagar, Kanpur. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 117/11-2/167 Pandu Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

Ref. No. K-334/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 53-B situated at Co-operative Industrial Estate, Kanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 14241 date 15-7 \(\) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such iransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitaing are reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any aloneys or other assets which have not been or which hight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the usue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Indraject Singh Bhatia Partn of M/s, G Masujina Needles Manufacturing Co-53-B Co-operative Indus ral Est to, Kanur

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal Bajaj S/o Shri Ram Lal Bajaj & Smt. Darshna Devi Bajaj W/o Shri Harbans Lal Bajaj R/o 127/400/W-1 Saket Nagar, Kanpur.

(Transferee)

- (3) Shri Harbans Lal Bajaj S/o Shri Ram Lal Bajaj & Smt. Darshna Devi Bajaj W/o Shri Harbans Lal Bajaj R/o 127/400/W-1 Saket Nagar, Kanour. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Shri Harbans La! Bajaj
 S/o Shri Ram I al Bajaj &
 Smt. Darshna Devi Bajaj
 W/o Shri Harbans Lal Bajaj
 R/o 127/400,W-1 Saket Nagar, Kaliur.
 (Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 53-B, Co-operative Industrial Estate, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

Ref. No. K-335/85 86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 127/286 U Block Nirala Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 14251 date 15-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Man Siagh
 S/o Shri Chet Singh
 127/286 U Block Nerala Nagar,
 Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Satya Devi W/o Shri Dharamveer Chopra, 124/B/457, Gouina Nagar, Kanpur.

(Transferee)

- (3) Smt. Satya Devi
 W/o Shri Dharamveer Chopra,
 124/B/457, Gouina Nagar, Kanpur.
 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Smt. Satya Devi
 W/o Shri Dharamveer Chopra,
 124/B/457, Gouma Nagar, Kanpur.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 127/286, U Block Nitala Nagar, Kanpur,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

GFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, 208 012, the 7th March 1986

Ref. No. K-336/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Ag. land No. 891 situated at Mouja Dehli Sujanpur

Ag. land No. 891 situated at Mouja Dehli Sujanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

the Registering Officer at Kanpur under registration No. 14253 date 15-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belie that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Ganga Devi 47/41 Hatia, Kanpur.

(Transferor)

(2) Ram Nagar Co-operative Housing Society Ltd., Kanpur 48/60 General Ganj, Kanpur.

(Transferee)

- (3) Ram Nagar Co-operative
 Housing Society Ltd., Kanpur
 48/60 General Ganj, Kanpur.
 [Person(s) in occopuation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 891 situated at Mauja, Delhi Sujan-pur, Distt. Kanpur,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accursition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

Scai

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur, 208 012, the 7th March 1986

Ref. No. K-338/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 2A/416 situated at Azad Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur under registration No. 15088 date 10-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Raja Krishna lal Singh S/o Shri Udai Veer Singh, 2A/416, Azad Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) M/s. Hazari Lal Laxmi Narain Pvt. Ltd. through Managing Director, Shri Chunni Lal Gupta 10/503, Tilak Nagar, Kanpur.

(Transferee)

- (3) M/s. Hazari Lal Laxmi Narain Pvt. Ltd. through Managing Director, Shri Chunni Lal Gupta 10/503, Tilak Nagar, Kanpur. [Person(s) in occopuation of the property]
- (4) M/s. Hazari Lal Laxmi Narain Pvt. Ltd., through Managing Director, Shri Chunni Lal Gupta 10/503, Tilak Nagar, Kanpur. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2A₁416, Azad Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Lucome-tax
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

Ref. No. K-339/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7.04 Northern Part situated at Tilal Nagar Kanpur.

No. 7/94 Northern Part situated at Tilak Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration 14389 dated 2-7-1985

Kanpur under registration 14389 dated 2-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ranjeet Kumar Banerjee 7/94, Tilak Nagar, Kanpur.

(Transferor).

(2) Shri Amit Praladka 20, Industrial Estate, Kanpur.

(Transferee)

- (3) Shri Amit Praladka
 20, Industrial Estate, Kanpur.

 [Person(s) in occopuation of the property]
- (4) Shri Amit Prahladka
 20, Industrial Estate, Kanpur.

 (Persons whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 7/94, Northern Part, Tilak Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 7-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

Ref. No. K-352/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Agricultural land No. 306 to 314, 318, 319, 324, situated at Village Goeni Akbarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Akbar (Kanpur Dehat) under registration No. 1308 dated 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Suraj Bali S/o Shri Budha Malaveer S/o Shri Orilal & others. R/o Sikandarpur, Teh. Akbarpur, Distt Kanpur Dehat.

(Transferor)

(2) M/s Kanpur Colonizers Pvt, Ltd. 118/595 Kaushalpur, Kanpur through Managing Director Shri Gandhi Prasad.

(Transferee)

.(3), M/s. Kanpur Colonizers Pvt. Ltd., M/s. Kanpur Colonizers Fvi. 118/595 Kaushalpur, Kanpur through Managing Director Shri Gandhi Prasad.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) M/s. Kanpur Colonizers Pvt. Ltd. 118/595 Kaushalpur, Kanpur through Managing Director Shri Gandhi Prasad.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givein that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 306 to 314, 318, 319 & 324, situated at Vill. Goeni Teh, Akbarpur, Dist. Kanpur Dehat.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> Kanpur

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March, 1986

Ref. No. K-357/85-86.--Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 337-H Block situated at Kakadeo Kanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur under registration 14389 date 2-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Chatur Singh S/o Shri Sujan Singh 111 A/221, Ashok Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Chandra Prakash Sengar & Smt. Methlesh Kumari W/o Shri Chandra Prakash Sengar 110/39 Jawahar Nagar, Kanpur.

(Transferce)

- (3) Shri Chandra Prakash Sengar & Smt. Methlesh Kumari W/o Shri Chandra Prakash Sengar 110/39 Jawahar Nagar, Kanpur. [Person(s) in occopuation of the property]
- (4) Shri Chandra Prakash Sengar & Smt. Methlesh Kumari W/o Shri Chandra Prakash Sengar 110/39 Jawahar Nagar, Kanpur.

 (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 337 H Block, Kakadeo, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

No. K-362/85-86.—Whereas, I, H.R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Plot No. 52 situated at K Block Kakadeo, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 14192 dated 15-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; urd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any minneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:—
78—16 G1/86 (1) Smt. Prabhawati Devi Shukla w/o Shri Vishambhar Sahai Shukla, 8/136 Arya Nagar Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Shakar S/o Kallan c/o Vishambhar Sahai Shukla, 8/136 Arya Nagar

(Transferce)

(3) -DO-

(Person in occupation of the property)

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Geratte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saio Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52 situated at K Block Kakadeo Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 7-3-1986

Scal:

(1) Gur Charan Singh Talwar, 117/H-2/9 Pandu Nagar Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Bimal Malhotra, 152, Anand Puri, Kanpur,

(Transferee)

(3) —DO—

(Person in occupation of the geoperty)

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

A CAMPAGE LANCE OF MALE AND INC.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK ACQUISITION RANGE

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

H.R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. K-385/85-86.-Whereas. I.

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 19-6-B situated at Kunpur Industrial Development
Co-operative Estate, Dada Nagar, Kanpur,
(und more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at Kanpur under registration No. 16029 dated 25-7-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(A) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesuid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. 196-B Kanpur Industrial Development Co-operative Estate, Dada Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269() of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the soresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 7-3-1986

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

No. K-399/85-86.--Whereas I, I. R. Das.

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to s the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.1,00,0 00/- and bearing No. Plot No. 3A situated at Udyog Nagar Dada Nagar, and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 16227 dated 27-7-85 er an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more han 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parthis has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conveniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

stow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely;---

(1) Shri Vijay Bahadur Singh S/o Shri (Late) Ram Pratap Singh R/o 119/93A, Bamba Road, Kanpur. Kanpur.

(Transferor)

(2) Yadav Engineering Works Partner Ajay Kumar Jaiswal, 85/40, Cooper Ganj,

(Transferce)

(3) -DO -(Person in occupation of the property)

(4) —**D**o— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3A, Udvog Nagar Dada Nagar, Kanpur,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kampur

Date: 7-3-1986 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Naresh Chandra Misra R/o 2A/190 Azad Nagar Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Ishwari Devi 2A/190 Azad Nagar Kanpur.

(Transferee)

(3) —DO---

(Person in occupation of the property)

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

No. K-402/85-86.—Whereas, I,

H.R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the imbeing the Competent movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2A/190 situated at Azad Nagar Kanpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 16248 dated 27-7-85 officer at example inder registration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such treasfer as agreed to between the provise her path that the such that the such that the such that the such that the consideration for such treasfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Part of H. No. 2A/190 Azad Nagar Kanpur.

(b) facilitating the concealment of any income oor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-3-1986

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

No. K.494/85-86.-Whereas, J.

H.R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agri. No. 1200 Vill Rewan Hamirpur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madhoha (Distt. Hamirpur) under registration No. 1791 dated 15-7-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforemid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Smt. Dulari Widown of Awadh Behari, R/o Vill. & Post Khandeh. Per & Teh. Modhaha, Distt. Hamirpur.

(Transferor)

(2) Mohesh Kumar & Rewari Kumar s/o Ram Narain R/o Vill. & Post Rewan Per & Tehsil Madhaha Distt. Hamirpur.

(3) **—DO**—

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforced persons within a period of 45 days from the date of publication of this metion in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 1200 situated at Vill. Rewan Teh. Modhaha Distt, Hamirpur.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 7-3-1986 Seal:

alendado do los los comos munos de contratal en entratal de entrata de la comoción de contrata de la comoción d

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

No. A-433/85-86.—Whereas, I.

H.R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,03,000/- and bearing
No. 307, 8, 9, 10, 12 situated at Ghatwasan Agra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 15120 dated 22-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument if transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; said/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Bhola S/o Karan Singh R/o Mauja Ghatwasan Agra.

(Transferor)

(2) Anil Sharma, C/o Shanti Nagar Sahakari Grah Naman Samati Ltd., Agra.

(Transferce)

(3) ---DO---

(Person in occupation of the property)

(4) -Do-

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open undeveloped land area 3-8-0 Bigha Khasra No. 307, 308, 309, 310 312 Mauja, Ghatwasan Agra.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208-012, the 10th March 1986

No. A-450/85-86.—Whereas, J, H.R. DAS

DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 379 situated at Kundowal Agra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered *under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 15000 dated 19-7-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer; .nd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the referesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(4) Shri Om Prakash Satya Prakash and others R /o Mauja Kundal Teh. & Distt. Agra,

(2) Smt. Lilawati R/o Mauja

(3) —DO—

(Transferor)

(Transferee)

Kundal Agra.

(Person in occupation of the property)

(4) ---Do---(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 379 (51)4-1 situated Kundul Agra.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner_of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th March 1986

No. A-458/85-86.—Whereas, I,

H.R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 82 situated at Civil Lines Jhansi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi under registration No. 3605 dated 15th July

1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Margrat S. C. Yura. R/o Jowai Janhils Meghalaya.

(Transferor)

(2) Shri Om Mittal Jagdeesh, Prasad Agrawal Sunil Agrawal, 298 Sairyar Gate Jhasi.

(Transferce)

(3) —DO—

(Person in occupation of the property)

(4) —Do—
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 82 Civil Lines Jhansi.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. * the following persons, namely:—

Date: 10-3-1984

Scal:

a

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

No. A-421/85-86.—Whereas, Ref.

H.R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 83, situated at Vill. Hathras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras under registration No. 3038 deted 7 1985.

ror an apparent consideration which is less than the fair market ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-79-16 GI/86

(1) Shri Asharfi Lal S/o Munna Lal R/o Moti Bazar, Hathras.

(Transferor)

(2) Shri Jawahar Lal, Krishna Kumar Vashnaya Kripal Singlı other Gali Hanuman Hathras.

(Transferee)

(3) —DO---

(Person in occupation of the property)

(4) —Do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovater property within 45 days from the date of the pub lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land vill. Hathras A/c No. 83 Hathras.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 7-3-1986

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

No. A-437/85-86.—Whereas, I. H.R. DAS, being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 19/C/83 situated at Alok Nagar Agra, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 14343 dated 15th July 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent therefor by consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) inclinating the reduction or evasion of the fiability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilizating the convenient of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ta: Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Btawan Das Motwani, R/o 20 Saket, Agra.

('Transferoi)

(2) Smt. Radha Rani, Raj Kumari, Nirmal Deve, Puran Chand Adwani, R/o 2/34 Idgah, Colony Agra.

(Transferee)

(3) -DO-

(Person in occupation of the property)

(4) —Do—
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House Proerty No. 19/C/3 Alok Nagar Loha Mandi Agta.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 7-3-1986

FORM FIRMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th March 1986

No. A-483/85-86.--Whereas, I.

transfer with the object of :-

H.R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15/20 situated at Pritase Wali Gali Agra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Agra under registration No. dated 4-7-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. In respect of any income arising from the trace and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Tada Devi Widow of Pt. Ramjce Lal Vaidh 15/20 Batasewali Gate Noorie Gate, Agra.

(2) Smt. Rukmani Devi Bansal W/o Subhash Chandra Bansal R/o 15/20 Batase Wali Gali, Noori Gate, Agra.

(Transferee)

(Transferor)

(3) —DO—

(4) —Do—

(Person in occupation of the property)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property No. 1520 Batase Wali Gali Noorie Gate Agra.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kam ur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March 1986

Ref. No. 1/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the, said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No. Door No. 2-B, 7/5 Part Ward 'C' situated at Block 15, T. No. 716/-B, Sivagamypuram extension Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I SALEM, Doc. No. 1749/85, in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any iscome or any moneys or other assets which have not been or which ought to se disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Ast 1957 (27 of 1937):

 Sri K. V. Ramaswamy and others, S/o Vengatnarayan, 2-B, Rajaji Road, Sivagamypuran extension, Komarasamypatti, Salem-636 007.

(Transferor)

(2) Sri Ardhanarisamy, S/o T. C. A. Gopalakrirhnan, Sevapet, Salem-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at door No. 2-B/7/5 part, ward 'C' block 15, T.S. No. 716-B, Rajaji Road, Sivagamypuram extension, Komarasamypatty, Salem.

SRO: JSR I Salem Doc. No. 1749/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the uses of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March 1986

Ref. No. 2/July/85.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

T. S. No. 35/2-C-9 & 35/2 situated at Block 12, Ward 'A'

Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Salem Doc.No. 1293/85

in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri R. M. Samy, S/o Late N. Rajgopal, Denkanikotta, Hosur T. K. & Town, Dharmapuri D.T.

(Transferor)

(2) Sri M. L. Palaniappan, S/o. Malayandi Chettiar, Kombaikaddu village, Engil Wood Estate, Yercaud t. k. Salem D.T.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at T.S. No. 34/2-C-9, 35/2 Block 12, Ward 'A', Salem Town.

SRO: JSR 1 Salem Doc. No. 1293/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March 1986

Ref. No. 4/July/85.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Door No. 295, Chinnakadai St., Salem situated at (and more fully described in the schedule annexed hereio), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R. I, Salem (Doc. No. 1889/85) on 15-7-1985 Ref. No. 4/July/85.---Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsecton (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri H. Janbasha & Others. S/o Sri S. K. Habeeb, 295, Chinnakadai St., Saleni-1.

(Transferor)

 Sri C. Periannan Gounder, S/o Chinnakutty Gounder, 34, Sathyamurthy Street, Salem-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Land and Building at Door No. 295, Chinnakadai Street, balem. (Doc. No. 1889/85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 10-3-1986

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March 1986

Ref. No. 5/July/85.—Whereas, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
T.S. No. 19/2, Block 17, Ward 'B' situated at Komarasamy patti village, Salem Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR; Stlem Doc. No. 1956/85

in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Natwarlal L. Govani, S/o Lalji Bai, 245, Brindavanam Main Road, 5th Cross Fairlands, Salem.

(Transferor)

(2) Sri D. Ramchand Chavla, S/o Dayaldoss H. Chavla, 31, Housing Unit, Rajaram Nagar, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the safe. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at T.S. No. 19/2, Survey No. 720, D. Division Block 17, Ward 'B', Komarasamypatti village, Salem. SRO: JSR I Salem: Doc. No. 1956/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 10-3-1986

PORM ITNS

(1) Sri P. Ramsamy S/o Shri Perumal Gounder, 122, Pudupalayam, Pallipalayam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Muthusamy and others, S/o Shri Palani Gounder, 3/102, Ulagampalayam Maluvakkadu, Namakkal T. K. Salem dt.

(Transferée)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 10th March 1986

Ref. No. 8/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing S. No. 32/14, Muthanampalayam village, situated at Tiruchengodu, Salem

chengodu, Salem (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Tiruchengodu, Doc. No. 2203/85 in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; uad/er

Land and building at S. No. 32/14, Muthanampalayam village, Tiruchengodu T.K. Salem D.T.

SRO: Tiruchengodu Doc. No. 2203/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 9/July/85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-rax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Survey No. 61/9 at Tiruchengode (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengode (Doc. No. 2132/85, 2134/85 and 2137/85

on 23-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- Go facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following perm us namely :-80-16 GI/86

 Sri V. S. Angappa Mudaliar & Others S/o Shri Chinnu Mudaliar, Pavadi Street, Tiruchengode Town and Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Smt. A. Vijayalakshmi W/o Shri Ardhanararisamy, No. 17, Pullicar Street, Tiruchengode, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cinima Theatre Building at Tiruchengode Village in Survey No. 61/9.

(Doct. Nos. 2132/85, 2134/85 and 2137/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 10/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 97 and 98, Kacheri St. situated at Municipal ward No. 17, Tiruchengodu Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengodu T. K. Salem D.T. Doc. No. 2133/85, 2135/85 and 2136/85 in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 2—

- (a) facilitating the reduction of crassion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri V. S. Angappa Mudaliar S/o Shri Chinnu Mudaliar,
 Shri A. Shanmughasundaram and
 Shri A. Muruyesan,
 S/o Shri V. S. Angappa Mudaliar,
 Pavadi St.,
 Tiruchengodu town,
 Salem Dt.

(Transferor)

(2) Smt. T. Saraswathi W/o Shri T. N. A. Tirunavukkarasu, Pullikkar St., Tiruchengodu, Salem D.T.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 97 and 98, Kacheri road, Municipal ward No. 17, Tiruchengodu, Salem D.T. SRO: Tiruchengodu, Doc. No. 2133, 2135/85 and 2136/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 (i/c)
Madras-600 006

Date: 11-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 10th March 1986

Ref. No. 11/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 559, Sattuvachari village situated at T.N.H.B. V. NU.

Phast I, Vellore T.K. & D.T.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Vellore, Doc. No. 2676/85 in July, 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fa' market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby histiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :--

(1) Shri M. Rajavadivelu S/o Shri G. Manika Mudaliar, 7, Sunderasa Samy Koil St., Kosapet. Vellore,

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sankari Ammal W/o Dr. V. L. Shanmugam, 37, Rediappa Mudali St., Kosapet, Vellore,
2. Smt. K. Sundaravadivul Ammal
W/o Dr. V. L. Kumar,
222. Main Bazzaar, Saidapet, Vellore D.T.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pursons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in at Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 559, Sathuvachari T.N.H.N. V.N.U. Phase I, Vellore T.K. & D.T.

SRO: JSR I Doc. No. 2676/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 10-3-1986

Scal:

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 13/July/85.—Whereas, J,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00.000/- and bearing No.
XX/X, Municipal Door No. old 1/b, situated at New No,
II, Nallanpattaria Kulathamman Koil St., Vellore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
JSR I Vellore, Doc. No. 2782/85 in July, 85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly seated in the said instrument of
transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name:

 Smt. Mariamma WVo Shri Idikula, No. 35, Phase I, Housing Board, Sathuvaccharl, Vellore.

(Transferor)

(2) Smt. P. Malarkodi W/o Shri V. M. Purushothamman. 27/1 Contracter Manickam st., Nallanpattari, Vellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as see defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Municipal door No. old 1/B, New No. 1/1. Kulathamman Koil St., Nallanpattarai, South Vellore, Vellore, N.A. SRO: JSR I Vellore, Doc. No. 2782/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 11-3-1986

FORM ITNS----

(1) M/s Ramco Super Leathers Ltd., 18, Periamettu Kumarappa Chetty st., Madras-3.

(Transferor)

(2) M/s Sedhu Shoes P. Ltd., 18, Periamettu chetty st., Madras-3.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UPFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 10th March 1986

Ref. No. 14/July/85.—Whereas, J, MRS. M. SAMUI'L,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Punjai (Wet land) S. Nos. 319/3A-1 situated at Melmalaivur village, Vellore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR I Vellore Doc. No. 2408/85 in July, 85 for an apparent consideration which is less than the fau

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of ...

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period w 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land at S. Nos. 319/3Ai, 3A-2, 319/2, 319/1 at Melmalaivur village, Vellore. SRO: Vellore JSR I, Ooc. No. 2408/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

Date: 10-3-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 15/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sri Shanmugham Taikics at New Road situated at Shenbakkam village, Vellore, N.A. Dt. (and more-fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Vellore, Doc. No. 2993 and 2994/85 in July, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. S. Vittobai
 W/o Shri K. Subramaniam,
 Shri K. Subramaniam,
 S/o Shri O. Kumarasamy,
 Kosa st.,
 Vellore, N.A. D.T.

(Transferor)

(2) Shree Raghavendra Theatres, 37, Wallace Garden, 3rd st., Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at New Road, Shenbakkam village, Vellore. North Arcot Dt,

Town Panchyat Door No. 5, New S. Nos. 233/1-B, 233/4-B and 234/2-B, Shenbakkam village, Vellore N.A. D.T. SRO: JSR I Vellore, Doc. No. 2993 and 2994/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1986

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 10th March 1986

Ref. No. 171/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the theometer Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. Nos. 790/1-A, 790/1-B, 790/1-C and 791/I, 191/2, 791/3 etc. situated at Pudupatti village (and more 'ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a Namakkal Doc. No. 1306/85 in July, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri V. Varudharajan S/o Shri Venkataramachettiar, 115, Tiruchi Town Saminatha Sastri Road, Tiruchi, Tiruchi D.T. (Transferor)

(2) 1. Shri V. V. Mani,
2. Smt. Saraswathi
W/o Shri Easwaran,
4. Smt. V. P. Vasantha
W: o Shri Ponnusamy,
5. Shri Kumar
S/o Shri Subramaniam and others,
Partners,
V.P.P. Spinning Mills,
Tiruchi town Samynatha Sastri Road,
Tiruchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a beriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. Nos. 790/1-A, 790/1-B, 790/1-C, 791/1, 791/2, 791/3 and 791/4 etc. SRO: Namakkal, Doc. No. 1306/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1 (i/c)
Madras-600 006

Date: 10-3-1986

FORM ITNS --

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 19/July/85.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing.

Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 57, Karuppannan St., Sandapet, situated at

Pudur, Namakkal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerin Officer at Namakkal (Doc. No. 805/85)

on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent enosideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) tacditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following property ing persons, namely :---

(1) Smt. S. Kamakshi Ammal, W/o Subbaraya Chettiar, Karuppannan Street, Sandapet Pudur, Namakkal Kasba, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sri K. Murugesan & Others, S/o A. J. Kandasamy Chettiar, K. Alyumpalayam, Pudupalayam Post, (Via) Palapatti, Namakkal T.K., Selem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guastte or a period of 30 days from the service of notice on the respective n persons, whichever period expires later t
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 57, Karuppannan Street, Sandapet Pudur, Namakkal, Salem Dist. (Doc. No. 805/85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras 600 006

Date: 11-3-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March 1986

Ref. No. 20/July/85.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, Rs. 1,00,000/- and bearing

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

rroperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 7 S. No. 503/1 C, situated at Mohanur Road,

Nemakkal.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register's Officer at JSR I Namsikal Doc. No. 818/85, in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration incretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of consider with the object of the consideration in the said instrument of the consideration of the consideration in the said instrument of the consideration and that the consideration and that the consideration in the said instrument of the consideration in the consideration in the said instrument of the consideration in the con

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following parasits to

(1) Sri V. Easwaramurthy, S/o A. Velusamy Gounder, Melapatty Koodachery village, Namakkal, T.K.

(Transferor)

(2) 1. Karupanna Gounder, S/o Ramasamy Gounder, W/o K. Somasunderam, Kolakattupulur Soskar Vengarai village Namakkal, T.K.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at S. No. 503/1-C, Plot No. 7, Namakkal Mohanur Road, Namakkal, Salem.

SRO: JSR I Namakkal, Doc. No. 818/85.

MRS. M. SAMUFI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 10-3-1986

lical:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 (17) (1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 22/July/85.—Whereas, J. Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'ssid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 10th ward, South Kacheri Road, situated at villapuram,

Rasipuram, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO: Rasipurom, Doc. No. 1370/85

in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay and under the said Act, it respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri D. Sadasiyam,
 S/o Lated R. V. Duraisamy Iyer,
 South Kacheri Road,
 Rariburam.

(Transferor)

(2) Sri S. Mannarsamy, S/o K. S. R. Sriranga Chettiar, 191, Thiruvalluvar Salai, Raripuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable acoperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetic.

Pype, the rich period of the expressions used herein as a decimed in Chapter NNA of the eaid Act, shall have the same meaning as given a test Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 10th ward, South Kacheri Road, Villapuram, Resipuram, Salem D.t.

SRO: Rasipuram 'Do, No. 1370/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date : 11-3-1985

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March 1986

Ref. No. 23/July/85.--Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the itumovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 67/2, Gout Japalayam village, situated at Rasipuram, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerin Officer at Rasipuram, Doc. No. 1433/85. in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets whicht have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nernons, namely :-

(1) Sri P. Natarajan and Others, S/o k. Palanivel Gounder, Goundampalayam, Rasipuram, t.k. Salem.

(Transferor)

(2) Sri S. Socrates and Others, S/o Late A. Sithayan, 73, R. D. Paul St., Arisipalayam, Salem-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land at S. No 67/2-B, Plot No. 7, Goundampalayam village, Rosipuram T.K., Salem D.T. SRO: Rasipuram Doc. No. 1433/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 26/July/85.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 916, Municipal Ward 17,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Krishnagiri Doc. No. 1122/85, in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the hence of this notice under sub-spection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Butta Sundaram and 4 others, S/o Sri Butta Kannan.

(Transferor)

(2) Sri K. Mani, S/o Kuppuramy, Nedungal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 916, Municipal ward 17. SRO: KRISHNAGIRI. Doc. No. 1122/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 (i/c)
Madras-600 006

Date : 11-3-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March 1986

Ref. No. 27/July/85.—Whereas, 1, MRS M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land and building

Land and building situated at Sankagiri, Motur Village, Salem Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerin Officer at Sankari Durg (Doc. No. 537/85)

on 1-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the stud Act on the Westlib-All Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely: persons, namely :-

(1) Sei K. Rangasamy, S/o Kolanda Gounder, Kanakkar Street, Chinnagoundanur Village, Sankari Durg Town. Salem.

(Transferor)

(2) Sri R. Venkatachalam, S/o Ramasamy Gounder, Vangipulayam, Morur Village, Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Morur Village, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Doc. No. 537/85)

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 10-3-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Arukkani and others, Vannan Kadu. Morur.

(Transferor)

(2) V. P. Muthusamy, S/o Perlasamy. Nettamarathukadu, Morur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th March 1986

Ref. No. 28/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, Ref. No. 28/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 247/l dry land and 248/3-A situated at Morur village, Sankaridrug Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerin Officer at Sankaridrug Doc. No. 611/85

in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the trus and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 247/1 and 248/3-A dry land in Morur village, Sankaridrug, Salem.

SRO: Sankaridrug. Doc. No. 611/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 31/July/85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 102/2-A dry land situated at Annadhanapatty village, Salem T. K. & D.t. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadagapatti, Doc. No. 2268/85 in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tar under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. S. Subbulakshmi W/o Late Subaraya Gounder No. 24, Middle St., Annadhanapatty, Salem-2.

(Transferor)

(2) 1. Smt. K. Southamani W/o T. A. Krishnan M. R. K. House, No. 18, Agaram Colony, Annadhanapatty, Salem-2, 2. Smt. T. Kumudavalli W/o T.M.S.A. Thiagarajan 43, Little letter's St., Sevapet, Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propermay be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, werehever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Dry agricultural land at S. No. 102/T A, Annadhapatty, Salem T.K. & D.t.

SRO: Todagapatty, Doc No. 2268/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition-Range-I, (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1986

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 33/July/85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 2693 t die Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafted referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey Nos. 82/2, 81/2, 83/2, 81/1 and 82/3, situated at Oolapadi, Salem Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Peddanaickenpulayam (Doc. No. 869/85) on 8-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truty stated to the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the taid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri M. Subbaraya Pillai S/o Manickam Pillai Thalavapatti, Attur Taluk. Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sri P. Periyasamy S/o Periyathambi Naicker Peddanaickenpalayam, Attur Tatuk, Salem Dist.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Genetic

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 82/2, 81/2, 83/2, 81/1 and 83/3 at Oolapadi, Salem. (Doc., No. 869/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition-Range-I, (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under ubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1986

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 39/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

S. No. 214/1 dry land situated at Koddamanaickenpatti vil-

lage, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Sendamangalam (Doc. No. 794/85) on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

82-16 GI/86

(1) Smt. Kuppammal and others W/o Subbaraya Gounder Perumampalayam, Muthukapatti P.O., Namakkal, T.K., Salem Dist.

(Transferor)

(2) Chinammat W/o Rangasamy Gounder Musiri Village, Pallipatti P.O Tiruchegodu, T.K., Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land at S. No. 214/1 and pumpet at Komdamanickenpatti village, Sendamangalam, Salem D.T.

SRO: Sendamangalam, Doc. No. 794/85.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition-Range-I, (i/c) Madras-600 006

Dato: 11-3-1986

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT GOMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 44/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing Survey No. 1176/A1B at Kaveripakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaveripakkam (Doc. No. 739/85) on 12-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) lacditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; said/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isses of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri D. Thirugnanam & Others S/o Late Devaraja Mudaliar No. 30, Somu Mudali Street, Kaveripakkam Village, Arakonam Taluk, N. A. Dist.

(Transferor)

(2) Sri R. Vilvanathan S/o R. Rajagopal Mudaliar Via—Kaveripakkam, Arakonam Taluk, N. A. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rice Mill Building in Survey No. 1176/A1B at Kaveripakkam.

(Doc. No. 739/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition-Range-I, (i/c) MADRAS-600 005

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 45/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 23, Tirumalai Samudram C. Munuswamy Chetty St., Arni (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Arni (Doc, No. 2082/85) on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said 'Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1. of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri K. V. Shanmugam & Other S/o K. T. Vedachala Chettian No. 23, Tirumalai Samudram, C. Muniswamy Chetty St., Arni Town.

(Transferor)

(2) Sri M. Selvarajulu S/o B. V. Munisami Naidu No. 69, Periya Sayakara Street, Arni, North Arcot Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chanter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 23, Tirumalai Samudram C. Munisami Chety Street, Arni Town.

(Doc. No. 2082/85).

MRS. M. SAMUFI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition-Range-I, (i/c) Madras-600 006

Date: 11-3-1986

PORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-60 006

MADRAS-600 006

Ref No. 48/July/85.--Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1, 10,000/- and bearing S. No 165/2, dry land situated at Dhimmanaickenpatti Village, Raipuram

(and nore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

1908) in the office of the registering officer at Valap ady (Doc. No. 1645/85) on July, 1985 for an apparent consideration which is 1-ss than the fair marke; value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Appu (alias) Deivachi Udaiyar and his sons Muthusamy and others Dhimmanaickenpatti, Rasipuram, Salem.

(Transferor)

(2) Periasamy and Others S/o Mattukarakaruppu Udaiyar Dhimanaickenpatti, Rasipuram, Salem.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 165/2, Dhimmnaickenpattl village, Rasipuram T.K., Salem Dt.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J. (i/c) Madras-600 006

Date: 11-3-1986 Seal: FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 52/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.
R.S. 272/IB at Konganapuram Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Edappady (Doc. No. 662/85) in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by he transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fell wing persons, namely:—

(1) Smt. K. Kaliammal & Other W/o S. Kailasam
Rangampalayam,
Konganapuram Village,
Namakkal Taluk,
Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sri P. Nallathambi & Others Rangampalayum, Kenganapuram Village, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, with chever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the raid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in R.S. No. 272/1B at Konganapuram Village, Sale $n_{\rm c}$

(Doc. No 662/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (i/c) Madras-600 006

Date: 11-3-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1985

Ref. No. 55/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 196/2 at Mookondapalli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hozur (Doc. No. 2083/85) on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and three consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in cospect of any income evising transition transfers and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sti M. Seenivasan S/o Munisamy 12/1, 4th Cross, Magadi Road, Bangalore.

(Transferor)

(2) Sri V. Adimulam S/o Late N. Varadaraju 12/1, 4th Cross, Magadi Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in Survey No. 196/2 at Mookondapalli, (Doc. No. 2083/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (i/c) Madras-600 006

Date: 11-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. P. Thangammal W/o S. Perumal Iyanarappan Koil Street, Peramanur, Salem,

(Fransferor)

 Mecnakshiammal D/o Olavoo Gounder No. 205, Chinnappa Gounder St., Arisipalayam, Salem Taluk and Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 56/July/85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 80-A, 80-B, Main Road, situated at Arisipalayam, Salem Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at Salem (Doc. No. 805/85) on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 80-A, 80-B, Main Road, Arisipalayam, Salem Town.

(Doc. No. 805/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1936

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I Madras-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 58/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000- and bearing
Door No. 110/99, Vengatajalapathy Iyer St. situated at Sevapet, 6th Ward Salem Town pet, 6th Ward Salem Town
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
JSR JII, Salem (Doc. No. 849/85) in July, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor be

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Smt. Meenachi Ammal W/o Kiishnaiah No. 1, Madurai Kuppaiyer St., Sevapet. Salem-2.

(Transferor)

(2) Minor K. V. Suresh Father and Guardian K. V. Chadra Iyer 97, Manickkam Pillai St., Sevapet. Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 110/99, Ward 'G' Block 3, T.S. No. 106, Adhivengadjalapathi Iyer St., Sevapet, 6th Ward, Salem-2. SRO: JSR III Salem (Doc. No. 849/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, (i/c) Madvas-600 005

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICH UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) N .V. M. Mancharan and others 32-A, Kamakodi St., Fairlands, Salem-4.

(Transferor)

(2) N. Guruprakash S/o Dr. S. V. Nagamanikkam 7, Aandar Main Road, Kulithalai, Tiruchi Dist.

(Transferce)

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 59/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, seing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the said Act), have reason to believe that the immovable that the immovable in the said Act) is the said Act.

is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding ks. 1,00,000- and bearing No.

New No. 240 and 241, Sevapet Main Road situated at New same Dt. Navalar Nedunzhezian St., II Ward, Salem Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at 1SC III Salem (Doc. No. 853/85) on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the as parent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at New No. 240 and 241, Dr. Navalar Nedunzhezian St., (Sevapet Main Road), 2nd Ward Salem Town.

SRO: JSR III Salem (Doc. No. 853/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. (i/C) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 $83 = 16 \,\text{GH/86}$

Date: 11-3-1986

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

AND THE RESERVE THE THE RESERVE THE STATE OF THE STATE OF

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4369 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 650/5, Tharapadavedu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at No. 2008/05/ apr 2/7-1095

Katpadi (Doc. No. 2208/85) on 8-7-1985 for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such impaler the agreed to between the parties has not been truly stated in the consideration of the consideration. mander with the object of ; ...

(a) facilitating the reduction or evasion of the I bility of the transferor to pay tax under the said Ac., in espect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri A. Prabhakara Reddy S/o A. G. Narayanaswamy 4,5,6, Gandhi Nagar, Greamespettai, Chittor.

(Transferor)

(2) Sri R. V. Damodaran S/o R. Viswanathan Narayana Chetty, 36/1, Vellore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- ್ಕ್ : ೧ ಗಿರ್ವರಾಣಕರ : ೨೦೦ ಇಟರ ಗಡುಚಿತ್ರ-(b) by (a) lable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice to the Offician Garatic

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 650/5, Tharapadavedu (Doc. No. 2208/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-task Acquisition Range-I ,(i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-3-1986

FORM IINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 64/3uly/85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tox Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Survey No 408, Pudupatti Village situated at Namagiripettai, Salem Dist

Salem Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerin Officer at Namagiripettai (Doc. No. 744/85) in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aftresaid property and I have reason to refleve that are fair market value of the property as aforesaid execute an apparent consideration therefor by more than fifteen particular for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax ax, 1997 (27 of 1957) (1) Smt. Parvath, alia Athayannmal & Others, Pudupatti Post and Village, Rasipuram Taluk, Sedem Dist.

(2) Sri K. Tnambikali Gounder, S/o Kailasa Gounder, Pudupatti Post, Rasipuram Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land (Dry) at Survey No. 408, Pudupatti Village, Namagiripettai, Salem Dist.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-raid property by the issue of his notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:--

Date: 11-3-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 66/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 85/3A2A at Alagapuram Village situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerin Officer at Suramangalam (Doc. No. 1566/85) on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said --- to testing all this relations to the relationships

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri S. Sankaranarayanan and Others, S/o Late H. Subramania Iyer, 1, Sambandam Road, Farelands, Salem-16.

(Transferor)

(2) Sri R. K. Swamy, S/o N. K. S. Ramaswamy Chettiar, No. 57-D, First Cross Street, New Farelands, Salem-16:

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and Building in Survey No. 85/3A2A at Alagapuram Village. (Doc. No. 1566/85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores, id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 67/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Survey No. 28 at Poodinaickenpatti situated at has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerin Officer at

(Suramangalam, Doc. No. 1589/85) on 17-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid of the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the property and I have reason to believe that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid of the property as aforesa

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Sri N. M. Surendra Mohan, S/o N. V. Mohan, No. 27, Samundi St., Gugai, Selem Town.

(Transferor)

(2) Sri P. Theerthamalai and Other.
 S/o Perumal,
 No. 54, Suramangalam Main Road, Pallapatti,
 Salem Tk and Dist.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, small have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey No. 28 at Poodinaickenpatti Village, Salem Taluk and Dist.
(Doc. No. 1589/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1985

FORM ITNS

 Smt. N. Kannaki Ammal, W/o A. Natesan, Narajothipaiti, Salem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. Rathinasabapathy, S/o Periaponnu, Cheri Road, Salem.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 69/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 25/3B, Narajothipatti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (14 1908) in the office of the Registering Officer at (Suramangalam—Doc. No. 1591/85) in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Survey No. 25/3B, Nanojothipatti, Salem (Doc. No. 1591/85).

MRS. M. SAMUF1,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (I/C) Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) S. SRI, SMT, Municiammal and her sons, W/o Palanigounder, Pallapatti, Solem,

(Transferor)

Muthusamy,
 S/o Kaliamma gounder,
 Sankagiri Main Road,
 Salem,

(Transferee)

OIFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madias, the 11th March 1986

Ref. No. 71/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rr. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 23/2 and 23/3, stuated at Kanthampatti village, Salem T.K. and D.T. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam. Doc. No. X1593/85.

in July. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 /11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 23/2-A & 23/3 at Kanthampatti village, Salem T.K. & D.T. SRO: Suramangalam, DOC. No. 1593/85.

MRS. M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (I/C) Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the localid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 72/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at

Komarapalayam Agraharam, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registerng Officer at Komarapalayam (Doc. No. 1891/85)

on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .~

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act,'I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely :-

(1) Sri K. Marappa Gounder, S/o Koundiya Gounder, Kunnipai Arunpalayam, Komarapalayam, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Smt. P. Ramayee, W/o Ponnusamy, 22, Sathiyapuri, Komarapalayam-638 183.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, vbichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Agraharam, Komarapalayam, Salem Dist. (Doc. No. 1891/85).

> MRS. M. SAMUEL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-Acquisition Range-I (I/C) Madras.

Date: 11-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 81/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. New door No. 149, Vepery High Road, situated at Periament, Madras 3, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at in July, 1985 has been transferred under the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said increment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- the facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pushoses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

84-16 GI/86

 Smt. M. Fathima Bi, 54, Sydenhams Road, Periamet, Madras-3.

(Transferor)

(2) Sh. M. Farook Ahmed, 26, Kaniyambadi, St., Vaniyambadi, N.A. Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Greatin.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Astahall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at New door No. 149, Vepery High Road, Periamet, Madras-3. SRO: Periamet. Doc. No. 835/85.

MRS, M. SAMUFL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-! (1/C) Madraas

Date: 11-3-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA ASSISTANT COMMIS-

ACOUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 105/July/85.—Whereas, I,

Ref. No. 105/July/85,—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Ref. 1,00,000/- and
hereine Blot No. 620. D. No. 1/02, 'L', Block

bearing Plot No. 530, D. No. L/93, 'L' Block, 29th Road, Arignar Anna Nagar, Madras-40

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doc. No. 2718/85)

on 24-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exercis the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 259°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Sri B. Gopal Naidu, S o Bodiswamy Naidu, No. 20, Perumal Koil Street, Aminjikarai, Madras-29,

(Transferor)

(2) Smt. E. V. Zeenath, W/o Shahabudin T.K. No. 1/93, Anna Nagar, Madras-600 102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Comette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by may other person interested in the said immer-side preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same deaning as given M Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in 11nd Floor at Plot No. 530, Door No. L/93, L' Block, 29th Road, Arignar Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 2718/85).

> MRS. M. SAMUEL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (I/C) Madraas

Date: 11-3-1986

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 111/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 43, Pidariar Koil Street, situated at Mudras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 338/85)

in July, 1985

fort an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or eventes of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in e of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any mageys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the treasferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Mrs. K. Saroja Ammal, W/o R. Kothandarama Pillai, 43, Pedariar Koll Street, Madras-1.
- (2) Sri G. Selvam & 3 Others, 100, Shanmugarayan Street, Madras-1.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from he service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 43, Pedariar Koli Street, George Town, Madras-1. (Doc. No. 338/85).

> MRS. M. SAMUEL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (I/C) Madras.

Date: 11-3-1986

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 10th March 1986

Ref. No. 123/July/86.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 50, Plot No. 50, J. K. K. Sundaram Nagar, Anangur Road, Komarapalayam, Salem D.T. situated at

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at JSH J MADRAS NORTH. DOC. No. 1985/85 in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the abject of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to gay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) S. SRI. SMT. Vasantha Stewart, No. 55. Sullivar garden Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) K. K. Sundaram, Jamba; Illam, No. 332, Salem Main Road, Komarapalayam, Salem.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grant's

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at door No. 50 plot no 50, J. K. K. Sundaram Nagar, Anangur R., Komarapalayam,

SRO: Madras North JSR I. DOC. No. 1985.

MRS. M. SAMUFL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (I/C) Madras.

Date: 10-3-86.

 M/s. Pal Mohan Construction Co. 6/4792, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kulwant Kaur, C-7, Raouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/7-85/963-A.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Plot No. 5, N.W.A. Punjabi Bagh, situated at Delhi (and more fully described in the Sebedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1.A.C. Acq. III, New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the first market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the saids has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Duplex Ground Floor, Plot No. 5, N.W.A. Punjabi Bagh, New De'hi, Area 1663 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in puratonace of Section 269C of the said Act. I hereby initiate moccordings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name³:—

Date: 6-3-1986

(1) Smt. Bindra Devi Chawla, KC-33A, Ashok Vihar, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Dr. Pankaj Kumar. C-9/7, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/7-85/964.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 108, Dayanand Vihar

situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the I. A. C. Acq. III, New Delhi

on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unasfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income serising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 108, Size 158.61 sq. yds. Dayanand Vihar, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the enid Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the enid Act. to the follow-persons, namely —

Date: 6-3-86.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAN ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II1/37EE/7-85/965.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, K-84, Green Park, eitherted at New Delhi!

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the

in the office of the I.A.C. Acq. III. New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration much that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mr. Madan Mohan Malhotra, 3/5993, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delh; & Mr. Sanjay Malik, B-5/103, Paschin Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Amit Hirs Wandani, C-185, Dayanand Colony, Lajpat Nagar-IV, New Delhi-24.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ihe terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6. App. Area 246 sq. ft. on the 1st floor, in 'ASHIRVAD' at K-84, Green Park, New Delhi-16.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-3-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. IAC Acq-III/37EE/7-85/966.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15/16, Vill. Dabri situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Delhi on July 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better the parties has not been truly stated in the said instant. ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: send /or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Mohan 1 ai S/o Sh. Wazir Chand f-E/27, Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Gita Rani (Minor) 15-A/54, W.E.A, Karol Bagh, through Sh. Bhagwan Das, Father and National Guardian New Delhi,

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 15/16, Viliago Dabii, Delhi known as Raghu Nagar, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-111, New Oelhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Date: 6-3-86.

ender nick in der der findelige state state and region in the state of the state of

FORM ITNS----

(1) Dr. N. S. Grewal, Gill Farms, Deoli, Tuglacabad, Delhi

(Transferor)

(2) Dr. Lall Chand Kapoor & Sons (HUF) Karta—Dr. Lall Chand Kapoor, 224, Gandhi Nagar, Gaziabad (U.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-Λ, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/7-85/967.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 58, Madhuvan situated at Delhi-92,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the 1. T. Act, 1961 (43 of 1961)

in the office of the

I.A.C. Acq.III New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and i have reason to believe that the fau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . -

(2) facilitating the reduction or evapion of the liability of the treasferor to say tax under the said Act, in respect of any suponse arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or waich ought to be disclosed by the transferoe for time purposes of the Indian (second-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Thickever period explices later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 58, Vacant land measuring 260 sq. yds, in Delhi Union Officers CHBS Ltd., Madhuvan, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Dell-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Thereby initiate praceedings for the acquisition of the aferceald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -85-16 GI/86

Date: 6-3-86,

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- TO T TO A SEC<mark>IMENTE</mark> COLORUM OF THE THEORY COLORUM CONTRACTOR OF THE SECOND COLORUM COLORUM

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4-14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. JAC SUNIL CHOPRA, JAC/Acq. III/37EE/7-85[968.—Whereas I,

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (heseinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

11, 16/2, W.E.A. Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi in July 1985 in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which leave not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons, namely :---

(1) New Jay Das Builders (P) Ltd., 3-C/4, New Rohink Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gurdev Kaur, r/o 153, Kalyan Vihar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said isomevable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 11, ground floor 16/2, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, Measuring 193 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-Ill,
> Delhi/New Delhi

Date: 7-3-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4-14-Λ, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/7-85|970.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I,00,000/- and bearing No 23, Bharti Co-op. House Building Society Ltd, situated at Vikas Marg. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the LA.C. Acq. III, New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

(1) Smt.Krishna D. Bondal, Sh. Deepak D. Bondal, r/o 5/39, W.F.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Karani, 3550 Jatwara Old Darya Ganj, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesand persons within a seriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storcy house 23, Bharti Co-op. House Building Society Ltd., Vikus Marg, Delhi-92. Area 228 sq. yards.

SUNII. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

FORM TINS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. IAC Acq.III/37FE/7-85/971.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. $1,\overline{00},000/-$ and bearing No E-77 New Raginder Nagar, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act. (961–(43 of 1961) in the Office of the LAC. Acq 14 of New Delhi in July (985)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may text under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Mr. Ram Lal Popli, 2. Mr. Munish Lal Popli, Mrs. Lajeshwari Popli, 4. Mrs. Indra Popli,
 Mrs. Rama Popli, 6. Mrs. Usha Popli,
 all r/o E-177, New Rajinder Nagar, New Dellin

(Transferor)

(2) Mr. Dharam Singh Yadav, village Sikanderpur, P.O. Nathupur, Gurgaon, Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Cf. (18) Chaselto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

E-177, New Rajinder Nagar, New Delhi. Area App. 825 sq. ft.—Ground Floor.
770 sq. ft.—First floor.
130 sq. ft.—on second floor.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. 1AC/Acq III/37EE/7-85/972.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 114, Dist. Centre, Janak Puri situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the IT. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the IA.C., Acq. III at

New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the !lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Jaina Properties (P) Ltd., Addinath Shree House, Opp. Super Bazar, Conn. Circus, New Delhi

(Transferor)

(2) Col. M. K. Abbott & Mrs. Preeti Abbott H.Q. 5, Monnlain Division, C/o. 99 A.P.O.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 114, on first floor in Jaina Tower, Distt. Centre, Janak Puri, New Delhi. Area 355 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 7-3-1986

Spal ;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSTI, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4-14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. IAC SUNIL CHOPRA, IAC|Acq. III/37EE/7-85/973.—Whereas I.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. UG-35A,

situated at 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more felly described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helicve that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 it at 1922) or the said Act, or the Weelth-tax act 1957 127 of 1957):

(1) Mrs. Asha Rani Jerath, Sector 7A, House No. 25, Faridabad.

(Transferor)

(2) Som Datt Builders Pvt, Ltd. 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servcie of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UG-35A, 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi on Upper Ground floor, Approx. Area: 110 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in thate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 6-3-1986 Seal:

ETTERNING TO THE SECTION

Markettan militari et al. 1991 FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/7-85/974.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M-1 & 2, Hinland House, Karampura Complex situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III at New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen percent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax moder the said Act, ist respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discissed by the transferre for the purposes of the Judian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the solices ing persons, namely :-

(1) M/s. Ihmiaud Exports (P) Ltd., 33-35, Ajit Arcode, L. Lajpat Rai Road, New Delhi.

(Iransferor)

(2) Mukesh Kher & Sons (HUF), 12/16, West Patel Nagar, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offician Gazette or a period o 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANAT IN :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M-1 & 2, Himland House, Karampura Complex, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT

New Delhi, the 13th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/7-85/975.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
A-138, Priyadarshni Vihar, I.P. Ext., situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C., Acq. III at New Delhi in July 1985 for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax Ender the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957); (1) Shri P. N. Saigal, r/o R-844, New Rajinder Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Mr. Prem Bhatia, 2038, Chitra Gupta Road, Near Pahar Ganj, Thana, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-138, Priyadarshni Vihar, I.P. Ext., New Delhi. G.F. 1500 sq. ft. and Mazanine floor 96 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-3-1986

(1) Shri S. S. Sanzagiri, F-11, Model House, Proctor Road, Bombay,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sudhir Arora (HUF), 6025, Naya Bans, Delhi-6.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. IAC/ Λ cq-III/37EE/7-85/976.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 15 situated at Madhuvan, Delhi-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C., Acq. III at New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than - fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant residential plot No. 15, Madhuvan Delhi-92. Delhi Officers CHBs.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--86-16 GI/86

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/7-85/977.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 150, Madhuvan, Delhi situated at C.H.B.S. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C., Acq. III at
Navy Delhi in July 1985 New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer so agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor-
- .b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely ;--

(1) Shri Bhagwat Sarup, 59/16A, Faridabad.

(Transferor)

(2) M/s. R. L. Gupta & Sons HUF, 878, Queens Road, Delhi-96.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Resi, Plot No. 150, Madhuvan Delhi, Officer's C.H.B.S. 110092. Area 330 sq. yds,

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-JII/37EE/7-85/978.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Iacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 131A, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer: and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Arvind Gupta, E-588, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sanyakta, L-II/158, D.D.A. Flats Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

131A, Bhikaji Cama Place, No. 5 Bldg., New Delhi Area 110 Sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 12-3-1986

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

M/s. Rajdhani Builders, (Prop. Mehta Ind. Ltd.) 18-14, Floor, Atma Ram House, 1, Tolstoy Marg, New Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. Sushma Abbi, W/o Shrl Vljaynider Kumar Abbi, 96, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. P.R. No. 4298/Acq.23/I1/25-86.— SUNIL CHOPRA,

ment of transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 110 at 4 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi

Shop No. 110 at 4 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE Shop No. 110, first floor at 4, Bhikaji Cama Place, New Delhi—Area 206 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House, 4/14-A. Asaf Ali Road
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to be following persons, namely:—

Date: 6-3-1986

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF PRODEA

(1) Shri Chander Bhan Chaudhary. Shri Ashok Kumar Chaudhry, J-4/23, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Suman Bhatia, 37/14, Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Rcf. No. IAC/Acq.III/37EE/7-85/980.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 802, Hemkunt House, 6, Rajindera Place, situated at

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq-III, New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that whe consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer: upd/or

of any income or (b) facilitating the concealment any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ed 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall bave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 802, Hemkunt House, 6, Rajendra Place, New Delhi. Flat 520 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-III

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD

NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/7-85/981.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 567 W.E.A., Karol Bagh situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason the believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) theilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act 1937 (27 of 1957);

(1) M/s. Pal Mohan Construction Co. 4/4792, Chandni Chowk Delhi-6.

(Transferor)

(2) Miss Manleen Sachdeva, d/o S. Hardeep Singh, r/o B-55, Gujranwala Town, Delh!.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sak Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space Measuring 327 sq. ft. on first floor in Prop. No. 5/67, W.E.A. Karol Bagh, New Delhl.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ABSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/7-85/982.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. B, F/4/15, Jhandewalan Extn., situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III New Delhi on July 1968 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Indu Arora, 3408,Gali Hakim Baka, Chawari Bazar, Delhi.

(Transferor)

 M/s. International Journal Distribution Agency, E-4/15, Jhandewalan Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B Mez floor in E-4/15 Jhandewalan Extn. New Delhi. Area 270 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi.

Date: 7-3-1986

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE UF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHE

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.HI/37EE/7-85/983.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1.00,000/- and bearing No.

B. E-4/15, Jhandewalan Extn., situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the furt market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. Inder Jeet Arora, Father and Natural Guardian of Master Dhiraj Arora 3408, Gali Hakim Raka Chawari Bzaar, Delhi.

(Transferor)

 M/s. International Journal Distribution Agency, f E-4/15, Jhandewalan Extn., New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Mez. Floor in E-4/15, Jhandewalan Extn., New Delhi area 265 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House, 4/14-A. Asaf Ali Road
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.111/37EE/7-85/986.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Prop. No. 5/67, W.E.A. Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III., New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--87-16 GI / 86

(1) M/s. Pal Mohan Construction Co., 6/4792, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferor)

(2) M/s. Ramson Family Trust, 21/56, Punjabi Bugh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metics on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space measuring 327 sq. ft. on first floor in prop. no. 5/67, W. E. A. Karol Bagh, New Delhi.

> SUNIL CHOPR' Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Pushpa Kakar, E-512, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Seema Godha, 30-32 Babar Lane, Bengali Market, New Delhi.

(Transferee)

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.HI/37EE/7-85/987.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kh. No. 1364 & 1365 village Chhattarpur, situated at tehsil Mehrauli New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq-III, New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (U of 1922) or the said Act, or the Westin tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 bighas and 3 biswas, Khasra Nos. 1364 & 1365 with two rooms tubewell fittings & fixtures in village Chhattarpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Infome-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 2600 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHII

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/7-85/988,—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) hove reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No.61, New Rajdhani CHDS Ltd, situated at Delhi (and more fully described in the Schodule annexed herete), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ, III., New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent session tion and that the consideration for the fair that the consideration for the fair that the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Miss Kailash Kumari, 35, Sainik Farms, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Savita Khosla, A-61, Gujrawala Town, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant plot No. 61, measuring 250 sq. yds. in New Rajdhani CHBS Ltd., Delhi-92.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New D.1%

Date: 7-3-1986

PORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE. 4-14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC|Acq. III/37EE/7-85/989.—Whereas I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

85, New Rajdhani-Enclave,

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforessid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties 's not been truly stated in the said instrument of transfer ith the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Sathir Singh, A-36, Amar Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Hemlata Khosla, Anil Khosla and Sanjiv Khosla, 12/9, Shakti Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant plot No. 85, New Rajdhani Enclave, Delhi-92.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Delhi/New Delh'

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Jaina Properties (P) Ltd., Addinathshree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. S. P. Singh, C-2, Pandara Park, C.G.H.S. Dispensary, Dr. Zakir Hussain Road, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4-14-A, ASAT AL! ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE|7-85/990.---Whereas SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 604-C, Jaina Tower, Janak Puri, situated at New Delhi

and or

(and more fully described—in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act, 1984 (see of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi

on July, 1985

for an apparent consideration which it less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

604-C, Jaina Tower, Distt. Centre, Janak Puri, New Delhi. Super Area: 170 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delni/New Delhi

Date: 6-3-1986

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4-14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-iII/37EE/7-85/991.--Whereas [, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereleafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

297, Jagrity Enclave,

situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the LAC ACQ, III, New Delhi

on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) factinating the reduction of eventon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesses which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Gurdev Singh, C-507, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

Mrs. Sushma Khanna,
 Chanderlok Enclave, Pitampura,
 Delhhi-34.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unaversigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

297, Jagrity Enclave, Delhi-92.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/7-85/992.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'asid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 190, Prashad Nagar, situated at New Delhi

190. Prasnad Nagar, situated at New Deini (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.-III, New Delhi

on July 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

(1) Shri Kanwarjit Singh, D-II/169, Kaku Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nameta Chaturvedi, 170 6, 1192, Hari Singh Nalwa Street, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

D.D.A. Flat No. 190, Prashad Nagur, New Delhi. Area 980 sq. ft

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37FE/7-85/993:--Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 37, Vivekanand Puri situated at Delhi

37, Vivekanand Puri situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.-III, New Delhi on July 1985

on July 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (*) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer' and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

Sh. Girdhari Lal Gupta,
 3-C/41, New Rohtak Road,
 New Delhi.
 Sh. Padam Chand Jain, Shop No. 3636, Bara Hindu Rao, Sadar Bazar, Delhi.

(2) Mrs. Sudha Jain, 8938, Shidi Pura, Delhi-6.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House measuring 160 sq. yards situated at 37, Vivekanand Puri. Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/7-85/994.—Whereas, I, SUNII. CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, Najafgarh Road. Comm. Centre, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.-III, New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tow Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— $88-16\ \mathrm{GI/86}$

 1. Mrs. Inderjit Kaur, 2. Mrs. Harjeet Kaur & Mrs. Sheel Kaur, r/o F-2/15, Model Town, Delhi-9.

(Transferor)

(2) M/s. Vettil Electronics (P) Ltd., 101, Kanchan House, Najafgarh Road, Community Centre, New Delhi-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exerces later:
- (b) by any other person interested in the said immerable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 1, on Intermediate floor, Najafgarh Road, Community Centre, New Delhi-15.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 7-3-1986

FORM 1TNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/7-85/995.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 107, Meera Bagh, situated at New Delhi

107, Meera Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.-III, New Delhi or July 1085

on July 1985
for an apparent consideration which is less than the rain market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:

 Sh. Avnish Kumar, r/o B-3/48, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Km. Rita Chanana, S-52, Janta Market, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said manoable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 107, Meera Bagh, New Delhi.

SUNII, CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/7-85/996.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-41, Vivek Vihar situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.-III, New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Pratul Chandra, r/o 95, DDA (SFS), 114, Flat Alaknnanda, New Delhi-19.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudesh, U r/o 68, Shreshtha Vihar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

B-41, Vivek Vihar, Delhi. Single Storey Building on 200 sq. yds. plot.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 11-3-1986

(*)*_____ FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/7-85/997.--Whereas, I, SUNIL CHOPRÁ,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
F-203, Yusar Sarai, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.-III, New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the large of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Associated Precision Equipment, through its partner, D-211, Saket, New Delhi.

(Transferor) (2) Dr. Vidur Shayam & Family, HUF,

Master Gaurav Shyam, E-132, Saket, New Delhi.

(Transferge)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

F-203, 2nd floor, Yusaf Sarai, Commercial Complex, New Delhi. Super Area 225 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 6-3-1986

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4-14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC|Acq. III/37EE/7-85/998.--Whereas SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

in the Office of the LA.C. ACQ. III, New Delhi

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the LA.C. ACQ. III, New Delhi

on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the aequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) M/s. Rajdhani Builders, Prop. Mohta Industrics Ltd., 13th floor Atma Ram House, 1, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Shiv Kumar Singhal, r/o C-510, Shaikh Sarai, Phase-l, New Delhi-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ExCLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UGF-9, at 4, Bhikaji Cama Pace, New Delhi. Area 380 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4-14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6tht March 1986

Ref. No. IAC/Acq-lII/37EE/(7-85/8-85)/1022.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

boing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 5 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing Shop No. 3, 21, L.S.C. Preet Nagar,

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq-III, New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

 M/s. Ghai Builders, Ghai Palace, 21, Local Shopping Centre, Preet Nagar, Delhi-92.

(Transferor)

(2) Mrs. Kaushalya Gupta & Mrs. Arun Gupta, B-81, Preet Vihar, Delhi-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the dateof publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used hersin as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, on ground floor measuring 12.56×8.95 ft. =112.55 sq. ft. in Ghai Palace, 21, Local Shopping Centre, Preet Nagar, Delhi-92.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqu.sition Range-III.
Delhi/New Delhi

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4-14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. 1AC/Acq. III/37EE|(7-85|11-85)/4227.—Wherea I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

B-10, Magnum House-I,

situated at Karampura Com. Centre, New Delhl (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act, 1961 (43 of 1961) Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi

on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property # aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. mal/es
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 4ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

(1) Mohan Investment & Properties Pvt. Ltd., Mohan House, 7, Community Centre, Zamrudpur, Kailash Colony Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Premier Enterprises, C-2/8, 114-A, Janak Puri,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afore-aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by any

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-10, Magnum House-I, Karampura Comm. Centre. New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Mohan Investments & Properties (P) Ltd., Mohan House, 7, Community Centre, Zamrudpur, Kailash Colony Extr., New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD

NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC[Acq. III/37FF/(7-85]11-85)/1228.—Whereas SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 100.000/- and beging No.

Rs. 1.00.000/- and hearing No. B-3, Magnum House-I, Karampura Comm. Centre,

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq-III, New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sons deration for such transfer as agreed to between the parage has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or svasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(2) Mr. Harish Kapoor, Smt. Kamlesh Malhotra, 17/8, Punjabi Bagh, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires here;
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-3, Magnum House-I Karampura Comm. Centre, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 2050 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'l property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 11tht March 1986

IAC|Acq. III/37 Γ E/(7-85|11-85)|1229.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. M-7. Magnum House I. Karampura Comm. Centre,

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq-III, New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Alticen per cent of such apparent consideration and that the Consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely: ---89---16 GJ/86

(1) M/s. Mohan Exports (India) (P) Ltd., HOUSE, Unel 7,--) New Dethi. 8e xzfi vbg cmf vbg cmf emfem
Mohan House, 7. Zamu udpur Community Centre,
Kailash Colony Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Kanta Bhatia, B-177, Ashok Vihar, Phase-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M-7, Magnum House-I. Karampura Community Centre, New Delhi. Area 415 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acq. Gitton Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 11-3-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE III

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. 1AC/Acq-III/37EE/7-85/11-85/1269.—
Whereas I, SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

G-9, Magnum House-I, Karampura Comm. Centre, situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq-III, New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tal Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the wild Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Mohan Investments & Properties (P.) Ltd., Mohan House, 7, Comm. Centre, Zamrudpin, F. la h Colony Ext., New Delhi.

(Transferor)

 Mrs. Swarn Kaur & S. Davinder Pal Singh, 4/5869, Dev Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-9, Magnum House-1, Karampura Community Centre. New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range III Delhi/New Delhi

Date: 7-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/7-85/11-85/1270.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (horeinafter referred to the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. G-11, Magnum House-I, Karam Pura Comm. Centre, situated at New Delhi

at New Dejni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq-III, New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Mohan Investments & Properties (P.) Ltd., Mohan House, 7, Comm. Centre, Zamrudpur, Kailash Colony Ext., New Delhi.

(Transeror)

(2) M/s. Milan Finance Co. 202, Magnum House I, Karampura, Comm. Centre, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforcessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-11, Magnum House-I, Karampura Comm. Centre, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 7-3-1986

NOTICE 11 VIDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-UI/37EE/7-85/11-85/1271,-Whereas 1, SUNIL CHOPRA,

being me Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ - and bearing No.

B-8, Magnum House-I, Kara npura Comm. Centre, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the J. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the

I.A.C. ACQ. III, New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or everion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for tne purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Mohan Investments & Properties (P.) Ltd., Mohan House, 7, Comm. Centre, Zamrudpur, Kailash Colony Ext., New Delhi.

(Transeror)

(2) Mr. Tejinder Singh, 50, North West Avenue Punjabi Bagh, Extn.,/ New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

B-8, Magnum House-I, Karampura Community Centre, New Delhi,

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 111 Delhi/New Delhi

Date: 10-3-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX. ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAI: ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. 1AC/Acq-111/37-Ltz/7-85/1510.--Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 159 situated at first floor 9, Bhikaji Cama Place,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. F. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the

IAC, Acq.Ra nge-III on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mr. S. K. Bhandari. C/o Sundershan Motors, Dhanbad.

(Transferor)

(2) M/s. Som Datt Builders Pvt, Ltd., 56, Community Centre, East of Kailash,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 159 on first floor, 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/7-85/1511.—
Whereas I, SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'crid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 164 situated at 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act in the office of the
I.A.C. Acq. Range-III, New Delhi in July 1985

*** *** apparent consideration which is less than the fair

real apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to nelieve that the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruuntil of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following acaona, namely

(1) Geeta Vedi, E-215, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Mohini Mittu, F-22, Nizamuddin West, New Delhi.

(Transferce)

(4) Shri J. K. Mittu. [Person(s) whom the undersigned knows to be incrested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 164 measuring 147 sq. ft. in 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 6-3-1986

-----FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/7-85/2-86/1553.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-3, Magnum House-I, Karam Pura Comm, Centre, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the I.A.C. Acq. Range-III, New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 197 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforeand property by the issue of this notice under onb-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

(1) Mohan Investments & Properties (P) Ltd., Mohan House, 7, Comm. Centre, Zamrudpur, Kailash Colony, New Delhi.

.

(Transferor)

(2) Mr. Shivaji Lal Sondhi, Mrs. Maduri Sondhi, 7, Retondon Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, it any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Sant Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-3, Magnum House-I, Karampura Comm. Centre, New Delhi,

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. New Delhi

Date: 10-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) A. R. Malhotra & Y. R. Malhotra Ss/o S. R. Malhotia for self & as Karta of A. R. Malhotra (HUF) R/o S-182 G. Kailash, Part II, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Nirmala Thappar W/o Sh. Prem Thappar R/o 33/10 East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/7-85/132.— Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of he Incompetent Act. 1961 (12 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6/8, East Patel Nagar, New Delhi situated at New Delhi

situated at New Delhi

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of #5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 6/8, East Pafel Nagar, New Delhi Leasehold.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now therefore in nursusant of Section 269C of the said after the report in the said act, to the following person:

| Act | I hereby initiate | from allings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following person:

| Act | I hereby initiate | from additional to the said Act, to the following person:

Date: 4-3-1986

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I1/SR-I/7-85/133.-Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Act, 1961 (43 of Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15/32, West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the officered.

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value If the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as greed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(1) Subhash Chand Oberoi Smt. Roma Puri, Smt. Chander Kanta, Smt. Sadhna Devi, Sunil Kumar, Sh. Suresh Kumar and Gurinder Kumar, R/o Λ/18, Radreypuri Krishan Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Keshri Devi W/o Sh. R. S. Singh 15/32. West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilizating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: utler

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

15/32, West Patel Nagar, New Delhi, Lease-hold,

R, P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

90-16 GI/86

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Re. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-85/134.—

Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 13, Road No. 23, Punjabi Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Yash Paul Mago

2. Amrit Pal Mago

Pushpa Rani Chhatwal
 Smt. Kanta Rani Talwar
 Usha Rani Vohra

all sons and daughters of Sh. Ishwar Dass Mago

6. Kamlesh Rani Mago
W/o late Sh. Satpaul Mago and
7. Sandoop Mago S/o Sh. Sat Pal Mago
all R/o 13/23, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Jindal W/o late Sh. S. K. Jindal R/o AM-28, Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the wold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 13, Road No. 23, area 278.19 sq. yds at Punjabi Bagh, area of Vill Bassai Darapur, Delhi frechold,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tu-Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 4-3-1986

FORM I.T.N.S.~-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) / INCOME- (1) Smt. Kaki Devi, Smt. Chinu Devi Shri Ajudhia Nath & Vishwa Nath Kapoor at present cares M-175, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAI: ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986.

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/7-85/135.-Whereas I, R. P. RAJESII,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000k - and bearing
Plot No. K-5/8A, Model Town Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been implement under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any nuners or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :-

(2) Smt. Kamla Lakhanpal, K-4/8, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No K-5/8A, Model Town, Delhi measuring 272.2 Sq. Yds in area. Free-hold.

> R. P. RAU-SH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ra-Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 4-3-1986

Sead:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF A'LI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 5th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-85/136...—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tox Act, 1961 (43 of 1961) (hereina ter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding,
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
D-13A/12, Model Town Delhi
(and more fully described in the Schedule as good hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1931
in the of ice of the Registering Officer at
New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the prope ty as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-193 Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Krishan Lal, Sh. Inder Raj, Sh. Sham Kumar and Sh. Bharat Bhusan, all residents of D-13A/12, Model Town, Delhi.

(2) Smt. Gita Gupta and Smt. Sumitra Gupta both residence of 11702/3, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. D-13A/12, Model Town, Delhi measuring 499.9 square yards in area. Freehold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mamely:—

Date: 5-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-85/137.—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
knoome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
us the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. E-84, Khasra No. 2328, Mansrover Garden Block,
Vill Bassai Darapur, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I. T. Act, 1961
in the office of the Registering Officer at
New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instancent of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the finishity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insense arising from the transfer; and/or

(b) Incilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmanes of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equivilian of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ramesh Kumar Phull S/o Sh. Kidar Nath Phull, R/o 4/37, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Sckhri W/o Sh. Madan Lal Sckhri & Madan Lal Sckhri S/o Sh. Oian Chand Sckhri R/o E-48A, Mansrover Garden, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be usede in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-84, measuring 200 Sq. yds. part of Khasra No. 2328, situated at Mansrover Garden Block E, area of Vill. Bassai Darapui New Delbi. Freehold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 4-3-1986

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-85/138.—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
P. No. 5918/24 U.A. Jawahar Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I. T. Act, 1961
in the office of the Registering Officer at
New Delhi in July, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Bharat Bhushan S/o Pt. Dharam Dev, 5918/24-UA, Jawahar Nagar, Delhi.
- (2) Sh. Mahinder Kumar S/o Sh. Prem Nath Aggarwal, R/o 3/8 Roop Nagar, Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. 5918/24A measuring 152.8 Sq. yds. situated at Jawahar Nagar, Delhi. Free-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 4-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Sita Vanti,
 W/o 1., Malak Chand,
 R/o B-1/261, Janakpuri,
 New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

UPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

Now Delhi, the 5th March 1986

Re.f. No. IAC/Acq-II/SR-1/7-85/139.— Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. H-62, Bali Nagar, New Delhi and more fully described in the schedule annexed bereto).

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—

(a) facilitating the reduction or svasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax, Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, incretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

me per one, namely :-

(2) M/s Som Dutt & Brothers, H-62, Bali Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used bersus as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One and a half storeyed H. No. H-62 measuring 150 Sq. yds. out of Kh. No. 1593 in colony Bali Nagar, in Najafgarh Road, area of Vill. Basai Darapur, Delhi. Free-hold.

R, P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 5-3-1986

Şeal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-85/140.—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
K-413, Model Town, Delhi
(and more fully described in the Schedule appeared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) ni the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

 Sh. Sohan Lal Kanojia, C-47, Jangpura -B, New Delhi.

(Transferor

(2) Sh. Charanjit Singh Sahni, C-5/22, Model Town, Delhi.

(Transféree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

K-4/13, Model Town, Delhi measuring 272 Square Yards, in area Free-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-1986

NCTICE UNDER SECTION 267D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Indento Private Limited, 36, Mint Road, Bombay-I.

(Transferor)

(2) Sh. R. D. Mathur S/o late Sh. D. P. Mathur, R/o F-6/15, Krishan Nagar, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

Now Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-85/141,_

Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

G. F. Portion Property No. 4598-12-B, Gola, Cottage, Durya Ganj, New Delhi

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument f transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aer in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :---

91---16 GI86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G. F. Portion measuring 986.85 Sq. ft. part property No. 4598-12-B Gola Cottage, Darya Ganj, New Delhi. Freehold.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 4-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHII

New Delhi, the 4th March 1986

Comprehensive and Alleganian and and an articles.

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-85/142.—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
K-1/8, Model Town, Delhi
(and more fully described in the Schedule unproved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961

in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any gioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Jagdish Chander Sikka. 16/227, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Bala Jain, 4693-Gali Umrao Singh Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. K-1/8. Model Town Delhi measuring 282 Square Yards in area Free hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Now, therefore, in pursuance of Section 2000 of the said A. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the as ressaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following appropriate the said Act, to the said Act, to the following appropriate the said Act, to the ing persons, namely :-

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Sunder Kaur W/o Sh. Jamiat Singh, R/o H-61-A, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferor)

 Sh. Bhag Mal Paul S/o Shri Bhola Ram, R/o C-7, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-85/143.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. C-7, Bali Nagar Vill. Basai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for sc o transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thbe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. C-7, measuring 146 Sq. yds. situated at Bali Nagar area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi. Freehold.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/7-85/145.— Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 45, Road No. 71 Class B. Punjabi Bagh, New Delhie

Plot No. 45, Road No. 71 Class B, Punjabi Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1. T. Act, 1961

in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of:—

- (a) fabilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1937)?

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ramesh Singh Mander S/o. Shri Lakha Singh, R/o A-46, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sant Lal & Sons HUF, through its Karta Sh. Sant Lal S/o Sh. Ram Ditta Mal (40% share) Shr. R. B. Kataria S/o Sh. Shanker Dass Kataria and Smt. Asha Kataria W/o Sh. R. B. Kataria R/o flat No. 70 & 37 Sunshine Apartment A-3, Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reade in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 500 sq. yds. portion of Plot No. 45, Road No. 71 Class B, situated at Punjabi Bagh area of Vill. Bassai, Darapur Delhi State, Delhi. Freehold.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Om Parkash Bhasin, Sh. Tilak Raj Bhasin & Sh. Jagdish Lal Bhasin of C-1/3D/III, Model Town, Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. Amar Nath Chawla Flat No. 8, H-3/12, Model Town, Delhi.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-85/146.--Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Portion Market No. '8' first floor at H-3/12 situated at Model

Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the L. T. Act, 1961

in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion Marked as No. '8', First Floor at H-3/12, Model Town, Delhi measuring 1470 Sq. ft. in area freehold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rerson, namely :--

Date: 4-3-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Ghanshayam Devi W/o Sh. Jaman Lal, R/o F-32A, Vijay Nagar, Delhi-9.

(Transferor)

(2) Sh. Narain Dass alias Manohar Lal S/o Shri Hem Raj R/o D-32, Vijay Nagar, Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No- IAC/Acq-II/SR-1/7-85-147.—
Whereas I, R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Property No F-32A, Vijay Nagar, Delhi-9
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961
in the office of the Registering Officer at
New Delhi in July, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason te
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the laid Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under tre said Act in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Property/Govt. Built-Property No. F-32A, Vijay Nagar, Delhi-9. Leasehold.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

IAC | Acq. II / SR-I / 7-85/148. -- Whereas R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Property No. 1539, Ward No. XIII. Aziz Ganj, situated at Bahadurgarh Road, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the L. T. Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; edlor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Sardar Begum w/o Mohd. Rafiq. 1/0 6829-Ahata Kidara, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferor)

 Smt. Vidya Bhatia w/o Shri J. C. Bhatia, r/o 1539 Aziz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi.
 Smt. Mridula Bhatia w/o Shri K. C. Bhatia, r/o 1539, Aziz Ganj, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of

 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Upper Ground Floor of property No. 1539, Ward No. XIII Aziz Ganj, Bahadurgarh Road, Delhi. Measuring 102 sq. yds. Freehold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Kaushlya Rani w/o Late Sh. Ram Chand r/o II-95, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar Sehgal s/o Sh. Sudershan, r/o 26/9 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/7-85|150.—Whereas I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

26/9 West Patel Nagar, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the I. T Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

26/9. Builtup property 100 sq. yds, West Patel Nagar, New Delhi Leaschold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA Delhi.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

OF INCOME-TAX

New Delhi, the 4th March 1986

IAC/Acq. II|SR-I/7-85/151.--Whereas Ref. No.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10 Block E Rajan Babu Road, Adarsh Nagar,

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andfor.
- (b) facilitating the concealment of any noome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Jaspal Singh & Others, r/o D-3/5, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Harish Chander Garg & Others, r/o D-68 Lord Krishna Road, Adarsh Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein was are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Block 'E' on Rajan Babu Road, Adarsh Nagar, Delhi. Measuring 150 sq. yds. Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely ;--92-16 GI/86

Date: 4-3-1986

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Jagdish Chander Kohli, r/o 10/29 East Patel Nagar, New Delhi. and 15 North Avenue Funjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Balject Singh Gambhir and Mis. Dolly Gambhii, r/o 40/44, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAI HOUSF, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI**

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/ Λ cq-1I/SR-1/7-85/152.—Whereas 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 260AB of the the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 12, Road No. 85, Punjabi Brigh situated at New Delhi

fund more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12, Road No. 85, Punjabi Bagh, Delhi, Free-hold.

> R. P. RAIFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Ast, I hereby latitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I|7-85/153.---Whereas I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a lair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Back Portion of Ground Bloer of H. No. 41, Road No. 5, situated at Fast Punjabi Bagh, New Delhi

situated at Past Punjabi Bagh, New Belm (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferce for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:

 Sh. Ram Dirta Mal s/o Shri Nihal Chand Karta of M/.. Ram Dirta Mal, r/o Rear Portion of House No. 41, Road No. 5, Hast Panjabi Bagh, New Delhi.

(Transeror)

(2) Smt. Madhu w/o Shri Pawan Kumar Gupta. r/o 4/3, Punjabi Bugh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offlical Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Back portion of Ground Floor of H No. 41 Road No. 5, situated in East Puniabi Bagh, Area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State Delbi, Freehold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq. II|SR-I/7-85/154.—Whereas R. P. RAJESH,

situated at East Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income etising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqusition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Nandlal s/o Shri Ram Ditta Mal Karta HUF of M/s Nand Lal & Sons, r/o Front Portion of House No. 41, Road No. 5, East Punjabi Bagh. New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi w/o Shri Phool Chand and Smt. Rekha w/o Shri Krishan Kumar, both r/o 4/3, Punjabi Bagh, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion and in possession of portion of House No. 41, Road No. 5, situated in East Punjabi Bagh, Delhi. Freehold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II; Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq. II|SR-I/7-85/155.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income ma Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act') have reason to believe that the immovable said Act) have fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing First Floor and Terrace of H. No. 4! Road, situated at No. 5, East Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the f. f. Act, 1931 in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985 for an apprent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Sant Lal s/o Shri Ram Ditta Mal Karta HUF of M/s. Sant Lal & Sons, r/o First Floor H. No. 41 Road No. 5, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Dulari w/o Sh. Prem Chand, and 2. Shri Mukesh Kumar s/o Sh. Phool Chand, both resident of 4/3, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fator;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

First Floor and Terrach of H. No. 41 Road No. 5, situated in East Punjabi Bagh, Area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi. Freehold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II,
> Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 5th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-85/156.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 3473 Nicholson Road Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been tuly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh, Sushil Chandra
s/o Late Sh. Prem Chand Gupta and
Smt. Kamlesh Kumari
w/o Shri Prem Chand Gupta
r/o 1108 Bazar Gulain, Jama Masjid Delhi.
(Transfeior)

(2) M/s Panchsheel Properties Pvt. Ltd. H-155, Panchsheel Park New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold plot of land bearing No. 3473 measuring 300.5 sq. yds. (242 Sq. Mtrs or thereabout) Nicholson Road, Delhi. Freehold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-85/157.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/7 and bearing No.

1/4th portion of basement on North West Front side with common stairs, N-104, Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Shivlok Apartments India (P) Ltd., 410. New Delhi House, 27-Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Smt. Rajoi Batra Woo Shri Dharam Pal Batra N-20, Kirti Nagar, New Delhi. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in witing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One fourth portion of basement on North West Front side with common stairs-800 sq. ft. N-104, Kirti Nagar, New Delhi Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-3-1986

FORM ITNS ---

(1) Shri B. B. Nigudker & Ors.

(Transferor)

(2) Shii Pirmji M. Rambhia & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said preserv may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th March 1986

Ref. No. AR.III/37EE/22922/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Piece of land. S. No. 231, CTS No. 5, 5/1, 5/2, Korla (E). Taluka Kurla, Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given he that Chapter.

THE SCHEDULE

CTS No. 5, 5/1, 5/2, S. No. 231, Takuka Kurla, Kutla (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/22922/85-86 dated 1-7-85.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer, respect of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in oursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the collection recommends to the said Act. following persons namely :--

Date: 5-3-1986

(1) M/s. Shivlok Apartments India (P) Ltd., 410, New Delhi House, 27-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Daya Batra W/o Shri Yash Pal Batra, N-20, Kirti Nagar, New Delhi-110015.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/ACQ.II/SR-I/#-85/159.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

No. N-104, Kirti Nagar, New Delhhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of termsfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANAT.ON: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduuction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One fourth (1/4th) portion of basement on South West Front side with common stairs 800 sq. ft. N-104 Kirti Nagar New Delhi. Freehold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 93-16 GI/86

Date: 4-3-1986

FORM 1.1.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Rtf. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-85/160.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'soid Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

One fourth portion of the Ground floor on as South West side with common stairs—800 sq. ft. N-104 Kirti Nagar

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afgresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following terrors namely ... (1) M/s. Shivlok Apartments India (P) Ltd., 410 New Delhi House, 27-Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Trans(eror)

(2) Shri Yash Pal Batra S/o Shri Kundan Lal Batra. N-20. Kirti Nagar. New Delhi-110015.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fror. the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used horein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One fourth portion of the Ground floor on as South West side common stairs-800 sq. ft. N-104, Kirti Nagar, New Delhi-Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Davinder Kumar Khanna S/o Shri Dwarka Dass Khanna R/o CA/32/1 Tagore Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Reena Wadhwa W/o Shri Raj Kumar Wadhwa R/o 8820 Nava Mohalla, Pul Bangash, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.JI/SR-I/7-85/161,—Whereas, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 74, Block C Bali Nagar, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 62 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House on Plot No. 74 Block G, Mg. 150 sq. yards situated at Bali Nagar, area of Village Bassai Darapur, Delhi Freehold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-3-1986

Real:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-85/163.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Property No. B/557-558 Katra Ashrafi, Chandni Chowk

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Veero Devi & Smt. Krishna Devi R/o E-543 & B/359, New Friends Colony, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Amrit Kaur & Shri Inderjit Singh R/o E-6 Rajouri Garden, New Delhi and H. No. 6R No. 48, Punjabi Bagh. New Delhi respectively.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B/557-558, Katra Ashrafi Chandni Chowk Delhi-Frec-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :-

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

IAC/Acq.II/SR-1/7-85/164.—Whereas, I, Rel. No. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value ex Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 17, DLF Industrial Area Najafgarh Road, exceeding

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1985

New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Walth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Inder Kumar Jain S/o Shri Subbkaran Das Jain R/o 1864, Shri Mahalakshmi Market, Chandni Chowk, Delbi.

(Transferor)

(2) Smt. Sanehlata Jain W/o Hem Chand Jain, R/o A-286 Vikaspuri. Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building built on plot No. 17, DLF Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi area measuring 425 sq. yards— Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Amrik Singh Chawla S/o Assa Singh R/o J-7/13, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Brahma Datt S/o Late Shri B. Ram R/o B-1/598 Janak Puri, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-1,7-85/165.--Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. A-2/54, Rajouri Garden

situated at New Delhi

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of ;---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House S.S. on Plot No. A-2/54 Mg. 290 sq. yards situated at Rajouri Garden area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi-Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-85/166.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing
Portion of property No. 879/1, Kidar Building Subzi Mandi
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 or the vaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remons, namely :---

(1) Shri Atma Ram Iain S/o Shri Raghunath Sahay R/o C-4/37, Saldarjung Development Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Anita W/o Shri Surendar Kumar 2. Smt. Geeta Rani W/o Shri Narender Kumar 3. Smt. Indu W/o Shri Vijay Kumar 4. Shri Vijay Kumar S/o Shri Panna Lal 5. Shri Panna Lal S/o Shri Munni Lal 6. Smt. Krishna Devi W/o Shri Panna Lal R/o 1784, Kucha Latto Shah, Dariba Kalan, Delhi Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Property No. 879/1, Kidar Building, Subzi Mandi Delhi-Freehold 182 sq. yards.

> R. P. RAJESH Competen! Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi New Delhi

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ΛLI RAOD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. 1AC/Acq-II/SR-I/7-85/167.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

K. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. B419, Majlis Park, Delhi-33 situated at New Delhi (and more fully described in the Sek-3-1).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jagan Nath S/o Shri Manohar Lal R/o 10417 Bagchi Allauddin, Motia Khan, New Delhi.

(Transferors)

(2) Mrs. Madhu Bansal W/o Shri Ramesh Chand Bansal R/o B-419, Gali No. 4, Majlis Park, Delhi.

(Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. B-419, area 100 sq. yards out of which 25 sq. yds. defective at Majlis Park Delhi-Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-85/168.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Portion of property No. 879/1 Kidar Building Subzi Mandi,

Delhi

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons. namely:— 94-16 GI/86

(1) Shri Vinod Kumar Jain S/o Shri Atma Ram Jain, R/o C-4/37, Saidarjung Development Area, New Delhi.

(2) 1. Smt. Anita W/o Shri Surendar Kumar

2. Smi, Geeta Rani W/o Shri Narendar Kumar

Smt. Indu W/o Shri Vijay Kumar
 Shri Vijay Kumar S/o Shri Panna Lal

5. Shri Panna Lal S/o Shri Munni Lal 6. Smt. Krishna Devi W/o Shri Panna Lal

R/o S 1784, Kucha Latto Shah, Dariba Kalan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ozzette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

HE SCHEDULE

Portion of property No. 879/1 Kidar Building, Subzi Mandi Delhi-Freehold 92.35 sq. yards.

> R. P. RAJFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. JAC/Acq. II/SR-I/7-85/169.--Whereas I,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/, and bearing No Portion of Prop. No. 879/1, Kidar Building, situated at Subzi

Mandi Delhi

andlor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is

less than the fair markket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresail property by the issue of this notice under subsection ') of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Vinit Jain, S/o Shri Vinod Kumar Jain, R/o C-4/37, Saldarjung Development Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Anita w/o Sh. Surender, Kumar

Smt. Geeta Rani, w o Sh. Narender Kumas Smt. Indu w/o Sh. Vijay Kumar.

Sh. Vijay Kumar s/o Shri Panna Lal, Sh. Panna Lal s/o Sh. Munna Lal and

Smt. Krishna Devi w/o Sh. Panna Lal, R/os. 1784, Kucha Lattoo Shah, Dariba Kalan, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforeasid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Prop. No. 879/1, Kidar Building, Subzi Mandi, Delhi. Free-hold, 77.74 Sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq. 11/SR-1/7-85/170.—Whereas 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Portion of property No. 879/1, Kidar Building Subzi Mandi Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Smt. Sushila Devi w/o Shri Vinod Kumar Jain, R/o C-4/37, Safdarjung Development Area, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Anita w/o Sh. Surender, Kumar 2. Smt. Gceta Rani, w/o Sh. Narender Kumar, 3. Smt. Indu w/o Sh. Vijay Kumar,

4. Sh. Vijay Kumar s/o Shri Panna Lal, 5. Sh. Panna I al s/o Sh. Munni Lal and

6. Smt. Krishna Devi w/o Sh. Panna Lal, R/os. 1784, Kucha Lattoo Shah, Dariba Kalan, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Prop. No. 879/1, Kidar Building, Subzi Mandl, Delhi. Freehold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

(1) 1. Sh. Jagat Ram s/o Sh. Sanwal Dass & 2. Smt. Daya Wanti w/o Sh. Jagat Ram R/o B-130, Dehrawal Nagar Delhi.

(2) 1. Sh. Baldev Raj Chawla S/o Sh. Sunder Dass Chawla &

Smt. Sudesh Chawla w/o Sh. Baldev Raj Chawla R/o

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

KC/23-A, Ashok Vihar Phase-I, Delhi-52. GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq. 11/SR-1/7-85/171.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immuvable property having a fair months to the them. immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. K-3/5, Model Town, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) racflitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mesome arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underlighed :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. K-3/5, measuring 272.2 Sq. yds. in Model Town Delhi. Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-3-1986

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGF-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/7-85/172.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-3/6 Rajouri Garden, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Mrs. Sur Gian Kaur w/o Mohinder Singh,
 Mr. Sur Rash Pal Singh S/o late Sh. Mohinder Singh,
 Miss Sur Balwinder Kaur D/o

Mohinder Singh and

Mr. Sur Ravinder Singh s/o late Sh. Mohinder Singh R/o A-2/59 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Ranjit Singh Gujral S/o Gian Singh Gujral, Smt. Amarjit Kaur Gujral w/o Sh, Ranjit Singh Gujral & Sh. Paramjit Singh S/o Sh. Man Mohan R/o J-12/34 Rajouri Garden, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a gericd of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. B-3/6, Rajouri Garden area of Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

(1) Sh. Motu Mal Pariani S/o Late Sh. Dharam Dass Pariani R/o B-5/11, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Kamaljit Kaur W/o
S. Udham Singh Ahluwalia,
2. S. Arvinder Preet Singh and
3. S. Gurpreet Singh sons of
S. Udham Singh Ahluwalia R/o
5/11, Railway Colony, Kishan Ganj, Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq. 11/SR-1/7-85/173.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 11 Block B-5, Rajouri Garden Vill, situated at Bassal Darapur Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent considertation and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the struce of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house on free-hold Plot No. 11, in block B-5, measuring 255 sq. yds. situated at Rajouri Garden area of Vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi. Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq. IL/SR-I/7-85/174.—Whereas I, R, P, RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Plot No. K-88, Kirti Nagar, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dina Nath Kaul S/o Shri Kesho Ram Kaul, R/o K-88, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Suraj Prakash Sahni & Sons. (HUF) through its Karta Sh. Rakesh Sahni S/o late Shri Sutaj Prakash Sahni R/o 4/41, Western Extn., Area Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

One two and a half storeyed pucca built up house built on a Plot No. K-88, situated at Kirti Nagar, New Delhi area measuring 150 sq. yds. Free-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/7-85/175.—Whereas I, R. P. RAJESH.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the higome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-7, Rajouri Garden, New Delhi (Ground Floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July. 1985

New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (3) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Om Parkash Sehgal S/o Sn. Vishan Dasa Sengal R/o B-5/161, Seldarjang lenclave, New Delhi (Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Khosla w/o Shri Dharam Parkash Khosla R/o A-7 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor of property No. A-7, mg. 217 Sq. yds. situated at Rajouri Garden area of village Bassai Darapur Delhi State Delhi. Free hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act.) hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submeether (1) of Section 269D of the said Act. to the following nersous namely :-

Date: 4-3-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Smt. Bhagwanti Sehgal W/o late Sh. Vishan Dass Sehgal R/o B-5/161, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Dharam Parkash Khosla S/o Shri Krishan Khosla R/o A-7, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/7-85/176.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A-7 Rajouri Garden New Delhi (First and Second floor)

situated at New Delhi

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on July, 1985

New Delhi on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasiof the transferor to pay tax under the said. Ass, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

First and second floor of property No. A-7, measuring 217 Sq. yds. situated at Rajouri Garden area of Vill. Bassai Darapur Delhi, Delhi State. Free hold.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---95-16 GI/86

Date: 4-3-1986

Seal;

FORM ITNS----

(1) Smt. Harsharan Kaur R/o 7/31, S. P. Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Indu Khurana R/o 7/31, S. P. Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-85/177.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Or. No. 7/31, South Patel Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning activen in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. 7/31, South Patel Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following

Seal:

Date: 4-3-1986

persons, namely :---

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-[I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq. 11/SR-1/7-85/178.--Whereas I,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Bearing part property No. 4398-4399 5-A (First floor) situated at Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985

New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :-

- a) facilitating the reduction or evasion of the finishity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) M/s. Joti Parshad Bishan Lal (HUF) B-518 New Friends Colony, New Delbi through Shri Bishan Lal Kanodia S/o Joti Parshad, R/o B-518, New Friends Colony, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. West Coast Paper Mills Ltd., Hazari Mal Somani Marg, Shri Niwas House, Fort Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor having an area about 1300 sq. ft. approx. bearing part Prop. No. 4398-4399, situated at 5-A Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi-110002, Free hold.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

(1) Sh. Sanjay Govil S/o Shri M. L. Govil r/o 114 Jor bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/7-85/179.—Whereas 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. B/6, Property No. 1/2 (4736) Emca House, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). situated at 23 Ansari Road, Daryagani, New Delhi New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Master Abhinav Jain s/o Shri Sudhir Kumar Jain r/o 5-A Bela Road, Civil Lines, Delhi-110054, minor under the guardinship of his father and natural guardian Sh. Sudhir Kumar Jain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/6, consisting of one room together with proportionate share in the bathrooms and stairs, lift well and common passage etc. measuring 632.314 sq. fts. approximately covered area part of property No. 1/2(4736) known as Emca House, 23, Ansari Road, Daryagani, New Delhi. Free-hold.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Λcq II/SR-I/7-85/180.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 110 Property No. 1/2 (4736) Known as Emca House, situated at 23-Ansari Road, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Eability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Manohar Lal Govil s/o Sh. S. N. Govil (Deceased), r/o 114, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferor)

14391

(2) Mrs. Sarita Gupta W/o Col. S. C. Gupta, r/o 22, Sri Ram Road, Civil Lines, Delhi-110054.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 110, consisting of one room together with proportionate share in bathroom and stairs lift, well and common passage etc. measuring 454.824 sq. ft. covered area, Part Property No. 1/2(4736), known as Emca House, 23-Ansari Road, Daryaganj Delhi Free hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(1) Sh. Lal Chand Dhingra R/o 3813 Mori Gate, Delhi.

(Transferor)

M/s Jodh Hosiery Works, Dal Bazar Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME_TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION KANGE-II. NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/7-85/182.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property bearing No. 3813, Gali Babu Wali, Mori Gate

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Regisering Officer at New Delhi in July, 1985 for an app cent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Property bearing Mpl. No. 3813 Gali Babu Wali, Mori Gate,

R, P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :-

Date: 4th March 1986

Delhi. Freehold.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and the second s

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-85/182,-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 5/17-B, Rop Nagar, Delhi-7
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been ransferred under the 1.T. Act, 1961 in the Office
of the registering Officer at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pariets has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (*) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

 Shri Jatinder Mohan Ahuja,
 5/17-B, Roop Nagar, (Old Address)
 Curzon Road, Dalanwala Dehradun (U.P.) (Present Address)

(Transferor)

(2) Shri Gauri Shanker Gupta, Vinay Kumar Gupta, Smt. Santosh Gupta Smt. Rama Rani Gupta, (All R/o 25/128-29, Agarwal Marg. Shakti Nagar, Delhi).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of thin notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE 5/17-B. Roop Nagar, Delhi-7 (Residentail House).

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said sec, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iferestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4th March 1986

- (1) Sh. Virendra Nath Gupta S/o Sh. Gopal Swaroop Singhal R/o E-14, Hauz Khas, New Delhi (Transferor)
- (2) Smt. Madhu Aggarwal W/o Sh. Krishan Kumar Aggarwal R/o No. 46 Model Basti, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING - ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SRΛ-I/7-85/183.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No. P. No. 3184, situated at P. No. 3184, Lal Darwaa,

Bazar Sita Ram Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in he Office of the Registering Officer at New Delhi

in July, 1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the raid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

P. No. 3184, measuring about 75 sq. yds at Lal Darwaza, Bazar Sita Ram, Delhi. Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely :-

Date: 4th March 1986

FORM IT'NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Dolhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-85/184.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-90 Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been market under the Registration Act. 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the Office of the registering Officer at New Delhi on

July 1985

96---16GI|86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. #amely :-

(1) Sh. Joginder Pal Gupta, Jugal Kishore Gupta & Manchar Lal Cupia sons of late Shri Hans Raj Gupta all R/o J-90 Kirti Nagar New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Hari Narain Shah s/o Sh. Shiv Dayal and Smt. Sheel Shah W/o Sh. Hari Narain Shah R/o L-19, Kirti Nagar New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARIANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two and half storeved house on Plot No. J-90 mg. 223.1/3 39 Sq.yds. situated at Kirti Nagar area of Vill. Bassai Darapur Delhi State. Delhi, Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi

Date: 4th March 1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/7-85/185.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 8-455, Kh. No. 11, Vill. Bharola, Colony, known as Majlis Park Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eventon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) furthering the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-tax Acr 1937 (27 of 1957);

(1) Sh. Satya Pal Nagpal S/o Sh. Gain Chand Nagpal R/o B-455. Gali No. 5, Majlis Park Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar S/o Sh. Devi Dayal Sethi and Smt. Kiran Sethi W/o Sh. Ashok Kumar R/o B-455, Gali No. 5 Majlis Park Delhi-33 (Tranger -ce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the recpective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-455, built on a free-hold plot meas. 100 sq.yds out of Kh. No. 11 Vill. Bharola, Colony known as Majlis Park Delhi. Free-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4th March 1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/7-85/186.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
H. No. B-51, Rajan Babu Road, Adarsh Nagar Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961
in the Oilice of the registering Officer at New Delhi on
July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Prem Nath Dhingra S/o Sh. Gopal Dass R/o B-51, Rajan Babu Road, Adarsh Nagar, Delhi

('Transferor)

(2) Dr. Surinder Aggarwal & Smt. Laxmi Devi R/o BT-5 Shalimar Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. B-51, Rajan Babu Road, Adarsh Nagar Delhi. 150 Sq.yd. Free hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4th March 1986

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/7-85/742 -- Whereas. 1. I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomo tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. N-13, Mukherjee Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :---

- (a) facilitating the fedgetion or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any recovers or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Pooran Chand, H/9 Hudson Line, Kingsway Camp, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Janak Rani Chhabra C/o Shri Vikram Kapoor Advocate, 1478, Krishna Lodgo Chandni Chowk Delhi-110006.

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N-13 Mukherjee Nagar, Delhi, Plot Measuring 160 Sq. yds. Lease-hold.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, New Delhi

Late: 4th March 1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/37-EE/7-85/743.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4398-4399 situated at Ansari Road,

Daryaganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tausfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys er other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 10. I tangete matiste proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Bishan Lal Kanodia, Karta, M/s. Jyoti Patshad Bishanlal HUF B-318 New Friends Cotony New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) The West Coast Paper Mills Limited Chreeniwas House, Hazarimal Somani Marg, Bombay-400 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publicator; of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor having an area of about 1300 sq.ft bearing Home No. 4398-4399 litted with electricity and water connections situated at 5-A, Ansari Road, Daryagani, New Delhi. Free hold.

R, P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, New Delhi

Date: 4th March 1986

(1) Rishi Pal Properties (P) Ltd., 704 Pragti Tower Rajindra Place, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kartai Kaur 2, Mrs. Amar Jyoti, 1565 Church Road, Kashmere Gate, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Rcf. No. 1AC/Acq.11/37EE/SR-1/7-85/744,--Whereas I, R .P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. Flat No. 204, 2nd floor Pal Mohan Apartment N.W.A.

Punjabi Engin New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been to insterred under the Registration I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and to expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor Pal Mohan Apartment N.W.A. Puniabi Bagh. New Delhi. Free hold.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspectig Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4th March 1986

Seal ·

(1) M/s. High Tower Builders 4-Racquet Court Road Civil Lines, Delhi-54,

('fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Gulab Singh s/o Sh. Dalip Singh r/o 29 Banglow Road, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELIHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. JAC/Acq-II/SR-I/37-EE/7-85/745.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 23, No. 4 Racquet Court Road, Civil Lines,

Delhi-54

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi on

July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve: period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er THE SCHEDULE

Flat No 23 of proposed apartment No 4, Racquet Court Road, Civil Lines, Delhi-54. Approx. 1260 Sq.ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under succeeding (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Date: 4th March 1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/7-85/37-EE/747 — Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Encome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. FF-106/1st floor, plot No. 5-6-7

situated at Local Shopping Centre, H-Block Ashok Vihar

Phase-I Dolhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act 1961 in the office of the registering Officer at

New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Nippun Construction (Pvt.) Ltd. &C/3, W.E.A. Karol Bagh New Delhi-110005 (Transferor)
- (2) M/s Maini Chawla & others J-13/22, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective reisons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immosable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-106/lst floor, plot No. 5-6-7, Local Shopping Centre, H-Block. Ashok Vihar Phase-I, Delhi 285 Sq.ft. super area lease-hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, New Delhi

Date: 4th March 1986

Contact Contactive Security

FORM I.T.N.S.—

 Sh. Kajesh Chugh Ro/ 217 Bharat Nagar Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Shashi Gupta R./o A/18 Swaran Sirgh Road, Adarsh Nagar Delhi-33. (Transforce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Dolhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-I/37-EE/7-85/748.—Whereas I R. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-2078 Derawal Nagar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi on July 1985

the registering Officer at New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been stuly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immersole property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B/207-B, Derawal Nagar Delhi, measuring 134.11 Sq.yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4th March 1986

Scal :

97-16GI|86

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE,

4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

IAC/Acq.-II/37EE/SR-I/7-85|749.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

FF-303/3rd floor Plus 151 sq. ft. Plot No. 6, Kirti Nagar Local Shopping Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) incilitating the reduction or evenion of the linkfilty of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers **E47**00
- (b) facilitating the concealment of any income or any enoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Hakumat Rai & Associated (P) Ltd., C-2/4 Comm. Shopping Centre, Ashok Vihar Phase-II, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. R. L. Taneja, HUF E-87A, Mansrover Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-303/3rd floor, plus 151 sq. ft. open terrace, plot No. 6, Kirti Nagar, Local Shopping Centre, New Delhi, Lease hold 318.5 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI AĞGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-II/37-EE/7-85/750.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'sait Act'), have reason to believe that the immovable

as the sait Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.
BE-4/Basement, Plot No. 6, Kirti Nagar situated at Local Shopping Centre, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; uni/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

- (1) Shri Hakumant Rai, & Associates (P) Ltd., C-2/4, Comm. Shopping Centre, Ashok Phase-II, Delhi. Vihar
 - (Transferor)
- (2) Mrs. Kavita Seonie, 37, Hanuman Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazitta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

BF-4/Basement, Plot No. 6, Kirti Nagar, Local Shopping Centre, New Delhi. Lease-hold 338 sq. ft.

> R. P. RAJESII Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-IJ/37-EE/7-85/751.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereis after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 101, A-12, 13, Ansals Building situated at Dr. Mukhcrjee Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereit), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Dulhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, at respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mrs. Rajender Kaur w/o Sh. Ishar Singh, 101-E, Old Gupta Colony, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) M/s. Rhydburg Pharmaceuticals, .25/51, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, A-12, 13, Ansals Building, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi. Lease-hold.

R. P. RAJESH
Competer t Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IΛC/Λcq.-II/37-EE/7-85/752.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201 at S.F. Plot No. 6, L.S.C. situated at Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M/s. Hakumat Rai & Associates (P) Ltd., C/2/4, L.S.C. Ashok Vihar Phase-II, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sita Devi Aggarwal, 8623, Gaushala Marg, Kishan Ganj Road, Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 44 are defined in Chapter XXA of the said Ass, shall have the same meaning as g ven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201 at S.F. measuring about 283 sq. ft. Plot N 6, L.S.C. Kitti Nagar, New Delhi. Lease-hold.

> R. I. RAJESH Competen Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi / New Delhi

Date: 4-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-II/37-EE/7-85/753.--Wheteas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

FF-301/3rd Floor, Plot No. 6, Kirti Nagar situated at Local Shopping Centre, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Hakumat Rai & Associates (P) Ltd., C-2/4, Comm. Shopping Centre, Ashok Shopping Centre, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Karam Singh, 3/24, Industrial Area Kirti Nagar, Kirti Nagar Local Shopping Centre, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-301/3rd Floor, Plot No. 6, Kirti Nagar Local Shopping Centre, New Delhi. Lease-hold 271 sq. ft. super area.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-II Dolhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

PORM ITNO

(1) M/s. Hakumat Rai & Associates (P) Ltd. C-2/4, Comm. Shopping Centre, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi.

1-C, 155-156, Namdhari Colony, Ramesh Nagar.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING AMERICANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-II/37-EE/7-85/754.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. FF-302/3rd Floor, Plot No. 6, Kirti Nagar situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

(2) Smt. Mahinder Kaur,

New Delhi.

- (a) by any of the aforesald persons which a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-302/3rd Floor, Plot No. 6, Kirti Nagar, Local Shopping Centre, New Delhi, plus open terrace. Leasehold Super Area 356.50 sq. ft. plus open terrace 151 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-3-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Hakumat Rai & Associates (P) Ltd., C-2/4, Comm. Shopping Centre, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ajanta Arts & Handicrafts, G-44, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-II/37-EE/7-85/755.--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
FF-202/2nd floor, Plot No. 6 situated at FF-202/2nd floor, Plot No. 6, Kirti Nagar. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evacion of the Nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given the that Chapter.

THE SCHEDULE

FF-202/2nd floor, Plot No. 6, Kirti Nagar, Local Shopping Centre, New Delhi. Leasehold 292 sq. ft. Super area.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 4-3-1986

FORM ITNS .--

(1) M/s. Nippun Construction (P) Ltd., 8C/3, W.E.A., Karol Bagh, New Delhi-110005. (Transferor)

(2) Sh. Inderjit Sharma, D-13, Ashok Vihar Phase-I, Delhi-110052.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. 1AC/Acq.-II/37-EE/7-85/756.—Whereas, I. R. P. RAJESH. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. FF-109/1st Floor, Plot No. 5-6-7, situated at Local Shopping Centre, H-Block, Ashok Vihar Phase-I, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

THE SCHEDULE

FF-109/1st Floor, Plot No. 5-6-7, Local Shopping Centre, H-Block, Ashok Vihar Phase-I, Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :-

Date: 4-3-1986

Seal:

98---16G4|\$6

FORM MINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-LAGGARWAL HOUSE,

4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-II/37-EE/7-85/757.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

A 23 & 24 Dr. Mukherji Nagar. Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Incorne-tax Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as rereal to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Kingsway Construction Company, Eros Cinema Building, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Satija Builders and Financiers Private Limited, 790, Dr. Mukherji Nagar, Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Built-up Space 12,000 sq. ft. on plots A 23 & 24 Dr. Mukherji Nagar, Delhi-9.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986 Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. S. B. Sales Private Limited, (Builders & Promoters) U2-1, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. (Transferor)

The state of the s

(2) M/s. R. I.. Kanhaya Lal Agencies, 258, Katra Pyarelal, Chandni Chowk, Delhi. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-II/37-EE/7-85/758.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 113 on 1st floor situated at in proposed building Space No. 113 on 1st floor situated at in proposed building

Syndicate House Plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in Ho Office of the Registering Officer at New Deihi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than sifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Space No. 113 on first floor in proposed building Syndicate House, Plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super buit up area of 320 sft. Leasehod.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-3-1986

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-II/37-EE/7-85/759.—Whereas I, R. P. RAJESH, bein_{ls} the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 202A V/2389, Chatta Shabji Chawari Bazar situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any uncome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following passens, namely:—

- (1) M/s. Alpine Properties (P) Ltd., V/2389, Chatta Shahji Chawri Bazar, Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. Saroj Gupta w/o Shri Suresh Chand Gupta, r/o2379, Tilak Street, Chunna Mandi, Paharganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property bearing No. 202A having a carpet area of 70 sq. ft. on 1st floor of property at V/2389, Chatta Shahji Chawari Bazar, Delhi. Free hold.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

(1) Shri S. Prithi Pal Singh, B-56, G. T. Karnal Road, Delhi-33.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Joginder Malhotra, K-1/47, Model Town, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/7-85/760.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-15, G. T. Karnal Road, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

B-I), G. T. Karnal Road, situated at Delni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the immediate to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning on given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-15 Karnal Road, Delhi-110 003. Leaschold, G. F. 2269.52 sq. ft. F.F. 469.43 sq. ft. Mazanine 563.20 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

Commence of the second second

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/7-85/761.—Whereas, 1. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Space No. 5-B ground floor Samuat Bhawan. A-7-8-9 situated at Rajinder Nagar Community Centre New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registring Office at of the registering Officer at New Delhi.

on July 1985

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-teg A t. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely .--

(1) Baby Bhawana Malhotra D/o Mr. Suman Malhotra D-25G, N.D.S.E. Part-II, New Delhi-110049.

(Transferor)

(2) Miss Anu Arora D/o Mr. Acharaj Lal Arora 15/42, Punjabi Bagh, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immsevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

 EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Showroom Space No. 5B on ground floor Samrat Bhawan Λ-7-8-9, Ranjit Nagar Community Centre, New Delhi measuring 260 Sq. ft. super area Lease hold.

> R. P. RAJESH, Competent_Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-3-1986

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/7-85/762.—Whereas, I, R. P. RAJESH, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Space No. 6B Ground Floor Samrat Bhawan situated at A-7-8-9, Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi measuring 271 Sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi. on July 1985

New Delhi.
on July 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

- (1) Master Satyan Parkash S/o Mr. Udayajeet Parkash 33, Sundar Nagar New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Ram Kumar Kesar and Sh. Satish Kumar Dutta V.P.O. Jadiala (141303) Distt. Jallandar (Punjab). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Show-room Space No. 6B on Ground Floor Samrat Bhawan, A-7-8-9 Ranjit Nagar, Community Centre, New Delhi measuring 271 Sq. ft. super area. Lease hold.

R, P. RAJESH, Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-3-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACOUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/7-85/763.—Whereas, I.

Ref. No. IAC/Acq.II/5/EE/1-05/105.—WINDOWN, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a foir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Show Room Space No. 5A Samrat Bhawan, situated at A-7-8-9, Ranjit Nagar Community Centre New Delhi.

Centre, New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at

New Delhi. in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitein of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 249D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Baby Sumedha Malhotra D/o Sh. Suman Malhotra D-25G N.D.S.E. Part-II, New Delhi-110049.

(Transferor)

(2) Master Amit Arora S/o Sh. Acharaj Lal Arora 15/42, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Show-room Space No. 5-A on Ground Floor Samuat Bhawan, A-7-8-9 Ranjit Nagar Community Centre, New Delhi measuring 269 Sq. ft. Super area Leasehold.

> R. P. RAJESH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-3-1986

(1) M/s Allied Construction Co. G-5, Deepali 92 Nehru Place New Delhi-110019.

(2) Sh. Vijay Kapoor, H.D.-18 Pritampura Delhi,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/7-85/764.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 119 Plot No. 2 Old Rohtak Road,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at

New Delhi. on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 119. Area 425 Sft. at Plot No. 2 Old Rohtak Road, Delhi Leasehold.

> R. P. RAJESH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-99-16 GI/86

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Bhannot Properties & Industries Limited 102, 103 Raja House, 30-31 Nehru Place New Delhi,

(Transferor)

(2) Raj Kumar Nayyar H. No. 72, Shyam Nagar Rajpura Distt. Patiala Punjab. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/7-85/765.—Whereas, I, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 304 on Illrd floor situated at

Plot No. B-1 Azadpur Commercial Complex Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at

New Delhi. on July 1985

on July 1983 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tag under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 '27) of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304 on IIIrd floor having approx super area of 350 Sq. ft. on Plot No. B-1/2 Azadpur Commercial Complex Delhi.

> R. P. RAJESH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE NEW DELHI

New Delhi, the 5th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/JAC/Acq.II/37EE|7-75|766,— Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the to as the said Act), have reason to believe that the immuvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 312 Plot No. B-1/2 Azadpur Commercial Complex Delhi situated at Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act. 1961 Registration (and the complex fully described in the Complex Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Deihi

on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Bhanot Properties & Industries Limited, 102-103 Raja House, 30-31, Nehru House, Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Anita Bhandari, R. Bhandari S. Bhondari Kaushal Clinic Mandi Gobind Garh (Distt. Patiala) Punjab.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 312 on third floor having an area of 310 Sq. ft in plot No. B-1/2 Azadpur Commercial Complex Delhi Building to be constructed,

> R. P. RAJESH, Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

ate: 5-3-1986

on July 1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and the second s

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. 1AC/Acq.II/37EE/7-85/767.—'Vhercas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Insome tax Act, 1961 (43 of 1961) (nareau the referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201/A-10-11 Bhandari house, situated at Commercial Complex, Dr. Mukherji Nagar Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1951 in the Office of the registering Officer at New Delhi.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Incomptax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this no ice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, as the following persons, namely:—

 Sh. Neeraj Kumar Jain S/o Sh.
 K. Jain R/o C-5/31, Rohtak Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. J. B. Sharma S/o Sh. L. C. Sharma C-8/245 Yamuna Viher, Delhi-110053.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within h period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the cate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201/A-10-11, Bhandari House, Commercial Complex, Dr. Mukherji Nagar, Delhi-110 009 area comprising of 431 Sq. ft. Leasehold.

R. P RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-3-1936

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/7-85/768.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-50, Phase-I, Ashok Vihar situated at Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi. on July 1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 2.69°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this effice notice under sub-section (1) of Section 2.69°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. G. P. Sanghi, Ex-r/o E 50, Ashok Vihar Phase I, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Jain Praveen Kr. Jain & Naveen Jain all presently, r/o E-50, Ashok Vihor Phase I, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

E-50, Phane I, Ashok Vihar, Delhi Single Stareyed.

R. P. RAJESH
Competen: Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi.

Date: 4-3-1986

Scal:

(1) Raj Parkash, 69A, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Raj Verma, G-94, Ashok Vihar-I, Delhi-110052.

(Transletce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.JI/37EE/7-85/769,--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11ot No. AK-5, Shalimar Bugh,

situated at Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi. on July 1985

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /ec

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. AK-5, Shalimor Bagh, Delhi-33.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Nov, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-3-1986

FORM TINE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/7-85/770.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. G-10 Allied House, situated at 2 Old Rohtak Road, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi. on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Allied Construction Co. 5/92, Deepali, Nehru Place, New Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. Pawan Kumar Jain & Mrs. Uma Jain L-105, Shastri Nagar, Sarai Rohilla Delhi-110052.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-10 Area 104 Sq. ft. on ground floor at Allied House, 2 Old Rohtak Road, opposite Shahzadabad Bagh, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sh. Chander Parkash Sharma C/o Sh. V. S. Sharma LPT 334, Sarojini Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. B. K. Dhingra, 1st Floor, Flat No. 316, S.F.S. Rajouri Garden

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/7-85/771.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. EC 316, S.F.S. Rajouri Garden situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi.

on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the enid instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. EC-316 S.F.S. Rajouri Garden New Delhi. Leasehold 1300 Sq. ft,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-3-1986

FORM LINS-

(1) Smt. Santosh Malik Flat No. 8 Double Storcy Mkt. New Rajinder Nagar New Delhi.

(2) M/s. Gaurav International 13.2, W.H.S. Kirti Nagar New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/7-85/771A.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18/2 W.H.S. Kirti Nagar, New Delhi situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi.

on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the wonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial plot No. 18 Block No. 2 Kirti Nagar, Ware Housing Scheme, area of Village Basai Darapur Delhi. 400 Sq. vds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-100-16 GI/86

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/3-86/1096.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00,000/or and bearing No. Plot No. XL-I/IUA Chanderawal Road, Delhi situated at Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the presidence Office of the registering Officer at the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at

New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) M/s United Properties, 5 Shankaracharya Marg, Civil Lines, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jitendra Kumar Gupta, S/o Lala Ram Kanwar, 2944, Kucha Mai Das, Bazar Sita Rom, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

2982, Sq. ft. of basement, 1000 Sq. ft. Gr. floor & 993 Sq. ft. of mezannine, all constructed covered area of the property to be constructed on plot No. XL-I/IUA Chanderewal Road, Delhi. Free-hold.

R. P. RAJESH Competent Authority * Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 4-3-1986

FORM ITNS---

(1) Prabhat, Alias Vasantkumar Madhavji Karia. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 14B INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shreeneth Textiles.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7232/-85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Unit No. 103, Navyug Indl. Estate, 1st floor, Ganpati Baug. Dr. 1okershi Jivraj Road, Sewri, Bombav-15 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to pelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; NUMBER / CMT

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 109, Navyug Ind. Estate, 1st floor, Ganpati Baug, Dr. Fokershi Jivrai Road, Sewri, Bombay-15.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6796/85-86 on 9-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-3-1986

Scal:

(1) Mrs. Javshree Deepak Soni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mulchand Nemehand Varaiya and Smt. Chandben Nemchand Varaiya.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-1/37EE/7246/85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, Veena Vihar, 2nd floor, 17-A, Flank Road, Sion (East), Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

THE SCHEDULE

(a) Accilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 201, Veena Vihar, 2nd floor, 17-A, Flank Road, Sion (East), Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6809/85-86 on 9-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 3-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Shri Laxmichand Ganeshilal Gupta and Smt. Geetadevi Laxmichand Gupta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7248/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Hat No. 3, 1st 11001, Patel & Gupta Towers, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Patel & Gupta Towers, B. G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6811/85-86 on 9-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saw Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1986

(1) Pravinchandra L. Shah, Aryan Trading Co. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2)1. Dr. (Mrs.) U. B. Saraiya,2. B. R. Saraiya.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7377/85-86.—Whereas, 1 NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Consulting Room No. 203, 'Doctor Centre' August Kranti Marg, Kemps Corner, Bombay-36

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object et :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Consulting Room No. 203, 2nd floor, 'Doctor Centre' August Kranti Marg, Kemps Corner, Bombay-36.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6933-A/85-86 on 19-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-3-1986

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. ΔR-I/37EE /7447/85-86,---Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1-lat No. 52, 5th floor, Warden Court, August Kranti Marg, Bombay-36

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Shantaben J. Shah.

(Transferor)

(2) Shri Rameshchandra B. Shah, Snit. Basumati R. Shah.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

(4) Transferor.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 52, 5th floor, Warden Court, August Kranti Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/7001/85-86 on 25-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-3-1986

Scal:

(1) Dr. B. S. Singhal Trustees of Seemesh Trust.

(Transferor)

(2) Shri C. D. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7271/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 107, Kshamalaya Premises Co-op. Soc. Ltd., 37, New Marine Lines, Bombay-20 (and more fully described in the schedule annexed berefo).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 10-7-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andloc

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall bave the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

Office No. 107, 1st floor, Kshamalaya Premises The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6832/85-86 on 10-7-1985.

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 3-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Raf. No. AR-I/37EE/7320/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-38. Nirmal Niwas Building 2, 79/81, August

Kranti Marg, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons namely :-101-16 GI/86

- (1) Smt. Bhanumati S. Merchant and Chandrakant S. Merchant
- (2) Dineshchandra M. Shah and Smt, Jyotsha H. Shah.

(3) Transferees.

(Transferee)

(Transferor)

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. B-38, Nirmal Niwas Building 2, 79/81, August Kranti Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6877/85-86 on 12-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-3-1986

(1) Mrs. Parul A Sheth.

(Transferor)

(2) M/s. Onkar Travels Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

(4) Builders-Makers Development Service P. Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

GOVERNMENT OF DEPLA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(NOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7347/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 141, 14th floor, Maker Tower J, Cuffe Parade,
Bombay-400 005

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition or the saud preparty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability on the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and for

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937); THE SCHEDULE

Flat No. 141 on the 14th floor, Maker Tower J. Plot Nos. 73A, 74, 83, 84 and 85 of Block V, Backbay Reclamation Scheme, Cuffee Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under S. No. AR-I/37EF/6904/85-86 Authority, Bo on 16-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

therefore, in pursuance of Section 269C of the st Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-3-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Pushpa Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mrs. Vanmala K. Shah.

(Transferee) (4) Builders—Makers Development Service P. Ltd.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMID-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7348/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 64-B, Gr. floor, Maker Arcade, Cuffe Parade,

Bombay-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Combay on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and for

Shop No. 64-B on the ground floor, Maker Arcade in the complex known as Make, Towert, Plot Nos. 73A, 74, 83, 84 and 85 of Block V of Backbay Reclamation Scheme, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6905/85-86 on 16-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely: --

Date: 3-3-1986

Scal '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7346/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 16 on the ground floor Maker Arcade, Cuffe

Parade, Bombay-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mail/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely.~

(1) Mr. Ram Sakhrani.

(Transferor)

(2) Mrs. Anita Nagesh Pinge.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)
(4) Builders—Makers Development Service P. Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 16 on the ground floor, Maker Arcade in the complex known as Maker Towers on Plot Nos. 73A, 74, 83, 84 and 85 of Block V, Backbay Reclamation Scheme, Cuffo Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6903/85-86 on 16-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Pravin M. Shah.

(Transferor)

(2) Chandrakant S. Merchand and Bhanumati S. Merchant.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7389/85-86-Whereas I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 9, underground first floor, Best View Society, Ragavji Road, Gowalia Tank, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 19-7-1985

at Bombay on 19-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating use reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. 4.761 JOY

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Underground first floor, Best View Co-op. Hsg. Society, Ragavji Road, Gowelia Tank, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6946/85-86 on 19-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D at the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1986

Scal:

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7156/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 26, 7th floor, Dhanvantari Bhavan CHSL, August Kranti Marg, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 3-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transter with the object of :-

(a) fasilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und or:

y) facilitating the concealment of any income nevs or other access which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shantaben Punamchand Dharia.

(Transferor)

(2) Mr. Anil Rasiklal Jhaveri, Mrs. Hasumati Anil Jhaveri, Mr. Rasiklal B. Jhaveri,

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 26, 7th floor, Dhanvantari Bhavan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 143-B, August Kranti Marg, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6721/85-86 on 3-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-3-1986

==---

FORM ITNS-

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Smt. Hansha Natwarlal Kothari & Shri Natwarlal Shautilal Kothari.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7249/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100.000/- and bearing No. Flat No. 3, 4th floor, Bldg. No. 7B, Worli Campa Cola Compound, B.G. Kher Rd, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 4th floor, Building No. 7B, Worli Campa Cola Compound, B.G. Kher Road, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6812/85-86 on 9-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquistion Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 3-3-1986

FORM ITNS-

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Campaben Shantilal Kothari & Smt. Neela Jitendra Kothari.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:

ACOUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the

Ref. No. AR-I/37EE/7250/85-86.--Whereas I, NISAR AHMED,

publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, 2nd floor, Bldg. No. 7B, Worli Campa Colar Compound, B.G. Kher Road, Bombay-18

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

THE SCHEDULE

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4, 2nd floor, Building No. 7B, Worli Campa Cola Compound, B. G. Kner Road, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6813/85-86 on 9-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I Bombay:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this patice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing nersons namely:-

Dated: 3-3-1986

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel,

(Transferor)

(2) Smt. Shantaben Hiralal Pancholi & Shri Bansidhar Hiralal Pancholi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISTION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7251/85-86.-Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 1st floor, Bidg. No. 7A, Garage No. 3, Palet Apartments, Worli Campa Cola Compound, B.G. Kher Road, Worli, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conceamient of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Building No. 7A, & Garage No. 3, Apartments, Worli Campa Cola Compound, B.G. Kher Road, Worll, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6815/85-86 on 9-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 102—16 GI/86

Dated: 3-3-1986 Seal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Rcf. No. AR-1/37EE/7200/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding

Rs. 1,00,000 /- and bearing No.

Flat No. 102A, 10th floor, 3-Wing, Pachim Apartments, Kashinath Duru Marg, of Veer Savarkar Marg, Dadar (W), Bombay-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manoj Kishin Taurmal & Shri Ashok Kishin Taurmal.

(Transferor)

(2) Shri Jaiprakash Chawla & Smt. Chanda Jaiprakash Chawla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imenovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sand Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102-A, 10th Floor, 4-Wing, Pachim Apartments, Kashinath Duru Marg, Off Veer Savarkar Marg Dadar (W), Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No AR-1/37EE/6764/85-86 on 5-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquistion Range-I
Bombay

Dated : 3-3-1986

Scal:

44, 43, 41, 21

FORM ITNS-

(1) Shri Girdharidas Wadhimal & Shri Ramchand Lilaram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sentinel Uniform Supplying Co.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7201/85-86.--Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 119, 1st floor, Bldg Creative Indl. Centre, Plot No. 12, C.S. No. 72, N.M. Joshi Marg, Off Lower Parel Divisors Rombay 11

Division, Bombay-11

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Otheral Connetts.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 119, 1st floor, Bldg. Creative Industrial Centre, Plot No. 12, C.S. No.72, N.M. Joshi Parel Division, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6765/85-86 on 5-7-1985.

> NISÄR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I Bombay

Dated: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. R.R. Barot & Mrs. H.R. Barot.

(Transferor)

(2) Mr. E. A. Pandol, Mr. T. A. Pandol, Mrs. P. T. Pandol & Mr. M.T. Pandol,

(Transferec)

COVERNMENT OF IMPLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISTION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7210/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have resson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B/304, 3rd floor, Poonam Apts., Shiv Sagar Estate, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule anneyed here(a)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbellity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

and /or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/304, 3rd floor, Poonam Apts, Shiv Sagar Estate, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6774/85-86 on 5-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I Bombay-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 3-3-1986

(1) M/s. Anand Udyog,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Feroz Mohamedalli Dawoodani,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be unde in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aforesaid persons within

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 21st February 1986

Ref. No. AR-II/37EE/7211/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shops No. 5 & 6, Gr. Floor, Vishwa Kutir Co-cp. Hsg. Socy. Ltd., (Proposed) Plot No. 892, T. P. S. IV, Off Gokhale Road (S), Dadar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent At lority at Bombay on

5/7/198**5**.

for an apparent consideration which is les than the foir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Micial Gazette.

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any rueness or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shops No. 5 & 6, Gr. Floor, Vishwa Kutir Co-op. Hsg. Soc. Ltd., (Proposed) Plot No. 892, T. P. S. IV, Off Gokhale Road (S), Dadar, Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6775/85-86 on 5/7/1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21/2/86

FORM ITNS----

(1) G. S. Sukhlecha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Venus Diamond.

(3) Transferor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 21st February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7417/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 26°B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Office No. 326, Panchratna, Opera House, Bombay-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Autority at Bombay on 244.7/85

for an apparent consideration which is less than the fair marke' value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that for by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incititating the reduction or evasion of the lightity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cleastre or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapters.

THE SCHEDULE

Office No. 326, 3rd floor, Panchiatna, Opera House, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Au hority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6872/85-86 on 24/7/85

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21/2/86

------- ------FORM TIME -

(1) Simla Tyres.

(Transferor)

(2) Gool & Associates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 21st February 1986

Ref. No. AR-II/37EE/7366/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing No.

Office Unit No. 216, Panchratna Building, M. P. Marg, Bombay-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereta), hus been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Autority at Bombay on 17/7/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;----

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bowlanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Office Unit No. 216, 2nd floor, Panchratna Building, M. P. Marg, Bombay-4.
The agreement has been registered by the

authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EH 6923/85-86 on 17/7/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been are which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under collection (1 Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 21/2/86

(1) Dr. Prakash S Sharma.

(2) Smt. Vishaka Umakant Manania.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transeror)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce.

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the Property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 21st February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Ref. No. AR-I/37EE/7344//85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED.

(a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Rs. 1,00,000/ and bearing No.
Flat No. 1107, Panchratna Bldg., Mama Parmanand Marg.
Opera House, Bombay-4.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as piver in the Chapter.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Autority at Bombay on 16/7('85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lucouse arising from the transfer: end/or

> Flat No. 1107, Panchratna Bldg., Mama Parmanand Marg. Opera House, Bombay-4.

> The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6902/85-86 or 16/7, 85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1947 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 21/2/86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 21st February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7199/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000 and braving No.
Office No. 1305, Panchratna, Opera House, Bombay-4.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Autority at Bombay on

5/7/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tennelor: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or with moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

103-16 GI/86

(1) M/s. Shree Pam Diamonds,

(Transferor)

(2) M/s Indo Unique Trading (P) Ltd.

(Transferec)

(3) Transeror.

(Person in occupation of the Property)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office Premises No. 1305, 13th floor, Panchratna Building, Opera House, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37FE/6769/85-86 on 5/7/1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-L Bombay

Date: 21/2/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Nanji Karani, Smt. Pravina K Karani, Mr Jayant M Sanghvi, Bina K Sanghvi, Bhavna D Singhvi. Mr Keshavji B Nagda, Smt. Chandrika K Nagda.

(Trawateror)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 21st February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7283/85-86.—Wheras, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. and bearing shop No. 25A, Ground floor, Panchratna Building, Opera

House, Bombay-4.

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Autority at Bombay on 10/7/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) M/s. Shree Rai Travels & Tours Pvt. Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the eformald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-eation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 25A, Ground floor, Panchratna Building, Opera House Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Anthoniv, Bombay, under S. No. AR-I/37EF/6843/85-86 on 10-7-1985.

> NISAR AHMI D Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

D. te: 21/2/86

FORM ITNS---

(1) Smt. Vimla P Jain.

(Transferor)

(2) M/s Four Star Diamonds.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 21st February 1986

Ref. No. AR-§ 37EF/7178/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000''- and bearing

Office No. 246, Panchratna, Opera House, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Autority at Bombay on 3/7/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in teh said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) is chitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 246, 2nd floor, Panchraina Co-op. Housing Society Ltd., Opera House, Bombay-400 004, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay, under S. No. AR-1/37TE/6744-85-86 on 3/7/1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Bombay

Date: 21/2/86

(1) Mr. D. R. Pattiwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdual Aziz Ahmed.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 21st February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7262/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Sec ion 269B of the neome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,(0,000/- and bearing Shop No. 73, Heera Panna Shopping Centre Bhulabhai Desi Road at Haji Ali Corner, Bombay-34.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Autority at Bombay on 9/7/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have resson to believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fi teen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which he not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 73, Heera Panna Shopping Centre. Bhulabhai Desai Road & Haji Ali Corner, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6824/85-86 on 0.77/1085

9/7/1985.

NISAR AHMED Competert Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the consistion of the aforesaid property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, perrons namely:—

Date: 21/2/86

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr Mukesh R Dadlani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs Shakuntala Nandlal Narang.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 21st February 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/71791/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

> Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 53, Heera Panna Shopping Centre, Junction of 'rardeo Road & Bhulabhai Desai Road, Bombay-26, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Autority at Bombay on

Autority at Bombay on 3/7/1985.

consideration which is less than the fair for an apparent market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 53, Heera Panna Shopping Centre, Junction of Tardeo Road & Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, B. mbay, under S. No AR-1/37EE/6745, 85-86 on 3-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisiti in Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in putsuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid roperty by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 21/2/86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 21st February 1986

Ref. No. AR-J/37EE/7452/85-86.—Whereas 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00,000/- and bearing No. Office Premises No. 1502 15th floor (in lieu of 14th floor) Maker Chamber V, Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Autority at 25,/7/1985. at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; end or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, * hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs Manju Shrestha,

(Transferor)

Shri Balkrishna N Popawala, as Karta of Balkrishna N Popawala, HUF and Smt. Bharati B Popawala.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Builder.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 1502 on the 15th floor, (in lieu of 14th floor) Maker Chambers V, Plot No. 221, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No AR-I/37EE/7006/85-86 on 25 / 7 / 198**5**.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-L Bombay

Date : 21-2-1986

FORM NO. 1.T.N.S.--

(1) D. R. Pattiwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohd, Farooque Haji Ahmed.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 21st February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7209/85-86,-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 74, Heera Panna Shopping Centre Bhulabhai Desai
Road & Haji Ali Corner, Bombay-34.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Autority at Bombay on Autority at Bombay on 5-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 74, Heera Panna Shopping Centre Bhulabhai Desai Road & Haji Ali Corner, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-J/37EE/6772/85-86 on 5-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 21-2-1986

Seal:

(1) M/s S. P. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Badruddin Abdul Majid Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 21st February 1986

Ref. No AR-I/37EE/7355/85-86.--Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 126, Heera Panna Shopping Centre, Haji Ali,

Bombay-34.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Autority at Bombay on

16/7/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property by made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 126, Heera Panna Shopping Centre, Haji All, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6912/85-86 on 16<u>/</u>7/1985.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 21-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 21st February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7451/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 201, Maker Chambers V, Nariman Point, Bombay-21

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement in registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be seve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andier
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the who Act to the following persons, namely:—

104-16 GI/86

(1) Mr. Chetanram T, Rangiani, Mr. Shyam S. Wadhwani, Mrs. Sunita J, Rohera,

as Trustees of G. R. International Trust.

(Transferor)

(2) Mr. Ashvin K. Kapadia.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Builder.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 201, 2nd floor, Maker Chambers V, Plot No. 221, Buckbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay-21

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7005/85-86 on 25-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Dais: 21-2-1986

(1) M/s. Maks International

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 21st February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7449/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office Premises No 37, 8th floor, Free Press House, Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1985
Bangalore vide Registration No. 1530/85-86 dated 29-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(2) Mr. Sanjay Munish, Promotor of M/s. Samu Trading & Export P. Ltd.

(4) M/s. Aesthetic Builders P. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 87 on the 8th floor of the building known as Free Press House, Plot No 215, Block No. III of the Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point. Bombay-400 021.

agreement has been registered by the Competent Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7003/85-86 Authority, on 25-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 21-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 21st February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7433/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 106, C Wing in Mittal Court,

Nariman Point, Bombay-21 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Smt. Hemlata Dinesh Shab,

Smt. Ichhaben A Desai & Smt. Nisha Nareshkumar Mehta.

(Transferor) (2) M/s. Aridhi Investment Consultants Pvt. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any increme arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1937);

Office No. 106 on 10th floor in 'C' Wing in Mittal Court, Plot No. 224, Nariman Point, Bombay-400 021.

agreement has been registered by the Competent ty, Bombay, under S No. AR-I/37EE/6987/85-86 Authority, Boon 25-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 21-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 21st February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7404/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the namovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 706, 7th floor, Tulsiani Chambers, Nariman Point, Bombay-21

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-7-1685

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- () facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Sridev Ramji Mishra.

(Transferor)

(2) M/s, Columbia Leasing & Finance Ltd.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from pervise of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 706 on 7th floor, Tulsuani Chambers, Nauman Point, Bombay-400 021.

agreement has been registered by the Competent The Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6960/85-86 on 25-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 21-2-1986

Sea!:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 21st February 1986

Rcf. No. AR-I/37EE/7350/85-86.--Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 111, 11th floor, Mittal Court, Nariman Point, Bombay-21.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Suid Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-1985

tor an apparent consideration which is less than the fam market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfr with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the treibilerer, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Damyantidevi, alias Dhapudevi B. Gupta, Sint. Pushpadovi P. Gupta, Smt. Kantadevi J. Gupta,

Shri Mahendrakumar P Gupta

Smt. Dekirani Rampurshottam,

Shri Vedprakash Mancharlal, Smt. Meenadev: Govindram &

Smt. Jamnasevi Manoharlal.

(Transferors)

(2) Palladium Trading & Agencies Ltd

(Transferee)

(3) Transferors

(Person in occupation of the Preperty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as sivet Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 111 in 'C' Wing on the 11th floor of Bldg known as Mittal Court, Plot No. 224, Block III, Backbay Reclamation Scheme, Nariman Point, Bombay-400 021.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6907/85-86 on 16-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 21-2-1986

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Therapeutics Chemical Research Corporation. sforec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of that notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, 400 038, the 3rd March 1986

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Ref. No. AR-1/37EE/7225/85-86.—Whereas, 1,

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Nisar Ahmed, weing the Competent Authority under Section 269B of the sncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsftar referred to the 'said Act'), have reason to believe that the numerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 2, & Garage No. 2, Bldg. No. 7B, 6th floor, Patel Apartment, B.G. Kher Road, Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AE of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair NISAR AHMED,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE Flat No. 2, & Garage No 2, Bldg. No. 7B, 6th floor, Patel Apartment, B.G. Kher Road, Worll, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6789/85-86

on 8-7-1985.

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or writch ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1986

(1) Mr. Yusuf Abdulla Ptel.

(Transferor)

(Transfered)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay,400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7224/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Flat No. 1 & Garage No. 1, Bldg. No. 7B, 6th floor, Patel Apartments, B.G. Kher Road, Worli, Bombay-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Diffice of the

section 269 AB of the Said Act in the Diffice of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly thated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the still Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

justimes, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :---

(2) Therapeutics Chemicals Research Corporation.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the pervice of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person incressed in the said immovable property, within 45 days from the publication of this note. The Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 & Garage No. 1, Bldg. No. 7B, Potel Apartment, 6th floor, B.G. 3/4 Eher Read Worli, Bombay 18

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37FE/6788/83-86 on 8-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:---

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-400 038

Bombay,400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7222/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED, heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 602, C-Block, Poonam Apartments. Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule anuexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the band Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said i

(a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monays of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937); (1) M/s, Crest Hotels Limited.

(Transferor)

(2) Shri Arun Bhogilal Mody and Smt. Sudha Arun Mody.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said premerty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, C-Block, Poonam Apartments, Dr. Annie

Besant Road, Worll, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, nnder S. No. AR-I/37EE/6786/85-86 on 8-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-3-1985

PORM ITNS

(1) M/s. Gift Construction Company,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Hiliman Film Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay,400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7221/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 4, Gift-House, Plot No. 940, T.P.S. IV,

Lower Mahim, Prabhadevi Road, Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 209. AB of at: Said Act in the Time of the Competent vathority at Bombay on 8-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the platties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ?----

(a) facilitating the reduction or evaden of the fiability of the transferor to pay tax under the aid. Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Ast, or the Weslth-lax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazatte.

EMPLEMATION:—The terms and expressions used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Gift-House, Plot No. 940, T.P.S. IV, Lower Mahim, Prabhadevi Road, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/377E/6785/85-86 on 8-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-3-1986

Seal:

105-16 GI/86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACOUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay, 400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7278/85-86.---Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 14, 2nd floor, Ram Niwas, A-Wing, Plet No. 226, Sion (East), Bombay-22. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269. AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mai/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namels :---

(1) Shri Laxmichand Nageshi Momaya & Smt. Himabai Laxmichand Momaya.

(Transferor)

(2) Shri Vasantrai Bhagwanji Sanghavi & Smt. Jyotibala Shukhlal Sanghayi.

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given, in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 2nd floor, kam Niwas, A- Wing, Plot No.

226. Sion (East), Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, B on 10-7-1985. Bombay. under S. No. AR-1/37EE/6838/85-86

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Rombay

Date: 3-3-1986

(1) Shri Mahendia Champaklal Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messrs, Jayant Octroi Refund Agency. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMIS OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-L ВОМВЛУ-400 038

Bombay,400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/371/E/7479/85-86 -- Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and better No Office No. 503-D. Steel Chambers, 5th floor, SS-B. Davii Ratanshi Mara Rombus. 9

58-B, Devji Ratanshi Marg, Bombuy-9

58-B. Devji Ratanshi Marg, Bombay-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269. AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-7 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason 19 believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 503-D, Steel Chamber: 5th floor, 58 B, Devji

Ratanshi Marg, Bombay-9.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-J/37ET/7033/85-86 on 26-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Parge-L Bombuy

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Shah & Nahar Developments

(Transferor)

(2) M/s Harisons Apparel Pvt Ltd.

(Transferor)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay,400 038, the 3rd March 1986

Rei. No. AR-1/37EE/7296/85-86.--Whireas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and tearing No.

Unit No. 609, 6th floor, Shah-Nahar (Worli) Light Indl Estate, Worli, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores id property by the issue of this no ice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 609, 6th floor, Shah-Nahar (Worli) Light Industrial Estate, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under S No AR-I/37EE/6854/85-86 on 11-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-L Bombay

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd Morch 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7297/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 17, Gr. floor, Veena Vihar Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Flank Road, Near Shanmukhananda Hall, Sion, Bombay-22, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- far facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferot to pay tax under the eaid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid troperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numery :-

(1) Shri Laxminarayan Puram Narayanswamy Ramesh.

(Transferor)

(2) Shri Shashi Bhushan Goyal & Shri Ravi Kant

(3) Transferees.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, Gr. floor, Veena Vihar co-op, Hsg. Soc. Ltd., Flank Roac Near Shanmukhananda Hall, Sion, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, combay, under S. No. AR-1/37EF 6855/85-86 on 11-7-1985.

NISAR AHMED
Compete at Authority
Inspecting Assistant Commissioner o Income-tax
Acquisition Range I, Bombay.

Date: 3-3-1986

(1) M/s. Shah & Nahar Developments.

(Transferor)

(2) M/s. Harisons Apparel Pvt. td.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Builders.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BOMBAY-400 038

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7295/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 608, 6th floor, Shah-Nahar (Worli) Light Indl. Estate, Worli, Bombay-18. (and more fully described in the Schelule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the soid act, in respect of any income arising from the transfer: and/or.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealta-tax, Act, 1957 (27 of 1937);

Unit No. 608, 6th floor, Shah-Nahar (Worli) Light Indl. Estate, Worli, Bombay-18

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37FE/6853/85-86 on 11-7-1985,

> NISAR AHM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of income-tax Acquisition Rauge-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this rotice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1986

FORM ITNS-

(1) M/s. Shubha Arts.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Amritjyoti Exports.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I-BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7298/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 411, 4th floor, Busa Heavy Indl. Estate, Hanuman Lane, Lower Parel, Bombay-13.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which have noticed against lates. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (E) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 411, 4th floor, Busa Heavy Indl. Estate, Hanuman Lane, Lower Parel, Bombay-13.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6856/85-86 on 11-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the Section 269D of the said Act to the Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1986

(1) Shri Teekeehand Hotchand Chugh & Shri Chunilal Hotchand Chugh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ashadevi Chunilal Chugh Shroff.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7255/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 3, Gr. floor, Dream Land Co-op. Hsg. Soc. Ltd.,
103, sion (West), Bombay-22

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

at Bombay on 9-7-1985

Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: anti/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor, Dream and Co-op, Hsg. Soc. Ltd., 103 Sion (West), Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-1/37EE/6818/85-86 on 9-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-3-1986

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Natwarlal Shantilal Kothari & Smt. Hansaben Natwarlal Kothari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Rcf. No. AR-I/37EE/7252/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 1966 (said Act)), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing

Flat No. 4, 4th floor, Bldg. No. 7, Worli Campa Cola Compound, B.G. Kher Road, Bombay-18.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per count of such apparent consideration and that the consideration for such trainfor an agreed to between the parties has not been traily stated in the said instanment of transfer with the object of the consideration to be a such trainformation to the said instanment of transfer with the object of the consideration to the consideration to the consideration to be a such trainformation to the consideration to t

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect fo any income arising from the transfer; and/or

(b), facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice to the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 4th floor, Bldg. No. 7, Worli Campa Cola Compound, Worli B.G. Kher Road, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-1/37EE/6819/85-86 on 11-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

106—16 GI/86

Date: 3-3-1986

Seal;

(1) Mr. Yusuf Abdullah Patel,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shantilal Jagjivan Kothari & Shri Vinod Shantilal Kothari.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 31d March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7258/85-86.---Whereas, 1, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, 5th floor, Bldg. No. 47A, Wo'li Tampa Cola Compound, B. G. Kher Marg, Worli, Bombay-18. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent **Authority**

at Bombay on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less 'han the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which heave not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 5th fleor, Bldg No. 7A, Worli Campa Cola Compound B. G. Kher Marg, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6820/85-86 on 9-7-1985,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-3-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. Prabhudas Dalichand & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Nitin S. Panwalla.

(3) Transferee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7273/85-86,--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 508, 5th floor, Milan Indl. Estate, Parel Sewree
Division, Cotton Green, Bombay-33.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Person in occupation of the property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 508, 5th floor, Milan Indl, Estate, Parel Sewre Division. Cotton Green, Bombay-33.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6834/85-86 on 10-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-3-1986

FORM ITNS---

(1) Amit Enterprises,

('Transferor)

(2) M/s. Promotional Aids.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7266/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'axid Act') have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 301, 3rd floor, Amit Indl. Estate, 61, S. S. Rao Road, Parel, Bombay-12.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesai! property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration must than ifficen per cent of such apparent consideration that the apparent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chartter.

THE SCHEDULE

Unit No. 301, 3rd floor, Amit Indl. Estate, 61, S. S. Rao Road, Parel, Bombay-12,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6828/85-86 on 10-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, numery :-

Dute: 3-3-1986

FORM ITNS-----

(1) Amit Enterprises.

to the second second

(Transcferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nergiz Truch Subawalla & Mr. Sudhir R. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7267/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 202, 2nd floor, Amit Indl. Estate, 61, S. S. Rao

Parel, Bombay-12,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-7-1985

for an applient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execute the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 202, 2nd floor, Amit Indl. Estate, 61, S. S. Rao Road, Parel, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6829/85-86 on 10-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-3-1986

FORM ITNS——

(1) Lucknowi Arts Private Limited

Mrs. Manjula Jayantilal Shah,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7282/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 7, Ground floor, Bussa Indl. premises Co-op.

Society Prabhadevi, Bombay-25,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned:—

Mrs. Bharti Lalit Shah, Mrs. Asha Niranjan Shah, Mr. Rajesh Kalyanji Shah Mr. Ramesh Kalyanji

Shah, Karta of R. K. Shah, H.U.F.—Paitners of M/s. Interplast.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 7, Ground floor, Bussa Indl. Estate, Bussa Indl. Premises Co-op. Society, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6842/85-86 on 10/7/1985

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7218/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 306, 3rd floor, Amit Indl. Estate, 61 S. S. Rao Road, Parel, Bombay-12.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1985

Authority at Bombay on 8-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belice that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

(1) Amit Enterprises.

The base particular states of the same and the same states of the same

(Transferor)

(2) Mr. Sailesh K. Shah & Mr. Sanjay-U. Ajmera. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 306, 3rd floor, Amit Indl. Estate, 61 S. S. Rao Road, Parel, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6782/85-86 on 8-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 3/3/1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7393/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 607, 6th floor, Shah-Nahar (Worli) Light Indl. Estate, Worli, Bombay-18.

(and more fully d scribed in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Shah & Nahar Developments.

m :.... . /== '=== ..

(Transferor)

(2) M/s. Harisons Apparel Pt. Ltd.

(Transferee)

(3) Builders.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 607, 6th floor, Shah-Nahar (Worli) Light Indl. Estate, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR I/37EE/685185-86

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3/3/1986

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7294/85-86.—Whereas, I, NISAR AMHED

NIGHE ANTIED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 103, 1st floor, Shah-Nahar (Worli) Light Indl. Estate Worli, Rombay-18

Estate, Worli, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922, 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, ir sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons passely:

107-16 GI/86

(1) M/s. Shah & Nahar Developments,

(Transferor)

(2) Dr. Abdul Rahim Kazi.

(Transferee)

(3) Builder.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 103, 1st floor, Shah-Nahar (Worli) Light Industrial Estate, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6852/85-86 on 11-7-1985

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 3-3-1986

(1) Shri S. D. Varma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Paresh Kant.

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7216/85-86.—Whereas, I. NISAR AMHED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. 42, 4th floor, Jayshrec-75, Abdul Gaffar Khan Road,

Worli Sea Face, Bombay-25.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 42, 4th floor, Jayshree-75, Abdul Gaffar Khan Road Worli Sea Face, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6780/85-86 on 8-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1986

FORM ITNS—

(1) M/s. Imprinta.

(2) M/s. Anupam Textiles.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the sald property

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interestd in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

AR-I/37EE/7226/85-86.-Whereas, I, Ref. No. NISAR AMHED,

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 117, 1st floor, Wadala Udyog Bhavan, 8, Naigaum Cross Road, Wadala, Bombay-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Unit No. 117, 1st floor, Wadala Udyog Bhavan, 8, Nai-gaum Cross Road, Wadala, Bombay-31.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6790/85-86 on 8-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26913 of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 3-3-1986

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7227/85-86.—Whereas, 1. NISAR AMHED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing No

Unit No. 311, 3rd floor, Jay Gopal Indl. Estate, 510, B.S.X. Road, Dadar, Bombay-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair anarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respest of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Acc, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Shri M, K. Arondkar, Mrs. V, L. Arondkar & Mrs. N. M, Arondkar.

(Transferor)

(2) Shri S. R. Kubadia, Shri S. R. Kubadia, Shri R. R. Kubadia, Shri S. R. Kubadia & Shri K. R. Kubadia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Casette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same n eaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 311, 3rd floor, Jay Gopal Industrial Estate, 510, B. S. Cross Road, Dadar, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6791/85-86 on 8-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 3-3-1986

(1) Shri Prabhat, Alias Vasantkumar Madhavji Karia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messrs. Elay Textiles.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 Q38

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7231/85-86.—Whereas, I, NISAR AMHED, being the Competent Authority under Section 269

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 110, Navyug Indl. Estate, 1st floor, Ganpati Baug,
Dr. Tokershi Jivraj Road, Sewri, Bombay-15
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
have been transformed and the representation resistant and the

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 9-7-1985

Bombay on 9-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 110, Navyug Indl. Estate, 1st floor, Ganpati Baug, Dr. Tokershi Jivraj Road, Sewri, Bombay-15.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6795_85-86 on 9-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1986

(1) M/s. Todi Industries Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Kaypan International.

(Transferce)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7455/85-86.—Whereas, I, NISAR AMHED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Licome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000- and bearing Basement No. 9, Vyapar Bhavan, 49, P'Dmello Road, Bombay-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Basement No. 9, Vyapar Bhuvan, 49, P'Dmello Road, Bombay-9.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7009/85-86 on 25-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-3-1986

(1) M/s. Thana Acid and Chemical Co.

(Transferor)

N(TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shah Jitendra P. & Shah Mansukh P.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7456/85-86.—Whereas, I, NISAR AMHED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 409, 4th floor, Sharda Chamber No. 1, 31, Keshavji Naik Road, Bombay-9 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-7-1985

'or an apparent consideration which is less than the fair market value of theaforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Office No 409, 4th floor, Sharda Chamber No. 1, 31, Keshavji Naik Road, Bombay-9.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/7010/85-86 on 26-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 3-3-1986

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) Mr. Lalit Sheth.

(Transferor)

(2) Virchand Shah.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7317/85-86.--Whereas, J. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 201. Khajoorwala Chambers, 2nd floor, 313, Narsi

Natha Street, Bombay-9
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (h) by any other person interested in the said research able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 201, Khajoorwala Chambers, 2nd floor, 313, Narsi Natha Street, Bombay-9.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6874/85-86 on 12-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

Date: 3-3-1986

FORM NO. ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7135/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tur Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 53B, Empire Estates B Block, August Kranti Marg

Bombay-400 036

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market viaue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax A IL, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-108-16 GI/86

(1) Smt. Kamala S. Khemlani.

(Transferor)

(2) Shri Amritlal Maneklal Shah.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapted

THE SCHEDULE

Flat No. 53B, Empire Estate B-Block, August Kranti Marg. Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6700/85-86 on 2-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 3-3-1986

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7215/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 902 and Garage No. 7 Prabhu Kutir
Bldg., Akamount Road, Bombay-26
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269 AB of the Said Act. 1961 in the Office of the section 269 AB of the Said Act, 1961 in the Office of the Competent Au hority at

Bombay on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subfaction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Deejay Properties & Construction Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Govinda Restaurants Private Limited.

(Transferec)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferee,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used harein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 902, Prabhu Kutir, Altamount Road, Bombay-26 & Garage No. 7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6772/85-86 on 8-7-1985.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 3-3-1986

(1) Mr. Kuppachi Ramamurthy.

(Transferor)

(2) Smt. Chandanmani H. Shah,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7185/85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immowable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 402, 4th floor, C-Block, New Poornima Apts. CHSL, 23, Pedder Road, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which pught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, C-Block, New Poornima Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 23, Pedder Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6751/85-86 on 4-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namedy :-

Date: 3-3-1986

(1) Mrs. Lila H. Mahtani.

(Transferor)

(2) Mrs. Vinodkumar J. Bhimrajka.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Society.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Rcf. No. ΛR-I/37EE/7305/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR ARMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. C-11, Malbar Apartments, Offr. Napeansea Road, Lala Jagmohandus Marg, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-11, Malbar Apartments, Off. Napeansea Road. Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6863/85-86 on 11-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dato: 3-3-1986

(1) Shri Vijaykumar Ratilal Mehta, Kokila V. Mehta.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tarachand B, Sanghvi & Smt. Babita Tarachand Sanghvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

(a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

(b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/7284/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 13, Shyam Sadan, F-Road, 85, Marin Drive Bombay-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 13, Shyam Sadan, F-Road, 85, Marine Drive, Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6843-A|85-86 on 11-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1986

(1) Mrs. Annie Franco.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Motiwalla & Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7109/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000/- and bearing No.

Room No. 65 on the 7th floor, Rajgir Chambers, 12/14

Shahid Bhagat Singh Road, Bombay-23 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair warket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Ghapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Room No. 65 on the 7th floor of the building known as Rajgir Chambers, 12/14, Shahid Bhagat Singh Road, Fort, Bombay-23.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6694/85-86 on 1-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1986

FORM I.T.N.S.---

(1) Mr. J. S. Alponso.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vijay M. Trecon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7197/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Room No. 62, 7th floor, Rajgir Chambers, Opp. Old Custom
House, Fort, Bombay-400 023
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given le that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 62, Rajgir Chambers, 7th floor, Opp. Old Custom House, Fort, Bombay-23.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6761/85-86 on 5-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Gajinder Singh Chawla

(Transferor)

(2) Mrs. Vilina Pravin Sheth, International Sales Corpn. (Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Rcf. No. AR-I/37EE/7354/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Room No. 47, 6th floor, Raigir Chambers, 12/14 Shahid Bhagat Singh Road, Opp. Old Custom House, Bombay-23 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nonce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 47 on 6th floor, Rajgir Chambers, 12/14 Shahid Bhagat Singh Road, Opp. Old Custom House, Bombay-400 023.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6911/85-86 on 16-7-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-3-1986

FORM I.T.N.S.--

(1) Shri Ravindra Singh Chawla

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vilina Pravin Sheth

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7353/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immevable property, baving a fair Rs. 1,00,000/- and bearing market value exceeding

Room No. 46, 6th floor, Rajgir Chambers, 12/14, Shahid Bhagat Singh Road, Opp. Old Custom House, Bombay-23 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 16-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) far litating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) fac litating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-109—16 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 46 on 6th floor, Rajgir Chambers, 12/14, Shahid Bhagat Singh Road, Opp. Old Custom House, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6910/85-86 on 16-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 3-3-1986

(1) M/s. Rajgir Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. J. G. Shah & Co.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7196/85-86,-Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 42, 5th floor, Rajgir Chambers, 12/14, Shahid

Bhagat Singh Road, Bombay-23 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in 'he Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

.a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Office No. 42, 5th floor, Rajgir Chambers, 12/14, Shahid Bhagat Singh Road, Bombay-23.

The agreement has been registered by the Competent Authority, under S. No. AR-I/37EE/6760/85-86 on 5-7-85.

(b) Incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated ; 3-3-1986

(1) Trilokchand P. Mengnani

(Transferor)

(2) Ganga H. Purohit

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7229/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 611-A, Commerce House, 140, N. Master Road, Fort, Bombay-23

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 239AB of the said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-life exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the elejon of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in the the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aut. respect of any income arising from the transfer. and /or

(b) l'achitating the consealment of any ince uny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslin-tax Act 1957, (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 611-A, 6th floor, Commerce House, 140, N. Master Road, Fort Bombay-23

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6793/85-86 on 8-7-85

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persorn, namely :---

Dated: 3-3-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Dharamdas M. Dalal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ayesha Asad Siddiquii

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 3rd March 1986

Re. No. AR-I/37EE/7420/85-86.—Whereas, I,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 22, Belle View, 2nd floor, 85, Bhulabhai Desai Road, Romber 26.

Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 24-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 22, Belle View, 2nd floor, 85, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6975/85-86 on 24-7-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 3-3-1986

FORM ITNS———

(1) Narindersingh Bishansingh Arora

Smt. Poonam B. Dodeja, Lokram P. Dodeja.

(2) Manohar L. Dodeja,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7228/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 51, V floor, Shyam Niwas, Block No. 9, 51, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the

section 269AB of the said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefer to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wankth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this source in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sand Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 51, 5th floor, Shyam Niwas, Block No. 9, 51, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6792/85-86 on 8-7-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Dated: 3-3-1986

FORM UNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7148/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 6. Gr. floor, Ramesh Niwas, 51-C, Bhulabhai Desai

Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), hus been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 3-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Wilson Jones & Mrs. Peggy Jones

(Transferor) (2) Mr. Habib, H. Datoobhoy & Mrs. Rehana H. Datoobhoy.

(Transferee) (3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from: so service of motion on the respective persons. ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Ground floor, Ramesh Niwas, 51-C, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6718/85-86 on 3-7-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 3-3-1986

MITTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7219/85-86,---Whereas, I. NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, 10th floor, Garage No. 24, Somerset House, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Bad. addın Tyabji, Hindal Tyabji, Adi Tyabji Laila Tyabji, Khalid Tyabji, Vazir Tyabji, Hasan Tyabji, Sallan Tyabji, Nasir Tyabji, Kamila Tyabji, F. Ganesan, Qays M. Tayibji, Ismat Shobhani. (Transferor)
- (2) Sanjeev Mukherjee & Smt. Maia Mukherjee (Transferce)
- (3) Transferees

(Person in occupation of the property)

(4) Tyabji Holding & Investing Co. P. Ld. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gadette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, Garage No. 24, 19th floor, Somerset House, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6783/85-86 on 8-7-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7384/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, 1st floor, Vallabh Apartments, Bhulabhai Desai

Road, Bombay-36

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : between the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Pay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;-

(1) Narinder Pal Singh

(Transferor)

(2) Anil Bhupatrai Mehta & Mrs, Indu Anil Mehta

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Bombay Okkara Carriers (Regd.) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 1st floor, Vallabh Apartments, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6941/85-86 on 19-7-1985

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 3-3-1986

(1) Shri Ramkumar Singhal

(Transferor)

(2) Shri Shivkumar Agarwal

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE NDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7338/85-86--Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tar Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Office No. 502, 5th floor, Surat Sadan Premises Co-op. Society Ltd., Surat Street, Bombay-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to telieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferd/er
- (b) facilitating the concentrate of any income or a moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 502, 5th floor, Surat Sadan Premises Co-op. Society Ltd., Surat Street, Bombay-9.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6896/85-86 on 15-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-110-16 G1/86

Dated: 3-3-1986

(1) Smt. Hansa V. Naki.

(Transferor)

(2) M/s. Pushpum Traders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7306/85-86. - Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 210, 2nd floor, Bldg.-Surat Sadan, Masjid Bunder,

Bombay-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 210, 2nd floor, Bldg.-Surat Sadan, Masjjid Bunder, Bombay-9.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6864/85-86 on 11-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Dated: 3-3-1986

PORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OWNTRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7137/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. AR-I/37EE/7137/85-86.—Whereus, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. D/3, 4th floor, Amba Bhuvan, 83, Devji Ratanshi Marg, Dana Bunder, Bombay-9

Marg, Dana Bunder, Bombay-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Bhavna Trading Co.

(Transferor)

(2) Varinder Kumar Singal, Proprietor of M/s, Tradewing Carriers of India.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chroter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. D/3, 4th floor, Amba Bhuvan, 83, Devji Ratanshi Marg, Dana Bunder, Bombay-9.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6702/85-86 on 2-7-1985.

> NISAR AHMED Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 3-3-1986

(1) Mr. Hasmukhlal P. Parmar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Amee Metal Furnishers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7342/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 25, 1st floor, Milan Indl. Estate, Abhyudaya Nagar, Cotton Green, Bombay-33

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Bombay on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :—
has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, in the Office of the Compe-

tent Authority at

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax (11 of 1922), or the said Act or the Act, 1957 (27 of 1957). Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property he made in writing to the underwigated :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 25, 1st floor, Milan Industrial Estate, Abhyudaya Nagar, Cotton Green, Bombay-33.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6900/85-86 on 15-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 3-3-1986

Soal :

FORM ITNS (1) Kantilal Cooverji Mewawala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mahendra Kumar Jain & Rajendrakumar Jain (Transferee) (3) Transferees

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 3rd March 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable

Ref. No. AR-I/37EE/7311/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 210, Navjeevan Bldg. 2nd floor, 121/127, Kazi

Sayed Street, Bombay-3

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 210, Navjeevan Bldg., 2nd floor, 121/127, Kazi Sayed Street, Bombay-3,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6868/85-85 on 12-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-3-1986

(1) Rajesh V. Tanna & Chetan V. Tanna, Constituted attorney Pratapsing N. Majithia (Transferor)

(2) Vikram C. Shah & Gunvanti C. Shah

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-I/37EE/7202/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 5, 1st floor of Sca Viwe Building, 185, Dungersey

Road, Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-85

for an apparent consideration which is less than the fak market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Sea View building, 185, Dungersey Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6766/85-86 on 5-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-3-1986

Soal:

(1) Zaraj Health Aids Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shantilal M. Shah, Yogesh M. Shah, Amt S. Shah Miss Pritibala S. Shah & Mrs. Harsha Yogesh Shah (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EF/7272/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, Ruby Apartments, 253, Walkeshwar Road, Rombourf

Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the, fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Ruby Apartments, 253, Walkeshwar Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6833/85-86 on 10-7-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of SectionD of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-3-1986

(1) Smt. Banani Chakrabarti,

(Transferce)

(2) Shri Ashok Ramji Shah.

(Transferor)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTITON RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7431/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, 1st floor, Ruby Apartments, 253, Walkeshwar

Road, Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

at Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as af presaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecive persons, whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the andlor

Flat No. 101, 1st floor, Ruby Apartments, 253, Walkeshwar Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-J/37EE/6985/85-86 on 25-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-3-1986

(1) Babulal D. Patwa.

(Transferor)

(2) J. B. and Brothers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7407/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601. 6th Roor, Sulsa Premises CHSL, R. R. Thakkar Marg, 254, B. G. Kher Marg, Bombay-6 (and more fully described in the Schedule, annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, Sulsa Premises Co-op. Hsg. Soc. Ltd., R. R. Thakkar Marg, 254, B. G. Kher Marg, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-J/37FE/6962/85-86 on 22-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-111---16 GJ/86

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J. BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7203/85-86.—Whereas. I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 21. 7th floor, Purab Apartments, B. G. Kher Marg,

Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent **A**uthority

at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under th esaid Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

 Mahendrakumar Nanalal. Pravinchandra N. Shah, Dineshchandra N. Shah.

(Transferor) -

(2) Haresh Jayantilal Shah, Vasantben J. Shah, Usha Ajit Shah.

(Transferce)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a paried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein = are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, 7th floor, Purab Apartments, B. G. Kher Marg, Pombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37FE/6767/85-86 on 5-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-3-1986

FORM ITNS

(1) Mr. Perin Nariman Dorabii Hansotia,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Viresh P. Kothari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7432/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 61, 6th floor, Sainara, 17, Cuffe Parade Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

THE SCHEDULE

Flat No. 61, 6th floor, Sainara, The Cuffe Parade-Sainara/Co-op. Soc Ltd., Plot No. 9 and 10, 17-Cuffe Parade, Bombay-5,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay, under S. No. AR-I/37EE/6986/85-86 on 25-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-sax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AIIMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1986

(1) M/s Makers Development Services P. Ltd. (Transferor)

(3) Transferor.

(Transferce)(9) (Person in occupation of the property.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7450/85-86.-Whereas. I. NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,03,000/- and bearing No. Flat No. 21, 2nd floor, Maker Tower K, Cuffe Parade, Bombay-5

(and n ore fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of he property as aforesail exceeds the apparent considerat on therefor by more if an fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly s ated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21 on the 2nd floor, Maker Tower K Plot Nos. 73A, 74, 83, 84 and 85 of Block V of the Backbay Reclamation Scherae, Cuffe Parade, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/7004/85-86 on 25-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rauge-J, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-3-1986

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7322/85-86.--Whercas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 31, Sainara, 17, Cuffe Parade, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 12-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sma Nilam Bipin Parikh and Shri Bipin Nathalal Parikh.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita S. Agrawal and Shri Shribhagwan S. Agarwal.

(Transferee)

(3) Transfrees.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n he sad immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. .1, 'Sainara', Cuffe Parade Sainara P emises Co-op. Soc. Ltd., 17, Cuffe Parade, Bombay-400 005.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Embay under S. No. AR-1/37EE/5879/85-86 on 12-7-1985

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquaition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 3-3-1936

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7405/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing

Flat No. 4, 1st floor, Prakash Bldg, No. 1, New Valmik CHSL, B. G. Kher Marg (Ridge Road), Bombay-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chhabildas S. Shah.

(Transferor)

(2) Shri Kumarpal S. Sanghvi and

(Transferee)

Mrs. Sharmishta K. Sanghvi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 1st floor, Prakash Building No. 1, New Valmik CHSLs 28-A. B, G. Kher Marg (Ridge Road), Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6961/85-86 on 22-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-3-1986

(1) Mrs. Lata H. Sanghvi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Praful M. Shah.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22733/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5, 1st floor, Sundaram bldg. Nathpai Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforetaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the netice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 1st floor, Sundaram Bldg., Nathpai Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22733/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-2-1986.

(1) Mr.R. B. Arva.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. L. P. Maheshwari.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22711/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Dec. 100,000/2, and heaving Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5340, Ground floor, Bldg. No. 193 Maharashtra Housing, Board, Pantnegar, Ghatkopar (E),

Bombay-75. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the encealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wanth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby luitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 534 gr. floor, Bldg. No. 319, Maharashtra Hsg. Board, Patnagar, Ghatkopar (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22711/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay.

Date: 3-2-1986

(1) Mr. Saved M. S. M. Kadri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. F. Jiruwaia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22232, 85-86.-Whereas, I,

Ref. No. AR-III/37EE/22232. 85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 35, ground 'floor, Falz Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Hall Road, Kurla (W. Bombay-70 (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair mar-

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the afforestal persons within a person of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45-days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 35, g., floor, Falz C.H.S. Ltd., Kurla (W), Hall Road, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FF 22232/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-2-1986

Seal:

112-16 GI/86

FORM I.T.N.S.----

(1) Mr. C. V. Shetye.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. N. Narkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22093, 85-86 —Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 20, Plot No. 58, Jagadjsha Nagar, Ghatkopar (W), Rombay-86.

Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the market

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ex-ceeds the apparent consideration therefor by more than ifficen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20, Plot No. 58, Jagadusha Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomboy under No. AR-III/37EE 22083/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following essons, namely :---

Date: 3-2-1986

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. N. B. A. Namdulay.

(Transferce)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22707/85-86.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable

Property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 405, 4th floor, Bldg. No. 17, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 10 days from The service of notice on the respective persons, whichever period attained intest
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, which 46 days from the date of the cation of this notice in the Official Gazette, to of the publi-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, Bldg, No. 17, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EF. 22707/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 3-2-1986.

(1) Mr. C. V. Shetye.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Raghuveer Keshav Kadam,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22095/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

ARTILESTI PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, Plot No. 58, Jagadusha Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration fifteen per cent of such apparent consideration as a sourced to said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 aays from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Plot No. 58, Jagadusha Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22095/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Date: 3-2-1986.

mal:

FORM ITNS

(1) Sh. N. B. Pednekar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

(2) Smt, D. D. Raut.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22493/85/86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 16, 3rd floor, Plot No. 52, S. No. 14A, Chembur, Bombay-74,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd floor, Plot No. 52, S. No. 14A, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22493/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

Date: 3-12-1986.

(1) Mr. C. V. Shetye.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. V. Mane.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22104/85-86.—Whereas, I, AKHILFSH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 27. Plot No. 58,

Jagadusha Nagar, Ghatkopar (W),

Bombay-86.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the vartice has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namety:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforegaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 1—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 27, Plot No. 58, Jagadusha Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22104/85-86 dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 3-2-1986

FORM ITNS-

(1) Mr. C. V. Shetve.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shankar B, Renose.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22851/85-86.—Whereas, I, Λ KHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refetred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 35, Plot No. 58, Jagadusha Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beta. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 35, Plot No. 58, Jagadusha Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37FF 22851/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in:thate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, wantely :---

Date: 3-2-1986

(1) Mr. C. V. Shetye.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Amrit T. Patil.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22090/85-86.—Whereas, i, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 34, Plot No. 58, Jagadusha Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the propery as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - nmefer;

THE SCHEDULE

Flat No. 34, Plot No. 58, Jagadusha Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE. 22090/85-86 dated 1-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bomba

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the self-Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1986.

Seal;

(1) M/s. Maharashua Trading Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. V. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22030/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (48 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 53, 4th floor, Pankaj
B. Bldg., L.B.S. Marg., Ghatkorar
(W), Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of hie transferor to pay tax under the said Act, in resped of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 53, 4th floor, Pankaj B bldg. LB.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22030[85-86 dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-2-1986 Scal:

113-16 GI/86

(1) Mr. P. Anantharay Pai,

(Transferor)

(2) Mr. R. G. Mehta & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22606/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, 2nd floor, Shanti Prabha bldg., Garodia Nagar Scheme, Ghatkopar (E), Bombay-77.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor, Shashi Prabhta Bldg., Garodia Nagar, Scheme, Ghatkopar (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III 37EE/22606/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 3-2-1986

FORM ITNS-

(1) Mrs. Laxmi Bhaskaran.

(Transferor)

(2) Mrs. Subhada S. Doiphode.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22209/85-86.—Wherens,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

res the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Fint No. 46, A bldg. Ciba Indl. Workers Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Amrut Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the control of the Lorentz tay Act. 1961 in the Office of section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hlat No 46, A bldg., CIBA Indl. Workers CHSL., Ameut Nagar, Ghatkopar (W), Bombay 86

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III, 37EE 22209/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 3-2-1986

Seal

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul K.A. Dawary.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICI: OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

No AR-III/37EE/22708/85-86.--Whereas, J.

AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 210, 2nd floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagor,
CST Road, Kurla (W), Bombay 70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ,ransfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income unsing from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plat No. 210, 2nd floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Rd, Kurla (W), Bombay 70,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EF. 22708/85-86 dated 1-7-1985

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 3-2-1986

Scal

<u>೨೬೩ ದನ್ನು ಅದಕ್ಕೆ ಇಲಕ್ಕೆ ಬಿಡುವಾಡ್ ಬ</u>

FORM ITNS-

(1) Mr. C.V. Shetye.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Laxman J. Kamble.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 3rd February 1986

No. AR-III/37EE/22092/85-86.—Whereas, I,

No. AR-III/37EE/22092/85-86.—whereas, 1, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 10, Plot No. 58, Jagadusha Nagar, Ghatkopar (W.) Bombay 86

(W) Bombay 86
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and, that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arking from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any motions or other assets which have not been or they wonless or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Plot No. 58, Jagadusha nagar, Ghatkopar (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22092/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 3-2-1986

(1) Shri P.M. Pai.

(Transferor)

(2) Shri Nilesh J. Desai & Ors.

may be made in writing to the undereigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JII BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

No. AR-III/37EE/22641/85-86.--Whereas, 1,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No.13, 3rd floor, Savitri Kunj, Plot No. 22, Garodia nagar, Ghatokpar (E), Bombay 77
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Flat No. 13, 3rd floor, Savitri Kunj, Plot No. 22, Garodia has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 13, 3rd floor, Savitri Kunj, Plot No. 22, Garodia nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22641/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely :-

Dated: 3-2-1986

Seal

FORM ITNS ---

(1) Deepak Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Umer Abdul Kadir Parkar & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 3rd February 1986

No. AR-III/37EE/21998/85-86.—Whereas, 1, AKIIILESH PRASAD, oring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 1, ground floor, Bldg. No. 6, Kapadia nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay 70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said lastrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, ground floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Road, Kurula (W), Bombay 70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 21998/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 3-2-1986

FORM ITNS----

(1) Deepak Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A.A.Kadir Parkar & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

No. AR-III/37EE/22710/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. ground floor, Bldg. No. 6, Kapadia nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instr

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, ground floor, Bldg. No. 6, Kapadia nagar, CST Rd, Kurla (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22710/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 3-2-1986

(1) Shri B. K. Thakkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. H. Padia,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

SIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22393/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 11, 2nd floor, Sundaram Bldg., Plot No. 37, Nath Pai nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/7/1985

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftgen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and /orz
- (b) facilitating the concealment of ARY income ot any moneys or other needs which have 100 been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely2:-114—16 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officia: Gazotto.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 2nd floor, Sundaram Bldg., Plot No. 37, Nath Pai nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22393/85-86 dt. 1/7/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III **Bombay**

Date: 3/2/1986

(1) M/s. Maharashtra Trading Co.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Aminchand V. Shah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22392/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 53, 4th floor, Pankaj B Bldg., L. B. S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authorty at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 53, 4th floor. Pankaj B Bldg., L.B.S. Marg, Ghat-kopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22392/85-86 dt. 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3/2/1986

-Seal

FORM ITNS----

(2) Mr. Chandrakant V. Shetye.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ramchitra G. Chavan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX"

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/220910/85-86.—Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. 13, Plot No. 58, Jagadusha nagar, Ghatkopar (W),

Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

1/7/1985

an apparent consideration which is less toan the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- ta) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of motice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, Plot No. 58, Jagadusha nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22091/85-86 dt. 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by far issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3/2/1986

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mr. C. V. Shetye.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhikaji S. Rasam.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22855/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authorty under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 21, Plot No. 58 Jagadusha nagar, Ghatkopar (W),

Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or easion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any noome or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

THE SCHEDULE

Flat No. 21, Plot No. 58 Jagadusha nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22855/85-86 dt. 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3/2/1986 Scal:

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE 22856/85-86.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 32, Plot No. 58, Jagadusha nagar, Ghatkopar (W),

Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. C. V. Shetye,

(Transferor)

(2) Mr. Shantaram P. Nigot.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, Plot No. 58, Jagadusha nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22856| 85-86 dt. 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax'
Acquisition Range-III
Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under selection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3/2/1986

Scal

FORM I.T.N.S.---

(1) Mr. C. V. Shetye.

(Transferor)

(2) Mr. Yeshwant K. Surve.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
ROMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22853/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 39, Plot No. 58, Jagadusha nagar, Ghalkopar (W),

Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/7/1985

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resaon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269° of the salt Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under cubescien (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Classics or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:

THE SCHEDULE

Flat. No. 39, Plot No. 58, Jagadushanagar, Ghatkopar (W) Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22853/85-86 dt. 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 3/21/1986

Scal:

FORM ITNS ----

- (1) Mr. Chandrakant V. Shetye,
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suresh B. Amre.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22852/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD.

AkHILESH PRASAD, heing the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Hat No. 32, Plot No. 58, Jagadusha nagar, Ghatkopar (W), Reserved 26.

Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; _and /or

Flat No. 38, Plot No. 58, Jagadusha nagar, Ghatkopar (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22852/85-86 dt. 1/7/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferso for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the s Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Date: 3/2/1986

FORM ITNE

(1) Mr. C. V. Shetye,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961) (2) Mrs. Sunita S. Pol.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22854/85-86.—Whereas,I, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 32, Plot No. 58, Jagadusha nagar, Ghatkopar (W),

Bombay-86. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on

1 /7 /1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the effect of 1 —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 31, Plot No. 58, Jagadusha nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EH 22854/85-86 dt. 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesni 1 property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 3/2/1986

(1) Mr. C. V. Shetye.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhalchandra S. Sawant.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22094/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. AR-III/3/EE/22094/85-80.—whereas, 1, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8, Plot No. 58, Jagadushanagar, Ghatkopar (W), Bombay-86 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AR of the Income-tax Act, 1961 in the office of the

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

1/7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wonlin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. m the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Plot No. 58, Jagadusha nagar, Ghotkopar

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22094/85-86 dt. 1/7/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Rombay

Date: 3/2/1986

Scal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

115—16 GI/86

FORM I.T.N.S.

(1) Mr. C. V. Shetye.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Lilavatibai B. Salunkhe.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22099/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHLESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, Plot No. 58, Jagadushanagar, Ghatkopar (W), Bombay-86 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1 /7 /1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the separent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the conceaument of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Plot No. 58, Jagadushanagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22098/85-86 dt. 1/7/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III **Bombay**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3/2/1986

(1) Mr. C. V. Shetye.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. Y. Mohite.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Rcf. No. AR-III/37EE/22099/85-86.—Whtreas, I, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 23, Plot No. 58, Jagadushanagar, Ghatkopar (W),

Bombay-86.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gametie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, Plot No. 58, Jagadusha nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE,/22099/85-86 dt. 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 3/2/1986

(1) Mr. C. V. Shetve.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. J. B. Ghorpode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22101/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoving the said act's having a fair market value exceeding able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Hat No. 23, Plot No. 58, Jagadushanagar, Ghatkopar (W).

Bombay-86.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on

1/7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evalent of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25, Plot No. 58, Jagadusha nagar, Ghotkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-III/37EE/22101 85--86 dt. 1/7/1985,

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 3/2/1986

(1) Mr. C. V. Shetye.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhimrao D. Patil.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37FF/22102/85-86.—Whereas, I.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 7, Plot No. 58, Jagadushanagar, Ghatkopar (W),

Bombay-86.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the lie of the transferor to pay tax under the gold Act in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Plot No. 58, Jagadushanagar, Ghatkopar (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22102/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-2-1986

(1) Mr. C. V. Shetve.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Balappa M. Bhujannavar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22103/85-86.—Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to believe that the immovas the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 17, Plot No. 58, Jagadushnagar, Ghatkopar (W), Republic 1966.

Bombay-86,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than efficient are consideration consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incesse or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, Plot No. 58, Jagadushanagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22103/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 3-2-1986

4 - 4 (1) Mr. N. R. Zaveri.

(Transferor)

(2) Mr. D. R. Zaveri.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22770/85-86.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-8, 2nd floor, Geota Prakash Building, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77. situated at Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. Therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to now tak under the said Act, in

of the transferor to pay tax under the s respect of ally income arising from the trans

and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-8, 2nd floor, Geeta Prakash Building, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22770/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-2-1986

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Mohammed S. Durrani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Z. Mohammed.

('Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/21997/85-86,—Whereas, I.

Ref. No. AR-III/37EE/21997/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 303, 3rd floor, Boilding No. 12, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W). Bombay-70.

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Flat No. 303, 3rd floor, Building No. 12, Kapadia Nagar, CST Road Kurla (W), Bombay-70,

The agreement has been regeistered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III 37EE/21997/85-86 dt. 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-2-1986

FORM ITNS

(1) Shri Sharad N. Kadam,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayat S. Malde & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, ВОМВЛҮ

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III. 37EE/22821/85-86.—Whereas, I.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income (ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 17-A, 4th floor, Indralok, 197, Garodia Nagar, Bombay-77.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration tactefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and for

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough? to be dislossed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17-A, 4th floor, Indralok, 197, Garodia Nagar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22821/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersopa namely '--

Date: 3-2-1986

Seal:

116--16 GI/86

(1) Mr. Rajkumar M. Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mi/s. Shriji Enterprises,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Ahmedabad, the 5th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22787/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tay, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Unit No. 21, Suyog Industrial Estate, L.B.S. Marg, Vikhoroli (W), Village Hariyali, Bombay-83.

transfer with the object of :-

has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair respect to the constant of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aot, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Unit No. 21, Suyog Industrial Estate, L.B.S. Marg, Vikhoroli (W), Village Hariyali, Bombay-83.

The agreement has been registered b the Competent Aothority, Bombay under No. AR-III/37EE/22787/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the toresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following agisons. namely :-

Date: 3-2-1986

Scal:

(1) Mary P. Pereira & Ors.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Popat K. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22845/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing CT. Nos. 4814 to 4817 Municipal No. H-7544(2), 167, Kalina, Kolekalayan, Santacruz (E), Bombay-98. situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C'IS Nos. 4814 to 4817 Municipal No. H-7544(2), 167, Kalina, Kolekalayan, Santacruz (E), Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22845/85-86 dt. 1-7-1985,

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-2-1986

(1) M/s. Deepak Builders Pvt, Ltd.

(2) Mr. A. A. Rashid,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22817/85-86.-Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 403, 4th floor, Building No. 16, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bomba-70.

(w), Bolling (w), market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occu truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective sersons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Building No. 16, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bomba-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22817/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under aub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-2-1986

riging namman and representations and the second of the se

FORM ITNS———

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. I. Sange.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 3rd February 1986

kie. No. AR-III/37EE/2214185-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 110, 1st floor, Building No. 6, Kapadia Nagar,
CST Road, Kurla (W), Bombay-70.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby injtiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition o fthe said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 110, 1st floor, Building No. 6, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-JII/37EE/22141/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-2-1986

(1) M/s. D. K. Builders & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P.L.A. Relays.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

OF INCOME-TAX

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22785/85-86.—Whereas, 1, AKHILESII PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Unit No. 117, 1st floor, Plot No. 13, CST No. 18, S. No. 99(pt.) Hariali Village, L.B.S. Marg, Vikhroli (W), Bombay-83.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days rfom the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 117, 1st floor, Plot No. 13, CST No. 18, S. No. 99(pt.) Hariali Village, L.B.S. Marg, Vikhroli (W), Bombay-83

The agreement has been registered by the Competent Au hority, Bombay under No. AR-III/37EE/22785/85-86 dt. 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

Date: 3-2-1986

FORM TINS----

(1) Mr. Ramchandra Ramamurthy.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sanjay P. Thakor,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22579/85-86.—Whereas, I, AKHII ESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000 and bearng
Flat at E/28. Ground Flour, Vrindavan, Mukund Staff CHSL
L.B.S. Marg. Ghatkopar (W), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at E/28. Ground Flour, Vrindavan, Mukund Staff CHSL L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22579/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-2-1986

FORM ITNS----

(1) Mr. Verghese Chacko.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rajaramma Jacob.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22011/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property begins a fell market variety that the able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. B/20, 3rd floor, Avadhut Kole Kalyan, Kalina,

Bombay-98.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period explices later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested 14 the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and environments used herein as are defined in Chipter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/20, 3rd floor. Avadhut Kole Kalyan, Kalina, Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22011/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1986

Scal;

(1) Mrs. S. N. Arora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. Aleyamma Philips & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EF/22630/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the held Act'), have reason to believe that the immovexceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2 Bldg. No. 3, E-Wing 2nd floor Damodar Park, L.B.S. Marg, Khatkopar (West), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the timbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Bldg. No. 3, E-Wing, 2nd floor Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III 37EE/22630/85-86 dated 1-7-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

AKHILESH PRASAD

Date: 3-2-1986

Seal:

117-16 GI/86

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mohamed Husein Haji Gujarati.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22144/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

veing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Flat No. 405. 4th floor Bldg. No.19, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (West), Bombay-70 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisi ion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hlat No. 405, 4th floor Bldg. No. 19, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (West), Bomby-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22144/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-2-1986

L'ART III -SEC. 1]

FORM ITNS

(1) Mrs. Madhu Kanta K. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Lata H. Sanghavi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22869/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Islat No. 4, 5th floor Bldg. No. 4-C, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (West), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 5th floor Bldg. No. 4-C, Damodar Park L.B.S. Marg, Khatkopar (West), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22869/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-2-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Joseph Meenattoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. P. M. Pai & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22834/84-85.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 12, Koyal Geet Co-op. Hsg. Sct. Plot No. 353/B/33, TPS-III, Vallabaug Road, Ghatkopar (E), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a_3 aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 12, Koyal Geet Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Plot No. 353, B/33. TPS-III, Vallabaug Road, Ghatkopar (East), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22834/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1986

Seul:

FORM ITNS ...

(1) Mr. B. Armachalam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. A. Hazarat Ali.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22363/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A/307, 3rd floor Kailash Parbat CHSL 173, Vidya-

nagri Marg, Bombay-98 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to pelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/307, 3rd floor, Kailash Parbat C.H.S. Ltd. 173, Vidyanagari Marg, Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22363/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-2-1986 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

5/AX ACI, 1501 (45 OF 1501)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22121/85-86,—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Tenament No. 17, ground floor, Happy Life Co-op, Hsg. Soc.
Ltd., Sindhu Baug, Tilak Road, Ghatkopar, Bombay-77
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax, Act 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evaluon of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Shewasingh G. Ajwani.

(Transferor)

(2) Mr. Harshad P. Dave & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are definde in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tenament No. 17, ground floor, Happy Life C.H.S.L., Sindhu Boug, Tilak Road, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22121/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-2-1986

FORM I.T.N.S.---

(1) Mr. S. D. Sangoi & Ois.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. G. Parekh,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22036/85 36.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-8, 1st floor, Jalaram Jyot Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Vallabhbaug Lane, Ghatkopar (E). Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Hombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to vay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-8, 1st floor, Jalaram Jyot CHSL, Vallabhbaug Lane, Ghatkopar (E), Bombay-77

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22036/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JII
Bombay

Date: 3-2-1986

(1) Mr. B. M. Gamlhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. Ramamurthy,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37FE/22286/85-86.—Whereas, J, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, 1st floor, Hardayal, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-75 (and more fully described in the schedule annexed hereto), have been transferred and the agreement is recistored under (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :-

- Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Hardayal, 1st floor, Garodia Nagar, Ghatkopar (E). Bombay-75.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22286/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-HI, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-2-1986

Scal:

(1) Mrs. B. N. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. H. M. Dave.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/21957/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. Flat No. 9, Ambhar Park, 83, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tag Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, .957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

118-16 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Ambhar Pare, 83, Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/21957/85-86 dated 1-7-1985. under No. AR-III/37EF/21957/85-86

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 3-2-1986

FORM ITNS----

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) H. H. Ibrahim Sange.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/21999/85-86.— Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Sccion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 310, 3rd floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla West, Bombay-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of stansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the secion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 310, 3rd floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla West, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/21999/85-86 dated 1-7-1985.

> \KHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-2-1986

(1) Mr. R. N. Oza.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. N. Mehta, & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIFTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22540/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000, - and bearing No. Flat No. 3, ground floor, Rupal Building, Garodia Nagar, Ghatkopar (F.), Bombay-77

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor, Rupal Building, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bor dated 1-7-1985. Bombay under No. AR-111/37EE/22540/85-86

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 3-2-1986

(1) Manoj N. Korekar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shreedharan V. Iyer.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22473/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 188/5253, 3rd floor, Saumati Co-op. Soc., Booth Nicola Chathana Bowhay 75

Flat No. 188/5253, 3rd floor, Saumati Co-op. Soc., Pant Nagar, Ghatkopar, Bombay-75 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 188/5253, 3rd floor, Pant Nagar, Sanmati CHS., Ghatkopar, Bombay-75.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37EE/22473/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-2-1986

(1) Sh. A. M. H. Merchant.

(Transferor)

(2) J. R. Shah & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE * INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22061/85-86.—Whereas, I.

AKHILASH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immov-

as the 'said Act), having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing Bldg. No. 236/6149, Ground Floor, Pantnagar, Ghatkopar (E), Bombay-75 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Computent Authority. the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Bldg. No. 236/6149, gr. floor, Pantnagar, Ghatkopar (E), Bombay -75.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22061/85-86 dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 3-2-1986

FORM ITNS----

(1) Monti-Chem,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jyothi Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22611/85-86.---Whereas, I, AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 16, ground floor, Damji Shamji Indl. Estate, L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay-83 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the schedule annexed hereto). section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 16, ground floor, Damji Shamji Indl. Estate, L.B.S. Marg, Vikhroli, Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22611/85-86 dt. 1-7-1985,

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone, manei

Date: 3-2-1986

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. B. A. Tavde.

(Transferor)

(2) Mr. N. R. Kolwalkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22370/85-86.-Whereas, I, AKHILASH PRASÁD,

ARHILASH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, 2nd flor, Sahajeevan Co-op. Hsg. Soc., Bldg. No. 7, Ghatkopar (W), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said And I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- tb) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor, Sahajeevan C.H.S. Bldg. No. 7, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22370/85-86 dt. 1-7-1985.

Acquisition Range-III, Bombay. AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ta-

Date: 3-2-1986

(1) Mr. M. M. Patel.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. C. B. Kothari & Ors.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22375/85-86.—Whereas, I. AKHILASH PRASAD.

being the Competent Authority under section peing the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, haing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, 2nd floor, Hamsika Krupa, Goradia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor, Hamaikka Krupa, Garodia Nagar, Ghotkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22375/85-86 dt 1-7-1985,

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 3-2-1986

(1) Mrs. Javerben Ketshi Shah.

(Transferor)

(2) Mr. B. R. Bapna and others.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22415/85-86.—Whereas. I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 112, Hazari Baug, Bldg., L.B.S. Marg, Vikhroli (W), Bombay -93

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of consider with the object of two

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act 1957 (22 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other passon interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 112, Hazari Baug Bldg., L.B.S. Marg, Vikhroli (W), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22415/85-86/dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
119—16 GI/86

Date: 3-2-1986

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Ali Fakir Mohd, Mullaji,

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III37EE/22142/85-86.---Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 211, 2nd floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property afforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Fiat No. 211, 2nd floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Read, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22142/85-86 dt, 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-III. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Seal:

Date: 3-2-1986

persons, namely :--

FORM ITNS----

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Z. H. Usman Sange & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EH/22143/85-86.—Whereas 1, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 309, 3rd floor, Bldfi. No. 6, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 309, 3rd floor, Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, CST Road, Kurla (W), Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22143/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely .--

Date: 3-2-1986

FORM ITNE

(1) Mr. C. V. Shetye.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. H. T. Naik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Rcf. No. AR-III/37EE/22097/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 26, Plot No. 58, Jagadusha Nagar, Ghatkopar (W),

Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment or any income or moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned:---

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Ganatte or a period of 30 days (a) by may of et 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 26, Plot No. 58, Jagadsha Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22097/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 3-2-1986

(1) Maitri Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Mr. B. S. Ghate.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-Ill/37EE/22247/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10, 1st floor, Friendship bldg., Kanjupada Road, Kurla, Bombay-72

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to tretween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said nct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property by made in writing to the undetailed:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 4.3 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 1st floor, Friendship Bldg., Kanjupada Road. Kurla, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22247/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 3-2-1986 1-7-1985.

المرابع والمنافع فيرا المعين المنافع المالية المالية المالية المالية المالية المالية المالية المالية FORM ITNS --

ومستقلامين في والمستعدد الم (1) Mr. C. V. Shetye,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Yashwant Abaji Salvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22100/85-86.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 5, Plot No. 58, Jagdisha Nagar, Ghatkopar (W).

Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is et Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax A. 1957 (27 of 1957):

Flat No. 5, Plot No. 58, Jagadushanagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22100/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-2-1986

(1) Mr. C. V. Shetve,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMEfax act, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Shrikant D. Lomate,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22096/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs 1,00,000/- and bearing
Flat No. 18, Plot No. 58, Jagadusha Nagar, Ghatkopar (W),
Bombay-86 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: sad/er

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

Flat No. 18, Plot No. 58, Jagadusha Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-111/37EE 22096/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 3-2-1986

FORM ITNS...

(1) Mrs. A. D. Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. D. Mehta & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22631/85-86.--Whreas, I, AKHILESH PRASÁD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, Shiv Niwas, Plot No. 234, Sion (E), Bombay-22 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons manufacture. persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5. Shiv Niwas, Plot No. 234, Sion (E), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22631/85-86, dt. 1-7-1985

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 3-2-1986

(1) Shri S. Ramamurthy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. D. Nirmal & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22162/85-86.—Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Flat No. 7, 3rd floor, Ghatkopar Sangeet CHSL, Plot No. 76, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesani exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor, Ghatkopar Sangeet CHSL., Plot No. 76, Garodia Nagar, Ghatkopar (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22162/85-86, dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mittate proceedings for the acquisition of the ·foresaid monerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-120-16 GI/86

Date: 3-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22105/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 19, Plot No. 58, Jagadushanagar, Ghatkopar (W),

Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mr. C. V. Shetye.

(Transferor)

(2) Mr. Rajaram B. Shinde.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, Plot No. 58, Jagadushnagar, Ghotkopar (W) Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 27105/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 3-2-1986

(1) Mis. R. G. Palan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. P. Palan

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22127/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 21, 2nd floor, Abhishek bldg., Plot No. 111, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trueformed and the appreciate is registered under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cens of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said set, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, 2nd floor, Abhisheik Bldg., Plot No. 111, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22127/85-86, dt. 1-7-86.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the rand Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the efformatid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 32 the following persons, namely:—

__hate : 2-19***

(1) Daryanani (Inod Saigon) Const. Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Om Prakash

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22239/85-86.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 259-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to behave that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, 4th floor, Pisces Divya Park, off. Marve Road, Malad (W), Bombay-95 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

14590

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which reght to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Pisces Divya Park, Off. Marve Road, Malad (W), Bombay-95.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22239/84-85, dt. 1-7-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said sact, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Date: 3-2-1986

r several contrations to the contration of the c (1) Nahar Biulders (India).

(Transferor)

(2) Mrs. Neha N. Vakharia & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, Bombay

Bombay, the 12th February 1986

Kcf. No. AR-III/37EE/22639/85-86.--Whereas, I, AKILLESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 404, 4th floor, Neelgiri Apartment, A wing, S. V.
Road, Near Milap Cinema, Malad, Bombay-67
(and more fully described in the Schedule annoxed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority
at Bombay on 1-7-1985
for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons bicheven prelod e pina loung
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given include a habitat

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Neelgiri Apartment A wing, S. V. Road, Nr. Milap Cinema, Malad, Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22639/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date : 12-2-1986

(1) M/s. Solex Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kailash Enterprise.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, Bombay

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22446/85-86.--Whereas, I, AKHILESH PRASAĎ,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 214, Vinay Ind! Estate, 428/1, Derukhaarwadi, Chinch Bunder Road, Maind (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the ingreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, sichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 214, Vinay Indl. Estate. 428/1, Derkhaarwadi, Chinch Bunder Road, Malad (W).,

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. AR-III37/EE 22446/85-86, dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Inc. -e-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-2-1986

(1) Anita Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. & Mrs. , Kanyalal Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, Bombay

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22533/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1 00,000/- and bearing No.
Shop No. 7, Vale Ram III, Off Linking Road, Opp. Ushmana Nagar, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorrectax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act s the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shop No. 7, Vale Ram III, Off Linking Road, Opp. Ushma

Nagar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Au'hority, Bombay under No AR-III/37EE/22533/85-86, dt.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date 6-2-1986 Seal:

(1) M/s. S. R. Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Pragatibhai G. Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, Bombay

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22815/85-86.—Whereas I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing
Shop No. 2, Ground floor, Plot No. 4, Turel Pakhadi, behind
Liberty Gerden, Malad (W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed here to). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manager with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ic respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Burnamation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor, Plot No. Turel Pakhadi, behind Liberty Gerden, Malad (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22815/84-85, dt. 1-7-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-toy. Acquisition Range-III, Bor.

Dato: 10-2-1986

(1) Mr. N. K. Doraiswamv.

(2) Mr. T. L. Karkera.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, Bombay

Bombay, the 11th February 1986

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

Ref. No. AR-III/37EE/22355/85-86.-Whereas, I.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 21, Bldg. No. A. 1, 2nd floor, Nau-Sanrakshan Coop. Hsg. Soc. Mamletdarwadi Road, Near Liberty Garden, Mallad (W), Bombay-400 064 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 21, Bidg. No. A-1, 2nd floor, Nau-Sanrakhan CHS., Mamletdarwadi Road, Nr. Liberty Garden, Malad (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III37EE/22355/85-86, dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

121---16 GI/86

Date: 11-2-1986

(1) Mrs. Maria Magdalen Mendes & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shaikh Umar Yaqub.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the afercasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, Bombay

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 11th February 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37EE/22203/85-86.—Whereas, I.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

Ref. No. AR-III/37EE/22203/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Virol Bldg., Ushma Nagar, Mith Chowki, Malad (W), Bombay (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office

of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andler

THE SCHEDULE

(b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 3, Virol Bldg., Ushma Nagar, Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE22203/85-86, dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:-

Dato: 11-2-1986

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Naraindas Gianchand.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rajjana Bhaskar Gadge.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, Bombay

Bombay, the 11th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22664/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 8, Ground floor, Nalanda No. 1, Near Evershine Nagar, Plot No. 32-33, Off. Marve Road, Malad (W), Bom-

bay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and)or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tag. Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Ground floor, Nalanda No. 1, Near Evershine Nagar, Plot No. 32-33, Off Marve Road, Malad (W).

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22664/85-86, dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 11-2-1986

(1) Smt. Necta A. Israni.

(Transferor)

(2) Mr. Salim Adam Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, Bombay

Bombay, the 11th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22824/85-86,-Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

ARHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102/D, Altanta Plot No. 38, Village Valnai, Off. Marve Road, Malad (W). Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1912 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid passons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this socice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102/D, Atlanta, Plot No. 38, Village Valnai, Off. Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22824/85-86, dt. 1-7-1985,

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 11-2-1986

(1) P. J. Ninan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Catherine Fernandes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 11th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22643A/85-86.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding to 100 000 /2 and bearing Plat No. A/2, Ground floot, Prathampad Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Padma Nagat, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office

Section 269AB of the Income-tax Act, 1901 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1.7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A/2, ground floor, Prathampad CHSL., Padma Nagar, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22643A/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subscetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-2-1986

FORM ITNS

(1) M/s U. K. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Cf. Sharad A, Oza, (HUF).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22745/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 1, ground floor, Leo Apartment, CTS No. 492 & 492/1, Sunder Galli, off. Marve Road, Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1.7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Shop No. 1, ground floor, Leo Apartment, CTS. No. 492 & 492/1 Sunder Galli, off. Marve Road, Malad (W) Bombay.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22745/85-86 dt. dt. 1/7/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILFSH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tage Acquisition Range-III Bombay

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-2-1986

(1) Anita Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22532/85-86.--Whereas I, AKHILESH PRASAD,

the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 8, Val Ram III, opp. Ushma Nagar, off. Linking
Road, Marve, Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
have been transferred and the schedule annexed winder. has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/7/1985

at Bombay on 1///1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tenser with the chiect of : ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is spect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 at 1967):

(2) Mr. Nitinkumar H. Maniar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from s service of motios on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as ire defined in Chapter XXA of the said the shall have the same meaning as given at Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Vale Ram III, off. Ushma Nagar, off. Linking Road, Marve Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22532/85-86 dt. 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 84-6GI/86

Date: 12-2-1986

(1) Nahar Builders (India).

(Transferor)

(2) Mr. I. C. Dak.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1986

Ref. No. AR-III 37EE/22644/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303B. 3rd floor Neelgiri Apartment, B wing, S. V.

Road, Mr. Milap, Malad Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1\(^{1}/7/1985\)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquiritien of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303B, 3rd floor, Neelgiri Apartment, B wing, S. V. Road, Nr. Milap, Malad, Bombay-67.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22644/85-86 dt. 1/7/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 12-2-1986

(1) Smt. Johrabegam Kalanda Shaikh.

(2) Shri Shaikh Khaja Shaikh & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22182/85-86fl—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, 3rd floor, Bhuleshkar Apartment, Bunder Road, Chincholi Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Bhuleshkar Apartment, Bunder Road, Chincholi, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22182/85-86 dt. 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant a ommissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

122-16 GI/86

Date: 12-2-1986

FORM ITNE-

(1) Smt. Kantaben H. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961) (2) Smt. Premilaben M.Doshi & Ors.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/21977/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Sestion R69B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No . 54, Liberty Garden Road, No. 2, Sai Dadan, Malad

(W), Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteon per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which pught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

refore, in pursuance of Section 269C of the said initiate proceedings for the acquisition of the vty by the issue of this notice under subtion 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaussia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 54, Sai Dadan, Liberty Garden Road, No. 2, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/21977/85-86 dt, 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tage
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 12-2-1986

FORM ITNS-(1) M/s. Continental Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Pramod R. Rajpura & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 12th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/21933/85-86.—Whereas, f, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, 3rd floor, Amrut Bldg., Sai Baba Park, Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1/7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, end/or

Flat No. 7, 3rd floor, Amrut Bldg., Sai Baba Park, Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/21933/85-86 dt. 1/7/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKIIILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1986

FORM TINS

(1) M/s. H. J. Patel & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. N. J. Patel & Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II1 BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-LUI/37EE/22281/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Premises No. 331, 3rd floor, Natraj Market, S. V. Road, Maled (W). Bershay 64.

Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1)/7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason marker value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eviden of the liability of the transferor to pay tax under the said Aot, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomptax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office promises No. 331, Natraj Market, 3rd floor, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22281/85-86 dt, 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tak Acquisition Range-III Bombay

Nov. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby intiate proceeding for the equisition of the afores aid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said act, to the following persons, namely :--

Date: 10/2/1986

FORM I.T.N.S.—

(1) Mrs. O. G. Fernandes.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-111 BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR-JII/37EE/22706A/85-86,—Whereas, I.

Ref. No. AR-III/37EE/22706A/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (beginneter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. D-10, 1st floor, Ishwar Nagar Co-op. Hsg. Soc. 1td. J. R.S. Marg. Bhandup, Rombay 78

Ltd., L.B.S. Marg, Bhandup, Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1/7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ant, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Mr. P. R. Katyal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-10. 1st floor, Ishwar Nagar CHSL., L.B.S. Marg, Bhar lup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22706A/85-86 dt. 1/7/1985.

AKHILES I PRASAD Compete it Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date . 5-2-1986

Scal:

(1) M/s. Haren Lables.

(Transferor)

(2) Smt. Sulochana B. Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22365/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 8, 1st floor, Mcghal Service Indl. Estate, Devidayal

Road, Mulund (W), Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1/7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration that the and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said hastrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 8, 1st floor, Meghal Service Indl. Estate, Devidayal Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/2236.5/85-86 dt. 1/7/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 6/2/1986

(1) M/s, Raja Buikers.

(Transferor)

(2) Techno Mech Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE//22029/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Indl. Unit No. 72, first floor, Raja Indl. Estate, Mulund (W),

Bombay-80

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beliave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; Mary Page
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 72, 1st floor, Raja Indl. Estate, Mulund (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22029/85-86 dt. 1/7/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby laitiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6/2/1986

(1) M/s. Damji Shamji Shah Family Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Mrs. Reshma Z. Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22520/85-86.-Whereas, I,

REI. NO. AR-III/3/EE/22524/85-80.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. 12, 2nd floor, Mahavir Shikkar, Bldg. No. B/6, Agra Road, Mulund (W), Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/7/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Mahavir Shikkar, Bldg. No. B/6, 2nd floor, Agra Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22520/85-86 dt. 1/7/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been of which cought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1937);

AKHILESH PRASAD Competent Authority rspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6/2/1986

FORM ITN9--

(1) Mr. Prabhakar W. Bhalerao.

(Transferor)

(2) Smt. Lalitaben P. Haria.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE 22593/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable na the said Act) have reason to believe that the miniowable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 1, ground floor, Sadhana, G. V. Scheme Road No. 2. Mulund (F), Bombay-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1/7/1985 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preparity as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said inst

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property-may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 1, ground floor, Sadhana, G. V. Scheme Road, No. 2, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22593/85-86 dt. 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

123-16 GI/86

Date: 6/2/1986

(1) M/s. Sonal Construction Co.

(Transferor) (Transferee)

(2) Mr. Shirish Bhikalal Shah & Ors.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22490/85-86.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Unit No. 57, ground floor, Shanti Indl. Estate, Sarojini
Naidu Road, Mulund (W), Bombay-80

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 das from the dae of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 57, ground floor, Shanti Indl. Estate, Sarojini Naidu Rd., Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22490/85-86 on 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-2-1986

Seal .

(1) Mrs. Vimla J. Gurunani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mangate Velayudhan Paramswaran Nair (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III

ROMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22409/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-38, Mahesh Krupa, Plot No. 1085, Dev Hans CHSL., Devidayal Cross Road, Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act in respect of any income arising from the transferce;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to he disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax

Flat No. B-38, Mahesh Krupa, Plot No. 1085, Dev Hans CHSL., Devidayal Cross Road Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EF/22409/85-86 on 1-7-1985.

Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-2-1986

FORM: ITNS----

(1) Smt. S. M. Chandan,

(2) Shri Arjun Lal F. Choudhary.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR-III./37EE/22058/85-86.--Whereas I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 41, Onkar Indl. Estate, Kanjur Maig (W), Bom-

bay-78.

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any iscome or any rooneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-ta; Act, 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tam Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said*property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 41, Onkar Indl. Estate, Kanjur Marg (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22058/85-86 on 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-2-1986

(1) Shri Moshin Gulamhussain Bachooall,

(Transferor)

(2) Indo Saigon Agency.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22088/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 7, ground floor, Kutch Indl. Estate, Gobind Udyog Bhavan, Bal Rejeshwar Road, Mulund (W)

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 7, ground floor, Kutuch Indl. Estate, Gobind Udyog Bhavan, Bal Rajeshwar Rd., Mulund (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bonday under No. AR-III/37EE/22088/15-86 on 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Itange-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

- (1) Mrs. K. C. Saluja,
- (Transferor)
- (2) Mrs. Lalitha Raghunath,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No.AR-III/37EE/22165/85-86.--Whereas, I.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. D/16, 4th floor, Ishwar Nagar, LBS Maig, Bhandup, Bombay-78

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

nas been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expects the apparent consideration therefor by more than apparent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respec of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any bacome or any mioneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the rurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if say, to the acquisition of the said-enverty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of fiction oil the suspective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D/16, 4th floor, Ishwar Nagar, LBS Marg, Bhandup, Bombay-78,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22165/85-86 on 1-7-1985.

> AKHILESII PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D o fthe said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

Scal:

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. K. S. N. Murthy.

(Transferor)

(2) Mr. O. J. Lawrence.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22151/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-

and bearing
Plot No. 21-A, Miniland, Tank Road, Bhandup, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid to be a second of the property of t

said exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 21-A, MINIJ.AND, Tank Road, Bhandup, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22151/85-86 on dated 1-7-1985,

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay'

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereb, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-1986

FORM LTNS.——

(1) Smt. Indumati A. Pawar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt, Daya K, Gavand.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

if age, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-JII/37EE/22816/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A/19, 4th floor, Raviraj, Navghar Road, Mulund (E), Bombar (21)

bav-81 situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (x) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the survice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A/19, Raviraj, Navghar Road, 4th floor, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22816/85-86 on 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-2-1986

(1) M/s. Nikhil Construction Co.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. J. C. Thaker & Ors,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22761/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 6, ground floor, Shreenath Apartment. II, L.T.
Etn. Road, Mulund (E),
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -124-16 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, ground floor, Shreenath Apartment-II, L.T. Extn. Road, Mulund (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22761/85-86 on

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Date: 6-2-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Prabhakar W. Bhalerao & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later.

(Transferor)

(2) Shri Premchand L. Haria.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22591/85-86.Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the mecone-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Block No. 4. 1st floor, Sadhana, G. V. Scheme Road No. 2, Mulund (E). Promber-81

Muland (E), Bombay-81

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 4, 1st floor Sadhana, G. V. Scheme Road No. 2, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22591/85-86 on 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 6-2-1986

(1) M/s. Nikhil Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Nimish N. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22389/85-86.—Whereas I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 2, ground floor, Shreenath Apartments-II, Mulund (E), Bombay-81

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are degned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 2. ground floor, Shreenath Apartments-II, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22389/85-86 on 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 6-2-1986

Seal ·

FORM FINS-----

(1) MIs. Shree Developers.

(Transferor)

(2) Shri B. G. Yadav,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 Ol" 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONES OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22841/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 102, 1st floor, B wing, Swapana Deep Bldg. ofl.

Balrajeshwar Road, Mulund (W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely Seal:

(a) by may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires inter;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, B wing, 1st floor, Swapna Deep Bldg., off. Balrajeshwar Rd., Mulund (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22841/85-86 on 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 5-2-1986

FORM ITNS ----

(1) Mrs. Rani Omprakash Arora,

(Transferor)

(2) Mr. Baljit Kartarchand Chopra.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANG-III BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22344/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Acc') have reason to believe that the immovable property, he ing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12-A, Sanjay B-Bldg., Devi Dayal Nagar Marg, Mulund (W), Bombay-80 citumed at Rombay.

Devi Dayal Nagar, L.B.S.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1.7-1005

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12-A, Sanjay B-Bldg., Devi Dayal Nagar, L.B.S. Nagar, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22344/85-86 on 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-2-1986 Seal:

14624

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCCME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF DIDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th 1-ebruary 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22345/85-86.—Whereas, J, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
Flat No. 12-B, 1st floor, Sanjay B Building. Devidayal Nagar L.B.S. Marg, Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule unpeaced hereta).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to haliane that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Lucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Omprakash H. Arora.

(Transferor)

(2) Shri Vipin Kartarchand Chopra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 12-B, 1st floor, Sanjay B Building. Devidayal Nagar 1.B.S. Marg, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22345/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-2-1986

FORM ITNS----

(1) Mrs. Monjula G. Gera.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Aleyamma Koshy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-IIJ/37EE/22668/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 24, 3rd floor, Anand Sandesh Co-op. Housing Society Ltd., Nahur, Mulund (W), Bombay-80, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule unneved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 24, 3rd floor, Anand Sandesh Co-op. Housing Society Ltd., Nahur, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22668/85-86 dt.

1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 6-2-1986

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri G, G. More & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. M. Chavan & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22799/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
Flat No. 11, Plot No. 85, Kajur Co-operative Housing Society, Bhandup (E), Bombay-78.

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of

section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said lastrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C o the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesair property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Plot No. 85, Kajur Co-operative Housing So-

ciety, Bhandup (E), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22799/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bobay

Date: 5-2-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri S. W. Shankerdas.

(Transferor)

(2) Shri Vikram Motiram Kothari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bomb..v, the 5th February 1986

Ref. No. ARIII/37EE/21985/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 36, 3rd floor Satyam Building Dr. R. P. Rond,
Mulund (West), Bombay-80.

and /or

situated at Ecmbay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under stetion 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afterestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-mid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Namely: 125-16GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 36, 3rd floor Satyam Building Dr. R. P. Road, Muland (West), Bombay-80,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/21985/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-2-1986

Seal

FORM ITNS ...

(1) M/s. Tolaram & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. J. A. Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22302/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502, 5th floor, Shakti Shopping Arcade, L.B.S. Marg, Bhandup, Bombay-78. situated at Bombay / (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, snell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor, Shakti Shopping Arcade, L.B.S. Marg, Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22302/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-2-1986

(1) Mr. S. G. Kulkarni,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. S. Thakurdesai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22658/85-86.—Whereas 1, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-17, Ram Ashish Co-op. Housing Society Ltd., Sane Guruji Nagar, Mulund (E), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-17. Ram Ashish Co-op. Housing Society Ltd., Sane Guruji Nagar, Mulund (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22658/85-86 dt. 1-7-1985.

AKHILESH PRASAĎ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomo-tax Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

Scal:

FORM ITNE

(1) Mr. Nareshkumar Vashdev & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nalini Ramakrishna Bhandarkar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 5th February 1986

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall bave the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-IIJ/37EE/21935/85-86.—Whereas I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, Rajlaxmi Apartments, Navghar Road, Mulund (E), Bombay-81.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, eadler

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Rajlaxmi Apartments, Navghar Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/21935/85-86 dt. 1-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the large of this notice under sub-eaction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

·(1) Mr. G. A. Prabhu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajesh V. Gandhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22654/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 29, 1st floor, Meghal Service Industrial Estate, Devidayal Road, Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

(and more fully asscribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of

section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any machine the concemment of any income or any moneys or other assets which have not been exhibit ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 29, 1st floor, Meghal Service Industrial Estate, Devidayal Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22654/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-2-1986

- (1) M/s. Roop-Pooja Co-op. Housing Society Ltd. (Transferor)
- (2) Mr. K. Chandrasekhar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22047/85-86.—Whereas, I, AKHILESII PRASAD,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 10, ground floor, Roopa-Raja, CHSL, Street, Mary Convent High School, Govaipada, Nahur, Mulund (W), Bombay-80.

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mose than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekli-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, ground floor, Roopa-Raja, CHSL, Behind Street, Mary Convent High School, Govaipada, Nahur, Muland (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22047/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hoveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely :--

Date: 5-2-1986

FORM ITN9-

(1) Shree Chintamani Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vasant Anant Gokhale.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

Rcf. No. AR-III/37EE/22346/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 5, Vijya Laxmi, G. K. Ghokhale Road, Mulund (E.) Rombou 81

(E), Bombay-81, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent. more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Vijya Laxmi. G. K. Gokhale Road, Mulund (E), Bombay-81,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22346/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-2-1986

where we was not the second se

(1) M/s. Nikhil Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nalinakshi B, Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22584/85-86.-Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 4, ground floor, Shreenath Apartment-II, Mulund (E), Bombay, eitherted at Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AE of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fail narket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

...) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth fax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, ground floor, Chreenath Apartment-II, Mulund, (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Pombay under No. AR-III/37EE/22584/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

Scal:

(1) Mr. Umesh N. Tilokani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Cyril Serrao & Ors.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III .BOMBAY

Bombay, the 5th ... bruary 1986

Ref. No. AR.III/37EE/22297/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 5, Niranjan Apartments. Hira Nagar, Nahur

Village, Mulund (W), Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid eds the apparent consideration therefor by more than on per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evaston or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the traunfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-taz Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

126-16GI/86

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the carrios of motion on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaster.

THE SCHEDULE

Shop No. 5. Niranjan Apartments. Hira Nagar, Nuhur Village, Mulund (W). Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22297/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

dated 1-7-1985, Scal:

(1) M/s. Indo Saigon Agency.

(Transferor)

(2) M/s, Universal Engineers & Finishers,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22191/85-86.—Whereas 1, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 6, ground floor Gobind Udyog Bhavau, Bal Relativity Read Mulant (W) Barbory 20

Rajeshwar Road, Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay

and/or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the tarm of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 6, ground floor, Gobind Udyog Bhavan, Bal Rajeshwar Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22191/85-86 dated 1-7-1985. Competent

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 5-2-1986

situated at Bombay

FORM ITNS

(1) Indo Saigon Agency.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Universal Engineers & Finishers. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

AQUISITION RANGE-III BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

whichever period expires later;

Bombay, the 5th February 1986

No. AR-III/37EE/22190/85-86.—Whereas, I,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in the Chapter.

AKHILESH PRASAD. Competent Authority under Section 269B of being the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Unit No. 7, ground floor, Gobind Udyog Bhavan, Bal
Rajeshwar Road, Mulund (W), Bombay-80

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at (and more fully described in the Schodule annexed herete),

has been transferred and the agreement is registered under

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the rtice has not been truly stated in the said instrument of aster with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 7, ground floor, Gobind Udyog Bhavan, Bal Rajeshwar Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22190/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

Scal:

(1) Indo Saigon Agency.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Universal Engineers & Finishers.

whichever period expires later;

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

(b) by any other person interested in the said immovable

Bombay, the 5th February 1986

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR-III / 37EE / 22189 / 85-86. - Whereus, I, AKHILESH PRASAD,

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Incime-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 8, ground floor, Gobind Udyog Bhavan, Bal Rajeshwar Road, Mulund (W), Bombay-80 situated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/en
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 8, ground floor, Gobind Udyog Bhavan, Bal Rajeshwar Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22189/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD -Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-2-1986 Soal:

(1) Tibra Builders (Bombay) Pvt, Ltd.,

(Transferor)

(2) Hem Agencies.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 5th February 1986

No. AR-III/37EE/22108/85-86.-Whereas, I,

No. AR-III/37EE/22108/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Unit No. 60A, ground floor, Shanti Indl. Estate, Sarojini Naidu Road, Mulund (W), Bombay-80. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as coresaid exceeds the apparent consideration therefor by those than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ало /ог
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 60A, ground floor, Shanti Indl. Estate, Sarojini Naidu Rd, Mulund (W), Bombay-80,

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22100/83-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 5-2-1986

Seal 1

(1) Hiranandani Indl. Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. Eckay Tools & Pressings.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

No. AR-III/37EE/21994/85-86.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have repson to believe that the immovable property, having a fair market value enceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 214, Himmandani Indl. Estate, Kanjur Marg

(W), Bombay-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reapective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 211, Hirananadani Indl. Estate, Kanjur Marg, (W), Bombay-78.

The agreement has been registered by the competent authority, Bombay under No. AR-III/37EE/21994/85-86 Authority, Bo dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 5-2-1986

(1) Monir M. Bachooali,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Indo Saigon Agency.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay the 5th February 1986

No. AR-III/37EE/22089/85-86.-Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Unit No. 8, Kutch Indl. Estate, Gobind Udyog Bhavan,
Bal Rajeshwar Rd, Mulund (W), Bombay-80
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said interment of transfer with the object of transf of transfer with the object of :-

- (s) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of thihs notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 8, Kutch Indl. Estate, Gobind Udyog Bhavan, Bal Rujeshwar Rd, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22089/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Not, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 5-2-1986

Seal;

(1) M/s. Raja Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Vir Elastomers.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th February 1986

No. AR-III / 37EE / 22274 / 85-86. --- Whereas. I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Unit No. 5, 1st floor, Raja Indl. Estate, Mulund (W),

Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or avagion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /o-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later:
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5, 1st floor, Raja Indl. Estate, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22274/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in paisurance or section 2000 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 5-2-1986

(1) Bhagavan N. Sawant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arvind B. Sawant.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th February 1986

No. AR-III / 37EE / 22177A / 85-86. - Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter rafe to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 48, 2nd floor, B Bldg., Ujwal Nandadeep Co. op. hsg. soc. Ltd., Marve Road, Mith Chowki, Malad (W),

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tran as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of ;---

- is) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) (acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--127---16GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerchie property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 48, 2nd floor, B Bldg., Ujwal Nandadeep CHSL., Marve Rd, Mith Chowki, Malad (W).

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22177A/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 11-2-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Samshuddin M. Rayani.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandu U Badlani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE UF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 3rd February 1986

No. AR-III/37EE/22541/85-86.—Whereas, I,

AKHILESH PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Office No. 328, 3rd fl. Natraj Market, S.V. Road, Malad (W.) Borshey.

(W). Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of careter with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax net, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No. 328, 3rd ff. Natraj Market, S.V. Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22541/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the a oresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely:-

Dated: 3-2-1986

(1) Smt. Sneh-luta H. Shah.

(Transferor)

(2) Popatlal Deepchand Shah,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th February 1986

No. AR-III/37EE/22587/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD.

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 12, A wing, Raj haris Apartment, Malad
Rajharis CO. OP. HSG. SOC. LTD., Jitendra Road Malad
(E), Bombay-97

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the equalification for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of aransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, A wing, Raj Lans Apt. Malad Rajharis CHSL, Jitendra Rd, Malad (E).

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22587/85-86 dated 1-7-1985.

AKHIESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 11-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Kamran Linkers.

(Transferor)

(2) Smt. Lalit Kochar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22749/85-86.—Whereas I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Shop No. 2, ground floor, Deonar Hill View Co. op.
Hsg. Soc. Ltd., Deonar Baug, Deonar, Bombay-88,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the esmsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, ground floor, Deonar Hill view CHSL., Deonar Baug, Deonar, Bombay-88.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22749/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Dated: 19-2-1986

(1) Mr. Jashbhai Motibhai Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. ΛR-III/37EE/22753/85-86.—Whereas I, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aci, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 10, ground floor, Sati Indl. Estate, I.B. Patel Road, Goregaon (E), Bombay-63 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the section 2504 Parket by the leading to the Office. Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

(2) Mrs. Kokilaben H. Patel.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 10, ground floor, Sati Indl, Estate, I.B. Patel Road, Goregaon(E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22753/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 19-2-1986

(1) M/s. Bon Ami.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Floursent Fixtures Pvt. Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22508/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 29, Guru Gobind Singh Indl. Estate, Western Express Highway, Road, Goregaon (E), Rombay-63

Bombay-63.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as wen in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 29, Guru Gobind Singh Indl. Estate, Western Express Highway Road, Goregaon (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22508/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 19-2-1986

FURM ITNS-

(1) Vasantkumar S. Senjit & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Vijaya Deshmukh & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22523/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. G-13, Row House, Shree Dattaguru Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Deonar village Road, Deonar, Bombay-88 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. G-13, Row House Shree Dattaguru CHSL, Donar Village Road, Deonar, Bombay-88.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22523/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 19-2-1986

Scal;

(1) Smt. Bhagwani T. Khatri.

(Transferor)

(2) S

(2) Smt. Parvatibai P. Khithani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22323/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 42, Collector's Colony, village Wadhavli, Chembur, Bombay-74. (and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds tht apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piot No. 42, Collector's Colony, village Wadhavli, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22323/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sectior 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 19-2-' 986

Scal .

(1) Mrs. L. K. Nambiar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. P. Kuttan Pillai.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22667/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 4, Seagull, Angelore Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Chembur, Bombay-89

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers mad for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Seagull, Angelore Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-111/37EE/22667/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 3ombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-128-16GI/86

Dated: 19-2-1986

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. S. J. Aijan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Shaukat Alikhan Mohd, Taqui.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undergigated :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONER OF INCOMB TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 26th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22170/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 14, Bldg. No. 3, Ram Mandir Indl. Estate, Garegaon (E), Bombay-63 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Explanation:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of: -

(a) facilitating the reduction or evanion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Gala No. 14, Bldg. No. 3, Ram Mandir Indl. Estate, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22170/84-85 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 26-2-86.

(1) S. Subramanian,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. M. Janardhan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22258/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 4, Jamuna Bldg., Chhed Nagar, Bombay-89, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-85. for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more ther lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4. Jamuna Bldg., Chheda Nagar, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. AR-/III/37EF 22258/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following Dersons, namely :-

Date: 19-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-liJ/37EE/21982/85-86.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1, 10,000/- and bearing Flat No. 95, Bldg. No. 5, Siddhurth Nagar, behind Weigh

Bridge, Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85.
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by he transferee for the purposes of the Indian Incoae-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Abdul Aziz Jiyan Maknojcia,

(Transferor)

(2) Mohd. Noor Mohd. Jiwan Maknojeia. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 95, Bldg. No. 5, Siddharth Nagar, behind Weigh Bridge, Bornbay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, 30mbay under No. AR-III/37EE/21982/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 19-2-1986

(1) Mrs. Radha Gopalan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. V. Vajaya Lakshmi & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22368/85-86.—Whereas I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 9 to 12, Sector III, Akshaya Bidg. Chedda Nagar, Chembur, Bombay-89. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85.

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afrossaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incomptax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9 to 12, Sector III, Akshaya Bllg., Chedda Nagar, Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Competent Authority, 30mbay under No. AR-IIII/37EE/!2368/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Compete t Authority
Inspecting Assistant Commissioner o Income-tax
Acquisition Range-1 I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-2-1986

(1) Smt. Santhosh Kumari R. Verma.

('Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Satish Roshanlal Oberol.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22179/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act'), have reason to believe that the immersable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2C/5, Vijay Vihar Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Sion Trombay Road, Bombay-71. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the acceptance in registered under has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the consesiment of any income or any moneys or other meets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wenith-ta: Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 2C'5, Vijay Vihar Co.op, Hsg. Soc. Ltd., Son Trombay Road, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EE/22179/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby invitate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Date: 19-2-1986

FORM ITNS ...

(1) Smt. Seethalakshmy Subramaniam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Manisha Manjrekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22862/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 15, Basant Uttam Co. on. Hsg. Soc. Ltd. Chembur

Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Chembur, Anthony Road, Bombay-71. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Income-tex Act. 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fileen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hersin as are defined in Chapter XXA of the sale: Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Basant Uttam CHSL., Anthony Road, Chembut, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22862/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 19-2-1986

(1) Kamlabai Parsram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

JOVERNMENT OF INDIA

(2) Purshottam Hiranand Rohra.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JJI, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-IIII/37EE/22526/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1/2 portion of Gala No. 302, 31d fl. Ashirwad Heavy Indl. Estate, 26, Ram Mandir Road, Goregaon (W), situated at Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor here are the fair market value of the property as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 portion of Gala No. 302, 3rd fl. Ashirwad Heavy Indi. Estate 26, Ram Mandir Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22526/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-2-1986

<u>- -- -- -- -- --- --- --- ---</u>-----

FORM I.T.N.S.

(1) Mrs. Vasumati K. Mchta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22405/85-86.—Whereas 1, AKHILESH PRASAD, being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, A-47, Krishna Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Gokuldham, Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Gokuldham,
Goregaon Mulund Link Road,
Goregaon (E), situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Cornectent Authority at Bombay on 1-7-85.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
be we that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ausets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

129.—16GI/86 129--16GI/86

(2) Mrs. Radha Seshadri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, A-47, Krishna CHSL, Gokuldham, Goregaon Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22405/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 18-2-1986

Seal •

(1) Shri S. Wadhawan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Lalchand K. Negpal & Ors.

(Tramsferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/21952/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,006/- and bearing Flat No. D-9. 2nd floor, Refinery View Co-op. Hsg. Soc. Ltd. R. C. Marg Chembur, Bombay, 74 Ltd., R. C. Marg, Chembur, Bombay-74 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesqid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-9, 2nd floor, Refinery View C.H.S.L., R. C. Marg, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/21952/85-86 dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Date: 18-2-1986

FORM I.T.N.S.---

(1) Smt. Sitabai T. Satta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahesh G. Badlani & Ors.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22248/85-86.—Whereas I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, 1st floor, Bldg. No. 1, Borla Co-op. Hsg. Soc. 1.td., Dr. Choithram Gidwani Road, Chembur,

Soc. Ltd., Dr. C situated at Bombay

Bombay-74

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property α_S aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more that 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on he respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Bldg. No 1, Borla CHSL., Dr. C. G. Road, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37E/22248/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:-

Date: 18-2-1986

(1) Miss Sarala Rao.

(2) Mr. Vinay Singh Kaoch.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-III, BGMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22634/85-86.—Whereas I, AKHILISH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Fla. No. 102, 1st floor, Din Quarry Road, Ghatkopar Wadala Road, Off. Panjrapole Naka, Chembur, Bombay 88 (and more fully described in the schedule agreed bereto)

(and more fully described in the schedule amexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 1.69AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitains are reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **680** / 68
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have no: been or which ought to be disclosed by the trans'erec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Venith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of themseld Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, Din Quarry Road, Ghatkopar Wadala Rd., off. Panjrapole Naka, Chembur, Bombay-88.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/85-86 dated 1-7-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act. I hereby initiate proceedings for the acculation of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18-2-1986

(1) Mr. Pravaenchandra A. Shah,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE F INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22077/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 42-A, 1st floor, A Bldg., Virwani Indl. Premises Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Virwani Indl. Estate, W. E. Highawy. Goregaon (E), Bombay 63 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s, Perfect Paper & Steel Convertors Pvt. 1.td. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 42 A. 1st floor, A Bldg., Virwani Indl. Premises CHSL., Virwani Indl. Estate W. E. Highway Goregaon (E).

The agreem of has been registered by hte Competent Authority, Bon bay under No. AR-III/37EE/22077/85-86 dated 1-7-198;

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Irrome-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-2-1936

Seul:

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri D. N. Chakraborty

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. K, Pottath

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22145/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 2

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. D/8, Raj Kunj Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Waduvali, Chembar 70.

Chembur, Bombay-74

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incom-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a ground to beta and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any rioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used berein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D/8, Raj Kund Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Waduvali, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22145/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Mow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby instints proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act to be following persons, namely :--

Date: 19-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Cathepene Sarrao

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22259/85-86.—Whereas I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, B Bidg. New Girish Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Patil Lane, Chunabhatti, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incom-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri R. J. Jain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 1. B bldg., New Girish Apartments CHSL., Patil I.ane, Chunabhatti, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/73EE/22259/85-86 dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

dated 1-7-1985. Seal; FORM ITNS----

(1) Mr. Y. B. Vakharia

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Kantadevi S. Agarwal,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22331/85-86.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 20, Bldg. No. B-3, Mahesh Nagar, S.V. Road, Goregaon (W), Bombay 62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incom-tax Act, 61 in the Office of the Comretent Authority at Bombay on 1-7-85

section 269AB of the Incom-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20, Bldg. No. B-3, Mahesh Nagar, S. V. Road, Goregoan (W), Bombay 62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22331/85-86 dated 1-7-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 289D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dato: 18-2-1986

(1) M/s. Bhavana Const. Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Navinbhai M. Patel & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-III/37EE/21968/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. AK-III/3/EE/21300/03-00.—Wilclas, 1, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 1st floor, Plot No. 18-A, Jawahar Nagar, S. V. Road, Goregaon (W), situated at Bombay-62 of the Competent Authority at

of the Competent Authority at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office

Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any irrorme arising from the transfer; andlor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Plot No. 18-A, Jawahar Nagar, S.V. Road, Goregaon (W), Bombay 62.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/21968/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisitionn Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--130-16GI/86

Date: 18-2-1986

(1) S. Vijaya Lakashmi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. M. Malpani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/21987/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 19, Bldg. No. B-1, Ramanuj CHSL, Plot No. 3, S. No. 46 & 47 (pt), Mahesh Nagar, S. V. Road, Goregaon (W), situated at Bombay-62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AE of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19, Bldg, N. B-1, Ramanuj CHSL., Plot No. 3, S. No. 46 & 47 (P) Mahesh Nagar, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/21987/85-86 dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-2-1986

(1) Smt. P. N. Shah Alias Gothi

(2) Shri Aiya S. Parthasarthy.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- Ref. No. AR-III/37EE/22699/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,
- being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Flat No. 401 A, Seena Niwas C.H.S.L., behind Vijay
Talkies, Sion Trombay Rd, Chmebur, situated at Bombay-71
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offlical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 401 A, Seena Niwas CHSL., Vijay Talkies, Sion Trombay Rd, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22699/85-86 dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JII, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 18-2-1986

Soal:

(1) Shri Manohar P. Mhatre

(Transferor)

(2) Shri D. G. Deshpande.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22674/85-86.—Whereas, I, ARHILESII PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (beremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office premises No. 8, 1st floor Plot No. 33, CTS. No. 922, D.K. Sandu Marg, Chembur, Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall nave the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Premises No. 8, 1st floor, Plot No. 33, CTS No. 922, D.K. Sandu Marg, Chembur, Bombay-71,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EF./22674/85-86 dated 1-7-85.

AKHII ESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tay
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 18-2-1986

(1) Shri C. D. Rappai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. O. Jose & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bembay, the 18th February 1986

Rcf. No. AR-IJI/37EE/22456/85-86.---Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ux Act, 1961 (43 of 1961) (hereins for referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/¬ and bearing No. Flat No. 23, 3rd floor, Ganga Sadan, Soudamini CHSL, 107 Pestom sagar Extension, P.L. Lokhande marg, Chembur, Bombay-39

bur, Bombay-39 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazefte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 3rd floor, Ganga Sadan, Soudamini CHSL, 107 Postom Sagar Extension, P.L. Lokhande Marg, Chembur.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22456/85-86 dated 1-7-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-2-1986

Seal ;

(1) Mrs. Usha R. Tejwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. K. Shahi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 18th February 1986

No. AR-III/37EE/22504/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 2, Bldg. C, Jeevan Bahar Co-op. Hsg. Soc.,

Chembur, Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sgid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Bldg. C, Jeevan Babar CHSL, Bombay-71.

the Competent The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22504/85-86, dated 1-7-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 18-2-86.

(1) Mr. V. B. Kashiv.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. K. Somani & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

No. AR-III/37EE/22154/85-86.—Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 13, 4th floor, Bldg. No. M-8, Bhanumati Premises CHSL, Bangurnagar, Bombay-90 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Connectent Authority at the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 4th floor, Bldg. No. M-8, Bhanumati Premises CHSL. Bangurnagar, Bombay-90.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22154/85-86, dated 1-7-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 18-2-86. Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM ITNS----

(1) S. Rangarajan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. Parameshwarn.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

MFAICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III вомвлу

Bombay, the 18th February 1986

No. AR-III/37EE/22650/65-86.—Whereas, (, AKHILUSH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. C-45, Shrinagar Co-op. Hsg. Soc. Pestom

Sagar, Chembur, Rombay-89 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. C-45, Shrinagar (HS, Pestom Sagar, Chembur,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/3 TE/2650/85-86, dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay!

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 18-2-86

FORM ITNS-----

(1) Mr. A. Das.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Mr. Thomas K. Samuel.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 18th February 1986

No. AR-III/37EE/22242/85-86.--Whereas, I.

AKHILESH PRASAD AKHILESH PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. N-5. ground floor, S. No. 161 (pt.), Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

that Chapter.

whichever period expires later;

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Block No. N-5, ground floor, Plot No. 12A, S. No. 161 (pt.), Bongur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22242/84-85, dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforeeaid property by the issue of his notice under sub-section of Section 269D of the said Act, to the following emons, namely :— 131--16GI/86

Dated: 18-2-86.

FURM TTNS-

(1) Mr. S. K. Sherty.

(Transferor)
(Transferee)

(2) Mr. J. G. Parab.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

No. AR-III/37EE/22685/85/86 - Whereas, I. AKHILESH PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Galla No. 22, New Heera Panna Premises Co-op. Hsg.
Soc. Ltd., ground floor, Plot No. 1 & 2, Dindoshi village,
Goregaon (E), Bombay-63

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85 for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partition has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in capect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said groperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Galla No. 22, New Meera Pauna Premises C.H.S.L., ground floor, Plot No. 1 & 2 Dindoshi village, Goregaon (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22685/85-86, dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Dated: 18-2-86.

OCHI

(1) M/s. Space Agra Builders Pvt. Ltd.

(Transferor) (Transferce)

(2) Mr. A. Palani Das

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22585/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD

AKHILESH PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 402, 4th floor, Ghatkopar Wadala Road, Deonar, Bombay-88 (and more fully described in the School-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sold Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

s, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undertigued :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explices hiter;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the na of this potter in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, off. Ghatkopar Wadala Road, Deonar, Bombay-88.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22585/85-86, dated 1-7-85,

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dated: 18-2-86.

FORM ITNS...

(1) Essken Engineering Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF I'ME INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri L. S. Kadam & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III ROMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22678/85-86.--Whoreas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plat No. H-13, Shree Saraswati CHSL, Chembur Govandi Rd,, Chembur, Bombay-71

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be the parties has not been truly stated in the said inst of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbs of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the trans

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. H-13, Shree Saraswati CHSL, Chembur Govandi Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No .AR-III/37EE/22678/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 18-2-1986

(1) Shri N. M. Choudhary.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. S. J. Rao.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-HI BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22670/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14, Bldg. No. D7, 3rd floor, Jalnidhi CHSL., Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property are aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties—has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfero and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afore-aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Bldg. No. D7, 3rd floor, Julidhi CHSL., Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22670/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat: proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely ?—

Dated: 18-2-1986

FORM ITNS----

(1) Sri K. M. Nalkath.

(Transferor)

(2) Sri R. K. Karwa & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22451/85-86.—Whereas. I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. M-4/8, 2nd floor, Bangur Nagar, Herramani Ratan, Co. op. Hsg. Soc. Ltd., M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-90

Bombay-90.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. snall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. M-4/8, 2nd floor, Bangur Nagar, Herramani Ratan, Co. op. Hsg. Soc. Ltd., M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. $\Lambda R\text{-III}/37EE/22451/85\text{-}86$ dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :-

Dated: 18-2-1986

FORM ITNS----

(1) Smt. Meghbai D, Gala.

(Transferor)

(2) Shri Chandrakant D. Gala.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22279/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 101-A, Paras Niketan, Chheda Nagar, Chembur, Bombay-89.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-lax Act, 1961 in the Office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Commetent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of transfer with the objects of transfer with the contract transfer with transfer ment of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evanion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101-A, Paras Niketan, Chheda Nagar, Chembur, Bombay-89.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No AR-III/37EE/22279/85-86 dated 1-7-1985,

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 18-2-1986

Scal:

FORM ITNS----

(1) Mr. Daulat Ram.

(Transferor)

(2) Mr. M. S. Srivastava.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-HI BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22277/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gokuldham, 601 Swajan Co. op. Hsg. Soc. Ltd Goregaon Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay-63. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of iransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or ovacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gokuldham, 601 Swajan Co. op. Hsg. Soc. Ltd Goregaon Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22277/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 18-2-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. T. Bahl.

(Transferor)

(2) M/s. Union Park Apartments Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22586/85-86.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 41, ground floor off. Sion Trombay Road, Union

Park, Chembur, Bombay-71. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 41, ground floor off. Sion Trombay Road, Union Park, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22586/85-86 dated 1-7-1985,

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following nersons, namely ;-

132-16GI/86

Dated: 18-2-1986

(1) Mrs. Mary Vaz.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dominic Dias & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-HI **BOMBAY**

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22317/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinaster referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 5, 2nd floor, Philreena C Bldg., Tank Road, Arlem,
Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. روا أيسد

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian (ncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property new be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Scal:

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor. Philreena C Bldg. Tank Road, Orlem, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomboy under No. AR-III/37EE/22317/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD► Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-2-1986

FORM ITNS———

(1) Shri Prabhudas Madhavii Padia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrì Vallabh Combines.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

2Ref. No. AR-III/37EE/22541/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tap. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 220 & 221, 2nd floor, Malad Sonal Heavy Indl. Estate, Ramchandra Lane, Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 220 & 221, 2nd floor, Malad Sonal Heavy Indl. Estate, Ramohandra Lane, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-III/37EE/22541/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-2-1986

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri D. T. Padia.

(Transferor)

(2) M/s. Paresh Plastic Industries.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22488/85-86.—Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
107, Malad Sonal Indl. Premises Co-op. Hsg. Soc. Ltd.,
Ramchandra Lane, Malad (W), Bombay-64

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the rair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inturovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION: -- The terms and expressions Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) ficilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

107, Malad Sonal Indl. Premises Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Ramchandra I ane, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22488/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 10-2-1986 Seal:

(1) Mr. Uday D. Chande.

(Transferor)

(2) Mrs. Daisy Coutinho & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-HI BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22819/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, ground floor, Bldg. No. 3, Green Park Co-op. Hsg. Soc. Ltd., C.S. No. 325 (pt.), S. No. 28, H. No. 4 (pt.) Linking Road, Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better the parties has not been truly stated in the said instanween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor, Bldg., No. 3, Green Park Co-op. Hsg. Soc. Ltd. C. S. o. 325 (pt.), S. No. 28, H. No. 4 (pt) Linking Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-III/37EE/22819/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-2-1986

Scal:

(1) Shri Shivgar Dovgar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt, Gajaraben alias G. K. Doshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22640/85-86.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. A/6, 2nd floor, The Malad Yojana Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Malad (W), situated at Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period appires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/6, 2nd floor, The Malad Yojana CHSL., Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22640/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1986

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.----

(1) Shri Gopal Dayalal Gala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gunshi Bhimshi Gada & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22269/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Shop No. 169, ground floor, Malad Shopping Centre Pvt. I.td., Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of pub lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 169. ground floor, Malad Shopping Centre Pvt. I.td., Malad (W), Bombay-64. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22269/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-2-1986

(1) M/s. B. H. Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Jamil Ahmad B. Khilji.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37FF/22846/85-86.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the, said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|-and bearing No.

and bearing No.
Shop No. 4 Gr. Floor Cherry Blossem Apartment. CTS, No. 522 (P) Village Valnai, D'Monte Lane Malad (W),

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to us disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any et the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Gr. Floor Cherry Blossem Apartment, CTS, No. 522 (P) Village Valnai, D'Monte Lane Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-111/37EE/22846/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the sequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-2-1986

Scal:

FORM ITNE-

(1) Shri Purshottam T. Rohira.

(Transferor)

(2) Shri Shamoon Abbasbahi Kazi & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22430/85-86.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Bagwati Apartments Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 6, S. V. Road, Malad(W) Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985

at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inference cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Bagwati Apt. CHSL., Plot No. 6, S. V. Road, Malad(W), Bombay 64.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-III/37EF/22430/85-86, dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

133--16GI '86

Date: 6-2-1986

(1) M/s M&J. Combine

(Transferor)

(2) Mr. Richard Lasrado & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-111/22718/85-86. Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 26, 2nd floor Blue Haven Off Link Road, Village Value:

Valnai Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 26, 2nd Fl. B-Wing of Blue Haven Off Link Road. Village Valnai Malad(W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22718/85-86. dated 1-7-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 6-2-1986 Seal :

(1) Smt. Lata Chandu Lala

(Transferor)

(2) Shri H. S. Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Nofl AR.III/37-EE/22214/85-86.— Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 204, Bldg. No D-2, Tapovan, Pathanwadi Rd.
Western Express, Highway, Malad(E), Bombay-97
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, D-2, Bldg. Tapovan, Pathanwadi Rd. Western Express Highway, Malad(E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37-EE/22214/85-86 dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date : 6-2-1986

(1) M/s. Sanghvi Construction Co.,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajeshbhai Narottamdas Merchant

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22131/85-86.—Whereas, J. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Flat No 2, ground floor Shree Ram Apartments, S.V. Road,
Near Milap Cinema, Malad(W), Bombay-64,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exprise later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204, D-2, Bldg. Tapovan, Pathanwadi Rd. Western Near Milap Cinema, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22131/85-86 Dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforese'id property by the issue of this notice under rabsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 6-2-1986

(1) M.&J. Combine

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Francis Lopes & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

No. AR-III/37EE/22719/85-86,—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable preparty, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. A-5-2, 3rd fl. Blue Haven Off Link Road, Village Volnoi Malads(W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent enosideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-32, 3rd fl. Blue Haven Off Link Road, Village Vulnai, Malads(W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-III37EE/22719/85-86 dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 6-2-1986

Scal :

(1) Smt. Razia Begum Abdul Rehman

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Maniben Morarji Dharod.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR.III/37EE/22427/85-86.-Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the iramovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 19, B(1) Gr. Fl. Natraj Market S. V. Rd. Malad(W),

Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforetaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used bersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 19, B(1) Gr. Fl. Natraj Market S. V. Rd. Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent under No. AR-III/37EE/22427/85-86 Authority Bombay dated 1-7-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquiition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

Scal:

M/s. Rose Builders & Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Audrey R. D'Souja & Ors

(Transfiles)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th February 1986

Ref. No. AR.III/37.EE/22125/85-86.—

Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 203, 2nd fl. shot land Apartment, Lougas colony, Marve Road, Malad(W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

at Bombay on 1-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd fl. shot land Apartment, Loudas colony, Marve Road, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III 37EE22125/85-86 dated 1-7-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely :---

Date: 14-2-1986

Scal:

(1) M/s. Rose Builders & Associates

(Transferor)

(2) Mr. C. K. Poojary.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th February 1986

Ref. No. AR.III/37EE/22126/85-86.-Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

whereas, I, ARHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceedinfi Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd fl. shot land Apartment, Loudes Colony, Mayor Rd, Medd (W). Rephys 64

Marve Rd. Malad(W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as more than after an apparent consideration therefor by more than after per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202,, 2nd fl. shot land Apartment, Loudes Colony, Marve Rd. Malad(W), Bombay-64,

agreement has been registered by the Competent Authority, Bomboy under Sr. No. AR-III/37EE/22126/85-86 dated 1-7-85.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incompage Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 14-2-1986

FORM ITNS—

(1) Shri H. Shanker Narayan Rao.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anil Kumbr Saraf & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22820/85-86.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 301, Mayur Apartment, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-97, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid d the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made at writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein As are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Mayur Aaprtment, Jitendra Road, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22820/85-86 dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herebe nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-134--16GI/86

Date 6-2-1986

Scal :

FORM 117N9----

(1) Mrs. Rolar Vasanthi Rao.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudha V. Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said propery may be made in wriing to the undersigned :-

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/21938/85-86.--

whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 501. The Kanchan Nalanda Co.op. Hsg. Soc. Ltd.,
Sunder Nagar, S. V. Road, Malad(W). Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hy than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act. in respect of any income arising from the transfer, andlor

Flat No. 501, The Kanchan Nalanda Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Sunder Nagar, S. V. Road, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/21938/85-86, dated 1-7-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JII, Bombay

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acculation of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the fellowing persons, namely :---

Date : 12-2-1986 Scal :

FORM ITNS (1) Shri Francis D'Souza. & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sreekishan Mundhra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 12th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/21951/85-86,-Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
R-5, Flat No. 16, 4th floor, Sunder Nagar, S. V. Road, Malad

(W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R-5, Flat No. 16, 4th floor, Sunder Nagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/21951/85-86 dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1986

(1) Shri Mulji Keshavji Shah, & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Valji Mulji Vora (HUF) & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th February 1986

Ref. No. AR-III/37-EE/22826/85-86.—Whereas, I, AKHILESII PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000- and bearing
Shop No. 19, ground floor, Bldg. No. S/1, Malad Kokli
Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Sunder Nagar, S. V. Road, Malad

(W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 19, ground floor, Bldg. No. S/1, Malad Kokil Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Sunder Nagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22826/85-86 dated 1-7-85.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22779/85-86.—Whereas, I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-text Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 302, 3rd floor, S Unit No. II, Malad Kokil Co.op.
IIsg. Soc. Ltd., Sunder Nagar, S. V. Road Malad (W), Lombay-64

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 1/7|, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, un4/~
- (b) facilitating the concealment of any income or any suoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Apt. 1957 (27 of 1957);

now, uncreasers, in pursuance of Section 269C of the said Aux. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion under mebvestion (1) of Section 269D 14 the said Act, to the following person namely:-

(1) Mr. Amarsang Fatehsang Rana.

(Transferor)

(2) Mr. Anoop Kumar Bhimrajka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION :- The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, S. Unit No. II, Malad Kokil CHSL, Sunder Nagar, S. V. Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22779/85-86 dated 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date : 10-2-1986 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th February 1986

Rcf. No. AR-III/37EE/22548/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the manovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 222 & 223, 2nd floor, Malad Sonal Indl. Estate, Ramchandra I ane, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tex Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 1/7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 2.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely to the said Act, to the following persons, namely to the said Act, to the following persons, namely to the said Act, to the following persons, namely to the said Act, to the following persons, namely to the said Act, to the following persons, namely to the said Act, to the following persons, namely to the said Act, to the following persons, namely to the said Act, to the following persons, namely to the said Act, to the said Act,

(1) Shri Prabhudas Madhavji Padia.

(Transferor)

(2) Shri Vallabh Niryat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 222 & 223, 2nd floor, Malad Sonal Indl. Estate. Ramchandra Lane, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22548/85-86 dated 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 10/2/1986 Seal:

(1) B. K. Appa & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shree Rajan Gajanan Mistry & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/2250\$ 85-86.—Whereas, 1. Ref. No. AK-III/3/EE/24303 03-00.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing Flat No. 2, 1st floor, Sugandh Apartment, Pannalal Ghosh Marg, Old Gaothan Road, Malad (W), Bombay-62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority
at Bombay on 1/7/1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pusposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nerross, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Sugandh Apt., Pannalal Ghosh Marg, Old Gaothan Road, Malad (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE 22505/85-86 dt, 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 6-2-1986

(1) Padmaprakash Somprakash Bhatnagar.

(Transferor)

(2) Viren Osani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay the 3rd February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22332/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 8 Sopiarshi C.H.S. Ltd., 55-D-1, Daftary Road,

Malad (E), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1/7/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name*

135—16 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Saptarshi C.H.S.L., 55-D-1, Daftary Road Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22332/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Date: 3/2/1986

FORM ITNS ...

(1) Smt. Vijaya J. Khopkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. D. Mule.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISMOMER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/21934.—Whereas, I,

Ref. No. [AR-III/3/EE/21934.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Informatic (Act, 1961 (43 of 1961) (have reson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rgs. 1.00.000/- and bearing No. Rs. 1.00.000/- and bearing No. Rs. 1.00.000/- and bearing Stat Liu E-4/9 Setsang Rharati CHS Ltd. Goving Nagar.

Rs. 1.00,000/- and bearing
Flut No. E-4/9, Sateang Bharati C.H.S. Ltd., Govind Nagar,
Chircholi Maled
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 59AB of the Internet Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority
at Rephasic on 1.77 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason market vilue of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration to the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) inclifating the enduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wising from the transfer; and /or
- th, facilitating the concealment of any income or any regaining the soncealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which such to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. (hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2697) of the said Act, to the following persons, namely '--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sime meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-4/9, Satsang Bharati C.H.S. Ltd., Uppur Govind Nagar, Chincholi, Malad (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/21934/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IH Bombay

Date: 10-2-1986

(1) Miss Aroona Irani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

A STATE OF THE PROPERTY OF THE

(2) Shri B. M. Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 14th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22681/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Residential premises, Plot No. 1. S. No. 131, S. V. Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred a registered under section 269AB of the I registered under section 269AB of the I in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiscen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential premises Plot No. 1, S. No. 131, S. V. Road, Malad (W), Bomba-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/22681/85-86 dated 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III **Bombay**

Date: 14-2-1986

(1) M/s. Associated Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ayub Gulam Mohmed Salch,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22472/85-86.--Whereas, I, AKIIILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Flat No. H-20, 4h floor, Balwa Nagar Unit-2, Madina Manzil
S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gansfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/av

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said Aproperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act. shall have the same meating at given, in that chapier.

THE SCHEDULE

Flat No. H-20, 4th floor, Balwa Nagar tLiit No. 2, Madina Manzil, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

agreement has been registered by the Competent, y. Bombay under No. AR-III/37FE/22472/85/86 Authority, Bo dated 1-7-1985.

> ARTHE: SEEPRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said here the following persons, namely :--

Date: 18-2-1986

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Ashish Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s N. D. Gupta Family Trust.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/21989/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 3, Gr. Fl. Hem Sagar Bldg. S. V. Road, Goregaon (W), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compe'ent Authority at Bombay on 1\/7/1985

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income acising from the transfer; andler
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New; therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. Fl. Hem Sagar Bldg. S. V. Road, Goregaon (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/21989/85-86 dated 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 18-2-1986

والمتحصل للمدار والمتحص والمعارية FORM ITNS---

(1) Mr. J. B. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Neeta C. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONISK OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22464/85-86.-Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the rumovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 6. Pachiti C.H.S.L., Flot No. 146, Jawahar Nagar, C.W.) Rombay 62

Goregaon (W), Bombay-62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been translerred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (w) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferm to pay tax under the sect Act, to sespect of may income arising from the transfer sad/ex
- (a) Accilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, so the acquisition of the maid property may be made in writing to the uncertained.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a pencit of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period same over
- (b) by any other person interested in the said immov-sole property with a 15 hard from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms of the expressions used herein as are defined in Chapter XMA of the said Act, shall have the sand meaning as given in that Chapaca

THE SCHEDULE

Block No. 6, Prachiti CHSL., Plot No. 146, Jawahar Nagar, Goregaon (*), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/57EE/22464/85-86 dated 1/7/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tex Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-2-1986

FORM LT.N.S.-

(1) Mr. R. V. Shekar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. S. Rao.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22076/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 8, 3rd floor Mumbadevi Co-op, Hsg. Sot, Ltd. Behind

Church, Chembur, Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

at Bombay on 1-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the sons which for such transfer as up tell to between the parties has not been truly stated in the said instrument of warder with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective penting whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 3rd floor Mumbadevi Co-op. Hsg. Society Ltd. Behind Church, Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/22076/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :--

Date: 18/21/1986

Sen1:

(1) M/s Associated Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. E. Balsania.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I/I

BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III; 37EE/22471/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here nafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. E-1, Ground Floor, Balwa Nagar, Unit No. 2, Madina Manzil, S. V. Road Goregaon (W). Bombay-62 (and more fully described in the Schedule annexed herete),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Compe'ent Authority at Bombay on 1-7-1985

at Bombay on 3-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from be transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income oor any moneys or other casets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersumed is a

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the taid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E-1, Ground floor Balwa Nagar, Unit No. 2, Madina Manzil, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/22471/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Bonday

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 265°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-2-1986

FORM TINE

(1) Shri Uday V. Bhakta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ratanbeen D. Shah & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EEJ/22805/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 29, Dhanvanti Bidg. Peru Baug, Aarey Road, Gore-

gaon (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any incesses arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

136-16GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offician Gazette or a period o 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 29, Dhanvant Bldg. Peru Baug Aarey Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/22805/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 18-2-1986

FORM ITNS----

(1) Shri Moti Tejumal Thadani

(Transferor)

VOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Indiraben B. Tolia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/ AKHILESH PRASAD, AR-II1/37EE/22750|85-86.--Whereas,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961(43 of 1961) (heseinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000/- and bearing
Indl. Unit No. 119, Guru Gobind Singh Indl. Estate, Goregaon (E), Bombay-63.

(and more fully described in the Schoolster accessed.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- racittating the concentrated of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-ias Act, 1957 (27 of 1957): (%) facilitating the concentrates.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons, namely :---

bjections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lease;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gapette.

EXPLANATION: --- the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Unit No. 119, Guru Gobind Singh Indl. Estate, Goregaon (F). Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/22750|85-86 dated 1/7/1985. Competent

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 18-2-1986

FORM I.T.N.S .---

(1) Mr. Sudesh C. Khurana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Mr. Vindo K. Billa.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22160/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. D5/4, Basant Park, Chembur, Bombay-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under rection 260AB of the Incompetity Act, 1961 in the office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a), facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; anā /ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. D5/4, Basant Park, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE|22160|85-86 dated 1/7/1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 18-2-1986

FORM I.T.N.S.---

(1) R. K. Bourie & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. A. Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

AR-III/37EE/22448|85-86,--Whereas, I. Nα

Ref. No. AR-III/37EE/22448[85-80.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. F2/13, Jalnidhi Co-op. Hsg. Socty. Ltd. Bangun Nagar, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-90. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair smarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemed exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Westland Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the servcie of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 days from the date of the publi-estion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. F2/13, Jalnidhi Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Bangur Nagar, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE|22448|85-86 dated 1/7/1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I heraby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-2-1986

(1) M/s, Ashapura Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. D. Narwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 5th February 1986

Ref No. AR-III/37EE/22120/85-86.--Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to bolleve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Shop No. 7, ground floor, N Road, Mulund (W), Bombay Mcera Shyam Bldg., Goushala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the lightlity of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, ground floor, Meena Shyam Bldg., Goushala Road, Mulund Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22120|85-86 on 1-7-1985

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 5-2-1986

FORM ITNS———

(1) Bimal Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri R. S. Hadapad.

(Trensferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay the 19th February 1986

No. AR-III/37EE/22026|85-86.--Whereas,

Ref. No. AR-III/37EE/22026|85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B/14, Bimal Apartment, 4th floor, L. T. Road, Mulund (E), Bombay-81 situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beliave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B/14, Bimal Apartment, 4th floor, L. T. Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/22026/85-86 on 1-7-1985

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Scotion 249C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :- -

Date: 19-7-1986

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri P. N. Kothari,

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hiru J. Chandani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 5th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22148/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Godown No. 219, S. No. 200 (pt). CTS No. 288, Agra Road, Bhandup, Bombay-75

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcresaid property and I have reason to ocheve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebicst of:— Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Godown No. 219, S.Mo. 200 (pt), CTS No. 288, P. N. Kothari Estate, Agra Rd., Bhandup.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-JII/37EE/22148/85-86 on 1-7-1985

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforewaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-2-1986

Seal;

(1) Shri K. Madavan Pillay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Swastik Sanitarwares Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th February 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37EE/22863/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the imto as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
Shop No. 16, ground floor, Neelkamal, Bldg., Govind Nagar Road, Malad (W), Bombay-64
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the
aforesaid exceeds the apparent consideration property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly etected in the sold between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Shop No. 16. ground floor, Neelkamal, Bldg., Govind Nagar Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22863/85-86 on 1-7-1985

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Bombar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 14-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.——

(1) Mr. Umesh Kapoor,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shilpak.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22350|85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Dec. 100 000/2 and bearing No.

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Piece of parcel of land bearing S. No. 211, Hissa No. 40,
CTS No. 1472, Village Malwani, Taluka Borivali, Malad, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than htteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--137-16 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing S. No. 211, Hissa No. 40, CTS No. 1472, Village Malwani, Taluka Borivali, Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22350|85-86 on 1-7-1985

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 11-2-1986

FORM ITNS----

(1) Navin D. Kamdar.

(Transferor)

(2) Jinesh R. Parekh & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

may be made in writing to the undersigned :-GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22700/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 4, ground floor, The Jai Saket Co.op. Hsg. Soc. I.td., Saket 19, School Road, Malad (W), Bombay-64

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, ground floor, The Jai Saket CHSL., Saket, 19, School Rd., Malad (W), Bombay.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

1-7-1985.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22700/85-86 on

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IΠ Bomba

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

Date: 10-2-1986

Scal:

FORM ITNS-

(1) Shrfi Ramesh Prabhudas Shah.

(Transferor)

(2) Jagdish F. Jariwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

AR. III/37EE/21955|85-86.-Whereas, WILLESH PRASAD,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 2, Natrukripa Pandit Solicitor Marg, Malad (E).

Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Computant Authorities of the Computant of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as rgreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquirition of the mid property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Natrukvipa A-Bldg., Pandit Solicitor Marg, Malad (E), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-U1/37EE/21955/85-86 on 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dtae: 28-2-1986

FORM ITNS --- --

(1) Smt. Urmilaben H. Kapadia & Ors,

(Transferog)

(2) Shri Girish A. Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22696/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 24, Bldg. No. 4, Malad Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Podar Park, Malad (E), Bombay-97.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eald Ast, in respect of any income arising from the transfer: und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 24, Bldg. No. 4, Madad Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Podar Park, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22696/85-86 on 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III Bombhy.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dtae: 28-2-1986

(1) Mr. Edward Josseph D'Souza,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Kulu R, Tiwari & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Re'. No. AR-III/37EE, 22230/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding P.s. 1,00,000/- and bearing No. and bearing S. No. 283 (p), Hissa No. 5 (p), CTS No. 597 Pathan Wadi, Malad (E), Bombay situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been registered and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more ban fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as me defined in Chanter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 83, Hissa No. 5, Pathan Wadi Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22230/85-86 on 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 10-2-1986 Seal:

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) M/s. Laxmi Vijay Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Ajay Electric Stores.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PROOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Rcf. No. AR-III/37EE/22580/85-86.—Wheras, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 11, Ground Fl., Umajhara Malad Village, Mamladar Wadi Rd., Mulad (W), Bombay situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give. in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 11, Ground Fl., Umajhara, Malad Village, Mamlatdar Wadi Rd., Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-111/37EE/22580/85-86 on 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range 11 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

remarks in the secondary of

FORM ITNS———

(1) Shri Vinod A. Shah & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Tarla Hemant Gogri & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22417/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. AR-III/37EE/22417/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Office premises No. 132, first fl., Natraj Market, Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers

Office Premises No. 132, first fl., Natraj Market, Bombay-64.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent-Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22417/85-86 on

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-2-1986

FORM ITNS-

(1) Smt. Renuka Indravadan Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usha Vijaykumar Shah,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 13th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22680/85-86.—Whereas, 1,

Ref. No. AR-III/37EE/22680/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing Shop No. 1, Gr. Fl., Malad Shopping Centre, B-Bldg., Behind S. V. Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 'AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the facility of the transferor to pay tax moder the said Act. in respect of any income arising from the transfer; said/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessed property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the aequisition of the said property nay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground Floor, Malad Shopping Centre, B-Bldg., Behind S. V. Road, Malad (W). Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22680/85-86 on 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Date: 13-2-1986

FORM ITNS ---

(1) Shri R, Srinivasan & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Chembur Estates & Investment Pvt. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.III/37EE, 22752/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 104, 1st floor, Wadala Ghatkopar Road, Village Borla, Deonar, Bombay-88.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The torms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose: of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ter 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Wadala Ghatkopar Road, Village Borla, Deonar, Bombay-88.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/22752/85-86 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

138-16 GI/86

Date: 28-2-1986

PORM ITNS--

(1) Smt. Sheela N. Hiranandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arjun B. Hardasani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.III/37EE/22686/85-86.—Whereas. J. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, Building No. 8A, M.G. Nagar, Chembur, Bombay-74.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any roneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Building No. 8A, M.G. Nagar, Chembur, Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. II1/37EE/22686 85-86 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :--

Date : 28-2-1986 Seal ;

FORM TING

(1) Smt. Vimla S. Moktali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mohinbai R. Rathod.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR. III/AKHILESH_PRASAD, AR. III/37EE/22827 85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 524, Yadukul C.H.S.L. Survodaya Estate, Postal Colony, Chembur, Bombay. Situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule ancexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties two not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-192 Act, 1957 (27 of 1957)1

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the ressective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiestion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5/24, Yadukul C.H.S.L. Survodaya Estate, Postal Colony, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/22827/85-86 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sereons namely :-

Dato: 28-2-1986

FORM ITNS-

(1) Shri Noor Mohamed A. Premjee

(Transferor)

(2) Smt. S. Nadarajan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.III/37EE/22484/85-86.—Whereas. I,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 25. Majithia Industrial Estate, Deonar, Bombay-88

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that no consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of number with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-zection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Gala No. 25, Majithia Industrial Estate, Deconar, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/22484/85-86 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Date: 28-2-1986

FORM ITNS

(1) Mr. M. K. Raman.

(Transferor)

(2) Mrs. Shanti A. Pai,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.III/37EE/22005/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bungalow No. 13, ground floor, Mihised Co. op. Housing Society Ltd., Gulab View, C.P. Gidwani Road, Chembur, Bombay-74.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unaster with the object of:—

- (3) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957-(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires litters
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bungalow No. 13, ground floor, Mihised Co. op. Housing Society Ltd., Gulab View, C.P. Gidwani Road, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/22005/85-86 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Ganga Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 249D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anil Somnath Dhawan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR.1II/37EE/22304/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Iscome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bertinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 701/B, Building No. B, Behind Atur Park, Sion Trombay Road, Chembur. Bombay-71.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 701/B, Building No. 8, Behind Atur Park, Slon Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22304/85-86 dt. 1-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 19-2-1986

(1) M/s. Ganga Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Umprakash Karmehand Sindhna & Ors. (Transièree)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition o the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22305/85-86.--Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201/G, Building No. 9, Behind Atur Park, Sion Trombay Road. Chembur, Bombay-71.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 201/G, Building No. 9, Behind Atur Park, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22305|85-86 dt. 1-7-1985.

AKHILFSH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-2-1986

Sept :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (41 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22307/85-86,—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bungalow No. 17, Luv Kush Apartments, 8th Road, Sindhi

Society, Chembur, Bombay-74.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Kukreja Construction Co.

(Transferor)

(2) Miss Arundhati P. Pimple & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Bungalow No. 17, Luv Kush Apartments, 8th Road, Sindhi Society, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22307/85-86 dt. 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay

Date: 19-2-1986

FORM ITNS----

- (1) Mr. Sunkersett & Pitale.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anil S. Sawant & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMPLTAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1986

Ref. No. AR.III/37EE/22249/85-86.—Whereas. I, AKHILESH PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the lecome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 8, Opp. Mehta Industrial Estate, D. P. Road, Malad (W), Bombay-64.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Opp. Mehta Industrial Estate, D. P. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR,III/37EE/22249/85-86 dated 1-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nervous, namely:—
139—16 GI 86

Date: 5-3-1986

(1) M/s. Sankersett & Pitale, (2) Mr. Karim M. Bhuriwala.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 5th March 1986

Ref. No. AR.III/37EE/22250/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 5. Opp. Mehta Industrial Estate, D. P. Road, Malad (W), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Opp. Mehta Industrial Estate, D. P. Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/22250/85-86 dated 1-7-1985.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Date: 5-3-1986

- (1) M/s. Ganga Developers.
- (Transferor)
- (II ansiero)

(2) Mr. Somnath Ramlal Dhawan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TANK ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1986

Ref. No. AR.III/37EE/22240/85-86.—Whereas, I. AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 702, Buuilding No. 8, Ganga Developers, Behind Atur Park, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71. situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Au, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, Building No. 8, Ganga Developers, Behind Atur Park, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22240/85-86 dt. 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

- (1) Shri Jagdish A. Patel.
- (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harishbhai M. Patel. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 20th February 1986

Rof. No. AR.III/37EE/22734/85-86.—Whereas, 1.

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shed No. 2, Ram Mandir Industrial Estate. Plot No. 1B, S. No. 14 & 15, H. No. 37, Ram Mandir Road, Goregaon (E),

Bombay-63.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair markket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shed No. 2, Ram Mandir Industrial Estate. Plot No. 1B, S. No. 14 & 15, H. No. 37, Ram Mandir Road, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR, III/37EE/22734/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 20-2-1986

(1) Sh. Pramod N. Kedia & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Shivaram G. Shetty.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 14th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22204/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Elat No. 74. 7th floor, Tirupati Apartments, Lala Devidayal Cross Road, Mulund

(W), Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85, for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 74, 7th floor, Tirupati Apts., Lala Devidayal X Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22204/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 14-2-1986

Scal;

(1) M/s. Kreda Investment Pvt. Ltd,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Mahesh G. Vatiani & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 3rd March 1986

Rcf. No. AR.III/37EE/22798/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. 414, 4th fl. Darshana Apartments, Sane Guruji Nagar, Navghar, 90 D.P. Road, Mulund (E), Bombay-81.

Multind (E), Bombay-81.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 414, 4th fl., Darshana Apartments, Sane Guruji Nagar, Navghat, 90 D.P. Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE 22798/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRAS (1),
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 3-3-1986

Scal:

(1) M/s. Hem Decord.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M.'s. Ganesh Enterprises,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 19th February 1986

AR.HI/37EE/22931/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 26, 2nd 'floor, Rupal Indl. Estate, Bhatwadi, Ghatkepar (W), Bombay-86, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the correspond in registered under the correspond in the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-7-85.

on 30-7-85.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the property and the state of the such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration to ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall h ve the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 26, 2nd floor, Rural Indl. Estate, Bhatwadi, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37FE/22931/85-86 dated 30-7-1985.

AKHILESH PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons namely:---

Dated: 19-2-1986

Scat :

(1) Hemlata M. Doshi & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Anita Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 5th March 1986

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sax Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/22537/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E/13, Inamdar Private Layout, Village Valani, Malad (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under reason 260AB of the Incometax Act. 61 in the Office of

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to nav tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) fact) itating the concealment of any mooses or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Piece of land bearing No. E/13, Inamdar Layout Of Linking Road, Opp. Ushma Nagar, Mithchowkie, Malac (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competer Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/22537/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAI Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income.
Acquisition Range-III, Bonba

Now Percelore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arrorsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-3-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Rasiklal S. Shah & Ors.

(Transferor)

- 11-

() Keshavji M. Shah & Ors,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 18th February 1986

Ref. No. AR.III/37EE/22751/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, Ref. No. AR.III/3/EE/2/13/03-06.—whiteas, 1, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, Plot No. 171, Ghatkopar Kailash Vihar C.H.S. Ltd., J.V. Road, Ghatkopar (W), Bombay-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-t of transfer with the object of—

and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in mapeet of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 3, plot No. 171, Ghatkopar Kailash Vihar C.H.S. Ltd. J. V. Road, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/22751/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under Subscition (1) of Section 269D of the said Act, to the following risons, namely:

1. P.0—16 GI/86

Dated: 18-2-1986

Scal:

FORM ITNS---

(1) Sh. D. J. Shah.

(Transfero

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Purnima D. Shah,

(Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22071/85-86.—Whereas, 1, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-1, ground floor, Bhagirath Apt., J.P. Road No. 5, Goregaon (E), Bombay-63. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-1, ground floor. Bhagirath Apt., J.P. Road No. 5, Goregaon (E), Bombay-63.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A-1, ground floor, Bhagirath Apt., J.P. Road No. 5, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Compete Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22071 85-1 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRAS Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range-III, Bomba

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 6-2-1986.

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) Lawrence L. Alva.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Laxman B. Thakur.

('Transferee)

FIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22073/85-86.—Whereas, I, KHILESH PRASAD, ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act), have reason to believe that the immoveable operty, having a fair market value exceeding

operty, having a rain market value ext 5, 1,00,000/- and bearing No. at No. 1, Bldg. No. 18-A, A wing, alshan Co.op. Hog. Soc. Ltd., kuldham, Gorcaon (E), Bombay-63

and more fully described in the schedule annexed hereto),

been transferred and the agreement is registered under
ion 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of

Competent Authority at Bombay on 1-7-85

Competent Authority at Bombay on 1-7-85
an apparent consideration which is less than the fair sket value of the aforesaid property, and I have reason to leve that the fair market value of the property as aforeseeds the apparent consideration therefor by more than non per cent of such apparent consideration and that the adderation for such transfer as agreed to between the mass not been truly stated in the said instrument of with the object of improvements.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herers as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1923) or the end Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Bldg. No. 18-A, A wing, Gulshan CHSL., Gokuldham, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/22073/85 86 dated 1-7-1985.

w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the seal'd property by the issue of this notice ander subyou (1) of Section 269D of the said Act, to the followhow one, namely:—

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range-III, Bomb. A.

Dated: 6-2-1986.

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. M. D. Parmar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. C. A. Mungekar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-III/37EE/22157/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 101, B Wing, Bldg. No. B-42, S. No. 34 H. No. 2(pt), S. No. 35 Dindoshi, Goregaon (E), Bombay-62. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 101, B wing, Bldg. No. B-42, S. No. 34, F No. 2 (pt.) & S. No. 35, Dindoshi, Goregaon (E), Bomba.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IIT/37EE/22157/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of IncometaAcquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 6-2-1986.

FORM LT.N.S.—

(1) Damji Raghavji Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF / INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Arian Karsan Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 5th March 1986

Ref. 140. AR.III/37EE/22619/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 2, Laxmi Shopping Centre, Un. of J.V. Road, and H.D. Road, Ghatkopar, Bombay. 86.

Bombay 86.

and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filtern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) Jacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Laxmi Shopping Centre, Jn. of J.V. Road, and H.D. Road, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/22619/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 5-3-1986

(1) Shantabai Pragji Khimji & Ors.

(Transferor)

(2) Raj Rajeshwari Enterprise

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR. III/37EE/21963 & 21970 85-86.—Whereas, I, AKIIILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1 and & Bldg. thereon at 643 & 644(i) House No. 129/130,

Khimji Lane, M.G. Road, Ghatkopar (E), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid axceeds the apparent consideration, therefor, by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building thereon at 643 & 644(1), House No. 129/130, Khimji Lane, M.G. Road. Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Compotent Authority, Bombay under Sr. No. A. III/37EE/21963 & 21970/85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :--

Dated: 28-2-1986.

(1) Mr. S. V. Ghanekar & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Supreme Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 5th March 1986

Ref. No. AR.III/37EE/22431/85-86.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaiter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece and parcel of land with structure at Ghatkopar, S. No. 38A, H. No. 1 S. No. 170 H. No. 3, Ghatkopar, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evacion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer; illid for
- (b) facilitating the conseculment of any knowne or any memorys or other meets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Imilian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in persuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gametre.

Explanation:—The terms and expressions used herein avare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land with structure bearing S. No. 38-A. H. No. 1, S. No. 170, H.N. 3, S. No. 171, H. No. 7/7, at Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37EE/22431|85-86 dated 1-7-1985.

AKHILESH PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 5-3-1986.

Scal:

(1) M/s. Pal Goods Transport Company, C. A. Road, Nagpur.

(Transferor

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Nandkishore Properties, 32, C. A. Road, Nagpur.

ansferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHEMBERS, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 10th March 1986

No. IAC/Acq/44/24/85-86.—Whereas, 1,

M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Trust Plot No. 219, M.H. No. 832, D. No. III, C. No. 11/16 W. No. 21 Area of Plot 46,050/- Sq ft. Temporary Shed 2000/- Sq ft. Small Factory Area, Nagpur (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer or in this office at Nagpur on 3-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid p operty, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the ato-esaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inverested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the and los

THE SCHEDULE

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 /27 of 1957);

Trust Plot No., 219. M.H. No. 832. Dn. No. III, C. No. 11/16 Ward No. 21, Area of plot 46050/- Sq. ft. Temporary Shed 2000/- Sq. ft. Small Factory Area, Nagpur.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income hax
Acquisition Range, Natur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1986

Scal :

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS TELES, 1985